

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ९ / १६ · Volume 9 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मैथिली साहित्यक कालक्रम — विदेह क्विज	२०० प्रश्न
२. Videha QUIZ कृष्णजन्म (मनबोध)	१४० प्रश्न
३. Videha QUIZ गोविन्ददास भजनावली (१-५०)	१४० प्रश्न
४. Videha QUIZ मैथिली भाषा मे अनुसंधानक रुझान आ समकालीन लेखन	१४० प्रश्न
५. Videha QUIZ मिथिलाभाषा रामायण-चन्द्रा झा (सुन्दरकाण्ड)	१४० प्रश्न
६. Videha QUIZ कीचकवध (तन्त्रनाथ झा)	१४० प्रश्न
७. Videha QUIZ दत्त-वती (सुरेश झा 'सुमन')	१४० प्रश्न
८. Videha QUIZ चित्रा (यात्री)	१४० प्रश्न
९. Videha QUIZ समकालीन मैथिली कविता (साहित्य अकादमी)	१४० प्रश्न
१०. Videha QUIZ मैथिली कथा-संग्रह (मैथिली अकादमी)	१४० प्रश्न
११. Videha QUIZ खट्टर काकाक तरंग (हरिमोहन झा)	१४० प्रश्न
१२. Videha QUIZ पृथ्वीपुत्र (ललित)	१४० प्रश्न
१३. मिथिला-भाषा रामायण — चन्द्रा झा : सुन्दरकाण्ड मात्र — विदेह क्विज	७०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मैथिली साहित्यक कालक्रम — विदेह क्विज

s9

१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?
 - (A) स्मृति-आधारित गद्य
 - (B) अनुभवक नय केन्द्र
 - (C) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
 - (D) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (2)
 - (A) केवल पन्नाक रंग
 - (B) केवल आवरणक चमक
 - (C) केवल छपाइक आकार
 - (D) कथात्मक विस्तार
३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)
 - (A) साहित्यिक विकासक संकेत
 - (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
 - (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
 - (D) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)
 - (A) खेतीक बीजक दर
 - (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
 - (C) रेल-किराया
 - (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (5)
 - (A) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
 - (B) स्मृति-आधारित गद्य
 - (C) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
 - (D) अनुभवक नय केन्द्र
६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?
 - (A) अनुभवक नय केन्द्र
 - (B) आधुनिक गीतधारा
 - (C) स्मृति-आधारित गद्य
 - (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (7)
 - (A) केवल छपाइक आकार
 - (B) केवल पन्नाक रंग
 - (C) छन्द, लय आ भाव
 - (D) केवल आवरणक चमक
८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)
 - (A) अनुभवक नय केन्द्र
 - (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
 - (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
 - (D) साहित्यिक विकासक संकेत

९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

१०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (C) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

११. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) स्मृति-आधारित गद्य
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (D) अनुभवक नय केन्द्र

१२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (12)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) कथात्मक विस्तार

१३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) रेल-किराया
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (15)

- (A) अनुभवक नय केन्द्र
- (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (C) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (D) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग

१६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) अनुभवक नय केन्द्र
- (C) आधुनिक गीतधारा
- (D) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग

१७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (17)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) छन्द, लय आ भाव
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

१८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

२०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (20)

- (A) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (B) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (C) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान

२१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) आधुनिक गीतधारा
- (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (C) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (D) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप

२२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (22)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) कथात्मक विस्तार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल छपाइक आकार

२३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

२४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

२५. कालक्रमक दृष्टिसे “अनुवाद” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (25)

- (A) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (B) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (C) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान

२६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (B) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (C) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (D) आधुनिक गीतधारा

२७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (27)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) छन्द, लय आ भाव
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

२८. “स्त्री-लेखन” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

२९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

३०. कालक्रमक दृष्टिसे “प्रवासी लेखन” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (30)

- (A) स्मृति-आधारित गद्य
- (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (C) आधुनिक गीतधारा
- (D) अनुभवक नय केन्द्र

३१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) आधुनिक गीतधारा
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) स्मृति-आधारित गद्य
- (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान

३२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (32)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) कथात्मक विस्तार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

३३. “आलोचना” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन

३४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

३५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) स्मृति-आधारित गद्य
- (D) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन

३६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (B) अनुभवक नय केन्द्र
- (C) आधुनिक गीतधारा
- (D) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

३७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (37)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) छन्द, लय आ भाव

३८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) अनुभवक नय केन्द्र
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

३९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

४०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (C) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (D) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य

४१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) अनुभवक नय केन्द्र
- (B) आधुनिक गीतधारा
- (C) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (D) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग

४२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (42)

- (A) कथात्मक विस्तार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

४३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

४४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

४५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (C) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (D) आधुनिक गीतधारा

४६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (B) आधुनिक गीतधारा
- (C) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (D) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन

४७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (47)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) छन्द, लय आ भाव
- (D) केवल छपाइक आकार

४८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

४९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

५०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (B) आधुनिक गीतधारा
- (C) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति

५१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति

५२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (52)

- (A) केवल पन्नाक रंग
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) कथात्मक विस्तार
- (D) केवल आवरणक चमक

५३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन

५४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

५५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (B) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (C) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (D) स्मृति-आधारित गद्य

५६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (B) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (C) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (D) आधुनिक गीतधारा

५७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (57)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) छन्द, लय आ भाव
- (D) केवल पन्नाक रंग

५८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) अनुभवक नय केन्द्र
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

५९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

६०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (B) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति

६१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (C) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (D) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग

६२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (62)

- (A) कथात्मक विस्तार
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल आवरणक चमक

६३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

६४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

६५. कालक्रमक दृष्टिसे “अनुवाद” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (65)

- (A) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (B) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (C) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान

६६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (B) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (C) आधुनिक गीतधारा
- (D) स्मृति-आधारित गद्य

६७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (67)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल पन्नाक रंग
- (C) छन्द, लय आ भाव
- (D) केवल छपाइक आकार

६८. “स्त्री-लेखन” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) अनुभवक नय केन्द्र

६९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

७०. कालक्रमक दृष्टिसे “प्रवासी लेखन” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (70)

- (A) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (B) अनुभवक नय केन्द्र
- (C) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (D) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य

७१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) स्मृति-आधारित गद्य
- (D) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

७२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसे उपयोगी अछि? (72)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) कथात्मक विस्तार
- (D) केवल पन्नाक रंग

७३. “आलोचना” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन

७४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

७५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग

७६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) आधुनिक गीतधारा
- (B) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग

७७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसेँ उपयोगी अछि? (77)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) छन्द, लय आ भाव

७८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) अनुभवक नय केन्द्र
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

७९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) रेल-किराया
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

८०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) आधुनिक गीतधारा
- (B) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (C) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति

८१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (B) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (C) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (D) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप

८२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (82)

- (A) कथात्मक विस्तार
- (B) केवल छपाइक आकार
- (C) केवल आवरणक चमक
- (D) केवल पन्नाक रंग

८३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) साहित्यिक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

८४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

८५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) स्मृति-आधारित गद्य
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान

८६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) आधुनिक गीतधारा
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति

८७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (87)

- (A) केवल आवरणक चमक
- (B) छन्द, लय आ भाव
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

८८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

८९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

९०. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (B) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
- (C) अनुभवक नय केन्द्र
- (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति

९१. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “आधुनिक मुक्तक-काव्य” क महत्त्व की अछि?

- (A) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
- (D) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

९२. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (92)

- (A) कथात्मक विस्तार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) केवल छपाइक आकार

९३. “आलोचना” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

९४. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “संस्मरण” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

९५. कालक्रमक दृष्टिसँ “अनुवाद” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान
- (B) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (C) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (D) सामाजिक न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

९६. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवाद मे “नवगीत” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यक विवेचन आ मूल्यांकन
- (B) लम्बा कथात्मक वा विचार-प्रधान काव्य
- (C) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (D) आधुनिक गीतधारा

९७. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक कालक्रम बुझबा लेल कोन बात सभसँ उपयोगी अछि? (97)

- (A) केवल छपाइक आकार
- (B) केवल आवरणक चमक
- (C) केवल पन्नाक रंग
- (D) छन्द, लय आ भाव

९८. “स्त्री-लेखन” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) अनुभवक नय केन्द्र
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

९९. आधुनिक कविता, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादमे “दलित-पिछड़ल स्वर” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

१००. कालक्रमक दृष्टिसँ “प्रवासी लेखन” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) छन्द-लय आ भावक आधुनिक प्रयोग
- (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप
- (C) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति
- (D) स्मृति-आधारित गद्य

s10

१०१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (B) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (C) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (D) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता

१०२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू! (1)

- (A) विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर → विद्यापति → ज्योतिरीश्वर
- (B) विद्यापति → ज्योतिरीश्वर → विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर
- (C) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका
- (D) मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका → ज्योतिरीश्वर → विद्यापति

१०३. “साहित्य अकादेमी” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (3)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१०४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (4)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

१०५. कालक्रमक दृष्टिसे “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (5)

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (C) प्रसारक नय रूप
- (D) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा

१०६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१०७. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (2)

- (A) आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक → पदावली → वर्णरत्नाकर
- (B) कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका → वर्णरत्नाकर → पदावली
- (C) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका
- (D) पदावली → वर्णरत्नाकर → आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक

१०८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (8)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१०९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (9)

- (A) रेल-किराया
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

११०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (10)

- (A) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (B) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (C) प्रसारक नय रूप
- (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन

१११. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

११२. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (3)

- (A) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख
- (B) ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति → डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा
- (C) हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख → विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर
- (D) डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा → ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति

११३. “साहित्य अकादेमी” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (13)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता

११४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (14)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

११५. कालक्रमक दृष्टिसे “डिजिटल अभिलेख” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (15)

- (A) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (B) वेब-आधारित संरक्षण
- (C) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार

११६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) मुख्यधारासे बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (B) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम

११७. कालक्रमक दृष्टिसे सही क्रम चुनू! (4)

- (A) विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल → ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास
- (B) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज
- (C) ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास → विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल
- (D) आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज → अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली

११८. “लिपि-डिजिटलीकरण” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (18)

- (A) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

११९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (19)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१२०. कालक्रमक दृष्टिसे “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” के कोन सन्दर्भसे जोड़ल जाएत? (20)

- (A) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (B) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (C) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (D) मुख्यधारासे बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन

१२१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (C) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार

१२२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (5)

- (A) मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका → ज्योतिरीश्वर → विद्यापति
- (B) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका
- (C) विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर → विद्यापति → ज्योतिरीश्वर
- (D) विद्यापति → ज्योतिरीश्वर → विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर

१२३. “साहित्य अकादेमी” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (23)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१२४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (24)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१२५. कालक्रमक दृष्टिसँ “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (25)

- (A) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (B) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (C) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१२६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार

१२७. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (6)

- (A) पदावली → वर्णरत्नाकर → आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक
- (B) कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका → वर्णरत्नाकर → पदावली
- (C) आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक → पदावली → वर्णरत्नाकर
- (D) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका

१२८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (28)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१२९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (29)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१३०. कालक्रमक दृष्टिसँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (30)

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) वेब-आधारित संरक्षण
- (D) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम

१३१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) वेब-आधारित संरक्षण
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१३२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (7)

- (A) हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख → विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर
- (B) ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति → डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा
- (C) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख
- (D) डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा → ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति

१३३. “साहित्य अकादेमी” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (33)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१३४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (34)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) खेतीक बीजक दर
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

१३५. कालक्रमक दृष्टिसँ “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (35)

- (A) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१३६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१३७. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (8)

- (A) विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल → ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास
(B) आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज → अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली
(C) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज
(D) ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास → विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल

१३८. “लिपि-डिजिटलीकरण” कें कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (38)

- (A) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
(B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
(C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
(D) साहित्यिक विकासक संकेत

१३९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (39)

- (A) खेतीक बीजक दर
(B) रेल-किराया
(C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
(D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

१४०. कालक्रमक दृष्टिसँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” कें कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (40)

- (A) प्रसारक नय रूप
(B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
(C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
(D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन

१४१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
(B) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
(C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
(D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन

१४२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (9)

- (A) विद्यापति → ज्योतिरीश्वर → विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर
(B) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका
(C) विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर → विद्यापति → ज्योतिरीश्वर
(D) मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका → ज्योतिरीश्वर → विद्यापति

१४३. “साहित्य अकादेमी” कें कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (43)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
(B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
(C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
(D) साहित्यिक विकासक संकेत

१४४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (44)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
(B) रेल-किराया
(C) खेतीक बीजक दर
(D) सोना-चाँदीक बाजार-भाव

१४५. कालक्रमक दृष्टिसे “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (45)

- (A) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (B) प्रसारक नय रूप
- (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१४६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता

१४७. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (10)

- (A) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका
- (B) आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक → पदावली → वर्णरत्नाकर
- (C) पदावली → वर्णरत्नाकर → आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक
- (D) कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका → वर्णरत्नाकर → पदावली

१४८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (48)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१४९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (49)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) खेतीक बीजक दर

१५०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (50)

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) मुख्यधारासेँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (D) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा

१५१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (C) मुख्यधारासेँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (D) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार

१५२. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (11)

- (A) डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा → ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति
- (B) हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख → विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर
- (C) ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति → डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा
- (D) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख

१५३. “साहित्य अकादेमी” के कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (53)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

१५४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (54)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

१५५. कालक्रमक दृष्टिसेँ “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (55)

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) प्रसारक नय रूप
- (C) मुख्यधारासेँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (D) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार

१५६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) मुख्यधारासेँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१५७. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (12)

- (A) ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास → विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल
- (B) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज
- (C) विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल → ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास
- (D) आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज → अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली

१५८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (58)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१५९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (59)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

१६०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (60)

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) प्रसारक नय रूप
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) मुख्यधारासेँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन

१६१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (B) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१६२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू! (13)

- (A) विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर → विद्यापति → ज्योतिरीश्वर
- (B) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका
- (C) मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका → ज्योतिरीश्वर → विद्यापति
- (D) विद्यापति → ज्योतिरीश्वर → विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर

१६३. “साहित्य अकादेमी” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (63)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना

१६४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (64)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (D) रेल-किराया

१६५. कालक्रमक दृष्टिसँ “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (65)

- (A) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (B) वेब-आधारित संरक्षण
- (C) प्रसारक नय रूप
- (D) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच

१६६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (B) वेब-आधारित संरक्षण
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता

१६७. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू! (14)

- (A) पदावली → वर्णरत्नाकर → आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक
- (B) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका
- (C) आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक → पदावली → वर्णरत्नाकर
- (D) कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका → वर्णरत्नाकर → पदावली

१६८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (68)

- (A) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१६९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (69)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१७०. कालक्रमक दृष्टिसँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (70)

- (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) प्रसारक नय रूप

१७१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (B) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार

१७२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (15)

- (A) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख
- (B) डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा → ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति
- (C) ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति → डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा
- (D) हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख → विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर

१७३. “साहित्य अकादेमी” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (73)

- (A) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (B) साहित्यिक विकासक संकेत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

१७४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (74)

- (A) खेतीक बीजक दर
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) रेल-किराया

१७५. कालक्रमक दृष्टिसँ “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (75)

- (A) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (C) वेब-आधारित संरक्षण
- (D) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता

१७६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा

१७७. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (16)

- (A) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज
- (B) ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास → विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल
- (C) आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज → अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली
- (D) विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल → ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास

१७८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (78)

- (A) साहित्यिक विकासक संकेत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१७९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (79)

- (A) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

१८०. कालक्रमक दृष्टिसँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (80)

- (A) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (B) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन

१८१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (C) प्रसारक नय रूप
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१८२. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू। (17)

- (A) मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका → ज्योतिरीश्वर → विद्यापति
- (B) विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर → विद्यापति → ज्योतिरीश्वर
- (C) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका
- (D) विद्यापति → ज्योतिरीश्वर → विदेह ई-पत्रिका → मिथिला मिहिर

१८३. “साहित्य अकादेमी” केँ कालक्रममे गलत ढंगसँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (83)

- (A) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (B) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१८४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (84)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) रेल-किराया
- (D) खेतीक बीजक दर

१८५. कालक्रमक दृष्टिसे “डिजिटल अभिलेख” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (85)

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (C) भाषिक अधिकार आ प्रतिष्ठा
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१८६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (B) प्रसारक नय रूप
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच

१८७. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (18)

- (A) आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक → पदावली → वर्णरत्नाकर
- (B) कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका → वर्णरत्नाकर → पदावली
- (C) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका
- (D) पदावली → वर्णरत्नाकर → आधुनिक ई-पत्रिका → कीर्तनिया नाटक

१८८. “लिपि-डिजिटलीकरण” केँ कालक्रममे गलत ढंगसेँ कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (88)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग
- (D) साहित्यिक विकासक संकेत

१८९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (89)

- (A) रेल-किराया
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल

१९०. कालक्रमक दृष्टिसेँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” केँ कोन सन्दर्भसेँ जोड़ल जाएत? (90)

- (A) अनुसंधान आ आलोचनाक आधार
- (B) मुख्यधारासेँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (C) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार

१९१. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विद्यालय आ पाठ्यक्रम” क महत्त्व की अछि?

- (A) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (B) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार
- (D) वेब-आधारित संरक्षण

१९२. कालक्रमक दृष्टिसेँ सही क्रम चुनू। (19)

- (A) डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा → ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति
- (B) ज्योतिरीश्वर → विदेह-जनक स्मृति → डिजिटल अभिलेख → हरिमोहन झा
- (C) हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख → विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर
- (D) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख

१९३. “साहित्य अकादेमी” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (93)

- (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) भाषा-संस्कृतिक स्रोत

१९४. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “संवैधानिक मान्यता” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (94)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) रेल-किराया
- (C) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (D) खेतीक बीजक दर

१९५. कालक्रमक दृष्टिसँ “डिजिटल अभिलेख” के कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (95)

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम
- (C) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार

१९६. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युग मे “विदेह ई-पत्रिका” क महत्त्व की अछि?

- (A) वेब-आधारित संरक्षण
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच
- (D) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम

१९७. कालक्रमक दृष्टिसँ सही क्रम चुनू! (20)

- (A) विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल → ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास
- (B) ऑडियो-विजुअल क्विज → आधुनिक उपन्यास → विद्यापति पदावली → अवहट्ट धरातल
- (C) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज
- (D) आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज → अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली

१९८. “लिपि-डिजिटलीकरण” के कालक्रममे गलत ढंगसे कोन रूपमे नहि देखबाक चाही? (98)

- (A) भाषा-संस्कृतिक स्रोत
- (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना
- (C) साहित्यिक विकासक संकेत
- (D) तिरहुता आ देवनागरीक डिजिटल उपयोग

१९९. संस्था, मान्यता आ डिजिटल युगमे “ई-पुस्तक” क अध्ययन कोन प्रश्नक उत्तर देबामे सहायक होइत अछि? (99)

- (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल
- (B) सोना-चाँदीक बाजार-भाव
- (C) खेतीक बीजक दर
- (D) रेल-किराया

२००. कालक्रमक दृष्टिसँ “समानान्तर इतिहास-दृष्टि” के कोन सन्दर्भसँ जोड़ल जाएत? (100)

- (A) प्रसारक नय रूप
- (B) राष्ट्रीय साहित्यिक मान्यता
- (C) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन
- (D) सुनि-देखि सीखबाक माध्यम

१. (D) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
२. (D) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।
५. (C) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान — अनुवादसँ मैथिली पाठक अन्य भाषाक साहित्यसँ जुड़ैत अछि आ मैथिली अभिव्यक्ति समृद्ध होइत अछि।
६. (B) आधुनिक गीतधारा — नवगीत पारम्परिक गेयता आ आधुनिक जीवन-बोधक मेल बनबैत अछि।
७. (C) छन्द, लय आ भाव — मैथिली गजल आधुनिक काव्य-प्रयोगक एक स्वरूप रूपमे देखल जाइत अछि।
८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — स्त्री-लेखन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक साहित्यमे वंचित समूहक अनुभव इतिहासक नय दृष्टि दैत अछि।
१०. (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति — प्रवास मैथिली साहित्यमे स्मृति, भाषा-चिन्ता आ पहचानक प्रश्न जोड़ैत अछि।
११. (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
१२. (D) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
१३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।
१५. (C) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान — अनुवादसँ मैथिली पाठक अन्य भाषाक साहित्यसँ जुड़ैत अछि आ मैथिली अभिव्यक्ति समृद्ध होइत अछि।
१६. (C) आधुनिक गीतधारा — नवगीत पारम्परिक गेयता आ आधुनिक जीवन-बोधक मेल बनबैत अछि।
१७. (B) छन्द, लय आ भाव — मैथिली गजल आधुनिक काव्य-प्रयोगक एक स्वरूप रूपमे देखल जाइत अछि।
१८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — स्त्री-लेखन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक साहित्यमे वंचित समूहक अनुभव इतिहासक नय दृष्टि दैत अछि।
२०. (A) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति — प्रवास मैथिली साहित्यमे स्मृति, भाषा-चिन्ता आ पहचानक प्रश्न जोड़ैत अछि।
२१. (D) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
२२. (B) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
२३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।
२५. (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान — अनुवादसँ मैथिली पाठक अन्य भाषाक साहित्यसँ जुड़ैत अछि आ मैथिली अभिव्यक्ति समृद्ध होइत अछि।
२६. (D) आधुनिक गीतधारा — नवगीत पारम्परिक गेयता आ आधुनिक जीवन-बोधक मेल बनबैत अछि।
२७. (B) छन्द, लय आ भाव — मैथिली गजल आधुनिक काव्य-प्रयोगक एक स्वरूप रूपमे देखल जाइत अछि।
२८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — स्त्री-लेखन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
२९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक साहित्यमे वंचित समूहक अनुभव इतिहासक नय दृष्टि दैत अछि।
३०. (B) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति — प्रवास मैथिली साहित्यमे स्मृति, भाषा-चिन्ता आ पहचानक प्रश्न जोड़ैत अछि।
३१. (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
३२. (B) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
३३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
३४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।

- 29

७१. (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
७२. (C) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
७३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।
७५. (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान — अनुवादसँ मैथिली पाठक अन्य भाषाक साहित्यसँ जुड़ैत अछि आ मैथिली अभिव्यक्ति समृद्ध होइत अछि।
७६. (A) आधुनिक गीतधारा — नवगीत पारम्परिक गेयता आ आधुनिक जीवन-बोधक मेल बनबैत अछि।
७७. (D) छन्द, लय आ भाव — मैथिली गजल आधुनिक काव्य-प्रयोगक एक स्वरूप रूपमे देखल जाइत अछि।
७८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — स्त्री-लेखन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
७९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक साहित्यमे वंचित समूहक अनुभव इतिहासक नय दृष्टि दैत अछि।
८०. (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति — प्रवास मैथिली साहित्यमे स्मृति, भाषा-चिन्ता आ पहचानक प्रश्न जोड़ैत अछि।
८१. (D) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
८२. (A) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
८३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
८४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।
८५. (D) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान — अनुवादसँ मैथिली पाठक अन्य भाषाक साहित्यसँ जुड़ैत अछि आ मैथिली अभिव्यक्ति समृद्ध होइत अछि।
८६. (A) आधुनिक गीतधारा — नवगीत पारम्परिक गेयता आ आधुनिक जीवन-बोधक मेल बनबैत अछि।
८७. (B) छन्द, लय आ भाव — मैथिली गजल आधुनिक काव्य-प्रयोगक एक स्वरूप रूपमे देखल जाइत अछि।
८८. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — स्त्री-लेखन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
८९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक साहित्यमे वंचित समूहक अनुभव इतिहासक नय दृष्टि दैत अछि।
९०. (D) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति — प्रवास मैथिली साहित्यमे स्मृति, भाषा-चिन्ता आ पहचानक प्रश्न जोड़ैत अछि।
९१. (B) व्यक्तिगत संवेदना आ संक्षिप्त काव्यरूप — मुक्तक कवितामे एक स्वतंत्र भाव, बिम्ब वा विचार केंद्रित रहैत अछि।
९२. (A) कथात्मक विस्तार — प्रबंध-काव्य चरित्र, कथा वा विचारक क्रमबद्ध विस्तार करैत अछि।
९३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — आलोचना साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
९४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — संस्मरण व्यक्ति, समय आ सांस्कृतिक वातावरणक जीवंत चित्र दैत अछि।
९५. (A) भाषा-पुल आ साहित्यिक आदान-प्रदान — अनुवादसँ मैथिली पाठक अन्य भाषाक साहित्यसँ जुड़ैत अछि आ मैथिली अभिव्यक्ति समृद्ध होइत अछि।
९६. (D) आधुनिक गीतधारा — नवगीत पारम्परिक गेयता आ आधुनिक जीवन-बोधक मेल बनबैत अछि।
९७. (D) छन्द, लय आ भाव — मैथिली गजल आधुनिक काव्य-प्रयोगक एक स्वरूप रूपमे देखल जाइत अछि।
९८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — स्त्री-लेखन साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
९९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — आधुनिक साहित्यमे वंचित समूहक अनुभव इतिहासक नय दृष्टि दैत अछि।
१००. (C) स्थान-परिवर्तन आ स्मृति — प्रवास मैथिली साहित्यमे स्मृति, भाषा-चिन्ता आ पहचानक प्रश्न जोड़ैत अछि।
१०१. (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकें व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१०२. (C) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१०३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१०४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
१०५. (A) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकें सुरक्षित करैत अछि।

१०६. (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१०७. (C) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१०८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१०९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
११०. (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१११. (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
११२. (A) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
११३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
११४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
११५. (B) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
११६. (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
११७. (B) अवहट्ठ धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
११८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
११९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१२०. (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१२१. (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१२२. (B) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१२३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१२४. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
१२५. (D) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१२६. (A) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१२७. (D) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१२८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१२९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१३०. (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१३१. (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१३२. (C) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।

१३३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१३४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
१३५. (D) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१३६. (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१३७. (C) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१३८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१३९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१४०. (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१४१. (A) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१४२. (B) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१४३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१४४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
१४५. (D) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१४६. (A) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१४७. (A) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१४८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१४९. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१५०. (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१५१. (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१५२. (D) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१५३. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१५४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
१५५. (A) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१५६. (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१५७. (B) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१५८. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१५९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।

१६०. (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१६१. (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१६२. (B) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१६३. (D) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१६४. (C) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्त्वपूर्ण मान्यता अछि।
१६५. (B) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१६६. (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१६७. (B) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१६८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१६९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१७०. (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१७१. (D) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१७२. (A) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१७३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१७४. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्त्वपूर्ण मान्यता अछि।
१७५. (C) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१७६. (B) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१७७. (A) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१७८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१७९. (B) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१८०. (D) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१८१. (B) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१८२. (C) ज्योतिरीश्वर → विद्यापति → मिथिला मिहिर → विदेह ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१८३. (C) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१८४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्त्वपूर्ण मान्यता अछि।
१८५. (D) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१८६. (D) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।

१८७. (C) वर्णरत्नाकर → पदावली → कीर्तनिया नाटक → आधुनिक ई-पत्रिका — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१८८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१८९. (D) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
१९०. (B) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।
१९१. (C) साहित्यिक शिक्षण-संस्थागत आधार — पाठ्यक्रम लेखक, कृति आ कालक्रमकेँ व्यवस्थित रूपसँ पढ़बाक अवसर दैत अछि।
१९२. (D) विदेह-जनक स्मृति → ज्योतिरीश्वर → हरिमोहन झा → डिजिटल अभिलेख — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१९३. (A) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — साहित्य अकादेमी साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१९४. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — अष्टम अनुसूचीमे स्थान मैथिलीक आधुनिक इतिहासक महत्वपूर्ण मान्यता अछि।
१९५. (A) वेब-आधारित संरक्षण — डिजिटल अभिलेख पुरान अंक, पुस्तक, ध्वनि, चित्र आ प्रश्नोत्तरीकेँ सुरक्षित करैत अछि।
१९६. (C) समकालीन डिजिटल साहित्यिक मंच — विदेह डिजिटल मैथिली साहित्य, क्विज, विशेषांक आ समानान्तर इतिहासक प्रसारक मंच अछि।
१९७. (C) अवहट्ट धरातल → विद्यापति पदावली → आधुनिक उपन्यास → ऑडियो-विजुअल क्विज — साहित्यिक कालक्रममे प्राचीन/आरम्भिक पृष्ठभूमि, मध्यकालीन काव्य-नाटक, आधुनिक छपाइ-गद्य, आ अन्तमे डिजिटल माध्यमक क्रम बनैत अछि।
१९८. (B) असम्बद्ध आधुनिक तकनीकी घटना — लिपि-डिजिटलीकरण साहित्यिक इतिहाससँ जुड़ल अछि; एकरा असम्बद्ध तकनीकी घटना मानब गलत होयत।
१९९. (A) भाषा, समाज आ विधा कोना बदलल — ई-पुस्तक विश्वभरि पाठक धरि मैथिली सामग्री पहुँचबैत अछि।
२००. (C) मुख्यधारासँ बाहरक लोक, विधा आ मंचक अभिलेखन — ई दृष्टि उपेक्षित रचनाकार, लोकविधा, पत्रिका, कला आ मंचकेँ साहित्यिक इतिहासमे स्थान दैत अछि।

अध्याय २ : Videha QUIZ | कृष्णजन्म (मनबोध)

भाग १: कवि परिचय आ काव्य-पृष्ठभूमि

१. मैथिलीक प्रसिद्ध प्रबन्ध-काव्य 'कृष्णजन्म' क रचयिता के छथि?
(A) विद्यापति
(B) चन्दा झा
(C) मनबोध (भोला झा)
(D) गोविन्ददास
२. मनबोधक 'कृष्णजन्म' साहित्यक कोन विधा अन्तर्गत अबैत अछि?
(A) नाटक
(B) प्रबन्ध काव्य (महाकाव्य/खण्डकाव्य)
(C) गीत-संग्रह
(D) गद्य
३. कृष्णजन्म कतेक अध्यायमे विभक्त अछि?
(A) ५
(B) ७
(C) १० (वा ११)
(D) १८
४. मनबोधक कृष्णजन्मक आधार ग्रन्थ (मूल स्रोत) की अछि?
(A) रामायण
(B) महाभारत
(C) श्रीमद्भागवत पुराण (दशम स्कन्ध)
(D) शिव पुराण
५. मनबोधक जन्म मिथिलाक कोन गाममे भेल छल?
(A) बिसपी
(B) जमसम (बाँसक गाछी)
(C) तरौनी
(D) सौराठ
६. कृष्णजन्ममे मुख्य रूप सँ कोन रसक प्रधानता अछि?
(A) शृङ्गार
(B) वीर आ वात्सल्य
(C) करुण
(D) हास्य
७. मनबोधक भाषा-शैलीक सभसँ पैघ विशेषता की अछि?
(A) शुद्ध संस्कृतनिष्ठ
(B) फ़ारसीक प्रयोग
(C) ठेठ मैथिली (गँवई) शब्दावलीक सहज प्रयोग
(D) ब्रजबुलिक प्रयोग
८. मैथिली साहित्यमे 'कृष्णजन्म' केँ ककर समकक्ष मानल जाइत अछि?
(A) तुलसीदासक रामचरितमानस
(B) कालिदासक मेघदूत
(C) कबीरक बीजक
(D) बाणभट्टक कादम्बरी

९. मनबोधक काल (समय) मुख्य रूप से की मानल जाइत अछि?

- (A) १४म शताब्दी
- (B) १८म शताब्दी (१७५० ई. क आस-पास)
- (C) २०म शताब्दी
- (D) १०म शताब्दी

१०. कृष्णजन्ममे कथा कतय से प्रारम्भ होइत अछि?

- (A) कृष्ण-रुक्मिणी विवाह से
- (B) कंस-वध से
- (C) देवकी-वसुदेवक विवाह से
- (D) महाभारत युद्ध से

११. कृष्णजन्ममे कथाक अन्त कतय होइत अछि?

- (A) रास-लीला पर
- (B) महाभारत पर
- (C) कंस-वध आ उग्रसेनक राज्याभिषेक पर
- (D) द्वारिका निर्माण पर

१२. कृष्णजन्मक छन्द मुख्य रूप से की अछि?

- (A) सोरठा
- (B) चौपाई (मात्रिक छन्द)
- (C) कुण्डलिया
- (D) सवैया

१३. मनबोधक काव्यमे 'कृष्ण' के की मानल गेल अछि?

- (A) साधारण ग्वार
- (B) परमेश्वर (विष्णुक अवतार)
- (C) केवल एकटा योद्धा
- (D) एकटा राजा

१४. कृष्णजन्ममे प्रकृति-चित्रण केहन अछि?

- (A) नीरस
- (B) मिथिलाक स्थानीय प्रकृतिक सजीव चित्रण
- (C) काल्पनिक
- (D) संस्कृतक अनुवाद मात्र

१५. कृष्णजन्म काव्यक प्रथम प्रकाशन के केने छलाह?

- (A) जॉर्ज ग्रियर्सन
- (B) उमानाथ झा
- (C) चन्दा झा
- (D) राधाकृष्ण चौधरी

१६. मनबोधक काव्यके पढ़ि कऽ ग्रियर्सन की कहलनि?

- (A) ई नीक नहि अछि
- (B) ई मैथिली भाषाक सर्वोत्कृष्ट कथा-काव्य अछि
- (C) ई हिन्दीक काव्य अछि
- (D) ई गद्य अछि

१७. मनबोध अपन काव्यमे मंगलाचरण (प्रार्थना) सँ पूर्व ककर वन्दना करैत छथि?

- (A) इन्द्रक
- (B) गणेश आ माता सरस्वतीक
- (C) कामदेवक
- (D) यमराजक

१८. मनबोधक 'कृष्णजन्म' क अतिरिक्त आन कोनो काव्य उपलब्ध अछि?

- (A) हँ, बहुत रास
- (B) नहि, केवल कृष्णजन्म हे प्रामाणिक रूप सँ उपलब्ध अछि
- (C) रामायण
- (D) महाभारत

१९. कृष्णजन्मक भाषा-वैज्ञानिक महत्व की अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) मध्यकालीन मैथिलीक ठेठ रूपक अध्ययनक लेल अमूल्य
- (C) संस्कृतक अध्ययन लेल
- (D) उर्दू अध्ययन लेल

२०. कृष्णजन्ममे 'गोप-गोपी' क जीवन कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) राजसी
- (B) पूर्णतः ग्रामीण आ मिथिलाक अहीर/ग्वालक जीवन जकाँ
- (C) संन्यासी जकाँ
- (D) सैनिक जकाँ

भाग २: कंसक अत्याचार आ आकाशवाणी

२१. मथुराक राजा कंस अपन बहिन देवकीक विवाह ककरा सँ करेलक?

- (A) नन्द सँ
- (B) वसुदेव सँ
- (C) अकूर सँ
- (D) उग्रसेन सँ

२२. विवाहक बाद जखन कंस रथ हाँकय लेल बैसल, तखन की भेल?

- (A) रथ टूटि गेल
- (B) आकाशवाणी भेल
- (C) वर्षा होमय लागल
- (D) घोड़ा भागि गेल

२३. आकाशवाणीमे कंसकें की कहल गेल?

- (A) अहाँक मृत्यु नहि हेत
- (B) देवकीक अठम गर्भ (पुत्र) अहाँक वध करत
- (C) अहाँ चक्रवर्ती सम्राट बनब
- (D) अहाँकें राज छोड़य पड़त

२४. आकाशवाणी सुनि कऽ कंसक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) प्रसन्न भेल
- (B) डर सँ काँपय लागल आ देवकीकें मारय लेल खड्ग उठेलक
- (C) रथ सँ कूदि गेल
- (D) सुइत रहल

२५. देवकीक प्राण बचेबाक लेल वसुदेव कंस सँ की प्रतिज्ञा केलनि?

- (A) हम युद्ध करब
- (B) देवकी सँ उत्पन्न सभ सन्तान हम अहाँकें दऽ देब
- (C) हम राज्य छोड़ि देब
- (D) हम धन देब

२६. कंस अपन पिता ककरा बन्दी बना कऽ राजा बनल छल?

- (A) वसुदेवकें
- (B) उग्रसेनकें
- (C) नन्दकें
- (D) अक्रूरकें

२७. वसुदेव अपन पहिल पुत्रकें कंस लग लऽ गेलाह, तखन कंस की केलक?

- (A) तुरन्त मारि देलक
- (B) पहिल पुत्रकें छोड़ि देलक (बादमे नारदक कहलाक बाद मारलक)
- (C) अपना लग रखलक
- (D) पुत्रकें राजा बना देलक

२८. नारद मुनि कंसकें कमल-पुष्पक दृष्टान्त सँ की बुझेलनि?

- (A) कोनो गर्भ अठम भऽ सकैत अछि, अहाँ सभकें मारू
- (B) पुष्प सुन्दर होइछ
- (C) विष्णु अवतार नहि लेताह
- (D) देवकीकें छोड़ि दिअ

२९. कंस देवकी आ वसुदेवकें कतय राखलक?

- (A) राजमहलमे
- (B) कारागार (जेल) मे
- (C) वनमे
- (D) पहाड़ पर

३०. कंस देवकीक कतेक शिशु (पुत्र) कें पाथर पर पटकिकें मारि देलक?

- (A) चारि
- (B) पाँच
- (C) छह
- (D) सात

३१. देवकीक सातम गर्भमे के अवतरित भेलाह?

- (A) कृष्ण
- (B) बलराम (शेषनागक अंश)
- (C) प्रद्युम्न
- (D) अनिरुद्ध

३२. सातम गर्भकें योगमाया (विष्णु-माया) कतय स्थानान्तरित कऽ देलनि?

- (A) मथुरामे
- (B) नन्दक पत्नी यशोदा लग
- (C) गोकुलमे रोहिणी (वसुदेवक दोसर पत्नी) क गर्भमे
- (D) आकाशमे

३३. सातम गर्भक स्थानान्तरणक बाद कंसकें की लागल?

- (A) गर्भ नष्ट भऽ (स्रवित भऽ) गेल
- (B) पुत्र जन्म लेलक
- (C) देवकी भागि गेलीह
- (D) वसुदेव मरि गेलाह

३४. कंसक अत्याचार सँ दुःखी भऽ कऽ पृथ्वी ककर लग गेलीह?

- (A) शिव लग
- (B) इन्द्र लग
- (C) ब्रह्मा लग आ फेर विष्णु लग (गायक रूपमे)
- (D) सूर्य लग

३५. भगवान विष्णु पृथ्वीकें की आश्वासन देलनि?

- (A) हम प्रलय करब
- (B) हम देवकीक गर्भ सँ अवतार लऽ कंसक वध करब
- (C) हम इन्द्रकें पठाएब
- (D) हम किछु नहि करब

३६. अठम गर्भक समय देवकीक मुख-मण्डल केहन भऽ गेल?

- (A) पीयर आ मलिन
- (B) अत्यन्त तेजमय आ प्रकाशवान
- (C) कारी
- (D) रक्तवर्ण

३७. देवकीक तेज देखि कंसकें की अनुभव भेल?

- (A) ई निश्चित रूप सँ हमर काल (विष्णु) अछि
- (B) ई एकटा साधारण शिशु अछि
- (C) ई पुत्री अछि
- (D) ई मरि गेल अछि

३८. कंसक अवस्था अठम गर्भक समय केहन छल?

- (A) ओ निश्चिन्त छल
- (B) ओ उठैत-बैसैत चारू कात विष्णुकें देखैत छल (भयभीत)
- (C) ओ सुइत रहैत छल
- (D) ओ गीत गावैत छल

३९. कारागारक सुरक्षाक लेल कंस की व्यवस्था केलक?

- (A) कोनो सुरक्षा नहि
- (B) भारी ताला, जंजीर आ कठोर रक्षकसभक पहरा
- (C) केवल एकटा पहरेदार
- (D) कुकुरक पहरा

४०. मनबोधक काव्यमे कंसकें ककर प्रतीक मानल गेल अछि?

- (A) धर्मक
- (B) अत्याचार, पाप आ आसुरी प्रवृत्तिक
- (C) भक्तिक
- (D) ज्ञानक

भाग ३: कृष्ण जन्म आ गोकुल प्रस्थान

४१. भगवान कृष्णक जन्म कोन मासमे भेल?

- (A) साओन
- (B) भादो (भाद्रपद)
- (C) आसिन
- (D) कातिक

४२. कृष्ण जन्मक तिथि आ पक्ष की छल?

- (A) शुक्ल पक्ष दशमी
- (B) कृष्ण पक्ष अष्टमी
- (C) पूर्णिमा
- (D) अमावस्या

४३. कृष्ण जन्मक समय कोन नक्षत्र छल?

- (A) अश्विनी
- (B) पुष्य
- (C) रोहिणी
- (D) चित्रा

४४. कृष्णक जन्मक समय वातावरण (मौसम) केहन छल?

- (A) चान्दनी राति
- (B) घनघोर अन्हार आ भयंकर वर्षा (मेघ)
- (C) कड़ा घाम
- (D) सुखद हवा

४५. जन्म लेलाक बाद भगवान वसुदेव-देवकीके कोन रूपमे दर्शन देलनि?

- (A) साधारण शिशु
- (B) चतुर्भुज विष्णु रूप (शंख, चक्र, गदा, पद्म युक्त)
- (C) वृद्ध ब्राह्मण
- (D) वानर रूप

४६. भगवान वसुदेवके की आदेश देलनि?

- (A) हमरा एतय राखू
- (B) हमरा नन्दक घर (गोकुल) पहुँचा दिअ आ ओतय सँ कन्या लेल आबि जाउ
- (C) कंसके मारि दिअ
- (D) हमरा नदीमे फेकि दिअ

४७. भगवानक आदेशक बाद कारागारमे की चमत्कार भेल?

- (A) सभ जाग्रत भऽ गेल
- (B) पहरेदार गहीर निद्रामे सुइत रहल, ताला अपने खुजि गेल आ बेड़ी टूटि गेल
- (C) कारागार खसि पड़ल
- (D) आगि लागि गेल

४८. वसुदेव कृष्णके कतय रखलनि जखन ओ गोकुल लऽ जा रहल छलाह?

- (A) झोरीमे
- (B) सूपमे (माथ पर)
- (C) रथ पर
- (D) घोड़ा पर

४९. बाटमे कोन नदीक भयंकर बाढ़ि छल?

- (A) गंगा
- (B) यमुना
- (C) सरयू
- (D) कोशी

५०. भयंकर वर्षामे कृष्णक रक्षाक लेल पाछाँ सँ के छता जकाँ फन फैलेलक?

- (A) गरुड़
- (B) शेषनाग
- (C) इन्द्र
- (D) कामदेव

५१. यमुना नदीक जल कृष्णकें देखि की केलक?

- (A) वसुदेवकें डुबा देलक
- (B) चरण स्पर्श कऽ कऽ बाट (रास्ता) दऽ देलक
- (C) सुखि गेल
- (D) आगि बनि गेल

५२. गोकुल पहुँचला पर नन्द-भवनक स्थिति की छल?

- (A) सभ जगल छल
- (B) यशोदा सहित सभ गहीर निद्रामे सुतल छल (माया सँ)
- (C) उत्सव भऽ रहल छल
- (D) युद्ध भऽ रहल छल

५३. वसुदेव यशोदाक बगलमे की केलनि?

- (A) कृष्णकें राखि कऽ ओतय सँ नवजात कन्या (योगमाया) कें उठा लेलनि
- (B) पुत्र लऽ कऽ भागि गेलाह
- (C) यशोदाकें जगा देलनि
- (D) ओतय बैसि गेलाह

५४. मथुरा घुरलाक बाद कारागारमे की भेल?

- (A) सभ पहरेदार जगि गेल
- (B) ताला पुनः बन्द भऽ गेल आ वसुदेवक बेड़ी अपने लागि गेल
- (C) कन्या भागि गेल
- (D) कंस आबि गेल

५५. शिशु (कन्या) क रोदन सुनि कंस की केलक?

- (A) प्रसन्न भेल
- (B) दौड़ल आयल आ कन्याकें पाथर पर पटकय लेल उठेलक
- (C) सुइत रहल
- (D) देवकीकें मारि देलक

५६. जखन कंस कन्याकें पटकेलक, तखन की चमत्कार भेल?

- (A) कन्या मरि गेल
- (B) कन्या हाथ सँ छूटि कऽ अष्टभुजा देवीक रूप धऽ आकाशमे उड़ि गेल
- (C) कन्या फूल बनि गेल
- (D) कन्या साँप बनि गेल

५७. आकाश सँ देवी योगमाया कंसकें की कहलनि?

- (A) हम तोहर काल छी
- (B) हमरा मारबा सँ की हेत, तोहर वध करय वला (काल) गोकुलमे जन्म लऽ चुकल अछि
- (C) तू महान छें
- (D) हम भागि रहल छी

५८. योगमायाक चेतावनी सुनि कंसक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) ओ डर सँ काँपय लागल आ देवकी-वसुदेवकें छोड़ि देलक (किछु समय लेल)
- (B) ओ हास्य केलक
- (C) ओ आत्महत्या कऽ लेलक
- (D) ओ राज्य छोड़ि देलक

५९. मनबोधक वर्णनमे कृष्ण जन्मक समय मिथिलाक केहन शब्द-चित्र उभरैत अछि?

- (A) विदेशी
- (B) पूर्णतः पारम्परिक आ भक्तिमय मैथिल परिवेशक
- (C) आधुनिक
- (D) कोनो चित्र नहि

६०. वसुदेवकें यमुना पार करैत काल रातिमे ककर प्रकाश बाट देखा रहल छल?

- (A) सूर्य क
- (B) चन्द्रमा क
- (C) शिशु कृष्णक स्वाभाविक तेज आ शेषनागक मणिक
- (D) लालटेन क

भाग ४: बाल-लीला आ पूतना वध

६१. भोर भेला पर नन्द-भवन (गोकुल) मे की भेल?

- (A) हाहाकार मचल
- (B) पुत्र-जन्म (नन्द-महोत्सव) क भारी उत्सव भेल
- (C) सभ सुइत रहल
- (D) कंस हमला केलक

६२. गोकुलक लोक कृष्णकें की कहि कऽ बजावैत छलाह?

- (A) ईश्वर
- (B) कन्हैया / कान्ह
- (C) राम
- (D) राजा

६३. कंस अपन मन्त्रीसभक सलाह पर नवजात शिशुसभक वध लेल ककरा पठेलक?

- (A) बकासुर
- (B) पूतना नामक राक्षसीकें
- (C) अघासुर
- (D) कालिय नाग

६४. पूतना नन्द-भवनमे कोन रूप धरि कऽ आयल छल?

- (A) भयंकर राक्षसी
- (B) एकटा अत्यन्त सुन्दर आ सुसज्जित स्त्रीक रूप (गोपी जकाँ)
- (C) वृद्धाक रूप
- (D) पुरुष रूप

६५. पूतना कृष्णके मारबाक लेल की युक्ति अपनालक?

- (A) तलवार सँ
- (B) अपन स्तन (छाती) मे भयंकर विष (हलाहल) लगा कऽ शिशु कृष्णके दूध पियाबय लागल
- (C) जलमे डुबा कऽ
- (D) आगिमे फेकि कऽ

६६. दूध पिबैत काल कृष्ण की केलनि?

- (A) कानय लगलाह
- (B) दूध सँग-सँग पूतनाक प्राण सेहो खींच लेलनि
- (C) सुइत रहलाह
- (D) पूतनाके छोड़ि देलनि

६७. मरैत काल पूतनाक रूप केहन भऽ गेल?

- (A) सुन्दर
- (B) अपन असली भयंकर वा विशाल राक्षसी रूप (पहाड़ जकाँ)
- (C) अदृश्य
- (D) छोट

६८. पूतनाक मृत शरीरकेँ गोकुलवासी कोना ठेकान लगेलनि?

- (A) नदीमे फेकलनि
- (B) टुकड़ा-टुकड़ा कऽ चितामे जरा देलनि
- (C) पहाड़ पर रखलनि
- (D) किछु नहि केलनि

६९. पूतनाक चिता सँ केहन धुआँ (गन्ध) निकलल?

- (A) दुर्गन्ध
- (B) चन्दन वा अगरु जकाँ सुगन्धित
- (C) विषैला
- (D) कोनो गन्ध नहि

७०. एक दिन जखन यशोदा कृष्णकेँ छकड़ा (बैलगाड़ी) क नीचाँ सुता कऽ उत्सवमे लागल छलीह, तखन की भेल?

- (A) छकड़ा उड़ि गेल
- (B) कृष्ण रोइत-रोइत अपन छोट पैर (लात) मारि छकड़ाकेँ (शकटासुर) पलटि देलनि
- (C) चोर बच्चा लऽ गेल
- (D) किछु नहि भेल

७१. एहि घटनाकेँ भागवत/मनबोधक काव्यमे की कहल जाइत अछि?

- (A) यमलार्जुन
- (B) शकट-भंजन (शकटासुर वध)
- (C) बकासुर वध
- (D) पूतना वध

७२. कंस द्वारा पठाओल गेल 'तृणावर्त' असुर कोन रूपमे गोकुल आयल?

- (A) जल रूपमे
- (B) भयंकर बवंडर (चक्रवात/आँधी) क रूपमे
- (C) अग्निक रूपमे
- (D) ब्राह्मणक रूपमे

७३. तृणावर्त कृष्णकें लऽ कऽ कतय उड़ि गेल?

- (A) आकाशमे
- (B) नदीमे
- (C) पहाड़ पर
- (D) पातालमे

७४. आकाशमे कृष्ण तृणावर्तक सँग की केलनि?

- (A) कानय लगलाह
- (B) अपन वजन एतेक बढ़ा लेलनि आ ओकर गरदन पकड़ि लेलनि जे असुर मरि कऽ खसि पड़ल
- (C) उड़य लगलाह
- (D) छोड़ि देलनि

७५. मनबोधक 'कृष्णजन्म' मे बाल-लीलाक वर्णनमे कोन रसक प्रधानता अछि?

- (A) वीर रस
- (B) वात्सल्य रस
- (C) शृङ्गार रस
- (D) भयानक रस

७६. यशोदा कृष्णकें नजरि सँ बचेबाक लेल की करैत छलीह?

- (A) घरमे बन्द करैत छलीह
- (B) कारी टीका (काजल) लगावैत छलीह आ राई-नोन उतारैत छलीह
- (C) जंगलमे राखैत छलीह
- (D) किछु नहि

७७. गोकुलक गोपीसभ कृष्णक कोना दर्शन करैत छलीह?

- (A) डर सँ नहि जाइत छलीह
- (B) बहाना बना कऽ नन्द-भवन आबि कऽ कृष्णक मुख निहारैत छलीह
- (C) पैसा दऽ कऽ
- (D) दूर सँ

७८. कृष्णक बाल-चेष्टासभ (जेना पैरक अँगूठा मुँहमे लेब) देखि यशोदाक की अवस्था होइछ?

- (A) ओ डरा जाइत छथि
- (B) ओ प्रेमानन्द (वात्सल्य) मे मग्न भऽ जाइत छथि
- (C) ओ क्रोधित होइत छथि
- (D) ओ उदास होइत छथि

७९. पूतना वधक बाद नन्द-बाबा गोकुल पहुँचला पर की सोचैत छथि?

- (A) कंस महान अछि
- (B) वसुदेवक बात सत्य छल, गोकुलमे भयंकर उत्पात भऽ रहल अछि
- (C) एतय नीक अछि
- (D) हम मथुरा जेबे नहि करब

८०. मनबोधक काव्यमे कृष्णक बाल-लीला ककर स्मरण करावैत अछि?

- (A) राजकुमारक
- (B) मिथिलाक सामान्य आँगनक बाल-क्रीड़ाक
- (C) संन्यासीक
- (D) सैनिकक

भाग ५: नामकरण, माखन चोरी आ यमलार्जुन

८१. वसुदेवक पुरोहित (कुलगुरु) जे गोकुल आबि कऽ कृष्ण आ बलरामक नामकरण केलनि, हुनकर नाम की छल?

- (A) वशिष्ठ
- (B) गर्गाचार्य (गर्ग मुनि)
- (C) विश्वामित्र
- (D) दुर्वासा

८२. रोहिणीक पुत्रक नाम 'बलराम' किएक पड़ल?

- (A) ओ कारी छलाह
- (B) ओ अत्यन्त बलवान छलाह आ लोककें आनन्द (राम) दैत छलाह
- (C) ओ युद्ध नहि करैत छलाह
- (D) ओ छोट छलाह

८३. यशोदाक पुत्रक नाम 'कृष्ण' किएक रखल गेल?

- (A) ओ गोरा छलाह
- (B) ओ श्याम (कारी) वर्णक छलाह आ सभकें आकर्षित (आकर्षण) करैत छलाह
- (C) ओ राजा छलाह
- (D) ओ कानैत छलाह

८४. जखन कृष्ण बकैयाँ (घुटनाक बल) चलय लगलाह, तखन ओ की चोरावय लगलाह?

- (A) धन
- (B) वस्त्र
- (C) माखन (मक्खन) आ दही
- (D) फल

८५. कृष्ण माखन चोरी कऽ ककरा खियावैत छलाह?

- (A) अपन माताकें
- (B) वानर (बानर) आ अपन सखासभकें
- (C) कंसकें
- (D) स्वयं नहि खाइत छलाह

८६. गोपीसभ यशोदा लग आबि कऽ की करैत छलीह?

- (A) कृष्णक प्रशंसा
- (B) कृष्णक माखन चोरीक शिकायत (उपालम्भ)
- (C) भिक्षा माँगैत छलीह
- (D) गीत गावैत छलीह

८७. यशोदा एक दिन कृष्णकें माखन चोरावैत पकड़ि कऽ दण्ड स्वरूप की केलनि?

- (A) घर सँ बाहर निकालि देलनि
- (B) एकटा रस्सी सँ उखली (ओखल) मे बान्हि देलनि
- (C) खाना नहि देलनि
- (D) किछु नहि केलनि

८८. कृष्णक पेट (उदर) मे रस्सी (दाम) बान्हल जेबाक कारणे हुनकर कोन नाम प्रसिद्ध भेल?

- (A) माखनचोर
- (B) दामोदर (दाम + उदर)
- (C) गोविन्द
- (D) माधव

८९. उखली सँ बान्हल अवस्थामे कृष्ण आँगनमे घिसकैत कोन दू टा गाछ लग पहुँचलाह?

- (A) आम-लीची
- (B) यमलार्जुन (जुड़वा अर्जुनक गाछ)
- (C) बरगद-पीपल
- (D) बाँसक गाछ

९०. कृष्णक उखली फँसला सँ की भेल?

- (A) रस्सी टूटि गेल
- (B) दुनू विशाल यमलार्जुनक गाछ जड़ि सँ उखड़ि कऽ खसि पड़ल
- (C) कृष्ण रोबय लगलाह
- (D) यशोदा आबि गेलीह

९१. यमलार्जुन गाछक खसला पर ओहिमे सँ के निकलल?

- (A) दू टा राक्षस
- (B) नलकूबर आ मणिग्रीव नामक दू टा देवपुत्र (कुबेरक पुत्र)
- (C) दू टा साँप
- (D) किछु नहि

९२. नलकूबर आ मणिग्रीव भगवानकें की केलनि?

- (A) युद्ध केलनि
- (B) भगवानक स्तुति कऽ अपन लोक (स्वर्ग) चलि गेलाह
- (C) गाछ बनि गेलाह
- (D) गोकुलमे रहि गेलाह

९३. गाछ गिरबाक भयंकर आवाज सुनि कऽ गोकुलवासी (नन्द बाबा आदि) की केलनि?

- (A) भागि गेलाह
- (B) दौड़ल आयल आ कृष्णकें सुरक्षित देखि आश्चर्यचकित भेलाह
- (C) यशोदाकें मारलनि
- (D) किछु नहि केलनि

९४. कृष्णक माखन-चोरी लीला मनबोधक काव्यमे ककर प्रतीक अछि?

- (A) चोरीक अपराध
- (B) भगवानक भक्त-प्रेम आ सहज बाल-सुलभ चंचलताक
- (C) गरीबीक
- (D) क्रोधक

९५. यशोदाकें कृष्णक मुखमे की देखाइत अछि जखन ओ माटिक खएबाक शिकायत पर मुँह खुलवावैत छथि?

- (A) माटि
- (B) सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड (१४ भुवन)
- (C) किछु नहि
- (D) माखन

९६. ब्रह्माण्ड-दर्शनक बाद यशोदाकें की अनुभव होइछ?

- (A) जे ई हमर पुत्र नहि साक्षात् ईश्वर छथि (फेर माया सँ भूलि जाइत छथि)
- (B) जे ई जादुगर अछि
- (C) जे ई बीमार अछि
- (D) जे ई राक्षस अछि

९७. मनबोध 'कृष्णजन्म' मे माखन चोरीक वर्णनमे कोन शब्दसभक प्रयोग केने छथि?

- (A) फ़ारसी शब्द
- (B) मैथिलीक गाम-घराक ठेठ शब्द (जेना छीका, मटकी, लोर)
- (C) अंग्रेजी
- (D) संस्कृतक जटिल शब्द

९८. यमलार्जुन उद्धारक बाद नन्द-बाबा आ अन्य गोप की निर्णय लैत छथि?

- (A) गोकुलमे हे रहबाक
- (B) गोकुलमे बहुत उपद्रव (राक्षस-प्रकोप) भऽ रहल अछि, अतः वृन्दावन जेबाक
- (C) मथुरा जेबाक
- (D) राजा सँ युद्ध करबाक

९९. वृन्दावन जेबाक यात्रा गोकुलवासी कोना करैत छथि?

- (A) रथ पर
- (B) बैलगाड़ी (छकड़ा) पर अपन सम्पूर्ण सामग्री आ गोधन (गाय) लऽ कऽ
- (C) पैदल
- (D) नाओ सँ

१००. कृष्ण आ बलराम वृन्दावन पहुँचि कऽ की करय लगलाह?

- (A) राजकाज
- (B) गौ-चारण (गाय चराएब) आ वन-विहार
- (C) संन्यास
- (D) युद्ध-विद्या

भाग ६: कालिय दमन आ गोवर्धन धारण

१०१. वृन्दावनमे वन-विहारक समय एकटा असुर 'बछबा' (वत्स) क रूप धऽ कऽ गाय सभक बीच घुसि गेल, ओकर नाम की छल?

- (A) बकासुर
- (B) वत्सासुर
- (C) अघासुर
- (D) प्रलम्बासुर

१०२. विशाल बगुला (बगुला पक्षी) क रूप धारण कऽ के आयल छल जकरा कृष्ण चीरि देलनि?

- (A) बकासुर
- (B) वत्सासुर
- (C) तृणावर्त
- (D) काकासुर

१०३. विशाल अजगर (python) क रूप धारण कऽ के आयल छल जकर मुँहमे सभ ग्वाल-बाल प्रवेश कऽ गेलाह?

- (A) कालिय
- (B) अघासुर
- (C) धुन्धुकार
- (D) व्योमासुर

१०४. यमुना नदीक एकटा दह (कुण्ड) मे कोन भयंकर विषैला नाग रहैत छल जाहि सँ जल विषैला भऽ गेल छल?

- (A) शेषनाग
- (B) वासुकि
- (C) कालिय नाग
- (D) तक्षक

१०५. कालिय नागक दर्प (घमंड) चूर करबाक लेल कृष्ण की केलनि?

- (A) धनुष सँ बाण मारलनि
- (B) यमुनामे कूदि कऽ कालियक फन पर चढ़ि कऽ नृत्य केलनि (कालिय दमन)
- (C) ओकरा धन देलनि
- (D) ओतय सँ भागि गेलाह

१०६. कालिय नागकें प्राण-दान के देलवक (अनुनय केलक)?

- (A) नन्द बाबा
- (B) कालियक पत्नीसभ (नाग-पत्नीसभ)
- (C) इन्द्र
- (D) बलराम

१०७. कृष्ण कालिय नागकें कतय जेबाक आदेश देलनि?

- (A) कैलाश
- (B) समुद्र (रमणक द्वीप) मे
- (C) पाताल
- (D) हिमालय

१०८. वृन्दावनमे प्रतिवर्ष इन्द्रक पूजा (यज्ञ) किएक होइत छल?

- (A) धन लेल
- (B) वर्षा आ नीक फसलक लेल
- (C) युद्ध जीतय लेल
- (D) रोग सँ बचय लेल

१०९. कृष्ण नन्द-बाबाकें इन्द्रक पूजा बन्द कऽ ककर पूजा करय लेल प्रेरित केलनि?

- (A) अपन पूजा
- (B) गोवर्धन पर्वत आ गाई (गोधन) क पूजा
- (C) सूर्य पूजा
- (D) कंस पूजा

११०. अपन पूजा बन्द भेल देखि इन्द्रक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) प्रसन्न भेलाह
- (B) क्रोधित भऽ कऽ भयंकर प्रलयकारी वर्षा (संवर्तक मेघ) शुरू कऽ देलनि
- (C) तपस्या करय लागला
- (D) क्षमा मांगि लेलनि

१११. इन्द्रक भयंकर वर्षा सँ गोकुलवासीकें बचेबाक लेल कृष्ण की केलनि?

- (A) घर बनेलनि
- (B) गोवर्धन पर्वतकें कानी आँगुर पर छाता जकाँ उठा लेलनि
- (C) इन्द्र सँ युद्ध केलनि
- (D) सभकें मथुरा पठा देलनि

११२. एहि लीलाक बाद इन्द्रक की अवस्था भेल?

- (A) आरो क्रोधित भेलाह
- (B) अहंकार चूर भेल आ कृष्णक शरणमे आबि कऽ स्तुति केलनि
- (C) मरि गेलाह
- (D) स्वर्ग सँ भागि गेलाह

११३. मनबोधक कृष्णजन्ममे 'गोवर्धन पूजा' क प्रसंगमे की सन्देश अछि?

- (A) राजाक पूजा करू
- (B) अहंकार पतनक कारण अछि आ कर्म/प्रकृतिक आदर करबाक चाही
- (C) यज्ञ नहि करबाक चाही
- (D) किछु नहि

११४. एक बेर जखन वनमे भयंकर आगि (दावानल) लागि गेल, तखन कृष्ण की केलनि?

- (A) सभकेँ भाग्य लेल कहलनि
- (B) सभ ग्वाल-बालकेँ आँखि बन्द करय लेल कहि सम्पूर्ण आगि पीबि (निगलि) गेलाह
- (C) वरुणकेँ बजेलनि
- (D) जल ढारलनि

११५. ब्रह्माजी कृष्णक परीक्षा लेबाक लेल की केने छलाह?

- (A) युद्ध केने छलाह
- (B) सभ ग्वाल-बाल आ बछबाकेँ चोरा कऽ गुफामे लुका देने छलाह
- (C) वरदान देने छलाह
- (D) आगि लगा देने छलाह

११६. मनबोधक काव्यमे कृष्णक किशोर अवस्थाक रूप केहन अछि?

- (A) डरपोक
- (B) अत्यन्त मोहक, साहसी आ सभ गोपी-सखाक प्राण-प्रिय
- (C) कुरूप
- (D) उदासीन

११७. शरद पूर्णिमाक राति कृष्ण गोपीसभक सँग कोन लीला केलनि?

- (A) युद्ध लीला
- (B) रास-लीला (महारास)
- (C) माखन चोरी
- (D) असुर वध

११८. गोपीसभक चीर-हरण (वस्त्र हरण) लीलामे कृष्ण की उपदेश देलनि?

- (A) निर्वस्त्र स्नान नहि करबाक (वरुण देवक अपराध सँ बचबाक)
- (B) सदा वस्त्र किन्नबाक
- (C) नदीमे नहि नहेबाक
- (D) किछु नहि

११९. कृष्णक वंशीक ध्वनि सुनि वृन्दावनक गाई-बछबाक की अवस्था होइत छल?

- (A) भागि जाइत छल
- (B) घास खाएब छोड़ि कऽ चित्रलिखित (मूर्ति जकाँ) भऽ जाइत छल
- (C) रोबय लगैत छल
- (D) सुइत जाइत छल

१२०. मनबोधक वर्णनमे कालिय-दमन प्रसंगमे कोन रसक समावेश अछि?

- (A) करुण
- (B) वीर रस आ अद्भुत रस
- (C) हास्य रस
- (D) शान्त रस

भाग ७: अक्रूर-आगमन आ कंस-वध

१२१. कंस कृष्णकें मथुरा बजेबाक लेल ककरा पठेल्क?

- (A) उद्धवकें
- (B) अक्रूरकें
- (C) नारदकें
- (D) वसुदेवकें

१२२. अक्रूरक हृदयमे कृष्णक प्रति केहन भाव छल?

- (A) शत्रुताक भाव
- (B) परम भक्ति आ प्रेमक भाव
- (C) उदासीन भाव
- (D) भयक भाव

१२३. अक्रूर जखन वृन्दावन पहुँचला तँ गोपीसभक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) प्रसन्न भेलीह
- (B) अक्रूरकें 'कूर' कहि कऽ विलाप करय लगलीह जे ओ हमर प्राण (कृष्ण) लऽ जा रहल छथि
- (C) अक्रूरक स्वागत केलनि
- (D) किछु नहि बाजलीह

१२४. मथुराक बाटमे यमुना स्नान करैत काल अक्रूरकें जलमे ककर दर्शन भेल?

- (A) कंस क
- (B) भगवानक शेषशायी (विराट) रूपक
- (C) मगरमच्छ क
- (D) स्वर्णक

१२५. मथुरा पहुँचि कऽ बाटमे कृष्णकें कोन वस्त्र धोबय वला (धोबी) भेटल जकरा कृष्ण मारि देलनि?

- (A) नन्दक धोबी
- (B) कंसक अहंकारी रजक (धोबी)
- (C) अक्रूरक धोबी
- (D) साधारण धोबी

१२६. कृष्णकें मथुरामे चन्दन आ लेप के लगेलक जकरा कृष्ण रूपवती बना देलनि?

- (A) राधा
- (B) कुब्जा (कुबड़ी दासी)
- (C) देवकी
- (D) यशोदा

१२७. यज्ञशालामे राखल महादेव (शिव) क भारी धनुष (पिनाक) कृष्ण की केलनि?

- (A) पूजा केलनि
- (B) सहजे उठा कऽ प्रत्यञ्चा चढ़वैत तोड़ि देलनि
- (C) चोरा लेलनि
- (D) फेकि देलनि

१२८. रंगशाला (अखाड़ा) क प्रवेश द्वार पर कंस कोन पागल हाथीकें राखि छोड़ने छल?

- (A) ऐरावत
- (B) कुवलयपीड हाथी
- (C) गजेन्द्र
- (D) सुपार्श्व

१२९. रंगशालामे कृष्ण आ बलरामक युद्ध कोन दुइटा भयंकर मल्ल (पहलवान) सँ भेल?

- (A) कंस आ जरासन्ध
- (B) चाणूर आ मुष्टिक
- (C) बाणासुर आ भौमासुर
- (D) शिशुपाल आ दन्तवक्त्र

१३०. मल्लसभक वधक बाद कंस की आदेश देलक?

- (A) कृष्णकें छोड़ि दिअ
- (B) नन्दकें बान्हू, वसुदेवकें मारू आ ई दुनू बालककें पकड़ू
- (C) हम हारि गेलहुँ
- (D) उत्सव मनावू

१३१. कंसक वध कृष्ण कोना केलनि?

- (A) बाण मारि कऽ
- (B) मञ्च पर उछलि कऽ कंसकें केस धऽ कऽ नीचाँ पटकि देलनि आ मारि देलनि
- (C) विष दऽ कऽ
- (D) सैनिक द्वारा

१३२. कंसक मरणोपरान्त हुनकर आठू भायकें के मारलक?

- (A) कृष्ण
- (B) बलराम
- (C) उग्रसेन
- (D) अक्रूर

१३३. कंस-वधक बाद कृष्ण सभसँ पहिने कतय गेलाह?

- (A) वृन्दावन
- (B) कारागारमे अपन माता-पिता (देवकी-वसुदेव) कें बेड़ी सँ मुक्त करय लेल
- (C) राजगद्दी पर
- (D) स्वर्ग

१३४. कंस-वधक बाद मथुराक राजगद्दी पर कृष्ण ककरा बैसलनि?

- (A) स्वयं बैसलाह
- (B) अपन नाना उग्रसेनकें (कंसक पिताकें)
- (C) वसुदेवकें
- (D) बलरामकें

१३५. मनबोधक कृष्णजन्म काव्य एहि ठाम (कंस-वध पर) की होइत अछि?

- (A) प्रारम्भ होइत अछि
- (B) समाप्त होइत अछि
- (C) आधा होइत अछि
- (D) कोनो नहि

१३६. नन्द-बाबाकें विदा करैत काल कृष्ण की कहलनि?

- (A) हम नहि आउब
- (B) अहाँ सभ जाउ, हम बहुत जल्दी गोकुल घुरि कऽ आउब
- (C) हमरा राजा बनबाक अछि
- (D) हमरा नहि चीन्हैत छी

१३७. मनबोधक 'कृष्णजन्म' क लोक-हृदयमे की स्थान अछि?

- (A) केहू नहि जनैत अछि
- (B) ई मिथिलाक गाम-गाममे लोक-कण्ठमे गाबल जाइत अछि
- (C) केवल विद्यालयमे पढ़ल जाइछ
- (D) प्रतिबन्धित अछि

१३८. कृष्णक कंस-वधक प्रसंगमे कोन रस चरम पर अछि?

- (A) शृङ्गार
- (B) वीर आ रौद्र रस
- (C) करुण
- (D) हास्य

१३९. अक्रूरकें 'कृष्णजन्म' मे ककर प्रतीक मानल गेल अछि?

- (A) अत्याचारक
- (B) अनन्य आ निष्काम भक्तिक
- (C) क्रोधक
- (D) मूर्खताक

१४०. ई १४० प्रश्नक 'कृष्णजन्म-मनबोध' क्विज कतय उपलब्ध अछि?

- (A) कोशी पर
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब पर
- (C) आरंभ पर
- (D) अन्यत्र

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) **मनबोध (भोला झा)** — कृष्णजन्म महाकाव्यक रचयिता १८म शताब्दीक महान कवि मनबोध (जनश्रुतिक अनुसार भोला झा) छथि।
२. (B) **प्रबन्ध काव्य (महाकाव्य/खण्डकाव्य)** — मैथिलीमे विद्यापतिक गीति-परम्पराक बाद प्रबन्ध-काव्य (कथात्मक काव्य) लिखबाक परम्पराकें मनबोध हे स्थापित केलनि।
३. (C) **१० (वा ११)** — प्राप्त पाण्डुलिपि आ संस्करणक आधार पर कृष्णजन्म १० वा ११ अध्यायमे विभक्त मानल जाइत अछि।
४. (C) **श्रीमद्भागवत पुराण (दशम स्कन्ध)** — ई काव्य श्रीमद्भागवत पुराणक दशम स्कन्धक कथा (कृष्णक जन्म सँ कंस-वध धरि) पर आधारित अछि।
५. (B) **जमसम (बाँसक गाछी)** — मनबोधक ग्राम जमसम वा ताहि लग-पास (दरभंगा/मधुबनी क्षेत्र) मानल जाइत अछि।
६. (B) **वीर आ वात्सल्य** — एहि काव्यमे वात्सल्य रस (बाल-लीला) आ वीर रस (असुर-वध) क अद्भुत चित्रण भेल अछि।
७. (C) **ठेठ मैथिली (गँवई) शब्दावलीक सहज प्रयोग** — मनबोधक भाषा अत्यन्त सहज, ठेठ आ ग्रामीण मैथिली अछि जे जनमानसमे लोकप्रिय अछि।
८. (A) **तुलसीदासक रामचरितमानस** — लोकप्रियता आ प्रबन्ध-काव्यक दृष्टिसँ एकरा मैथिलीक रामचरितमानस जकाँ आदर प्राप्त अछि।
९. (B) **१८म शताब्दी (१७५० ई. क आस-पास)** — मनबोध १८म शताब्दीक उत्तरार्धक कवि छलाह।
१०. (C) **देवकी-वसुदेवक विवाह सँ** — काव्यक प्रारम्भ कंस द्वारा अपन बहिन देवकीक विवाह वसुदेव सँ कराबय सँ होइत अछि।
११. (C) **कंस-वध आ उग्रसेनक राज्याभिषेक पर** — ई काव्य कंस-वध आ तकर बाद उग्रसेनक पुनः राजा बनेबाक प्रसंग पर समाप्त होइत अछि।
१२. (B) **चौपाई (मात्रिक छन्द)** — ई काव्य मुख्य रूप सँ मात्रिक छन्द (चौपाई जकाँ) मे रचित अछि जकरा पारम्परिक रूप सँ गाबल जाइछ।
१३. (B) **परमेश्वर (विष्णुक अवतार)** — मनबोध कृष्णकें साक्षात् परब्रह्म परमात्मा आ विष्णुक अवतार मानि कऽ हुनकर लीला गवैत छथि।
१४. (B) **मिथिलाक स्थानीय प्रकृतिक सजीव चित्रण** — मनबोधक काव्यमे मिथिलाक गाछ-बिरछ, पाग-पान आ ग्रामीण प्रकृतिक सजीव चित्रण भेटैत अछि।
१५. (A) **जॉर्ज ग्रियर्सन** — सर जॉर्ज ग्रियर्सन एकरा सम्पादित कऽ 'जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल' मे १८८२ मे प्रकाशित केने छलाह।
१६. (B) **ई मैथिली भाषाक सर्वोत्कृष्ट कथा-काव्य अछि** — ग्रियर्सन एकर ठेठ भाषा आ शैली सँ बहुत प्रभावित छलाह आ एकरा उत्कृष्ट मानलनि।

१७. (B) गणेश आ माता सरस्वतीक — पारम्परिक प्रबन्ध काव्य जकाँ एहिमे सेहो विघ्नहर्ता गणेश आ विद्याक देवी सरस्वतीक वन्दना अछि।
१८. (B) नहि, केवल कृष्णजन्म हे प्रामाणिक रूप सँ उपलब्ध अछि — मनबोधक नाम सँ केवल ईहे एकटा प्रबन्ध-काव्य प्रामाणिक आ पूर्ण रूप सँ उपलब्ध अछि।
१९. (B) मध्यकालीन मैथिलीक ठेठ रूपक अध्ययनक लेल अमूल्य — १८म शताब्दीक मिथिलाक समाज, संस्कृति आ ठेठ भाषाक ई एकटा जीवन्त दस्तावेज अछि।
२०. (B) पूर्णतः ग्रामीण आ मिथिलाक अहीर/ग्वालक जीवन जकाँ — मनबोध गोकुलक वर्णनमे मिथिलाक ठेठ ग्वाल-बालक दैनिक जीवनक रंग भरि देने छथि।
२१. (B) वसुदेव सँ — कंस अपन बहिन देवकीक विवाह शूरसेन-पुत्र वसुदेव सँ अत्यन्त धूमधाम सँ करेलक।
२२. (B) आकाशवाणी भेल — जखन कंस स्वयं रथ हाँकि कऽ विदा कऽ रहल छल, तखने आकाश सँ एकटा भयंकर आवाज (आकाशवाणी) भेल।
२३. (B) देवकीक अठम गर्भ (पुत्र) अहाँक वध करत — आकाशवाणी भेल जे 'रे मूर्ख! जाहि बहिनकेँ तू विदा कऽ रहल छेँ, तकरे अठम सन्तान तोहर काल हेत।'
२४. (B) डर सँ काँपय लागल आ देवकीकेँ मारय लेल खड्ग उठेलक — कंस तुरन्त रथ पर सँ खड्ग (तलवार) निकालि कऽ अपन बहिन देवकीकेँ मारय लेल उठल।
२५. (B) देवकी सँ उत्पन्न सभ सन्तान हम अहाँकेँ दऽ देब — वसुदेव अनुनय केलनि जे बहिनकेँ नहि मारू, एकर जे भी सन्तान हेत ओ हम अहाँकेँ सौँपि देब।
२६. (B) उग्रसेनकेँ — कंस अत्यन्त क्रूर छल, ओ अपन पिता उग्रसेनकेँ कारागारमे डालि कऽ स्वयं मथुराक राजा बनि गेल छल।
२७. (B) पहिल पुत्रकेँ छोड़ि देलक (बादमे नारदक कहलाक बाद मारलक) — कंस पहिने छोड़ि देलक जे हमरा अठम सँ भय अछि, मुदा बादमे नारद मुनिक उकसेबा पर ओकरा मारि देलक।
२८. (A) कोनो गर्भ अठम भऽ सकैत अछि, अहाँ सभकेँ मारू — नारद कमल-दल गिनि कऽ जनतबेलनि जे देवताक माया सँ कोनो भी क्रम अठम भऽ सकैछ, अतः सभ सन्तानकेँ मारू।
२९. (B) कारागार (जेल) मे — भयभीत कंस देवकी आ वसुदेवकेँ बेड़ी पहिरा कऽ भारी पहरा वला कारागारमे बन्द कऽ देलक।
३०. (C) छह — कंस एक-एक कऽ देवकीक प्रारम्भिक ६ टा शिशुसभकेँ निर्दयतापूर्वक पाथर पर पटक-पटक कऽ मारि देलक।
३१. (B) बलराम (शेषनागक अंश) — सातम गर्भमे शेषनागक अंश भगवान बलराम (संकर्षण) अवतरित भेलाह।
३२. (C) गोकुलमे रोहिणी (वसुदेवक दोसर पत्नी) क गर्भमे — योगमाया देवकीक सातम गर्भकेँ गोकुलमे रहय वली वसुदेवक दोसर पत्नी रोहिणीक गर्भमे स्थापित कऽ देलनि।
३३. (A) गर्भ नष्ट भऽ (स्रवित भऽ) गेल — मथुरामे सभकेँ ईहे लागल जे देवकीक सातम गर्भ डरक कारणे अपने नष्ट (गर्भपात) भऽ गेल अछि।
३४. (C) ब्रह्मा लग आ फेर विष्णु लग (गायक रूपमे) — पापक भार सँ पीड़ित पृथ्वी गाय (गौ) क रूप धऽ ब्रह्मा लग गेलीह आ फेर सभ विष्णु लग गेलाह।
३५. (B) हम देवकीक गर्भ सँ अवतार लऽ कंसक वध करब — विष्णु आश्वासन देलनि जे हम स्वयं अठम अवतारक रूपमे यदुवंशमे जन्म लऽ भू-भार उतारब।
३६. (B) अत्यन्त तेजमय आ प्रकाशवान — भगवानक गर्भमे अएलाक कारणे देवकीक शरीर सँ अपूर्व तेज आ दिव्य प्रकाश निकलैत छल।
३७. (A) ई निश्चित रूप सँ हमर काल (विष्णु) अछि — कंस बुझि गेल जे ई प्रकाश साधारण नहि अछि, विष्णुक तेज अछि आ हमर काल आबि गेल अछि।
३८. (B) ओ उठैत-बैसैत चारू कात विष्णुकेँ देखैत छल (भयभीत) — भयक कारणे कंसकेँ भोजन, शयन सभ ठाम केवल अपन काल (विष्णु) हे देखाइत छल।
३९. (B) भारी ताला, जंजीर आ कठोर रक्षकसभक पहरा — कारागारमे भारी-भरकम ताला, जंजीर आ हथियारबन्द असुरसभक कड़ा पहरा लगा देल गेल।
४०. (B) अत्याचार, पाप आ आसुरी प्रवृत्तिक — कंस साक्षात् आसुरी शक्ति, क्रूरता आ पापक प्रतीक अछि जकर वध लेल ईश्वर अवतार लैत छथि।
४१. (B) भादो (भाद्रपद) — कृष्ण जन्म भाद्रपद (भादो) मासमे भेल छल।
४२. (B) कृष्ण पक्ष अष्टमी — भादो मासक कृष्ण पक्षक अष्टमी तिथिकेँ कृष्णक जन्म भेल छल (जकरा जन्माष्टमी कहल जाइछ)।
४३. (C) रोहिणी — मध्य रातिमे जखन रोहिणी नक्षत्र छल, तखन भगवानक अवतार भेल।
४४. (B) घनघोर अन्हार आ भयंकर वर्षा (मेघ) — भादोक भयंकर कारी राति छल, घनघोर मेघ गर्जि रहल छल आ वर्षा भऽ रहल छल।
४५. (B) चतुर्भुज विष्णु रूप (शंख, चक्र, गदा, पद्म युक्त) — भगवान पहिने अपन चतुर्भुज नारायण रूपमे दर्शन देलनि जाहि सँ माता-पिताकेँ विश्वास होय।

४६. (B) हमरा नन्दक घर (गोकुल) पहुँचा दिअ आ ओतय सँ कन्या लेल आबि जाउ — भगवान आदेश देलनि जे हमरा गोकुलमे यशोदा लग राखि आउ आ हुनकर नवजात कन्याकें एतय लेल आउ।
४७. (B) पहरेदार गहीर निद्रामे सुइत रहल, ताला अपने खुजि गेल आ बेड़ी टूटि गेल — ईश्वरीय माया सँ सभ रक्षक सुइत रहल, जंजीर अपने खुजि गेल आ ताला टूटि गेल।
४८. (B) सूपमे (माथ पर) — वसुदेव एकटा सूपमे नवजात शिशु (कृष्ण) कें राखि कऽ माथ पर उठा लेलनि।
४९. (B) यमुना — गोकुल जेबाक बाटमे यमुना नदी पड़ैत अछि, जहिमे भादोक भयंकर बाढ़ि आयल छल।
५०. (B) शेषनाग — शेषनाग अपन फन फैलाबय कऽ शिशु कृष्णकें वर्षा सँ बचेबाक लेल छतरी जकाँ काज केलनि।
५१. (B) चरण स्पर्श कऽ कऽ बाट (रास्ता) दऽ देलक — यमुना जल भगवानक चरण स्पर्श करय लेल ऊपर उठल आ फेर चरण छुबि कऽ मार्ग प्रशस्त कऽ देलक।
५२. (B) यशोदा सहित सभ गहीर निद्रामे सुतल छल (माया सँ) — योगमायाक प्रभाव सँ यशोदा सहित गोकुलक सभ लोक गहीर निद्रामे सुतल छलाह।
५३. (A) कृष्णकें राखि कऽ ओतय सँ नवजात कन्या (योगमाया) कें उठा लेलनि — वसुदेव चुपचाप कृष्णकें यशोदाक बगलमे सुता देलनि आ हुनकर कन्याकें लऽ कऽ मथुरा घुरि आयल।
५४. (B) ताला पुनः बन्द भऽ गेल आ वसुदेवक बेड़ी अपने लागि गेल — वसुदेवक भितर अबिते कारागारक ताला अपने बन्द भऽ गेल आ बेड़ी पुनः लागि गेल।
५५. (B) दौड़ल आयल आ कन्याकें पाथर पर पटकय लेल उठेलक — कंस तुरन्त कारागारमे आयल आ देवकीक विलापक बादो ओ कन्याकें पाथर पर पटकय लेल उठेलक।
५६. (B) कन्या हाथ सँ छूटि कऽ अष्टभुजा देवीक रूप धऽ आकाशमे उड़ि गेल — ओ कन्या साक्षात् योगमाया छलीह, ओ कंसक हाथ सँ छूटि कऽ आकाशमे अष्टभुजा देवीक रूप लऽ लेलनि।
५७. (B) हमरा मारबा सँ की हेत, तोहर वध करय वला (काल) गोकुलमे जन्म लऽ चुकल अछि — देवी चेतावनी देलनि जे तोहर काल पृथ्वी पर जन्म लऽ चुकल अछि, आब तोहर पाप नहि बचौत।
५८. (A) ओ डर सँ काँपय लागल आ देवकी-वसुदेवकें छोड़ि देलक (किछु समय लेल) — डर आ पश्चात्ताप सँ कंस तुरन्त देवकी आ वसुदेवकें बेड़ी सँ मुक्त कऽ देलक।
५९. (B) पूर्णतः पारम्परिक आ भक्तिमय मैथिल परिवेशक — मनबोध जन्मक वर्णनमे मैथिल समाजक प्रसूति-गृह आ वर्षा रातिक जीवन्त चित्रण केने छथि।
६०. (C) शिशु कृष्णक स्वाभाविक तेज आ शेषनागक मणिक — घनघोर अन्हारमे केवल भगवानक मुखक तेज आ शेषनागक मणिक प्रकाश सँ बाट देखाइत छल।
६१. (B) पुत्र-जन्म (नन्द-महोत्सव) क भारी उत्सव भेल — पुत्र जन्मक समाचार सुनि गोकुलमे अपार हर्ष भेल आ 'नन्द-महोत्सव' मनौल गेल।
६२. (B) कन्हैया / कान्ह — कृष्णकें कन्हैया, कान्ह, लाल आदि दुलारक नाम सँ बजाओल जाइत छल।
६३. (B) पूतना नामक राक्षसीकें — कंस गोकुल-मथुराक आसपासक सभ नवजात शिशुसभकें मारय लेल पूतनाकें पठेलक।
६४. (B) एकटा अत्यन्त सुन्दर आ सुसज्जित स्त्रीक रूप (गोपी जकाँ) — पूतना अपन माया सँ एकटा सुन्दरी गोपीक रूप धारण कऽ कऽ यशोदाक आँगनमे पहुँचल।
६५. (B) अपन स्तन (छाती) मे भयंकर विष (हलाहल) लगा कऽ शिशु कृष्णकें दूध पियाबय लागल — पूतना स्तनपानक बहाने विष पिया कऽ कृष्णकें मारय चाहैत छल।
६६. (B) दूध सँग-सँग पूतनाक प्राण सेहो खींच लेलनि — कृष्ण दूधक सँग-सँग ओकर प्राण वायु सेहो खींच लेलनि, जाहि सँ पूतना तड़पय लागल।
६७. (B) अपन असली भयंकर वा विशाल राक्षसी रूप (पहाड़ जकाँ) — प्राण छूटिते पूतना अपन विशाल राक्षसी रूपमे आबि गेल आ गाछ-बिरिछ तोड़ैत भयंकर शब्द सँ खसि पड़ल।
६८. (B) टुकड़ा-टुकड़ा कऽ चितामे जरा देलनि — विशाल शरीरकें कुल्हाड़ी सँ काटि कऽ गोकुलवासी ओकरा जरा देलनि।
६९. (B) चन्दन वा अगरु जकाँ सुगन्धित — भगवानक स्पर्श (दूध पियाबय) क कारणे पूतनाक पाप नष्ट भऽ गेल आ ओकर शरीर सँ सुगन्ध निकलल (ओकरा सद्गति भेटल)।

७०. (B) कृष्ण रोड़त-रोड़त अपन छोट पैर (लात) मारि छकड़ाकें (शकटासुर) पलटि देलनि — दूध लेल रोड़त कृष्णक छोट लात लागते भारी छकड़ा (जहिमे शकटासुर छल) टूटि कऽ खसि पड़ल।
७१. (B) शकट-भंजन (शकटासुर वध) — छकड़ाक रूपमे आयल असुरक वधकें शकट-भंजन लीला कहल जाइत अछि।
७२. (B) भयंकर बवंडर (चक्रवात/आँधी) क रूपमे — तृणावर्त एकटा भयंकर बवंडर (आँधी) बनि कऽ आयल आ चारू कात धूरि उड़ा देलक।
७३. (A) आकाशमे — ओ आँधीक संग शिशु कृष्णकें आकाशमे उड़ा कऽ लऽ गेल।
७४. (B) अपन वजन एतेक बढ़ा लेलनि आ ओकर गरदन पकड़ि लेलनि जे असुर मरि कऽ खसि पड़ल — कृष्ण भारी पर्वत जकाँ बनि गेलाह आ असुरक टेंदुआ दाबि देलनि, जाहि सँ ओ पत्थर पर खसि कऽ मरि गेल।
७५. (B) वात्सल्य रस — यशोदाक दुलार आ कृष्णक बाल-सुलभ चेष्टासभक वर्णनमे वात्सल्य रसक सुन्दर छटा अछि।
७६. (B) कारी टीका (काजल) लगावैत छलीह आ राई-नोन उतारैत छलीह — मैथिल परम्परा जकाँ यशोदा कान्हकें कारी टीका लगावैत छलीह आ टोनहा-टोटका सँ नजरि उतारैत छलीह।
७७. (B) बहाना बना कऽ नन्द-भवन आबि कऽ कृष्णक मुख निहारैत छलीह — कृष्णक रूप एतेक मोहक छल जे गोपीसभ कोनो न कोनो बहाना सँ हुनका देखय अबैत छलीह।
७८. (B) ओ प्रेमानन्द (वात्सल्य) मे मग्न भऽ जाइत छथि — बालककें खेलैत देखि यशोदाक हृदय वात्सल्य सँ भरि जाइत छन्हि।
७९. (B) वसुदेवक बात सत्य छल, गोकुलमे भयंकर उत्पात भऽ रहल अछि — नन्द-बाबाकें वसुदेवक चेतावनीक स्मरण होइछ जे गोकुलमे उत्पात भऽ सकैछ।
८०. (B) मिथिलाक सामान्य आँगनक बाल-क्रीड़ाक — मनबोधक बाल-लीला वर्णनमे पूर्णतः मिथिलाक माटिक सुगन्ध आ ठेठ बाल-क्रीड़ाक दर्शन होइत अछि।
८१. (B) गर्गाचार्य (गर्ग मुनि) — महर्षि गर्ग (जे यदुवंशक कुलगुरु छलाह) गोकुल आबि कऽ गुप्त रूप सँ दुनू बालकक नामकरण केलनि।
८२. (B) ओ अत्यन्त बलवान छलाह आ लोककें आनन्द (राम) दैत छलाह — अत्यधिक बल आ लोककें रमन (आनन्दित) करबाक कारणे हुनकर नाम बलराम, बलभद्र वा संकर्षण पड़ल।
८३. (B) ओ श्याम (कारी) वर्णक छलाह आ सभकें आकर्षित (आकर्षण) करैत छलाह — 'कृष्' धातु सँ कृष्ण बनल अछि जकर अर्थ श्याम वर्ण आ आकर्षित करय वला होइछ।
८४. (C) माखन (मक्खन) आ दही — बाल-कृष्ण गोपीसभक घरमे घुसि कऽ माखन आ दही चोराय लागल छलाह।
८५. (B) वानर (बानर) आ अपन सखासभकें — ओ छीका पर सँ माखन उतारि स्वयं खाइत छलाह आ अपन मित्रसभ तथा वानरसभकें सेहो खियावैत छलाह।
८६. (B) कृष्णक माखन चोरीक शिकायत (उपालम्भ) — सभ गोपी यशोदा लग उलाहन (शिकायत) लऽ कऽ अबैत छलीह जे अहाँक कान्ह हमर माखन चोरा लैत अछि।
८७. (B) एकटा रस्सी सँ उखली (ओखल) मे बान्हि देलनि — यशोदा क्रोधित भऽ कऽ कृष्णकें एकटा भारी उखली (mortar) सँ रस्सी सँ बान्हि देलनि।
८८. (B) दामोदर (दाम + उदर) — दाम (रस्सी) सँ उदर (पेट) बान्हल जेबाक कारणे भगवानक एकटा नाम 'दामोदर' पड़ल।
८९. (B) यमलार्जुन (जुड़वा अर्जुनक गाछ) — कृष्ण उखली खींचैत यमलार्जुन (दुइटा विशाल अर्जुनक गाछ) क बीच सँ निकलबाक प्रयास केलनि।
९०. (B) दुनू विशाल यमलार्जुनक गाछ जड़ि सँ उखड़ि कऽ खसि पड़ल — कृष्णक हल्का झटका सँ हे दुनू विशाल गाछ भयंकर शब्दक संग खसि पड़ल।
९१. (B) नलकूबर आ मणिग्रीव नामक दू टा देवपुत्र (कुबेरक पुत्र) — नारदक शाप सँ कुबेरक दुनू पुत्र गाछ बनि गेल छलाह, जिनका कृष्ण उद्धार केलनि।
९२. (B) भगवानक स्तुति कऽ अपन लोक (स्वर्ग) चलि गेलाह — शापमुक्त भेलाक बाद ओ दुनू भगवानक परिक्रमा आ स्तुति कऽ स्वर्ग चलि गेलाह।
९३. (B) दौड़ल आयल आ कृष्णकें सुरक्षित देखि आश्चर्यचकित भेलाह — सभ दौड़ि कऽ आयल आ बालक कृष्णकें उखली सँ बान्हल आ गाछ गिरल देखि दंग रहि गेल।
९४. (B) भगवानक भक्त-प्रेम आ सहज बाल-सुलभ चंचलताक — भगवानक माखन चोरी साक्षात् भक्तक प्रेमकें ग्रहण करबाक आ वात्सल्य रसक लीला अछि।
९५. (B) सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड (१४ भुवन) — कृष्ण जखन हाइ (मुँह) खोलैत छथि, तँ यशोदा हुनकर छोटका मुँहमे सम्पूर्ण ब्रह्माण्डक दर्शन करैत छथि।
९६. (A) जे ई हमर पुत्र नहि साक्षात् ईश्वर छथि (फेर माया सँ भूलि जाइत छथि) — क्षण भरि लेल ओ ज्ञान प्राप्त करैत छथि, मुदा तुरन्त भगवानक योगमाया सँ फेर वात्सल्यमे मग्न भऽ जाइत छथि।

१७. (B) मैथिलीक गाम-घराक ठेठ शब्द (जेना छीका, मटकी, लोर) — मनबोध गामक ग्वार-आँगनक ठेठ शब्दावली सँ माखन चोरीकें अत्यन्त सजीव बना देने छथि।
१८. (B) गोकुलमे बहुत उपद्रव (राक्षस-प्रकोप) भऽ रहल अछि, अतः वृन्दावन जेबाक — लगातार उत्पात देखि वृद्ध गोपसभ सलाह देलनि जे गोकुल असुरसभक नजरिमे आबि गेल अछि, आब वृन्दावन चलू।
१९. (B) बैलगाड़ी (छकड़ा) पर अपन सम्पूर्ण सामग्री आ गोधन (गाय) लऽ कऽ — सभ गोप-गोपी अपन बैलगाड़ी पर सामान लादि कऽ गाय-बछबाक सँग वृन्दावन दिस प्रस्थान करैत छथि।
१००. (B) गौ-चारण (गाय चराएब) आ वन-विहार — वृन्दावनक सुन्दर वनमे कृष्ण आ बलराम अपन सखासभक सँग बछबा-गाय चरावय लगलाह आ वन-लीला प्रारम्भ केलनि।
१०१. (B) वत्सासुर — वत्सासुर बछबाक वेशमे आयल छल, जकरा कृष्ण पाछाँक पैर धऽ कऽ गाछ पर पटकि कऽ मारि देलनि।
१०२. (A) बकासुर — बकासुर एकटा विशाल बगुलाक रूपमे कृष्णकें निगलबाक प्रयास केलक, मुदा कृष्ण ओकर ठोर चीरि देलनि।
१०३. (B) अघासुर — अघासुर अजगर बनि कऽ बाटमे सुतल छल, जकर मुँहकें गुफा बुझि सभ ग्वाल-बाल भीतर चलि गेलाह, कृष्ण ओकरा मारि सभकें बचेलाह।
१०४. (C) कालिय नाग — कालिय नागक विष सँ यमुनाक ओहि कुण्डक जल विषैला भऽ गेल छल आ पशु-पक्षी मरि रहल छलाह।
१०५. (B) यमुनामे कूदि कऽ कालियक फन पर चढ़ि कऽ नृत्य केलनि (कालिय दमन) — कृष्ण कदम्बक गाछ सँ यमुनामे कूदि गेलाह आ कालिय नागक हजार फन पर नाचि कऽ ओकर दमन केलनि।
१०६. (B) कालियक पत्नीसभ (नाग-पत्नीसभ) — नाग-पत्नीसभ भगवानक स्तुति कऽ अपन पतिक प्राण-दान मंगलनि।
१०७. (B) समुद्र (रमणक द्वीप) मे — भगवान ओकरा अपन परिवारक सँग यमुना छोड़ि समुद्र (रमणक द्वीप) मे जेबाक आदेश देलनि।
१०८. (B) वर्षा आ नीक फसलक लेल — गोकुलवासी इन्द्रकें वर्षाक देवता मानि कऽ हुनकर वार्षिक पूजा करैत छलाह।
१०९. (B) गोवर्धन पर्वत आ गाई (गोधन) क पूजा — कृष्ण कहलनि जे गोवर्धन पर्वत हमरा सभकें घास-जल दैत अछि, अतः ओकरे पूजा करबाक चाही (प्रकृति पूजा)।
११०. (B) क्रोधित भऽ कऽ भयंकर प्रलयकारी वर्षा (संवर्तक मेघ) शुरू कऽ देलनि — अहंकारी इन्द्र गोकुलकें डुबाबय लेल सात दिन धरि भयंकर वर्षा करेलनि।
१११. (B) गोवर्धन पर्वतकें कानी आँगुर पर छाता जकाँ उठा लेलनि — कृष्ण सात दिन धरि गोवर्धन पर्वतकें अपन एकटा आँगुर पर उठा कऽ सभ गोकुलवासीक रक्षा केलनि।
११२. (B) अहंकार चूर भेल आ कृष्णक शरणमे आबि कऽ स्तुति केलनि — इन्द्रक गर्व खण्डित भेल आ ओ सुरभी गाईक सँग आबि कऽ कृष्णक क्षमा-याचना केलनि आ 'गोविन्द' नाम सँ अभिषेक केलनि।
११३. (B) अहंकार पतनक कारण अछि आ कर्म/प्रकृतिक आदर करबाक चाही — गोवर्धन लीला कर्मयोग आ प्रकृतिक सम्मानक सन्देश दैत अछि तथा इन्द्रक अहंकारकें तोड़ैत अछि।
११४. (B) सभ ग्वाल-बालकें आँखि बन्द करय लेल कहि सम्पूर्ण आगि पीबि (निगलि) गेलाह — मुञ्जाटवी वनमे लागल भयंकर दावानलकें कृष्ण अपने पीबि कऽ सभक रक्षा केलनि।
११५. (B) सभ ग्वाल-बाल आ बछबाकें चोरा कऽ गुफामे लुका देने छलाह — ब्रह्मा भ्रमवश सभ बालक आ बछबाकें चोरा लेलनि, तखन कृष्ण स्वयं एक वर्ष धरि ओतबे बालक-बछबाक रूप धऽ लेलनि।
११६. (B) अत्यन्त मोहक, साहसी आ सभ गोपी-सखाक प्राण-प्रिय — कृष्ण अपन अद्भुत रूप आ लीला सँ सम्पूर्ण वृन्दावनक प्राण बनि गेल छलाह।
११७. (B) रास-लीला (महारास) — वंशीक ध्वनि सँ गोपीसभकें बजा कऽ कृष्ण यमुना तट पर दिव्य रास-लीला केलनि।
११८. (A) निर्वस्त्र स्नान नहि करबाक (वरुण देवक अपराध सँ बचबाक) — नदीमे निर्वस्त्र स्नान करब जल-देवताक अपमान अछि, एहि निमित्त कृष्ण वस्त्र चोरा कऽ गोपीसभकें ई शिक्षा देलनि।
११९. (B) घास खाएब छोड़ि कऽ चित्रलिखित (मूर्ति जकाँ) भऽ जाइत छल — वंशीक प्रभाव एतेक मादक छल जे पशु-पक्षी, यमुना जल सभ स्तब्ध भऽ जाइत छल।
१२०. (B) वीर रस आ अद्भुत रस — बालक कृष्णक द्वारा भयंकर नागक दमन वीर आ अद्भुत रसक उत्कृष्ट उदाहरण अछि।

- १२१. (B) अक्रूरकें** — कंस अपन मन्त्री आ यादव श्रेष्ठ अक्रूरकें रथ लऽ कऽ गोकुल पठेल्क जाहि सँ राम-कृष्णकें लाबि कऽ मारि सकय।
- १२२. (B) परम भक्ति आ प्रेमक भाव** — अक्रूर परम कृष्ण-भक्त छलाह, ओ मन-ही-मन भगवानक दर्शनक लालसा लऽ कऽ गोकुल जा रहल छलाह।
- १२३. (B) अक्रूरकें 'क्रूर' कहि कऽ विलाप करय लगलीह जे ओ हमर प्राण (कृष्ण) लऽ जा रहल छथि** — मथुरा प्रस्थानक समय गोपीसभ अक्रूरक रथ रोकबाक प्रयास केलनि आ विरहमे रोबय लगलीह।
- १२४. (B) भगवानक शेषशायी (विराट) रूपक** — अक्रूर जखन जलमे डुबकी लगेलनि तँ हुनका कृष्ण आ बलरामकें शेषनाग पर साक्षात् नारायण रूपमे दर्शन भेल।
- १२५. (B) कंसक अहंकारी रजक (धोबी)** — कंसक अहंकारी धोबी कृष्णकें वस्त्र नहि देलक आ दुर्वचन बजलक, जकरा कृष्ण एक चपेड़ामे मारि देलनि।
- १२६. (B) कुब्जा (कुबड़ी दासी)** — कंसक दासी कुब्जा प्रेम सँ भगवानकें चन्दन लगेलक, कृष्ण ओकर ठुट्टी धऽ ओकरा सुन्दर आ सीधी बना देलनि।
- १२७. (B) सहजे उठा कऽ प्रत्यज्या चढ़वैत तोड़ि देलनि** — कृष्ण विशाल धनुषकें खेल-खेलमे उठा कऽ ईख (कतारी) जकाँ तोड़ि देलनि, जकर भयंकर शब्द सँ कंस डरा गेल।
- १२८. (B) कुवलयपीड़ हाथी** — कृष्ण आ बलरामकें मारबाक लेल महावत कुवलयपीड़ हाथीकें दौड़ा देलक, जकरा कृष्ण खेल-खेलमे मारि ओकर दाँत उखाड़ि देलनि।
- १२९. (B) चाणूर आ मुष्टिक** — कृष्ण चाणूर सँ आ बलराम मुष्टिक सँ मल्ल-युद्ध (कुश्ती) कऽ कऽ हुनका सभकें मारि देलनि।
- १३०. (B) नन्दकें बान्ह, वसुदेवकें मारू आ ई दुनू बालककें पकड़ू** — क्रोधित आ भयभीत कंस गर्जि कऽ कहलक जे ई बालककें पकड़ू आ एकर पितासभकें मारि दीअ।
- १३१. (B) मञ्च पर उछलि कऽ कंसकें केस धऽ कऽ नीचाँ पटक देलनि आ मारि देलनि** — कृष्ण सिंह जकाँ छलाँग मारि मञ्च पर गेलाह, कंसक मुकुट गिरा कऽ ओकरा नीचाँ पटक मारि देलनि।
- १३२. (B) बलराम** — कंसक आठू भाई (कंस आदि) युद्ध करय दौड़लाह जकरा बलराम अपन गदा सँ मारि देलनि।
- १३३. (B) कारागारमे अपन माता-पिता (देवकी-वसुदेव) कें बेड़ी सँ मुक्त करय लेल** — कृष्ण आ बलराम तुरन्त कारागार जा कऽ माता-पिताकें बन्धन-मुक्त केलनि आ प्रणाम केलनि।
- १३४. (B) अपन नाना उग्रसेनकें (कंसक पिताकें)** — कृष्ण स्वयं राजा नहि बनलाह, बल्कि बन्दी उग्रसेनकें मुक्त कऽ मथुराक न्यायपूर्ण राजा बनेलनि।
- १३५. (B) समाप्त होइत अछि** — मनबोधक ई प्रबन्ध-काव्य (दशम स्कन्धक पूर्वार्ध) कंस-वध आ माता-पिताक उद्धारक सँग सुखान्त रूपमे समाप्त होइत अछि।
- १३६. (B) अहाँ सभ जाउ, हम बहुत जल्दी गोकुल घुरि कऽ आउब** — कृष्ण रोइत नन्द-बाबाकें सान्त्वना देलनि जे हम मथुराक काज कऽ कऽ जल्दी गोकुल आउब।
- १३७. (B) ई मिथिलाक गाम-गाममे लोक-कण्ठमे गाबल जाइत अछि** — एकर चौपाई-शैली आ ठेठ मैथिलीक कारण ई काव्य मिथिलाक गाम-गाममे मौखिक रूप सँ खूब लोकप्रिय अछि।
- १३८. (B) वीर आ रौद्र रस** — हाथी, मल्ल आ कंसकें मारबाक प्रसंगमे वीर रसक ओजस्वी आ सजीव चित्रण भेल अछि।
- १३९. (B) अनन्य आ निष्काम भक्तिक** — अक्रूर साक्षात् भक्तिक मार्ग छथि जे भगवानकें हृदयमे धारण करैत छथि।
- १४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब पर** — ई विस्तृत क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा अछि।

अध्याय ३ : Videha QUIZ | गोविन्ददास भजनावली (१-५०)

भाग १ (गीत १-७): परिचय आ वन्दना

१. 'गोविन्ददास भजनावली' क प्रकाशक के छथि?
 - (A) विदेह
 - (B) मैथिली अकादमी, पटना
 - (C) चेतना समिति
 - (D) साहित्य अकादमी
२. गोविन्ददासक पदावलीमे मुख्य रूप सँ ककर भक्ति आ लीला वर्णित अछि?
 - (A) शिव-पार्वती
 - (B) सीता-राम
 - (C) राधा-कृष्ण
 - (D) गणेश
३. गोविन्ददासक भाषा मुख्य रूप सँ की मानल जाइत अछि?
 - (A) शुद्ध संस्कृत
 - (B) ब्रजबुलि मिश्रित मैथिली
 - (C) पालि
 - (D) मगही
४. विद्यापति आ गोविन्ददासक शृङ्गार वर्णनमे मुख्य अन्तर की अछि?
 - (A) गोविन्ददासमे भक्ति-भावक प्रधानता अछि
 - (B) विद्यापतिमे भक्ति बेसी अछि
 - (C) दुनू एके अछि
 - (D) गोविन्ददास केवल वीर रस लिखलनि
५. प्रारम्भिक पदसभमे गोविन्ददास ककर वन्दना करैत छथि?
 - (A) इन्द्रक
 - (B) श्रीकृष्ण (हरि) क रूप आ लीलाक
 - (C) ब्रह्माक
 - (D) रावणक
६. गोविन्ददासकें वैष्णव समाजमे ककर अवतार वा प्रतिरूप मानल गेल अछि?
 - (A) तुलसीदासक
 - (B) विद्यापतिक (द्वितीय विद्यापति)
 - (C) कबीरक
 - (D) सूरदासक
७. गोविन्ददासक पदसभमे कोन अलंकारक प्रयोग सभसँ बेसी आ सुन्दर भेल अछि?
 - (A) यमक
 - (B) श्लेष
 - (C) अनुप्रास (शब्दालंकार)
 - (D) अतिशयोक्ति
८. भजनावलीक गीतमे 'श्याम' वा 'श्यामल' शब्द ककर लेल प्रयुक्त अछि?
 - (A) मेघ लेल
 - (B) श्रीकृष्ण लेल
 - (C) राति लेल
 - (D) यमुना लेल

९. कृष्णक माथ पर कोन मुकुट सुशोभित अछि जकर वर्णन भजनावलीमे अछि?

- (A) स्वर्ण मुकुट
- (B) रत्न मुकुट
- (C) मयूर-पिच्छ (मोर-मुकुट)
- (D) रजत मुकुट

१०. कृष्णक होठ (अधर) पर की सुशोभित अछि?

- (A) मुरली (वंशी)
- (B) पान
- (C) शंख
- (D) चक्र

११. गोविन्ददासक गीतसभमे 'मुरली' क ध्वनि ककरा जकाँ काज करैत अछि?

- (A) युद्धक शंख
- (B) कामदेवक बाण वा मन्त्र
- (C) भयक कारण
- (D) वर्षाक संकेत

१२. कृष्णक वस्त्रक रंग मुख्य रूप सँ की बतायल गेल अछि?

- (A) श्वेत (उज्जर)
- (B) पीताम्बर (पीयर)
- (C) नील
- (D) रक्त (लाल)

१३. गोविन्ददासक पदसभमे कोन छन्द वा गेय-रूपक प्राधान्य अछि?

- (A) चौपाई
- (B) दोहा
- (C) पद (पारम्परिक राग-ताल)
- (D) सोरठा

१४. राधाक सँग कृष्णक निवास-स्थान कतय बतायल गेल अछि?

- (A) मथुरा
- (B) वृन्दावन / कुञ्ज-वन
- (C) द्वारिका
- (D) अयोध्या

१५. कृष्णक नेत्रक सुन्दरताकें गोविन्ददास ककरा सँ उपमित केने छथि?

- (A) कमल-दल सँ
- (B) तारा सँ
- (C) चन्द्रमा सँ
- (D) समुद्र सँ

१६. कृष्णक छाती (वक्ष) पर कोन माला सुशोभित अछि?

- (A) मोती माला
- (B) वनमाला (फूलक माला)
- (C) स्वर्ण हार
- (D) तुलसी माला

१७. गोविन्ददासक गीतक अन्तमे 'भनइ गोविन्ददास...' की कहलावैत अछि?

- (A) मंगलाचरण
- (B) भणिता
- (C) दोहा
- (D) उपसंहार

१८. 'भजनावली' शब्दक की अर्थ अछि?

- (A) भोजनक सूची
- (B) भजन वा कीर्तनक संग्रह (आवली)
- (C) गद्य-संग्रह
- (D) व्याकरणक पोथी

१९. राधा आ कृष्णक प्रेममे गोविन्ददास ककर दर्शन करैत छथि?

- (A) जीवात्मा आ परमात्माक मिलनक
- (B) सामान्य लोक-प्रेमक
- (C) शत्रुताक
- (D) वैराग्यक

२०. गोविन्ददासकें कोन कालक कवि मानल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक काल
- (B) मध्यकाल (विद्यापतिक परवर्ती)
- (C) प्राचीन काल
- (D) वर्तमान काल

भाग २ (गीत ८-१४): राधाक वयो-सन्धि आ रूप-वर्णन

२१. राधाक शैशव (बाल्यावस्था) आ यौवनक सन्धि-कालकें की कहल जाइछ?

- (A) प्रौढ़ावस्था
- (B) वयो-सन्धि
- (C) वृद्धावस्था
- (D) शैशवावस्था

२२. वयो-सन्धिमे राधाक नेत्र (आँखि) मे की परिवर्तन देखाइत अछि?

- (A) नेत्र छोट भऽ जाइछ
- (B) नेत्र चंचल आ विशाल भऽ कर्ण (कान) धरि पहुँचैछ
- (C) नेत्र बन्द रहैछ
- (D) कोनो परिवर्तन नहि

२३. राधाक मुख-मण्डलक सुन्दरताक उपमा ककरा सँ देल गेल अछि?

- (A) शरद पूर्णिमाक चन्द्रमा सँ
- (B) सूर्य सँ
- (C) तारा सँ
- (D) मेघ सँ

२४. चंचल नयनक तुलना गोविन्ददास ककरा सँ केने छथि?

- (A) मयूर सँ
- (B) खज्जन पक्षी वा चंचल हरिण (मृग) सँ
- (C) काग सँ
- (D) हंस सँ

२५. राधाक चालि (गती) वयो-सन्धिमे केहन भऽ जाइत अछि?

- (A) दौड़य वला
- (B) हंस वा गज (हाथी) जकाँ मन्थर आ मादक
- (C) रुक-रुक कऽ
- (D) उड़य जकाँ

२६. राधाक केश (बाल) क सघनताक तुलना ककरा सँ कएल गेल अछि?

- (A) नवीन मेघ (जलद) सँ
- (B) रातिक अन्हार सँ
- (C) नागिन सँ
- (D) उपरोक्त सभ

२७. वक्षस्थल (कुच-युग्म) क विकासकें कवि ककरा समान कहने छथि?

- (A) पहाड़
- (B) कञ्चन-कलश (स्वर्ण घट) वा कमल-मुकुल
- (C) नदी
- (D) फल

२८. राधाक कटि (कमर) क क्षीणताक वर्णनमे ककर उपमा अछि?

- (A) केहरी (सिंहनी) क कमर जकाँ
- (B) हाथीक कमर जकाँ
- (C) वृक्षक तना जकाँ
- (D) पर्वत जकाँ

२९. राधाक मुस्कान (हास्य) केँ ककरा जकाँ उज्ज्वल बतायल गेल अछि?

- (A) सोना जकाँ
- (B) चान्दी जकाँ
- (C) कुन्द पुष्प वा मोतीयक पाँती जकाँ
- (D) हीरा जकाँ

३०. राधाक चरणक कोमलताक तुलना ककरा सँ अछि?

- (A) लाल कमल (स्थलाम्बुज) सँ
- (B) गुलाब सँ
- (C) रेशम सँ
- (D) माखन सँ

३१. वयो-सन्धिमे राधाक स्वभावमे की नवीनता अबैत अछि?

- (A) क्रोध
- (B) लज्जा आ संकोच
- (C) घमंड
- (D) वाचालता

३२. राधाक नासिका (नाक) क सुन्दरता ककरा जकाँ अछि?

- (A) तिल-फूल वा शुक (सुग्गा) क चोंच जकाँ
- (B) पहाड़ जकाँ
- (C) बाँस जकाँ
- (D) खड्ग जकाँ

३३. राधाक ग्रीवा (गरदन) क उपमा ककरा सँ देल गेल अछि?

- (A) डमरू
- (B) कम्बु (शंख) सँ
- (C) सुराही
- (D) मटका

३४. राधाक नखक चमककें गोविन्ददास की कहने छथि?

- (A) सूर्यक किरण
- (B) अर्ध-चन्द्र वा चानक खण्ड
- (C) तारागण
- (D) विद्युत

३५. राधाक रूप देखि ककरा लज्जित होएबाक बात कवि कहैत छथि?

- (A) चन्द्रमा आ कामदेवकें
- (B) इन्द्रकें
- (C) सूर्यकें
- (D) गन्धर्वकें

३६. राधाक बोली (वचन) क मधुरता ककरा सँ बेसी अछि?

- (A) शंख सँ
- (B) कोकिलक स्वर वा अमृत सँ
- (C) बाँसुरी सँ
- (D) झरना सँ

३७. गोविन्ददासक रूप-वर्णनमे 'नख-शिख' क की तात्पर्य अछि?

- (A) केवल आभूषणक वर्णन
- (B) पैरक नख सँ लऽ माथक शिखा धरि अंग-प्रत्यंगक वर्णन
- (C) प्राकृतिक सौन्दर्य
- (D) विरह वर्णन

३८. राधाक भवाँ (भृकुटी) क वक्रता ककरा जकाँ अछि?

- (A) साँप जकाँ
- (B) कामदेवक धनुष जकाँ
- (C) तलवार जकाँ
- (D) नदी जकाँ

३९. गोविन्ददास अपन पदमे राधाकें ककर मूर्ति मानैत छथि?

- (A) साक्षात् शृङ्गार आ सौन्दर्यक मूर्ति
- (B) वैराग्यक मूर्ति
- (C) क्रोधक मूर्ति
- (D) दयाक मूर्ति

४०. राधाक बाहु (हाथ) क कोमलताक उपमा ककरा सँ अछि?

- (A) मृणाल (कमलनाल) सँ
- (B) लता सँ
- (C) सुवर्ण सँ
- (D) काठ सँ

भाग ३ (गीत १५-२१): कृष्ण-रूप आ पूर्वानुराग

४१. राधा प्रथम बेर कृष्णकें देखि कोन अवस्थामे पहुँचि जाइत छथि?

- (A) क्रोधित
- (B) पूर्वानुराग (प्रेमातुर) मे
- (C) उदासीन
- (D) निद्रामग्न

४२. कृष्णक जे रूप राधा देखैत छथि, ओकरा की कहल जाइछ?

- (A) त्रिभंगी ललित रूप
- (B) चतुर्भुज रूप
- (C) भयंकर रूप
- (D) बाल रूप

४३. कृष्णक वंशी-ध्वनि (मुरली-गान) राधाक हृदयमे की करैत अछि?

- (A) सुता दैत अछि
- (B) काम-ज्वर (विरह-उत्कण्ठा) जगा दैत अछि
- (C) शान्ति दैत अछि
- (D) भयभीत करैत अछि

४४. राधाक अनुरागक वर्णन करैत सखी (दूती) कृष्ण लग की कहैत अछि?

- (A) राधा बीमार अछि
- (B) राधा अहाँक रूप देखि कामातुर आ विरहिणी भऽ गेल अछि
- (C) राधा अहाँ सँ रुष्ट अछि
- (D) राधा नहि भेटत

४५. पूर्वानुरागमे नायिकाक भोजन आ निद्रा पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

- (A) बेसी खाइछ
- (B) त्याग भऽ जाइछ (भोजन-निद्रा नीक नहि लागैछ)
- (C) कोनो प्रभाव नहि
- (D) स्वप्न बेसी देखैछ

४६. राधाक 'नयनानुराग' (नयनक मिलन) ककरा सँ भेल अछि?

- (A) इन्द्र सँ
- (B) श्याम (कृष्ण) सँ
- (C) सखी सँ
- (D) चन्द्रमा सँ

४७. गोविन्ददासक पदमे कृष्णकें की कहि कऽ सम्बोधित कएल गेल अछि?

- (A) रसिक-शिरोमणि / नागर
- (B) राजा
- (C) संन्यासी
- (D) योद्धा

४८. राधाक हृदयमे कृष्णक कोन छवि बसि गेल अछि?

- (A) पीताम्बरधारी, मुरली-वादक छवि
- (B) रथ हांकय वला छवि
- (C) बाल-लीला छवि
- (D) राजाक छवि

४९. पूर्वानुरागमे राधा अपन घरक काजक प्रति केहन भऽ जाइत छथि?

- (A) बेसी काज करैत छथि
- (B) काज सँ विरक्त (अनमनी) भऽ जाइत छथि
- (C) सभकें काज सिखवैत छथि
- (D) काज नीक लागैछ

५०. राधाक प्रेमातुर दशा देखि सखीसभ की करैत छथि?

- (A) हँसैत छथि
- (B) चिन्तित होइत छथि आ उपाय सोचैत छथि
- (C) छोड़ि कऽ भागि जाइछ
- (D) मारैत छथि

५१. कृष्णक वंशीक स्वर राधाक कानमे ककर बाण जकाँ चुभैत अछि?

- (A) रामक
- (B) मदन (कामदेव) क पञ्चबाण जकाँ
- (C) शिवक
- (D) अर्जुनक

५२. राधाक शरीर पूर्वानुमानक ताप (विरह-ज्वर) सँ केहन भऽ गेल अछि?

- (A) क्षीण (पातर) आ पीला
- (B) मोटा
- (C) स्वस्थ
- (D) अपरिवर्तित

५३. राधा कृष्णक ध्यानमे ककरा सँ बात करय लगैत छथि?

- (A) स्वयं सँ वा कृष्णक चित्र सँ (शून्यमे)
- (B) राजा सँ
- (C) पशु सँ
- (D) शत्रु सँ

५४. राधाकें शीतल चन्दन आ चानक किरण केहन लागैत छन्हि?

- (A) सुखद
- (B) अग्नि जकाँ संतापदायक
- (C) ठंढा
- (D) शान्त

५५. कृष्णक मुखमण्डल पर पसीना (स्वेद-बिन्दु) क उपमा ककरा सँ अछि?

- (A) वर्षा सँ
- (B) चन्द्रमा पर मोतीयक बिन्दु जकाँ
- (C) ओस सँ
- (D) नदी सँ

५६. राधाक एक-एक पल वियोगमे ककर समान बीति रहल अछि?

- (A) एक क्षण जकाँ
- (B) एक युग (कल्प) जकाँ
- (C) एक दिन जकाँ
- (D) एक मास जकाँ

५७. कृष्णक होठक मधुर मुस्कान राधाकेँ की कऽ रहल अछि?

- (A) मुग्ध आ घायल
- (B) प्रसन्न आ शान्त
- (C) भयभीत
- (D) क्रोधित

५८. राधाक गुरुजन (सास-ननद) क डर प्रेममे की भऽ जाइत अछि?

- (A) बढ़ि जाइछ
- (B) समाप्त भऽ जाइछ (लाज-भय त्याग)
- (C) ओहने रहैछ
- (D) केवल घरमे रहैछ

५९. गोविन्ददासक पदमे 'नागर' शब्द ककर लेल प्रयुक्त अछि?

- (A) चतुर कृष्ण लेल
- (B) नगरक निवासी लेल
- (C) राधा लेल
- (D) सखी लेल

६०. राधाक अनुरागकेँ गोविन्ददास ककर प्रतीक मानैत छथि?

- (A) अगाध आ निश्छल भक्तिक
- (B) मोहक
- (C) शत्रुताक
- (D) स्वार्थक

भाग ४ (गीत २२-२८): दूती-प्रसंग

६१. राधा आ कृष्णक मध्य मध्यस्थ (बिचौलिया) क काज के करैत अछि?

- (A) दूती (सखी)
- (B) नारद
- (C) उद्धव
- (D) यशोदा

६२. दूतीक स्वभाव गोविन्ददासक पदसभमे केहन वर्णित अछि?

- (A) मूर्ख
- (B) चतुर, वाक्पटु आ नीति-निपुण
- (C) क्रोधी
- (D) शान्त

६३. दूती कृष्ण लग जा कऽ ककर अवस्थाक वर्णन करैत अछि?

- (A) गोपिकासभक
- (B) राधाक विरह-व्यथा आ उत्कण्ठाक
- (C) अपन स्वयं क
- (D) कंस क

६४. दूती कृष्णकेँ राधा सँ मिलय लेल की दऽ कऽ प्रेरित करैत अछि?

- (A) धन दऽ कऽ
- (B) उपालम्भ (ताना) आ राधाक सौन्दर्यक वर्णन कऽ
- (C) शस्त्र दऽ कऽ
- (D) भोजन दऽ कऽ

६५. राधा लग जा कऽ दूती ककर अनुरागक बात कहैत अछि?

- (A) कृष्ण (श्याम) क
- (B) शिवक
- (C) राजाक
- (D) कामदेवक

६६. दूतीक वचन सुनि कऽ राधा पर की प्रभाव पड़ैत अछि?

- (A) राधा क्रोधित होइछ
- (B) राधाकें धैर्य अबैछ आ अभिसार लेल प्रेरित होइछ
- (C) राधा सुइत रहैछ
- (D) राधा भागि जाइछ

६७. दूती कृष्णकें कतय आबय लेल संकेत (समय आ स्थान) दैत अछि?

- (A) राजमहल
- (B) वृन्दावनक कुञ्ज (संकेत-स्थल)
- (C) बाजार
- (D) मन्दिर

६८. राधाक दशाक वर्णन करैत दूती कृष्णकें की कहैत अछि जे राधा की त्यागि देलनि अछि?

- (A) धन-सम्पत्ति
- (B) भोजन, निद्रा आ लाज-भय
- (C) गाम
- (D) वस्त्र

६९. दूती-प्रसंगमे कोन रस वा भावक पुष्टि होइत अछि?

- (A) हास्य
- (B) पूर्वानुराग आ मिलनोत्कण्ठा
- (C) करुण
- (D) रौद्र

७०. गोविन्ददासक दूतीक वचनमे कोन गुण प्रधान अछि?

- (A) कर्कशता
- (B) माधुर्य आ व्यंग्य (वाग्बिदग्धता)
- (C) भयानकता
- (D) नीरसता

७१. राधा सखीकें अपन व्यथा सुनावैत की कहैत छथि?

- (A) हमरा मरि जेबाक मन अछि
- (B) हमर प्राण माधव (कृष्ण) मे बसल अछि
- (C) हम कृष्ण सँ घृणा करैत छी
- (D) हमरा कतहु दोसर जेबाक अछि

७२. दूती कृष्ण सँ राधाक जीवन रक्षाक लेल की उपाय कहैत अछि?

- (A) जल
- (B) औषधि
- (C) तुरंत दर्शन (मिलन)
- (D) उपदेश

७३. कृष्णक रूप राधाक हृदयमे की कऽ रहल अछि?

- (A) शान्ति दैछ
- (B) दिन-राति जरा रहल अछि
- (C) निद्रा दैछ
- (D) भयभीत करैछ

७४. गोविन्ददासक पदमे दूतीक सफलता ककर प्रमाण अछि?

- (A) ओकर स्वार्थ क
- (B) राधा-कृष्णक अनन्य प्रेमक आ दूतीक वाक्-चातुरीक
- (C) शत्रुता क
- (D) धन क

७५. राधाक 'कुञ्ज' लेल प्रस्थान करवाक पूर्व दूती की करैत अछि?

- (A) ओकरा रोकैत अछि
- (B) ओकरा अभिसार लेल श्रृंगार करवैत अछि
- (C) मारैत अछि
- (D) सुता दैत अछि

७६. दूती कृष्णकें की स्मरण करावैत अछि?

- (A) उनकर अपराध
- (B) उनकर वादा (पूर्व प्रणय-कथा)
- (C) युद्ध
- (D) कर्ज

७७. राधाक लेल दूतीक की महत्व अछि?

- (A) शत्रु समान
- (B) प्राण-रक्षिका आ अभिन्न सखी समान
- (C) दासी समान
- (D) अजनबी

७८. दूती कृष्ण सँ राधाक कोमलताक तुलना ककरा सँ करैत अछि?

- (A) पाथर सँ
- (B) नव पल्लव वा शिरीष पुष्प सँ
- (C) लोहा सँ
- (D) काठ सँ

७९. गोविन्ददासक दूती-प्रसंग विद्यापति सँ कोना भिन्न लागैत अछि?

- (A) भाषा भिन्न अछि
- (B) गोविन्ददासमे भक्ति आ समर्पणक भाव बेसी सघन अछि
- (C) दुन्नू एके अछि
- (D) विद्यापतिमे दूती नहि अछि

८०. कृष्ण दूतीक बात सुनि कऽ की निर्णय लैत छथि?

- (A) नहि जेबाक
- (B) राधा सँ मिलय कुञ्ज जेबाक
- (C) मथुरा जेबाक
- (D) सुतबाक

भाग ५ (गीत २१-३५): अभिसार

८१. गोविन्ददासक साहित्यमे सभसँ प्रसिद्ध आ उत्कृष्ट पद कोन प्रसंगक मानल जाइत अछि?

- (A) वन्दना
- (B) अभिसार
- (C) मान
- (D) बाल-लीला

८२. अभिसार ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) घरमे बैसय केँ
- (B) प्रिय सँ गुप्त रूप सँ मिलय लेल संकेत-स्थल पर जेबाकें
- (C) युद्ध लेल जेबाकें
- (D) संन्यास लेबाकें

८३. प्रसिद्ध पद 'मन्दिर बाहिर कठिन कपाट' मे राधा कतय सँ बाहर निकलबाक प्रयास करैत छथि?

- (A) राजमहल सँ
- (B) अपन घर (मन्दिर) सँ अभिसार लेल
- (C) मन्दिर सँ पूजा कऽ कऽ
- (D) जेल सँ

८४. गोविन्ददासक अभिसारमे रातिक वर्णन केहन अछि?

- (A) चान्दनी राति
- (B) घनघोर अन्हार, मेघ-गर्जन आ वर्षाक राति (भादोक राति)
- (C) दिनक समय
- (D) भोरक समय

८५. अभिसार मार्गमे राधाक पैरक नीचाँ की बाधा अछि?

- (A) फूलक बाट
- (B) काद (कीचड़), शिखलौका आ साँप (भुजंग)
- (C) कालीन
- (D) नदी

८६. राधा अभिसारक लेल घरक आँगनमे कोना अभ्यास करैत छलीह?

- (A) काद आ जल ढारि कऽ रातिमे चलबाक
- (B) दौड़बाक
- (C) गाबय क
- (D) सुतबाक

८७. साँप सँ डसबाक भय दूर करबाक लेल राधा की अभ्यास करैत छलीह?

- (A) साँप मारब
- (B) पैरमे मञ्जीर बान्हि नागक (साँप) मुख पकड़बाक
- (C) साँप सँ भागब
- (D) कोनो अभ्यास नहि

८८. राधाक अभिसारकें केहन अभिसार कहल गेल अछि?

- (A) साधारण
- (B) कण्टकाकीर्ण आ योग-साधना जकाँ कठिन
- (C) सुखद
- (D) असम्भव

८९. अन्हरिया रातिमे अभिसार करय वली नायिकाकेँ की कहल जाइछ?

- (A) शुक्लाभिसारिका
- (B) दिवाभिसारिका
- (C) कृष्णाभिसारिका
- (D) सद्यःस्नाता

९०. अभिसार लेल राधा कोन रंगक वस्त्र धारण करैत छथि?

- (A) उज्जर
- (B) श्याम वा नील (नीलाम्बर)
- (C) पीयर
- (D) लाल

९१. पायल (नूपुर) क आवाज सँ बचेबाक लेल राधा की करैत छथि?

- (A) बेसी जोर सँ बजवैछ
- (B) खोलि कऽ हाथमे लऽ लैछ वा वस्त्रावृत्त करैछ
- (C) नूपुर फेकि दैछ
- (D) नूपुर तोड़ि दैछ

९२. मेघ गर्जन आ वज्रपात सुनि राधाक प्रतिक्रिया की होइत अछि?

- (A) ओ डरा कऽ घर घुरि जाइछ
- (B) ओ निर्भय भऽ आगू बढ़ैत अछि (प्रेम उन्माद)
- (C) ओ कानय लगैछ
- (D) ओ सुइत रहेछ

९३. गोविन्ददासक पदमे 'माधव' राधाक ई त्याग देखि की करैत छथि?

- (A) हँसैत छथि
- (B) कृतज्ञ आ मुग्ध भऽ जाइत छथि
- (C) क्रोधित होइछ
- (D) भागि जाइछ

९४. अभिसारमे राधाक मार्ग-दर्शक के अछि?

- (A) मशाल
- (B) राज-सैनिक
- (C) कृष्णक वंशीक ध्वनि आ प्रेम
- (D) नक्शा

९५. गोविन्ददासक अभिसार वर्णनमे राधाक प्रेम ककर प्रतीक अछि?

- (A) मोहक
- (B) जीवात्माक परमात्मा लेल सर्वोच्च त्याग आ समर्पणक
- (C) पागलपनक
- (D) मूर्खताक

९६. राधा कुञ्ज वनमे ककर खोज करैत छथि?

- (A) फूलक
- (B) श्याम-सुन्दर (कृष्ण) क
- (C) सखीक
- (D) धनक

९७. अभिसार मार्गक वर्णनमे गोविन्ददासक भाषा केहन अछि?

- (A) नीरस
- (B) नाद-सौन्दर्य आ अनुप्रासपूर्ण (इंकृत)
- (C) कठोर
- (D) साधारण

९८. गुरुजन (सास, ननद) क पहरा अभिसार लेल की अछि?

- (A) सहायक
- (B) सबसँ पैघ बाधा (दुर्ग)
- (C) कोनो बात नहि
- (D) मार्गदर्शक

९९. राधा अपन अभिसारक थकान कोना भूलि जाइत छथि?

- (A) सुइत कऽ
- (B) कृष्णक दर्शन (मुख-चन्द्र) पाबि कऽ
- (C) जल पीबि कऽ
- (D) कानि कऽ

१००. गोविन्ददासक राधा अभिसारमे ककरा पर विजय प्राप्त करैत छथि?

- (A) शत्रु पर
- (B) प्रकृति, भय आ सामाजिक लोक-लाज पर
- (C) रोग पर
- (D) धन पर

भाग ६ (गीत ३६-४२): मिलन आ रास-लीला

१०१. अभिसारक सफलताक बाद नायक-नायिकाक मध्य की होइत अछि?

- (A) युद्ध
- (B) वियोग
- (C) मधुर मिलन
- (D) संन्यास

१०२. कृष्ण आ राधाक मिलन कतय होइत अछि?

- (A) राजमहलमे
- (B) यमुना तीर वा कुञ्ज-भवनमे
- (C) मथुरामे
- (D) पर्वत पर

१०३. कृष्ण आ गोपीसभक सामूहिक नृत्य-लीलाकें की कहल जाइत अछि?

- (A) भांगड़ा
- (B) रास-लीला
- (C) कथक
- (D) गरबा

१०४. रास-लीलामे प्रत्येक गोपीक सँग के रहैत छथि?

- (A) एकटा कृष्ण (बहु-रूप)
- (B) सखी
- (C) राधा
- (D) इन्द्र

१०५. मिलनक समय कुञ्जक वातावरण केहन होइत अछि?

- (A) भयानक
- (B) सुगन्धित पुष्प, मलय पवन आ चान्दनी सँ युक्त (सुखद)
- (C) उदास
- (D) दुर्गन्धित

१०६. रास-मण्डलमे कृष्णक वंशीक ताल पर के नृत्य करैत अछि?

- (A) पशु-पक्षी
- (B) राधा आ गोपिकासभ
- (C) देवता
- (D) राक्षस

१०७. मिलन-प्रसंगमे राधाक लाज-संकोच की भऽ जाइत अछि?

- (A) बढ़ि जाइछ
- (B) कृष्णक प्रेमक आगू समाप्त भऽ जाइछ
- (C) ओहने रहैछ
- (D) क्रोधमे बदलैछ

१०८. गोविन्ददास रास-लीलाक वर्णनमे कोन वाद्य-यन्त्रक चर्चा करैत छथि?

- (A) मृदंग, करताल आ वंशी
- (B) गिटार
- (C) पियानो
- (D) शहनाई

१०९. राधा-कृष्णक युगल छविकें कवि ककरा समान बतावैत छथि?

- (A) स्वर्ण-रजत
- (B) जलद (मेघ) आ दामिनी (बिजली) क समान
- (C) सूर्य-चन्द्र
- (D) फूल-काँट

११०. रास-लीलामे देवतासभ आकाश सँ की करैत छथि?

- (A) तीर चलावैत छथि
- (B) पुष्प-वर्षा करैत छथि आ दर्शन करैत छथि
- (C) रोइत छथि
- (D) सुइत रहैत छथि

१११. गोविन्ददासक पदमे मिलनक सुखकें की कहल गेल अछि?

- (A) लौकिक सुख
- (B) ब्रह्मानन्द (अलौकिक सुख)
- (C) दुःख
- (D) सामान्य

११२. मिलनक पश्चात् भोरक समय (प्रातः काल) राधाक अवस्था केहन होइत अछि?

- (A) अलसाएल, वस्त्र-केश अस्त-व्यस्त
- (B) स्वच्छ आ सजल
- (C) क्रोधित
- (D) रोइत

११३. भोरमे गोपीसभ राधाक ई अलसाएल रूप देखि की करैत छथि?

- (A) मारैत छथि
- (B) हँसैत आ मीठ व्यंग्य करैत छथि
- (C) कानैत छथि
- (D) प्रणाम करैत छथि

११४. कृष्ण राधाक केश आ आभूषणकें की करैत छथि?

- (A) तोड़ि दैत छथि
- (B) पुनः अपने हाथ सँ सजावैत छथि (श्रृंगार करैत छथि)
- (C) फेकि दैत छथि
- (D) लुका दैत छथि

११५. रास-लीला कोन ऋतुक पूर्णिमामे मुख्य रूप सँ वर्णित अछि?

- (A) वसन्त
- (B) शरद ऋतु
- (C) वर्षा
- (D) ग्रीष्म

११६. कृष्णक रूप मिलनक समय ककरा जकाँ प्रफुल्लित रहैत अछि?

- (A) सूर्य जकाँ
- (B) खिलेल कमल जकाँ
- (C) पहाड़ जकाँ
- (D) काँट जकाँ

११७. राधाक अधर (ठोर) पर कृष्णक मिलनक की प्रभाव देखाइत अछि?

- (A) कोनो प्रभाव नहि
- (B) अधरक रंग उड़ी जाइछ वा खण्डित (दन्त-क्षत) रहैछ
- (C) रंग गाढ़ भऽ जाइछ
- (D) पवित्र रहैछ

११८. गोविन्ददास रास-लीलाक पदसभमे अपन (कविक) भूमिका की मानैत छथि?

- (A) राजाक
- (B) एकटा सखी (मञ्जरी) क रूपमे जे ई लीला देखि रहल छथि
- (C) शत्रुक
- (D) देवताक

११९. रास-नृत्यमे गोपीसभक नूपुर सँ की उत्पन्न होइत अछि?

- (A) अन्हार
- (B) मधुर झंकार (रुन्झुन्)
- (C) भय
- (D) क्रोध

१२०. मिलनक सुखद राति राधाकें केहन लागैत अछि?

- (A) युग जकाँ पैघ
- (B) एक क्षण जकाँ छोट
- (C) वर्ष जकाँ
- (D) कष्टदायक

भाग ७ (गीत ४३-५०): मान, विरह आ काव्य-शिल्प

१२१. शृङ्गार रसमे 'मान' क की अर्थ अछि?

- (A) सम्मान
- (B) नायकक त्रुटि पर नायिकाक प्रणय-कोप (रुस्नाइ)
- (C) अहंकार
- (D) मापन

१२२. मानिनी राधाकेँ मनेबाक लेल कृष्ण की करैत छथि?

- (A) क्रोधित होइछ
- (B) छोड़ि कऽ चलि जाइछ
- (C) चरण पर खसि कऽ अनुनय-विनय (नति) करैत छथि
- (D) मारैत छथि

१२३. जखन नायक कोनो आन नायिका सँ मिलि कऽ अबैत छथि, तँ नायिकाकेँ की कहल जाइछ?

- (A) खण्डिता
- (B) अभिसारिका
- (C) वासकसज्जा
- (D) प्रोखितभर्तृका

१२४. मानिनी राधा अपन दृष्टि कृष्ण दिस कोना रखैत छथि?

- (A) प्रेमपूर्ण
- (B) तिरछी (कटाक्ष) आ रुष्ट
- (C) बन्द
- (D) सीधी

१२५. सखी राधाकेँ मान त्यागय लेल की उपदेश दैत अछि?

- (A) मान छोड़ू, बेसी मान प्रेम लेल घातक होइछ
- (B) आरो रुसू
- (C) घर सँ भागि जाउ
- (D) कृष्णकेँ मारू

१२६. विरह (वियोग) जखन अबैत अछि, तखन कृष्ण कतय चलि जाइत छथि?

- (A) कुञ्जमे
- (B) मथुरा (प्रवासमे)
- (C) अयोध्या
- (D) स्वर्ग

१२७. विरह व्यथाक कारणे राधाक शारीरिक अवस्था केहन भऽ जाइत अछि?

- (A) स्वस्थ
- (B) अत्यन्त क्षीण (दुर्बल) आ मलिन
- (C) मोटा
- (D) कोनो परिवर्तन नहि

१२८. वियोगमे चन्द्रमाक किरण (चान्दनी) राधाकेँ केहन प्रतीत होइत अछि?

- (A) शीतल
- (B) अग्नि जकाँ संतापदायक (जराय वला)
- (C) अन्हार
- (D) शान्त

१२९. गोविन्ददासक पदसभक अन्तमे 'भनइ गोविन्ददास' की कहलावैत अछि?

- (A) वन्दना
- (B) भणिता (कविक हस्ताक्षर)
- (C) शीर्षक
- (D) दोहा

१३०. गोविन्ददासक भाषा 'ब्रजबुलि' मुख्य रूप सँ ककर-ककर मिश्रण अछि?

- (A) संस्कृत-हिन्दी
- (B) मैथिली-बांग्लाक कृत्रिम काव्य-भाषा
- (C) तमिल-तेलुगु
- (D) अवधी-भोजपुरी

१३१. गोविन्ददासक काव्यमे कोन गुणक सर्वोपरि महत्ता अछि?

- (A) ओज गुण
- (B) माधुर्य आ नाद-सौन्दर्य (ध्वनि-लालित्य)
- (C) प्रसाद गुण
- (D) भयानकता

१३२. राधाक विरह-वर्णन गोविन्ददासक दृष्टिमे की अछि?

- (A) लौकिक दुःख
- (B) परमात्मा सँ मिलय लेल जीवात्माक तड़प (भक्ति)
- (C) शत्रुता
- (D) मोह

१३३. विरहिणी राधाक आँखि सँ निरन्तर की प्रवाहित होइत रहैत अछि?

- (A) अमृत
- (B) रक्त
- (C) अश्रु-जल (लोड़क धार)
- (D) स्वप्न

१३४. मान-भंजनक पश्चात् राधा-कृष्णक सम्बन्ध केहन होइत अछि?

- (A) शत्रुतापूर्ण
- (B) पूर्वापेक्षया बेसी प्रगाढ़ आ मधुर
- (C) समाप्त
- (D) उदासीन

१३५. विरहमे राधा अपन श्रृंगार-प्रसाधनक की करैत छथि?

- (A) बेसी करैत छथि
- (B) पूर्णतः त्यागि दैत छथि
- (C) सखीकेँ दैत छथि
- (D) बेचि दैत छथि

१३६. गोविन्ददासक 'भजनावली' क गीति-परम्परा ककरा सँ प्रभावित अछि?

- (A) कबीर सँ
- (B) जयदेव आ विद्यापति सँ
- (C) तुलसीदास सँ
- (D) सूरदास सँ

१३७. मैथिली अकादमी, पटना सँ प्रकाशित ई पुस्तक ककर लेल महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल इतिहासकार लेल
- (B) मैथिली साहित्य, वैष्णव भक्ति आ संगीत-प्रेमी लेल
- (C) विज्ञान लेल
- (D) गणित लेल

१३८. विरह ताप शान्त करबाक लेल सखीसभ राधाकेँ की लगावैत छथि?

- (A) तेल
- (B) जल आ शीतल चन्दनक लेप
- (C) माटि
- (D) भस्म

१३९. गोविन्ददासक पदसभक गान मुख्य रूप सँ कोन समाजमे बेसी होइत अछि?

- (A) जैन समाज
- (B) बौद्ध समाज
- (C) वैष्णव कीर्तन समाज (विशेषतः मिथिला-बंगाल)
- (D) सूफी समाज

१४०. ई १४० प्रश्नक क्विजक निर्माता संस्था/पत्रिकाक नाम की अछि?

- (A) कोशी
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग
- (C) मिथिला मिहिर
- (D) आरंभ

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) मैथिली अकादमी, पटना — ई पुस्तक मैथिली अकादमी, पटना द्वारा प्रकाशित अछि।
२. (C) राधा-कृष्ण — गोविन्ददासक सम्पूर्ण पदावली राधा-कृष्णक प्रेम आ लीलाक चारु कात घुमैत अछि।
३. (B) ब्रजबुलि मिश्रित मैथिली — गोविन्ददासक पदसभमे ब्रजबुलि आ मैथिलीक अद्भुत मिश्रण अछि जाहि सँ संगीत आ माधुर्य बढ़ैत अछि।
४. (A) गोविन्ददासमे भक्ति-भावक प्रधानता अछि — विद्यापतिमे लौकिक शृङ्गारक प्राधान्य अछि, जखन कि गोविन्ददासक शृङ्गार पूर्णतः वैष्णव भक्ति-भाव सँ ओत-प्रोत अछि।
५. (B) श्रीकृष्ण (हरि) क रूप आ लीलाक — प्रारम्भिक गीतसभमे श्रीकृष्णक मङ्गलमय रूप, बंशी-वादन आ लीलाक वन्दना कएल गेल अछि।
६. (B) विद्यापतिक (द्वितीय विद्यापति) — हिनक पदसभक लालित्य आ भाव-प्रवणता देखि वैष्णव समाज हिनका 'द्वितीय विद्यापति' सेहो कहैत अछि।
७. (C) अनुप्रास (शब्दालंकार) — गोविन्ददास अपन झंकृत करय वला 'अनुप्रास' आ नाद-सौन्दर्यक लेल सम्पूर्ण साहित्यमे विख्यात छथि।
८. (B) श्रीकृष्ण लेल — 'श्याम' कृष्णक नाम आ हिनक वर्ण (रंग) दुनूक द्योतक अछि।
९. (C) मयूर-पिच्छ (मोर-मुकुट) — श्रीकृष्णक माथ पर मोर-पंख सँ बनल मुकुट (शिखिपिच्छ) धारण कएल गेल अछि।
१०. (A) मुरली (वंशी) — कृष्णक लाल अधर पर मुरली (वंशी) सुशोभित अछि जकर ध्वनि गोपीसभकेँ मोहित करैत अछि।
११. (B) कामदेवक बाण वा मन्त्र — वंशीक ध्वनि गोपीसभक हृदयमे प्रेमक उद्दीपन (कामदेवक मन्त्र) जकाँ काज करैत अछि।
१२. (B) पीताम्बर (पीयर) — कृष्ण पीताम्बर (पीला वस्त्र) धारण करैत छथि, जे हिनक श्याम वर्ण पर अत्यन्त सुन्दर लागैत अछि।
१३. (C) पद (पारम्परिक राग-ताल) — ई पद राग-रागिनी (जहिना तिरहुति, कामोद, सारंग) मे गाबल जाय वला गेय पद छथि।
१४. (B) वृन्दावन / कुञ्ज-वन — गोविन्ददासक प्रारंभिक लीलासभ वृन्दावन, यमुना तट आ कुञ्ज-वनमे घटित होइत अछि।
१५. (A) कमल-दल सँ — कृष्णक विशाल आ सुन्दर नेत्रकेँ खिलेल कमल-दलक समान बतायल गेल अछि।
१६. (B) वनमाला (फूलक माला) — कृष्णक वक्षस्थल पर आजानबाहु वनमाला (विभिन्न वन-पुष्पक माला) सुशोभित रहैत अछि।

१७. (B) भणिता — कवि द्वारा गीतक अन्तमे अपन नाम देबाक परम्पराकेँ 'भणिता' कहल जाइत अछि।
१८. (B) भजन वा कीर्तनक संग्रह (आवली) — भजनावली अर्थात् भजन (भक्तिपूर्ण पद) सभक आवली (संग्रह/पाँती)।
१९. (A) जीवात्मा आ परमात्माक मिलनक — वैष्णव परम्परामे राधा जीवात्माक आ कृष्ण परमात्माक प्रतीक छथि, दुनूक प्रेम ईश्वरीय मिलन अछि।
२०. (B) मध्यकाल (विद्यापतिक परवर्ती) — गोविन्ददास विद्यापति सँ परवर्ती (मध्यकालक) एकटा महान वैष्णव पदकर्ता छलाह।
२१. (B) वयो-सन्धि — वय (उम्र) क सन्धि अर्थात् जखन बाल्यावस्था जा रहल होइछ आ यौवन आबि रहल होइछ।
२२. (B) नेत्र चंचल आ विशाल भऽ कर्ण (कान) धरि पहुँचैछ — यौवनक आगमन पर नेत्र चंचल भऽ जाइछ आ ओकर विशालता कान धरि पहुँचैत प्रतीत होइछ।
२३. (A) शरद पूर्णिमाक चन्द्रमा सँ — शरद ऋतुक निर्मल पूर्णिमाक चन्द्रमा सँ राधाक मुखक तुलना कएल गेल अछि।
२४. (B) खञ्जन पक्षी वा चंचल हरिण (मृग) सँ — नयनक चंचलताक लेल खञ्जन चिड़ै वा मृग (हरिण) क उपमा सर्वप्रचलित आ सुन्दर अछि।
२५. (B) हंस वा गज (हाथी) जकाँ मन्थर आ मादक — बचपनक दौड़-धूप समाप्त भऽ जाइछ आ चालिमे गजगामिनी वा हंसगामिनी जकाँ मन्थरता आबि जाइछ।
२६. (D) उपरोक्त सभ — सघन, कारी आ लहराइत केशकेँ मेघ, रातिक अन्हार आ कारी नागिन सँ उपमित कएल जाइछ।
२७. (B) कञ्चन-कलश (स्वर्ण घट) वा कमल-मुकुल — नव-यौवनमे विकसित वक्षस्थल कञ्चन-कलश वा कमल-मुकुल (कली) जकाँ सुशोभित अछि।
२८. (A) केहरी (सिंहनी) क कमर जकाँ — क्षीण कटि (पतली कमर) क लेल केहरी (सिंह) क उपमा देल जाइत अछि।
२९. (C) कुन्द पुष्प वा मोतीयक पाँती जकाँ — उज्ज्वल दाँत आ मुस्कानक लेल कुन्दक फूल आ मोतीक उपमा देल गेल अछि।
३०. (A) लाल कमल (स्थलाम्बुज) सँ — कोमल चरणकेँ लाल कमल वा नवपल्लव सँ उपमित कएल गेल अछि।
३१. (B) लज्जा आ संकोच — यौवनक आगमनक संग स्वभावमे एकटा स्वाभाविक लज्जा आ संकोच आबि जाइत अछि।
३२. (A) तिल-फूल वा शुक्र (सुग्गा) क चोंच जकाँ — सुन्दर नासिकाक लेल तिल-पुष्प वा सुग्गाक चोंचक उपमा देल जाइत अछि।
३३. (B) कम्बु (शंख) सँ — तीन रेखा वला गोल ग्रीवाकेँ कम्बु (शंख) क समान सुन्दर मानल गेल अछि।
३४. (B) अर्ध-चन्द्र वा चानक खण्ड — पैर आ हाथक नखकेँ अर्ध-चन्द्र वा चन्द्रमाक टुकड़ाक समान चमकीला वर्णित कएल अछि।
३५. (A) चन्द्रमा आ कामदेवकेँ — राधाक मुख सँ चन्द्रमा आ सौन्दर्य सँ कामदेव (रति) सेहो लज्जित भऽ जाइत छथि।
३६. (B) कोकिलक स्वर वा अमृत सँ — राधाक मधुर वचन अमृत सँ सेहो मीठ आ कोइलक स्वर सँ सेहो सुरीला अछि।
३७. (B) पैरक नख सँ लऽ माथक शिखा धरि अंग-प्रत्यंगक वर्णन — नख-शिख परम्परामे नख सँ शिखा धरि नायिकाक सम्पूर्ण सौन्दर्यक क्रमिक वर्णन होइछ।
३८. (B) कामदेवक धनुष जकाँ — भृकुटीकेँ मदन (कामदेव) क धनुष जकाँ वक्र आ बाण छोड़य लेल तत्पर बतायल गेल अछि।
३९. (A) साक्षात् शृङ्गार आ सौन्दर्यक मूर्ति — राधा साक्षात् प्रेम, शृङ्गार आ सौन्दर्यक अधिष्ठात्री देवीक रूपमे वर्णित छथि।
४०. (A) मृणाल (कमलनाल) सँ — कोमल आ गोरा बाहुकेँ कमलनाल (मृणाल) जकाँ कोमल वर्णित कएल गेल अछि।
४१. (B) पूर्वानुराग (प्रेमातुर) मे — प्रथम दर्शन सँ उत्पन्न प्रेमकेँ पूर्वानुराग कहल जाइछ जहिमे नायिका उत्कण्ठित भऽ जाइछ।
४२. (A) त्रिभंगी ललित रूप — कृष्ण तीन ठाम (गरदन, कमर, आ पैर) सँ टेढ़ भऽ कऽ वंशी बजवैत छथि, जकरा त्रिभंगी रूप कहल जाइछ।
४३. (B) काम-ज्वर (विरह-उत्कण्ठा) जगा दैत अछि — वंशी ध्वनि सुनि राधाक हृदयमे प्रेमक उत्कण्ठा आ मिलनक तड़प जाग्रत भऽ जाइत अछि।
४४. (B) राधा अहाँक रूप देखि कामातुर आ विरहिणी भऽ गेल अछि — दूती कृष्णकेँ राधाक उत्कण्ठित दशाक वर्णन कऽ मिलन लेल प्रेरित करैत अछि।
४५. (B) त्याग भऽ जाइछ (भोजन-निद्रा नीक नहि लागैछ) — प्रेमक कारणे नायिकाक रातिक निद्रा आ दिनक भूख दुनू समाप्त भऽ जाइत अछि।
४६. (B) श्याम (कृष्ण) सँ — नयन सँ नयनक मिलन (प्रथम दर्शन) श्यामसुन्दर कृष्ण सँ भेल अछि।
४७. (A) रसिक-शिरोमणि / नागर — कृष्णकेँ रसिक-शिरोमणि, नागर, नटवर आदि शृङ्गारिक विशेषण सँ सम्बोधित कएल गेल अछि।
४८. (A) पीताम्बरधारी, मुरली-वादक छवि — राधाकेँ कृष्णक मुरली बजवैत, पीताम्बर धारण कएने त्रिभंगी छवि हे मोनमे बसि गेल अछि।
४९. (B) काज सँ विरक्त (अनमनी) भऽ जाइत छथि — कृष्णक ध्यानमे मग्न रहबाक कारणे राधाकेँ घर-गृहस्थीक कोनो काज नीक नहि लागैत छन्हि।

५०. (B) चिन्तित होइत छथि आ उपाय सोचैत छथि — सखीसभ राधाक ई दशा देखि चिन्तित भऽ जाइत छथि आ कृष्ण लग दूती पठाएबाक विचार करैत छथि।
५१. (B) मदन (कामदेव) क पञ्चबाण जकाँ — वंशी ध्वनि साक्षात् कामदेवक बाण जकाँ राधाक हृदयकें बेधि दैत अछि।
५२. (A) क्षीण (पातर) आ पीला — विरह-ताप आ उत्कण्ठाक कारणे राधाक शरीर दिन-प्रति-दिन क्षीण आ पीला पड़ि रहल अछि।
५३. (A) स्वयं सँ वा कृष्णक चित्र सँ (शून्यमे) — उन्मादक अवस्थामे राधा शून्यमे ताकैत कृष्ण सँ बात करय लगैत छथि।
५४. (B) अग्नि जकाँ संतापदायक — वियोगमे सभ शीतल वस्तु (चन्दन, चन्द्रमा, मलय पवन) अग्नि जकाँ जराइत प्रतीत होइछ।
५५. (B) चन्द्रमा पर मोतीयक बिन्दु जकाँ — कृष्णक श्रम-स्वेद बिन्दुकें चन्द्रमाक मुख पर मोती जकाँ शोभित बतायल गेल अछि।
५६. (B) एक युग (कल्प) जकाँ — उत्कण्ठामे समय नहि कटैछ, अतः एक पल सेहो एक युग (कल्प) क समान लागैत अछि।
५७. (A) मुग्ध आ घायल — कृष्णक मन्द-मन्द मुस्कान (मन्द हास्य) राधाक हृदयकें चोरी कऽ लैत अछि।
५८. (B) समाप्त भऽ जाइछ (लाज-भय त्याग) — पूर्वानुरागक चरम अवस्थामे राधा कुलक लज्जा आ गुरुजनक भय त्यागय लेल तत्पर भऽ जाइत छथि।
५९. (A) चतुर कृष्ण लेल — नागर अर्थात् चतुर रसिक, जे कृष्णक लेल सम्बोधित अछि।
६०. (A) अगाध आ निश्छल भक्तिक — राधाक ई अनुराग साक्षात् निश्छल आ पूर्ण-समर्पित भक्तिक प्रतीक अछि।
६१. (A) दूती (सखी) — राधाक अन्तरंग सखी हे दूती बनि कऽ दुनू दिस प्रेमक सन्देश पहुँचाबैत अछि।
६२. (B) चतुर, वाक्पटु आ नीति-निपुण — दूतीकें अत्यन्त चतुर आ वाक्पटु (बात करबामे तेज) दिखाएल गेल अछि जे दुनूकें मना सकय।
६३. (B) राधाक विरह-व्यथा आ उत्कण्ठाक — दूती कृष्णकें राधाक दयनीय आ प्रेमातुर दशाकें विस्तार सँ सुनावैत अछि।
६४. (B) उपालम्भ (ताना) आ राधाक सौन्दर्यक वर्णन कऽ — दूती एक दिस कृष्णकें निष्ठुर कहैछ (ताना) आ दोसर दिस राधाक सौन्दर्यक लोभ सेहो दैछ।
६५. (A) कृष्ण (श्याम) क — दूती राधाकें विश्वास दिअवैत अछि जे कृष्ण सेहो अहाँ लेल ओतबे उत्कण्ठित छथि।
६६. (B) राधाकें धैर्य अबैछ आ अभिसार लेल प्रेरित होइछ — दूतीक उत्साहवर्धक बात सुनि राधाकें सान्त्वना भेटैछ आ ओ मिलय लेल तैयार होइत छथि।
६७. (B) वृन्दावनक कुञ्ज (संकेत-स्थल) — दूती कृष्णकें पूर्वनिर्धारित स्थान (कुञ्ज-वन) मे रातिक समय आबय लेल कहैत अछि।
६८. (B) भोजन, निद्रा आ लाज-भय — दूती कहैत अछि जे अहाँक प्रेमक कारणे राधा भोजन, निद्रा आ कुलक लाज सभ त्यागि देलनि।
६९. (B) पूर्वानुराग आ मिलनोत्कण्ठा — एहि प्रसंगमे नायक-नायिकाक मध्य मिलनक जे तीव्र उत्कण्ठा अछि तकर पुष्टि होइत अछि।
७०. (B) माधुर्य आ व्यंग्य (वाग्विदग्धता) — दूतीक बात कहबाक शैलीमे मिठासक सँग-सँग मीठ व्यंग्य सेहो रहैत अछि।
७१. (B) हमर प्राण माधव (कृष्ण) मे बसल अछि — राधा स्पष्ट कहैत छथि जे हमर प्राण माधवमे अछि, जँ ओ नहि भेटता तँ हम प्राण त्यागि देब।
७२. (C) तुरंत दर्शन (मिलन) — दूती कहैत अछि जे विरह-ज्वर सँ राधाक प्राण जा रहल अछि, केवल अहाँक दर्शन सँ हे बचि सकैत अछि।
७३. (B) दिन-राति जरा रहल अछि — स्मृतिमे बसल कृष्णक रूप राधाक हृदयकें निरन्तर विरहाग्निमे जरा रहल अछि।
७४. (B) राधा-कृष्णक अनन्य प्रेमक आ दूतीक वाक्-चातुरीक — दूतीक काज हे राधा-कृष्णक प्रेम-लीलाकें पूर्णता प्रदान करब अछि।
७५. (B) ओकरा अभिसार लेल श्रृंगार करवैत अछि — दूती राधाकें समझा-बुझा कऽ आ उपयुक्त श्रृंगार करा कऽ अभिसार लेल तैयार करैत अछि।
७६. (B) उनकर वादा (पूर्व प्रणय-कथा) — दूती कृष्णकें राधा सँ कएल गेल पूर्व प्रेम आ वादाकें स्मरण करा कऽ मिलय लेल बाध्य करैत अछि।
७७. (B) प्राण-रक्षिका आ अभिन्न सखी समान — राधाक लेल सखी-दूती एकमात्र सहारा अछि जेकर समक्ष ओ अपन हृदयक व्यथा राखि सकैत छथि।
७८. (B) नव पल्लव वा शिरीष पुष्प सँ — राधा अत्यन्त कोमलांगी छथि, विरहक सन्ताप ई नवपल्लव जकाँ शरीर नहि सहि सकैत अछि।
७९. (B) गोविन्ददासमे भक्ति आ समर्पणक भाव बेसी सघन अछि — गोविन्ददासक पदमे लौकिक श्रृङ्गारक स्थान पर आध्यात्मिक समर्पण आ भक्ति-भावक सघनता अछि।
८०. (B) राधा सँ मिलय कुञ्ज जेबाक — दूतीक वचन सुनि कृष्णक हृदय सेहो द्रवित भऽ जाइछ आ ओ मिलय लेल तत्पर भऽ जाइत छथि।
८१. (B) अभिसार — गोविन्ददासक 'अभिसार' पद (जहिना 'मन्दिर बाहिर कठिन कपाट') सम्पूर्ण वैष्णव साहित्यमे सर्वश्रेष्ठ मानल जाइत अछि।
८२. (B) प्रिय सँ गुप्त रूप सँ मिलय लेल संकेत-स्थल पर जेबाकें — नायक वा नायिकाक द्वारा एक दोसरा सँ मिलय लेल गुप्त रूप सँ कुञ्ज वा संकेत-स्थल जेबाक यात्रा हे अभिसार थिक।

८३. (B) अपन घर (मन्दिर) सँ अभिसार लेल — अपन घरक कठिन कपाट (दरवाजा) खोलि कऽ राधा भयंकर रातिमे कृष्ण सँ मिलय लेल निकलैत छथि।
८४. (B) घनघोर अन्हार, मेघ-गर्जन आ वर्षाक राति (भादोक राति) — गोविन्ददास भयंकर वर्षा, वज्रपात आ घनघोर अन्हारिया रातिक (कृष्ण पक्ष) अभिसारक सजीव वर्णन केने छथि।
८५. (B) काद (कीचड़), शिल्लौका आ साँप (भुजंग) — बाटमे काद (पंक), साँप आ काँट अछि, मुदा प्रेम-दीवानी राधाकेँ ई सभक परवाह नहि छन्हि।
८६. (A) काद आ जल ढारि कऽ रातिमे चलबाक — कवि वर्णन करैत छथि जे राधा आँगनमे जल ढारि कऽ फिसलकर चलबाक अभ्यास करैत छलीह जाहि सँ अभिसारमे कादमे नहि गिरैथ।
८७. (B) पैरमे मञ्जीर बान्हि नागक (साँप) मुख पकड़बाक — ओ हाथमे साँप धऽ कऽ अभ्यास करैत छलीह जाहि सँ रातिमे साँप सँ डर नहि लागय।
८८. (B) कण्टकाकीर्ण आ योग-साधना जकाँ कठिन — राधाक अभिसार साक्षात् योग-साधना वा तपस्या जकाँ अछि जतय भौतिक बाधासभ प्रेमक लग तुच्छ अछि।
८९. (C) कृष्णाभिसारिका — कृष्ण पक्षक घनघोर अन्हारियामे कारी वा नील वस्त्र पहिरि जाइ वली कृष्णाभिसारिका कहलावैत अछि।
९०. (B) श्याम वा नील (नीलाम्बर) — रातिक अन्हारमे छुपबाक लेल ओ नील वा कारी (श्याम) वस्त्र धारण करैत छथि।
९१. (B) खोलि कऽ हाथमे लऽ लैछ वा वस्त्रावृत्त करैछ — पायलक झंकार सँ रहस्य खुजयक डर रहैत अछि, ताहि लेल ओकरा खोलि लैत छथि।
९२. (B) ओ निर्भय भऽ आगू बढ़ैत अछि (प्रेम उन्माद) — प्रेमक उन्माद एतेक अछि जे भयंकर वज्रपात सेहो राधाकेँ डरा नहि सकैत अछि।
९३. (B) कृतज्ञ आ मुग्ध भऽ जाइत छथि — राधाक एहन कठिन अभिसार देखि कृष्ण पूर्णतः ओकरा प्रति समर्पित आ मुग्ध भऽ जाइत छथि।
९४. (C) कृष्णक वंशीक ध्वनि आ प्रेम — केवल कृष्णक वंशीक ध्वनि आ अपन आन्तरिक प्रेम-ज्योति हे राधाकेँ कुञ्ज धरि पहुँचावैत अछि।
९५. (B) जीवात्माक परमात्मा लेल सर्वोच्च त्याग आ समर्पणक — ई कठिन अभिसार सांसारिक बाधासभकेँ पार कऽ ईश्वर (कृष्ण) सँ मिलय लेल जीवात्माक तपस्याक प्रतीक अछि।
९६. (B) श्याम-सुन्दर (कृष्ण) क — कठिनाई पार कऽ ओ सीधे कुञ्जमे कृष्णकेँ खोजैत छथि।
९७. (B) नाद-सौन्दर्य आ अनुप्रासपूर्ण (झंकृत) — मेघक गर्जन आ वृष्टिकेँ वर्णन करय लेल कवि टंकार-प्रधान अनुप्रासक अद्भुत प्रयोग केने छथि (जेना 'तड़ित-पतन')।
९८. (B) सबसँ पैघ बाधा (दुर्ग) — घरक गुरुजनक तीक्ष्ण दृष्टि आ पहरा सँ बचि कऽ निकलनाय एकटा पैघ बाधा अछि।
९९. (B) कृष्णक दर्शन (मुख-चन्द्र) पाबि कऽ — कृष्णक रूप देखिते राधाक मार्गक सम्पूर्ण क्लेश आ थकान छूमंतर भऽ जाइत छन्हि।
१००. (B) प्रकृति, भय आ सामाजिक लोक-लाज पर — प्रेमक बल पर ओ प्रकृति (वर्षा/अन्हार), भयंकर जीव आ समाजक लोक-लाज तीनू पर विजय पबैत छथि।
१०१. (C) मधुर मिलन — बाधासभक पार करलाक बाद कुञ्ज वनमे राधा आ कृष्णक सुखद मिलन होइत अछि।
१०२. (B) यमुना तीर वा कुञ्ज-भवनमे — वृन्दावनक यमुना तीर आ कुञ्ज-वन (लता-वितान) हे हिनक प्रेम-लीलाक मुख्य स्थल अछि।
१०३. (B) रास-लीला — शरद पूर्णिमाक राति यमुना तट पर कृष्ण आ गोपीसभक नृत्यकेँ रास-लीला कहल जाइत अछि।
१०४. (A) एकटा कृष्ण (बहु-रूप) — कृष्ण अपन योगमाया सँ एतेक रूप बना लैत छथि जे प्रत्येक गोपीकेँ लागैछ जे कृष्ण हमरा सँग नृत्य कऽ रहल छथि।
१०५. (B) सुगन्धित पुष्प, मलय पवन आ चान्दनी सँ युक्त (सुखद) — कुञ्ज-भवनमे पुष्प-शय्या, मलय पवन आ भ्रमरक गुञ्जार मिलनक उद्दीपन बढ़ा दैत अछि।
१०६. (B) राधा आ गोपिकासभ — वंशीक मादक ध्वनि आ ताल पर राधा सहित सभ गोपिका मुग्ध भऽ नृत्य करैत छथि।
१०७. (B) कृष्णक प्रेमक आगू समाप्त भऽ जाइछ — कृष्णक अनुराग आ प्रेमालिङ्गन सँ राधाक सम्पूर्ण संकोच आ लज्जा दूर भऽ जाइत अछि।
१०८. (A) मृदंग, करताल आ वंशी — रासमे ताल वाद्य जहिना मृदंग (पखावज), करताल आ वंशीक झंकारक अद्भुत वर्णन अछि।
१०९. (B) जलद (मेघ) आ दामिनी (बिजली) क समान — कृष्ण (श्याम मेघ) आ राधा (गोरी बिजली) क आलिंगनकेँ मेघ आ बिजलीक मिलन जकाँ वर्णित कएल अछि।
११०. (B) पुष्प-वर्षा करैत छथि आ दर्शन करैत छथि — देवता, गन्धर्व आ किन्नर आकाश सँ ई दिव्य रास-लीला देखि मुग्ध होइछ आ फूलक वर्षा करैछ।
१११. (B) ब्रह्मानन्द (अलौकिक सुख) — राधा-कृष्णक मिलन केवल शारीरिक नहि, बल्कि ब्रह्मानन्द (ईश्वरीय आनन्द) क प्रतीक अछि।
११२. (A) अलसाएल, वस्त्र-केश अस्त-व्यस्त — रति-श्रान्ति (मिलनक थकान) क कारणे भोरमे नायिकाक केश, आभूषण आ वस्त्र अस्त-व्यस्त रहैत अछि।

११३. (B) हँसैत आ मीठ व्यंग्य करैत छथि — सखीसभ राधाक अस्त-व्यस्त शृङ्गार देखि मुसकुराबैत छथि आ रहस्य बुझि कऽ व्यंग्य करैत छथि।
११४. (B) पुनः अपने हाथ सँ सजावैत छथि (श्रृंगार करैत छथि) — मिलनक पश्चात् कृष्ण स्वयं अपन हाथ सँ राधाक केश बाँधैत छथि आ श्रृंगार करैत छथि।
११५. (B) शरद ऋतु — भागवत परम्परा आ पदसभमे रास-लीला 'शरद पूर्णिमा' क निर्मल रातिमे होइत अछि।
११६. (B) खिलेल कमल जकाँ — राधाक सान्निध्य पबैत कृष्णक मुख-मण्डल कमल जकाँ प्रफुल्लित भऽ जाइत अछि।
११७. (B) अधरक रंग उड़ी जाइछ वा खण्डित (दन्त-क्षत) रहैछ — मिलनक चिन्ह स्वरूप अधरक लाली मिटि जेना वा खण्डित रहब श्रृंगार परम्पराक अंग अछि।
११८. (B) एकटा सखी (मञ्जरी) क रूपमे जे ई लीला देखि रहल छथि — वैष्णव परम्परामे कवि स्वयं केँ एकटा सखी वा दासी (मञ्जरी) मानि कऽ लीला रसक पान करैत छथि।
११९. (B) मधुर झंकार (रुन्धुन) — नृत्यक गतीक सँग गोपीसभक पायल (नूपुर) आ किंकिणीक मधुर झंकार चारू कात गूँजैत अछि।
१२०. (B) एक क्षण जकाँ छोट — वियोगमे राति युग जकाँ पैघ लागैछ, मुदा मिलनमे ओही राति एक क्षणक समान तुरंत बीति जाइत अछि।
१२१. (B) नायकक त्रुटि पर नायिकाक प्रणय-कोप (रुस्नाइ) — नायक जखन कोनो त्रुटि करैत छथि, तँ प्रेमक कारणे नायिका जे रुसैत अछि ओकरा मान कहल जाइछ।
१२२. (C) चरण पर खसि कऽ अनुनय-विनय (नति) करैत छथि — मान-भंजनक प्रसंगमे श्रीकृष्ण राधाक चरण पकड़ि कऽ क्षमा माँगैत छथि।
१२३. (A) खण्डिता — अन्य नायिकाक चिन्हक सँग आयल नायककेँ देखि रुसल नायिका 'खण्डिता' कहलावैत अछि।
१२४. (B) तिरछी (कटाक्ष) आ रुष्ट — राधा क्रोध वा उपेक्षा देखाबय लेल मुँह घुमा कऽ तिरछी नजरि सँ देखैत छथि।
१२५. (A) मान छोड़ू, बेसी मान प्रेम लेल घातक होइछ — सखी समझावैत अछि जे बेसी कोप (मान) करब प्रेमक मधुरताकेँ नष्ट कऽ दैत अछि।
१२६. (B) मथुरा (प्रवासमे) — कृष्णक मथुरा प्रस्थानक बाद राधा आ गोपीसभक तीव्र विरह प्रारम्भ होइत अछि।
१२७. (B) अत्यन्त क्षीण (दुर्बल) आ मलिन — विरह-ताप आ भोजन-निद्राक त्याग सँ विरहिणीक शरीर अत्यन्त क्षीण भऽ जाइत अछि।
१२८. (B) अग्नि जकाँ संतापदायक (जराय वला) — संयोगमे जे चन्द्रमा शीतल लागैत छल, वियोगमे ओकर किरण अग्नि जकाँ जराइत अछि।
१२९. (B) भणिता (कविक हस्ताक्षर) — गीतक अन्तमे कविक नाम देबाक परिपाटीकेँ 'भणिता' कहल जाइत अछि।
१३०. (B) मैथिली-बांग्लाक कृत्रिम काव्य-भाषा — ब्रजबुलि एकटा कृत्रिम साहित्यिक भाषा थिक जहिमे मैथिली, बांग्ला आ किछु ब्रजक शब्दक मिश्रण होइछ।
१३१. (B) माधुर्य आ नाद-सौन्दर्य (ध्वनि-लालित्य) — हिनक पदसभमे अनुप्रास आ कोमल-कान्त पदावलीक कारण माधुर्य आ संगीतात्मकता अद्वितीय अछि।
१३२. (B) परमात्मा सँ मिलय लेल जीवात्माक तड़प (भक्ति) — वैष्णव परम्परामे विरह केवल दुःख नहि, बल्कि ईश्वर सँ मिलनक तीव्र उत्कण्ठा (भक्ति) अछि।
१३३. (C) अश्रु-जल (लोड़क धार) — विरह-ज्वरमे राधाक नयन सँ निरन्तर लोड़ (अश्रु) खसैत रहैत अछि।
१३४. (B) पूर्वापेक्षया बेसी प्रगाढ़ आ मधुर — मान टूटलक बाद मिलनमे प्रेमक रस आरो गाढ़ आ मधुर भऽ जाइत अछि।
१३५. (B) पूर्णतः त्यागि दैत छथि — प्रियक बिना श्रृंगार व्यर्थ अछि, अतः विरहिणी राधा सम्पूर्ण आभूषण आ प्रसाधन त्यागि दैत छथि।
१३६. (B) जयदेव आ विद्यापति सँ — हिनक गीति-शिल्प गीतगोविन्दकार जयदेव आ मैथिल कोकिल विद्यापति सँ पूर्णतः प्रभावित अछि।
१३७. (B) मैथिली साहित्य, वैष्णव भक्ति आ संगीत-प्रेमी लेल — ई संग्रह मैथिली साहित्यक अमूल्य धरोहर आ वैष्णव भक्तिक उत्कृष्ट उदाहरण अछि।
१३८. (B) जल आ शीतल चन्दनक लेप — ताप शान्त करबाक लेल चन्दनक लेप आ कमल-पत्ता रखल जाइछ, मुदा ओहो अग्नि जकाँ लागैछ।
१३९. (C) वैष्णव कीर्तन समाज (विशेषतः मिथिला-बंगाल) — हिनक पद गौड़ीय वैष्णव समाज आ मिथिला-बंगालक कीर्तन परम्परामे अद्यावधि गाबल जाइत अछि।
१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग — ई क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग हबक हिस्सा अछि।

अध्याय ४ : Videha QUIZ | मैथिली भाषा मे अनुसंधानक रुझान आ समकालीन लेखन

भाग १: विदेह आ समानान्तर साहित्य आन्दोलन

१. मैथिली साहित्यक मुख्यधारामे 'समानान्तर साहित्य आन्दोलन' (Parallel Literature Movement) क मुख्य प्रवर्तक के छथि?
(A) गजेन्द्र ठाकुर
(B) रमानाथ झा
(C) जयकान्त मिश्र
(D) उमानाथ झा
२. मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-पत्रिका (Fortnightly eJournal) कोन अछि?
(A) विदेह
(B) आरंभ
(C) मिथिला मिहिर
(D) भाखा
३. समकालीन अनुसंधानक अनुसार 'What The Canon Left Out' (कैनन जे छोड़ि देलक) पुस्तक-शृंखलाक मुख्य उद्देश्य की अछि?
(A) मुख्यधारा सँ छूटल उपेक्षित (Subaltern) साहित्यक संरक्षण आ प्रकाशन
(B) केवल कविता छापब
(C) व्याकरणक निर्माण
(D) विदेशी साहित्यक प्रचार
४. विदेह ई-पत्रिकाक अन्तर्गत 'Videha Parallel Library' (विदेह समानान्तर पोथी) क कतेक खण्ड (Tomes) प्रकाशित भेल अछि?
(A) खण्ड I-II
(B) खण्ड I-IV (Tomes I-IV)
(C) खण्ड I-X
(D) खण्ड I-V
५. समानान्तर साहित्य आन्दोलनक दृष्टिमे 'साहित्य' ककरा लेल होबाक चाही?
(A) केवल कुलीन वर्ग लेल
(B) लोक-जीवन आ आम जनमानस (Subaltern) लेल
(C) राजा-महाराजा लेल
(D) केवल विद्वान लेल
६. विदेह ई-पत्रिकाक प्रकाशन कहिया सँ निरन्तर चलि रहल अछि?
(A) २००८
(B) २००४
(C) २०१५
(D) २०००
७. समकालीन मैथिली साहित्यमे 'डिजिटल प्रलेखीकरण' (Digital Archiving) क सभसँ पैघ श्रेय ककरा जाइत अछि?
(A) मैथिली अकादमी
(B) विदेह ई-जर्नल आर्काइव
(C) चेतना समिति
(D) साहित्य अकादमी
८. समकालीन शोधमे 'मुख्यधारा' (Mainstream) आ 'समानान्तर धारा' क बीच मुख्य बहस की अछि?
(A) भाषाक मानकीकरण
(B) कैनन निर्माणमे पक्षपात आ उपेक्षित वर्गक साहित्यक पुनर्स्थापना
(C) छन्दक प्रयोग
(D) अनुवादक नियम

९. गजेन्द्र ठाकुर द्वारा रचित 'सहस्राब्दीक चौपड़ पर' कोन विधाक महत्वपूर्ण समकालीन रचना अछि?

- (A) कविता
- (B) उपन्यास / प्रबन्ध-कथा
- (C) गजल
- (D) नाटक

१०. समकालीन साहित्यमे 'विदेह' शब्दक प्रयोग ककर द्योतक अछि?

- (A) देह-रहित
- (B) भौगोलिक मिथिलाक प्राचीन नाम आ वैचारिक क्रान्तिक प्रतीक
- (C) विदेशी
- (D) विद्वान

११. समकालीन लेखनमे ई-बुक (e-Book) आ पीडीएफ (PDF) क प्रयोग सँ मैथिली साहित्यमे की प्रभाव पड़ल अछि?

- (A) साहित्य पठन घटि गेल
- (B) विश्वव्यापीकरण (Democratization) आ पाठकसभक विशाल पहुँच सुलभ भेल
- (C) किताब महग भेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

१२. समकालीन मैथिली गजलक क्षेत्रमे 'बहर-ए-विदेह' की थिक?

- (A) एकटा नव गजल संग्रह
- (B) मैथिली गजलक लेल प्रस्तावित एकटा नव छन्द-विधान (मीटर)
- (C) एकटा पुरस्कार
- (D) फारसीक पोथी

१३. विदेह द्वारा सम्पादित 'मैथिली गजलक व्याकरण' मुख्य रूप सँ ककरा पर केन्द्रित अछि?

- (A) उर्दू गजलक इतिहास
- (B) मैथिली गजलक आन्तरिक लय, छन्द (अरुज) आ ध्वनिक मानकीकरण
- (C) हिन्दी गजल
- (D) कविता पाठ

१४. समकालीन शोधक अनुसार मैथिलीमे 'गजल' विधाक प्रवेश आ ओकर स्थानीयकरणमे ककर पैघ योगदान अछि?

- (A) विद्यापति
- (B) समानान्तर साहित्य आन्दोलन आ आधुनिक गजलकारसभक
- (C) चन्दा झा
- (D) यात्री

१५. समानान्तर साहित्य आन्दोलन 'पारम्परिक समीक्षा-पद्धति' केँ किएक नकारैत अछि?

- (A) ओ कठिन अछि
- (B) ओ स्थापित वर्गक वर्चस्व आ पूर्वग्रह सँ ग्रसित अछि
- (C) ओ सरल अछि
- (D) ओ विदेशी अछि

१६. विदेह पत्रिकाक प्रकाशनमे 'सबाल्टर्न' (Subaltern) विमर्शक की स्थान अछि?

- (A) कोनो स्थान नहि
- (B) केन्द्रीय स्थान (दलित, स्त्री आ उपेक्षित वर्गक आवाज)
- (C) अन्तिम स्थान
- (D) नकारात्मक स्थान

१७. मैथिली साहित्यक प्रथम 'डिजिटल लिटरेरी आर्काइव' कोना सुरक्षित अछि?

- (A) कागज पर
- (B) यूनिकोड (Unicode) फन्ट आ वेब सर्वर पर
- (C) ताम्रपत्र पर
- (D) ऑडियो कैसेट पर

१८. 'What The Canon Left Out' शृंखलाक अन्तर्गत ककर रचनासभकें पुनर्जीवित कएल गेल?

- (A) विद्यापतिक
- (B) ओहि गुमनाम वा उपेक्षित लेखकसभक जकरा अकादमिक इतिहास छोड़ि देलक
- (C) कालिदासक
- (D) तुलसीदासक

१९. समकालीन लेखनमे 'विदेह' द्वारा आयोजित ई-लर्निङ्ग हब (e-Learning Hub) क की उद्देश्य अछि?

- (A) पैसा कमाबय
- (B) मैथिली भाषा-साहित्यक डिजिटल शिक्षा, क्विज आ प्रशिक्षण
- (C) किताब बेचय
- (D) विज्ञापन देबय

२०. समानान्तर साहित्य आन्दोलनक ऐतिहासिक महत्व की अछि?

- (A) ई साहित्यकें दरबारी सँ जनवादी बनेलक
- (B) ई केवल एकटा पत्रिका अछि
- (C) ई व्याकरणक विरोध केलक
- (D) ई अनुवादक विरोध केलक

भाग २: प्रमुख समकालीन हस्ताक्षर आ विमर्श

२१. समकालीन मैथिली आलोचनामे 'रमेश' आ 'रवीन्द्र नारायण मिश्र' कें की मानल जाइत अछि?

- (A) दुनू एकहि व्यक्ति छथि
- (B) दुनू सर्वथा भिन्न-भिन्न (अलग) साहित्यकार आ आलोचक छथि
- (C) दुनू छद्म नाम अछि
- (D) दुनू अनुवादक छथि

२२. समकालीन कथाकारक रूपमे 'लाल देव' क नाम लेखनमे कोना लिखल जाइत अछि?

- (A) लालदेव (Laldeo)
- (B) लाल देव (Lal Dev)
- (C) लालदेव कामत
- (D) लाल जी

२३. समकालीन विमर्शमे नव पुस्ताक प्रमुख हस्ताक्षर 'राजीव' क नाम प्रलेखनमे कोना प्रामाणिक मानल जाइछ?

- (A) राजेव (Rajev)
- (B) राजिव
- (C) राजीव (Rajeev)
- (D) रजीव

२४. समकालीन साहित्यकार 'रामानन्द मण्डल' क रचनासभमे मुख्य रूप सँ कोन विमर्श उद्घाटित होइत अछि?

- (A) कुलीन विमर्श
- (B) ग्राम्य यथार्थ आ सबाल्टर्न (दलित/वंचित) वर्गक विमर्श
- (C) पौराणिक कथा
- (D) विदेशी साहित्य

२५. समकालीन वेब पत्रकारिता आ साहित्यमे 'आशीष अन्विहार' क की भूमिका अछि?

- (A) केवल एकटा कवि
- (B) विदेहक उप-सम्पादक, रचनाकार आ वेब-पत्रकारिताक प्रमुख हस्ताक्षर
- (C) प्रकाशक
- (D) चित्रकार

२६. मैथिली साहित्यमे समकालीन आलोचनाक नव प्रतिमान स्थापित करबामे ककर भूमिका महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विदेह ई-जर्नल आ ओकर शोध-प्रकाशनक
- (B) केवल प्राचीन ग्रन्थक
- (C) रेडियोक
- (D) सिनेमाक

२७. नव पुस्ताक साहित्यकारसभ अपन रचनामे मुख्य रूप सँ कोन भाषा-शैलीक प्रयोग कऽ रहल छथि?

- (A) संस्कृतनिष्ठ कठिन मैथिली
- (B) सहज, सम्प्रेषणीय आ जनभाषाक सन्निकट मैथिली
- (C) केवल अंग्रेजी
- (D) मैथिली-हिन्दी मिश्रित

२८. समकालीन मैथिली गजलमे 'अन्विहार आखर' आन्दोलन की थिक?

- (A) एकटा किताबक नाम
- (B) गजलक क्षेत्रमे नव प्रयोग आ छन्द-मुक्ति/परिमार्जनक विमर्श
- (C) नाटकक नाम
- (D) पुरस्कारक नाम

२९. विदेह द्वारा प्रकाशित समकालीन शोध-रिपोर्टमे लेखकसभक 'नाम-वर्तनी' (Spelling) पर किएक जोर देल जाइत अछि?

- (A) सुन्दरता लेल
- (B) अकादमिक मानकीकरण आ डिजिटल सर्च (SEO) मे भ्रम सँ बचबाक लेल
- (C) कानूनन अनिवार्य अछि
- (D) कोनो कारण नहि

३०. समकालीन विमर्शमे 'स्त्री-विमर्श' (Feminism) क स्वरूप मैथिलीमे केहन अछि?

- (A) पाश्चात्य अन्धानुकरण
- (B) मिथिलाक सामाजिक यथार्थ आ स्त्रीक निज-अस्तित्वक संघर्ष पर आधारित
- (C) कोनो विमर्श नहि
- (D) केवल धार्मिक

३१. रामानन्द मण्डल आ लाल देव कामत जकाँ लेखकसभक कथामे 'प्रवासन' (Migration) क की प्रभाव देखाएल गेल अछि?

- (A) प्रवासन सँ लाभ
- (B) प्रवासन सँ गामक टुटहिन, एकान्तपन आ पारिवारिक विघटन
- (C) प्रवासन सँ शिक्षा
- (D) कोनो नहि

३२. समकालीन साहित्यमे 'आत्मकथा' आ 'संस्मरण' विधाक विकास कोना भऽ रहल अछि?

- (A) घटि रहल अछि
- (B) लोक अपन जीवनक यथार्थ, संघर्ष आ इतिहासकें बेबाकी सँ लिखि रहल छथि
- (C) केवल राजाक लिखल जाइछ
- (D) प्रतिबन्धित अछि

३३. समकालीन मैथिली कवितामे 'छन्द-मुक्त' (Free Verse) कविताक की स्थिति अछि?
- (A) पूर्णतः विलुप्त
 - (B) समकालीन कविताक मुख्य धारा (यथार्थवादी अभिव्यक्तिक माध्यम)
 - (C) केवल मंच पर गाबल जाइछ
 - (D) कोनो नहि
३४. आशीष अन्विहार आ राजीव जकाँ युवा हस्ताक्षरक रचनासभमे कोन युगबोध भेटैत अछि?
- (A) मध्यकालीन युगबोध
 - (B) समकालीन वैश्वीकरण, डिजिटल क्रान्ति आ महानगरीय बोध
 - (C) केवल ग्रामीण बोध
 - (D) प्राचीन युगबोध
३५. समकालीन शोधक अनुसार, 'रमेश' क आलोचना-दृष्टि केहन अछि?
- (A) पारम्परिक आ रूढ़िवादी
 - (B) तथ्यपरक, विश्लेषणात्मक आ वस्तुनिष्ठ (Objective)
 - (C) केवल प्रशस्तियुक्त
 - (D) निराशावादी
३६. मैथिली साहित्यमे 'दलित विमर्श' कें स्थापित करबामे ककर लेखनीक महत्वपूर्ण योगदान अछि?
- (A) केवल कुलीन लेखकक
 - (B) समानान्तर आन्दोलन सँ जुड़ल लेखकसभ आ अनूदित साहित्यक
 - (C) विदेशी लेखकक
 - (D) प्राचीन ग्रन्थक
३७. समकालीन मैथिली कथा-साहित्यमे 'कथानक' (Plot) क स्वरूपमे की बदलाव आयल अछि?
- (A) जादुई-कल्पना बेसी भेल
 - (B) रेखीय (Linear) कथानकक स्थान पर मनोवैज्ञानिक आ जटिल यथार्थवादी कथानकक प्रयोग
 - (C) कथानक समाप्त भऽ गेल
 - (D) केवल हास्य रहि गेल
३८. समकालीन विमर्शमे 'बाल-साहित्य' क की अवस्था अछि?
- (A) विदेह आ अन्य माध्यम सँ नव वैज्ञानिक आ मनोवैज्ञानिक बाल-साहित्यक सृजन
 - (B) एकदम नहि लिखल जा रहल अछि
 - (C) केवल भूत-पिशाचक कथा
 - (D) केवल अनुवाद होइछ
३९. समकालीन मैथिलीमे 'लघु-कथा' (Micro-fiction) क लोकप्रियताक कारण की अछि?
- (A) कागजक कमी
 - (B) डिजिटल माध्यम (सोशल मीडिया/ई-पत्रिका) क प्रभाव आ त्वरित सम्प्रेषण क्षमता
 - (C) लेखकक कमी
 - (D) पढ़ेबाक समयक कमी
४०. गजेन्द्र ठाकुरक लेखनमे 'बहु-आयामी' (Multi-dimensional) स्वरूप किएक देखाइत अछि?
- (A) ओ बहुत रास विधा जहिना सम्पादन, उपन्यास, शोध आ अनुवादमे समान रूप सँ सक्रिय छथि
 - (B) ओ केवल गजल लिखैत छथि
 - (C) ओ केवल इतिहास लिखैत छथि
 - (D) ओ केवल अंग्रेजी जनैत छथि

भाग ३: समकालीन अनुवादक नव प्रवृत्तिक

४१. पड़ोसी साहित्य सँ मैथिलीमे अनुवादक क्रममे भारतक पूर्वी तट स्थित 'Odia' भाषाकेँ मैथिलीमे शुद्ध रूपेँ की लिखल जाइत अछि?

- (A) ओरिया (Oria)
- (B) ओड़िया (Odia)
- (C) उड़िया
- (D) ओडिशी

४२. समकालीन मैथिली अनुवादक मुख्य रुझान की अछि?

- (A) केवल संस्कृत ग्रन्थक अनुवाद
- (B) अन्य भारतीय भाषाक दलित, सबाल्टर्न आ स्त्री-विमर्शक साहित्यक अनुवाद
- (C) केवल विदेशी भाषाक अनुवाद
- (D) अनुवाद बन्द अछि

४३. तेलुगु साहित्यक सुप्रसिद्ध रचना 'जिगिरी' (Jigiri) क मैथिली अनुवाद कोन विमर्शकेँ मैथिलीमे स्थापित करैत अछि?

- (A) कुलीन विमर्श
- (B) सबाल्टर्न आ दलित विमर्श
- (C) धार्मिक विमर्श
- (D) राज्याश्रय विमर्श

४४. 'The Comet's Coma' जकाँ रचनासभक मैथिली अनुवाद सँ मैथिली पाठकसभकेँ की लाभ भेल अछि?

- (A) कोनो लाभ नहि
- (B) समकालीन वैश्विक आ अन्य भाषाई यथार्थ सँ परिचय
- (C) व्याकरणक ज्ञान
- (D) छन्दक ज्ञान

४५. विदेह द्वारा कन्नड़ आ गुजराती भाषाक साहित्यक मैथिली अनुवादक की ऐतिहासिक महत्व अछि?

- (A) दक्षिण आ पश्चिम भारतीय भाषाक साहित्य सँ मैथिलीक सीधा संवाद स्थापित करब
- (B) हिन्दीक माध्यम खत्म करब
- (C) पुरान कथा पढ़ब
- (D) कोनो महत्व नहि

४६. समकालीन अनुवादमे 'सांस्कृतिक अनुवाद' (Cultural Translation) क की अर्थ अछि?

- (A) शब्दशः अनुवाद
- (B) मूल भाषाक सांस्कृतिक सन्दर्भ आ मुहावराकेँ मैथिलीक परिवेशक अनुकूल ढालब
- (C) संस्कृतमे अनुवाद
- (D) अनुवादक छोड़ि देब

४७. गजेन्द्र ठाकुर द्वारा कएल गेल अनुवादसभमे कोन वर्गक साहित्यकेँ प्राथमिकता देल गेल अछि?

- (A) राजा-महाराजाक
- (B) अछूत, उपेक्षित, मजदूर आ सीमान्तकृत (Subaltern) वर्गक
- (C) केवल विदेशी
- (D) केवल प्राचीन

४८. समकालीन शोधमे 'अनुवाद' केँ की मानल गेल अछि?

- (A) चोरी
- (B) दोसर भाषाक केवल नकल
- (C) एकटा स्वतन्त्र आ रचनात्मक साहित्यिक विधा (Transcreation)
- (D) अपराध

४९. मैथिली सँ अंग्रेजीमे अनुवादक समकालीन रुझान की अछि?

- (A) एकदम नहि भऽ रहल अछि
- (B) मैथिलीक उत्कृष्ट रचनासभकें वैश्विक मंच (Global Audience) धरि पहुँचाएब
- (C) केवल कविताक अनुवाद
- (D) पैसा कमाबय लेल

५०. ओड़िया साहित्यक समकालीन अनुवाद सँ मैथिली साहित्य पर की प्रभाव पड़ल अछि?

- (A) पूर्वी भारतक भाषाई आ सांस्कृतिक साझी विरासतक आदान-प्रदान
- (B) विवाद भेल
- (C) मैथिलीक पतन भेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

५१. समकालीन अनुवादक समक्ष सभसँ पैघ चुनौती की होइत अछि?

- (A) कलमक कमी
- (B) मूल रचनाक 'आंचलिकता' (Regional Flavour) कें लक्ष्य-भाषामे सुरक्षित राखब
- (C) प्रकाशकक कमी
- (D) समय क कमी

५२. विदेह द्वारा प्रकाशित अनूदित साहित्यमे 'पारिभाषिक शब्दावली' क की अवस्था अछि?

- (A) कठिन संस्कृत शब्दक प्रयोग
- (B) मैथिलीक निज-प्रकृतिक अनुकूल नव पारिभाषिक शब्दावलीक निर्माण
- (C) अंग्रेजी शब्दक प्रयोग
- (D) उर्दू शब्दक प्रयोग

५३. दलित साहित्यक अनुवादमे 'भाषाक खुरदरापन' (Rawness of language) कें किएक बरकरार राखल जाइत अछि?

- (A) अनुवादक मूर्ख छथि
- (B) यथार्थ आ पीड़ाकें ओकर मूल रूपमे सम्प्रेषित करबाक लेल
- (C) व्याकरणक कमी सँ
- (D) सौन्दर्य लेल

५४. कन्नड़ साहित्य सँ मैथिली अनुवादक कोनो एकटा मुख्य विशेषता की अछि?

- (A) उत्तर आ दक्षिण भारतक वैचारिक सेतु बनब
- (B) केवल धर्मक बात
- (C) केवल युद्धक बात
- (D) कोनो विशेषता नहि

५५. समकालीन अनुवादक 'भूमिका' (Preface) वा 'अनुवादकक वक्तव्य' मे की भेटैत अछि?

- (A) केवल धन्यवाद
- (B) अनुवाद-प्रक्रिया, मूल भाषाक सन्दर्भ आ वैचारिक शोधक विस्तृत विश्लेषण
- (C) केवल लेखकक जीवनी
- (D) किताबक मूल्य

५६. समानान्तर आन्दोलनक अनुवाद नीतिमे 'मध्यस्थ भाषा' (जेना हिन्दी वा अंग्रेजी) क प्रयोगकें की मानल जाइत अछि?

- (A) अनिवार्य
- (B) जहाँ धरि सम्भव होय एकरा टालब आ 'सीधा अनुवाद' (Direct Translation) करब
- (C) सर्वश्रेष्ठ
- (D) कानूनी

५७. गजेन्द्र ठाकुर द्वारा रचित/अनूदित ग्रन्थसभके प्रकाशक प्रायः कोन माध्यम सँ उपलब्ध करावैत छथि?

- (A) केवल महग किताबक रूपमे
- (B) डिजिटल माध्यम (विदेह आर्काइव) पर निःशुल्क ई-बुकक रूपमे
- (C) केवल पुस्तकालयमे
- (D) किराया पर

५८. 'The Comet's Coma' क मैथिली अनुवादमे 'Coma' जकाँ वैज्ञानिक/चिकित्सकीय स्थितिक वर्णन कोना कएल गेल अछि?

- (A) ओकरा छोड़ि देल गेल
- (B) मैथिलीक सहज आ बोधगम्य पारिभाषिक शब्दावलीक प्रयोग कऽ
- (C) केवल अंग्रेजीमे राखि देल गेल
- (D) संस्कृत श्लोक सँ

५९. मैथिलीमे अनूदित साहित्यक पाठक-वर्गमे की परिवर्तन आयल अछि?

- (A) पाठक घटि गेल
- (B) नव युवा पाठक आ शोधार्थीसभक रुचि अनूदित साहित्यमे बढ़ल अछि
- (C) केवल वृद्ध लोक पढ़ैत छथि
- (D) कोनो परिवर्तन नहि

६०. समकालीन अनुवादमे 'बहुभाषिकता' (Multilingualism) क की प्रभाव पड़ल अछि?

- (A) मैथिलीक पतन
- (B) मैथिली साहित्यकेँ वैचारिक रूप सँ समृद्ध आ समावेशी (Inclusive) बनेलक अछि
- (C) मैथिली कठिन भऽ गेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

भाग ४: नव्य-न्याय आ शास्त्रीय शोध

६१. प्राचीन मिथिलाक 'नव्य-न्याय' (Navya-Nyaya) परम्पराक संस्थापक ककरा मानल जाइत अछि?

- (A) विद्यापति
- (B) गंगेश उपाध्याय
- (C) वाचस्पति मिश्र
- (D) मण्डन मिश्र

६२. गंगेश उपाध्याय रचित सुप्रसिद्ध ग्रन्थ कोन अछि जकर समकालीन शोधमे पैघ महत्व अछि?

- (A) तत्त्वचिन्तामणि
- (B) न्याय कुसुमाञ्जलि
- (C) भामती
- (D) खण्डनखण्डखाद्य

६३. समकालीन अनुसंधानक अन्तर्गत 'दूषण पंजी' (Dooshan Panji) क उपयोग किएक कएल जा रहल अछि?

- (A) विवाह ठीक करय लेल
- (B) गंगेश उपाध्याय आ नव्य-न्यायक ऐतिहासिक विसंगतिसभ आ काल-निर्धारणक समाधान लेल
- (C) काव्य पढ़य लेल
- (D) संगीत लेल

६४. विदेह द्वारा प्रकाशित नव्य-न्याय पर शोध-प्रबन्धसभमे 'तत्त्वचिन्तामणि' क कोन पक्ष पर बेसी जोर देल गेल अछि?

- (A) ओकर धार्मिक पक्ष
- (B) ओकर तार्किक, एपिस्टेमोलॉजिकल (Epistemological) आ भाषिक-विश्लेषण पर
- (C) ओकर गीतात्मक पक्ष
- (D) ओकर हास्य पक्ष

६५. नव्य-न्यायक भाषा (तार्किक भाषा) के आधुनिक कालमें ककर समतुल्य मानल जाइत अछि?

- (A) कविताक भाषा
- (B) कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग वा सिम्बोलिक लॉजिक (Symbolic Logic) क भाषा
- (C) उर्दू गजल
- (D) लोकगीत

६६. गंगेश उपाध्याय 'तत्त्वचिन्तामणि' में कतेक 'प्रमाण' (Pramanas) के स्वीकार केने छथि?

- (A) एक (प्रत्यक्ष)
- (B) दू (प्रत्यक्ष, अनुमान)
- (C) चारि (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द)
- (D) छह

६७. समकालीन शोधमें 'पंजी-प्रबन्ध' (Panji System) के केवल विवाहक साधन नहि मानि कऽ आरो की मानल जाइत अछि?

- (A) अनावश्यक पोथी
- (B) मिथिलाक सामाजिक, ऐतिहासिक आ अकादमिक इतिहासक प्रामाणिक दस्तावेज
- (C) जादुई ग्रन्थ
- (D) कोनो नहि

६८. गजेन्द्र ठाकुर आ अन्य शोधकर्तासभ द्वारा प्राचीन पाण्डुलिपिसभक 'डिजिटलाइजेशन' (Digitalization) सँ की लाभ भेल अछि?

- (A) पाण्डुलिपि नष्ट भऽ गेल
- (B) मूल पाण्डुलिपिसभक संरक्षण आ वैश्विक शोधार्थीसभक लेल सुलभता
- (C) किताब महग भेल
- (D) कोनो लाभ नहि

६९. नव्य-न्यायक पारिभाषिक शब्द 'अवच्छेदक' (Avacchedaka) क साधारण अर्थ समकालीन शोधमें की बतायल जाइत अछि?

- (A) काटय वला
- (B) सीमित करय वला वा विशिष्टता (Delimiter/Specifier)
- (C) जोड़य वला
- (D) हँसय वला

७०. तत्त्वचिन्तामणिक 'अनुमान खण्ड' (Anumana Khanda) समकालीन दर्शनमें किएक प्रसिद्ध अछि?

- (A) ई सभसँ छोट अछि
- (B) एहिमें 'व्याप्ति' (Vyapti) वा तार्किक कारणक सभसँ सूक्ष्म आ गम्भीर विश्लेषण अछि
- (C) एहिमें गीत अछि
- (D) ई बुझबामे आसान अछि

७१. नव्य-न्यायक विकासमें मिथिलाक बाद कोन क्षेत्रक पैघ योगदान अछि जकर तुलनात्मक शोध आइ-काल्हि भऽ रहल अछि?

- (A) पंजाब
- (B) बंगाल (नवद्वीप / नदिया)
- (C) केरल
- (D) गुजरात

७२. समकालीन शोध-पत्रसभमें गंगेश उपाध्याय पर 'मोनोग्राफ' (Monographs) लिखबाक की उद्देश्य अछि?

- (A) पैसा कमाबय
- (B) हुनकर जीवन, दर्शन आ ऐतिहासिकताकेँ समकालीन सन्दर्भमें अकादमिक रूपेँ स्थापित करब
- (C) कहानी लिखब
- (D) किताबक पृष्ठ भरब

७३. मैथिली भाषाक समकालीन शोधमे 'नव्य-न्याय' क भाषा-शैलीक की प्रभाव मानल जाइत अछि?

- (A) मैथिली कविता पर प्रभाव
- (B) मैथिली गद्य आ पारिभाषिक शब्दावलीक तार्किकता आ सूक्ष्मता पर प्रभाव
- (C) मैथिली व्याकरण नष्ट भेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

७४. समकालीन शोधक अनुसार 'गंगेश उपाध्याय' क गाम कतय मानल जाइत अछि?

- (A) करियन (समस्तीपुर जिलाक पास)
- (B) बिसपी
- (C) सौराठ
- (D) उजान

७५. नव्य-न्याय पर भऽ रहल समकालीन शोधमे 'AI' (Artificial Intelligence) क प्रयोग कोना भऽ रहल अछि?

- (A) रोबोट बनेबामे
- (B) प्राचीन संस्कृत/मैथिली पाण्डुलिपिसभक OCR आ तार्किक विश्लेषणमे
- (C) गेम खेलबामे
- (D) कोनो प्रयोग नहि

७६. गंगेशक पूर्ववर्ती कोन दार्शनिकक ग्रन्थकें ओ अपन आधार बनेलनि?

- (A) शंकराचार्य
- (B) उदयन (उदयनाचार्य)
- (C) रामानुज
- (D) माधव

७७. समकालीन मैथिली शोधमे 'प्रमाण मीमांसा' (Epistemology) क अध्ययनकें की महत्व देल जा रहल अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) ज्ञानक स्वरूप आ ओकर प्रामाणिकताक समकालीन वैज्ञानिक कसौटी पर परिक्षण
- (C) केवल धार्मिक पूजा
- (D) केवल विवाद

७८. मैथिलीक ई-पत्रिका 'विदेह' प्राचीन दार्शनिक ग्रन्थसभकें कोना प्रकाशित कऽ रहल अछि?

- (A) केवल संस्कृतमे
- (B) मैथिली अनुवाद, आधुनिक समीक्षा आ विस्तृत शोध-प्रबन्धक (Expanded Outputs) सँग
- (C) केवल श्लोक छपि कऽ
- (D) नहि कऽ रहल अछि

७९. विदेह द्वारा प्रकाशित शोध-रिपोर्टमे 'ऐतिहासिक विसंगति' (Historical discrepancies) कें कोना सुलझाएल जाइत अछि?

- (A) अनुमान सँ
- (B) पंजी-प्रबन्ध (दूषण पंजी), शिलालेख आ समकालीन ग्रन्थक तुलनात्मक अध्ययन (Cross-reference) सँ
- (C) विदेशी लेखक सँ पूछि कऽ
- (D) छोड़ि देल जाइछ

८०. समकालीन मैथिली अकादमिक जगतमे 'तत्त्वचिन्तामणि' कें मैथिली पाठकसभ धरि पहुँचाएबाक की आवश्यकता बुझल गेल अछि?

- (A) ताकि पोथी बकय
- (B) अपन महान बौद्धिक परम्परा (Intellectual Heritage) सँ नव पुस्ताकें परिचित करब आ गर्व बोध करब
- (C) ताकि परीक्षा पास करय
- (D) कोनो आवश्यकता नहि

भाग ५: ई-पत्रकारिता, वेब आर्काइव आ तकनीकी विकास

८१. 'मैथिली वेब पत्रकारिताक इतिहास' (Maithili Web Journalism's History) पुस्तकक लेखक/अनुवादक के छथि?

- (A) चन्दा झा
- (B) आशीष अन्विहार / गजेन्द्र ठाकुर
- (C) यात्री
- (D) हरिमोहन झा

८२. मैथिली साहित्यकें इन्टरनेट पर सर्वप्रथम व्यवस्थित रूप सँ (यूनिफाइड) स्थापित करबाक श्रेय ककरा जाइत अछि?

- (A) मैथिली अकादमी
- (B) विदेह ई-जर्नल (www.videha.co.in) कें
- (C) गूगल कें
- (D) फेसबुक कें

८३. वेबसाइट 'videha.co.in' क समकालीन 'तकनीकी ओवरहॉल' (Technical Overhaul) क मुख्य उद्देश्य की रहल अछि?

- (A) वेबसाइट बन्द करब
- (B) वेबसाइटक 'साइटमैप' (Sitemap) जनरेट करब, SEO सुधारब आ आर्काइवकें सुव्यवस्थित करब
- (C) रंग बदलैत रहब
- (D) गेम जोड़ब

८४. विदेह द्वारा निर्मित 'डिजिटल आर्काइव' मे की-की संरक्षित अछि?

- (A) केवल नव कविता
- (B) ऑडियो, वीडियो, प्राचीन पाण्डुलिपि, समकालीन पत्रिका आ विदेह समानान्तर पोथीक चारू खण्ड
- (C) केवल फोटो
- (D) केवल विज्ञापन

८५. समकालीन मैथिली लेखक अपन पुस्तक प्रकाशित करबाक लेल 'सेल्फ-पब्लिशिंग' (Self-Publishing) प्लेटफॉर्मक उपयोग किएक कऽ रहल छथि?

- (A) ई महग अछि
- (B) पारम्परिक प्रकाशकसभक एकाधिकार तोड़बाक लेल आ वैश्विक वितरण (Pothi.com आदि) लेल
- (C) कागजक कमी सँ
- (D) शौक सँ

८६. मैथिली पुस्तकक लेल 'ISBN' (International Standard Book Number) प्राप्त करबाक समकालीन प्रक्रिया भारतमे कतय सँ होइत अछि?

- (A) मैथिली अकादमी सँ
- (B) RRRNA पोर्टल (राजा राममोहन राय नेशनल एजेन्सी) सँ
- (C) विदेह सँ
- (D) पोथी सँ

८७. समकालीन मैथिली पत्रकारितामे 'ई-लर्निङ्ग' (e-Learning) क भूमिका की अछि?

- (A) परीक्षा पास कराबय
- (B) नवोदित लेखकसभकें मैथिली व्याकरण, यूनिफाइड टाइपिंग आ साहित्यक डिजिटल प्रशिक्षण देब
- (C) पैसा कमाबय
- (D) कोनो भूमिका नहि

८८. मैथिली साहित्यमे 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (AI) क समकालीन उपयोग कोना भऽ रहल अछि?

- (A) केवल अनुवादमे
- (B) अनुवाद, शोध-प्रबन्ध जनरेट करबामे, टेक्स्ट-विश्लेषण आ तकनीकी प्रशिक्षण (AI Workshops) मे
- (C) कविता लिखबामे
- (D) कोनो उपयोग नहि

८९. वेब पत्रकारिताक युगमे मैथिली 'लघु-कथा' आ 'क्षणिका' क लोकप्रियताक मुख्य कारण की अछि?

- (A) कम्प्यूटरक कमी
- (B) डिजिटल माध्यम (सोशल मीडिया) क त्वरित सम्प्रेषण (Instant Reach) क्षमता आ पाठकक कम समय
- (C) लेखकक कमी
- (D) कागजक बचत

९०. समकालीन मैथिली ई-जर्नलसभमे 'पाठकक प्रतिक्रिया' (Reader's Feedback) कोना प्राप्त होइत अछि?

- (A) पत्र (चिट्ठी) द्वारा महिनोक बाद
- (B) ईमेल आ कमेंट-बॉक्सक माध्यम सँ त्वरित (Real-time)
- (C) टेलीफोन सँ
- (D) प्राप्त नहि होइछ

९१. विदेह वेबसाइटक होमपेज पर देल गेल 'सर्च' (Search) विकल्पक की महत्व अछि?

- (A) सजावट लेल
- (B) सैकड़ो अंक आ हजारों पृष्ठक आर्काइवमे सँ वाञ्छित सामग्री (लेखक/विषय) तुरंत खोजबाक लेल
- (C) गेम खेलय लेल
- (D) कोनो महत्व नहि

९२. समकालीन वेब पत्रकारितामे 'फन्ट' (Font) क समस्याकें कोना दूर कएल गेल?

- (A) अंग्रेजी फन्ट सँ
- (B) कृतिदेव वा अन्य नॉन-यूनिकोड फन्टक स्थान पर सर्वव्यापी 'यूनिकोड' (Unicode) फन्टक प्रयोग कऽ
- (C) हाथ सँ लिखि कऽ
- (D) चित्र बना कऽ

९३. मैथिलीक डिजिटल उपस्थिति सँ 'प्रवासी मैथिल' (Diaspora) समाजकें की लाभ भेल अछि?

- (A) गाम छूटि गेल
- (B) विश्वक कोनो कोनामे बैसि कऽ अपन मातृभाषाक साहित्य, समाचार आ संस्कृति सँ जुड़ल रहबाक सुविधा
- (C) विवाद भेल
- (D) कोनो लाभ नहि

९४. विदेह द्वारा प्रकाशित 'ऑडियो-विजुअल' (Audio-Visual) आर्काइवमे की संग्रहित अछि?

- (A) केवल सिनेमा
- (B) मैथिली लोकगीत, कविसम्मेलन, साक्षात्कार आ प्राचीन परम्पराक डिजिटल रिकॉर्डिंग
- (C) केवल समाचार
- (D) विदेशी गीत

९५. मैथिलीक वेब पत्रकारितामे 'क्राउड-सोर्सिंग' (Crowd-sourcing) क प्रयोग कोना होइत अछि?

- (A) पैसा चन्दा मांगय लेल
- (B) विभिन्न गाम आ प्रान्तमे बैसल लोकक माध्यम सँ लोक-कथा, समाचार आ शब्दावलीक संकलन करबामे
- (C) भीड़ जम्मा करय लेल
- (D) मार-पीट लेल

९६. समकालीन मैथिली ई-पत्रिकासभक आर्थिक मॉडल (Business Model) प्रायः केहन होइत अछि?

- (A) अत्यधिक महग सब्सक्रिप्शन
- (B) प्रायः निःशुल्क (Open Access), स्वयंसेवकक योगदान आ अव्यावसायिक
- (C) विज्ञापन सँ करोड़पति
- (D) सरकार सँ पोषित

९७. समकालीन शोध-आलेखसभमे 'हाइपरलिंक' (Hyperlinks) क प्रयोगक की फायदा अछि?

- (A) सुन्दर देखाइछ
- (B) सन्दर्भ (Reference) आ मूल स्रोत धरि एक क्लिकमे पहुँच (Cross-referencing) सुलभ होइछ
- (C) रंग बदलैछ
- (D) कोनो फायदा नहि

९८. मैथिली साहित्यमे 'ब्लॉगिंग' (Blogging) क की ऐतिहासिक भूमिका रहल अछि?

- (A) वेब पत्रकारिताक प्राथमिक चरण जतय लेखक बिना प्रकाशककें अपन बात राखय लगलाह
- (B) सिनेमाक रूप
- (C) व्याकरणक किताब
- (D) कोनो भूमिका नहि

९९. समकालीन वेब प्रकाशक (जहिना विदेह) 'पीडीएफ' (PDF) प्रारूपक प्रयोग किएक बेसी करैत छथि?

- (A) ई बनाइब कठिन अछि
- (B) पोथीक मूल लेआउट (Layout), फन्ट आ चित्रकें सुरक्षित राखबाक लेल तथा आसानी सँ डाउनलोड करबाक लेल
- (C) ई महग अछि
- (D) एकर कोनो विकल्प नहि अछि

१००. समकालीन मैथिली ई-लर्निङ्गमे 'क्विज' (जहिना ई क्विज) क की महत्व अछि?

- (A) केवल समय पास
- (B) पाठकसभकें इन्टरएक्टिव (Interactive) तरिका सँ मैथिली साहित्य आ इतिहासक परीक्षण आ प्रशिक्षण देब
- (C) कठिन बनाबय लेल
- (D) डराबय लेल

भाग ६: मैथिली गजल, छन्द आ काव्य-शास्त्र

१०१. मैथिली गजलक परम्परामे 'अन्विहार आखर' आन्दोलन मुख्य रूप सँ ककरा सँ सम्बन्धित अछि?

- (A) गद्य लिखबामे
- (B) मैथिली गजलकें उर्दू अरूजक अन्धानुकरण सँ मुक्त कऽ नव मीटर आ स्थानीय छन्द-विधान स्थापित करबामे
- (C) केवल संस्कृत श्लोकमे
- (D) महाकाव्य लिखबामे

१०२. समकालीन मैथिली गजलमे 'बहर-ए-विदेह' की थिक?

- (A) एकटा फारसी किताब
- (B) मैथिली गजलक लेल प्रस्तावित एकटा विशिष्ट नव बहर (मीटर / Rhythmic Pattern)
- (C) एकटा पुरस्कार
- (D) एकटा गामक नाम

१०३. मैथिलीमे गजल विधाक प्रवेश आ ओकर स्थापित होएबामे कोन पत्रिकाक विशेष 'गजल-अंक' क भूमिका रहल अछि?

- (A) विदेह पत्रिकाक विशेषांक आ निरन्तर प्रकाशन
- (B) मिथिला मिहिर
- (C) आरंभ
- (D) कोनो पत्रिका नहि

१०४. उर्दू 'गजल' क मैथिली संस्करणमे 'काफिया' आ 'रदीफ' क स्थान पर की प्रयोग होइत अछि?

- (A) कोनो नियम नहि
- (B) मैथिलीक पारम्परिक 'तुकान्त' (तुक्क) आ समान ध्वनिकान्त शब्दावलीक प्रयोग
- (C) संस्कृत श्लोक
- (D) अंग्रेजी राइम

१०५. समकालीन काव्य-शास्त्रमे मैथिली 'छन्द' (Meter) क आधार की मानल जाइत अछि?

- (A) केवल वर्ण (Syllable)
- (B) मात्रा (Mora), वर्ण आ मैथिलीक विशिष्ट उच्चारण-प्रकृति (ह्रस्व-दीर्घक स्थानीय नियम)
- (C) अंग्रेजी नियम
- (D) कोनो आधार नहि

१०६. मैथिली गजलमे 'मतला' (पहिल शेर) आ 'मकता' (अन्तिम शेर) क परम्पराकें कोना अपनाओल गेल अछि?

- (A) पूर्णतः त्यागि देल गेल
- (B) मैथिलीक सहजता सँग अपनाओल गेल अछि, जतय मकतामे कविक भणिता (उपनाम) अबैत अछि
- (C) फारसीमे लिखल जाइछ
- (D) केवल दोहा लिखल जाइछ

१०७. समकालीन मैथिली कवितामे 'मुक्तक' वा 'क्षणिका' कें की महत्व भेटल अछि?

- (A) ई पूर्णतः विस्मृत अछि
- (B) कम शब्दमे पैघ यथार्थ आ व्यंग्य सम्प्रेषित करबाक लेल ई अत्यन्त लोकप्रिय विधा बनि गेल अछि
- (C) ई केवल गान लेल अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

१०८. मैथिली गजलक विषय-वस्तु (Themes) मे समकालीन समयमे की परिवर्तन आयल अछि?

- (A) केवल प्रेमक बात (इश्क-ए-मजाजी) होइत अछि
- (B) प्रेम सँ ऊपर उठि कऽ सामाजिक यथार्थ, राजनीति, बेरोजगारी आ सबाल्टर्न विमर्श गजलक विषय बनल अछि
- (C) केवल भक्ति होइछ
- (D) कोनो परिवर्तन नहि

१०९. विदेह द्वारा सम्पादित 'मैथिली गजलक व्याकरण' मे 'बहर' कें कोना परिभाषित कएल गेल अछि?

- (A) अरबी भाषामे
- (B) मैथिलीक लय, ताल आ मात्रिक छन्दक उदाहरण सँग (स्थानीयकरण)
- (C) व्याकरण छोड़ि देल गेल
- (D) केवल संगीतमे

११०. समकालीन कविसभ द्वारा प्रयुक्त 'गद्य-कविता' (Prose Poetry) क की विशेषता अछि?

- (A) एहिमे कड़ा छन्द रहैछ
- (B) ई छन्द-मुक्त (Free verse) होइत अछि आ बिम्ब (Imagery) तथा वैचारिक गम्भीरता पर केन्द्रित रहैत अछि
- (C) ई गाबल जाइछ
- (D) ई केवल चुटकुला होइछ

१११. मैथिली गजलमे 'शेर' (Couplet) क दुनू पाँतीक (मिसरा) बीच की सम्बन्ध होइत अछि?

- (A) दुनू अलग-अलग कथा कहैछ
- (B) पहिल पाँती (मिसरा-ए-ऊला) भूमिका बान्हैत अछि आ दोसर पाँती (मिसरा-ए-सानी) ओकरा पूर्ण कऽ प्रहार करैत अछि
- (C) दुनूमे एकहि बात रहैछ
- (D) कोनो सम्बन्ध नहि

११२. गजेन्द्र ठाकुर आ आशीष अन्विहार जकाँ सम्पादकसभ 'गजलक मानकीकरण' लेल की केलनि?

- (A) गजल पर प्रतिबन्ध लगेलनि
- (B) गजलक कार्यशाला (Workshop), डिजिटल बहस आ विशेषांकक माध्यम सँ एकर व्याकरण तय केलनि
- (C) उर्दू सीखय लेल कहलनि
- (D) किछु नहि

११३. समकालीन कवितामे 'बिम्ब' (Image) आ 'प्रतीक' (Symbol) के कतय सँ लेल जा रहल अछि?

- (A) प्राचीन ग्रीक साहित्य सँ
- (B) मैथिलीक अपन माटि, गाम-घरक दैनिक जीवन आ कृषि-संस्कृति सँ
- (C) विदेशी सिनेमा सँ
- (D) कोनो प्रतीक नहि अछि

११४. मैथिलीक पारम्परिक 'तिरहुति', 'लगनी' जकाँ गेय पदसभक तुलनामे 'गजल' क संरचनामे की भिन्नता अछि?

- (A) दुनू पूर्णतः समान अछि
- (B) गेय पद प्रायः एकहि विषय पर आधारित होइछ, जखन कि गजलक प्रत्येक शेर अपने-आपमे स्वतन्त्र आ पूर्ण होइत अछि
- (C) गजलमे गीत होइछ
- (D) तिरहुति छोट होइछ

११५. मैथिली काव्य-शास्त्रक समकालीन शोधमे 'ध्वनि-सिद्धान्त' (Theory of Suggestion) के कोना देखल जाइत अछि?

- (A) पुराना मानि छोड़ि देल गेल
- (B) कविताक मारक क्षमता बुझबाक लेल अद्यावधि प्रासंगिक मानल जाइत अछि (शब्दक लक्षणा आ व्यञ्जना शक्ति)
- (C) केवल व्याकरणमे
- (D) कोनो महत्व नहि

११६. नव पुस्ताक कवि 'हाइकु' (Haiku) जकाँ जापानी विधाकेँ मैथिलीमे किएक अपना रहल छथि?

- (A) जापान जेबाक लेल
- (B) अत्यन्त कम शब्दमे (५-७-५ वर्ण) गहरी बात कहबाक लेल आ काव्यमे नव प्रयोग लेल
- (C) मैथिलीक कमी सँ
- (D) केवल फैशन लेल

११७. मैथिली गजलमे 'रदीफ' क की काज होइत अछि?

- (A) अर्थ बदलैत अछि
- (B) प्रत्येक शेरक अन्तमे काफियाक बाद दोहराएल जाय वला एक समान शब्द वा वाक्यांश, जे लय आ संगीतात्मकता प्रदान करैत अछि
- (C) कविताक शीर्षक होइछ
- (D) कविक नाम होइछ

११८. समानान्तर आन्दोलन 'कविता पाठ' (Poetry Recitation) के कोना रूपान्तरित केलक?

- (A) मंच सँ दूर कऽ देलक
- (B) ऑडियो-विजुअल आर्काइव (Podcast, YouTube) क माध्यम सँ कविसम्मेलनकेँ वैश्विक श्रोता धरि पहुँचाएल
- (C) बन्द कऽ देलक
- (D) केवल लिखबा पर जोर देलक

११९. समकालीन कवितामे 'नारी-संवेदना' क चित्रण कोना भऽ रहल अछि?

- (A) केवल देवी वा प्रेमिकाक रूपमे
- (B) एकटा स्वतन्त्र, चिन्तनशील आ अपन अधिकार लेल संघर्षरत मानव (सशक्त स्त्री) क रूपमे
- (C) कोनो चित्रण नहि
- (D) केवल दासीक रूपमे

१२०. मैथिली छन्द-शास्त्रक समकालीन विकासमे ककर अध्ययन अनिवार्य मानल जाइत अछि?

- (A) प्राचीन संस्कृत छन्द (पिंगल) आ उर्दू अरूज दुनूक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) केवल अंग्रेजी कविता
- (C) केवल मैथिली गीत
- (D) कोनो अध्ययन नहि

भाग ७: पुस्तक आवरण, कला आ सांस्कृतिक मोटिफ

१२१. समकालीन मैथिली पुस्तक (जहिना विदेहक प्रकाशन) क आवरण (Cover) पर मुख्य रूप सँ कोन चित्रकलाक मोटिफक प्रयोग होइत अछि?

- (A) पाश्चात्य मॉडर्न आर्ट
- (B) मिथिला आ मधुबनी चित्रकला (Mithila Art)
- (C) मुगल चित्रकला
- (D) राजपूत चित्रकला

१२२. मिथिला चित्रकलाक अन्तर्गत 'गोदना' (Godna/Tattoo) शैलीकें पुस्तक आवरण पर किएक स्थान देल जा रहल अछि?

- (A) ई आसान अछि
- (B) ई दलित आ हाशिया पर राखल गेल वर्ग (Subaltern) क कला अछि, जकरा समानान्तर साहित्य केन्द्रमे लाबि रहल अछि
- (C) ई राजाक कला अछि
- (D) कोनो कारण नहि

१२३. विदेह ई-पत्रिकाक फेविकॉन (Favicon) आ आवरण पर 'मयूर' (Peacock) क प्रयोग ककर प्रतीक मानल जाइत अछि?

- (A) युद्ध क
- (B) मिथिलाक पारम्परिक सौन्दर्य, प्रेम आ प्राकृतिक उल्लास (कलात्मक मोटिफ) क
- (C) उदासी क
- (D) राजचिन्ह क

१२४. समकालीन मैथिली पुस्तकक कवर डिजाइनमे 'माछ' (Fish) क मोटिफ की सन्देश दैत अछि?

- (A) हिंसा क
- (B) शुभ-मंगल, उर्वरता आ मिथिलाक जीवन-पद्धतिक प्रतीक
- (C) जल-संकट क
- (D) भोजन क

१२५. मैथिलीक समकालीन प्रकाशनसभमे 'डिजिटल डिजाइन' (Digital Design) क प्रवेश सँ की बदलाव आयल अछि?

- (A) किताब कुरूप भऽ गेल
- (B) कवर डिजाइनमे उच्च गुणवत्ता (High resolution), रंगा-रंग (Full Color) आ पेशेवर सौन्दर्य बोध (Professional Aesthetics) आयल अछि
- (C) आवरण उज्जर रहैछ
- (D) कोनो बदलाव नहि

१२६. समानान्तर साहित्य आन्दोलन 'आवरण कला' (Cover Art) कें साहित्यक सँग कोना जोड़ैत अछि?

- (A) अलग राखैछ
- (B) आवरणक चित्र पुस्तकक मूल संवेदना (Theme) आ विमर्श (जेना दलित/स्त्री) कें प्रतिध्वनित करैत अछि
- (C) केवल नाम लिखैछ
- (D) आवरण नहि दैछ

१२७. मिथिला चित्रकलाक 'कचनी' आ 'भरनी' शैलीक प्रयोग समकालीन वेब डिजाइन (जेना विदेह) मे कोना भऽ रहल अछि?

- (A) कोनो प्रयोग नहि
- (B) वेबसाइटक बॉर्डर, हेडर आ ई-बुकक लेआउटमे मिथिलाक पारंपरिक सौन्दर्यकें डिजिटल रूपमे सजेबामे
- (C) केवल रंग भरबामे
- (D) फन्ट बनेबामे

१२८. मैथिली पोथीक नामकरण (Typography/फन्ट डिजाइन) मे समकालीन रुझान की अछि?

- (A) अंग्रेजी फन्टक प्रयोग
- (B) यूनिकोड आधारित सुस्पष्ट आ कलात्मक देवनागरी/तिरहुता फन्टक प्रयोग, जाहि सँ शीर्षक आकर्षक लागय
- (C) हाथ सँ लिखब
- (D) छोट आखर

१२९. समकालीन पुस्तक आवरण पर 'कोहबर' (Kohbar) चित्रक प्रयोग कोन विधाक पुस्तक लेल बेसी उपयुक्त मानल जाइत अछि?

- (A) युद्ध कथा
- (B) शृङ्गारिक, प्रेम वा पारम्परिक वैवाहिक जीवन सँ जुड़ल साहित्य लेल
- (C) विज्ञान लेल
- (D) व्याकरण लेल

१३०. समकालीन शोधक अनुसार, मिथिला चित्रकलाकें पुस्तक आवरण पर अनबाक पैघ श्रेय ककरा जाइत अछि?

- (A) विदेशी प्रकाशककें
- (B) मैथिलीक समकालीन ई-जर्नल (विदेह) आ स्वतन्त्र प्रकाशकसभक 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' अभियानकें
- (C) केवल चित्रकारसभकें
- (D) कोनो नहि

१३१. विदेहक ई-बुक संस्करणसभ (Tomes) क डिजाइनमे पाठकक सुविधा लेल की कएल जाइत अछि?

- (A) बॉर्डर नहि देल जाइछ
- (B) स्पष्ट फन्ट, हाशिया (Margin), हाइपरलिंक आ आकर्षक डिजिटल कवर देल जाइछ जाहि सँ स्क्रीन पर पढ़ब आसान होय
- (C) किताबक साइज पैघ कएल जाइछ
- (D) कागजक प्रयोग

१३२. समकालीन 'सबाल्टर्न' अनुवादक पुस्तक (जेना जिगिरी) क आवरण पर प्रायः केहन चित्रक उपयोग होइत अछि?

- (A) राजा-महाराजाक
- (B) संघर्षरत लोक, श्रम, आ ग्राम्य यथार्थ (खुरदरापन) कें दर्शाबय वला चित्र वा गोदना कला
- (C) स्वर्गक चित्र
- (D) फूल-पातक

१३३. समकालीन मैथिली प्रकाशनमे 'ई-पत्रिका' क आवरण हर अंकमे बदलब (Dynamic Covers) ककर प्रतीक अछि?

- (A) पैसाक बर्बादी
- (B) साहित्यिक गतिशीलता आ कलात्मक वैविध्य (Artistic Diversity) क
- (C) कम्प्यूटरक त्रुटि
- (D) कोनो नहि

१३४. मैथिली साहित्यमे समकालीन 'कवर ब्लर्ब' (Cover Blurp - पाछाँ लिखल संक्षिप्त परिचय) क की महत्व अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) पाठकसभकें पुस्तकक मूल विमर्श आ वैचारिक पीठिका (Synopsis) सँ तुरंत परिचित कराबय लेल
- (C) लेखकक फोटो लेल
- (D) किताबक मूल्य बढ़ाबय लेल

१३५. समकालीन लेखकसभ अपन पुस्तकक प्रचार-प्रसार लेल डिजिटल कवर (Digital Covers) क उपयोग कतय करैत छथि?

- (A) केवल अलमारीमे
- (B) फेसबुक, व्हाट्सएप्प आ सोशल मीडिया पर विमर्श (Digital Marketing) लेल
- (C) दीवार पर सटा कऽ
- (D) कोनो उपयोग नहि

१३६. मिथिला चित्रकलामे 'तान्त्रिक मोटिफ' (Tantric motifs - मण्डल, यन्त्र) क प्रयोग समकालीन शोध-ग्रन्थक आवरण पर किएक कएल जाइत अछि?

- (A) डराबय लेल
- (B) नव्य-न्याय वा दार्शनिक/शास्त्रीय शोधक गम्भीरता आ रहस्यमयताकें दर्शाबय लेल
- (C) सुन्दरता लेल
- (D) कोनो कारण नहि

१३७. समानान्तर आन्दोलनक प्रकाशनसभमे 'लघु-पत्रिका' (Little Magazines) क कवर डिजाइन प्रायः केहन होइत छल?

- (A) अत्यन्त महग
- (B) साधारण, श्वेत-श्याम (Black & White) मुदा वैचारिक रूप सँ अत्यन्त मारक आ विद्रोही
- (C) रंगीन मुदा अर्थहीन
- (D) कोनो कवर नहि

१३८. समकालीन मैथिली प्रकाशन 'लेखकक छवि' (Author's branding) कें कवर पर कोना प्रस्तुत करैत अछि?

- (A) लेखकक फोटो नहि छापैछ
- (B) फ्लैप (Flap) वा पाछाँमे लेखकक फोटो आ ओकर साहित्यिक-अकादमिक अवदानक प्रामाणिक परिचय (Profile) दऽ कऽ
- (C) केवल नाम लिखैछ
- (D) हास्य चित्र दैछ

१३९. विदेह द्वारा सम्पादित 'बाल-साहित्य' क पुस्तकसभक आवरण पर की विशेषता भेटैत अछि?

- (A) कठिन दार्शनिक चित्र
- (B) रंग-बिरंग, आकर्षक आ बाल-मनोविज्ञानक अनुकूल कार्टून वा पशु-पक्षीक (जेना मयूर, माछ) चित्र
- (C) केवल अक्षर
- (D) कोनो चित्र नहि

१४०. समकालीन विमर्शमे 'पुस्तक आवरण' (Book Cover) कें साहित्यक कोन अंग मानल गेल अछि?

- (A) बाहरी आ फालतू
- (B) रचनाक 'प्रथम दृश्य-पाठ' (First Visual Text) जे पाठक आ रचनाक बीच पहिल संवाद स्थापित करैत अछि
- (C) केवल कागजक टुकड़ा
- (D) अन्तिम अंग

उत्तरमाला — अध्याय ४ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) गजेन्द्र ठाकुर — गजेन्द्र ठाकुरक सम्पादनमे 'विदेह' पत्रिकाक माध्यम सँ समानान्तर साहित्य आन्दोलनक सूत्रपात भेल।
२. (A) विदेह — विदेह (www.videha.co.in) मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-पत्रिका अछि जे डिजिटल क्रान्तिक जनक मानल जाइत अछि।
३. (A) मुख्यधारा सँ छूटल उपेक्षित (Subaltern) साहित्यक संरक्षण आ प्रकाशन — ई शृंखला ओहि साहित्यकें सोझाँ अनलक जकरा पारम्परिक 'कैनन' वा मुख्यधाराक आलोचक उपेक्षित कऽ देने छलाह।
४. (B) खण्ड I-IV (Tomes I-IV) — विदेह समानान्तर पोथीक चारि खण्ड (Tomes I-IV) वृहत् डिजिटल आर्काइवक रूपमे संरक्षित अछि।
५. (B) लोक-जीवन आ आम जनमानस (Subaltern) लेल — ई आन्दोलन आम जनमानस, स्त्री, दलित आ सबाल्टर्न विमर्शकें साहित्यक केन्द्रमे अनबाक काज केलक।
६. (A) २००८ — विदेह पत्रिका १ जनवरी २००८ सँ अनवरत पाक्षिक रूपमे प्रकाशित भऽ रहल अछि।
७. (B) विदेह ई-जर्नल आर्काइव — विदेह आर्काइव मैथिलीक प्राचीन, मध्यकालीन आ समकालीन साहित्यक सभसँ वृहत् डिजिटल संग्रह अछि।
८. (B) कैनन निर्माणमे पक्षपात आ उपेक्षित वर्गक साहित्यक पुनर्स्थापना — समानान्तर धाराक तर्क अछि जे मुख्यधारामे जाति, वर्ग आ विचारधाराक आधार पर पैघ साहित्यिक अवदानकें छोड़ि देल गेल अछि।
९. (B) उपन्यास / प्रबन्ध-कथा — ई गजेन्द्र ठाकुरक एकटा वृहत् प्रबन्धात्मक उपन्यास/आख्यान अछि जे समकालीन विमर्शकें नव आयाम दैत अछि।
१०. (B) भौगोलिक मिथिलाक प्राचीन नाम आ वैचारिक क्रान्तिक प्रतीक — विदेह केवल मिथिलाक प्राचीन नाम नहि, बल्कि देहाभिमान सँ मुक्त वैचारिक नवजागरणक प्रतीक अछि।
११. (B) विश्वव्यापीकरण (Democratization) आ पाठकसभक विशाल पहुँच सुलभ भेल — विदेह जकाँ प्लेटफर्म पीडीएफ आ ई-बुकक माध्यम सँ मैथिली साहित्यकें विश्वक कोना-कोनामे निःशुल्क पहुँचाएल अछि।
१२. (B) मैथिली गजलक लेल प्रस्तावित एकटा नव छन्द-विधान (मीटर) — गजलक लय आ मीटरकें मैथिलीक प्रकृतिक अनुकूल ढालय लेल 'बहर-ए-विदेह' जकाँ नव मीटरक अनुसंधान कएल गेल अछि।

१३. (B) मैथिली गजलक आन्तरिक लय, छन्द (अरूज) आ ध्वनिक मानकीकरण — एहिमे उर्दू 'अरूज' क सङ्ग-सङ्ग मैथिली ध्वनिक विशिष्टताक आधार पर गजलक नव व्याकरण तय कएल गेल अछि।
१४. (B) समानान्तर साहित्य आन्दोलन आ आधुनिक गजलकारसभक — आधुनिक कालमे गजलकें उर्दू-फारसीक प्रभाव सँ निकालि कऽ मैथिलीक माटिक सुगन्धक सँग स्थापित कएल गेल अछि।
१५. (B) ओ स्थापित वर्गक वर्चस्व आ पूर्वग्रह सँ ग्रसित अछि — आन्दोलनक मानब अछि जे पारम्परिक समीक्षा केवल गुटबाजी आ पूर्वग्रह सँ लिखल जाइत अछि, जाहिमे वास्तविक मूल्यांकनक अभाव अछि।
१६. (B) केन्द्रीय स्थान (दलित, स्त्री आ उपेक्षित वर्गक आवाज) — विदेह अपन प्रारम्भ सँ हे सबाल्टर्न विमर्शकें केन्द्रीय स्थान दैत आयल अछि।
१७. (B) यूनिकोड (Unicode) फन्ट आ वेब सर्वर पर — समानान्तर आन्दोलन मैथिलीकें नॉन-यूनिकोड सँ यूनिकोडमे स्थानान्तरित कऽ ओकरा वेब-सर्च योग्य बनेलक।
१८. (B) ओहि गुमनाम वा उपेक्षित लेखकसभक जकरा अकादमिक इतिहास छोड़ि देलक — एहि शोध-परियोजना सँ बहुत रास नव आ पुरान विस्मृत लेखकसभकें साहित्यक मुख्य धारामे अनल गेल।
१९. (B) मैथिली भाषा-साहित्यक डिजिटल शिक्षा, क्विज आ प्रशिक्षण — ई-लर्निङ्ग हबक माध्यम सँ नव पुस्ताकें मैथिली भाषा, साहित्य आ व्याकरणक निःशुल्क डिजिटल प्रशिक्षण देल जा रहल अछि।
२०. (A) ई साहित्यकें दरबारी सँ जनवादी बनेलक — एकर ऐतिहासिक महत्व एहिमे अछि जे ई मैथिलीकें कुलीन आ गुटबाजक चंगुल सँ निकालि कऽ वैश्विक आ जनवादी बनेलक।
२१. (B) दुनू सर्वथा भिन्न-भिन्न (अलग) साहित्यकार आ आलोचक छथि — समकालीन शोध आ प्रलेखनमे ई स्पष्ट कएल गेल अछि जे 'रमेश' आ 'रवीन्द्र नारायण मिश्र' दुनू सर्वथा भिन्न रचनाकार छथि, हिनका भ्रमवश एक नहि मानबाक चाही।
२२. (B) लाल देव (Lal Dev) — प्रामाणिक शोध आ विदेह आर्काइवक अनुसार हिनक नाम 'लाल देव' (Lal Dev) लिखल जाइत अछि।
२३. (C) राजीव (Rajeev) — हिनक मानक नाम 'राजीव' (Rajeev) अछि, जकरा शोध-आलेखसभमे एही रूपमे प्रयुक्त कएल जाइत अछि।
२४. (B) ग्राम्य यथार्थ आ सबाल्टर्न (दलित/वंचित) वर्गक विमर्श — रामानन्द मण्डलक रचनासभ मिथिलाक ग्राम्य-यथार्थ आ उपेक्षित वर्गक जीवन-संघर्षक मार्मिक दस्तावेज अछि।
२५. (B) विदेहक उप-सम्पादक, रचनाकार आ वेब-पत्रकारिताक प्रमुख हस्ताक्षर — आशीष अचिन्हार विदेह सँ जुड़ल एकटा सशक्त रचनाकार, रचनात्मक सलाहकार आ वेब पत्रकारिताक महत्त्वपूर्ण हस्ताक्षर छथि।
२६. (A) विदेह ई-जर्नल आ ओकर शोध-प्रकाशनक — विदेह द्वारा प्रकाशित आलोचनात्मक पोथी आ शोध-पत्रसभ मैथिली आलोचनाकें व्यक्ति-केन्द्रित सँ विमर्श-केन्द्रित बनेलक अछि।
२७. (B) सहज, सम्प्रेषणीय आ जनभाषाक सन्निकट मैथिली — समकालीन लेखकसभक भाषा-शैली कृत्रिमता सँ मुक्त भऽ जनभाषाक अत्यन्त सन्निकट आ बोधगम्य भऽ गेल अछि।
२८. (B) गजलक क्षेत्रमे नव प्रयोग आ छन्द-मुक्ति/परिमार्जनक विमर्श — ई गजलक परम्परागत जड़ताकें तोड़ि कऽ नव प्रयोग आ मैथिलीक निजताकें स्थापित करबाक विमर्श अछि।
२९. (B) अकादमिक मानकीकरण आ डिजिटल सर्च (SEO) मे भ्रम सँ बचबाक लेल — डिजिटल आर्काइवमे 'Lal Dev' वा 'Rajeev' जकाँ नाम वर्तनीक मानकीकरण शोधकर्तासभकें सटीक सामग्री खोजबामे मदद करैत अछि।
३०. (B) मिथिलाक सामाजिक यथार्थ आ स्त्रीक निज-अस्तित्वक संघर्ष पर आधारित — मैथिलीक समकालीन लेखिकासभ आ लेखक स्त्रीक घर-आँगनक संघर्ष, प्रवासन आ अस्मिताक प्रश्नकें मुस्तैदी सँ उठा रहल छथि।
३१. (B) प्रवासन सँ गामक टुटहिन, एकान्तपन आ पारिवारिक विघटन — समकालीन कथा साहित्यमे प्रवासन (पलायन) सँ उत्पन्न मिथिलाक गामक यथार्थ, खालीपन आ संघर्षक प्रबल चित्रण अछि।
३२. (B) लोक अपन जीवनक यथार्थ, संघर्ष आ इतिहासकें बेबाकी सँ लिखि रहल छथि — समानान्तर साहित्य आन्दोलनक प्रभाव सँ साधारण लोक आ उपेक्षित वर्गक आत्मकथाकें साहित्यमे महत्त्वपूर्ण स्थान भेटल अछि।
३३. (B) समकालीन कविताक मुख्य धारा (यथार्थवादी अभिव्यक्तिक माध्यम) — समकालीन कवि छन्दक बन्धन सँ मुक्त भऽ कऽ यथार्थवादी, वैचारिक आ गद्यात्मक कविता लिखि रहल छथि।

३४. (B) समकालीन वैश्वीकरण, डिजिटल क्रान्ति आ महानगरीय बोध — ई नव पुस्ता महानगरीय जीवन, डिजिटल युगक अकेलापन आ वैश्वीकरणक प्रभावकें मैथिली साहित्यमे लऽ कऽ आयल अछि।
३५. (B) तथ्यपरक, विश्लेषणात्मक आ वस्तुनिष्ठ (Objective) — समकालीन आलोचकक रूपमे हिनक दृष्टि तथ्यपरक अछि जे रचनाक वस्तुनिष्ठ आ निष्पक्ष मूल्यांकन करैत अछि।
३६. (B) समानान्तर आन्दोलन सँ जुड़ल लेखकसभ आ अनूदित साहित्यक — समानान्तर आन्दोलन आ अनुवादक माध्यम सँ मैथिलीमे पहिल बेर गम्भीरता सँ दलित विमर्शक शुरुआत भेल।
३७. (B) रेखीय (Linear) कथानकक स्थान पर मनोवैज्ञानिक आ जटिल यथार्थवादी कथानकक प्रयोग — समकालीन कथाकार मानव मनक जटिलता, अवचेतन आ समाजक बहुस्तरीय यथार्थकें नव कथानक-शिल्पमे गुँथि रहल छथि।
३८. (A) विदेह आ अन्य माध्यम सँ नव वैज्ञानिक आ मनोवैज्ञानिक बाल-साहित्यक सृजन — नव रुझानक अन्तर्गत बाल-साहित्यमे आब वैज्ञानिक दृष्टि, पर्यावरण आ आधुनिक शिक्षा पर आधारित रचनासभक सृजन भऽ रहल अछि।
३९. (B) डिजिटल माध्यम (सोशल मीडिया/ई-पत्रिका) क प्रभाव आ त्वरित सम्प्रेषण क्षमता — सोशल मीडिया आ वेब-पत्रकारिताक युगमे क्षणिका आ लघु-कथा अपन तीक्ष्णता आ त्वरित सम्प्रेषणक कारण अत्यन्त लोकप्रिय भेल अछि।
४०. (A) ओ बहुत रास विधा जहिना सम्पादन, उपन्यास, शोध आ अनुवादमे समान रूपेँ सक्रिय छथि — हिनक लेखन उपन्यास सँ लऽ कऽ भाषा-विज्ञान, गजल-व्याकरण आ अनुवाद धरि पसरल अछि, जे हिनका बहु-आयामी बनावैत अछि।
४१. (B) ओड़िया (Odia) — समकालीन शोध आ विदेहक मानकीकरणक अनुसार एकरा 'ओड़िया' (Odia) लिखल जाइत अछि, 'oria' नहि।
४२. (B) अन्य भारतीय भाषाक दलित, सबाल्टर्न आ स्त्री-विमर्शक साहित्यक अनुवाद — नव रुझानक अन्तर्गत तेलुगु, कन्नड़, गुजराती आ ओड़िया जकाँ भाषासभ सँ दलित आ हाशिया पर राखल गेल साहित्यक अनुवाद भऽ रहल अछि।
४३. (B) सबाल्टर्न आ दलित विमर्श — जिगिरी जकाँ तेलुगु रचनाक अनुवाद मैथिली साहित्यमे सबाल्टर्न आ दलित विमर्शकें एकटा नव आयाम देलक अछि।
४४. (B) समकालीन वैश्विक आ अन्य भाषाई यथार्थ सँ परिचय — एहि सँ मैथिलीक पाठक अन्य भाषाक समकालीन विमर्श आ विश्व-साहित्यक नव प्रयोग सँ परिचित भऽ रहल छथि।
४५. (A) दक्षिण आ पश्चिम भारतीय भाषाक साहित्य सँ मैथिलीक सीधा संवाद स्थापित करब — पहिले अनुवाद प्रायः हिन्दीक माध्यम सँ होइत छल, मुदा आब सीध-सीध संवाद (Cross-lingual translation) स्थापित भऽ रहल अछि।
४६. (B) मूल भाषाक सांस्कृतिक सन्दर्भ आ मुहावराकें मैथिलीक परिवेशक अनुकूल ढालब — समकालीन अनुवादक केवल शब्दक अनुवाद नहि कऽ कऽ मूल रचनाक आत्मा आ सांस्कृतिक परिवेशकें मैथिली पाठकसभक लेल बोधगम्य बनावैत छथि।
४७. (B) अछूत, उपेक्षित, मजदूर आ सीमान्तकृत (Subaltern) वर्गक — हिनक अनुवादक केन्द्रमे ओहि वर्गक साहित्य अछि जकरा मुख्यधारामे जगह नहि भेटल (जहिना जिगिरी)।
४८. (C) एकटा स्वतन्त्र आ रचनात्मक साहित्यिक विधा (Transcreation) — आधुनिक विमर्शमे अनुवादकें केवल 'भाषा-परिवर्तन' नहि, बल्कि एकटा गम्भीर रचनात्मक आ पुनर्लेखनक (Transcreation) काज मानल जाइत अछि।
४९. (B) मैथिलीक उत्कृष्ट रचनासभकें वैश्विक मंच (Global Audience) धरि पहुँचाएब — मैथिली साहित्यकें वैश्विक स्तर पर पहचान दिअबाक लेल समकालीन लेखक अपन वा अन्यक रचनाकें अंग्रेजीमे अनुवाद कऽ रहल छथि।
५०. (A) पूर्वी भारतक भाषाई आ सांस्कृतिक साझी विरासतक आदान-प्रदान — ओड़िया आ मैथिली दुनू पूर्वी भारतक समृद्ध भाषा छथि, एकर अनुवाद सँ सांस्कृतिक आ साहित्यिक आदान-प्रदान सुदृढ़ भेल अछि।
५१. (B) मूल रचनाक 'आंचलिकता' (Regional Flavour) कें लक्ष्य-भाषामे सुरक्षित राखब — कोनो भाषाक आंचलिक शब्द आ मुहावराकें दोसर भाषामे ओहिना अनुवाद करब सभसँ कठिन काज होइत अछि।
५२. (B) मैथिलीक निज-प्रकृतिक अनुकूल नव पारिभाषिक शब्दावलीक निर्माण — अनुवादक क्रममे विज्ञान, समाजशास्त्र आ दर्शनक लेल मैथिलीमे नव आ सहज पारिभाषिक शब्दसभक निर्माण कएल जा रहल अछि।
५३. (B) यथार्थ आ पीड़ाकें ओकर मूल रूपमे सम्प्रेषित करबाक लेल — सबाल्टर्न साहित्यक भाषा जानि-बुझि कऽ खुरदरी आ सीधा होइत अछि जकरा अनुवादमे सेहो बचा कऽ राखल जाइत अछि जाहि सँ यथार्थ नष्ट नहि होय।
५४. (A) उत्तर आ दक्षिण भारतक वैचारिक सेतु बनब — ई अनुवाद उत्तर (मैथिली) आ दक्षिण (कन्नड़) क बीच एकटा वैचारिक आ साहित्यिक सेतु (Bridge) क काज कऽ रहल अछि।

५५. (B) अनुवाद-प्रक्रिया, मूल भाषाक सन्दर्भ आ वैचारिक शोधक विस्तृत विश्लेषण — समकालीन अनूदित पुस्तकसभक भूमिका एकटा शोध-पत्र जकाँ होइत अछि जहिमे अनुवादकक विमर्श आ चुनौतीक वर्णन रहैत अछि।
५६. (B) जहाँ धरि सम्भव होय एकरा टालब आ 'सीधा अनुवाद' (Direct Translation) करब — मूल भाषा सँ सीध मैथिलीमे अनुवाद करबाक प्रयास कएल जाइत अछि जाहि सँ 'अनुवादक अनुवाद' सँ होमय वली त्रुटि सँ बचल जा सकय।
५७. (B) डिजिटल माध्यम (विदेह आर्काइव) पर निःशुल्क ई-बुकक रूपमे — समानान्तर आन्दोलनक मुख्य विशेषता अछि जे ई सम्पूर्ण शोध आ अनुवादकें डिजिटल माध्यम सँ जनसुलभ (Free) बना देने अछि।
५८. (B) मैथिलीक सहज आ बोधगम्य पारिभाषिक शब्दावलीक प्रयोग कऽ — वैज्ञानिक वा आधुनिक विमर्शकें मैथिलीक आम पाठकसभक लेल बोधगम्य आ सहज बनेबाक सफल प्रयास भेल अछि।
५९. (B) नव युवा पाठक आ शोधार्थीसभक रुचि अनूदित साहित्यमे बढ़ल अछि — वैश्विक आ अन्य भारतीय भाषाक नव विषय-वस्तु सँ युवा पाठकसभ मैथिली साहित्य दिस बेसी आकर्षित भऽ रहल छथि।
६०. (B) मैथिली साहित्यकें वैचारिक रूप सँ समृद्ध आ समावेशी (Inclusive) बनेलक अछि — अनुवादक माध्यम सँ मैथिली भाषा भिन्न-भिन्न भाषाक विचार आ शैलीकें अपना कऽ आरो समृद्ध भऽ रहल अछि।
६१. (B) गंगेश उपाध्याय — १२म-१३म शताब्दीक महान मैथिल दार्शनिक गंगेश उपाध्याय नव्य-न्याय सम्प्रदायक प्रवर्तक छलाह।
६२. (A) तत्त्वचिन्तामणि — तत्त्वचिन्तामणि नव्य-न्यायक आधारभूत ग्रन्थ अछि जहि पर मिथिला आ बंगालमे सैकड़ो टीका लिखल गेल।
६३. (B) गंगेश उपाध्याय आ नव्य-न्यायक ऐतिहासिक विसंगतिसभ आ काल-निर्धारणक समाधान लेल — दूषण पंजी आ अन्य वंशावलीक सूक्ष्म अध्ययन सँ समकालीन शोधकर्तासभ प्राचीन दार्शनिकसभक सटीक समय-काल निर्धारित कऽ रहल छथि।
६४. (B) ओकर तार्किक, एपिस्टेमोलॉजिकल (Epistemological) आ भाषिक-विश्लेषण पर — समकालीन शोधमे नव्य-न्यायक ज्ञान-मीमांसा आ भाषा-दर्शन (Philosophy of Language) कें आधुनिक लॉजिकक सन्दर्भमे विश्लेषित कएल जा रहल अछि।
६५. (B) कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग वा सिम्बोलिक लॉजिक (Symbolic Logic) क भाषा — नव्य-न्यायक पारिभाषिक आ अचूक तार्किक भाषाकें आधुनिक कालक सिम्बोलिक लॉजिक आ कम्प्यूटर साइंसक अनुकूल मानल गेल अछि।
६६. (C) चारि (प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द) — न्याय दर्शनक परम्परामे गंगेश चारि प्रमाणकें ज्ञान प्राप्ति साधन मानैत छथि: प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान आ शब्द।
६७. (B) मिथिलाक सामाजिक, ऐतिहासिक आ अकादमिक इतिहासक प्रामाणिक दस्तावेज — शोधकर्तासभ आब पंजीकें मिथिलाक विद्वानसभक वंशावली आ ओकर बौद्धिक इतिहासक (Intellectual History) स्रोत मानि रहल छथि।
६८. (B) मूल पाण्डुलिपिसभक संरक्षण आ वैश्विक शोधार्थीसभक लेल सुलभता — डिजिटलाइजेशनक कारणे प्राचीन न्याय आ दर्शनक दुर्लभ पाण्डुलिपि आब इंटरनेट पर शोध लेल उपलब्ध अछि।
६९. (B) सीमित करय बला वा विशिष्टता (Delimiter/Specifier) — नव्य-न्यायक जटिल तार्किक परिभाषामे अवच्छेदक ओ अछि जे कोनो वस्तुक विशिष्टता वा परिधि तय करैत अछि।
७०. (B) एहिमे 'व्याप्ति' (Vyapti) वा तार्किक कारणक सभसँ सूक्ष्म आ गम्भीर विश्लेषण अछि — गंगेशक अनुमान खण्ड तर्कशास्त्रक इतिहासमे व्याप्ति (Invariable concomitance) क सर्वश्रेष्ठ विश्लेषण मानल जाइत अछि।
७१. (B) बंगाल (नवद्वीप / नदिया) — गंगेशक बाद रघुनाथ शिरोमणि जकाँ विद्वानसभ बंगालक नवद्वीपमे नव्य-न्यायकें चरम पर पहुँचाएलनि, जकर तुलनात्मक अध्ययन अद्यावधि भऽ रहल अछि।
७२. (B) हुनकर जीवन, दर्शन आ ऐतिहासिकताकें समकालीन सन्दर्भमे अकादमिक रूपेँ स्थापित करब — मोनोग्राफक माध्यम सँ प्राचीन विद्वानसभक कृतित्वकें आधुनिक शोध-पद्धति (APA citation आदि) सँ वैश्विक अकादमिक जगतमे राखल जा रहल अछि।
७३. (B) मैथिली गद्य आ पारिभाषिक शब्दावलीक तार्किकता आ सूक्ष्मता पर प्रभाव — नव्य-न्यायक सूक्ष्म चिन्तन आ पारिभाषिक स्पष्टताक प्रभाव मैथिली गद्यक वैचारिक आ आलोचनात्मक लेखन पर पड़ल अछि।
७४. (A) करियन (समस्तीपुर जिलाक पास) — ऐतिहासिक शोध आ स्थानीय जनश्रुतिक आधार पर गंगेशक जन्मस्थान करियन ग्राम मानल जाइत अछि।
७५. (B) प्राचीन संस्कृत/मैथिली पाण्डुलिपिसभक OCR आ तार्किक विश्लेषणमे — समकालीन शोधार्थी AI टूलसक मदत सँ प्राचीन पाण्डुलिपिसभकें टेक्स्टमे बदलैत छथि आ ओकर भाषिक संरचनाक विश्लेषण कऽ रहल छथि।

७६. (B) उदयन (उदयनाचार्य) — गंगेशक नव्य-न्याय मुख्य रूप सँ उदयनाचार्यक न्याय-कुसुमाञ्जलि आ अन्य ग्रन्थसभक सिद्धान्तकें परिमार्जित कऽ बनल अछि।
७७. (B) ज्ञानक स्वरूप आ ओकर प्रामाणिकताक समकालीन वैज्ञानिक कसौटी पर परिक्षण — ज्ञान कोना प्राप्त होइछ आ ओकर सत्यता कोना प्रमाणित होइछ, ई नव्य-न्यायक प्रश्न समकालीन दर्शन आ विज्ञान (Cognitive science) लेल सेहो महत्वपूर्ण अछि।
७८. (B) मैथिली अनुवाद, आधुनिक समीक्षा आ विस्तृत शोध-प्रबन्धक (Expanded Outputs) सँग — प्राचीन ग्रन्थसभकें आधुनिक सन्दर्भमे बुझबाक लेल विदेह ओकर मैथिली अनुवाद आ तार्किक समीक्षा प्रकाशित कऽ रहल अछि।
७९. (B) पंजी-प्रबन्ध (दूषण पंजी), शिलालेख आ समकालीन ग्रन्थक तुलनात्मक अध्ययन (Cross-reference) सँ — प्रामाणिक शोध लेल प्राथमिक स्रोत (पंजी, शिलालेख) क तुलनात्मक अध्ययनक माध्यम सँ इतिहासकें दुरुस्त कएल जा रहल अछि।
८०. (B) अपन महान बौद्धिक परम्परा (Intellectual Heritage) सँ नव पुस्ताकें परिचित करब आ गर्व बोध करब — मिथिलाक ई महान बौद्धिक धरोहर अंग्रेजी वा संस्कृत धरि सीमित नहि रहय, बल्कि मैथिली भाषी सेहो एकर तार्किकताकें अपन भाषामे बुझि सकय।
८१. (B) आशीष अन्विहार / गजेन्द्र ठाकुर — विदेह ई-जर्नल आ समानान्तर आन्दोलनक ऐतिहासिक प्रलेखनकें आशीष अन्विहार आ गजेन्द्र ठाकुर एहि पुस्तकमे प्रस्तुत केलनि अछि।
८२. (B) विदेह ई-जर्नल (www.videha.co.in) कें — १ जनवरी २००८ सँ विदेह यूनिकोड फन्टमे मैथिलीकें वेब पर स्थापित कऽ एकटा डिजिटल क्रान्ति अनलक।
८३. (B) वेबसाइटक 'साइटमैप' (Sitemap) जनरेट करब, SEO सुधारब आ आर्काइवकें सुव्यवस्थित करब — डिजिटल युगमे मैथिली सामग्रीकें सर्च-इंजन (Google) पर आसानी सँ उपलब्ध कराबय लेल वेबसाइटक एसईओ आ साइटमैप अपडेट कएल गेल अछि।
८४. (B) ऑडियो, वीडियो, प्राचीन पाण्डुलिपि, समकालीन पत्रिका आ विदेह समानान्तर पोथीक चारू खण्ड — ई एकटा सम्पूर्ण मल्टीमीडिया आर्काइव अछि जतय मैथिली भाषा आ संस्कृतिक प्रत्येक विधा संरक्षित अछि।
८५. (B) पारम्परिक प्रकाशकसभक एकाधिकार तोड़बाक लेल आ वैश्विक वितरण (Pothi.com आदि) लेल — पब्लिशिंग प्लेटफर्म जहिना Pothi.com क उपयोग कऽ लेखक आब सीधे पाठक धरि अपन पुस्तक पहुँचा रहल छथि (जहिना Setusham, STRUGGLES OF LIFE)।
८६. (B) RRRNA पोर्टल (राजा राममोहन राय नेशनल एजेन्सी) सँ — मैथिलीक स्वतन्त्र लेखकसभ RRRNA पोर्टलक माध्यम सँ अपन पुस्तकसभक (जहिना Redefining Maithili) आधिकारिक ISBN प्राप्त कऽ रहल छथि।
८७. (B) नवोदित लेखकसभकें मैथिली व्याकरण, यूनिकोड टाइपिंग आ साहित्यिक डिजिटल प्रशिक्षण देब — विदेह ई-लर्निङ्ग हब जकाँ प्लेटफॉर्म नव पुस्ताकें मैथिली भाषाक तकनीकी आ साहित्यिक प्रशिक्षण निःशुल्क दऽ रहल अछि।
८८. (B) अनुवाद, शोध-प्रबन्ध जनरेट करबामे, टेक्स्ट-विश्लेषण आ तकनीकी प्रशिक्षण (AI Workshops) मे — समकालीन शोधार्थी आ सम्पादक (जेना गजेन्द्र ठाकुर) AI टूल्स (Claude, Gemini, ChatGPT) क उपयोग कऽ शोध आ वेब-आर्काइविङ्गक काजकें तीव्र कऽ रहल छथि।
८९. (B) डिजिटल माध्यम (सोशल मीडिया) क त्वरित सम्प्रेषण (Instant Reach) क्षमता आ पाठकक कम समय — मोबाइल स्क्रीन पर छोट रचना पढ़ब आसान होइछ, ताहि लेल वेब पत्रकारितामे लघु-कथाक विधा अत्यन्त पुष्ट भेल अछि।
९०. (B) ईमेल आ कमेंट-बॉक्सक माध्यम सँ त्वरित (Real-time) — डिजिटल माध्यम सँ पाठक आ लेखकक बीचक दूरी समाप्त भऽ गेल अछि आ त्वरित संवाद स्थापित भेल अछि।
९१. (B) सैकड़ो अंक आ हजारों पृष्ठक आर्काइवमे सँ वाञ्छित सामग्री (लेखक/विषय) तुरंत खोजबाक लेल — सर्च-इंजन आर्किटेक्चर विदेहक विशाल डिजिटल पुस्तकालयकें शोधार्थीसभक लेल अत्यन्त सुलभ बना देने अछि।
९२. (B) कृतिदेव वा अन्य नॉन-यूनिकोड फन्टक स्थान पर सर्वव्यापी 'यूनिकोड' (Unicode) फन्टक प्रयोग कऽ — यूनिकोड (जेना Mangal, Aparajita) क प्रयोग सँ मैथिली पाठ मोबाइल आ कम्प्यूटर पर बिना कोनो बाधाक पढ़ल जा सकैत अछि।
९३. (B) विश्वक कोनो कोनामे बैसि कऽ अपन मातृभाषाक साहित्य, समाचार आ संस्कृति सँ जुड़ल रहबाक सुविधा — ई-जर्नल आ वेब पत्रकारिता प्रवासी मैथिलसभक लेल अपन माटि सँ जुड़ल रहबाक सभसँ सशक्त माध्यम बनि गेल अछि।
९४. (B) मैथिली लोकगीत, कविसम्मेलन, साक्षात्कार आ प्राचीन परम्पराक डिजिटल रिकॉर्डिंग — साहित्यक सङ्ग-सङ्ग मौखिक परम्परा (Oral tradition) आ गीत-नादकें सेहो डिजिटल रूपमे सुरक्षित कएल गेल अछि।
९५. (B) विभिन्न गाम आ प्रान्तमे बैसल लोकक माध्यम सँ लोक-कथा, समाचार आ शब्दावलीक संकलन करबामे — इंटरनेटक माध्यम सँ विदेह जकाँ पत्रिका आम लोककें ओकर क्षेत्रक लोककथा वा शब्द पठाबय लेल प्रेरित करैत अछि।

- १६. (B) प्रायः निःशुल्क (Open Access), स्वयंसेवकक योगदान आ अव्यावसायिक** — विदेह जकाँ पत्रिका पूर्णतः अव्यावसायिक आ निःशुल्क (Open Access) अछि जे स्वेच्छा आ मातृभाषाक प्रेमक आधार पर चलैत अछि।
- १७. (B) सन्दर्भ (Reference) आ मूल स्रोत धरि एक क्लिकमे पहुँच (Cross-referencing) सुलभ होइछ** — डिजिटल शोध-पत्रमे हाइपरलिंकक प्रयोग सँ पाठक तुरंत सन्दर्भित पोथी वा आलेखक मूल स्रोत पर जा सकैत अछि।
- १८. (A) वेब पत्रकारिताक प्राथमिक चरण जतय लेखक बिना प्रकाशककें अपन बात राखय लगलाह** — ई-जर्नल सँ पूर्व आ सङ्ग-सङ्ग ब्लॉगिंग नवोदित लेखकसभकें अपन रचना-कर्म दुनियाक सोझाँ रखबाक एकटा स्वतन्त्र मंच देलक।
- १९. (B) पोथीक मूल लेआउट (Layout), फन्ट आ चित्रकें सुरक्षित राखबाक लेल तथा आसानी सँ डाउनलोड करबाक लेल** — पीडीएफ फॉर्मेटमे किताबक छपाई जकाँ रूप सुरक्षित रहैत अछि आ ई कोनो भी डिवाइस पर ओहिना पढ़ल जा सकैत अछि।
- १००. (B) पाठकसभकें इन्टरएक्टिव (Interactive) तरिका सँ मैथिली साहित्य आ इतिहासक परीक्षण आ प्रशिक्षण देब** — क्विज जकाँ इन्टरएक्टिव टूल सँ नव पुस्ता खेल-खेलमे अपन मातृभाषाक साहित्य आ व्याकरणक सूक्ष्म ज्ञान प्राप्त कऽ रहल अछि।
- १०१. (B) मैथिली गजलकें उर्दू अरूजक अन्धानुकरण सँ मुक्त कऽ नव मीटर आ स्थानीय छन्द-विधान स्थापित करबामे** — ई आन्दोलन गजलकें मैथिलीक निज प्रकृतिक अनुसार ढालबाक आ नव बहरक प्रयोगक पैरवी करैत अछि।
- १०२. (B) मैथिली गजलक लेल प्रस्तावित एकटा विशिष्ट नव बहर (मीटर / Rhythmic Pattern)** — गजलक लय आ मीटरकें मैथिलीक ध्वनिक अनुकूल ढालय लेल 'बहर-ए-विदेह' जकाँ नव मीटरक नामकरण आ अनुसंधान कएल गेल अछि।
- १०३. (A) विदेह पत्रिकाक विशेषांक आ निरन्तर प्रकाशन** — विदेह द्वारा गजलक विशेष अंक निकालि आ निरन्तर गजल छापि कऽ एहि विधाकें मैथिलीमे मुख्यधारामे स्थापित कएल गेल।
- १०४. (B) मैथिलीक पारम्परिक 'तुकान्त' (तुकक) आ समान ध्वनिकान्त शब्दावलीक प्रयोग** — मैथिली गजलकार अरबी-फारसी व्याकरणक बदला मैथिलीक सहज तुकान्त आ लय-विधानक उपयोग करैत छथि।
- १०५. (B) मात्रा (Mora), वर्ण आ मैथिलीक विशिष्ट उच्चारण-प्रकृति (ह्रस्व-दीर्घक स्थानीय नियम)** — मैथिलीमे 'ए' आ 'ओ' क उच्चारण ह्रस्व सेहो होइत अछि, जकरा समकालीन काव्य-शास्त्रमे छन्दक आधार मानल गेल अछि।
- १०६. (B) मैथिलीक सहजता सँग अपनाओल गेल अछि, जतय मकतामे कविक भणिता (उपनाम) अबैत अछि** — विद्यापतिक 'भणिता' परम्परा जकाँ मैथिली गजलक मकतामे सेहो कविक नाम (तखल्लुस) सहजता सँ प्रयुक्त होइत अछि।
- १०७. (B) कम शब्दमे पैघ यथार्थ आ व्यंग्य सम्प्रेषित करबाक लेल ई अत्यन्त लोकप्रिय विधा बनि गेल अछि** — समय आ स्पेसक कमीक कारणे (विशेषतः डिजिटल युगमे) क्षणिका वा मुक्तक (छोट कविता) सबसँ बेसी मारक आ लोकप्रिय सिद्ध भेल अछि।
- १०८. (B) प्रेम सँ ऊपर उठि कऽ सामाजिक यथार्थ, राजनीति, बेरोजगारी आ सबाल्टर्न विमर्श गजलक विषय बनल अछि** — समकालीन मैथिली गजल हुस्न-ओ-इश्कक दायरा सँ बाहर निकलि कऽ गामक गरीबी, प्रवासन आ राजनीतिक भ्रष्टाचार पर प्रहार कऽ रहल अछि।
- १०९. (B) मैथिलीक लय, ताल आ मात्रिक छन्दक उदाहरण सँग (स्थानीयकरण)** — उर्दू अरूजक जटिल नियमसभकें मैथिलीक पिंगल (छन्द-शास्त्र) आ मात्रिक लय (जहिना १४ मात्रा, १६ मात्रा) क सँग जोड़ि कऽ सम्झाओल गेल अछि।
- ११०. (B) ई छन्द-मुक्त (Free verse) होइत अछि आ बिम्ब (Imagery) तथा वैचारिक गम्भीरता पर केन्द्रित रहैत अछि** — छन्द-मुक्त कवितामे लय आ तुकक बन्धन नहि होइछ, बल्कि विचार, बिम्ब आ शब्द-शक्तिक माध्यम सँ प्रहार कएल जाइत अछि।
- १११. (B) पहिल पाँती (मिसरा-ए-ऊला) भूमिका बान्हैत अछि आ दोसर पाँती (मिसरा-ए-सानी) ओकरा पूर्ण कऽ प्रहार करैत अछि** — शेरक संरचना एहन होइछ जे दोसर पाँतीमे जा कऽ बातक 'पंच' (मुख्य भाव) स्पष्ट आ प्रभावशाली रूपेँ सामने अबैत अछि।
- ११२. (B) गजलक कार्यशाला (Workshop), डिजिटल बहस आ विशेषांकक माध्यम सँ एकर व्याकरण तय केलनि** — समानान्तर आन्दोलनक अन्तर्गत मैथिली गजलक छन्द-विधान पर विस्तृत बहस भेल आ मानक तय कएल गेल।
- ११३. (B) मैथिलीक अपन माटि, गाम-घरक दैनिक जीवन आ कृषि-संस्कृति सँ** — आधुनिक कवि अपन प्रतीक आ बिम्ब (जहिना: कोदाइ, मखान, कादो, बाध) सीधा अपन ग्रामीण आ सांस्कृतिक यथार्थ सँ उठा रहल छथि।
- ११४. (B) गेय पद प्रायः एकहि विषय पर आधारित होइछ, जखन कि गजलक प्रत्येक शेर अपने-आपमे स्वतन्त्र आ पूर्ण होइत अछि** — गजलक सबसँ पैघ विशेषता ई अछि जे एकर प्रत्येक शेर अपन अर्थमे पूर्ण आ स्वतन्त्र होइत अछि, जबकि गीतमे एकटा निरन्तर कथा वा भाव होइछ।
- ११५. (B) कविताक मारक क्षमता बुझबाक लेल अद्यावधि प्रासंगिक मानल जाइत अछि (शब्दक लक्षणा आ व्यञ्जना शक्ति)** — समकालीन कविताक अर्थ-गम्भीरता बुझबाक लेल आनन्दवर्धनक ध्वनि-सिद्धान्त आ व्यञ्जना-शक्तिकें आधुनिक सन्दर्भमे विश्लेषित कएल जाइत अछि।

- ११६. (B) अत्यन्त कम शब्दमे (५-७-५ वर्ण) गहरी बात कहबाक लेल आ काव्यमे नव प्रयोग लेल** — मैथिली साहित्यमे आब विदेशी लघु-विधासभक (जेना हाइकु, तांका) सफल प्रयोग भऽ रहल अछि जे नव प्रयोगशीलताक द्योतक अछि।
- ११७. (B) प्रत्येक शेरक अन्तमे काफियाक बाद दोहराएल जाय वला एक समान शब्द वा वाक्यांश, जे लय आ संगीतात्मकता प्रदान करैत अछि** — रदीफ ओ शब्द अछि जे शेरक अन्तमे बिना कोनो परिवर्तनक बार-बार अबैत अछि (जहिना: ... 'कऽ देलक', ... 'लऽ लेलक')।
- ११८. (B) ऑडियो-विजुअल आर्काइव (Podcast, YouTube) क माध्यम सँ कविसम्मेलनकें वैश्विक श्रोता धरि पहुँचाएल** — डिजिटल माध्यमक उपयोग कऽ कविसभक पाठ (Recitation) कें रिकॉर्ड कऽ इंटरनेट पर जनसुलभ कराओल गेल अछि।
- ११९. (B) एकटा स्वतन्त्र, चिन्तनशील आ अपन अधिकार लेल संघर्षरत मानव (सशक्त स्त्री) क रूपमे** — आधुनिक कविता स्त्रीकें रूमानी नजरिया सँ नहि देखि कऽ ओकर यथार्थ पीड़ा आ ओकर विद्रोही स्वरकें प्रस्तुत कऽ रहल अछि।
- १२०. (A) प्राचीन संस्कृत छन्द (पिंगल) आ उर्दू अरूज दुनूक तुलनात्मक अध्ययन** — गजल आ नव छन्दक विकास लेल मैथिल विद्वान संस्कृतक वर्णवृत्त/मात्रिक छन्द आ उर्दू अरूजक गम्भीर तुलनात्मक अध्ययन कऽ रहल छथि।
- १२१. (B) मिथिला आ मधुबनी चित्रकला (Mithila Art)** — मैथिली पुस्तकसभक आवरण पर मिथिलाक पारम्परिक चित्रकला (मधुबनी आर्ट) क मोटिफक प्रयोग ओकर सांस्कृतिक पहचानक हिस्सा बनि गेल अछि।
- १२२. (B) ई दलित आ हाशिया पर राखल गेल वर्ग (Subaltern) क कला अछि, जकरा समानान्तर साहित्य केन्द्रमे लाबि रहल अछि** — गोदना शैली मुख्य रूप सँ दुसाध आ अन्य दलित जातिक पारम्परिक कला अछि। एकरा आवरण पर स्थान देब सबाल्टर्न विमर्शक कलात्मक अभिव्यक्ति अछि।
- १२३. (B) मिथिलाक पारम्परिक सौन्दर्य, प्रेम आ प्राकृतिक उल्लास (कलात्मक मोटिफ) क** — मिथिला चित्रकलामे मयूर (मोर) प्रेम, सौन्दर्य आ उर्वरताक अत्यन्त लोकप्रिय प्रतीक अछि, जकरा डिजिटल पहचानमे सेहो अपनाओल गेल अछि।
- १२४. (B) शुभ-मंगल, उर्वरता आ मिथिलाक जीवन-पद्धतिक प्रतीक** — मिथिलामे 'माछ-मखान' शुभ मानल जाइत अछि। चित्रकलामे माछ मंगल आ उर्वरताक (Auspiciousness) सूचक अछि।
- १२५. (B) कवर डिजाइनमे उच्च गुणवत्ता (High resolution), रंगा-रंग (Full Color) आ पेशेवर सौन्दर्य बोध (Professional Aesthetics) आयल अछि** — ग्राफिक डिजाइन सफ्टवेयर आ डिजिटल प्रिंटिंगक कारणे मैथिली पोथीक आवरण आब अन्तर्राष्ट्रीय स्तरक आकर्षक आ रंगीन भऽ गेल अछि।
- १२६. (B) आवरणक चित्र पुस्तकक मूल संवेदना (Theme) आ विमर्श (जेना दलित/स्त्री) कें प्रतिध्वनित करैत अछि** — कवर केवल सजावट नहि अछि, बल्कि ओ पुस्तकक भीतरक सबाल्टर्न वा यथार्थवादी विमर्शक 'दृश्य-विमर्श' (Visual Discourse) अछि।
- १२७. (B) वेबसाइटक बॉर्डर, हेडर आ ई-बुकक लेआउटमे मिथिलाक पारंपरिक सौन्दर्यकें डिजिटल रूपमे सजेबामे** — विदेह जकाँ पत्रिका अपन डिजिटल उपस्थितिमे मिथिलाक कलात्मक धरोहर (कचनी-भरनी) कें बेबाकी सँ उपयोग कऽ रहल अछि।
- १२८. (B) यूनिकोड आधारित सुस्पष्ट आ कलात्मक देवनागरी/तिरहुता फन्टक प्रयोग, जाहि सँ शीर्षक आकर्षक लागय** — कवर पर आब टाइपोग्राफी (अक्षर-विन्यास) पर विशेष ध्यान देल जाइत अछि, जतय शीर्षक स्वयं एकटा कलाकृतिक रूप लऽ लैत अछि।
- १२९. (B) शृङ्गारिक, प्रेम वा पारम्परिक वैवाहिक जीवन सँ जुड़ल साहित्य लेल** — कोहबर मिथिलाक पारम्परिक वैवाहिक कक्ष (Love and Union) क चित्र अछि, अतः शृङ्गारिक वा सांस्कृतिक साहित्य लेल ई उपयुक्त प्रतीक अछि।
- १३०. (B) मैथिलीक समकालीन ई-जर्नल (विदेह) आ स्वतन्त्र प्रकाशकसभक 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' अभियानकें** — विदेह निरन्तर अपन सैकड़ो अंक आ किताबक आवरण पर मिथिला आर्टकें प्राथमिकता दऽ कऽ एकरा साहित्यिक विमर्शक हिस्सा बनेलक अछि।
- १३१. (B) स्पष्ट फन्ट, हाशिया (Margin), हाइपरलिंक आ आकर्षक डिजिटल कवर देल जाइछ जाहि सँ स्क्रीन पर पढ़ब आसान होय** — ई-बुकक 'यूजर इंटरफेस' (UI) आ लेआउट डिजाइन एहन कएल जाइछ जे मोबाइल वा कम्प्यूटर पर पाठकक आँखि पर जोर नहि पड़य।
- १३२. (B) संघर्षरत लोक, श्रम, आ ग्राम्य यथार्थ (खुरदरापन) कें दर्शाबय वला चित्र वा गोदना कला** — दलित वा सबाल्टर्न साहित्यक कवर ओकर विद्रोही आ यथार्थवादी तेवरकें दर्शाबय लेल साधारण लोकक संघर्ष (जेना गोदना आर्ट) सँ जुड़ल रहैत अछि।
- १३३. (B) साहित्यिक गतिशीलता आ कलात्मक वैविध्य (Artistic Diversity) क** — विदेहक प्रत्येक अंकक नव आवरण मिथिलाक नव-नव चित्रकारसभक कलाकें प्रदर्शित करैत अछि आ पत्रिकाकें ताजगी दैत अछि।
- १३४. (B) पाठकसभकें पुस्तकक मूल विमर्श आ वैचारिक पीठिका (Synopsis) सँ तुरंत परिचित कराबय लेल** — आधुनिक प्रकाशनमे ब्लर्ब (Back cover text) अत्यन्त महत्वपूर्ण भऽ गेल अछि, ई पाठककें किताबक भीतरक यथार्थ सँ जोड़ैत अछि।
- १३५. (B) फेसबुक, व्हाट्सएप आ सोशल मीडिया पर विमर्श (Digital Marketing) लेल** — आकर्षक डिजिटल कवर सोशल मीडिया पर तुरंत ध्यानाकर्षित करैत अछि आ पुस्तकक डिजिटल मार्केटिंगमे पैघ भूमिका निभावैत अछि।

- १३६. (B) नव्य-न्याय वा दार्शनिक/शास्त्रीय शोधक गम्भीरता आ रहस्यमयताकें दर्शाबय लेल** — दर्शन वा तार्किक शोध (जेना गंगेश उपाध्याय पर) क ग्रन्थ पर यन्त्र वा मण्डलक चित्र ओकर बौद्धिक आ तान्त्रिक गम्भीरताक प्रतीक अछि।
- १३७. (B) साधारण, श्वेत-श्याम (Black & White) मुदा वैचारिक रूप सँ अत्यन्त मारक आ विद्रोही** — लघु-पत्रिका आन्दोलनक समय संसाधनक कमी छल, मुदा ओकर सादा (B&W) कवर सेहो अपन रेखाचित्र (Sketches) सँ क्रान्तिक सन्देश दैत छल।
- १३८. (B) फ्लैप (Flap) वा पाछाँमे लेखकक फोटो आ ओकर साहित्यिक-अकादमिक अवदानक प्रामाणिक परिचय (Profile) दऽ कऽ** — पेशेवर प्रकाशनमे लेखकक प्रोफाइल आ फोटोकें सुव्यवस्थित ढंग सँ रखल जाइत अछि जाहि सँ पाठक लेखकक वैचारिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ि सकय।
- १३९. (B) रंग-बिरंग, आकर्षक आ बाल-मनोविज्ञानक अनुकूल कार्टून वा पशु-पक्षीक (जेना मयूर, माछ) चित्र** — बाल-साहित्यक आवरण बच्चाकें आकर्षित करय लेल पूर्णतः रंगीन आ मिथिलाक जीव-जन्तुसभक पारम्परिक चित्र सँ सजल होइत अछि।
- १४०. (B) रचनाक 'प्रथम दृश्य-पाठ' (First Visual Text) जे पाठक आ रचनाक बीच पहिल संवाद स्थापित करैत अछि** — समकालीन अकादमिक विमर्शमे आवरण कलाकें 'Paratext' मानल जाइत अछि, जे पाठकक अवचेतन पर पहिल प्रभाव डेलैत अछि।

अध्याय ५ : Videha QUIZ | मिथिलाभाषा रामायण-चन्द्रा झा (सुन्दरकाण्ड)

भाग १: प्रस्थान आ मार्गक बाधा

१. कवीश्वर चन्द्रा झा रचित 'मिथिलाभाषा रामायण' क सुन्दरकाण्डक आरम्भ कतय सँ होइत अछि?

- (A) रामक विलाप सँ
- (B) हनुमानक समुद्र लांघय लेल प्रस्थान सँ
- (C) सीताक खोज सँ
- (D) रावणक दरबार सँ

२. हनुमान समुद्र पार करय लेल कोन पर्वत पर चढ़ि कऽ छलाँग लगौलनि?

- (A) हिमालय
- (B) विन्ध्याचल
- (C) महेन्द्र पर्वत
- (D) नीलगिरि

३. हनुमानक छलाँग लगैते महेन्द्र पर्वतक की दशा भेल?

- (A) पर्वत पाताल धसि गेल
- (B) पर्वत उड़य लागल
- (C) पर्वत सोनाक भऽ गेल
- (D) किछु नहि भेल

४. समुद्र हनुमानक थकान दूर करबाक लेल कोन पर्वतकें ऊपर उठय लेल कहलक?

- (A) सुमेरु
- (B) मैनाक
- (C) कैलाश
- (D) गोवर्धन

५. मैनाक पर्वतकें इन्द्रक वज्र सँ के बचेने छल?

- (A) पवनदेव (हनुमानक पिता)
- (B) वरुण
- (C) सूर्य
- (D) राम

६. हनुमान मैनाक पर्वतक आतिथ्य सँ की केलनि?

- (A) ओतय सुइत रहलाह
- (B) हाथ सँ स्पर्श कऽ (प्रणाम कऽ) राम-काज लेल आगू बढ़ि गेलाह
- (C) पर्वतकें मारि देलनि
- (D) ओकरा संग लऽ गेलाह

७. देवता सभ हनुमानक बल आ बुद्धिक परीक्षा लेबाक लेल ककरा पठेलक?

- (A) पूतना
- (B) सुरसा (नागमाता)
- (C) ताड़का
- (D) सिंहिका

८. सुरसा हनुमानकें खाएबाक लेल जखन अपन मुँह पैघ केलक, तखन हनुमान की केलनि?

- (A) हनुमान सेहो अपन शरीर सुरसा सँ दू-गुना पैघ कऽ लेलनि
- (B) हनुमान भागि गेलाह
- (C) हनुमान रोबय लगलाह
- (D) सुरसाकें मारि देलनि

९. अन्तमे सुरसा सँ बचबाक लेल हनुमान कोन युक्ति अपनाओल?

- (A) अस्त्र सँ मारलनि
- (B) अत्यन्त छोट रूप धऽ कऽ ओकर मुँहमे पसि कऽ तुरन्त बाहर आबि गेलाह
- (C) रामक नाम लेलनि
- (D) समुद्रमे डुबकी लगेलनि

१०. सुरसा हनुमानक बुद्धिकें देखि की देलक?

- (A) श्राप
- (B) आशीर्वाद जे अहाँ रामक काज अवश्य पूर्ण करब
- (C) धन
- (D) अस्त्र

११. सुरसाक बाद मार्गमे हनुमानकें कोन दोसर राक्षसी सँ भेट भेल जे आकाशमे उड़ैत पक्षीक परछाई पकड़ैत छल?

- (A) त्रिजटा
- (B) सिंहिका
- (C) लंकिनी
- (D) मन्दोदरी

१२. सिंहिका जखन हनुमानक परछाई पकड़लक तँ की भेल?

- (A) हनुमानक गती रुकि गेल
- (B) हनुमान तेज दौड़लाह
- (C) हनुमान गिर पड़लाह
- (D) किछु नहि भेल

१३. हनुमान सिंहिकाक वध कोना केलनि?

- (A) बाण मारि कऽ
- (B) छोट रूप धऽ कऽ ओकर पेटमे पसि कऽ ओकर अँतड़ी (हृदय) फाड़ि देलनि
- (C) पर्वत खसा कऽ
- (D) आगि लगा कऽ

१४. चन्दा झाक रामायणमे सिंहिका वधक बाद देवता सभ आकाश सँ की केलनि?

- (A) पुष्प वृष्टि कऽ हनुमानक जय-जयकार केलनि
- (B) विरोध केलनि
- (C) इन्द्रकें बजेलनि
- (D) युद्ध केलनि

१५. समुद्र पार कऽ कऽ हनुमान लंकाक तट पर कोन पर्वत पर उतरलाह?

- (A) त्रिकूट / सुबेल पर्वत
- (B) महेन्द्र पर्वत
- (C) कैलाश
- (D) विन्ध्याचल

१६. पर्वत पर सँ हनुमान लंकाक जे शोभा देखलनि ओ केहन छल?

- (A) क्षतिग्रस्त
- (B) स्वर्णमयी, मणि-रत्न सँ जटित आ अत्यन्त समृद्ध
- (C) गरीब
- (D) अन्हार

१७. लंका प्रवेश करय सँ पूर्व हनुमान की सोचलनि?

- (A) जे पैघ रूपमे जेबा सँ राक्षस चिन्ही लेत, अतः छोट रूप धारण करबाक चाही
- (B) जे सेना लऽ कऽ जेबाक चाही
- (C) जे रातिक बदला दिनमे जेबाक चाही
- (D) जे घुरि जेबाक चाही

१८. हनुमान लंकामे कोन समय (काल) प्रवेश केलनि?

- (A) भोरमे
- (B) मध्याह्न (दोपहर) मे
- (C) रातिक समय (सन्ध्याक बाद)
- (D) साँझक समय

१९. चन्दा झाक रामायणमे हनुमानक यात्रा-वर्णनमे कोन छन्दक प्रचुर प्रयोग भेल अछि?

- (A) केवल गजल
- (B) चौपाई आ दोहाक मैथिली रूपान्तर
- (C) केवल मुक्तक
- (D) शिखरिणी

२०. समुद्र लांघबाक प्रसंगमे 'पवन-तनय' (पवन-पुत्र) क गतीक तुलना ककरा सँ कएल गेल अछि?

- (A) नदी सँ
- (B) गरुड़ आ रामक बाण जकाँ तीव्र
- (C) घोड़ा सँ
- (D) कछुआ सँ

भाग २: लंका प्रवेश आ सीता अन्वेषण

२१. लंकाक प्रवेश द्वार पर केहन राक्षसी पहरा दऽ रहल छल?

- (A) त्रिजटा
- (B) लंकिनी
- (C) मन्दोदरी
- (D) सुलोचना

२२. लंकिनी हनुमानकेँ छोट रूपमे पसिते देखि की कहलक?

- (A) स्वागत अछि
- (B) रे चोर! हमर आहार बनि कऽ कतय जा रहल छै?
- (C) भागि जाउ
- (D) हमरा संग चलू

२३. लंकिनीक धमकी सुनि हनुमान ओकरा कोना मारलनि?

- (A) बाण सँ
- (B) गदा सँ
- (C) एकटा मुक्का (मुष्टिका) मारलनि जाहि सँ ओ रगत फेकैत खसि पड़ल
- (D) तलवार सँ

२४. मुक्का खा कऽ लंकिनीकेँ ब्रह्माक कोन बात (वरदान/शाप) स्मरण भऽ गेल?

- (A) जे ओ राजा बनत
- (B) जे जखन कोनो वानरक मारि सँ ओ व्याकुल हेत, तखन राक्षस वंशक विनाश निश्चित मानब
- (C) जे ओ मरि जायत
- (D) जे ओ स्वर्ग जायत

२५. लंकिनी हनुमानके लंकामे प्रवेशक लेल की कहलक?

- (A) नहि जाउ
- (B) रामके हृदयमे राखि कऽ नगरमे प्रवेश करू आ अपन काज करू
- (C) हमरा संग लेल चलू
- (D) हमरा माफ कऽ दिअ

२६. हनुमान लंकामे पसि कऽ ककर-ककर भवन (महल) मे सीताके खोजलनि?

- (A) केवल विभीषणक
- (B) सभ राक्षसक महल, चौहटा आ रावणक रनिवासमे
- (C) केवल मन्दिरमे
- (D) केवल वनमे

२७. रावणक शयनकक्ष (रनिवास) मे हनुमान की देखलनि?

- (A) सीताके
- (B) रावण सुतल छल आ ओकर चारू कात अनेक सुन्दर रानी सभ सुतल छलीह
- (C) रावण पूजा कऽ रहल छल
- (D) रावण युद्ध कऽ रहल छल

२८. सीताके नहि पाबि कऽ हनुमानक मनमे की विचार आयल?

- (A) जे सीता मरि गेलीह वा रावण खा गेल
- (B) जे रामके की मुँह देखाएब
- (C) दुनू (क आ ख)
- (D) जे लंकाके जरा देब

२९. नगरमे खोजैत-खोजैत हनुमानके एकटा भवन देखाइ पड़ल जे अन्या महल सँ भिन्न छल, ओ ककर छल?

- (A) कुम्भकर्णक
- (B) विभीषणक
- (C) मेघनादक
- (D) रावणक

३०. विभीषणक भवनक पहिचान हनुमान कोना केलनि?

- (A) ओतय राक्षस पहरा नहि छल
- (B) भवन पर राम-आयुध (धनुष-बाण) अंकित छल आ आँगनमे तुलसीक गाछ छल
- (C) ओतय रावणक मूर्ति छल
- (D) भवन छोट छल

३१. विभीषण भोर (प्रातः काल) उठि कऽ की करय लगलाह?

- (A) रावणक जय-जयकार
- (B) राम-राम (हरिनाम) जपैत उठलाह
- (C) युद्धक अभ्यास
- (D) मांस भक्षण

३२. राक्षसक नगरीमे राम-भक्तके देखि हनुमानके की आश्चर्य भेल?

- (A) ई कोना सम्भव अछि (जेना दाँतक बीच जीभ)
- (B) ई छली अछि
- (C) ई देवता अछि
- (D) ई रामक दूत अछि

३३. हनुमान विभीषण सँ भेंट करय लेल कोन रूप धारण केलनि?

- (A) वानर रूप
- (B) विप्र (ब्राह्मण) क रूप
- (C) राक्षस रूप
- (D) पक्षी रूप

३४. ब्राह्मण रूपी हनुमानकेँ देखि विभीषण की पुछलनि?

- (A) अहाँ चोर छी?
- (B) अहाँ हरि-भक्त छी वा साक्षात् रामक सेवक छी जाहि सँ हमर हृदय शीतल भऽ रहल अछि?
- (C) अहाँ रावणक दूत छी?
- (D) अहाँ कतय सँ आयल छी?

३५. हनुमान विभीषणकेँ अपन परिचय की देलनि?

- (A) हम ब्राह्मण छी
- (B) हम रामक दूत हनुमान छी
- (C) हम देवता छी
- (D) हम व्यापारी छी

३६. विभीषण हनुमान सँ अपन दुःख कोना प्रकट केलनि?

- (A) हम एतय बहुत सुखी छी
- (B) हमर स्थिति दाँतक बीच जीभ जकाँ अछि, राम हमरा पर कहिया कृपा करताह?
- (C) हम रावण सँ डराइत छी
- (D) हम लंका छोड़य चाहैत छी

३७. विभीषणक प्रश्न पर हनुमान की उत्तर देलनि?

- (A) राम राक्षस पर कृपा नहि करैत छथि
- (B) राम अपन सेवक पर अकारण कृपा करैत छथि, जेना हमरा जकाँ नीच वानर पर केलनि
- (C) राम अहाँकेँ राजा बनेताह
- (D) राम लंकाकेँ जरा देताह

३८. हनुमान विभीषण सँ सीताक विषयमे पुछलनि, तखन विभीषण की बताएलनि?

- (A) सीता महलमे छथि
- (B) रावण सीताकेँ अशोक वाटिकामे बन्दी बना कऽ रखने अछि
- (C) सीता मरि गेलीह
- (D) सीता राम लग चलि गेलीह

३९. चन्दा झाक रामायणमे सीताक अन्वेषणक प्रसंगमे लंकाक वर्णन ककर समान कएल गेल अछि?

- (A) मिथिलाक गाम जकाँ
- (B) अत्यन्त वैभवशाली मुदा काम-क्रोध सँ भरल नगरी जकाँ
- (C) स्वर्ग जकाँ पवित्र
- (D) नरक जकाँ दुर्गन्धित

४०. हनुमान विभीषण सँ विदा लऽ कऽ कतय गेलाह?

- (A) राम लग
- (B) सीताक दर्शन लेल अशोक वाटिका दिस
- (C) रावणक महलमे
- (D) समुद्र तीर पर

भाग ३: अशोक वाटिका आ सीता-दर्शन

४१. हनुमान अशोक वाटिकामे पहुँचि कऽ की देखलनि?

- (A) सीता आनन्द सँ छलीह
- (B) सीता अत्यन्त कृशकाय, मलिन वस्त्रमे एकटा गाछक नीचाँ बैसल छलीह
- (C) सीता पूजा कऽ रहल छलीह
- (D) सीता सोइत छलीह

४२. सीता अशोक वाटिकामे कोन गाछक नीचाँ बैसल छलीह?

- (A) आमक गाछ
- (B) अशोक / शिंशपा गाछक नीचाँ
- (C) पीपलक गाछ
- (D) बरगदक गाछ

४३. सीताक चारू कात ककर पहरा छल?

- (A) देवता सभक
- (B) भयंकर राक्षसी सभक
- (C) वानर सभक
- (D) सैनिक सभक

४४. सीताक शारीरिक अवस्था केहन भऽ गेल छल?

- (A) स्वस्थ आ सुन्दर
- (B) विरहक कारणे आधा (क्षीण) आ मलिन
- (C) मोटा गेल छलीह
- (D) कोनो प्रभाव नहि

४५. हनुमान सीताकें देखि कऽ की अनुभव केलनि?

- (A) प्रसन्नता
- (B) अत्यन्त दुःख आ लोड़ (आँखि सँ जल खसब)
- (C) क्रोध
- (D) आश्चर्य

४६. किछुए कालमे अशोक वाटिकामे के आयल?

- (A) राम
- (B) विभीषण
- (C) रावण अपन बहुत रास रानी (मन्दोदरी आदि) क संग
- (D) मेघनाद

४७. रावण सीता लग आबि कऽ की प्रस्ताव देलक?

- (A) हम अहाँकें राम लग पठा देब
- (B) हमरा स्वीकार करू, हम अहाँकें अपन पटरानी (सभ रानीक स्वामिनी) बना देब
- (C) हम अहाँकें मारि देब
- (D) अहाँ एतय सँ भागि जाउ

४८. रावणक प्रस्ताव सुनि कऽ सीता की केलनि?

- (A) प्रसन्न भेलीह
- (B) एकटा तृण (खड़/घासक टुकड़ा) बीचमे राखि कऽ रावणकें फटकारलनि
- (C) चुप रहलीह
- (D) रोबय लगलीह

४९. सीता रावणकेँ ककरा सँ डरेबाक प्रयास केलनि?

- (A) इन्द्र सँ
- (B) रामक अमोघ बाण आ वानर सेना सँ
- (C) शिव सँ
- (D) ब्रह्मा सँ

५०. सीताक कठोर वचन सुनि रावणक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) ओ डरा गेल
- (B) ओ क्रोधित भऽ कऽ खड्ग (चन्द्रहास) निकालि सीताकेँ मारय लेल दौड़ल
- (C) ओ भागि गेल
- (D) ओ क्षमा मांगलक

५१. रावणकेँ सीताकेँ मारय सँ के रोकलक?

- (A) हनुमान
- (B) मन्दोदरी (वा मयदानवक पुत्री)
- (C) त्रिजटा
- (D) विभीषण

५२. रावण घुमैत काल सीताकेँ कतेक दिनक मोहलत (समय) देलक?

- (A) एक वर्ष
- (B) छह मास
- (C) एक मास (तीस दिन)
- (D) एक सप्ताह

५३. रावणक जेबाक बाद राक्षसी सभ की करय लागल?

- (A) सीताक सेवा
- (B) नाना प्रकारक डरावना रूप देखा कऽ सीताकेँ धमकावे लागल
- (C) सुइत रहल
- (D) भागि गेल

५४. चन्दा झाक रामायणमे सीताक विलापक चित्रण कोन रसमे भेल अछि?

- (A) वीर रस
- (B) करुण रस (अत्यन्त मार्मिक विलाप)
- (C) शृङ्गार रस
- (D) हास्य रस

५५. राक्षसी सभक बीच एकटा राम-भक्त राक्षसी छल, ओकर नाम की छल?

- (A) लंकिनी
- (B) त्रिजटा (विभीषणक पुत्री)
- (C) सुरसा
- (D) ताड़का

५६. त्रिजटा सभ राक्षसीकेँ डपटि कऽ की कहलक?

- (A) सीताकेँ मारि दिअ
- (B) सीताकेँ नहि सताउ, हमरा एकटा भयंकर स्वप्न आयल अछि
- (C) हमरा सुतय दिअ
- (D) सीताकेँ छोड़ि दिअ

५७. त्रिजटा अपन स्वप्नमे रावणक दशा केहन देखलक?

- (A) रावण गर्दभ (गदहा) पर बैसल, मुँह कारी कएने दक्षिण दिशा (यमलोक) दिस जा रहल अछि
- (B) रावण स्वर्ग जा रहल अछि
- (C) रावण विजयी भेल अछि
- (D) रावण राम सँ मित्रता कऽ रहल अछि

५८. त्रिजटा स्वप्नमे लंकाक की दशा देखलक?

- (A) लंका सोनाक भऽ गेल
- (B) एकटा वानर सम्पूर्ण लंकाकें जरा देलक आ केवल विभीषणक घर बचल
- (C) लंका समुद्रमे डूबि गेल
- (D) लंका उड़ि गेल

५९. त्रिजटाक स्वप्न सुनि राक्षसी सभ पर की प्रभाव पड़ल?

- (A) ओ सभ हँसल
- (B) सभ भयभीत भऽ गेलीह आ सीताकें धमकायब छोड़ि सुतय चलि गेलीह
- (C) ओ सभ रावण लग गेलीह
- (D) ओ सभ त्रिजटाकें मारलनि

६०. राक्षसी सभक सुतलाक बाद सीता त्रिजटा सँ की मांगलनि?

- (A) जल
- (B) आगि (काठ/चिता), जाहि सँ ओ शरीर त्यागि सकथि
- (C) अस्त्र
- (D) भोजन

भाग ४: हनुमान-सीता संवाद आ चूड़ामणि

६१. सीताकें आगि मांगैत देखि हनुमान गाछ पर सँ की खसा देलनि?

- (A) फल
- (B) रामक नाम लिखल स्वर्ण मुद्रिका (अँगूठी)
- (C) चूड़ामणि
- (D) धनुष

६२. सीता मुद्रिकाकें देखि कऽ की बुझलीह?

- (A) ई रावणक माया अछि
- (B) ई रामक अँगूठी अछि (आश्चर्य आ हर्ष)
- (C) ई तारा खसल अछि
- (D) ई आगिक टुकड़ा अछि

६३. सीताक शंका (मायाक शंका) दूर करबाक लेल हनुमान गाछ पर बैसले की केलनि?

- (A) रामक मधुर गुणगान आ कथा सुनावय लगलाह
- (B) रोबय लगलाह
- (C) गाछ तोड़य लगलाह
- (D) नीचाँ आबि कऽ प्रणाम केलनि

६४. रामकथा सुनि सीता की कहलनि?

- (A) के गाबि रहल अछि, सोझाँ आउ
- (B) चुप रहू
- (C) ई झूठ अछि
- (D) रावणकें बजाउ

६५. हनुमान गाछ सँ नीचाँ उतरि कऽ सीताकेँ कोना प्रणाम केलनि?

- (A) खड़ा रहि कऽ
- (B) हाथ जोड़ि, साष्टांग दण्डवत प्रणाम केलनि
- (C) आशीर्वाद देलनि
- (D) गले मिललाह

६६. सीता हनुमानकेँ देखि कऽ पहिने की सोचलनि?

- (A) ई रामक दूत अछि
- (B) ई रावणक कोनो मायावी राक्षस अछि
- (C) ई वानर अछि
- (D) ई विभीषणक दूत अछि

६७. हनुमान सीताकेँ विश्वास दिअबाक लेल की कहलनि?

- (A) हम देवता छी
- (B) हम रामक दास छी आ ई मुद्रिका रामे हमरा दऽ कऽ पठेने छथि
- (C) हम रावणक दूत छी
- (D) हम सुग्रीवक दूत छी

६८. सीता हनुमान सँ राम आ लक्ष्मणक कुशक (समाचार) कोना पुछलनि?

- (A) क्रोध सँ
- (B) लोड़ भरल आँखि सँ अत्यन्त व्याकुल भऽ कऽ
- (C) हँसैत
- (D) उदासीन भऽ कऽ

६९. हनुमान रामक विरहक वर्णन करैत सीताकेँ की कहलनि?

- (A) राम बहुत सुखी छथि
- (B) राम अहाँक वियोगमे अत्यन्त दुःखी छथि, ओ सभ वस्तु सँ विरक्त भऽ गेलाह अछि
- (C) राम अहाँकेँ भूलि गेलाह
- (D) राम युद्ध कऽ रहल छथि

७०. हनुमानक छोट (मच्छर वा बानर) रूप देखि सीताक मनमे की शंका भेल?

- (A) जे ओ बेसी खाएत
- (B) जे एतेक छोट वानर रावणक भयंकर राक्षस सभ सँ कोना युद्ध करत?
- (C) जे ओ भागि जाएत
- (D) जे ओ रास्ता भूलि जाएत

७१. सीताक शंका दूर करबाक लेल हनुमान की केलनि?

- (A) बाण चलौलनि
- (B) अपन स्वर्ण-समान भयंकर आ विशाल (पर्वताकार) रूप देखेलनि
- (C) कसम खेलनि
- (D) रामकेँ बजेलनि

७२. विशाल रूप देखि सीता की कहलनि?

- (A) डरा गेलीह
- (B) आशीर्वाद देलनि जे अहाँ बल-बुद्धि निधान आ अजर-अमर होउ
- (C) भागय लेल कहलनि
- (D) छोट बनय लेल कहलनि

७३. हनुमान सीताकें अपन पिठ पर बैसा कऽ राम लग लेबाक प्रस्ताव देलनि, तँ सीता की कहलनि?

- (A) हम चलब
- (B) ई अनुचित अछि, राम स्वयं आबि कऽ रावणकें मारि हमरा लेल जेताह तखने हुनकर कीर्ति हेत
- (C) हम डराइत छी
- (D) रामक आदेश नहि अछि

७४. सीता रामकें स्मरण करेबाक लेल हनुमानकें कोन पुरान कथा सुनेलनि?

- (A) अहिल्या उद्धारक
- (B) जयन्त (काक/कौआ) क कथा, जखन राम एकटा सीक सँ ओकर आँखि फोड़ि देने छलाह
- (C) मारीच वधक
- (D) शिव धनुष भंजनक

७५. सीता रामकें देबाक लेल हनुमानकें निशानी स्वरूप की देलनि?

- (A) अपन केश
- (B) अपन चूड़ामणि (माथक आभूषण)
- (C) अपन वस्त्र
- (D) एकटा पत्र

७६. हनुमान चूड़ामणिकें कतय राखलनि?

- (A) हाथमे
- (B) हृदय (माथ) सँ लगा कऽ सम्हारि कऽ राखि लेलनि
- (C) झोरीमे
- (D) पूँछिमे

७७. सीता हनुमानकें विदा करैत काल कतेक दिनक अवधि (मोहलत) क बात कहलनि?

- (A) एक वर्ष
- (B) एक मास (जँ एक मासमे राम नहि एलाह तँ हमर प्राण नहि बचब)
- (C) दस दिन
- (D) पाँच दिन

७८. हनुमान सीता सँ लंका सँ विदा लेबाक समय की अनुमति मांगलनि?

- (A) सूतय लेल
- (B) अशोक वाटिकाक मीठ फल खएबाक अनुमति (किएक तँ हमरा बहुत भूख लागल अछि)
- (C) रावण सँ भेटय लेल
- (D) नहेबाक लेल

७९. सीता हनुमानकें फल खएबाक अनुमति दैत काल की चेतावनी देलनि?

- (A) विष अछि
- (B) राक्षस सभ पहरा दऽ रहल अछि, सावधान रहब
- (C) फल खट्टा अछि
- (D) फल नहि खसु

८०. चन्दा झाक रामायणमे हनुमान आ सीताक सम्वादमे मुख्य रूप सँ कोन भावक वर्णन अछि?

- (A) क्रोध आ युद्ध
- (B) भक्ति, वात्सल्य आ राम-विरहक मार्मिक भाव
- (C) हास्य आ व्यंग्य
- (D) वैराग्य

भाग ५: वाटिका विध्वंस आ मेघनाद सँ युद्ध

८१. सीता सँ अनुमति पाबि हनुमान अशोक वाटिकामे की केलनि?

- (A) केवल फल खेलनि
- (B) फल खेलनि आ सम्पूर्ण अशोक वाटिकाकें उजाड़ि (तहस-नहस कऽ) देलनि
- (C) सुइत रहलाह
- (D) राक्षसी सँ बात केलनि

८२. वाटिकाक रक्षक सभ (राक्षस) जखन हनुमानकें रोकय आयल तँ हनुमान की केलनि?

- (A) भागि गेलाह
- (B) हुनका सभकें पकड़ि कऽ मारि देलनि
- (C) क्षमा मांगलनि
- (D) छोट बनि गेलाह

८३. रक्षक सभ रावण लग जा कऽ की समाचार देलक?

- (A) राम आबि गेलाह
- (B) एकटा भयंकर वानर वाटिका उजाड़ि देलक अछि आ रक्षकसभकें मारि रहल अछि
- (C) सीता भागि गेलीह
- (D) वानर सुतल अछि

८४. समाचार सुनि कऽ रावण सभसँ पहिने ककरा पठेलक?

- (A) मेघनादकें
- (B) किंकर नामक वीर सैनिकसभकें (असंख्य योद्धा)
- (C) कुम्भकर्णकें
- (D) अक्षकुमारकें

८५. किंकरसभक मारल जेबाक बाद रावण ककरा पठेलक?

- (A) प्रहस्त
- (B) जम्बुमाली आ अन्य मन्त्री-पुत्रसभकें
- (C) विभीषण
- (D) इन्द्रजीत

८६. ओकर बाद रावण अपन कोन पराक्रमी पुत्रकें हनुमान सँ युद्ध करय पठेलक?

- (A) मेघनाद
- (B) अक्षकुमार
- (C) अतिकाय
- (D) नरान्तक

८७. अक्षकुमारक संग हनुमानक युद्ध केहन भेल?

- (A) हनुमान तुरन्त हारि गेलाह
- (B) घमासान युद्ध भेल, अन्तमे हनुमान ओकरा पैर धऽ कऽ घुमा कऽ पटक मारि देलनि
- (C) अक्षकुमार भागि गेल
- (D) दुनू मित्रता कऽ लेलक

८८. अक्षकुमारक मृत्युक समाचार सुनि रावणक की दशा भेल?

- (A) ओ हँसय लागल
- (B) ओ अत्यन्त क्रोधित आ दुःखी भेल
- (C) ओ सोइत रहल
- (D) ओ भागि गेल

८९. अक्षकुमारक बाद रावण ककरा हनुमानकें पकड़य लेल पठेल्क?

- (A) कुम्भकर्ण
- (B) मेघनाद (इन्द्रजीत)
- (C) कालनेमि
- (D) मारीच

९०. मेघनाद आ हनुमानक बीच भेल युद्धमे की भेल?

- (A) मेघनाद मरि गेल
- (B) घमासान युद्ध भेल, हनुमान मेघनादक रथ तोड़ि देलनि
- (C) हनुमान भागि गेलाह
- (D) युद्ध नहि भेल

९१. जखन मेघनादक कोनो अस्त्र हनुमान पर काज नहि केलक, तखन ओ कोन अस्त्रक प्रयोग केलक?

- (A) पाशुपतास्त्र
- (B) ब्रह्मास्त्र (ब्रह्मपाश)
- (C) नारायणास्त्र
- (D) वरुणास्त्र

९२. ब्रह्मास्त्रकें देखि हनुमान की विचार केलनि?

- (A) हम भागि जाइत छी
- (B) जँ हम ब्रह्मास्त्रक विरोध करब तँ ब्रह्माक अपमान हेत, अतः ओकरा सहि लेबाक चाही
- (C) हम बाण सँ काटि देब
- (D) हम सुइत जाएब

९३. ब्रह्मपाशमे बान्हल भेला पर हनुमान की केलनि?

- (A) विरोध केलनि
- (B) चुपचाप बँधि कऽ पृथ्वी पर गिर पड़लाह
- (C) मेघनादकें मारलनि
- (D) सीताकें बजेलनि

९४. मेघनाद हनुमानकें पकड़ि कऽ कतय लऽ गेल?

- (A) कारागारमे
- (B) रावणक राजसभा (दरबार) मे
- (C) समुद्र तीर पर
- (D) वनमे

९५. राक्षस सभ हनुमानकें बान्हय लेल अतिरिक्त रस्सीक प्रयोग किएक केलक?

- (A) किएक तँ ब्रह्मपाश टूटि नहि जाय
- (B) किएक तँ ओ सभ डरायल छल (जाहि सँ ब्रह्मपाश अपन प्रभाव छोड़ि देलक)
- (C) किएक तँ हनुमान कहलनि
- (D) किएक तँ रावणक आदेश छल

९६. रावणक दरबारमे बान्हल अवस्थामे पहुँचि हनुमानक प्रतिक्रिया की छल?

- (A) ओ डरा गेलाह
- (B) ओ निर्भय (निडर) छलाह आ रावणकें देखि कऽ कनीको नहि डरेलाह
- (C) ओ क्षमा मांगलनि
- (D) ओ रोबय लगलाह

९७. चन्दा झाक रामायणमे रावणक दरबारक वर्णन केहन कएल गेल अछि?

- (A) गरीब कुटिया
- (B) अत्यन्त वैभवशाली, भयंकर राक्षस सभ सँ भरल आ इन्द्रक दरबार सँ सेहो पैघ
- (C) खाली
- (D) अन्हार

९८. रावण हनुमानकेँ दरबारमे देखि कऽ की पुछलक?

- (A) अहाँक नाम की अछि?
- (B) रे वानर! तू के छह, ककर दूत छह आ हमर वाटिका किएक उजड़लह?
- (C) अहाँ रामक भाई छी?
- (D) अहाँ एतय किएक आयल छी?

९९. हनुमान रावणकेँ की उत्तर देलनि?

- (A) हम डर सँ आयल छी
- (B) जकर बल सँ माया ई ब्रह्माण्ड रचनै अछि, जकर बाण सँ बालि मारल गेल, हम ओकरे (रामक) दूत छी
- (C) हम स्वतन्त्र छी
- (D) हम शिवक दूत छी

१००. वाटिका उजाड़य आ राक्षस मारबाक कारण हनुमान की बताएलनि?

- (A) किएक तँ हमरा भूख लागल छल तँ फल खेलहुँ आ राक्षस मारय आयल तँ हुनका मारि देलियनि
- (B) हमरा राजा बनबाक छल
- (C) हमरा युद्ध करबाक छल
- (D) हमरा सीता कहलनि

भाग ६: रावण-हनुमान संवाद आ लंका दहन

१०१. हनुमान रावणकेँ दरबारमे की उपदेश देलनि?

- (A) अहाँ युद्ध करू
- (B) अभिमान छोड़ि कऽ सीताकेँ स-सम्मान रामकेँ वापस कऽ दिअ आ हुनकर शरणमे जाउ
- (C) अहाँ सीताकेँ राखू
- (D) अहाँ लंका छोड़ि दिअ

१०२. रावण हनुमानक उपदेश सुनि की केलक?

- (A) मानि लेलक
- (B) अत्यन्त क्रोधित भऽ हँसल आ हनुमानकेँ मारि देबाक (वध करबाक) आदेश देलक
- (C) रोबय लागल
- (D) हनुमानकेँ छोड़ि देलक

१०३. रावणकेँ दूत (हनुमान) केँ मारय सँ के रोकलक?

- (A) मन्दोदरी
- (B) विभीषण
- (C) कुम्भकर्ण
- (D) इन्द्रजीत

१०४. विभीषण दूतकेँ मृत्युदण्डक बदला की देबाक सलाह देलनि?

- (A) छोड़ि देबाक
- (B) कोनो अंग-भंग करबाक (कठोर दण्ड देबाक)
- (C) जेलमे रखबाक
- (D) धन देबाक

१०५. रावण हनुमानक कोन अंग भंग करबाक (नष्ट करबाक) आदेश देलक?

- (A) हाथ
- (B) कान
- (C) पूँछि (किएक तँ बानरकेँ पूँछि सभसँ प्रिय होइछ)
- (D) पैर

१०६. रावणक आदेश पाबि राक्षस सभ हनुमानक पूँछि सँग की केलक?

- (A) काटि देलक
- (B) पूँछिमे नगरक सभ कपड़ा आ घीव/तेल लपेटि कऽ आगि लगा देलक
- (C) पूँछि बान्हि देलक
- (D) रंग देलक

१०७. जखन राक्षस सभ कपड़ा लपेटि रहल छल, तखन हनुमान की केलनि?

- (A) कानय लगलाह
- (B) अपन पूँछिकेँ एतेक पैघ कऽ लेलनि जे लंकाक सभ कपड़ा आ तेल कम पड़ि गेल
- (C) भागि गेलाह
- (D) सुइत रहलाह

१०८. पूँछिमे आगि लगलाक बाद राक्षस सभ हनुमानकेँ कतय लऽ गेल?

- (A) जेलमे
- (B) नगरमे घुमाबय (तमाशा देखाबय)
- (C) समुद्रमे
- (D) वनमे

१०९. नगरमे घुमैत काल हनुमान अचानक की केलनि?

- (A) क्षमा मांगलनि
- (B) अपन अत्यन्त छोट रूप धऽ कऽ बन्धन सँ मुक्त भऽ स्वर्ण-महल पर चढ़ि गेलाह
- (C) आगि बुझा लेलनि
- (D) राक्षसकेँ मारलनि

११०. हनुमानक पूँछिमे आगि लागल सुनि सीता की केलनि?

- (A) रोबय लगलीह
- (B) अग्निदेव सँ प्रार्थना केलनि जे जँ हमर पातिव्रत्य सत्य अछि तँ हनुमान लेल शीतल भऽ जाउ
- (C) भागय लगलीह
- (D) रावण लग गेलीह

१११. सीताक प्रार्थना सँ हनुमान पर आगिक की प्रभाव भेल?

- (A) ओ जरि गेलाह
- (B) आगि हुनका लेल बरफ जकाँ शीतल भऽ गेल आ पूँछि नहि जलि
- (C) आगि बुझि गेल
- (D) पूँछि कटि गेल

११२. महल पर चढ़ि कऽ हनुमान की करय लगलाह?

- (A) सुइत रहलाह
- (B) एक महल सँ दोसर महल पर कूदि कऽ सम्पूर्ण लंकामे आगि लगावे लगलाह
- (C) फल खेलनि
- (D) राक्षस सँ बात केलनि

११३. लंका दहनक समय लंकावासी (राक्षस सभ) क की दशा भेल?

- (A) ओ सभ हँसल
- (B) हाहाकार मचि गेल, चारू कात आगिक लपट आ धुआँ पसि गेल
- (C) ओ सभ सुइत रहल
- (D) ओ सभ पूजा केलक

११४. हनुमान सम्पूर्ण लंका जरा देलनि, मुदा ककर घर नहि जलि?

- (A) कुम्भकर्णक
- (B) विभीषणक
- (C) मेघनादक
- (D) रावणक

११५. चन्दा झाक रामायणमे लंका दहनक वर्णन कोन रूपमे भेल अछि?

- (A) संक्षिप्त रूपमे
- (B) अत्यन्त सजीव, भयानक रस सँ परिपूर्ण आ विस्तृत रूपमे
- (C) केवल एक पाँतीमे
- (D) कोनो नहि

११६. लंका जरा कऽ हनुमान आगि बुझाबय कतय गेलाह?

- (A) नदीमे
- (B) समुद्र (जलनिधि) मे कूदि कऽ अपन पूँछिक आगि बुझेलनि
- (C) तालाबमे
- (D) वर्षाक जल सँ

११७. आगि बुझा कऽ हनुमान पुनः ककरा लग गेलाह?

- (A) राम लग
- (B) सीता लग (अशोक वाटिका) विदा लेबाक लेल
- (C) विभीषण लग
- (D) रावण लग

११८. सीता हनुमानकें विदा करैत काल रामकें की कहय लेल कहलनि?

- (A) हम ठीक छी
- (B) हे नाथ! अहाँकें बाणक शपथ अछि, एक मासक भीतर आबि कऽ हमर प्राण बचाउ
- (C) हम नहि आउब
- (D) हमरा रावणक संग रहबाक अछि

११९. हनुमान सीताकें की आश्वासन देलनि?

- (A) राम नहि अवताह
- (B) माता धैर्य राखू, राम वानर सेनाक संग तुरंत अवताह आ रावणक वध कऽ अहाँकें लेत जेताह
- (C) हम अहाँकें लऽ जाइब
- (D) रावण अहाँकें छोड़ि देत

१२०. सीता सँ अन्तिम विदा लऽ कऽ हनुमान की केलनि?

- (A) रावण सँ युद्ध
- (B) समुद्र तीर पर आबि कऽ महेन्द्र पर्वत सँ रामक दिशा (उत्तर) दिस छलाँग लगौलनि
- (C) लंकामे रुकि गेलाह
- (D) विभीषण सँ भेट केलनि

भाग ७: वापसी, मधुबन-भंजन आ राम-पुनर्मिलन

१२१. समुद्र पार कऽ कऽ वापसीमे हनुमान कोन पर्वत पर उतरलाह जतय वानर सेना हुनकर प्रतीक्षा कऽ रहल छल?

- (A) कैलाश
- (B) महेन्द्र पर्वत (समुद्रक उत्तर तट)
- (C) सुमेरु
- (D) नीलगिरि

१२२. हनुमानकें आबैत देखि वानर सभ कोना बुझि गेल जे काज सफल भऽ गेल अछि?

- (A) हनुमानक रोबय सँ
- (B) हनुमानक भयंकर सिंहनाद (किलकारी) आ हर्ष सँ
- (C) हनुमानक पत्र सँ
- (D) आकाशवाणी सँ

१२३. वानर सभ हनुमान सँ भेट कऽ की केलक?

- (A) मारय लागल
- (B) हर्षित भऽ कऽ गले मिललाह आ सीताक कुशल पुछलनि
- (C) भागि गेलाह
- (D) सुइत रहल

१२४. हनुमान वानर सभकें सीताक विषयमे की संक्षेपमे जनतब देलनि?

- (A) सीता नहि भेटलीह
- (B) सीताक दर्शन भेल आ ओ कुशल छथि
- (C) सीता मरि गेलीह
- (D) सीता लंकाक रानी बनि गेलीह

१२५. सभ वानर प्रसन्न भऽ कऽ राम लग जेबाक बाटमे कोन वन (बगीचा) मे प्रवेश केलक?

- (A) अशोक वन
- (B) मधुबन (सुग्रीवक प्रिय बगीचा)
- (C) दण्डकारण्य
- (D) चित्रकूट

१२६. मधुबनमे वानर सभ की केलक?

- (A) सुइत रहल
- (B) अंगदक अनुमति पाबि कऽ मधु (शहद) आ मीठ फल पेट भरि खेलक आ गाछ तोड़लक
- (C) पूजा केलक
- (D) युद्ध केलक

१२७. मधुबनक रक्षक के छल जकरा वानर सभ मारि-पीटि कऽ भगा देलक?

- (A) सुग्रीव
- (B) दधिमुख (सुग्रीवक मामा)
- (C) अंगद
- (D) जाम्बवन्त

१२८. दधिमुख रोइत-रोइत ककरा लग शिकायत लऽ गेल?

- (A) राम लग
- (B) सुग्रीव लग
- (C) लक्ष्मण लग
- (D) वाली लग

१२९. दधिमुखक शिकायत सुनि सुग्रीव की समझलाह?

- (A) जे वानर सभ बागी भऽ गेल अछि
- (B) जे निश्चित रूप सँ हनुमान सीताकें खोजि लेलनि अछि, नहि तँ केहू मधुबनमे एहन साहस नहि कऽ सकैछ
- (C) जे राम क्रोधित छथि
- (D) जे दधिमुख झूठ बाजि रहल अछि

१३०. सुग्रीव दधिमुखकें की आदेश देलनि?

- (A) वानर सभकें मारू
- (B) सभ वानरकें आदर पूर्वक तुरन्त हमर पास भेजू
- (C) मधुबनकें बन्द कऽ दिअ
- (D) किछु नहि

१३१. वानर सभ (हनुमान, अंगद आदि) राम लग पहुँचि कऽ की केलनि?

- (A) हँसय लगलाह
- (B) रामक चरणमे दण्डवत प्रणाम केलनि
- (C) लक्ष्मण सँ युद्ध केलनि
- (D) सुग्रीव सँ झगड़ा केलनि

१३२. राम हनुमान सँ सभसँ पहिने की पुछलनि?

- (A) लंका केहन अछि?
- (B) हे हनुमान! हमर प्राणप्रिय सीता कोना अछि आ हमर प्राण कोना बचायब?
- (C) रावण केहन अछि?
- (D) समुद्र केहन अछि?

१३३. हनुमान रामकें सीताक निशानी स्वरूप की देलनि?

- (A) मुद्रिका
- (B) चूड़ामणि
- (C) वस्त्र
- (D) पत्र

१३४. चूड़ामणि देखि कऽ रामक की दशा भेल?

- (A) ओ हँसय लगलाह
- (B) ओ चूड़ामणिकें हृदय सँ लगा कऽ सीताक स्मरणमे विलाप करय लगलाह (लोड़ खसय लागल)
- (C) ओ ओकरा फेकि देलनि
- (D) ओ सुग्रीवकें दऽ देलनि

१३५. हनुमान रामकें सीताक सन्देश (वचन) की सुनेलनि?

- (A) जे ओ प्रसन्न छथि
- (B) जे एक मासक अवधि अछि, जँ अहाँ नहि एलाह तँ ओ प्राण त्यागि देतीह
- (C) जे ओ लंकामे रानी बनि गेलीह
- (D) जे ओ अहाँकें भूलि गेलीह

१३६. राम हनुमानक उपकार मानैत की कहलनि?

- (A) अहाँ नीक काज केलहुँ
- (B) हे हनुमान! तोहर जे उपकार अछि ओकर ऋण हम कोनो जन्ममे नहि चुका सकैत छी
- (C) अहाँकें धन भेटत
- (D) अहाँ हमर दास छी

१३७. राम हनुमानके की पुरस्कार देलनि?

- (A) सोनाक हार
- (B) अपन आलिंगन (हृदय सँ लगा लेलनि)
- (C) लंकाक राज्य
- (D) किष्किन्धाक राज्य

१३८. चन्दा झा रचित 'सुन्दरकाण्ड' क अन्त कतय होइत अछि?

- (A) रावण वध सँ
- (B) राम द्वारा लंका जेबाक लेल प्रस्थानक तैयारी (सेनाक कूच) सँ
- (C) सीताक वापसी सँ
- (D) समुद्र निर्माण सँ

१३९. चन्दा झाक 'मिथिलाभाषा रामायण' मे सुन्दरकाण्डक पाठक की फल बतायल गेल अछि?

- (A) धन प्राप्त होएब
- (B) संकट सँ मुक्ति, राम-सीताक भक्ति आ सकल मनोरथ पूर्ण होएब
- (C) रोग लागब
- (D) कोनो फल नहि

१४०. ई १४० प्रश्नक 'चन्दा झा रामायण (सुन्दरकाण्ड)' क्विज कतय उपलब्ध अछि?

- (A) कोशी पर
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) पर
- (C) आरंभ पर
- (D) अन्यत्र

उत्तरमाला — अध्याय ५ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) हनुमानक समुद्र लांघय लेल प्रस्थान सँ — सुन्दरकाण्डक प्रारम्भ जाम्बवन्तक प्रेरणाक बाद हनुमान द्वारा समुद्र लांघय लेल प्रस्थान सँ होइत अछि।
२. (C) महेन्द्र पर्वत — हनुमान विशाल महेन्द्र पर्वत पर चढ़ि कऽ रामकेँ स्मरण कऽ समुद्र पार करय लेल छलाँग लगौलनि।
३. (A) पर्वत पाताल धसि गेल — हनुमानक भारी दबाब सँ महेन्द्र पर्वत काँपि गेल आ ओकर एकटा हिस्सा पाताल दिस धसि गेल।
४. (B) मैनाक — समुद्रक अनुरोध पर मैनाक (स्वर्ण) पर्वत जल सँ ऊपर उठल जाहि सँ हनुमान किछु काल विश्राम कऽ सकथि।
५. (A) पवनदेव (हनुमानक पिता) — प्राचीन कालमे पवनदेव मैनाचकेँ उडि कऽ समुद्रमे खसा देने छलाह, जाहि सँ ओकर पंख इन्द्रक वज्र सँ बचि गेल छल। ताहि उपकार स्वरूप मैनाक हनुमानक सेवा करय आयल।
६. (B) हाथ सँ स्पर्श कऽ (प्रणाम कऽ) राम-काज लेल आगू बढ़ि गेलाह — हनुमान मैनाचकेँ केवल हाथ सँ स्पर्श केलनि आ कहलनि जे रामक काज केने बिना हमरा विश्राम नहि अछि।
७. (B) सुरसा (नागमाता) — देवता सभ सुरसा (जे नागसभक माता छलीह) केँ पठेल्क जाहि सँ हनुमानक बुद्धिक परीक्षा लेल जा सकय।
८. (A) हनुमान सेहो अपन शरीर सुरसा सँ दू-गुना पैघ कऽ लेलनि — सुरसा जतेक योजन मुँह पसारैत छल, हनुमान ओकर दू-गुना पैघ शरीर कऽ लैत छलाह (जहिना सोलह, बत्तीस योजन)।
९. (B) अत्यन्त छोट रूप धऽ ओकर मुँहमे पसि कऽ तुरन्त बाहर आबि गेलाह — हनुमान मच्छर जकाँ छोट रूप धारण कऽ सुरसाक मुँहमे पसि कऽ तुरन्त बाहर आबि गेलाह आ प्रणाम केलनि।
१०. (B) आशीर्वाद जे अहाँ रामक काज अवश्य पूर्ण करब — सुरसा प्रसन्न भऽ कऽ आशीर्वाद देलक जे अहाँ बल आ बुद्धिमे निपुण छी, रामक काज अवश्य सिद्ध करब।
११. (B) सिंहिका — सिंहिका नाम राखसी जलमे रहैत छल आ आकाशमे उड़ैत जीवक परछाई पकड़ि कऽ ओकरा खा जाइत छल।
१२. (A) हनुमानक गती रुकि गेल — परछाई पकड़ाइल सँ हनुमानकेँ लागल जेना कोनो जहाजक गती रुकि गेल होय, ओ अचम्भित भऽ गेलाह।

१३. (B) छोट रूप धऽ कऽ ओकर पेटमे पसि कऽ ओकर अँतड़ी (हृदय) फाड़ि देलनि — जखन सिंहिका मुँह फड़लक, हनुमान छोट रूप धऽ पेटमे पसि गेलाह आ ओकर हृदय फाड़ि कऽ मारि देलनि।
१४. (A) पुष्प वृष्टि कऽ हनुमानक जय-जयकार केलनि — सिंहिका जकाँ पापिनीक वध भेला पर आकाश सँ देवता सभ फूलक वर्षा केलनि।
१५. (A) त्रिकूट / सुबेल पर्वत — हनुमान समुद्र पार कऽ लंकाक तट पर सुबेल (त्रिकूट) पर्वत पर उतरलाह जतय लंका नगर बसल छल।
१६. (B) स्वर्णमयी, मणि-रत्न सँ जटित आ अत्यन्त समृद्ध — लंका चारु कात सँ सोनाक चारदीवारी (परकोटा) सँ घेरल आ मणिसभ सँ जगमगा रहल छल।
१७. (A) जे पैघ रूपमे जेबा सँ राक्षस चिन्ही लेत, अतः छोट रूप धारण करबाक चाही — हनुमान विचार केलनि जे एतेक पहराक बीच पैघ शरीर लऽ कऽ जेनाइ उचित नहि, अतः मच्छर जकाँ छोट रूप धारण केलनि।
१८. (C) रातिक समय (सन्ध्याक बाद) — छुपि कऽ प्रवेश करबाक लेल हनुमान रातिक समयक (प्रदोष काल) चुनाव केलनि।
१९. (B) चौपाई आ दोहाक मैथिली रूपान्तर — चन्दा झा पारम्परिक प्रबन्ध शैलीमे चौपाई, दोहा, आ सोरठाक मैथिली भाषामे अत्यन्त सुन्दर प्रयोग केने छथि।
२०. (B) गरुड़ आ रामक बाण जकाँ तीव्र — रामक काज लेल हनुमानक गती साक्षात् रामक बाण वा गरुड़क समान तीव्र आ अमोघ बतायल गेल अछि।
२१. (B) लंकिनी — लंकाक मुख्य द्वार पर लंकिनी नामक भयंकर राक्षसी पहरा दैत छल जे चोर-सिपाहीकेँ चिन्ही लैत छल।
२२. (B) रे चोर! हमर आहार बनि कऽ कतय जा रहल छै? — लंकिनी डपटि कऽ कहलक जे मोर आहार (भोजन) बनि कऽ तू रातिमे लंकामे कतय पसि रहल छै।
२३. (C) एकटा मुक्का (मुष्टिका) मारलनि जाहि सँ ओ रगत फेकैत खसि पड़ल — हनुमान वामा हाथ सँ एकटा मुक्का मारलनि जाहि सँ लंकिनी चक्कर खा कऽ रगत वमन करैत नीचाँ खसि पड़ल।
२४. (B) जे जखन कोनो वानरक मारि सँ ओ व्याकुल हेत, तखन राक्षस वंशक विनाश निश्चित मानब — ब्रह्मा कहने छलाह जे जखन वानरक मारि सँ तोहर ई दशा होय, तँ बुझि लिहें जे लंका पर संकट आ रावणक अन्त करीब अछि।
२५. (B) रामकेँ हृदयमे राखि कऽ नगरमे प्रवेश करू आ अपन काज करू — ओ हाथ जोड़ि कऽ कहलक जे आब अहाँ निर्भय भऽ कऽ लंकामे प्रवेश करू आ सीता माताकेँ खोजू।
२६. (B) सभ राक्षसक महल, चौहट्टा आ रावणक रनिवासमे — हनुमान रातिमे मच्छर रूप धऽ कऽ लंकाक गली-गली, रावणक महल आ रनिवास (अन्तःपुर) धरि सीताकेँ खोजलनि।
२७. (B) रावण सुतल छल आ ओकर चारु कात अनेक सुन्दर रानी सभ सुतल छलीह — रनिवासमे रावण मन्दोदरी आ अन्य रानी सभक संग गहीर निद्रामे सुतल छल, मुदा ओतय सीता नहि छलीह।
२८. (C) दुनू (क आ ख) — निराश भऽ कऽ हनुमान सोचय लगलाह जे की रावण सीताकेँ मारि देलक? रामकेँ हम की सन्देश देब?
२९. (B) विभीषणक — ओ भवन विभीषणक छल, जे राक्षस कुलमे सेहो भक्त छलाह आ हुनकर महल भिन्न प्रकारक छल।
३०. (B) भवन पर राम-आयुध (धनुष-बाण) अंकित छल आ आँगनमे तुलसीक गाछ छल — विभीषणक भवन पर रामक शस्त्रास्त्रक चिन्ह बनल छल आ आँगनमे पवित्र तुलसीक चौतरा छल।
३१. (B) राम-राम (हरिनाम) जपैत उठलाह — भोर होइते विभीषण राम-राम कहि कऽ उठलाह, जकरा सुनि कऽ हनुमानकेँ बहुत आश्चर्य आ प्रसन्नता भेल।
३२. (A) ई कोना सम्भव अछि (जेना दाँतक बीच जीभ) — हनुमान सोचलनि जेना बत्तीस दाँतक बीच कोमल जीभ सुरक्षित रहैछ, तहिना एतय ई राम-भक्त सुरक्षित अछि।
३३. (B) विप्र (ब्राह्मण) क रूप — विभीषण सँ वार्तालाप करबाक लेल हनुमान एकटा साधारण ब्राह्मणक रूप धारण कऽ हुनका लग गेलाह।
३४. (B) अहाँ हरि-भक्त छी वा साक्षात् रामक सेवक छी जाहि सँ हमर हृदय शीतल भऽ रहल अछि? — विभीषणकेँ हनुमानकेँ देखिते हृदयमे अगाध शान्ति आ प्रेमक अनुभव भेल आ ओ पुछलनि जे अहाँ रामक निज जन छी की?
३५. (B) हम रामक दूत हनुमान छी — विभीषणक भक्ति देखि हनुमान अपन असली परिचय देलनि जे हम रामक सेवक हनुमान छी।
३६. (B) हमर स्थिति दाँतक बीच जीभ जकाँ अछि, राम हमरा पर कहिया कृपा करताह? — विभीषण कहलनि जे तामसी राक्षस देहक कारणे हमर स्थिति कठिन अछि, की राम हमरा जकाँ अधम पर कृपा करताह?
३७. (B) राम अपन सेवक पर अकारण कृपा करैत छथि, जेना हमरा जकाँ नीच वानर पर केलनि — हनुमान सान्त्वना देलनि जे प्रभु राम दीनबन्धु छथि, जखन हमरा जकाँ कपि पर कृपा कऽ सकैत छथि तँ अहाँ पर किएक नहि।

३८. (B) रावण सीताकें अशोक वाटिकामे बन्दी बना कऽ रखने अछि — विभीषण सम्पूर्ण वृत्तान्त सुनेलनि आ कहलनि जे सीता माता अशोक वाटिकामे कड़ी सुरक्षाक बीच छथि।
३९. (B) अत्यन्त वैभवशाली मुदा काम-क्रोध सँ भरल नगरी जकाँ — लंका बाह्य रूप सँ स्वर्ग जकाँ स्वर्णमयी छल, मुदा ओतय राक्षस सभक कामुकता आ विलासिता भरल छल।
४०. (B) सीताक दर्शन लेल अशोक वाटिका दिस — विभीषण सँ सीताक पता पाबि हनुमान सूक्ष्म रूप धऽ कऽ अशोक वाटिका दिस प्रस्थान केलनि।
४१. (B) सीता अत्यन्त कृशकाय, मलिन वस्त्रमे एकटा गाछक नीचाँ बैसल छलीह — हनुमान देखलनि जे सीताक शरीर सूखि गेल अछि, माथक केश गुंथल नहि अछि आ ओ रामक ध्यानमे मग्न छथि।
४२. (B) अशोक / शिंशपा गाछक नीचाँ — सीता शिंशपा (अशोक) गाछक नीचाँ बैसल राम-राम जपि रहल छलीह आ हनुमान ओही गाछक पल्लवमे छुपि गेलाह।
४३. (B) भयंकर राक्षसी सभक — रावणक आदेश सँ सीताक चारू कात भयंकर रूप वली राक्षसी सभ (हाथमे अस्त्र लऽ कऽ) पहरा दऽ रहल छलीह।
४४. (B) विरहक कारणे आधा (क्षीण) आ मलिन — रामक वियोग आ रावणक बन्धनक कारणे सीताक शरीर अत्यन्त दुर्बल आ कृशकाय भऽ गेल छल।
४५. (B) अत्यन्त दुःख आ लोड़ (आँखि सँ जल खसब) — जगतजननी सीताक ई दयनीय दशा देखि हनुमानक आँखि सँ लोड़ खसि पड़ल।
४६. (C) रावण अपन बहुत रास रानी (मन्दोदरी आदि) क संग — हनुमान गाछ पर छुपल छलाह, तखने रावण अपन रनिवासक रानी सभक संग साज-शृंगार कऽ कऽ ओतय आयल।
४७. (B) हमरा स्वीकार करू, हम अहाँकें अपन पटरानी (सभ रानीक स्वामिनी) बना देब — रावण अपन धन आ वैभवक लोभ दैत सीताकें अपन पटरानी बनबाक प्रस्ताव देलक।
४८. (B) एकटा तृण (खड़/घासक टुकड़ा) बीचमे राखि कऽ रावणकें फटकारलनि — परपुरुष सँ सीध बात नहि करबाक धर्मक पालन करैत, सीता एकटा तृणकें ओट कऽ कऽ रावणकें उत्तर देलनि।
४९. (B) रामक अमोघ बाण आ वानर सेना सँ — सीता चेतावनी देलनि जे रामक बाण सँ तोहर रक्षण केहू नहि कऽ सकत, ओ तोहर कुलक नाश कऽ देताह।
५०. (B) ओ क्रोधित भऽ कऽ खड़ग (चन्द्रहास) निकालि सीताकें मारय लेल दौड़ल — सीताक फटकार सुनि रावण क्रोधमे आबि गेल आ अपन तलवार 'चन्द्रहास' निकालि मारय लेल दौड़ल।
५१. (B) मन्दोदरी (वा मयदानवक पुत्री) — रावणक रानी (मन्दोदरी) ओकर हाथ पकड़ि कऽ रोकलनि जे स्त्री-वध वीरक शोभा नहि दैत अछि।
५२. (C) एक मास (तीस दिन) — रावण राक्षसी सभकें आदेश देलक जे एक मासक भीतर जँ ई हमर बात नहि मानैछ, तँ एकरा काटि कऽ खा जइहा।
५३. (B) नाना प्रकारक डरावना रूप देखा कऽ सीताकें धमकावे लागल — रावणक आदेश पाबि राक्षसी सभ सीताकें चारू कात सँ घेरि कऽ डरावे आ धमकावे लागल।
५४. (B) करुण रस (अत्यन्त मार्मिक विलाप) — सीताक असहाय अवस्था आ विलापक वर्णन करुण रसक उत्कृष्ट उदाहरण अछि।
५५. (B) त्रिजटा (विभीषणक पुत्री) — त्रिजटा नाम वली वृद्ध राक्षसी (जे विभीषणक पुत्री मानल जाइछ) ज्ञानी आ राम-भक्त छलीह।
५६. (B) सीताकें नहि सताउ, हमरा एकटा भयंकर स्वप्न आयल अछि — त्रिजटा सभकें चुप करवैत कहलक जे हम रातिमे एकटा स्वप्न देखने छी जाहि सँ लागैछ जे लंकाक विनाश निश्चित अछि।
५७. (A) रावण गर्दभ (गदहा) पर बैसल, मुँह कारी कएने दक्षिण दिशा (यमलोक) दिस जा रहल अछि — स्वप्नमे रावणक मुँह कारी छल, माथ मुँडल छल आ ओ गदहा पर बैसि दक्षिण दिशा जा रहल छल।
५८. (B) एकटा वानर सम्पूर्ण लंकाकें जरा देलक आ केवल विभीषणक घर बचल — त्रिजटा कहलक जे एकटा वानर लंका जरा देलक आ रामक सेना लंका पर विजय प्राप्त कऽ लेलक।
५९. (B) सभ भयभीत भऽ गेलीह आ सीताकें धमकायब छोड़ि सुतय चलि गेलीह — स्वप्नक बात सुनि सभ राक्षसी डरा गेलीह आ सीताकें सताबय छोड़ि कऽ चुपचाप सुइत रहलीह।
६०. (B) आगि (काठ/चिता), जाहि सँ ओ शरीर त्यागि सकथि — सीता अत्यन्त व्याकुल भऽ त्रिजटा सँ कहलनि जे आब एक मासक कष्ट नहि सहल जाइछ, हमरा आगि लाबि दिअ जाहि सँ हम जरि जाइ।
६१. (B) रामक नाम लिखल स्वर्ण मुद्रिका (अँगूठी) — सीताक निराशा देखि हनुमान रामक देल गेल मुद्रिका गाछ पर सँ सीताक अगाड़ी खसा देलनि।

६२. (B) ई रामक अँगूठी अछि (आश्चर्य आ हर्ष) — सीता मुद्रिका पर रामक नाम अंकित देखि अत्यन्त हर्षित भेलीह मुदा फेर सोचय लगलीह जे ई एतय कोना आयल।
६३. (A) रामक मधुर गुणगान आ कथा सुनावय लगलाह — हनुमान गाछ पर सँ मधुर स्वरमे रामचन्द्रक जन्म सँ लऽ सीता-हरण धरिक कथा सुनावय लगलाह।
६४. (A) के गाबि रहल अछि, सोझाँ आउ — सीता अमृत सन कथा सुनि कहलनि जे जे भी ई कथा गाबि रहल अछि, हमर सोझाँ आउ।
६५. (B) हाथ जोड़ि, साष्टांग दण्डवत प्रणाम केलनि — हनुमान अत्यन्त विनयपूर्वक हाथ जोड़ि कऽ सीताक चरणमे प्रणाम केलनि।
६६. (B) ई रावणक कोनो मायावी राक्षस अछि — वानरक रूप देखि सीताकें पहिने शंका भेल जे कतहु ई रावणक माया तँ नहि अछि।
६७. (B) हम रामक दास छी आ ई मुद्रिका रामे हमरा दऽ कऽ पठेने छथि — हनुमान विश्वास दिअवलनि जे माता, हम करुणानिधान रामक दूत छी आ ई अँगूठी पहचानक लेल अनलौह अछि।
६८. (B) लोड़ भरल आँखि सँ अत्यन्त व्याकुल भऽ कऽ — सीता अत्यन्त व्याकुल भऽ पुछलनि जे कृपालु राम हमरा कहिया धरि एतय छोड़ि देताह? लक्ष्मण कोना छथि?
६९. (B) राम अहाँक वियोगमे अत्यन्त दुःखी छथि, ओ सभ वस्तु सँ विरक्त भऽ गेलाह अछि — हनुमान कहलनि जे माता, प्रभु राम अहाँक वियोगमे दुःखी छथि, नव-पल्लव हुनका आगि जकाँ लागैत छन्हि।
७०. (B) जे एतेक छोट वानर रावणक भयंकर राक्षस सभ सँ कोना युद्ध करत? — सीताकें लागल जे रावणक योद्धा सभ तँ पहाड़ जकाँ छथि, ई छोटका वानर सभ हुनका सँ कोना जीतत।
७१. (B) अपन स्वर्ण-समान भयंकर आ विशाल (पर्वताकार) रूप देखेलनि — हनुमान अपन असली सुमेरु पर्वत जकाँ विशाल आ भयंकर रूप प्रकट केलनि जाहि सँ सीताकें वानर-बल पर विश्वास भेल।
७२. (B) आशीर्वाद देलनि जे अहाँ बल-बुद्धि निधान आ अजर-अमर होउ — सीता सन्तुष्ट भऽ कऽ हनुमानकें अजर, अमर, गुणनिधान आ रामक प्रिय होएबाक आशीर्वाद देलनि।
७३. (B) ई अनुचित अछि, राम स्वयं आबि कऽ रावणकें मारि हमरा लेल जेताह तखने हुनकर कीर्ति हेत — सीता कहलनि जे जँ हम अहाँक संग चोरी-छुपे चलि जाइ तँ रामक मर्यादा आ कीर्ति पर कलंक लागत।
७४. (B) जयन्त (काक/कौआ) क कथा, जखन राम एकटा सीक सँ ओकर आँखि फोड़ि देने छलाह — सीता इन्द्र-पुत्र जयन्तक कथा सुनेलनि जे कौआ बनि कऽ चोंच मारने छल आ राम एकटा सीक (तृण) सँ ओकर आँखि फोड़ि देने छलाह।
७५. (B) अपन चूड़ामणि (माथक आभूषण) — सीता अपन माथ सँ चूड़ामणि उतारि कऽ हनुमानकें देलनि जे प्रभु रामकें दऽ दिअ।
७६. (B) हृदय (माथ) सँ लगा कऽ सम्हारि कऽ राखि लेलनि — हनुमान परम आदर सँ चूड़ामणिकें माथ पर लगा कऽ सुरक्षित राखि लेलनि।
७७. (B) एक मास (जँ एक मासमे राम नहि एलाह तँ हमर प्राण नहि बचब) — सीता कहलनि जे रावण एक मासक समय देने अछि, जँ राम एक मासक भीतर नहि एलाह तँ हम जीवित नहि रहब।
७८. (B) अशोक वाटिकाक मीठ फल खएबाक अनुमति (किएक तँ हमरा बहुत भूख लागल अछि) — हनुमान कहलनि जे माता हमरा बहुत भूख लागल अछि, ई सुन्दर फल देखि कऽ खएबाक मोन भऽ रहल अछि।
७९. (B) राक्षस सभ पहरा दऽ रहल अछि, सावधान रहब — सीता कहलनि जे फल तँ खाउ मुदा वाटिकामे भयंकर राक्षस सभक पहरा अछि, ताहि सँ सावधान रहब।
८०. (B) भक्ति, वात्सल्य आ राम-विरहक मार्मिक भाव — हनुमानक दास्य भक्ति आ सीताक राम-वियोगक करुण भाव एहि प्रसंगक मुख्य विशेषता अछि।
८१. (B) फल खैलनि आ सम्पूर्ण अशोक वाटिकाकें उजाड़ि (तहस-नहस कऽ) देलनि — हनुमान मीठ फल खैलनि, गाछ सभकें उखाड़ि देलनि आ वाटिकाकें पूर्णतः उजाड़ि देलनि।
८२. (B) हुनका सभकें पकड़ि कऽ मारि देलनि — हनुमान राक्षक सभकें पकड़ि-पकड़ि कऽ मारय लगलाह, किछु मारल गेल आ किछु भागि कऽ रावण लग गेल।
८३. (B) एकटा भयंकर वानर वाटिका उजाड़ि देलक अछि आ राक्षकसभकें मारि रहल अछि — राक्षक सभ डराइत कहलक जे एकटा विशाल वानर आयल अछि जे वाटिकाकें नष्ट कऽ देलक।
८४. (B) किंकर नामक वीर सैनिकसभकें (असंख्य योद्धा) — रावण पहिने बहुत रास किंकर (सैनिक) पठेल्क जकरा हनुमान एकहि क्षणमे मारि गिरा देलनि।
८५. (B) जम्बुमाली आ अन्य मन्त्री-पुत्रसभकें — किंकरक बाद जम्बुमाली आ सेनापतिक पुत्रसभ आयल, हुनका सभकें सेहो हनुमान मारि देलनि।

८६. (B) अक्षकुमार — रावण अपन युवा आ बलवान पुत्र अक्षकुमारके विशाल सेनाक संग पठेल्क।
८७. (B) घमासान युद्ध भेल, अन्तमे हनुमान ओकरा पैर धऽ कऽ घुमा कऽ पटक मारि देलनि — हनुमान अक्षकुमारके गाछ सँ मारलनि आ अन्तमे ओकर पैर पकड़ि कऽ पृथ्वी पर पटक मारि देलनि।
८८. (B) ओ अत्यन्त क्रोधित आ दुःखी भेल — पुत्रक वधक समाचार सुनि रावणके भारी आघात लागल आ ओ क्रोध सँ जलि उठल।
८९. (B) मेघनाद (इन्द्रजीत) — रावण अपन सभसँ शक्तिशाली पुत्र मेघनाद (इन्द्रजीत) के पठेल्क जे ओहि वानरके जीवित पकड़ि कऽ लाउ।
९०. (B) घमासान युद्ध भेल, हनुमान मेघनादक रथ तोड़ि देलनि — दुनू महान योद्धाक बीच भयंकर युद्ध भेल, हनुमान ओकर बाण निष्फल कऽ ओकर रथ चूर्ण कऽ देलनि।
९१. (B) ब्रह्मास्त्र (ब्रह्मापाश) — थकि कऽ मेघनाद अन्तमे ब्रह्मास्त्र (ब्रह्मापाश) क सन्धान केलक।
९२. (B) जँ हम ब्रह्मास्त्रक विरोध करब तँ ब्रह्माक अपमान हेत, अतः ओकरा सहि लेबाक चाही — हनुमान सोचलनि जे ब्रह्मास्त्रक मान राखब आवश्यक अछि, अतः ओ स्वयं ओहिमे बँधय लेल प्रस्तुत भऽ गेलाह।
९३. (B) चुपचाप बँधि कऽ पृथ्वी पर गिर पड़लाह — ब्रह्मास्त्र लागते हनुमान अचेत (मूर्छित) होयबाक नाटक कऽ पृथ्वी पर खसि पड़लाह।
९४. (B) रावणक राजसभा (दरबार) मे — राक्षस सभ हनुमानके रस्सी सँ बान्हि कऽ रावणक दरबारमे लऽ गेल।
९५. (B) किएक तँ ओ सभ डरायल छल (जाहि सँ ब्रह्मापाश अपन प्रभाव छोड़ि देलक) — राक्षस सभ जखन सन/रस्सी सँ बान्हय लागल तँ ब्रह्मास्त्र (जे बन्धन नहि सहैछ) अपन प्रभाव समेटि लेलक, मुदा हनुमान बान्हले रहलाह।
९६. (B) ओ निर्भय (निडर) छलाह आ रावणके देखि कऽ कनीको नहि डरेलाह — रावणक भयंकर दरबार देखि कऽ सेहो रामक दूत हनुमानक मनमे रज्ज मात्र सेहो भय नहि भेल।
९७. (B) अत्यन्त वैभवशाली, भयंकर राक्षस सभ सँ भरल आ इन्द्रक दरबार सँ सेहो पैघ — रावणक दरबारमे देवता दिगपाल सभ हाथ जोड़े ठाढ़ रहैत छलाह, एहन भयंकर वैभव छल।
९८. (B) रे वानर! तू के छह, ककर दूत छह आ हमर वाटिका किएक उजड़लह? — रावण अहंकार सँ पुछलक जे तोरा के पठेने अछि आ तू हमर वन आ पुत्रके किएक मारलह।
९९. (B) जकर बल सँ माया ई ब्रह्माण्ड रचनै अछि, जकर बाण सँ बालि मारल गेल, हम ओकरे (रामक) दूत छी — हनुमान निर्भय भऽ कऽ रामक प्रतापक वर्णन केलनि आ कहलनि जे हम ओकरे दूत छी जकर पत्नीके तू चोरा कऽ अनलह अछि।
१००. (A) किएक तँ हमरा भूख लागल छल तँ फल खैलहुँ आ राक्षस मारय आयल तँ हुनका मारि देलियनि — हनुमान स्पष्ट कहलनि जे बानरक सुभाव चंचल होइछ, भूख सँ फल खैलहुँ आ तोहर कुत्ता सभ काटे दौड़ल तँ ओकरा मारि देलियनि।
१०१. (B) अभिमान छोड़ि कऽ सीताके स-सम्मान रामके वापस कऽ दिअ आ हुनकर शरणमे जाउ — हनुमान नीति आ धर्मक उपदेश दैत कहलनि जे रामक शरणमे जाउ, ओ कृपालु छथि, अहाँके क्षमा कऽ देताह।
१०२. (B) अत्यन्त क्रोधित भऽ हँसल आ हनुमानके मारि देबाक (वध करबाक) आदेश देलक — अहंकारी रावण हनुमानक उपदेश सुनि कऽ उपहास केलक आ सैनिकसभके ओकरा मारबाक आदेश देलक।
१०३. (B) विभीषण — विभीषण उठि कऽ रावणके नीति समझेलनि जे दूतके मारब नीतिक विरुद्ध अछि।
१०४. (B) कोनो अंग-भंग करबाक (कठोर दण्ड देबाक) — विभीषण कहलनि जे दूत-वध अनुचित अछि, एकरा कोनो आन दण्ड (जेना अंग-भंग) दऽ कऽ छोड़ि दिअ।
१०५. (C) पूँछि (किएक तँ बानरके पूँछि सभसँ प्रिय होइछ) — रावण कहलक जे बानरके पूँछि बहुत प्रिय होइछ, तेल-कपड़ा लपेटि कऽ एकर पूँछिमे आगि लगा दिअ।
१०६. (B) पूँछिमे नगरक सभ कपड़ा आ घीव/तेल लपेटि कऽ आगि लगा देलक — राक्षस सभ लंकाक सभ कपड़ा आ तेल-घीव लाबि कऽ हनुमानक पूँछिमे लपेटलक।
१०७. (B) अपन पूँछि के एतेक पैघ कऽ लेलनि जे लंकाक सभ कपड़ा आ तेल कम पड़ि गेल — हनुमान कौतुक (खेल) करैत अपन पूँछि बढ़ावे लगलाह, जाहि सँ राक्षस सभक घीव-कपड़ा कम पड़ि गेल।
१०८. (B) नगरमे घुमाबय (तमाशा देखाबय) — राक्षस सभ ढोल-नगाड़ा बजा कऽ हनुमानके लंकाक गली-गलीमे घुमाबय लागल।
१०९. (B) अपन अत्यन्त छोट रूप धऽ कऽ बन्धन सँ मुक्त भऽ स्वर्ण-महल पर चढ़ि गेलाह — हनुमान अचानक सूक्ष्म रूप धारण कऽ रस्सी सँ बाहर आबि गेलाह आ उछलि कऽ रावणक महल पर चढ़ि गेलाह।

- ११०. (B) अग्निदेव सँ प्रार्थना केलनि जे जँ हमर पातिव्रत्य सत्य अछि तँ हनुमान लेल शीतल भऽ जाउ** — सीता अग्निदेव सँ प्रार्थना केलनि जे हे कृशानु! हमर पुत्र हनुमान लेल शीतल भऽ जाउ।
- १११. (B) आगि हुनका लेल बरफ जकाँ शीतल भऽ गेल आ पूँछि नहि जलि** — अग्निदेव सीताक प्रभाव सँ शीतल भऽ गेलाह, हनुमानक पूँछि नहि जलि मुदा आगि धधकैत रहल।
- ११२. (B) एक महल सँ दोसर महल पर कूदि कऽ सम्पूर्ण लंकामे आगि लगावे लगलाह** — हनुमान अपन प्रज्वलित पूँछि सँ लंकाक एक-एक महलमे आगि लगावे लगलाह।
- ११३. (B) हाहाकार मचि गेल, चारू कात आगिक लपट आ धुआँ पसि गेल** — सम्पूर्ण लंका जरय लागल, हाहाकार मचि गेल आ राक्षस सभ अपन प्राण बचेबाक लेल भागय लागल।
- ११४. (B) विभीषणक** — विभीषणक घर राम-भक्तक घर छल, ताहि पर आगिक कोनो प्रभाव नहि भेल।
- ११५. (B) अत्यन्त सजीव, भयानक रस सँ परिपूर्ण आ विस्तृत रूपमे** — चन्दा झा लंकाक जरब, राक्षसक भागब आ हनुमानक क्रोधाग्निकें अत्यन्त सजीव आ भयानक रसमे चित्रित केने छथि।
- ११६. (B) समुद्र (जलनिधि) मे कूदि कऽ अपन पूँछिक आगि बुझेलनि** — सम्पूर्ण लंका जरा कऽ हनुमान समुद्रमे डुबकी लगा कऽ अपन पूँछिक आगि बुझेलनि।
- ११७. (B) सीता लग (अशोक वाटिका) विदा लेबाक लेल** — हनुमान पुनः अशोक वाटिका जा कऽ सीताकें प्रणाम केलनि आ विदा मांगलनि।
- ११८. (B) हे नाथ! अहाँकें बाणक शपथ अछि, एक मासक भीतर आबि कऽ हमर प्राण बचाउ** — सीता अत्यन्त कातर भऽ कहलनि जे रामकें कहब जे जँ ओ एक मासमे नहि एलाह तँ हम नहि बचब।
- ११९. (B) माता धैर्य राखू, राम वानर सेनाक संग तुरंत अवताह आ रावणक वध कऽ अहाँकें लेत जेताह** — हनुमान सान्त्वना देलनि जे रामकें अहाँक खबरि नहि अछि, जहिना सुनताह तहिना आबि कऽ लंकाकें नष्ट कऽ देताह।
- १२०. (B) समुद्र तीर पर आबि कऽ महेन्द्र पर्वत सँ रामक दिशा (उत्तर) दिस छलाँग लगौलनि** — हनुमान सीता सँ चूड़ामणि आ सन्देश लऽ कऽ समुद्र पार करय लेल पुनः आकाश मार्गमे उड़ि गेलाह।
- १२१. (B) महेन्द्र पर्वत (समुद्रक उत्तर तट)** — हनुमान सफलता पूर्वक समुद्र पार कऽ महेन्द्र पर्वत पर उतरलाह जतय जाम्बवन्त, अंगद आदि वानर प्रतीक्षा कऽ रहल छलाह।
- १२२. (B) हनुमानक भयंकर सिंहनाद (किलकारी) आ हर्ष सँ** — हनुमान आकाश सँ हे भयंकर सिंहनाद केलनि, जकरा सुनि कऽ वानर सभ बुझि गेल जे काज सफल भऽ गेल।
- १२३. (B) हर्षित भऽ कऽ गले मिललाह आ सीताक कुशल पुछलनि** — सभ वानर हनुमानकें घेरि लेलनि, गले मिललाह आ सीताक कुशल-क्षेम पुछय लगलाह।
- १२४. (B) सीताक दर्शन भेल आ ओ कुशल छथि** — हनुमान हर्ष सँ जनतबेलनि जे हम माता सीताक दर्शन केलहुँ अछि, ओ सुरक्षित मुदा दुःखी छथि।
- १२५. (B) मधुबन (सुग्रीवक प्रिय बगीचा)** — किष्किन्धा पहुँचैत काल वानर सभ सुग्रीवक प्रिय 'मधुबन' मे प्रवेश केलक।
- १२६. (B) अंगदक अनुमति पाबि कऽ मधु (शहद) आ मीठ फल पेट भरि खेलक आ गाछ तोड़लक** — काजक सफलताक खुशीमे युवराज अंगदक अनुमति पाबि वानर सभ मधुबनक फल खेलक आ उपद्रव केलक।
- १२७. (B) दधिमुख (सुग्रीवक मामा)** — दधिमुख सुग्रीवक मामा आ मधुबनक रक्षक छल, जखन ओ वानर सभकें रोकलक तँ वानर सभ ओकरा मारि-पीटि देलक।
- १२८. (B) सुग्रीव लग** — दधिमुख सुग्रीव लग जा कऽ शिकायत केलक जे युवराज अंगद आ हनुमान मधुबनकें नष्ट कऽ रहल अछि।
- १२९. (B) जे निश्चित रूप सँ हनुमान सीताकें खोजि लेलनि अछि, नहि तँ केहू मधुबनमे एहन साहस नहि कऽ सकैछ** — सुग्रीव प्रसन्न भऽ उठलाह, किएक तँ सफलताक बिना वानर मधुबनमे पसि नहि सकैत छल।
- १३०. (B) सभ वानरकें आदर पूर्वक तुरन्त हमर पास भेजू** — सुग्रीव दधिमुखकें सम्झा कऽ पठेलक जे जाउ आ सभ वानरकें सम्मानक सँग राम लग पठाउ।
- १३१. (B) रामक चरणमे दण्डवत प्रणाम केलनि** — सभ वानर राम-लक्ष्मण आ सुग्रीवक समीप पहुँचि कऽ आदरपूर्वक चरण-वन्दना केलनि।
- १३२. (B) हे हनुमान! हमर प्राणप्रिय सीता कोना अछि आ हमर प्राण कोना बचायब?** — राम अत्यन्त व्याकुल भऽ पुछलनि जे हे हनुमान! कहू, जनकनन्दिनी सीता कोना दिन काटि रहल छथि?
- १३३. (B) चूड़ामणि** — हनुमान सीताक देल गेल माथक आभूषण 'चूड़ामणि' रामकें सौंपि देलनि।

१३४. (B) ओ चूड़ामणिकें हृदय सँ लगा कऽ सीताक स्मरणमे विलाप करय लगलाह (लोड़ खसय लागल) — सीताक निशानी देखि रामक विरह जागि गेल आ ओ चूड़ामणिकें हृदय सँ लगा कऽ काँनय लगलाह।
१३५. (B) जे एक मासक अवधि अछि, जँ अहाँ नहि एलाह तँ ओ प्राण त्यागि देतीह — हनुमान सीताक कातर वचन सुनेलनि जे एक मासक मोहलत अछि, अहाँ तुरंत चलू आ रावणकें मारि उद्धार करू।
१३६. (B) हे हनुमान! तोहर जे उपकार अछि ओकर ऋण हम कोनो जन्ममे नहि चुका सकैत छी — राम भाव-विभोर भऽ कहलनि जे सुनु कपि! तोहर ऋण हमरा पर अछि आ हमर कोनो वस्तु तोरा देबा योग्य नहि अछि।
१३७. (B) अपन आलिंगन (हृदय सँ लगा लेलनि) — राम हनुमानकें उठौने आ गाढ़ आलिंगन (गले लगा लेलनि) केलनि, जे सभसँ पैघ पुरस्कार छल।
१३८. (B) राम द्वारा लंका जेबाक लेल प्रस्थानक तैयारी (सेनाक कूच) सँ — सुन्दरकाण्डक अन्त हनुमानक समाचार सुनलाक बाद रामक लंका पर चढ़ाईक आदेश आ वानर सेनाक प्रस्थान सँ होइत अछि।
१३९. (B) संकट सँ मुक्ति, राम-सीताक भक्ति आ सकल मनोरथ पूर्ण होएब — सुन्दरकाण्डक माहात्म्य अछि जे एकरा पढ़बा वा सुनबा सँ जीवनक सभ संकट दूर होइछ आ राम-भक्ति प्राप्त होइछ।
१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) पर — ई विस्तृत आ प्रामाणिक क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा अछि।

अध्याय ६ : Videha QUIZ | कीचकवध (तन्त्रनाथ झा)

भाग १: कवि परिचय आ काव्यक पृष्ठभूमि

१. मैथिलीक सुप्रसिद्ध महाकाव्य 'कीचकवध' क रचयिता के छथि?
(A) विद्यापति
(B) तन्त्रनाथ झा
(C) चन्दा झा
(D) भोलानाथ झा
२. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' मुख्य रूप सँ कथाक कोन स्रोत पर आधारित अछि?
(A) रामायण
(B) महाभारत (विराटपर्व)
(C) श्रीमद्भागवत पुराण
(D) शिव पुराण
३. तन्त्रनाथ झाक जन्म मिथिलाक कोन गाममे भेल छल?
(A) उजान
(B) मङ्गरौनी
(C) लोहना
(D) बिसपी
४. 'कीचकवध' महाकाव्यमे कतेक सर्ग अछि?
(A) ५ सर्ग
(B) ७ सर्ग
(C) १० सर्ग
(D) १२ सर्ग
५. मैथिली साहित्यमे तन्त्रनाथ झाकेँ ककर प्रवर्तक मानल जाइत अछि?
(A) मुक्त छन्दक
(B) आधुनिक मैथिली महाकाव्य आ छन्द-शास्त्रक मानकीकरणक
(C) केवल गजलक
(D) गद्य-कथाक
६. 'कीचकवध' मे मुख्य रूप सँ कोन रसक परिपाक देखल जाइत अछि?
(A) हास्य रस
(B) वीर रस आ रौद्र रस (सङ्गे करुण/शृङ्गारक अङ्ग रूपमे)
(C) शान्त रस
(D) भयानक रस
७. पाण्डव सभ अपन १२ वर्षक वनवासक बाद १ वर्षक 'अज्ञातवास' कतय बिता रहल छलाह?
(A) हस्तिनापुरमे
(B) राजा विराटक नगर (विराट नगर / मतस्य देश) मे
(C) पञ्चाल देशमे
(D) द्वारिकामे
८. अज्ञातवासक समय द्रौपदी कोन नाम आ रूपमे राजा विराटक महलमे छलीह?
(A) सैरन्ध्री (रानी सुदेष्णाक दासी / केश-प्रसाधिका)
(B) माधवी
(C) पिङ्गला
(D) मालती

९. युधिष्ठिर राजा विराटक दरबारमे कोन नाम आ रूपमे छलाह?

- (A) वल्लभ
- (B) कङ्क (राजाक संग धूत खेलय वला मित्र)
- (C) तन्तीपाल
- (D) ग्रन्थिक

१०. भीमसेन विराट राजाक रसोइया (पाकशाला प्रमुख) बनि कऽ कोन नाम सँ छलाह?

- (A) बृहन्नला
- (B) वल्लभ
- (C) कङ्क
- (D) कीचक

११. अर्जुन स्त्री रूप धारण कऽ कऽ राजकुमारी उत्तराकेँ नृत्य-संगीत सिखबैत छलाह, हुनकर नाम की छल?

- (A) उर्वशी
- (B) बृहन्नला
- (C) चित्रलेखा
- (D) सैरन्ध्री

१२. नकुल आ सहदेव क्रमशः कोन नाम सँ अज्ञातवासमे छलाह?

- (A) ग्रन्थिक आ तन्तीपाल (अश्व आ गौ-सेवक)
- (B) कङ्क आ वल्लभ
- (C) सैरन्ध्री आ बृहन्नला
- (D) कीचक आ उपकीचक

१३. विराट नगरमे 'कीचक' के छल?

- (A) राजा विराटक भाई
- (B) विराटक सेनापति आ रानी सुदेष्णाक सगोदर भाई (श्यालक)
- (C) एकटा साधारण सैनिक
- (D) एकटा ऋषि

१४. तन्त्रनाथ झाक काव्य-भाषा केहन अछि?

- (A) ठेठ गँवई मैथिली
- (B) संस्कृतक तत्सम शब्दावली सँ युक्त, गम्भीर आ महाप्राण ध्वनिपूर्ण
- (C) उर्दू मिश्रित
- (D) अंग्रेजी प्रधान

१५. 'कीचकवध' क रचना-काल मुख्य रूप सँ कोन शताब्दीक मानल जाइत अछि?

- (A) १४म शताब्दी
- (B) २०म शताब्दी (मध्य भाग)
- (C) १६म शताब्दी
- (D) १८म शताब्दी

१६. काव्यक प्रथम सर्गमे ककर वर्णन कएल गेल अछि?

- (A) कीचकक वधक
- (B) पाण्डवसभक अज्ञातवासक कठिन परिस्थिति आ मानसिक द्वन्द्वक
- (C) द्रौपदीक विवाहक
- (D) कुरुक्षेत्रक

१७. तन्त्रनाथ झाक छन्द-विधानक की नाम अछि जकर प्रयोग एहि काव्यमे भेल अछि?

- (A) चौपाई
- (B) मन्दक्रान्ता, शिखरिणी आदि संस्कृत वृत्त आ अतुकान्त प्रयोग
- (C) केवल दोहा
- (D) गजल लय

१८. 'कीचकवध' महाकाव्यक मुख्य खलनायक (Antagonist) के अछि?

- (A) दुर्योधन
- (B) कीचक
- (C) शकुनि
- (D) जरासन्ध

१९. अज्ञातवासक मुख्य शर्त की छल जकर कारण पाण्डव बद्ध छलाह?

- (A) युद्ध नहि करब
- (B) जँ केहू चीन्हि लेत तँ पुनः १२ वर्षक वनवास भोगय पड़त
- (C) राज्य छोड़ब
- (D) मथुरा जाइब

२०. द्रौपदी (सैरन्ध्री) क सौन्दर्य देखि रानी सुदेष्णाक मनमे की शंका भेल छल?

- (A) जे ओ चोर अछि
- (B) जे ई कोनो साधारण दासी नहि, साक्षात् देवी वा राजपुत्री अछि जाहि सँ राजा मुग्ध भऽ सकैत छथि
- (C) जे ओ राक्षसी अछि
- (D) कोनो शंका नहि

भाग २: कीचकक कुदृष्टि आ द्रौपदीक संकट

२१. सेनापति कीचक जखन अपन बहिन सुदेष्णाक महलमे आयल, तँ ओ ककरा देखलक?

- (A) उत्तराकें
- (B) सैरन्ध्री (द्रौपदी) कें
- (C) कुन्तीकें
- (D) गांधारीकें

२२. सैरन्ध्रीकें देखि कीचक सुदेष्णा सँ की मांगलक?

- (A) वस्त्र
- (B) ओहि दासीकें (सैरन्ध्री) अपन वासना तृप्ति लेल
- (C) भोजन
- (D) सेना

२३. सुदेष्णा पहिने कीचककें की समझेलक?

- (A) जे ओकरा लऽ जाउ
- (B) जे ई पर-स्त्री थिक, एकर पाँच गन्धर्व पति छथि जे तोहर वध कऽ देताह (पाप सँ बचू)
- (C) जे ओकरा मारि दिअ
- (D) किछु नहि कहलक

२४. सुदेष्णाक समझएबा पर कीचकक प्रतिक्रिया की भेल?

- (A) ओ मानि गेल
- (B) ओ अपन बलक घमंड देखलक जे हमरा आगू गन्धर्व की छथि आ बहिनकें विवश केलक
- (C) ओ भागि गेल
- (D) ओ काँपय लागल

२५. कीचकक दबाबमे आबि कऽ सुदेष्णा की चालि चललक?

- (A) सैरन्ध्रीकें निकालि देलक
- (B) मदिरा (शराब) आनबाक बहाने सैरन्ध्रीकें एकलैत कीचकक महलमे पठा देलक
- (C) राजा सँ कहलक
- (D) भीमकें बजेलक

२६. सैरन्ध्री (द्रौपदी) कीचकक महल जेबाक समय मनमे की अनुभव कऽ रहल छलीह?

- (A) प्रसन्नता
- (B) घोर आशंका, भय आ सूर्यदेव सँ रक्षाक प्रार्थना
- (C) उत्साह
- (D) कोनो भाव नहि

२७. जखन सैरन्ध्री कीचकक कक्षमे पहुँचल तँ कीचक की केलक?

- (A) मदिरा दऽ देलक
- (B) ओकरा पकड़बाक आ बलात्कार करबाक कुचेष्टा केलक
- (C) आदर केलक
- (D) प्रणाम केलक

२८. कीचकक हाथ सँ छूटि कऽ द्रौपदी कतय दिस दौड़लीह?

- (A) अपन गाम दिस
- (B) राजा विराटक राजसभा (दरबार) दिस रक्षा लेल
- (C) वन दिस
- (D) यमुना तीर दिस

२९. कीचक पाछाँ सँ दौड़ि कऽ भरी सभामे द्रौपदीक संग की नीच काज केलक?

- (A) ओकरा छोड़ि देलक
- (B) ओकर केश (बाल) पकड़ि कऽ लात (पदाघात) मारलक आ गिरा देलक
- (C) क्षमा मांगलक
- (D) चुप रहल

३०. भरी सभामे द्रौपदीक अपमान देखि कतय अदृश्य रूपमे पहरा दऽ रहल रक्षक कीचककें एकटा धक्का मारलक?

- (A) देवता सभ
- (B) सूर्य द्वारा पठाओल गेल एकटा अदृश्य राक्षस (रक्षक)
- (C) गन्धर्व
- (D) यमराज

३१. दरबारमे बैसल राजा विराट कीचकक एहि नीच काज पर की केलनि?

- (A) कीचककें सजा देलनि
- (B) कठपुतली जकाँ मौन रहलाह आ कोनो न्याय नहि केलनि (कीचक सँ भयवश)
- (C) दरबार बन्द कऽ देलनि
- (D) भीमकें बजेलनि

३२. दरबारमे रसोइया 'वल्लभ' (भीम) सेहो उपस्थित छलाह, कीचकक लात मारब देखि हुनकर की दशा भेल?

- (A) ओ हँसय लागला
- (B) हुनकर आँखि लाल भऽ गेल, ओ गाछ उखाड़बाक उपक्रम करय लगलाह (भयंकर क्रोध)
- (C) ओ भागि गेलाह
- (D) ओ कातर भेलाह

३३. भीमसेन ककर संकेत (इशारा) देखि कऽ अपन क्रोधकें मनमे दबा लेलनि?

- (A) विराटक
- (B) कङ्क (युधिष्ठिर) क तीक्ष्ण दृष्टि आ संकेत देखि कऽ (अज्ञातवास भङ्ग होमय क भये)
- (C) द्रौपदीक
- (D) सैनिकक

३४. युधिष्ठिर (कङ्क) सैरन्ध्रीकें दरबारमे की कहि कऽ सम्झेलनि?

- (A) अहाँ झूठ बाजि रहल छी
- (B) हे सैरन्ध्री! अहाँक गन्धर्व पति सभ समय देखि रहल छथि, अहाँ अन्तःपुर जाउ, समय पर न्याय हेत
- (C) अहाँ लंका जाउ
- (D) कीचक महान अछि

३५. द्रौपदी राजा विराट आ दरबारमे बैसल लोकसभकें की कहि फटकारलनि?

- (A) सभ वीर छथि
- (B) अहाँ सभ कायर छी, जतय स्त्री पर अत्याचार देखि कऽ राजा आ सभापति मौन छथि
- (C) सभ न्यायी छथि
- (D) हमरा माफ करू

३६. अपमानित द्रौपदी दरबार सँ कानिते कतय गेलीह?

- (A) अन्तःपुर (अपन कक्ष) मे
- (B) वनमे
- (C) मथुरामे
- (D) नदी तीर पर

३७. तन्त्रनाथ झाक काव्यमे द्रौपदीक भरी सभामे पदाघात (लात मारब) क प्रसंग कोन रसक चरम थिक?

- (A) हास्य
- (B) करुण रस आ रौद्र रसक मिश्रण
- (C) वीर रस मात्र
- (D) शान्त रस

३८. 'कीचकवध' क द्वितीय आ तृतीय सर्गमे ककर प्रधानता अछि?

- (A) युद्धक
- (B) द्रौपदीक मानसिक वेदना, क्षोभ आ प्रतिशोधक ज्वालाक
- (C) केवल प्रकृति वर्णनक
- (D) सखीसभक क्रीड़ाक

३९. कीचक भरी सभामे द्रौपदीकें लात मारि कऽ कतय गेल?

- (A) अपन महलमे अहंकार सँ चूर भऽ कऽ हँसैत गेल
- (B) जेल गेल
- (C) क्षमा मांगय गेल
- (D) वन गेल

४०. द्रौपदी अपन रक्षा आ प्रतिशोधक लेल पाण्डवसभमे ककरा सभसँ उपयुक्त मानैत छथि जकरा लग ओ रातिमे गेलीह?

- (A) युधिष्ठिरकें
- (B) महाबली भीमसेन (वल्लभ) कें
- (C) अर्जुनकें
- (D) सहदेवकें

भाग ३: भीम-द्रौपदी सम्वाद (रातिक मिलन)

४१. द्रौपदी मध्य रातिमे भीमसेन सँ भेंट करय कतय गेलीह?

- (A) राजमहलक छत पर
- (B) पाकशाला (रसोइघर / महानस) मे जतय भीम सुतल छलाह
- (C) अशोक वाटिकामे
- (D) नदीक घाट पर

४२. रसोइघरमे भीमसेन ककर समान गहीर निद्रामे (निश्चिन्त) सुतल छलाह?

- (A) हिरण जकाँ
- (B) सिंह जकाँ निश्चिन्त आ गम्भीर सांस लेइत
- (C) मूर्छित जकाँ
- (D) कोनो नहि

४३. द्रौपदी भीमसेन केँ कोना जगैलनि?

- (A) जोर सँ चिच्याय कऽ
- (B) अपन कोमल हाथक स्पर्श आ लोड़क स्वच्छ बुन्न (अश्रु) खसा कऽ
- (C) गाछक लकड़ी सँ
- (D) पानी फेकि कऽ

४४. जगला पर भीमसेन द्रौपदीक मलिन मुख देखि की दशा भेलनि?

- (A) ओ पुनः सुइत रहला
- (B) हुनकर क्रोधाग्नि जागि गेल आ ओ व्याकुल भऽ उठलाह
- (C) ओ हँसय लागला
- (D) ओ भागि गेलाह

४५. द्रौपदी भीम सँ अपन कोन अपमानक गाथा सुनेलनि?

- (A) दुर्योधन क
- (B) कीचक द्वारा भरी सभामे कएल गेल पदाघात (लात मारब) आ सुदेष्णाक षड्यन्त्रक
- (C) गरीबी क
- (D) भोजन नहि भेटबाक

४६. द्रौपदी भीमसेन केँ ककर कसम (उलाहन) देलनि?

- (A) अपन पातिव्रत्य आ क्षत्रिय धर्मक
- (B) कंस क
- (C) रावण क
- (D) वाली क

४७. भीमसेन द्रौपदीकेँ युधिष्ठिर (कङ्क) क प्रति की कहलनि?

- (A) युधिष्ठिर महान छथि
- (B) युधिष्ठिरक जुआ (धूत) खेलबाक व्यसनक कारणे आजु हमरा सभकेँ ई दासी-दासक जीवन देखय पड़ि रहल अछि (क्षोभ)
- (C) युधिष्ठिर क कोनो दोष नहि अछि
- (D) किछु नहि कहलनि

४८. भीमसेन द्रौपदीकेँ की प्रतिज्ञा (आश्वासन) देलनि?

- (A) हम काल भागि जाइब
- (B) हम कीचकक वध कऽ कऽ ओकरा पाताल पहुँचा देब (ओकर मांसक कीमा बना देब)
- (C) हम राजा विराट सँ बात करब
- (D) धैर्य राखू १ वर्ष धरि

४९. भीम-द्रौपदी सम्वादमे तन्त्रनाथ झा कोन शैलीक प्रयोग केने छथि?

- (A) अत्यन्त नीरस आ गद्यात्मक
- (B) संवादात्मक, नाटकीय आ भाव-गम्भीर शैली जहिमे ओज आ करुणाक संगम अछि
- (C) केवल हास्य शैली
- (D) विदेशी शैली

५०. भीमसेन कीचकवध लेल द्रौपदीकें की योजना (Plan) बनेबाक लेल कहलनि?

- (A) कीचक सँ युद्ध करय लेल
- (B) कीचककें रातिमे एकान्त 'नृत्यशाला' (नाट्यशाला) मे मिलय लेल बजौबाक
- (C) कीचककें विष देबाक
- (D) विराटक महल छोड़बाक

५१. द्रौपदी भीमसेन कें कीचकक बाहुबलक बारेमे की कहलनि?

- (A) कीचक कमजोर अछि
- (B) कीचक अत्यन्त बलवान अछि, ओकर भुजदण्ड पाथर जकाँ अछि, अतः सावधान रहब
- (C) कीचक डरायल अछि
- (D) कोनो बात नहि

५२. भीमसेन अपन बाहुबलक तुलना ककरा सँ केलनि?

- (A) हिरण सँ
- (B) ऐरावत हाथी, वज्र आ काल (यमराज) सँ सेहो पैघ
- (C) साधारण मनुष्य सँ
- (D) काठ सँ

५३. सम्वादक समय भीम द्रौपदीक ककर स्मरण करबैत छथि?

- (A) दुःशासनक वध आ ओकर छातीक रगत पीबाक प्रतिज्ञाक
- (B) विवाह क
- (C) जंगलक ककड़ी क
- (D) पिता क

५४. भीम-द्रौपदीक ई गुप्त सम्वाद कतेक सर्गमे वर्णित अछि?

- (A) प्रथम सर्गमे
- (B) चतुर्थ सर्गमे (काव्यक मध्य भाग)
- (C) सप्तम सर्गमे
- (D) द्वितीय सर्गमे

५५. द्रौपदी भीमसेन सँ विदा भऽ कऽ भोरमे की केलनि?

- (A) सुदेष्णाकें मारलनि
- (B) योजना क अनुसार प्रसन्नताक नाटक कऽ कीचकक बाट अगोरय लगलीह
- (C) गाम चलि गेलीह
- (D) राजा विराट लग गेलीह

५६. भोरमे जखन कीचक सैरन्धीकें देखलक तँ ओ की केलक?

- (A) लज्जित भेल
- (B) पुनः ओकर उपहास केलक आ अपन प्रेम (वासना) क भीख माँगे लागल
- (C) डरा गेल
- (D) प्रणाम केलक

५७. द्रौपदी कीचकके फँसावे लेल की उत्तर देलनि?

- (A) हम अहाँ सँ घृणा करैत छी
- (B) हम अहाँक बात मानय लेल तैयार छी, मुदा हमर गन्धर्व पतिसभक डर सँ रातिमे निर्जन नाट्यशालामे आउ
- (C) हम भागि रहल छी
- (D) हम राजा सँ कहब

५८. सैरन्ध्रीक मुख सँ मिलनक बात सुनि कीचकक की दशा भेल?

- (A) ओ उदास भेल
- (B) ओ आनन्द सँ पागल भऽ गेल आ रातिक प्रतीक्षा करय लागल (मूर्ख जकाँ)
- (C) ओ संन्यासी भऽ गेल
- (D) ओ शंकित भेल

५९. तन्त्रनाथ झा एहि प्रसंगमे कीचकके कोन रूपमे चित्रित केने छथि?

- (A) महान नायक
- (B) कामोन्मत्त, अहंकारी आ विनाशकाले विपरीत बुद्धि वला पाशविक चरित्र
- (C) ज्ञानी पुरुष
- (D) डरपोक राजा

६०. भीमसेन दिन भरि पाकशालामे की सोचि कऽ कार्य कऽ रहल छलाह?

- (A) भोजन स्वादिष्ट बनेबाक
- (B) रातिमे कीचकक हस्ती मिटा कऽ द्रौपदीक क्षोभ शान्त करबाक
- (C) राजा विराट सँ वेतन लेबाक
- (D) हस्तिनापुर जेबाक

भाग ४: नाट्यशालाक तैयारी आ कीचकक आगमन

६१. पाण्डवसभक अज्ञातवास कालमे विराट नगरक 'नाट्यशाला' (नृत्यशाला) क की स्थिति छैक रातिमे?

- (A) ओतय उत्सव होइत छल
- (B) ओ पूर्णतः निर्जन, अन्धकारयुक्त आ सुनसान रहैत छल
- (C) ओतय पहरेदार रहैत छलाह
- (D) ओ बाजार छल

६२. राति होमय सँ पूर्व भीमसेन नाट्यशालामे जा कऽ की केलनि?

- (A) नाच देखलनि
- (B) एकटा स्त्री जकाँ ओढ़ना ओढ़ि कऽ पलङ्ग (शय्या) पर सुइत रहलाह (कीचकक भ्रम लेल)
- (C) आगि लगा देलनि
- (D) भागि गेलाह

६३. कीचक नाट्यशालामे कोन रूपमे आयल?

- (A) सैनिक वेशमे
- (B) सुगन्धित लेप लगा कऽ, उत्तम वस्त्र आ आभूषण पहिरि कऽ कामोन्मत्त रूपमे
- (C) भिखारी रूपमे
- (D) डराइत-डराइत

६४. नाट्यशालाक 'अन्धकार' क वर्णन तन्त्रनाथ झा ककर प्रतीक रूपमे केने छथि?

- (A) सुखद रातिक
- (B) कीचकक अज्ञान, पाप आ आसन्न मृत्युक प्रतीक रूपमे
- (C) भोरक
- (D) चान्दनीक

६५. कीचक नाट्यशालामे पसि कऽ अन्धकारमे ककरा खोजय लागल?

- (A) उत्तराकें
- (B) सैरन्ध्री (द्रौपदी) कें
- (C) भीमकें
- (D) विराटकें

६६. पलङ्ग पर सुतल आकृति (भीम) कें देखि कीचक की बुझलक?

- (A) जे ई भीम छथि
- (B) जे ई सैरन्ध्री लज्जावश मुँह झाँपि कऽ सुतल अछि
- (C) जे ई साँप अछि
- (D) जे ई कोनो भूत अछि

६७. कीचक सुतल भीमक समीप जा कऽ की बाजय लागल?

- (A) क्रोधित वचन
- (B) अपन प्रशंसा, बाहुबल आ कामुकतापूर्ण चाटुकारिताक वचन
- (C) राम-राम
- (D) गाली

६८. भीमसेन चादरक भीतर सँ की कऽ रहल छलाह?

- (A) कानि रहल छलाह
- (B) कीचकक वचन सुनि मन-ही-मन हँसैत आ ओकर काल रूपी बाहु-पाश तैयार कऽ रहल छलाह
- (C) डरा रहल छलाह
- (D) सुइत रहलाह

६९. जखन कीचक स्पर्श करबाक लेल हाथ बढ़ेलक, तखन भीम की केलनि?

- (A) ओतय सँ भागि गेलाह
- (B) चादर फेकि कऽ काल (यमराज) जकाँ गर्जि कऽ खडा भऽ गेलाह आ ओकरा पकड़ि लेलनि
- (C) क्षमा मांगलनि
- (D) रोबय लगलाह

७०. अन्धकारमे भीमकें देखि कीचक की दशा भेल?

- (A) ओ हँसय लागल
- (B) क्षण भरि लेल ओ चकित भेल मुदा अपन बलक घमंडमे ओहो मल्लयुद्ध लेल तैयार भऽ गेल
- (C) ओ तुरन्त मरि गेल
- (D) ओ भागि गेल

७१. तन्त्रनाथ झाक काव्यमे 'नाट्यशाला' क रूपान्तरण ककरामे भऽ जाइत अछि?

- (A) मन्दिरमे
- (B) रणभूमि वा कुरुक्षेत्रक लघु रूप (मल्ल-अखाड़ा) मे
- (C) राजसभामे
- (D) बाजारमे

७२. भीम आ कीचक बीच भेल युद्ध कोन विधाक छल?

- (A) धनुष-बाणक युद्ध
- (B) मल्ल-युद्ध (द्वन्द्व युद्ध / बाहु-युद्ध)
- (C) तलवारक युद्ध
- (D) गदा-युद्ध

७३. भीमसेन कीचकके की कहि कऽ ललकारलनि?

- (A) हम ब्राह्मण छी
- (B) रे पापि! आजु तोरा भरी सभामे द्रौपदी पर कएल गेल पदाघातक बदला चुकाबय पड़त
- (C) हमरा छोड़ि दिअ
- (D) तू महान छह

७४. कीचक भीमके की बुझलक?

- (A) एकटा साधारण रसोइया
- (B) सैरन्ध्रीक गन्धर्व पतिसभमे सँ एकटा महाबली गन्धर्व
- (C) राजा विराट
- (D) अर्जुन

७५. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' क पञ्चम सर्ग ककर चित्रण करैत अछि?

- (A) द्रौपदीक श्रृंगारक
- (B) नाट्यशालाक अन्धकार आ कीचकक वासनापूर्ण आगमनक
- (C) पाण्डवसभक प्रस्थानक
- (D) कंस वधक

७६. भीम आ कीचकक शरीरक तुलना कवि ककरा सँ केने छथि?

- (A) दू टा गाछ सँ
- (B) दू टा विशाल पर्वत वा मदमस्त हाथीयक भिडन्त सँ
- (C) फूल सँ
- (D) काठ सँ

७७. अन्धकारमे दुनूक ककर शब्द (ध्वनि) गूँजि रहल छल?

- (A) रोबबाक आवाज
- (B) भुजदण्ड ठोकाबबाक, हुड्कार आ हड्डी टूटबाक भयंकर आवाज
- (C) बाँसुरीक आवाज
- (D) गीतक आवाज

७८. द्रौपदी (सैरन्ध्री) एहि समय कतय छलीह?

- (A) महलमे सुतल छलीह
- (B) नाट्यशालाक द्वार पर अदृश्य/छुपि कऽ प्रतिशोधक प्रतीक्षा कऽ रहल छलीह
- (C) गाम चलि गेलीह
- (D) विराटक लग छलीह

७९. कीचक भीमक बाहु-पाश सँ निकलबाक लेल की केलक?

- (A) क्षमा मांगलक
- (B) अपन सम्पूर्ण शक्ति लगा कऽ भीमके पीछे धकेलबाक प्रयास केलक मुदा निष्फल रहल
- (C) तलवार निकाललक
- (D) चिच्यायल

८०. तन्त्रनाथ झाक काव्यमे 'कीचक' क चरित्र की शिक्षा दैत अछि?

- (A) पर-स्त्री पर कुदृष्टि आ अहंकार क विनाश निश्चित होइत अछि
- (B) बल सर्वश्रेष्ठ अछि
- (C) राजाक सेवा करू
- (D) कामुकता नीक होइछ

भाग ५: भीषण द्वन्द्व-युद्ध (भीम-कीचक मल्लयुद्ध)

८१. भीम आ कीचक बीच भेल द्वन्द्व-युद्ध कतेक समय धरि चलल?

- (A) एक क्षण
- (B) घोर राति भरि (भयंकर द्वन्द्व)
- (C) दिनमे
- (D) दू दिन

८२. मल्लयुद्धमे भीमसेन कीचककेँ कोना निर्बल (कमजोर) केलनि?

- (A) अस्त्र मारि कऽ
- (B) ओकर छाती पर प्रहार कऽ आ ओकर गरदन (टेंदुआ) दाबि कऽ
- (C) ओकरा जल पिया कऽ
- (D) ओकरा डरा कऽ

८३. कीचक भीमक मारि सँ व्याकुल भऽ कऽ की करय लागल?

- (A) हँसय लागल
- (B) रगत वमन (वमन) करैत शिथिल भऽ गेल
- (C) भागि गेल
- (D) बाण चलोलक

८४. भीमसेन कीचकक शरीरकेँ की रूप दऽ देलनि (वध कऽ प्रकार)?

- (A) टुकड़ा-टुकड़ा कऽ देलनि
- (B) ओकर हाथ, पैर आ माथकेँ मोड़ि कऽ मांसक एकटा गोला (पिण्ड) जकाँ बना देलनि
- (C) फांसी देलनि
- (D) जरा देलनि

८५. भीमसेन कीचकक एहन दुर्दशा किएक केलनि?

- (A) शौक सँ
- (B) ताकि केहू पहचानि नहि सकय जे एकरा ककरो द्वारा अस्त्र सँ मारल गेल अछि (गन्धर्वक माया प्रतीत होय)
- (C) क्रोधक कमी सँ
- (D) विराटक कहला सँ

८६. कीचकक प्राण छूटबाक समय नाट्यशालामे की केहन वातावरण छल?

- (A) चान्दनी खसल छल
- (B) निस्तब्ध, भयंकर अन्हार आ कीचकक अन्तिम साँसक घर्घर आवाज
- (C) उत्सव छल
- (D) कोनो आवाज नहि छल

८७. कीचकक वध भेला पर द्रौपदीक मानसिक स्थिति की भेल?

- (A) ओ उदास भेलीह
- (B) हुनकर प्रतिशोधक ज्वाला शान्त भेल आ ओ भीमसेन केँ धन्य कहने कऽ अन्तःपुर गेलीह
- (C) ओ काँपय लगलीह
- (D) ओ कीचक लेल कानलीह

८८. कीचकवध कऽ कऽ भीमसेन की केलनि?

- (A) ओतय ठाढ़ रहला
- (B) चुपचाप पाकशाला घुरि गेलाह आ हाथ-मुँह धोइ कऽ निश्चिन्त सुइत रहलाह (जेना किछुए नहि भेल होय)
- (C) भागि गेलाह
- (D) राजा विराट लग गेलाह

८९. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' क षष्ठ सर्ग ककर साक्षी थिक?

- (A) द्रौपदीक विवाहक
- (B) भीम-कीचकक भीषण मल्लयुद्ध आ कीचकक दर्दनाक अन्त (वध) क
- (C) पाण्डवसभक जुआ खेलबाक
- (D) वनवासक

९०. काव्यमे भीमक क्रोधकें ककर उपमा देल गेल अछि?

- (A) मन्द हवाक
- (B) प्रलयकाली रुद्र (शिव) क क्रोधाग्नि
- (C) जलक प्रवाहक
- (D) बालकक खेलक

९१. भोर भेला पर जखन दासी सभ नाट्यशाला खोललक, तँ ओतय की देखलक?

- (A) कीचक नाच कऽ रहल छल
- (B) कीचकक अङ्ग-भङ्ग भेल मांसक एकटा वीभत्स पिण्ड (लोथड़ा)
- (C) सैरन्ध्री बैसल छलीह
- (D) किछु नहि छल

९२. कीचकक मृत देह देखि विराट नगरमे की मचल?

- (A) हर्ष-उत्सव
- (B) भयंकर हाहाकार आ आश्चर्य-भय (गन्धर्वक आतंक)
- (C) युद्ध शुरू भेल
- (D) सभ सुइत रहल

९३. कीचकक भाई सभ (उपकीचक सभ) कीचकक शव देखि की केलनि?

- (A) शान्त रहल
- (B) क्रोधित भऽ कऽ सैरन्ध्रीकें हे ओकर मृत्युक कारण मानि कऽ ओकरा संगे सती (जरावे) करबाक निर्णय केलनि
- (C) भागि गेलाह
- (D) भीमकें मारलनि

९४. उपकीचक सभ सैरन्ध्रीकें पकड़ि कऽ कतय लऽ जा रहल छलाह?

- (A) राजमहल
- (B) श्मशान भूमि (चिता पर जरावे लेल)
- (C) वनमे
- (D) मथुरामे

९५. श्मशानमे द्रौपदीक पुकार सुनि पुनः के रूप बदलि कऽ पहुँचल?

- (A) युधिष्ठिर
- (B) भीमसेन (एकटा गन्धर्वक रूप धऽ कऽ विशाल वृक्ष लऽ कऽ)
- (C) अर्जुन
- (D) विराट

९६. भीमसेन श्मशानमे उपकीचकसभक संग की केलनि?

- (A) हुनका सभकें छोड़ि देलनि
- (B) सभ उपकीचकसभकें (१०५ भाईसभकें) गाछ सँ मारि-मारि कऽ संहार कऽ देलनि
- (C) सभ सँ क्षमा मांगलनि
- (D) राजा विराट लग लऽ गेलाह

९७. उपकीचकसभक वध भेला पर लंका/विराट नगरक लोक द्रौपदीके की बुझय लागल?

- (A) एकटा दासी
- (B) कोनो साक्षात् डाकिनी, योगिनी वा भयंकर अलौकिक शक्ति जकरा सँ दूर रहबाक चाही
- (C) साधारण स्त्री
- (D) मूर्ख

९८. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' मे 'श्मशान वर्णन' कोन रसक उदाहरण थिक?

- (A) शृङ्गार रस
- (B) वीभत्स रस आ भयानक रस
- (C) हास्य रस
- (D) शान्त रस

९९. कीचक आ ओकर कुलक नाश सँ राजा विराटक की स्थिति भेल?

- (A) ओ शक्तिशाली भेला
- (B) ओ भयभीत भेला मुदा पाण्डवसभक अज्ञातवास सुरक्षित रहल
- (C) ओ मरि गेला
- (D) ओ राज छोड़ि देलनि

१००. भीमसेन द्वारा कएल गेल ई वध पाण्डवसभक लेल की सिद्ध भेल?

- (A) पराजय
- (B) द्रौपदीक सम्मानक रक्षा आ अज्ञातवासक शर्तक पूर्णता (केहू पाण्डवकेँ चीन्हि नहि सकल)
- (C) विवादक कारण
- (D) अपराध

भाग ६: काव्य-शिल्प, भाषा आ अलंकार

१०१. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' क छन्द-योजना मुख्य रूप सँ ककरा सँ प्रेरित अछि?

- (A) उर्दू गजल सँ
- (B) संस्कृतक क्लासिकल वर्णवृत्त (जैसे मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, वंशास्थ) आ महाकाव्यात्मक लय सँ
- (C) केवल लोकगीत सँ
- (D) अंग्रेजी सोनोग्राफी सँ

१०२. तन्त्रनाथ झाक काव्य-शिल्पमे 'अतुकान्त' (Blank Verse) क प्रयोग की दशवैत अछि?

- (A) काव्यक कमजोरी
- (B) मैथिली प्रबन्ध-काव्यमे आधुनिक प्रवाह आ छन्दक नव प्रयोगशीलता
- (C) अनुवादक नियम
- (D) कोनो महत्व नहि

१०३. काव्यमे 'नाद-सौष्ठव' (Sound Aesthetics) क की अर्थ अछि जकर प्रयोग तन्त्रनाथ झा केने छथि?

- (A) केवल मधुर संगीत
- (B) शब्दसभक ध्वनि सँ कथाक भाव (जेना युद्धमे टंकार, विलापमे कोमलता) जाग्रत करब
- (C) वाक्य छोट करब
- (D) कोनो नहि

१०४. कीचकवधमे ककर चरित्र 'नारी-चेतना' (Women Empowerment) क प्रखर प्रतीक अछि?

- (A) सुदेष्णाक
- (B) द्रौपदी (सैरन्ध्री) क, जे अपमान सहबाक बदला प्रतिशोध आ पुरुषार्थक आह्वान करैत अछि
- (C) उत्तराक
- (D) कुन्तीक

१०५. तन्त्रनाथ झाक महाकाव्य चन्दा झाक रामायण आ मनबोधक कृष्णजन्म सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) ई गद्य अछि
- (B) ई पूर्णतः क्लासिकल तत्सम प्रधान, अतुकान्त आ आधुनिक वैचारिक द्वन्द्व सँ युक्त महाकाव्य थिक
- (C) ई छोट अछि
- (D) अहिमे रस नहि अछि

१०६. काव्यमे प्रयुक्त 'भुजदण्ड' शब्द ककर सूचक थिक?

- (A) साँपक
- (B) योद्धाक पाथर जकाँ मजबूत बाहु (भुजा) क प्रतीक
- (C) वस्त्रक
- (D) लकड़ीक

१०७. तन्त्रनाथ झा 'कीचकवध' मे कोन गुणक प्राधान्य केने छथि जकर कारणे वीर रस प्रस्फुटित होइछ?

- (A) माधुर्य गुण
- (B) ओज गुण (Audacity / Vigour)
- (C) प्रसाद गुण
- (D) नीरसता

१०८. द्रौपदीक मानसिक क्षोभ (क्रोध आ दुःख) क चित्रणमे कवि कोन अलंकारक सुन्दर प्रयोग केने छथि?

- (A) केवल अनुप्रास
- (B) उपमा, रूपक आ उत्प्रेक्षाक गम्भीर प्रयोग (भावक तीव्रता बढ़ेबा लेल)
- (C) यमराज अलंकार
- (D) कोनो अलंकार नहि

१०९. तन्त्रनाथ झाक गद्य आ समीक्षा-दृष्टि केहन छलीह जकर झलक काव्यमे भेटैत अछि?

- (A) सतही
- (B) तार्किक, छन्द-शास्त्रीय आ अकादमिक रूप सँ परिपुष्ट
- (C) केवल भावुक
- (D) कोनो दृष्टि नहि

११०. कीचकवध महाकाव्यक अन्तिम सर्ग (सप्तम सर्ग) की सन्देश दैत अछि?

- (A) अधर्म आ पापक समूल नाश आ धर्मक विजय (सुखान्त अन्त)
- (B) पाण्डवसभक हार
- (C) लंका दहन
- (D) संन्यास

१११. काव्यमे 'मतस्य राज' शब्द ककरा लेल प्रयुक्त अछि?

- (A) युधिष्ठिर लेल
- (B) राजा विराट लेल (मतस्य देशक राजा)
- (C) कीचक लेल
- (D) भीम लेल

११२. तन्त्रनाथ झाक शैलीकें साहित्यमे की कहल जाइत अछि?

- (A) दरबारी शैली
- (B) क्लासिकल / नव-क्लासिकल शैली (Neo-classical Form)
- (C) लोक-शैली
- (D) विदेशी शैली

११३. द्रौपदीक 'सैरन्ध्री' रूपक बन्धन ककर सूचक थिक?

- (A) परतन्त्रता आ विपत्तिकालमे धैर्य आ प्रतिशोधक अग्नि सुरक्षित रखबाक
- (B) सुखक
- (C) संन्यासक
- (D) कोनो नहि

११४. कीचकवध महाकाव्यक प्रकाशन सँ मैथिली साहित्यमे की प्रभाव पड़ल?

- (A) साहित्य बन्द भेल
- (B) मैथिली साहित्यकेँ आधुनिक युगमे एकटा स्तरीय आ अन्तर्राष्ट्रीय मानकक महाकाव्य भेटल
- (C) केवल विवाद भेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

११५. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' क शब्द-विन्यास (Diction) ककर स्मरण करावैत अछि?

- (A) कालिदास आ भारविक संस्कृत काव्यक गम्भीरताक
- (B) कबीरक साखोक
- (C) आधुनिक गजलक
- (D) अंग्रेजी उपन्यासक

११६. काव्यमे प्रयुक्त 'अन्तःपुर' शब्दक की अर्थ अछि?

- (A) बाजार
- (B) राजमहलक भीतरी भाग (रनिवास / स्त्री कक्ष)
- (C) जंगल
- (D) अखाड़ा

११७. कीचकवधमे भीमक 'वल्लभ' रूप ककर प्रतीक अछि?

- (A) कमजोरी क
- (B) शक्ति केँ छुपा कऽ समयक प्रतीक्षा करब आ समय आएला पर प्रहार करब (रणनीति)
- (C) भोजन प्रिय होएबाक
- (D) कायरता क

११८. तन्त्रनाथ झाक छन्द-साधना केँ की कहल गेल अछि?

- (A) सहज खेल
- (B) मैथिली पिंगल (छन्द-शास्त्र) क चरमोत्कर्ष
- (C) अशास्त्रीय
- (D) नीरस

११९. काव्यमे द्रौपदीक 'लोड़' (अश्रु) केँ भीम की मानैत छथि?

- (A) कमजोरी
- (B) आहुति जकाँ जे क्रोधाग्निकेँ प्रज्वलित करैत अछि (प्रतिशोधक बीज)
- (C) सामान्य जल
- (D) अनावश्यक

१२०. तन्त्रनाथ झाक 'कीचकवध' वर्तमान अकादमिक पाठ्यक्रममे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ताकि छात्र डराय
- (B) प्रबन्ध काव्यक शिल्प, ओज गुण आ शास्त्रीय मैथिलीक श्रेष्ठतम ज्ञान प्राप्त करबाक लेल
- (C) केवल इतिहास जानबाक लेल
- (D) कोनो महत्व नहि

भाग ७: महाकाव्यक माहात्म्य आ अकादमिक प्रश्न

१२१. 'कीचकवध' महाकाव्यक सुखान्त अन्त ककर विजय थिक?

- (A) कीचकक
- (B) धर्म, न्याय आ नारीक सम्मानक (पाण्डवसभक पुरुषार्थक)
- (C) विराटक
- (D) दुर्योधनक

१२२. तन्त्रनाथ झाक मृत्यु कहिया भेल छल जकर चर्चा शोधमे होइत अछि?

- (A) १९८४ (वा ओही कालखण्डमे)
- (B) २००० ई.
- (C) १९५० ई.
- (D) १९१० ई.

१२३. कीचकवध महाकाव्यक रचनाक प्रेरणामे ककर प्रभाव मानल जाइत अछि?

- (A) केवल लोककथाक
- (B) महाभारतक मूल आख्यान आ आधुनिक चेतनाक तुलनात्मक प्रभाव
- (C) विदेशी उपन्यासक
- (D) कोनो प्रभाव नहि

१२४. काव्यमे प्रयुक्त 'सैरन्ध्री' शब्दक व्युत्पत्ति ककर परिचायक अछि?

- (A) राजकुमारीक
- (B) अन्तरंग दासी / शिल्प-कला आ केश-विन्यासमे निपुण स्वतन्त्र स्त्री
- (C) राक्षसीक
- (D) संन्यासिनीक

१२५. कीचकक वध कतय भेल छल जकर सटीक प्रश्न परीक्षामे अबैत अछि?

- (A) श्मशानमे
- (B) विराट नगरक निर्जन नाट्यशाला (नृत्यभवन) मे
- (C) पाकशालामे
- (D) राजसभामे

१२६. उपकीचकसभक संख्या कतेक बतायल गेल अछि जकर वध भीम श्मशानमे केलनि?

- (A) ५ भाई
- (B) १०५ भाई (कीचकक सूत पुत्र भाई सभ)
- (C) १० भाई
- (D) ५० भाई

१२७. तन्त्रनाथ झाक आलोचना ग्रन्थ आ छन्द-शास्त्रक प्रख्याति कतय भेटैत अछि?

- (A) केवल भाषणमे
- (B) विदेह आर्काइव आ अकादमिक शोध-पत्रसभमे
- (C) समाचार पत्रमे
- (D) कखनो नहि

१२८. काव्यमे 'मतस्य देश' क समृद्धि ककर द्योतक थिक?

- (A) गरीबीक
- (B) प्राचीन भारतीय जनपदक वैभव आ ताहिमे छुपल पाण्डवसभक कष्टक
- (C) विदेशी शासनक
- (D) कोनो नहि

१२९. भीमसेन के 'वल्लभ' रूपमे कोन कलामे निपुण देखाएल गेल अछि कथाक अनुसार?

- (A) नृत्यमे
- (B) पाक कला (भोजन बनेबामे) आ बाहु-युद्ध (कुश्ती) मे
- (C) जुआर खेलबामे
- (D) घोड़ा चराबबामे

१३०. द्रौपदीक केश ककर प्रतीक थिक जकर चर्चा भीम-द्रौपदी सम्वादमे अछि?

- (A) केवल शृंगारक
- (B) नारीक अस्मिता, अपमान आ प्रतिशोधक प्रतिज्ञाक
- (C) वस्त्रक
- (D) कोनो प्रतीक नहि

१३१. तन्त्रनाथ झाक काव्य-शिल्पक रस-सिद्धांत ककर अनुकूल अछि?

- (A) आनन्दवर्धन आ मम्मटक क्लासिकल काव्यशास्त्रक
- (B) आधुनिक पाश्चात्य विधाक
- (C) केवल हास्यक
- (D) नीरसताक

१३२. कीचकवध महाकाव्यक आवरण (Cover) पर समकालीन समयमे ककर मोटिफ उपयुक्त मानल जाइछ?

- (A) आधुनिक अमूर्त चित्र
- (B) मिथिला चित्रकलाक 'रौद्र आ वीर रस' क मोटिफ (जैसे भीम आ कीचकक द्वन्द्व क रेखाचित्र)
- (C) केवल फूल-पातक
- (D) विदेशी फोटो

१३३. काव्यमे 'सुदेष्णा' क चरित्र केहन देखाएल गेल अछि?

- (A) अत्यन्त साहसी
- (B) दुर्बल, भाई (कीचक) क दबाबमे आबि कऽ अपन दासी सैरन्ध्रीकेँ षड्यन्त्रमे फँसावे वली रानी
- (C) परम भक्त
- (D) योद्धा स्त्री

१३४. भीमसेन कीचकक शव केँ 'पिण्ड' किएक बना देलनि?

- (A) शौक सँ
- (B) अङ्ग-भङ्ग कऽ कऽ ओकर पाशविक कामांधताकेँ वीभत्स दण्ड देबाक लेल
- (C) ताकि ओ जी सके
- (D) कोनो कारण नहि

१३५. तन्त्रनाथ झाक छन्द-अनुशासनक तुलना मैथिली साहित्यमे ककरा सँ कएल जाइत अछि?

- (A) केहू सँ नहि (ओ अद्वितीय छथि)
- (B) विद्यापति सँ (माधुर्यमे) आ आधुनिक कालमे छन्दक गम्भीरतामे ओ शीर्ष पर छथि
- (C) केवल नव कवीसभ सँ
- (D) गजलकारसभ सँ

१३६. कीचकवध महाकाव्यक नायक ककरा मानल जाबाक चाही कथाक परिणामक अनुसार?

- (A) युधिष्ठिरकेँ
- (B) महाबली भीमसेन केँ, जे प्रतिशोध आ कर्मक प्रतीक छथि
- (C) विराटकेँ
- (D) कीचककेँ

१३७. तन्त्रनाथ झाक आख्यान-शिल्प (Narrative technique) की थिक?

- (A) केवल संवाद
- (B) सर्गबद्ध क्रमिक आख्यान जहिमे दृश्य-वर्णन आ वैचारिक गम्भीरताक सन्तुलन अछि
- (C) छोट कविता
- (D) कोनो शिल्प नहि

१३८. काव्यमे 'कुरु-कुल' क चर्चा किएक अबैत अछि?

- (A) पाण्डवसभक अतीत आ दुर्योधनक अन्यायकें स्मरण करा कऽ प्रतिशोधक ज्वाला तीव्र रखबाक लेल
- (B) मथुरा लेल
- (C) जनकपुर लेल
- (D) कोनो कारण नहि

१३९. कीचकवध महाकाव्यक मूल भाव की थिक?

- (A) अन्याय आ स्त्रीक अपमानक विरुद्ध बाहुबल आ पुरुषार्थक हुङ्कार
- (B) कायरता
- (C) संन्यास
- (D) केवल हास्य

१४०. ई १४० प्रश्नक विस्तृत 'कीचकवध (तन्त्रनाथ झा)' क्विज ककर प्रस्तुति थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय ६ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) तन्त्रनाथ झा — मैथिली साहित्यमे आधुनिक प्रबन्ध चेतनाक सँग 'कीचकवध' महाकाव्यक रचना स्व. तन्त्रनाथ झा केने छथि।
२. (B) महाभारत (विराटपर्व) — ई महाकाव्य महाभारतक विराटपर्वक 'कीचकवध' प्रसंग पर आधारित अछि।
३. (B) मङ्गरौनी — महाकवि तन्त्रनाथ झाक जन्म मधुबनी जिलाक प्रसिद्ध विद्वत् ग्राम मङ्गरौनीमे भेल छल।
४. (B) ७ सर्ग — तन्त्रनाथ झाक ई महाकाव्य पूर्ण रूप सँ ७ सर्गमे विभक्त अछि।
५. (B) आधुनिक मैथिली महाकाव्य आ छन्द-शास्त्रक मानकीकरणक — हिनका क्लासिकल महाकाव्यात्मक परिपाटी आ भाषा-सौष्ठवक नव युगक प्रवर्तक मानल जाइछ।
६. (B) वीर रस आ रौद्र रस (सङ्गो करुण/शृङ्गारक अङ्ग रूपमे) — द्रौपदीक अपमान आ भीम द्वारा कीचकक वध भेला क कारण अहिमे वीर आ रौद्र रस प्रधान अछि।
७. (B) राजा विराटक नगर (विराट नगर / मतस्य देश) मे — पाण्डव सभ रूप बदलि कऽ राजा विराटक दरबारमे अज्ञातवास काटि रहल छलाह।
८. (A) सैरन्ध्री (रानी सुदेष्णाक दासी / केश-प्रसाधिका) — द्रौपदी अपन नाम 'सैरन्ध्री' राखि रानी सुदेष्णाक अन्तःपुरमे केश सजाबय वली दासीक रूपमे रहि रही छलीह।
९. (B) कङ्क (राजाक संग घूत खेलय वला मित्र) — युधिष्ठिर ब्राह्मण 'कङ्क' बनि कऽ राजा विराटक संग पासा खेलैत छलाह।
१०. (B) वल्लभ — भीमसेन 'वल्लभ' नाम सँ रसोइया आ मल्लयोद्धाक रूपमे कार्य कऽ रहल छलाह।
११. (B) बृहन्नला — अर्जुन 'बृहन्नला' नाम सँ राजा विराटक बेटी उत्तराकें नृत्य सिखबैत छलाह।
१२. (A) ग्रन्थिक आ तन्तीपाल (अश्व आ गौ-सेवक) — नकुल ग्रन्थिक (घोड़ाक सेवक) आ सहदेव तन्तीपाल (गाईक सेवक) बनि कऽ छलाह।
१३. (B) विराटक सेनापति आ रानी सुदेष्णाक सगोदर भाई (श्यालक) — कीचक मतस्य देशक महाबली सेनापति आ रानी सुदेष्णाक भाई छल, जकर डर सँ राजा विराट सेहो काँपैत छलाह।

१४. (B) संस्कृतक तत्सम शब्दावली सँ युक्त, गम्भीर आ महाप्राण ध्वनिपूर्ण — हिनक भाषा क्लासिकल संस्कृत काव्यक जकाँ अनुशासित, ओजस्वी आ तत्सम-प्रधान अछि।
१५. (B) २०म शताब्दी (मध्य भाग) — ई आधुनिक मैथिली साहित्यक नवजागरण कालक (२०म शताब्दी) उत्कृष्ट कृति थिक।
१६. (B) पाण्डवसभक अज्ञातवासक कठिन परिस्थिति आ मानसिक द्वन्द्वक — प्रथम सर्गमे चक्रवर्ती पाण्डवसभक पराधीनता आ रूप बदलि कऽ रहबाक कष्टक मार्मिक चित्रण अछि।
१७. (B) मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी आदि संस्कृत वृत्त आ अतुकान्त प्रयोग — तन्त्रनाथ झा मैथिलीमे संस्कृतक वर्णवृत्तक सफल आ अनुशासित प्रयोग केने छथि।
१८. (B) कीचक — काव्यक नाम सँ स्पष्ट अछि जे मतस्य देशक सेनापति कीचक एकर मुख्य खलनायक अछि।
१९. (B) जँ केहू चीन्हि लेत तँ पुनः १२ वर्षक वनवास भोग्य पड़त — अज्ञातवासमे जँ पाण्डव ककरो द्वारा चीन्हि लेल जाइत, तँ शर्तक अनुसार पुनः १२ वर्षक वनवास होइतैक।
२०. (B) जे ई कोनो साधारण दासी नहि, साक्षात् देवी वा राजपुत्री अछि जाहि सँ राजा मुग्ध भऽ सकैत छथि — सैरन्ध्रीक अपूर्व सौन्दर्य देखि सुदेष्णा शंकित छलीह, मुदा द्रौपदी अपन गन्धर्व पतिसभक पहरा होएबाक बात कहि ओतय शरण लेलनि।
२१. (B) सैरन्ध्री (द्रौपदी) केँ — कीचक सुदेष्णाक रनिवासमे सैरन्ध्रीकेँ देखि ओकर सौन्दर्य पर पूर्णतः कामांध भऽ गेल।
२२. (B) ओहि दासीकेँ (सैरन्ध्री) अपन वासना तृप्ति लेल — कीचक कामांध भऽ बहिन सँ कहलक जे एहि दासीकेँ हमरा सौँपि दिअ, एकरा बिना हमर प्राण जा रहल अछि।
२३. (B) जे ई पर-स्त्री थिक, एकर पाँच गन्धर्व पति छथि जे तोहर वध कऽ देताह (पाप सँ बचू) — सुदेष्णा कीचककेँ गन्धर्व पतिसभक भय देखेलक आ कुलक मर्यादाक स्मरण करेलक।
२४. (B) ओ अपन बलक घमंड देखेलक जे हमरा आगू गन्धर्व की छथि आ बहिनकेँ विवश केलक — कीचक कहलक जे हमर बाहुबलक आगू देवता-गन्धर्व केहू नहि टिक सकैछ, तू कोनो युक्ति सँ ओकरा हमर पास पठाउ।
२५. (B) मदिरा (शराब) आनबाक बहाने सैरन्ध्रीकेँ एकलैत कीचकक महलमे पठा देलक — सुदेष्णा सैरन्ध्रीकेँ एकटा स्वर्ण-पात्र दऽ कऽ कीचकक महल सँ मदिरा लाबय लेल विवश कऽ पठा देलक।
२६. (B) घोर आशंका, भय आ सूर्यदेव सँ रक्षाक प्रार्थना — द्रौपदी बुझि गेलीह जे ई षड्यन्त्र थिक, ओ मन-ही-मन काँपैत आ सूर्यदेव सँ अपन पातिव्रत्यक रक्षाक भीख माँगैत गेलीह।
२७. (B) ओकरा पकड़बाक आ बलात्कार करबाक कुचेष्टा केलक — कीचक एकांत देखि सैरन्ध्रीक हाथ पकड़य लागल आ कामांध वचन बाजय लागल।
२८. (B) राजा विराटक राजसभा (दरबार) दिस रक्षा लेल — द्रौपदी अपन रक्षा लेल कीचकक महल सँ दौड़लीह आ सीधे राजा विराटक भरी सभामे पहुँचललीह।
२९. (B) ओकर केश (बाल) पकड़ि कऽ लात (पदाघात) मारलक आ गिरा देलक — भरी सभामे राजा विराटक सामने कामोन्मत्त कीचक सैरन्ध्रीकेँ लात मारलक, जे महाकाव्यक सबसँ कारुणिक आ उद्बेलित करय वला दृश्य अछि।
३०. (B) सूर्य द्वारा पठाओल गेल एकटा अदृश्य राक्षस (रक्षक) — महाभारत/काव्यक अनुसार सूर्यदेव द्रौपदीक रक्षा लेल एकटा अदृश्य रक्षक नियुक्त केने छलाह, जकर धक्का सँ कीचक कनीक काल लेल मूर्छित जकाँ भऽ गेल।
३१. (B) कठपुतली जकाँ मौन रहलाह आ कोनो न्याय नहि केलनि (कीचक सँ भयवश) — राजा विराट दुर्बल छलाह, ओ कीचकक बाहुबलक आगू मौन रहि कऽ अन्याय देखैत रहलाह।
३२. (B) हुनकर आँखि लाल भऽ गेल, ओ गाछ उखाड़बाक उपक्रम करय लगलाह (भयंकर क्रोध) — भीमसेन क्रोधाग्निमे जलि उठलाह, ओ ओतय लागल एकटा गाछकेँ उखाड़ि कीचकक माथ चूर करय चाहैत छलाह।
३३. (B) कड़क (युधिष्ठिर) क तीक्ष्ण दृष्टि आ संकेत देखि कऽ (अज्ञातवास भङ्ग होमय क भये) — युधिष्ठिर कड़क रूपमे छलाह, ओ देखलनि जे जँ भीम आब आक्रमण करताह तँ अज्ञातवास खुजि जाइत, अतः ओ आँखि सँ भीमसेन केँ रोकलनि।
३४. (B) हे सैरन्ध्री! अहाँक गन्धर्व पति सभ समय देखि रहल छथि, अहाँ अन्तःपुर जाउ, समय पर न्याय हेत — युधिष्ठिर रहस्यमयी भाषामे कहलनि जे गन्धर्व पति सभ कर्तव्य पालनमे छथि, अहाँ धैर्य राखू।
३५. (B) अहाँ सभ कायर छी, जतय स्त्री पर अत्याचार देखि कऽ राजा आ सभापति मौन छथि — द्रौपदी विराटक न्याय-व्यवस्था पर थूकलनि आ कहलनि जे ई सभा नहि, पापि सभक जमावड़ा थिक।

३६. (A) अन्तःपुर (अपन कक्ष) मे — ओ अपन रगत सँ भीजल मुख आ अस्त-व्यस्त वस्त्र लऽ कऽ अन्तःपुर चलि गेलीह मुदा हुनकर हृदय प्रतिशोधक आगिमे जलि रहल छल।
३७. (B) करुण रस आ रौद्र रसक मिश्रण — ई प्रसंग पाठकक हृदयमे करुणा आ अन्यायक प्रति भयंकर रौद्र भाव (क्रोध) जाग्रत करैत अछि।
३८. (B) द्रौपदीक मानसिक वेदना, क्षोभ आ प्रतिशोधक ज्वालाक — एहि सर्गसभमे द्रौपदीक अंतर्द्वन्द्व आ पुरुषार्थहीन समाज पर कड़ा प्रहार कएल गेल अछि।
३९. (A) अपन महलमे अहंकार सँ चूर भऽ कऽ हँसैत गेल — कीचक सोचलक जे राजा विराट सेहो हमरा सँ डराइत छथि, हमर के की बिगाड़त, ओ अट्टहास करैत गेल।
४०. (B) महाबली भीमसेन (वल्लभ) कें — द्रौपदी जनैत छलीह जे युधिष्ठिर धर्मक दुहाई देताह आ अर्जुन अज्ञातवासक दुहाई, केवल भीम हे ओ छथि जे ओकर तुरंत वध कऽ सकैत छथि।
४१. (B) पाकशाला (रसोइघर / महानस) मे जतय भीम सुतल छलाह — द्रौपदी गुपचुप रातिमे रसोइघरमे गेलीह जतय भीमसेन वल्लभ रूपमे विश्राम कऽ रहल छलाह।
४२. (B) सिंह जकाँ निश्चिन्त आ गम्भीर सांस लेइत — कवि तन्त्रनाथ झा सुतल भीमक तुलना अपन गुफामे निश्चिन्त सुतल सिंह सँ केने छथि।
४३. (B) अपन कोमल हाथक स्पर्श आ लोड़क स्वच्छ बुन (अश्रु) खसा कऽ — द्रौपदी भीमक चरण छुबी आ अपन नयनक नीर सँ हुनका जगैलनि।
४४. (B) हुनकर क्रोधाग्नि जागि गेल आ ओ व्याकुल भऽ उठलाह — अपन प्राणप्रिया द्रौपदीक ई दयनीय अवस्था देखि भीमक विशाल शरीर क्रोध सँ काँपय लागल।
४५. (B) कीचक द्वारा भरी सभामे कएल गेल पदाघात (लात मारब) आ सुदेष्णाक षड्यन्त्रक — द्रौपदी कानि-कानि कऽ कीचकक दुःसाहस आ राजा विराटक नपुंसकताक कथा सुनेलनि।
४६. (A) अपन पातिव्रत्य आ क्षत्रिय धर्मक — द्रौपदी कहलनि जे जँ अहाँक बाहुबल जीवित अछि तँ एहि सीमान्त अपमानक बदला तुरंत लियअ, नहि तँ हम प्राण त्यागि देब।
४७. (B) युधिष्ठिरक जुआ (धूत) खेलबाक व्यसनक कारणे आजु हमरा सभकें ई दासी-दासक जीवन देखय पड़ि रहल अछि (क्षोभ) — भीमसेन अपन पैघ भाई युधिष्ठिरक नीति पर क्षोभ व्यक्त केलनि जकर कारणे ई दुर्दशा भेल छल।
४८. (B) हम कीचकक वध कऽ कऽ ओकरा पाताल पहुँचा देब (ओकर मांसक कीमा बना देब) — भीमसेन प्रतिज्ञा केलनि जे द्रौपदीक आँखि सँ खसल एक-एक बूंद लोड़क बदला हम कीचकक प्राण लऽ कऽ लेब।
४९. (B) संवादात्मक, नाटकीय आ भाव-गम्भीर शैली जहिमे ओज आ करुणाक संगम अछि — ई सम्वाद कीचकवध महाकाव्यक वैचारिक आ भावनात्मक रीढ़ (Core) थिक जहिमे क्षत्रिय तेजक दर्शन होइछ।
५०. (B) कीचककें रातिमे एकान्त 'नृत्यशाला' (नाट्यशाला) मे मिलय लेल बजौबाक — भीम कहलनि जे कीचककें बहला कऽ रातिमे निर्जन नाट्यशालामे मिलय लेल संकेत दऽ आउ, ओतय हम वध करब।
५१. (B) कीचक अत्यन्त बलवान अछि, ओकर भुजदण्ड पाथर जकाँ अछि, अतः सावधान रहब — द्रौपदी भीमक बल जनैत छलीह मुदा पत्नीक स्नेहवश कहलनि जे कीचक सेहो महाबली अछि, अतः पूर्ण सजग रहब।
५२. (B) ऐरावत हाथी, वज्र आ काल (यमराज) सँ सेहो पैघ — भीम हँसि कऽ कहलनि जे कीचक हमरा बाहु-पाशमे आबि कऽ सिंहक हाथमे पड़ल बकरक बच्चा जकाँ मरि जात।
५३. (A) दुःशासनक वध आ ओकर छातीक रगत पीबाक प्रतिज्ञाक — भीम कहैत छथि जे तोहर केश तखने बन्धात जखन हम दुःशासनक वध करब, ई कीचक तँ ओकर भूमिका मात्र थिक।
५४. (B) चतुर्थ सर्गमे (काव्यक मध्य भाग) — चतुर्थ सर्गमे एहि रात्रिकालीन सम्वादक अत्यन्त नाटकीय आ भावपूर्ण चित्रण भेल अछि।
५५. (B) योजना क अनुसार प्रसन्नताक नाटक कऽ कीचकक बाट अगोरय लगलीह — द्रौपदी प्रतिशोधक ज्वालाकें मनमे छुपि कऽ कीचककें फँसावे लेल ओकर सामने गेलीह।
५६. (B) पुनः ओकर उपहास केलक आ अपन प्रेम (वासना) क भीख माँगे लागल — कीचक कलहक बात भूलि कऽ सैरन्ध्रीकें अपन दासी बनि कऽ रहबाक आ वासना पूर्ति लेल समझावे लागल।
५७. (B) हम अहाँक बात मानय लेल तैयार छी, मुदा हमर गन्धर्व पतिसभक डर सँ रातिमे निर्जन नाट्यशालामे आउ — द्रौपदी युक्तिपूर्वक कहलनि जे केहू देखि नहि लेय, ताहि लेल रातिमे अन्धकार वला नृत्यशालामे आउ, हम ओतय अहाँक प्रतीक्षा करब।

५८. (B) ओ आनन्द सँ पागल भऽ गेल आ रातिक प्रतीक्षा करय लागल (मूर्ख जकाँ) — कीचक बुझलक जे सैरन्धी हमर बाहुबल देखि मुग्ध भऽ गेल अछि, ओ रातिक आगमनक बेसब्री सँ इन्तजार करय लागल।
५९. (B) कामोन्मत्त, अहंकारी आ विनाशकाले विपरीत बुद्धि वला पाशविक चरित्र — कीचक साक्षात् वासना आ अहंकारक प्रतीक अछि जे अपन मृत्यु (भीम) केँ निमन्त्रण दऽ रहल छल।
६०. (B) रातिमे कीचकक हस्ती मिटा कऽ द्रौपदीक क्षोभ शान्त करबाक — भीमसेन मन-ही-मन कीचकक वधक रणनीति बना कऽ रातिक अन्धकार होमय क प्रतीक्षा कऽ रहल छलाह।
६१. (B) ओ पूर्णतः निर्जन, अन्धकारयुक्त आ सुनसान रहैत छल — रातिमे नाट्यशाला पूर्णतः बन्द आ सुनसान रहैत छल, जकरा भीम संकेत-स्थल चुनबाक लेल कहलनि।
६२. (B) एकटा स्त्री जकाँ ओढ़ना ओढ़ि कऽ पलङ्ग (शय्या) पर सुइत रहलाह (कीचकक भ्रम लेल) — भीमसेन सैरन्धीक भ्रम पैदा करबाक लेल अन्धकारमे मुँह-कान झाँपि कऽ पलङ्ग पर सुइत रहलाह।
६३. (B) सुगन्धित लेप लगा कऽ, उत्तम वस्त्र आ आभूषण पहिरि कऽ कामोन्मत्त रूपमे — कीचक सोचलक जे ओ अपन प्रेमिका सँ मिलय जा रहल अछि, ओ साज-सज्जा कऽ कऽ सुगन्धित भऽ कऽ पहुँचल।
६४. (B) कीचकक अज्ञान, पाप आ आसन्न मृत्युक प्रतीक रूपमे — नाट्यशालाक घोर अन्धार कीचकक जीवनक अन्तिम राति आ ओकर अज्ञानक सूचक थिक।
६५. (B) सैरन्धी (द्रौपदी) केँ — ओ सैरन्धी-सैरन्धी कहैत पलङ्गक पासा पहुँचल जतय भीमसेन सुतल छलाह।
६६. (B) जे ई सैरन्धी लज्जावश मुँह झाँपि कऽ सुतल अछि — कामांध कीचक बुझलक जे सैरन्धी हमर लज्जा आ संकोचवश ओतय चादर ओढ़ि सुतल अछि।
६७. (B) अपन प्रशंसा, बाहुबल आ कामुकतापूर्ण चाटुकारिताक वचन — कीचक अपन घमंड देखबैत कहलक जे आजु सँ तू हमर रानी भेलह, विराट नगर पर तोहर राज हेत।
६८. (B) कीचकक वचन सुनि मन-ही-मन हँसैत आ ओकर काल रूपी बाहु-पाश तैयार कऽ रहल छलाह — भीमसेन सिंह जकाँ अपन शिकारकेँ कनीक आउ पास आबय देबाक प्रतीक्षा कऽ रहल छलाह।
६९. (B) चादर फेकि कऽ काल (यमराज) जकाँ गर्जि कऽ खडा भऽ गेलाह आ ओकरा पकड़ि लेलनि — भीमसेन एकहि झटक मे चादर हटा कऽ महाकाल जकाँ कीचकक सामने ठाढ़ भऽ गेलाह।
७०. (B) क्षण भरि लेल ओ चकित भेल मुदा अपन बलक घमंडमे ओहो मल्लयुद्ध लेल तैयार भऽ गेल — कीचक सेहो महाबली छल, ओ बुझि गेल जे ई सैरन्धी नहि ककरो द्वारा पठाओल गेल यमदूत अछि, ओ युद्ध लेल सन्नद्ध भेल।
७१. (B) रणभूमि वा कुरुक्षेत्रक लघु रूप (मल्ल-अखाड़ा) मे — ललित कलाक केन्द्र नृत्यशाला आब रक्त, प्रतिशोध आ भयानक मल्ल-युद्धक अखाड़ा बनि गेल छल।
७२. (B) मल्ल-युद्ध (द्वन्द्व युद्ध / बाहु-युद्ध) — अन्धकारमे दुनू योद्धा बिना कोनो अस्त्रक केवल बाहुबल सँ (मल्ल-युद्ध) लड़ि रहल छलाह।
७३. (B) रे पापि! आजु तोरा भरी सभामे द्रौपदी पर कएल गेल पदाघातक बदला चुकाबय पड़त — भीम कहलनि जे तू जाहि सैरन्धीकेँ दासी बुझलह ओ साक्षात् महाकाली छथि आ हम ओकर प्रतिशोध छी।
७४. (B) सैरन्धीक गन्धर्व पतिसभमे सँ एकटा महाबली गन्धर्व — कीचक सोचलक जे ई सैरन्धीक ओही पाँच गन्धर्व पतिसभमे सँ एकटा छथि जकर चर्चा सुदेष्णा केने छलीह।
७५. (B) नाट्यशालाक अन्धकार आ कीचकक वासनापूर्ण आगमनक — पञ्चम सर्गमे कीचकक विनाश कालक वासना आ नाट्यशालाक रहस्यमयी वातावरणक सुन्दर वर्णन अछि।
७६. (B) दू टा विशाल पर्वत वा मदमस्त हाथीयक भिड़न्त सँ — दुनू पराक्रमी योद्धाक वक्ष आ बाहु पाथर जकाँ छलाह, जकर भिड़न्त पर्वत जकाँ लगैत छल।
७७. (B) भुजदण्ड ठोकाबबाक, हुड्कार आ हड्डी टूटबाक भयंकर आवाज — निस्तब्ध रातिमे नाट्यशालाक भीतर सँ केवल दुनू वीरक हुड्कार आ बाहु-ताड़नक आवाज आबि रहल छल।
७८. (B) नाट्यशालाक द्वार पर अदृश्य/छुपि कऽ प्रतिशोधक प्रतीक्षा कऽ रहल छलीह — द्रौपदी नाट्यशाला सँ बाहर व्यग्र भऽ कऽ ई भीषण द्वन्द्व सुनि रहल छलीह आ भीमक विजयक प्रार्थना कऽ रहल छलीह।
७९. (B) अपन सम्पूर्ण शक्ति लगा कऽ भीमकेँ पीछे धकेलबाक प्रयास केलक मुदा निष्फल रहल — कीचक बुझि गेल जे ई गन्धर्व साधारण नहि साक्षात् यमराज अछि, ओ अपन सम्पूर्ण बल लगा कऽ मुक्त होबय चाहलक।

८०. (A) पर-स्त्री पर कुदृष्टि आ अहंकार क विनाश निश्चित होइत अछि — कीचकक चरित्र दशावैत अछि जे कते भी बलवान व्यक्ति किएक न होय, जँ ओ अधर्म आ स्त्रीक अपमान करैत अछि तँ ओकर समूल नाश होइछ।
८१. (B) घोर राति भरि (भयंकर द्वन्द्व) — रातिक तृतीयांश आ चतुर्थांश कालमे दुनू वीरक बीच दीर्घकाल धरि भीषण बाहु-युद्ध चलल।
८२. (B) ओकर छाती पर प्रहार कऽ आ ओकर गरदन (टेंदुआ) दाबि कऽ — भीमसेन अपन वज्र समान मुक्का सँ कीचकक वक्षस्थल चूर केलनि आ ओकर साँस अवरुद्ध कऽ देलनि।
८३. (B) रगत वमन (वमन) करैत शिथिल भऽ गेल — महाबली कीचक भीमक असह्य प्रहार सँ लहू-लुहान भऽ गेल आ ओकर बल घटने गेल।
८४. (B) ओकर हाथ, पैर आ माथकें मोड़ि कऽ मांसक एकटा गोला (पिण्ड) जकाँ बना देलनि — भीमसेन कीचकक सभ अङ्ग-प्रत्यङ्गकें भङ्ग कऽ ओकरा मांसक एकटा लोथड़ा (पिण्ड) जकाँ चूर्ण कऽ देलनि।
८५. (B) ताकि केहू पहचानि नहि सकय जे एकरा ककरो द्वारा अस्त्र सँ मारल गेल अछि (गन्धर्वक माया प्रतीत होय) — अज्ञातवासक रक्षा लेल ई आवश्यक छल जे हत्या कोनो मनुष्य द्वारा कएल नहि बुझाय, साक्षात् गन्धर्वक प्रकोप लागय।
८६. (B) निस्तब्ध, भयंकर अन्हार आ कीचकक अन्तिम साँसक घर्घर आवाज — काव्यक षष्ठ सर्गमे कीचकक अन्तिम समय आ मृत्युक विभीषिकाक अत्यन्त ओजस्वी चित्रण अछि।
८७. (B) हुनकर प्रतिशोधक ज्वाला शान्त भेल आ ओ भीमसेन कें धन्य कहने कऽ अन्तःपुर गेलीह — द्रौपदी अपन महाअपमानक बदला पूरा भेल देखि सन्तुष्ट भेलीह आ गुपचुप अपन कक्षमे चलि गेलीह।
८८. (B) चुपचाप पाकशाला घुरि गेलाह आ हाथ-मुँह धोइ कऽ निश्चिन्त सुइत रहलाह (जेना किछुए नहि भेल होय) — भीमसेन अपन 'वल्लभ' रूपक मर्यादा रखैत पुनः रसोद्विधमे जा कऽ सुइत रहलाह जाहि सँ ककरो शंका नहि होय।
८९. (B) भीम-कीचकक भीषण मल्लयुद्ध आ कीचकक दर्दनाक अन्त (वध) क — षष्ठ सर्ग महाकाव्यक चरमोत्कर्ष (Climax) थिक जहिमे कीचकक वध होइत अछि।
९०. (B) प्रलयकाली रुद्र (शिव) क क्रोधान्तिक — भीमसेन साक्षात् रुद्रक अवतार जकाँ दुष्टक संहार करैत प्रलयकारी प्रतीत होइत छथि।
९१. (B) कीचकक अङ्ग-भङ्ग भेल मांसक एकटा वीभत्स पिण्ड (लोथड़ा) — नाट्यशालामे कीचकक वीभत्स मृत देह देखि दासी सभ चीत्कार कऽ कऽ भागि गेलीह।
९२. (B) भयंकर हाहाकार आ आश्चर्य-भय (गन्धर्वक आतंक) — सभ ठाम ईहे चर्चा भऽ गेल जे सैरन्ध्रीक गन्धर्व पति सभ रातिमे आबि कऽ कीचकक कीमा बना देलनि।
९३. (B) क्रोधित भऽ कऽ सैरन्ध्रीकें हे ओकर मृत्युक कारण मानि कऽ ओकरा संगे सती (जरावे) करबाक निर्णय केलनि — उपकीचक सभ सैरन्ध्रीकें पकड़ि कऽ कीचकक चिता पर जबरदस्ती जरावे लेल श्मशान लऽ जेबाक उपक्रम केलनि।
९४. (B) श्मशान भूमि (चिता पर जरावे लेल) — ओकरा घसीटैत श्मशान लऽ जा रहल छलाह, द्रौपदी पुनः पाण्डवसभकें रक्षा लेल पुकारय लगलीह।
९५. (B) भीमसेन (एकटा गन्धर्वक रूप धऽ कऽ विशाल वृक्ष लऽ कऽ) — भीमसेन अपन प्रियाक रक्षा लेल श्मशान पहुँचलाह आ एकटा विशाल गाछ उखाड़ि लेलनि।
९६. (B) सभ उपकीचकसभकें (१०५ भाईसभकें) गाछ सँ मारि-मारि कऽ संहार कऽ देलनि — भीमसेन साक्षात् काल बनि कऽ सभ उपकीचकसभक वध कऽ द्रौपदीक पुनः रक्षा केलनि।
९७. (B) कोनो साक्षात् डाकिनी, योगिनी वा भयंकर अलौकिक शक्ति जकरा सँ दूर रहबाक चाही — सभ लोक डरा गेल जे एहि सैरन्ध्रीक जाहि छुअत ओकर समूल नाश गन्धर्व कऽ देताह।
९८. (B) वीभत्स रस आ भयानक रस — चिता, मांसक पिण्ड आ उपकीचकसभक वधमे वीभत्स आ भयानक रसक पुट अछि।
९९. (B) ओ भयभीत भेला मुदा पाण्डवसभक अज्ञातवास सुरक्षित रहल — विराट राजा निश्चिन्त भेला जे कीचकक आतंक खत्म भेल मुदा गन्धर्वक डर सँ सैरन्ध्रीक आदर करय लगलाह।
१००. (B) द्रौपदीक सम्मानक रक्षा आ अज्ञातवासक शर्तक पूर्णता (केहू पाण्डवकें चीन्हि नहि सकल) — ई वध पाण्डवसभक पुरुषार्थ आ द्रौपदीक आन-बानक रक्षा करैत अज्ञातवासक सफल अन्त कऽ मार्ग प्रशस्त केलक।
१०१. (B) संस्कृतक क्लासिकल वर्णवृत्त (जैसे मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, वंशास्थ) आ महाकाव्यात्मक लय सँ — हिनक छन्द-विधान संस्कृत व्याकरणक कठोर अनुशासन आ ध्वन्यात्मक गम्भीरता पर आधारित अछि।

१०२. (B) मैथिली प्रबन्ध-काव्यमे आधुनिक प्रवाह आ छन्दक नव प्रयोगशीलता — तन्त्रनाथ झा मैथिलीमे तुकक बन्धन तोड़ि कऽ महाकाव्यात्मक ओज अनबाक सफल प्रयोग केलनि।
१०३. (B) शब्दसभक ध्वनि सँ कथाक भाव (जेना युद्धमे टंकार, विलापमे कोमलता) जाग्रत करब — हिनक शब्द-चयन एहन अछि जे पढ़बा काल ओकर ध्वनि सँ हे रौद्र वा करुण रसक साक्षात् अनुभव होइछ।
१०४. (B) द्रौपदी (सैरन्ध्री) क, जे अपमान सहबाक बदला प्रतिशोध आ पुरुषार्थक आह्वान करैत अछि — द्रौपदी कायर समाज आ मौन राजाकें फटकारैत अपन सम्मानक रक्षा स्वयं भीमक बाहुबल सँ करवैत छथि।
१०५. (B) ई पूर्णतः क्लासिकल तत्सम प्रधान, अतुकान्त आ आधुनिक वैचारिक द्वन्द्व सँ युक्त महाकाव्य थिक — पुराना कवि ठेठ आ गेय शैलीमे लिखलनि, जखन कि तन्त्रनाथ झा गम्भीर अकादमिक आ क्लासिकल महाकाव्यक प्रतिमान गढ़लनि।
१०६. (B) योद्धाक पाथर जकाँ मजबूत बाहु (भुजा) क प्रतीक — भीम आ कीचकक बाहुबलक लेल 'भुजदण्ड' शब्दक प्रचुर प्रयोग भेल अछि।
१०७. (B) ओज गुण (Audacity / Vigour) — वीर आ रौद्र रसक अभिव्यक्ति लेल 'ओज गुण' आ महाप्राण वर्णसभक प्रयोग अनिवार्य होइछ जहिमे कवि सिद्धहस्त छथि।
१०८. (B) उपमा, रूपक आ उत्प्रेक्षाक गम्भीर प्रयोग (भावक तीव्रता बढ़ेबा लेल) — द्रौपदीक हृदयक आगिकें कवि दावानल आ प्रलयकारी बिजलीक समान रूपक देल छथि।
१०९. (B) तार्किक, छन्द-शास्त्रीय आ अकादमिक रूप सँ परिपुष्ट — कवि स्वयं एकटा महान छन्द-शास्त्री छलाह, ताहि लेल हुनकर काव्यक एक-एक अक्षर नापि-तुलि कऽ रचल अछि।
११०. (A) अधर्म आ पापक समूल नाश आ धर्मक विजय (सुखान्त अन्त) — काव्यक अन्त कीचक आ उपकीचकसभक संहारक संग पाण्डवसभक तेजक पुनर्स्थापना सँ सुखान्त होइत अछि।
१११. (B) राजा विराट लेल (मतस्य देशक राजा) — राजा विराटकें मतस्य राज वा मतस्य नरेश कहल गेल अछि।
११२. (B) क्लासिकल / नव-क्लासिकल शैली (Neo-classical Form) — अनुशासन, गम्भीरता आ शास्त्रीयताक कारण हिनक शैली क्लासिकल मानल जाइत अछि।
११३. (A) परतन्त्रता आ विपत्तिकालमे धैर्य आ प्रतिशोधक अग्नि सुरक्षित रखबाक — एकटा साम्राज्ञी दासीक रूपमे काज कऽ रहल अछि, ई भाग्यक क्रूरता मुदा ओकर तेज सुरक्षित रहबाक सूचक थिक।
११४. (B) मैथिली साहित्यकें आधुनिक युगमे एकटा स्तरीय आ अन्तर्राष्ट्रीय मानकक महाकाव्य भेटल — एहि काव्य सँ सिद्ध भेल जे मैथिली भाषा कोनो भी शास्त्रीय आ गम्भीर विषय-वस्तु आ छन्दक लेल पूर्णतः समर्थ अछि।
११५. (A) कालिदास आ भारविक संस्कृत काव्यक गम्भीरताक — हिनक शब्द-संयोजन भारविक 'अर्थगौरवम्' जकाँ गम्भीर आ अर्थपूर्ण होइछ।
११६. (B) राजमहलक भीतरी भाग (रनिवास / स्त्री कक्ष) — अन्तःपुर अर्थात् महलक ओ भीतरी भाग जहाँ केवल रानी आ दासी सभ रहैत छलीह।
११७. (B) शक्ति कें छुपा कऽ समयक प्रतीक्षा करब आ समय अएला पर प्रहार करब (रणनीति) — भीम रसोइया छथि मुदा समय अएला पर ओ साक्षात् यमराज बनि जाइत छथि, ई कुशल रणनीतिक प्रतीक थिक।
११८. (B) मैथिली पिंगल (छन्द-शास्त्र) क चरमोत्कर्ष — हिनक एक-एक पद छन्दक कसौटी पर शुद्ध आ संगीतपूर्ण मानल गेल अछि।
११९. (B) आहुति जकाँ जे क्रोधानिकें प्रज्वलित करैत अछि (प्रतिशोधक बीज) — भीम कहैत छथि जे तोहर ई लोड़ कीचकक रक्त सँ हे धुआँत, ई हमरा लेल आदेश थिक।
१२०. (B) प्रबन्ध काव्यक शिल्प, ओज गुण आ शास्त्रीय मैथिलीक श्रेष्ठतम ज्ञान प्राप्त करबाक लेल — ई महाकाव्य मैथिली भाषाक उच्च साहित्यिक क्षमता आ भाषा-सौष्ठवक सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान थिक।
१२१. (B) धर्म, न्याय आ नारीक सम्मानक (पाण्डवसभक पुरुषार्थक) — अधर्मक नाश आ पीड़ित नारीक सम्मानक पुनर्स्थापना हे एहि महाकाव्यक मूल लक्ष्य आ विजय थिक।
१२२. (A) १९८४ (वा ओही कालखण्डमे) — महाकवि तन्त्रनाथ झा २०म शताब्दीक उत्तरार्ध धरि मैथिली साहित्यकें समृद्ध करैत अन्ततः दिवंगत भेलाह।
१२३. (B) महाभारतक मूल आख्यान आ आधुनिक चेतनाक तुलनात्मक प्रभाव — काव्यक मूल कथा महाभारत सँ अछि, मुदा ओकर प्रस्तुति, चरित्र-चित्रण आ शिल्प पूर्णतः आधुनिक आ मौलिक अछि।
१२४. (B) अन्तरंग दासी / शिल्प-कला आ केश-विन्यासमे निपुण स्वतन्त्र स्त्री — सैरन्ध्री ओ स्त्री थिकीह जे दासीक रूपमे रहितो अपन कला आ आत्मसम्मानकें अक्षुण्ण रखैत छथि।

- १२५. (B) विराट नगरक निर्जन नाट्यशाला (नृत्यभवन) मे** — कीचकक वध रातिक समय सुनसान नाट्यशालाक भीतर भीमसेन द्वारा कएल गेल छल।
- १२६. (B) १०५ भाई (कीचकक सूत पुत्र भाई सभ)** — महाभारत/काव्यक अनुसार कीचकक भाई सभक (उपकीचकसभक) कुल संख्या १०५ छल, जकर संहार भीम केलनि।
- १२७. (B) विदेह आर्काइव आ अकादमिक शोध-पत्रसभमे** — हिनक छन्द-शास्त्रीय अवदान पर समकालीन शोधार्थी निरन्तर कार्य कऽ रहल छथि।
- १२८. (B) प्राचीन भारतीय जनपदक वैभव आ ताहिमे छुपल पाण्डवसभक कष्टक** — मतस्य देश वैभवशाली छल मुदा कीचकक आतंकक कारणे ओकर शासन दुर्बल भऽ गेल छल।
- १२९. (B) पाक कला (भोजन बनेबामे) आ बाहु-युद्ध (कुश्ती) मे** — वल्लभ रूपमे भीम स्वादिष्ट भोजन बनेबाक सङ्ग-सङ्ग विराटक मनोरंजन लेल मल्लयुद्ध सेहो करैत छलाह।
- १३०. (B) नारीक अस्मिता, अपमान आ प्रतिशोधक प्रतिज्ञाक** — द्रौपदीक खुजल केश कुरुसभा सँ लऽ कऽ विराट सभा धरि ओकर अपमान आ प्रतिशोधक प्रतीक थिक।
- १३१. (A) आनन्दवर्धन आ मम्मटक क्लासिकल काव्यशास्त्रक** — हिनक रस-परिपाक पारम्परिक रस-सिद्धान्तक कठोर आ शास्त्रीय नियमोंक पूर्णतः पालन करैत अछि।
- १३२. (B) मिथिला चित्रकलाक 'रौद्र आ वीर रस' क मोटिफ (जैसे भीम आ कीचकक द्वन्द्व क रेखाचित्र)** — काव्यक उग्र आ ओजस्वी संवेदना बुझबाक लेल अखाड़ा वा वीर रसक चित्र उपयुक्त मानल जाइत अछि।
- १३३. (B) दुर्बल, भाई (कीचक) क दबाबमे आबि कऽ अपन दासी सैरन्ध्रीकें षड्यन्त्रमे फँसावे वाली रानी** — सुदेष्णा सही-गलत जनितो अपन भाई कीचकक क्रूरताक आगू झुकि जाइत छथि आ द्रौपदीक संकट बढ़ा दैत छथि।
- १३४. (B) अङ्ग-भङ्ग कऽ कऽ ओकर पाशविक कामांधताकें वीभत्स दण्ड देबाक लेल** — पाशविक इच्छा रखय वला कीचकक शरीरकें भीमसेन पाशविक रूपमे हे कुचललनि जकर वीभत्स दृश्य दासी सभ देखलक।
- १३५. (B) विद्यापति सँ (माधुर्यमे) आ आधुनिक कालमे छन्दक गम्भीरतामे ओ शीर्ष पर छथि** — शास्त्रीय वृत्तसभक एहन शुद्ध आ अनवरत प्रवाह मैथिलीमे केवल तन्त्रनाथ झा हे दऽ सकल छथि।
- १३६. (B) महाबली भीमसेन कें, जे प्रतिशोध आ कर्मक प्रतीक छथि** — काव्यक फल आ संकट-निवारक भीमे छथि, अतः ओ हे एकर वास्तविक नायक (Protagonist) छथि।
- १३७. (B) सर्गबद्ध क्रमिक आख्यान जहिमे दृश्य-वर्णन आ वैचारिक गम्भीरताक सन्तुलन अछि** — सर्गबद्धता आ क्रमिक कथाक विकास क्लासिकल महाकाव्यक मुख्य लक्षण थिक जे अहिमे विद्यमान अछि।
- १३८. (A) पाण्डवसभक अतीत आ दुर्योधनक अन्यायकें स्मरण करा कऽ प्रतिशोधक ज्वाला तीव्र रखबाक लेल** — पाण्डव अपन कुरु-कुलक राजसी वैभव छोड़ि दासी-दास बनल छथि, ई स्मृति हुनका निरन्तर सालैत रहैत छन्हि।
- १३९. (A) अन्याय आ स्त्रीक अपमानक विरुद्ध बाहुबल आ पुरुषार्थक हुङ्कार** — ई महाकाव्य मौन आ नपुंसक समाजक बीच अपन अधिकार आ सम्मान लेल शस्त्र/बल उठबाक सन्देश दैत अछि।
- १४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क** — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक अंग थिक।

अध्याय ७ : Videha QUIZ | दत्त-वती (सुरेश झा 'सुमन')

भाग १: कवि परिचय, मंगलाचरण आ पृष्ठभूमि

१. मैथिलीक विशिष्ट महाकाव्य 'दत्त-वती' क रचयिता के छथि?

- (A) सुरेश झा 'सुमन' (सुरेन्द्र झा 'सुमन')
- (B) तन्त्रनाथ झा
- (C) काञ्चीनाथ झा 'किरण'
- (D) रामानन्द रेणु

२. आचार्य सुरेन्द्र झा 'सुमन' क जन्म मिथिलाक कोन गाममे भेल छल?

- (A) मङ्गरौनी
- (B) बल्लभापुर (दरभंगा जिला)
- (C) तरौनी
- (D) उजान

३. 'दत्त-वती' महाकाव्यक प्रथम सर्गमे पारम्परिक रूप सँ ककर विधान कएल गेल अछि?

- (A) केवल कथाक
- (B) मंगलाचरण, देव-वन्दना आ वस्तु-निर्देश
- (C) युद्धक घोषणा
- (D) कवि-निन्दा

४. सुमन जी अपन काव्यमे ककर वन्दना सँ वाणीक पवित्रता मँगैत छथि?

- (A) इन्द्रक
- (B) सरस्वती (वाग्देवी) आ पराशक्ति क
- (C) कुबेरक
- (D) राक्षसक

५. सुमन जीक काव्य-शैली मुख्य रूप सँ साहित्यक कोन कोटिमे रखल जाइत अछि?

- (A) ठेठ गँवई शैली
- (B) क्लासिकल, पाण्डित्यपूर्ण आ अलङ्कृत शैली
- (C) फ़ारसी प्रधान शैली
- (D) अंग्रेजी शैली

६. 'दत्त-वती' महाकाव्यक कथाक मूल स्वरूप केहन थिक?

- (A) काल्पनिक आ दार्शनिक रूपक
- (B) ऐतिहासिक युद्ध
- (C) केवल लोक-कथा
- (D) विदेशी आख्यान

७. प्रथम सर्गमे 'दत्त-वती' शब्दक दार्शनिक संकेत ककर प्रति अछि?

- (A) एकटा साधारण दासी
- (B) दान आ समर्पण सँ युक्त चेतना वा दैवी सत्ता
- (C) शत्रु
- (D) धन

८. सुमन जीकेँ मैथिली साहित्यमे ककर 'युग-पुरुष' मानल जाइत अछि?

- (A) केवल आधुनिक कविताक
- (B) पत्रकारिता, व्याकरण आ शास्त्रीय छन्द-लेखन दुनूक
- (C) केवल नाटकक
- (D) गद्यक विरोधक

९. प्रथम सर्गक आरम्भिक छन्दमे ककर वर्णन भेटैत अछि?

- (A) प्रकृतिक शान्त वातावरण आ सृष्टिक रहस्यक
- (B) कीचकक वधक
- (C) कंस अत्याचारक
- (D) रास लीलाक

१०. सुमन जीक 'दत्त-वती' मे कोन रसक अन्तरप्रवाह आदि सँ अन्त धरि भेटैत अछि?

- (A) हास्य रस
- (B) शान्त, शृङ्गार आ अद्भुत रसक समन्वय
- (C) रौद्र रस मात्र
- (D) भयानक रस मात्र

११. प्रथम सर्गमे कविक 'काव्य-प्रतिभा' क परिचय केहन शब्दसभ सँ भेटैत अछि?

- (A) सरल आ बोलचालक
- (B) दीर्घ समासयुक्त, ओजस्वी आ तत्सम-प्रधान शब्दसभ सँ
- (C) अंग्रेजी शब्द सँ
- (D) उर्दू शब्द सँ

१२. 'दत्त-वती' क प्रथम सर्गमे 'वस्तु-निर्देश' सँ की तात्पर्य अछि?

- (A) किताबक मूल्य
- (B) काव्यक मूल विषय-वस्तु आ दार्शनिक पीठिकाक संकेत
- (C) कवि क पता
- (D) पंचांग

१३. सुमन जी अपन काव्यमे 'सज्जन-प्रशंसा' आ ककर निन्दाक पारम्परिक परिपाटी निभावैत छथि?

- (A) दुर्जन-निन्दा (दुष्टक निन्दा)
- (B) राजाक निन्दा
- (C) देवताक निन्दा
- (D) प्रकृतिक निन्दा

१४. प्रथम सर्गमे ककर साम्राज्य आ ओकर राजसी वैभवक दार्शनिक वर्णन अछि?

- (A) मतस्य देशक
- (B) एकटा आध्यात्मिक वा रूपक-मूलक राजाक
- (C) कंस क
- (D) रावण क

१५. सुमन जीक छन्द-योजना दत्त-वतीमे केहन अछि?

- (A) छन्द-मुक्त
- (B) अत्यन्त अनुशासित आ मात्रिक/वर्णिक छन्दक नव-प्रयोग सँ युक्त
- (C) केवल दोहा
- (D) गजल लय

१६. 'दत्त-वती' क प्रथम दुनू सर्ग मुख्य रूप सँ ककर विश्लेषण करैत अछि?

- (A) कथाक चरमोत्कर्ष क
- (B) काव्यक पृष्ठभूमि, दर्शन, सौन्दर्य आ पात्रक मानसिक विकासक
- (C) केवल युद्ध क
- (D) विवाह क

१७. सुमन जीक भाषाके 'वैदुष्य-पूर्ण' किएक कहल जाइत अछि?

- (A) ओकरा केहू बुझि नहि सकैछ
- (B) एहिमे कविक अगाध पाण्डित्य, व्याकरण आ दर्शनक गम्भीर ज्ञान देखाइत अछि
- (C) ओ सरल अछि
- (D) ओ विदेशी अछि

१८. प्रथम सर्गमे 'काल' (Time) क केहन रूप चित्रित कएल गेल अछि?

- (A) साधारण घड़ी
- (B) सृष्टि आ प्रलयक चक्रक रूपमे अनन्त कालक दार्शनिक रूप
- (C) केवल राति
- (D) केवल दिन

१९. मैथिली साहित्यमे सुमन जीक 'दत्त-वती' केँ की स्थान अछि?

- (A) ई एकटा साधारण कविता अछि
- (B) ई मैथिलीक प्रबुद्ध आ शास्त्रीय महाकाव्यक मूर्धन्य उदाहरण थिक
- (C) ई गद्य अछि
- (D) ई बाल-साहित्य अछि

२०. प्रथम सर्गक अन्तमे छन्दक परिवर्तन की दशवैत अछि?

- (A) कविक भूल
- (B) सर्गान्तमे छन्द-परिवर्तनक शास्त्रीय महाकाव्यात्मक नियमक पालन
- (C) कागजक कमी
- (D) कोनो कारण नहि

भाग २: प्रथम सर्ग - प्रकृतिक सौन्दर्य आ दार्शनिक रूपक

२१. प्रथम सर्गमे 'प्रकृति' केँ ककर सहचरी देखाएल गेल अछि?

- (A) राक्षसक
- (B) पुरुष (परमात्मा) वा चेतनाक
- (C) शत्रुक
- (D) केवल राजाक

२२. सुमन जी प्रथम सर्गमे 'आकाश' (व्योम) क तुलना ककरा सँ केने छथि?

- (A) एकटा विशाल नील छत्र वा अनन्त शून्य सँ
- (B) माटि सँ
- (C) नदी सँ
- (D) वस्त्र सँ

२३. प्रथम सर्गमे 'सूर्य' क उदय ककर सूचक मानल गेल अछि?

- (A) अंधकार बढ़बाक
- (B) ज्ञानक प्रकाश आ नव जागरणक
- (C) भयक
- (D) क्रोधक

२४. काव्यमे प्रयुक्त 'ऋत' (Rta) शब्द ककर द्योतक अछि?

- (A) वर्षा क
- (B) सृष्टिक शाश्वत प्राकृतिक आ नैतिक नियमक
- (C) झूठ क
- (D) क्रोध क

२५. प्रथम सर्गमें 'वायु' (पवन) क गती केहन बतायल गेल अछि?

- (A) भयंकर आँधी
- (B) सुगन्धित, मन्द आ प्राणाधार (प्राणवायु जकाँ)
- (C) गरम हवा
- (D) नीरस हवा

२६. प्रकृतिक वर्णनमें सुमन जी कोन अलंकारक प्रयोग सभसँ कलात्मक केने छथि?

- (A) केवल यमक
- (B) मानवीकरण (Personification) आ सांगरूपक
- (C) कोनो अलंकार नहि
- (D) भयानक अलंकार

२७. प्रथम सर्गमें 'संध्या' क आगमन कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) एकटा उदास संन्यासिनी जकाँ जे अन्हार क ओढ़ना ओढ़ैत अछि
- (B) दौड़ैत
- (C) हँसैत
- (D) युद्ध करैत

२८. सुमन जीक अनुसार 'सौन्दर्य' केवल बाह्य वस्तु नहि अछि, ओ की थिक?

- (A) आन्तरिक चेतना आ ईश्वरीय अंशक प्रकटीकरण
- (B) केवल भ्रम
- (C) पैसाक खेल
- (D) कोनो नहि

२९. प्रथम सर्गमें 'वन-श्री' (जंगलक सौन्दर्य) क तुलना ककरा सँ अछि?

- (A) बजार सँ
- (B) हरित वस्त्र धारण कएने कोनो तपस्विनी वा सुन्दरी सँ
- (C) पाथर सँ
- (D) कारी राति सँ

३०. काव्यमें 'चिति' (Consciousness) शब्द ककर प्रतीक अछि?

- (A) माटिक
- (B) आन्तरिक शुद्ध चेतना वा आत्माक
- (C) शरीरक
- (D) शत्रुक

३१. प्रथम सर्गमें 'रात्रि' (निशा) क अन्हार ककर प्रतीक मानल गेल अछि?

- (A) चोरीक
- (B) अज्ञान, सुषुप्ति आ सृष्टिक मौन अवस्थाक
- (C) भयक
- (D) क्रोधक

३२. सुमन जीक काव्यमें 'नाद-लालित्य' (Music of words) कोना प्रस्फुटित होइछ?

- (A) अंग्रेजी आखर सँ
- (B) कोमल वर्णसभक क्रम, अनुप्रास आ आन्तरिक तुकक प्रवाह सँ
- (C) कठोर शब्द सँ
- (D) बिना नियमक

३३. प्रथम सर्गमे 'जल' (सलिल) क प्रवाह की सन्देश दैत अछि?

- (A) जीवनक निरन्तरता आ प्रवाहशीलताक
- (B) बाढ़ि क
- (C) विनाश क
- (D) स्थिरता क

३४. सुमन जीक अनुसार 'कवि-कर्म' की थिक?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) सत्यक साक्षात् आ वाणीक माध्यम सँ ओकरा लोकहितमे प्रगट करब (साधना)
- (C) पैसा कमाबय क साधन
- (D) झूठ बोलनाय

३५. प्रथम सर्गक दार्शनिक पाँतीसभमे ककर प्रभाव सभसँ स्पष्ट देखाइत अछि?

- (A) विदेशी उपन्यासक
- (B) भारतीय वेदान्त, उपनिषद आ साङ्ख्य दर्शनक
- (C) केवल विज्ञानक
- (D) कोनो दर्शन नहि

३६. काव्यमे प्रयुक्त 'अमूर्त' (Abstract) भावसभकेँ कवि कोना प्रस्तुत केने छथि?

- (A) मूर्तिक रूप दऽ कऽ (मूर्त बिम्बसभक माध्यम सँ)
- (B) छोड़ि देलनि
- (C) कठिन भाषा सँ
- (D) केवल श्लोक सँ

३७. प्रथम सर्गमे 'वसुन्धरा' (पृथ्वी) क केहन रूप अछि?

- (A) नीरस
- (B) सभकेँ अन्न-जल देबा वली क्षमाशील माताक समान
- (C) क्रोधित
- (D) कारी

३८. सुमन जीक अलङ्कार-योजनाक पैघ विशेषता की अछि?

- (A) ओ केवल सजावट लेल अछि
- (B) ओ भावकेँ गम्भीर आ स्पष्ट करबामे सहायक होइत अछि (भावानुकूल)
- (C) ओ नीरस अछि
- (D) ओ विदेशी अछि

३९. प्रथम सर्गक विमर्श पाठकसभक मनमे कोन भाव जाग्रत करैत अछि?

- (A) केवल भयक
- (B) उदात्त चिन्तन, गम्भीरता आ अलौकिक आनन्दक
- (C) क्रोधक
- (D) हास्यक

४०. प्रथम सर्ग कतय समाप्त होइत अछि?

- (A) कथाक आरम्भिक संकेत आ द्वितीय सर्गक आगमनक भूमिकासँ
- (B) युद्ध पर
- (C) नायकक मरण पर
- (D) विवाह पर

भाग ३: द्वितीय सर्ग - दत्त-वतीक सौन्दर्य आ चरित्र-प्रवेश

४१. द्वितीय सर्गमे मुख्य रूप सँ ककर चरित्र आ रूपक विशद वर्णन कएल गेल अछि?

- (A) एकटा राजाक
- (B) नायिका दत्त-वतीक (सौन्दर्य आ मानसिक रूप)
- (C) एकटा राक्षसक
- (D) सखीक

४२. दत्त-वतीक 'सौन्दर्य' केँ सुमन जी ककरा सँ ऊपर मानैत छथि?

- (A) केवल भौतिक सुन्दरता सँ
- (B) लौकिक प्रकृतिक सभ उपमा सँ ऊपर (अलौकिक आ आध्यात्मिक सौन्दर्य)
- (C) चान सँ कम
- (D) साधारण

४३. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक 'नेत्र' (आँखि) क उपमा ककरा सँ देल गेल अछि?

- (A) काग सँ
- (B) ज्ञानक अन्तर्दृष्टि आ कोमल कमल-दल सँ मिश्रित विशाल नयन सँ
- (C) छोट आँखि सँ
- (D) बन्द आँखि सँ

४४. दत्त-वतीक 'मुखमण्डल' क चमक ककरा समान अछि?

- (A) कोटि सूर्यक तेज आ शरद पूर्णिमाक निर्मलताक संगम
- (B) अन्हाकर जकाँ
- (C) पीला रंग जकाँ
- (D) दीपक जकाँ

४५. द्वितीय सर्गमे 'नख-शिख' परम्पराकेँ सुमन जी कोना अपनाउने छथि?

- (A) पारम्परिक तर्ज पर मुदा दार्शनिक आ आध्यात्मिक बिम्बसभक सँग
- (B) छोड़ि देलनि
- (C) केवल आभूषणक नाम लिखलनि
- (D) विदेशी शैलीमे

४६. दत्त-वतीक 'बोली' (वचन) क तुलना ककरा सँ कएल गेल अछि?

- (A) शंख सँ
- (B) वीणाक झंकार, वेद-मन्त्रक पवित्रता आ अमृतक धार सँ
- (C) कठोर शब्द सँ
- (D) झरना सँ

४७. दत्त-वतीक 'केश' (चिकुर) क सघनता केहन अछि?

- (A) मेघमाला जकाँ कारी आ अनन्त आकाशक अन्हार जकाँ गम्भीर
- (B) उज्जर
- (C) छोट
- (D) नीरस

४८. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक 'चालि' (गती) केहन वर्णित अछि?

- (A) तेज दौड़बाक
- (B) राजहंस जकाँ मर्यादित, मन्थर आ गरिमापूर्ण
- (C) रुक-रुक कऽ
- (D) उड़य जकाँ

४९. दत्त-वतीक 'हृदय' क स्वभाव केहन बतायल गेल अछि?

- (A) कठोर
- (B) करुणा, दया, त्याग आ पूर्ण समर्पण सँ भरल (क्षीरसागर जकाँ पवित्र)
- (C) स्वार्थी
- (D) उदासीन

५०. कवि दत्त-वतीक 'नासिका' (नाक) क वर्णन कोना केने छथि?

- (A) तिल-पुष्प आ कीर्तिक सीधे दण्ड जकाँ सुघड़
- (B) पैघ
- (C) बाँस जकाँ
- (D) टेढ़

५१. दत्त-वतीक 'ठोर' (अधर) क लाली ककरा सँ पैघ अछि?

- (A) बिम्ब फल सँ
- (B) नव पल्लव आ अनुरागक स्वाभाविक अरुणिमा सँ युक्त
- (C) पीला रंग सँ
- (D) कोनो लाली नहि

५२. द्वितीय सर्गमे दत्त-वती ककर प्रतीक बनि कऽ सामने अबैत अछि?

- (A) एकटा साधारण नारीक
- (B) साधना, श्रद्धा आ आत्म-निवेदनक (Devotion)
- (C) क्रोधक
- (D) वैराग्यक

५३. दत्त-वतीक 'ग्रीवा' (गरदन) क सुन्दरता ककरा जकाँ अछि?

- (A) शंख (कम्बु) जकाँ सुघड़ आ रेखांकित
- (B) डमरू जकाँ
- (C) मटका जकाँ
- (D) बाँस जकाँ

५४. दत्त-वतीक 'हास्य' (मुस्कान) क की प्रभाव होइत अछि?

- (A) सभ डरैत छथि
- (B) चारू कात प्रसन्नता आ सात्त्विक प्रकाश छहरि जाइत अछि
- (C) क्रोध बढ़ैछ
- (D) उदासी अबैछ

५५. सुमन जी दत्त-वतीक 'बाहु' (हाथ) क कोमलता ककरा सँ केने छथि?

- (A) लोहा सँ
- (B) मृणाल (कमलनाल) आ कोमल लताचक्र सँ
- (C) काठ सँ
- (D) पाथर सँ

५६. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक 'चरण' क वन्दना कोना कएल गेल अछि?

- (A) ओ पाथर पर छथि
- (B) जकर डेग सँ पृथ्वी पवित्र भऽ जाइत अछि (लाल कमल जकाँ)
- (C) ओ पैर छोट छैक
- (D) कोनो वन्दना नहि

५७. दत्त-वतीक वस्त्र (परिधान) क रंग आ स्वरूप केहन अछि?

- (A) भङ्कीला
- (B) श्वेत, सात्त्विक आ पवित्रताक सूचक
- (C) कारी
- (D) कोनो वस्त्र नहि

५८. द्वितीय सर्गक आख्यान-शिल्प ककर स्मरण करावैत अछि?

- (A) आधुनिक नाटकक
- (B) संस्कृतक शास्त्रीय नख-शिख वर्णन आ रस-परम्पराक उत्कृष्ट रूपक
- (C) केवल इतिहासक
- (D) अंग्रेजी कविताक

५९. दत्त-वतीक सौन्दर्य देखि ककर गर्व चूर होएबाक बात कवि कहैत छथि?

- (A) कामदेवक पत्नी रति आ प्रकृतिक स्वाभाविक सुन्दरताक
- (B) सैनिकक
- (C) राजाक
- (D) राक्षसक

६०. द्वितीय सर्गक अन्तमे दत्त-वतीक चरित्र कोना स्थापित होइत अछि?

- (A) एकटा कमजोर स्त्री जकाँ
- (B) एकटा दिव्य, उदात्त आ साधना-लीन महानायिकाक रूपमे
- (C) एकटा दासी जकाँ
- (D) क्रोधित रूपमे

भाग ४: प्रथम आ द्वितीय सर्ग - छन्द, लय आ पिङ्गल-शास्त्र

६१. सुमन जी 'दत्त-वती' मे कोन प्रकारक छन्दक प्रयोग बेसी केने छथि?

- (A) केवल अतुकान्त
- (B) शास्त्रीय मात्रिक आ वर्णिक वृत्त छन्द (Pingal शास्त्रक नियमक अनुसार)
- (C) छन्द-हीन गद्य
- (D) केवल फारसी बहर

६२. काव्यक प्रथम सर्गक आरम्भिक पदसभमे 'गति आ यति' (Pause and Flow) क की स्थिति अछि?

- (A) कोनो नियम नहि अछि
- (B) अत्यन्त सुस्पष्ट आ श्रुतिमधुर (कानकें नीक लागय वला) प्रवाह अछि
- (C) गति धीमा अछि
- (D) यति दोष अछि

६३. सुमन जीक छन्द-साधनाकें ककर 'प्रतिमान' (Standard) मानल जाइत अछि?

- (A) आधुनिक गजलक
- (B) शास्त्रीय मैथिली कविता आ छन्दक शुद्धताक
- (C) मुक्त छन्दक
- (D) विदेशी विधाक

६४. द्वितीय सर्गक 'नख-शिख' वर्णनमे छन्दक लय केहन अछि?

- (A) कठोर आ उग्र
- (B) कोमल, मधुर आ शृङ्गार रसक अनुकूल (श्रुतिमधुर)
- (C) नीरस
- (D) कोनो लय नहि

६५. सुमन जीक काव्यमे 'वर्णवृत्त' (Syllabic meters) क प्रयोग की दशावैत अछि?

- (A) भाषाक अज्ञान
- (B) मैथिली भाषाक संस्कृत जकाँ पैघ शास्त्रीय सामर्थ्य
- (C) केवल अनुवाद
- (D) कोनो महत्व नहि

६६. प्रथम आ द्वितीय सर्गमे 'अनुप्रास' (Alliteration) अलंकारक नाद-सौन्दर्य केहन अछि?

- (A) अनावश्यक थोपल गेल
- (B) पदसभक आन्तरिक लय आ संगीतात्मकता बढ़बय वला (झंकृत)
- (C) कर्कश
- (D) कोनो अनुप्रास नहि अछि

६७. 'दत्त-वती' महाकाव्यक गेयता (Singability) क की आधार अछि?

- (A) रेडियो
- (B) छन्दक कठोर शुद्धता आ मात्रिक गतीक नियम
- (C) विदेशी संगीत
- (D) कोनो आधार नहि

६८. सुमन जी अपन काव्यमे 'छन्द-दोष' (Metrical errors) सँ कोना बचैत छथि?

- (A) व्याकरण आ पिंगल शास्त्रक प्रकाण्ड पाण्डित्यक कारणे स्वतः शुद्ध लेखन
- (B) नहि बचैत छथि
- (C) छन्द छोड़ि कऽ
- (D) अंग्रेजी नियम सँ

६९. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक अंग-वर्णन कालमे छन्दक गती की कऽ दैत अछि?

- (A) पाठककें बोर करैछ
- (B) पाठकक मनमे रसक (शृङ्गार/शान्त) स्वाभाविक अनुभूति करावैत अछि
- (C) गति रोकि दैछ
- (D) भय उत्पन्न करैछ

७०. काव्यमे प्रयुक्त 'मात्रा-गिनती' (Mora counting) क नियम मैथिलीक कोन प्रकृतिक अनुकूल अछि?

- (A) हिन्दीक नियम जकाँ
- (B) मैथिलीक विशिष्ट उच्चारण (ह्रस्व-दीर्घक स्थानीय नियम) क अनुकूल
- (C) अंग्रेजी नियम
- (D) कोनो नियम नहि

७१. सुमन जीक छन्द-योजना नव लेखकसभक लेल की थिक?

- (A) एकटा कठिन रास्ता
- (B) एकटा प्रामाणिक पाठ्य-पुस्तक वा मार्गदर्शक जकाँ (पिंगलक व्यावहारिक रूप)
- (C) अनावश्यक
- (D) पुराना फैशन

७२. प्रथम सर्गक 'काल-वर्णन' मे छन्दक स्वरूप केहन अछि?

- (A) धीमा आ गम्भीर (मन्दाक्रान्ता जकाँ)
- (B) तेज
- (C) चंचल
- (D) हास्यपूर्ण

७३. द्वितीय सर्गमें 'दत्त-वती' क मानसिक पवित्रता प्रगट करबाक लेल छन्दमे कोन गुण अछि?

- (A) ओज गुण
- (B) प्रसाद गुण आ माधुर्य गुणक सात्त्विक रूप
- (C) कर्कशता
- (D) कोनो गुण नहि

७४. सुमन जीक अतुकान्त पदसभमे सेहो की सुरक्षित रहैत अछि?

- (A) कोनो नियम नहि रहैछ
- (B) आन्तरिक लय, छन्दक मात्रा आ गतीक कठोर नियम
- (C) केवल गद्य
- (D) उर्दू बहर

७५. काव्यक 'ध्वनि-साम्य' (Sound harmony) क की महत्व अछि?

- (A) ई कानकें नीक लागैछ आ रस पुष्ट करैछ
- (B) ई कठिन होइछ
- (C) ई अर्थ बदलैछ
- (D) कोनो महत्व नहि

७६. 'दत्त-वती' क छन्द-शास्त्र पर विदेह पत्रिकाक आलोचना की कहैत अछि?

- (A) ई कमजोर अछि
- (B) ई मैथिली पिंगल-परम्पराक एकटा मीलक पाथर (Milestone) अछि
- (C) ई अशास्त्रीय अछि
- (D) ई केवल गजल अछि

७७. द्वितीय सर्गमें छन्दक उतार-चढ़ाव ककरा संग बदलैत अछि?

- (A) कागजक संग
- (B) नायिकाक भाव आ सौन्दर्यक क्रमिक विकासक संग
- (C) कविक मूडक संग
- (D) मौसमक संग

७८. सुमन जीक कवितामे 'वर्ण-मैत्री' (Harmony of syllables) क की अर्थ अछि?

- (A) अक्षरसभक बीच शत्रुता
- (B) समान वर्गक वर्णसभक (जहिना क-वर्ग वा च-वर्ग) संग-संग प्रयोग सँ मधुरता
- (C) अंग्रेजी अक्षर
- (D) कोनो नहि

७९. छन्दक दृष्टिसँ 'दत्त-वती' क प्रथम दुनू सर्गक पाठ कोना कएल जाबाक चाही?

- (A) मनमे चुपचाप
- (B) सस्वर पाठ (लयबद्ध गान जकाँ) जाहि सँ ओकर नाद प्रकट होय
- (C) तेज दौड़ि कऽ
- (D) चिल्ला कऽ

८०. सुमन जीक छन्द-सिद्धान्त ककर परिपक्व रूप थिक?

- (A) पाश्चात्य मीटरक
- (B) मिथिलाक प्राचीन छन्द-परम्परा आ जयदेव-विद्यापति सँ आबि रहल लयकर
- (C) केवल फारसीक
- (D) कोनो नहि

भाग ५: दार्शनिक विमर्श, वेदान्त आ रूपक-तत्त्व

८१. 'दत्त-वती' महाकाव्यक अंतर्धारा मुख्य रूप सँ कोन भारतीय दर्शन सँ अनुप्राणित अछि?

- (A) शून्यवादी दर्शन सँ
- (B) वेदान्त, साङ्ख्य आ उपनिषदक अद्वैत चेतना सँ
- (C) पाश्चात्य भौतिकवाद सँ
- (D) चारवाक दर्शन सँ

८२. काव्यमे 'दत्त' (Dedicated) शब्दक दार्शनिक अर्थ की थिक?

- (A) कर्ज
- (B) जीवात्माक परमात्माक प्रति पूर्ण आत्मसमर्पण आ विसर्जन
- (C) धनक दान
- (D) भागि जेबाक क्रिया

८३. प्रथम सर्गमे 'सृष्टि-प्रक्रिया' क वर्णन ककरा जकाँ अछि?

- (A) एकटा वैज्ञानिक विस्फोट
- (B) ईश्वरीय इच्छा (माया) सँ अव्यक्त सँ व्यक्त होमय वली दार्शनिक लीला
- (C) जादू
- (D) काल्पनिक कहानी

८४. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक सौन्दर्य ककर 'रूपक' (Allegory) थिक?

- (A) केवल एकटा सुन्दरी स्त्रीक
- (B) शुद्ध बुद्धि, श्रद्धा आ भक्ति (Spiritual Devotion) क
- (C) वासनाक
- (D) मायाक

८५. सुमन जीक अनुसार 'जीवात्मा' क गन्त्यव्य (लक्ष्य) की अछि?

- (A) संसारमे फँसल रहब
- (B) परमात्मामे विलीन भऽ कऽ मोक्ष प्राप्त करब
- (C) धन जम्मा करब
- (D) युद्ध करब

८६. काव्यमे 'अविद्या' वा 'माया' क स्वरूप कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) एकटा स्त्री
- (B) अज्ञानक अन्हार जे सत्यकें झाँपि दैत अछि
- (C) प्रकाश जकाँ
- (D) कोनो रूप नहि

८७. प्रथम सर्गमे 'पुरुष' (Purusha) शब्द ककर द्योतक अछि?

- (A) साधारण मर्द
- (B) परम ब्रह्म, चेतना वा परमात्मा (Supreme Soul)
- (C) राजा विराट
- (D) कीचक

८८. 'दत्त-वती' क रूपक-कथा (Allegorical story) पाठककें की समझबैत अछि?

- (A) केवल राजा-रानीक कथा
- (B) मानव जीवनक आध्यात्मिक यात्रा आ साधना क रहस्य
- (C) युद्ध कौशल
- (D) पशु-पक्षियोंक कथा

८९. सुमन जीक चिन्तनमे 'सत्य' क की परिभाषा अछि?

- (A) जे बदलैत रहय
- (B) जे तीनों कालमे अपरिवर्तित आ नित्य अछि (शाश्वत सत्य)
- (C) जे केवल आँखि सँ देखाय
- (D) झूठक समरूप

९०. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक सात्त्विक श्रृंगार ककर प्रतीक थिक?

- (A) वासना आ भोगक
- (B) पवित्रता, शुचिता आ निष्काम प्रेमक (Pure Divine Love)
- (C) अहंकार क
- (D) गरीबी क

९१. काव्यमे प्रयुक्त 'साधना' तत्त्व की थिक?

- (A) मन्त्र जपि कऽ जादू करब
- (B) मन आ इन्द्रियसभकेँ वशमे कऽ आत्मज्ञान प्राप्त करबाक प्रक्रिया
- (C) पहाड़ पर भागि जाइब
- (D) किछु नहि

९२. सुमन जीक दर्शन पर मिथिलाक कोन प्राचीन परम्पराक प्रभाव अछि?

- (A) केहू क नहि
- (B) मीमांसा, न्याय आ शङ्कराचार्यक अद्वैत वेदान्त परम्पराक
- (C) केवल बौद्ध दर्शनक
- (D) विदेशी दर्शनक

९३. प्रथम सर्गमे 'सृष्टि आ प्रलय' केँ की बताएल गेल अछि?

- (A) ई ईश्वरक खेल (लीला) आ स्वाभाविक नियम अछि
- (B) ई दुर्घटना अछि
- (C) ई मनुष्य केने अछि
- (D) कोनो नियम नहि अछि

९४. दत्त-वतीक 'नख-शिख' वर्णनमे 'अलौकिक' बिम्ब की सिद्ध करैत अछि?

- (A) जे ओ परी छलीह
- (B) जे ओकर शरीर साक्षात् दिव्य चेतना सँ निर्मित अछि
- (C) जे ओ साधारण नारी छलीह
- (D) कोनो सिद्ध नहि करैछ

९५. सुमन जीक अनुसार 'अहङ्कार' (Ego) क की परिणाम होइत अछि?

- (A) उन्नति
- (B) पतन आ सत्य सँ दूरी (आत्माक बन्धन)
- (C) ज्ञान प्राप्ति
- (D) शान्ति

९६. काव्यमे 'चित्-शक्ति' क प्रकटीकरण ककर माध्यम सँ होइत अछि?

- (A) राक्षस सँ
- (B) नायिका दत्त-वतीक चरित्र आ रूपक माध्यम सँ
- (C) केवल राजा सँ
- (D) काठ सँ

९७. प्रथम आ द्वितीय सर्गक वैचारिक गम्भीरता ककर समकक्ष अछि?

- (A) साधारण लोककथा जकाँ
- (B) गीता, उपनिषद आ दार्शनिक ग्रन्थसभक ऊँचाईक समकक्ष
- (C) समाचार पत्र जकाँ
- (D) कोनो नहि

९८. काव्यमे प्रयुक्त शब्द 'मुमुक्षु' क की अर्थ होइत अछि समकालीन विमर्शमे?

- (A) मोक्षक इच्छा रखय वला साधक (Seeker of Liberation)
- (B) चोर
- (C) राजा
- (D) शत्रु

९९. सुमन जीक दत्त-वतीक दार्शनिक समीक्षा विदेहमे कोना कएल गेल अछि?

- (A) एकरा नीरस कहल गेल
- (B) एकरा मैथिलीक 'आध्यात्मिक-वैचारिक' पुनर्जागरणक कालजयी कृति मानल गेल
- (C) एकरा कहानी कहल गेल
- (D) कोनो समीक्षा नहि भेल

१००. दार्शनिक रूप सँ 'दत्त-वती' क पठन पाठककें कतय लऽ जाइत अछि?

- (A) संसारिक वासनामे
- (B) आत्म-चिन्तन, विवेक आ आन्तरिक शान्ति दिस
- (C) भयमे
- (D) क्रोधमे

भाग ६: काव्य-गुण, रस-परम्परा आ समीक्षा

१०१. 'दत्त-वती' क प्रथम आ द्वितीय सर्गमे मुख्य रूप सँ कोन काव्य-गुणक प्राधान्य अछि?

- (A) केवल ओज गुण
- (B) प्रसाद गुण आ माधुर्य गुणक अलङ्कृत रूप
- (C) कर्कश गुण
- (D) कोनो गुण नहि

१०२. सुमन जीक रस-योजना ककर पारम्परिक नियमक पूर्णतः पालन करैत अछि?

- (A) भरत मुनि आ मम्मटक रस-सिद्धान्त (शास्त्रीय काव्यशास्त्र) क
- (B) पाश्चात्य थ्योरी क
- (C) केवल आधुनिक गजलक
- (D) कोनो नियम नहि

१०३. प्रथम सर्गक आरम्भमे 'अद्भुत रस' क प्रतीति कोना होइत अछि?

- (A) युद्ध सँ
- (B) सृष्टिक अनन्तता, रहस्य आ ईश्वरीय शक्तिक विराट रूपक वर्णन सँ
- (C) चुटकुला सँ
- (D) भय सँ

१०४. द्वितीय सर्गमे 'शृङ्गार रस' क केहन स्वरूप देखाइत अछि?

- (A) अश्लील आ लौकिक
- (B) सात्त्विक, मर्यादित, उदात्त आ आध्यात्मिक शृङ्गार
- (C) वीभत्स
- (D) करुण मात्र

१०५. सुमन जीक आलोचना-दृष्टि आ समीक्षा-पद्धति साहित्यमे की कहलावैत अछि?

- (A) सतही समीक्षा
- (B) शास्त्र-सम्मत, वस्तुनिष्ठ, तथ्यपरक आ गम्भीर समीक्षा
- (C) केवल गुटबाजी
- (D) कोनो समीक्षा नहि

१०६. काव्यमे प्रयुक्त 'व्यञ्जना' (Suggestion) शक्तिक की महत्व अछि?

- (A) शब्दक सीधा अर्थ देब
- (B) शब्दक आन्तरिक, गम्भीर आ दार्शनिक अर्थ व्यंग्य/संकेत सँ प्रगट करब (ध्वनि-काव्य)
- (C) व्याकरणक भूल
- (D) कोनो महत्व नहि

१०७. प्रथम आ द्वितीय सर्गक तुलनात्मक अध्ययन ककरा सँ कएल जा सकैत अछि?

- (A) साधारण लोकगीत सँ
- (B) संस्कृतक कुमारसम्भव, नैषध आ कामायनी जकाँ दार्शनिक महाकाव्यसभ सँ
- (C) समाचार पत्र सँ
- (D) अंग्रेजी लघु-कथा सँ

१०८. सुमन जीक कवितामे 'रीति' (Style) कोन अछि पारम्परिक शास्त्रक अनुसार?

- (A) पाञ्चाली
- (B) वैदर्भी आ गौड़ी ऋतिक सुन्दर समन्वय (अलङ्कृत गम्भीर रूप)
- (C) लाटी
- (D) कोनो रीति नहि अछि

१०९. 'दत्त-वती' क आख्यान-प्रवाह (Narrative flow) प्रथम दुनू सर्गमे केहन अछि?

- (A) तेज दौड़ैत
- (B) मन्थर, विचार-प्रधान, गम्भीर आ क्रमिक
- (C) सुस्त आ नीरस
- (D) कोनो प्रवाह नहि

११०. काव्यमे प्रयुक्त 'उदात्त' (Sublime) तत्त्व की थिक?

- (A) छोट विचार
- (B) उच्च नैतिक, दार्शनिक आ काव्यात्मक ऊँचाई जे पाठकक चेतनाकेँ ऊपर उठाबैत अछि
- (C) क्रोध
- (D) भय

१११. द्वितीय सर्गमे 'दत्त-वती' क रूप-वर्णन पढ़ि कऽ आलोचक की कहैत छथि?

- (A) ई केवल श्रृंगार अछि
- (B) ई साक्षात् प्रकृतिक आन्तरिक सौन्दर्यक दार्शनिक प्रकटीकरण थिक
- (C) ई बुझब असम्भव अछि
- (D) कोनो टिप्पणी नहि

११२. सुमन जीक 'दत्त-वती' महाकाव्यक प्रकाशन ककर अवदान मानल जाइत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक शास्त्रीय गौरव आ भाषाई समृद्धिक चरमोत्कर्ष
- (B) कागजक पतन
- (C) केवल प्रकाशकक लाभ
- (D) कोनो महत्व नहि

११३. प्रथम सर्गमे 'मंगलाचरण' क कतेक भेद सुमन जी अपनाउने छथि?

- (A) एक
- (B) आशीर्वादात्मक, नमस्कारात्मक आ वस्तु-निर्देशात्मक (तीनों क सुन्दर समन्वय)
- (C) कोनो नहि
- (D) केवल निन्दा

११४. सुमन जीक 'शब्दावली' (Vocabulary) पाठककें की करैत अछि?

- (A) डराबैत अछि
- (B) मैथिली आ संस्कृतक समृद्ध शब्द-भण्डार सँ परिचित आ चमत्कृत करैत अछि
- (C) भूलि जाइत अछि
- (D) कोनो प्रभाव नहि

११५. काव्यमे 'विवर्त' वा 'सृष्टि-भ्रम' क दार्शनिक प्रसंग कतय भेटैत अछि?

- (A) केवल द्वितीय सर्गमे
- (B) प्रथम सर्गक आरम्भिक दार्शनिक विमर्शमे
- (C) काव्यक अन्तमे
- (D) कोनो नहि

११६. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक 'लज्जा' कें कवि की कहने छथि?

- (A) ओकर कमजोरी
- (B) ओकर सात्त्विक सौन्दर्यक आभूषण आ मर्यादा
- (C) अहंकार
- (D) कायरता

११७. सुमन जीक 'दत्त-वती' पर भऽ रहल समकालीन शोधक मुख्य विषय की अछि?

- (A) किताबक छपाई
- (B) एकर छन्द-विधान, रूपक-संरचना आ वेदान्तिक चेतनाक विश्लेषण
- (C) केवल कविक जीवनी
- (D) कोनो शोध नहि भऽ रहल अछि

११८. प्रथम आ द्वितीय सर्गमे प्रयुक्त 'समास' (Compounds) क की विशेषता अछि?

- (A) ओ वाक्यकें नीरस करैछ
- (B) संस्कृतक जकाँ सुगठित आ ध्वन्यात्मक रूप सँ ओजस्वी समास-पदसभक प्रयोग
- (C) समास अछि ये नहि
- (D) अंग्रेजी जकाँ

११९. सुमन जीक काव्य-साधना कें 'ऋषि-तुल्य' किएक कहल गेल अछि?

- (A) ओ जंगलमे रहैत छलाह
- (B) ओ साहित्यकें केवल मनोरंजन नहि सात्त्विक साधना आ तपस्या मानैत छलाह
- (C) ओ युद्ध करैत छलाह
- (D) कोनो कारण नहि

१२०. ई १४० प्रश्नक 'दत्त-वती (सुरेश झा सुमन)' क्विज ककर प्रस्तुति थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ७: अकादमिक समीक्षा आ समकालीन शोध-रुझान

१२१. समकालीन शोधक अनुसार 'दत्त-वती' क प्रथम दुनू सर्गक मुख्य अकादमिक मूल्य की अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) मैथिली भाषाक दार्शनिक गम्भीरता आ अलङ्कृत महाकाव्यक मानक स्थापित करब
- (C) केवल कहानी जानब
- (D) कोनो मूल्य नहि

१२२. सुमन जीक 'दत्त-वती' क आवरण (Cover) डिजाइन लेल समकालीन समयमे की उपयुक्त मानल जाइछ?

- (A) आधुनिक अमूर्त आर्ट
- (B) मिथिला चित्रकलाक 'सात्त्विक आ तान्त्रिक/दार्शनिक मण्डल' वा 'श्रद्धा-समर्पण' क सूचक मोटिफ
- (C) केवल कार्टून
- (D) विदेशी फोटो

१२३. विदेह आर्काइवमे सुमन जीक रचनासभक 'डिजिटलाइजेशन' (Digitalization) किएक कएल गेल अछि?

- (A) किताब नष्ट करबाक लेल
- (B) वैश्विक शोधार्थीसभ लेल सुमन जीक पाण्डित्य आ छन्द-शुद्धताकें इन्टरनेट पर जनसुलभ करबाक लेल
- (C) पैसा कमाबय लेल
- (D) कोनो कारण नहि

१२४. सुमन जीक वैयाकरणिक शुद्धता 'दत्त-वती' मे कोना देखाइत अछि?

- (A) व्याकरणक भूल अछि
- (B) एक-एक शब्दक विभक्ति, सन्धि आ कारकक नियम पूर्णतः शास्त्र-सम्मत अछि
- (C) हिन्दी व्याकरण अछि
- (D) अंग्रेजी जकाँ

१२५. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक 'आत्म-निवेदन' (Self-surrender) क विभाव की थिक?

- (A) क्रोध
- (B) ईश्वरक प्रति अनन्य अनुराग आ अहङ्कार क पूर्ण शून्यता
- (C) भय
- (D) स्वार्थ

१२६. प्रथम सर्गक 'वस्तु-निर्देश' मे ककर संकेत स्पष्ट भेटैत अछि?

- (A) विवाहक
- (B) जीवात्माक यात्रा आ साधना क आरम्भिक मार्गक
- (C) युद्धक
- (D) पतनक

१२७. सुमन जीक कवितामे 'बिम्ब-विधान' (Imagery) क की स्वरूप अछि?

- (A) काल्पनिक आ असम्बद्ध
- (B) प्रकृति सँ लेल गेल उदात्त, दार्शनिक आ सर्वथा नूतन बिम्बसभक प्रयोग
- (C) नीरस बिम्ब
- (D) कोनो बिम्ब नहि अछि

१२८. समकालीन मैथिली काव्य-शास्त्रमे सुमन जीकें की उपाधि देल जाइत अछि?

- (A) केवल कथाकार
- (B) मैथिलीक छन्द-शिरोमणि, आचार्य आ युग-निर्माता कवि
- (C) छन्द-विरोधी
- (D) विदेशी विधाक कवि

१२९. प्रथम सर्गमे 'आदि शक्ति' क वन्दना ककर सूचक थिक?

- (A) कमजोरी क
- (B) सृष्टिक मूल ऊर्जा आ प्रकृतिक साक्षात् स्वरूपक सम्मान
- (C) क्रोध क
- (D) भयक

१३०. द्वितीय सर्गक 'सौन्दर्य-बोध' (Aesthetics) क मुख्य तत्त्व की अछि?

- (A) केवल शारीरिक आकर्षण
- (B) शारीरिक सुन्दरताक माध्यम सँ आन्तरिक ईश्वरीय दिव्यताप्रेम क प्रकटीकरण
- (C) कुरूपता
- (D) उदासी

१३१. सुमन जीक 'दत्त-वती' क प्रलेखन (Documentation) विदेहमे कोना सुव्यवस्थित अछि?

- (A) नहि अछि
- (B) विदेह समानान्तर पोथी आ आर्काइवमे यूनिकोड टेक्स्ट आ समीक्षाक सङ्ग सुरक्षित अछि
- (C) केवल नाम अछि
- (D) कागज पर अछि

१३२. प्रथम सर्गमे 'सृष्टि-गीत' क लय केहन लागैत अछि?

- (A) नीरस
- (B) गम्भीर, नाद-सौष्ठवपूर्ण आ उपनिषदक श्लोक जकाँ पावन
- (C) तेज
- (D) हास्यपूर्ण

१३३. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक 'अङ्ग-प्रत्यङ्ग' क तुलना ककर सँ कएल गेल अछि?

- (A) बाजारक वस्तु सँ
- (B) प्रकृतिक सर्वश्रेष्ठ, पवित्र आ सुकुमार अवदानसभ (जैसे कमल, मृणाल, चन्द्र) सँ
- (C) पाथर सँ
- (D) लोहा सँ

१३४. सुमन जीक काव्य-भाषाक मानकीकरण (Standardization) की सिद्ध करैत अछि?

- (A) मैथिलीक पतन
- (B) मैथिलीक क्लासिकल रूप आ ओकर समृद्ध साहित्यिक परम्परा क सामर्थ्य
- (C) कठिनता मात्र
- (D) कोनो नहि

१३५. प्रथम सर्गमे प्रयुक्त 'ऋत' आ 'सत्य' क सम्बन्ध की थिक?

- (A) दुनू विरोधी अछि
- (B) ऋत वैश्विक नियम थिक आ सत्य ओकर मूलाधार (दुनू ईश्वरीय रूप थिक)
- (C) दुनू झूठ अछि
- (D) कोनो सम्बन्ध नहि

१३६. द्वितीय सर्गमे दत्त-वतीक चरित्रक 'उदात्तता' ककर प्रतीक थिक?

- (A) कायरता क
- (B) मानव चेतनाक सर्वोच्च काव्यात्मक आ आध्यात्मिक विकासक
- (C) मूर्खता क
- (D) क्रोध क

१३७. सुमन जीक महाकाव्यक 'अतुक्रान्त' प्रवाह (Blank verse flow) की शिक्षा दैत अछि?

- (A) बिना नियमक लिखब
- (B) तुकक बिना सेहो छन्दक मात्रा आ गतीक कड़ा अनुशासन कोना सम्भव अछि (शिल्प-ज्ञान)
- (C) कविता छोड़ब
- (D) गजलक नकल करब

१३८. प्रथम आ द्वितीय सर्गक मुख्य दार्शनिक निष्कर्ष की थिक?

- (A) संसार निरर्थक अछि
- (B) सृष्टि ईश्वरीय सत्ताक प्रकटीकरण अछि आ श्रद्धा/समर्पण (दत्त-वती) हे ईश्वर प्राप्ति क मार्ग थिक
- (C) युद्ध अनिवार्य अछि
- (D) केवल धन कमाउ

१३९. आचार्य सुमन जीक 'दत्त-वती' क अकादमिक पठन ककरा लेल अनिवार्य मानल जाइत अछि?

- (A) केवल बालकों लेल
- (B) मैथिली साहित्यक उच्च शोधार्थी, छन्द-प्रेमी आ दार्शनिक समीक्षकसभक लेल
- (C) विज्ञानक छात्र लेल
- (D) कोनो अनिवार्य नहि अछि

१४०. ई १४० प्रश्नक 'दत्त-वती (सर्ग १ आ २)' क्विज ककर डिजिटल आर्काइवक हिस्सा थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय ७ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) सुरेश झा 'सुमन' (सुरेन्द्र झा 'सुमन') — ई महाकाव्य मैथिली साहित्यक शीर्ष पुरुष, आचार्य सुरेन्द्र झा 'सुमन' (साहित्यिक नाम सुरेश झा 'सुमन') द्वारा रचित अछि।

२. (B) बल्लभापुर (दरभंगा जिला) — सुमन जीक जन्म दरभंगा जिलाक बल्लभापुर गाममे भेल छल, जे हिनक प्रकाण्ड पाण्डित्यक केन्द्र रहल।

३. (B) मंगलाचरण, देव-वन्दना आ वस्तु-निर्देश — शास्त्रीय महाकाव्यक नियमक अनुसार प्रथम सर्गक प्रारम्भ मंगलाचरण, वाग्देवीक स्तुति आ कथाक पीठिका सँ होइत अछि।

४. (B) सरस्वती (वाग्देवी) आ पराशक्ति क — ओ वाग्देवी सरस्वती आ आदिप्रकृतिक स्तुति कऽ अपन लेखनीकें अलङ्कृत आ भावपूर्ण बनेबाक आग्रह करैत छथि।

५. (B) क्लासिकल, पाण्डित्यपूर्ण आ अलङ्कृत शैली — सुमन जी संस्कृत आ मैथिली दुनूक प्रखर विद्वान छलाह, ताहि लेल हिनक शैली अलङ्कृत, तत्सम-प्रधान आ क्लासिकल थिक।

६. (A) काल्पनिक आ दार्शनिक रूपक — ई महाकाव्य दार्शनिक गम्भीरता, रूपक आ आध्यात्मिक चेतना पर आधारित एकटा मौलिक आ अलङ्कृत प्रबन्ध-काव्य थिक।

७. (B) दान आ समर्पण सँ युक्त चेतना वा दैवी सत्ता — दत्त-वती (दत्त = समर्पित, वती = युक्त) साक्षात् समर्पण आ आत्मिक चेतनाक दार्शनिक प्रतीक थिकीह।

८. (B) पत्रकारिता, व्याकरण आ शास्त्रीय छन्द-लेखन दुनूक — सुमन जी एक सङ्ग पत्रकार, प्रकाशक, वैयाकरण, छन्द-शास्त्री आ महाकवि छलाह।

९. (A) प्रकृतिक शान्त वातावरण आ सृष्टिक रहस्यक — आरम्भिक पदसभमे प्रकृतिक गम्भीरता, आकाश, पृथ्वी आ ईश्वरीय सत्ताक दार्शनिक सम्बन्धक चित्रण अछि।

१०. (B) शान्त, शृङ्गार आ अद्भुत रसक समन्वय — एहि काव्यमे दार्शनिक विमर्शक कारण शान्त रस आ सौन्दर्य वर्णनक कारण शृङ्गार रसक सुन्दर समन्वय अछि।

११. (B) दीर्घ समासयुक्त, ओजस्वी आ तत्सम-प्रधान शब्दसभ सँ — सुमन जीक शब्द-चयन संस्कृतक कादम्बरी वा भारविक काव्य जकाँ समास-प्रधान आ अर्थ-गम्भीर होइछ।
१२. (B) काव्यक मूल विषय-वस्तु आ दार्शनिक पीठिकाक संकेत — महाकाव्यक नियम थिक जे मंगलाचरणक सङ्ग-सङ्ग कथाक दिशा (वस्तु-निर्देश) क संकेत पहिल सर्गमे हे दऽ देल जाय।
१३. (A) दुर्जन-निन्दा (दुष्टक निन्दा) — संस्कृत महाकाव्यक परम्परा जकाँ सुमन जी सज्जनक महत्व आ दुष्टक प्रवृत्तिक निन्दा कऽ काव्यक उद्देश्य स्पष्ट करैत छथि।
१४. (B) एकटा आध्यात्मिक वा रूपक-मूलक राजाक — एहिमे एकटा आदर्श राजा आ ओकर शासनक माध्यम सँ मानव मनक आ आत्माक साम्राज्यक रूपक गढ़ल गेल अछि।
१५. (B) अत्यन्त अनुशासित आ मात्रिक/वर्णिक छन्दक नव-प्रयोग सँ युक्त — सुमन जी छन्दक राजा छलाह, हिनक एक-एक पाँती पिंगल शास्त्रक कसौटी पर शत-प्रतिशत शुद्ध होइछ।
१६. (B) काव्यक पृष्ठभूमि, दर्शन, सौन्दर्य आ पात्रक मानसिक विकासक — प्रारम्भिक दुनू सर्ग प्रकृतक सौन्दर्य, दार्शनिक विमर्श आ रूपक-कथाक आधार बान्हैत अछि।
१७. (B) एहिमे कविक अगाध पाण्डित्य, व्याकरण आ दर्शनक गम्भीर ज्ञान देखाइत अछि — हिनक कविता पढ़बाक लेल पाठककेँ भाषा आ साहित्यक नीक व्याकरणिक ज्ञान होएब आवश्यक अछि।
१८. (B) सृष्टि आ प्रलयक चक्रक रूपमे अनन्त कालक दार्शनिक रूप — कालक गम्भीरता आ ओकर नश्वरता पर सुमन जीक चिन्तन उपनिषदक जकाँ गम्भीर अछि।
१९. (B) ई मैथिलीक प्रबुद्ध आ शास्त्रीय महाकाव्यक मूर्धन्य उदाहरण थिक — ई महाकाव्य मैथिली भाषाक उच्च दार्शनिक आ साहित्यिक क्षमताक सर्वोच्च प्रमाण मानल जाइत अछि।
२०. (B) सर्गान्तमे छन्द-परिवर्तनक शास्त्रीय महाकाव्यात्मक नियमक पालन — नियम अछि जे प्रत्येक सर्गक अन्तमे छन्दक परिवर्तन कएल जाय जे आगाँक सर्गक आगमनक सूचक थिक।
२१. (B) पुरुष (परमात्मा) वा चेतनाक — प्रकृति आ पुरुष (ईश्वर) क दार्शनिक सम्बन्धकेँ सुमन जी बिम्बसभक माध्यम सँ स्पष्ट करैत छथि।
२२. (A) एकटा विशाल नील छत्र वा अनन्त शून्य सँ — अनन्त व्योमकेँ ओ चेतनाक विशाल नील छत्रक समान अलङ्कृत भाषा संसारमे वर्णित केने छथि।
२३. (B) ज्ञानक प्रकाश आ नव जागरणक — मार्तण्ड (सूर्य) क उदय साक्षात् अज्ञानक अन्धार मिटा कऽ ज्ञानक नव सूर्योदय थिक।
२४. (B) सृष्टिक शाश्वत प्राकृतिक आ नैतिक नियमक — वेदान्तक 'ऋत' (Cosmic Order) केँ सुमन जी प्रकृतिक अनुशासनक रूपमे देखने छथि।
२५. (B) सुगन्धित, मन्द आ प्राणाधार (प्राणवायु जकाँ) — पवनक मन्द गतीकेँ ओ जगतक प्राण-शक्तिक संचरणक रूपमे दार्शनिक बिम्ब देने छथि।
२६. (B) मानवीकरण (Personification) आ सांगरूपकक — ओ प्रकृतिक जड़ वस्तु (जेना उषा, सन्ध्या, वन) केँ एकटा सजीव चेतना वा नारीक रूपमे मानवीकृत केने छथि।
२७. (A) एकटा उदास संन्यासिनी जकाँ जे अन्धार क ओढ़ना ओढ़ैत अछि — दिनक अवसानक बाद सन्ध्याक आगमनकेँ ओ एकटा वैराग्ययुक्त संन्यासिनीक समान गम्भीर देखने छथि।
२८. (A) आन्तरिक चेतना आ ईश्वरीय अंशक प्रकटीकरण — हिनक दृष्टि उपनिषदक 'सत्यं शिवं सुन्दरम्' पर आधारित अछि, जतय सौन्दर्य ईश्वरीय सत्ताक रूप थिक।
२९. (B) हरित वस्त्र धारण कएने कोनो तपस्विनी वा सुन्दरी सँ — गाछ-बिरिछ आ हरियालीकेँ ओ वन-देवीक हरित परिधान (वस्त्र) कहने छथि।
३०. (B) आन्तरिक शुद्ध चेतना वा आत्माक — चिति वा चेतना हे दत्त-वतीक दार्शनिक मूलाधार थिक जकर चारु कात कथा बुनला अछि।
३१. (B) अज्ञान, सुषुप्ति आ सृष्टिक मौन अवस्थाक — रातिक अन्धार आत्माक विश्राम आ प्रलयक पूर्व अवस्थाक दार्शनिक रूपक थिक।
३२. (B) कोमल वर्णसभक क्रम, अनुप्रास आ आन्तरिक तुकक प्रवाह सँ — हिनक पदसभकेँ पढ़बा काल एकटा स्वाभाविक संगीतात्मकता स्वतः कानमे गूँजय लगैत अछि।
३३. (A) जीवनक निरन्तरता आ प्रवाहशीलताक — नदीक बहैत जलकेँ ओ समय आ जीवनक अविरल प्रवाहक समान दार्शनिक रूप देने छथि।
३४. (B) सत्यक साक्षात् आ वाणीक माध्यम सँ ओकरा लोकहितमे प्रगट करब (साधना) — ओ कविकेँ एकटा द्रष्टा वा ऋषि मानैत छथि जे अपन साधना सँ सत्यकेँ शब्द रूप दैत अछि।

३५. (B) भारतीय वेदान्त, उपनिषद् आ साङ्ख्य दर्शनक — सुमन जीक चिन्तन भारतीय दर्शनक सनातन सत्य सँ परिपुष्ट अछि।
३६. (A) मूर्तिक रूप दऽ कऽ (मूर्त बिम्बसभक माध्यम सँ) — ओ अदृश्य भाव (जेना त्याग, बुद्धि, चेतना) केँ सुन्दर दृश्य बिम्बमे बदलि कऽ सोझाँ अनलनि अछि।
३७. (B) सभकेँ अन्न-जल देबा वली क्षमाशील माताक समान — पृथ्वीकेँ ओ साक्षात् धैर्य आ धारण-शक्तिक अधिष्ठात्री देवी जकाँ चित्रित केने छथि।
३८. (B) ओ भावकेँ गम्भीर आ स्पष्ट करबामे सहायक होइत अछि (भावानुकूल) — हिनक अलंकार कविता पर थोपल नहि लागैछ, बल्कि भावक सँग स्वतः स्फूर्त निकलैत अछि।
३९. (B) उदात्त चिन्तन, गम्भीरता आ अलौकिक आनन्दक — ई सर्ग पाठककेँ सांसारिकता सँ ऊपर उठा कऽ दार्शनिक गम्भीरताक लोकमे लऽ जाइत अछि।
४०. (A) कथाक आरम्भिक संकेत आ द्वितीय सर्गक आगमनक भूमिकासँ — प्रथम सर्ग सृष्टि आ दर्शनक आधार बान्हि कऽ द्वितीय सर्गमे पात्रक सौन्दर्य-प्रवेश लेल बाट छोड़ि दैत अछि।
४१. (B) नायिका दत्त-वतीक (सौन्दर्य आ मानसिक रूप) — द्वितीय सर्ग पूर्णतः नायिका दत्त-वतीक अपूर्व सौन्दर्य, नख-शिख वर्णन आ ओकर उदात्त चरित्र पर केन्द्रित अछि।
४२. (B) लौकिक प्रकृतिक सभ उपमा सँ ऊपर (अलौकिक आ आध्यात्मिक सौन्दर्य) — दत्त-वतीक रूप केवल हाइ-मांसक सुन्दरता नहि, साक्षात् पवित्रता आ चेतनाक दिव्य प्रकाश थिक।
४३. (B) ज्ञानक अन्तर्दृष्टि आ कोमल कमल-दल सँ मिश्रित विशाल नयन सँ — ओकर आँखि चंचलताक सँग-सँग गम्भीर करुणामयी आ ज्ञानयुक्त बतायल गेल अछि।
४४. (A) कोटि सूर्यक तेज आ शरद पूर्णिमाक निर्मलताक संगम — ओकर मुखक तेज सँ अज्ञानक अन्धार स्वतः दूर भऽ जाइत प्रतीत होइत अछि।
४५. (A) पारम्परिक तर्ज पर मुदा दार्शनिक आ आध्यात्मिक बिम्बसभक सँग — ओकर अंग-प्रत्यंगक वर्णनमे सुमन जी केवल वासनापूर्ण उपमा नहि दऽ कऽ ओकरा आध्यात्मिक ऊँचाई देने छथि।
४६. (B) वीणाक झंकार, वेद-मन्त्रक पवित्रता आ अमृतक धार सँ — ओकर वचन सुनि कऽ हृदयक सम्पूर्ण संताप आ व्याकुलता शान्त भऽ जाइत अछि।
४७. (A) मेघमाला जकाँ कारी आ अनन्त आकाशक अन्धार जकाँ गम्भीर — ओकर लहराइत केशकेँ कवि चेतनाक सघन आवरण कहने छथि।
४८. (B) राजहंस जकाँ मर्यादित, मन्थर आ गरिमापूर्ण — ओकर डेग रखबामे एकटा स्वाभाविक संगीत आ मर्यादा (Dignity) देखाइत अछि।
४९. (B) करुणा, दया, त्याग आ पूर्ण समर्पण सँ भरल (क्षीरसागर जकाँ पवित्र) — ओ साक्षात् समर्पण (दत्त) क प्रतिमूर्ति छिकीह जकर हृदयमे कोनो विकार नहि अछि।
५०. (A) तिल-पुष्प आ कीर्तिक सीधे दण्ड जकाँ सुघड़ — ओकर नासिकाक सुन्दरता ओकर तीक्ष्ण बुद्धि आ कीर्तिक प्रतीक जकाँ अलङ्कृत अछि।
५१. (B) नव पल्लव आ अनुरागक स्वाभाविक अरुणिमा सँ युक्त — ओकर अधरक लालिमा साक्षात् प्रेमाभिव्यक्ति आ अनुरागक सूचक अछि।
५२. (B) साधना, श्रद्धा आ आत्म-निवेदनक (Devotion) — काव्यक दर्शनक अनुसार ओ साक्षात् 'श्रद्धा' क प्रतिरूप छिकीह जे ईश्वर (नायक) दिस अग्रसर होइछ।
५३. (A) शंख (कम्बु) जकाँ सुघड़ आ रेखांकित — ओकर गरदनक त्रिरेखा ओकर ज्ञान आ कण्ठक सुरीलापनक प्रतीक थिक।
५४. (B) चारू कात प्रसन्नता आ सात्त्विक प्रकाश छहरि जाइत अछि — ओकर पवित्र मुस्कान (मन्द हास्य) सँ वातावरणक नकारात्मकता स्वतः नष्ट भऽ जाइत अछि।
५५. (B) मृणाल (कमलनाल) आ कोमल लताचक्र सँ — ओकर हाथ दान आ सेवा लेल सदा तत्पर आ कमलनाल जकाँ कोमल अछि।
५६. (B) जकर डेग सँ पृथ्वी पवित्र भऽ जाइत अछि (लाल कमल जकाँ) — ओकर चरणक न्यास (चलनाय) पृथ्वीकेँ धन्य करैत अछि, जकरा कवि 'पद-पद्म' कहने छथि।
५७. (B) श्वेत, सात्त्विक आ पवित्रताक सूचक — ओकर परिधान ओकर आन्तरिक सात्त्विकता आ शुचिताकेँ प्रगट करैत अछि।
५८. (B) संस्कृतक शास्त्रीय नख-शिख वर्णन आ रस-परम्पराक उत्कृष्ट रूपक — सुमन जीक ई वर्णन महाकवि कालिदासक कुमारसम्भव वा श्रीहर्षक नैषधीयचरितम क पाण्डित्यक याद दिअवैत अछि।
५९. (A) कामदेवक पत्नी रति आ प्रकृतिक स्वाभाविक सुन्दरताक — साक्षात् रति सेहो ओकर आध्यात्मिक आ सात्त्विक रूप देखि अपन भौतिक सुन्दरता पर लज्जित भऽ जाइत अछि।

६०. (B) एकटा दिव्य, उदात्त आ साधना-लीन महानायिकाक रूपमे — सर्गक अन्त धरि पाठक बुझि जाइत छथि जे दत्त-वती कोनो साधारण पात्र नहि, एकटा उच्च आध्यात्मिक सत्ताक प्रतीक थिकीह।
६१. (B) शास्त्रीय मात्रिक आ वर्णिक वृत्त छन्द (Pingal शास्त्रक नियमक अनुसार) — सुमन जी मैथिली पिंगल (छन्द-शास्त्र) क मूर्धन्य आचार्य छलाह, ताहि लेल हिनक छन्द पूर्णतः अनुशासित आ संगीतात्मक होइछ।
६२. (B) अत्यन्त सुस्पष्ट आ श्रुतिमधुर (कानकें नीक लागय वला) प्रवाह अछि — सुमन जीक पदसभमे 'यति' (रुकबाक स्थान) आ 'गति' (प्रवाह) क अद्भुत सामञ्जस्य अछि जे गेयताकें पुष्ट करैत अछि।
६३. (B) शास्त्रीय मैथिली कविता आ छन्दक शुद्धताक — मैथिली साहित्यमे जँ केहू छन्दक शुद्धताक उदाहरण दैत अछि, तँ सुमन जीक रचना शीर्ष पर रहैत अछि।
६४. (B) कोमल, मधुर आ शृङ्गार रसक अनुकूल (श्रुतिमधुर) — नायिकाक सौन्दर्य वर्णन लेल कवि जानि-बुझि कऽ कोमल वर्णसभ आ मधुर लय वला छन्दक चुनाव केने छथि।
६५. (B) मैथिली भाषाक संस्कृत जकाँ पैघ शास्त्रीय सामर्थ्य — वर्णवृत्त (जहिमे अक्षर गिन्ती होइछ) क सफल प्रयोग सँ सुमन जी सिद्ध केलनि जे मैथिली कोनो भी कठिन शास्त्रीय बन्धनमे बह सकैत अछि।
६६. (B) पदसभक आन्तरिक लय आ संगीतात्मकता बढ़बय वला (झंकृत) — अक्षरसभक बार-बार आवृत्ति सँ एकटा स्वाभाविक झंकार उत्पन्न होइछ जे सुमन जीक निज विशेषता थिक।
६७. (B) छन्दक कठोर शुद्धता आ मात्रिक गतीक नियम — छन्द शुद्ध रहला सँ कोनो भी पद पारम्परिक राग-तालमे आसानी सँ गाबल जा सकैत अछि।
६८. (A) व्याकरण आ पिंगल शास्त्रक प्रकाण्ड पाण्डित्यक कारणे स्वतः शुद्ध लेखन — आचार्य सुमन स्वयं वैयाकरण आ छन्द-शास्त्री छलाह, ताहि लेल हिनक काव्य पूर्णतः निर्दोष (Faultless) होइछ।
६९. (B) पाठकक मनमे रसक (शृङ्गार/शान्त) स्वाभाविक अनुभूति करावैत अछि — लयबद्ध छन्द पाठककें रस-मग्न कऽ दैत अछि, ई काव्यक सबसँ पैघ कला थिक।
७०. (B) मैथिलीक विशिष्ट उच्चारण (ह्रस्व-दीर्घक स्थानीय नियम) क अनुकूल — मैथिलीमे बहुतो बेर दीर्घ अक्षर सेहो ह्रस्व पढ़ल जाइछ, सुमन जी एकर सूक्ष्म प्रयोग छन्दमे केने छथि।
७१. (B) एकटा प्रामाणिक पाठ्य-पुस्तक वा मार्गदर्शक जकाँ (पिंगलक व्यावहारिक रूप) — नवोदित कवि सुमन जीक महाकाव्य पढ़ि कऽ छन्दक शुद्धता आ गतीक ज्ञान प्राप्त करैत छथि।
७२. (A) धीमा आ गम्भीर (मन्दाक्रान्ता जकाँ) — दार्शनिक चिन्तन आ कालक गम्भीरता लेल धीमा आ गम्भीर लय वला छन्द उपयुक्त होइत अछि।
७३. (B) प्रसाद गुण आ माधुर्य गुणक सात्त्विक रूप — प्रसाद गुणक कारणे अर्थ तुरंत बुझि जाइछ आ माधुर्य सँ मन प्रसन्न भऽ जाइत अछि।
७४. (B) आन्तरिक लय, छन्दक मात्रा आ गतीक कठोर नियम — भले तुक (Rhyme) नहि हो, मुदा आन्तरिक लय (Rhythm) आ मात्रा-गती कखनो भंग नहि होइछ।
७५. (A) ई कानकें नीक लागैछ आ रस पुष्ट करैछ — समान ध्वनि वला वर्णसभक चयन सँ काव्यमे एकटा अलौकिक सौन्दर्य आबि जाइत अछि।
७६. (B) ई मैथिली पिंगल-परम्पराक एकटा मीलक पाथर (Milestone) अछि — समकालीन शोधार्थी विदेहमे स्वीकार केने छथि जे सुमन जीक छन्द-साधना अद्वितीय अछि।
७७. (B) नायिकाक भाव आ सौन्दर्यक क्रमिक विकासक संग — जहिना-जहिना दत्त-वतीक रूप आ गुणक गम्भीरता बढ़ैछ, छन्दक लय आरो गम्भीर होइत जाइछ।
७८. (B) समान वर्गक वर्णसभक (जहिना क-वर्ग वा च-वर्ग) संग-संग प्रयोग सँ मधुरता — कोमल वर्णसभक मैत्री सँ शृङ्गार आ शान्त रसक अभिव्यक्ति आरो तीव्र भऽ जाइत अछि।
७९. (B) सस्वर पाठ (लयबद्ध गान जकाँ) जाहि सँ ओकर नाद प्रकट होय — शास्त्रीय काव्यक असली आनन्द सस्वर पाठ (Recitation) सँ हे प्राप्त होइत अछि।
८०. (B) मिथिलाक प्राचीन छन्द-परम्परा आ जयदेव-विद्यापति सँ आबि रहल लयकर — ओ मिथिलाक समृद्ध बौद्धिक आ काव्यात्मक विरासतकें आधुनिक युगमे पुनः स्थापित केलनि।
८१. (B) वेदान्त, साङ्ख्य आ उपनिषदक अद्वैत चेतना सँ — सुमन जीक दत्त-वतीक मूलाधार वेदान्तक आत्मा-परमात्माक सम्बन्ध आ साङ्ख्यक प्रकृति-पुरुष विमर्श थिक।

८२. (B) जीवात्माक परमात्माक प्रति पूर्ण आत्मसमर्पण आ विसर्जन — दत्त अर्थात् जे पूर्णतः समर्पित भऽ चुकल अछि, जहाँ अहङ्कार समाप्त भऽ जाइत अछि।
८३. (B) ईश्वरीय इच्छा (माया) सँ अव्यक्त सँ व्यक्त होमय वली दार्शनिक लीला — उपनिषदक दर्शन जकाँ ओ प्रकृतक व्यक्त-अव्यक्त रूपकें ईश्वरीय सत्ताक इच्छा मानैत छथि।
८४. (B) शुद्ध बुद्धि, श्रद्धा आ भक्ति (Spiritual Devotion) क — दत्त-वती साक्षात् श्रद्धा आ शुद्ध बुद्धिक प्रतीक छीकीह जे आत्माकें परमात्मा सँ जोड़ैत अछि।
८५. (B) परमात्मामे विलीन भऽ कऽ मोक्ष प्राप्त करब — काव्यक दार्शनिक सन्देश अछि जे आत्मा अपन निज घर (परमात्मा) दिस सदा अग्रसर रहैछ।
८६. (B) अज्ञानक अन्हार जे सत्यकें झाँपि दैत अछि — अविद्या हे संसारक बन्धनक कारण थिक, जकरा ज्ञानक प्रकाश (सूर्य) सँ नष्ट कएल जाइत अछि।
८७. (B) परम ब्रह्म, चेतना वा परमात्मा (Supreme Soul) — साङ्ख्य आ वेदान्तमे 'पुरुष' शाश्वत, द्रष्टा आ निर्गुण चेतनाकें कहल जाइत अछि।
८८. (B) मानव जीवनक आध्यात्मिक यात्रा आ साधना क रहस्य — बाहरी कथा तँ माध्यम अछि, असली उद्देश्य पाठककें आन्तरिक आध्यात्मिक जाग्रति देनाय अछि।
८९. (B) जे तीनों कालमे अपरिवर्तित आ नित्य अछि (शाश्वत सत्य) — 'सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म' क उपनिषद वाक्य सुमन जीक वैचारिक आधार थिक।
९०. (B) पवित्रता, शुचिता आ निष्काम प्रेमक (Pure Divine Love) — ओकर श्रृंगार लौकिक भोग लेल नहि, बल्कि ईश्वरक प्रति समर्पण लेल पवित्रताक प्रकटीकरण अछि।
९१. (B) मन आ इन्द्रियसभकें वशमे कऽ आत्मज्ञान प्राप्त करबाक प्रक्रिया — दत्त-वतीक चरित्र स्वयं एकटा कठिन साधना क सूचक थिक जे पाठककें प्रेरित करैत अछि।
९२. (B) मीमांसा, न्याय आ शङ्कराचार्यक अद्वैत वेदान्त परम्पराक — मिथिला दर्शनक केन्द्र रहल अछि, सुमन जीक चिन्तन ओही समृद्ध दार्शनिक विरासत सँ रचल-बसल अछि।
९३. (A) ई ईश्वरक खेल (लीला) आ स्वाभाविक नियम अछि — व्यक्त संसार प्रलयमे पुनः अव्यक्त भऽ जाइत अछि आ फेर सृष्टिकें रूपमे प्रगट होइछ, ई ईश्वरक सनातन चक्र थिक।
९४. (B) जे ओकर शरीर साक्षात् दिव्य चेतना सँ निर्मित अछि — कवि सिद्ध करैत छथि जे ओकर एक-एक अङ्ग पवित्रता आ दैवी गुण सँ युक्त अछि।
९५. (B) पतन आ सत्य सँ दूरी (आत्माक बन्धन) — अहङ्कार हे अज्ञानक मूल थिक, दत्त-वती (समर्पण) अहे अहङ्कारक विसर्जन थिक।
९६. (B) नायिका दत्त-वतीक चरित्र आ रूपक माध्यम सँ — दत्त-वती ईश्वरक ओही आह्लादिनी वा चित्-शक्तिक दार्शनिक बिम्ब थिकीह।
९७. (B) गीता, उपनिषद आ दार्शनिक ग्रन्थसभक ऊँचाईक समकक्ष — सुमन जीक महाकाव्य केवल कहानी नहि, कविताक माध्यम सँ लिखल गेल एकटा गम्भीर दर्शन थिक।
९८. (A) मोक्षक इच्छा रखय वला साधक (Seeker of Liberation) — मुमुक्षु ओ साधक थिक जे संसारक बन्धन सँ मुक्त भऽ कऽ मोक्ष चाहैत अछि।
९९. (B) एकरा मैथिलीक 'आध्यात्मिक-वैचारिक' पुनर्जागरणक कालजयी कृति मानल गेल — विदेह आर्काइवमे दत्त-वतीक दार्शनिक आ रूपक-मूलक संरचना पर गम्भीर शोध उपलब्ध अछि।
१००. (B) आत्म-चिन्तन, विवेक आ आन्तरिक शान्ति दिस — ई महाकाव्य पाठककें केवल काव्यात्मक आनन्द नहि दैत, बल्कि ओकरा आत्म-साधना दिस प्रेरित करैत अछि।
१०१. (B) प्रसाद गुण आ माधुर्य गुणक अलङ्कृत रूप — दार्शनिक स्पष्टता लेल प्रसाद गुण आ सौन्दर्य वर्णन लेल माधुर्य गुणक प्रचुर प्रयोग भेल अछि।
१०२. (A) भरत मुनि आ मम्मटक रस-सिद्धान्त (शास्त्रीय काव्यशास्त्र) क — आचार्य सुमन शास्त्रीय रस-सिद्धान्तक प्रकाण्ड ज्ञाता छलाह, ताहि लेल हिनक काव्यमे रसक परिपाक पूर्णतः निर्दोष होइछ।
१०३. (B) सृष्टिक अनन्तता, रहस्य आ ईश्वरीय शक्तिक विराट रूपक वर्णन सँ — सृष्टिक अव्यक्त सँ व्यक्त होमय वला अलौकिक रूप देखि पाठकक मनमे अद्भुत भाव जाग्रत होइछ।
१०४. (B) सात्त्विक, मर्यादित, उदात्त आ आध्यात्मिक शृङ्गार — सुमन जीक शृङ्गार वर्णन कालिदास जकाँ मर्यादित आ सात्त्विक अछि, जहाँ वासनाक स्थान पर श्रद्धा अछि।
१०५. (B) शास्त्र-सम्मत, वस्तुनिष्ठ, तथ्यपरक आ गम्भीर समीक्षा — सुमन जी स्वयं एकटा महान समीक्षक छलाह, ओ रचनाक गुण-दोषक विवेचन शास्त्रक आधार पर करैत छलाह।

१०६. (B) शब्दक आन्तरिक, गम्भीर आ दार्शनिक अर्थ व्यंग्य/संकेत सँ प्रगट करब (ध्वनि-काव्य) — दत्त-वती एकटा उच्च कोटिक ध्वनि-काव्य थिक जहिमे वाच्यार्थ सँ पैघ व्यङ्ग्यार्थ (दार्शनिक अर्थ) होइछ।
१०७. (B) संस्कृतक कुमारसम्भव, नैषध आ कामायनी जकाँ दार्शनिक महाकाव्यसभ सँ — वैचारिक गम्भीरता आ अलङ्कृत शिल्पक कारण एकर तुलना विश्व-साहित्यक श्रेष्ठ महाकाव्यसभ सँ होइत अछि।
१०८. (B) वैदर्भी आ गौड़ी ऋतिक सुन्दर समन्वय (अलङ्कृत गम्भीर रूप) — शब्दसभक सुकुमारता आ समास-प्रधान ओजक कारण एहिमे वैदर्भी आ गौड़ीक सुन्दर मिश्रण अछि।
१०९. (B) मन्थर, विचार-प्रधान, गम्भीर आ क्रमिक — ई महाकाव्य घटना-प्रधान नहि, विचार आ दर्शन-प्रधान अछि, ताहि लेल एकर गती गम्भीर अछि।
११०. (B) उच्च नैतिक, दार्शनिक आ काव्यात्मक ऊँचाई जे पाठकक चेतनाकें ऊपर उठाबैत अछि — लौगिनसक 'उदात्त' (Sublime) जकाँ सुमन जीक काव्य-तत्त्व पाठककें अलौकिक आनन्द दैत अछि।
१११. (B) ई साक्षात् प्रकृतिक आन्तरिक सौन्दर्यक दार्शनिक प्रकटीकरण थिक — आलोचकसभक मानब अछि जे दत्त-वतीक रूप-वर्णन मैथिली साहित्यक सर्वश्रेष्ठ अलङ्कृत प्रसंग थिक।
११२. (A) मैथिली साहित्यक शास्त्रीय गौरव आ भाषाई समृद्धिक चरमोत्कर्ष — ई महाकाव्य सिद्ध करैत अछि जे मैथिली कोनो भी उच्च स्तरीय दार्शनिक महाकाव्यक लेल पूर्णतः समर्थ भाषा थिक।
११३. (B) आशीर्वादात्मक, नमस्कारात्मक आ वस्तु-निर्देशात्मक (तीनों क सुन्दर समन्वय) — ओ वाग्देवीकें नमस्कार करैत छथि, लोककल्याणक आशीर्वाद मँगैत छथि आ कथाक वस्तु-निर्देश सेहो करैत छथि।
११४. (B) मैथिली आ संस्कृतक समृद्ध शब्द-भण्डार सँ परिचित आ चमत्कृत करैत अछि — हिनक शब्द-सामर्थ्य एतेक अछि जे एकहि भाव लेल अनेक नूतन आ प्रामाणिक शब्द सोझाँ लाबि दैत छथि।
११५. (B) प्रथम सर्गक आरम्भिक दार्शनिक विमर्शमे — अद्वैत वेदान्तक विवर्तवाद (संसार ईश्वरक विवर्त/आभास अछि) क संकेत पहिल सर्गमे भेटैत अछि।
११६. (B) ओकर सात्त्विक सौन्दर्यक आभूषण आ मर्यादा — यौवनक आगमन पर स्वाभाविक लज्जा ओकर सात्त्विक गरिमामें आरो बढा दैत अछि।
११७. (B) एकर छन्द-विधान, रूपक-संरचना आ वेदान्तिक चेतनाक विश्लेषण — विदेह आ अन्य अकादमिक पत्रिकामें हिनक काव्य-शिल्प आ दर्शन पर निरन्तर शोध-पत्र प्रकाशित भऽ रहल अछि।
११८. (B) संस्कृतक जकाँ सुगठित आ ध्वन्यात्मक रूप सँ ओजस्वी समास-पदसभक प्रयोग — समास-प्रधान पदावली सँ महाकाव्यमे एकटा गम्भीरता आ गरिमा आवि जाइत अछि।
११९. (B) ओ साहित्यकें केवल मनोरंजन नहि सात्त्विक साधना आ तपस्या मानैत छलाह — हिनक सम्पूर्ण जीवन मैथिली भाषा, साहित्य, व्याकरण आ पत्रकारिताक साधनामे एकटा ऋषियक जकाँ बीतल।
१२०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क — ई विस्तृत आ प्रामाणिक क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक अंग थिक।
१२१. (B) मैथिली भाषाक दार्शनिक गम्भीरता आ अलङ्कृत महाकाव्यक मानक स्थापित करब — ई महाकाव्य विश्वविद्यालयक उच्च पाठ्यक्रमसभ (MA/Ph.D.) मे शोध आ समीक्षाक एकटा प्रमुख विषय अछि।
१२२. (B) मिथिला चित्रकलाक 'सात्त्विक आ तान्त्रिक/दार्शनिक मण्डल' वा 'श्रद्धा-समर्पण' क सूचक मोटिफ — पुस्तकक गम्भीर दार्शनिक आ आध्यात्मिक संवेदना बुझबाक लेल मिथिला कलाक सात्त्विक आ गम्भीर मोटिफ सर्वश्रेष्ठ थिक।
१२३. (B) वैश्विक शोधार्थीसभ लेल सुमन जीक पाण्डित्य आ छन्द-शुद्धताकें इन्टरनेट पर जनसुलभ करबाक लेल — डिजिटल आर्काइवमे यूनिकोडमे उपलब्ध होएबा सँ नव पुस्ता आसानी सँ सुमन जीक काव्य-शिल्पक अध्ययन कऽ सकैत अछि।
१२४. (B) एक-एक शब्दक विभक्ति, सन्धि आ कारकक नियम पूर्णतः शास्त्र-सम्मत अछि — सुमन जीक प्रकाण्ड व्याकरणिक ज्ञानक कारणे हिनक काव्य भाषा-विज्ञानक दृष्टिसँ आदर्श मानल जाइत अछि।
१२५. (B) ईश्वरक प्रति अनन्य अनुराग आ अहङ्कारक पूर्ण शून्यता — आत्म-निवेदन हे भक्तिक सर्वोच्च शिखर थिक जकर प्रतिरूप दत्त-वती छिकीह।
१२६. (B) जीवात्माक यात्रा आ साधना क आरम्भिक मार्गक — कवि संकेत दैत छथि जे ई काव्य पाठककें आन्तरिक आत्मज्ञान आ साधना क मार्ग देखाएत।
१२७. (B) प्रकृति सँ लेल गेल उदात्त, दार्शनिक आ सर्वथा नूतन बिम्बसभक प्रयोग — ओ साधारण प्राकृतिक दृश्य कें सेहो एकटा पैघ दार्शनिक सत्यक प्रतीक बना दैत छथि।

- १२८. (B) मैथिलीक छन्द-शिरोमणि, आचार्य आ युग-निर्माता कवि** — मैथिली साहित्यक अकादमिक इतिहासमे सुमन जीक स्थान एकटा युग-प्रवर्तक आचार्यक रूपमे प्रतिष्ठित अछि।
- १२९. (B) सृष्टिक मूल ऊर्जा आ प्रकृतिक साक्षात् स्वरूपक सम्मान** — पराशक्ति हे सृष्टिक संचालक छिकीह, ताहि लेल सुमन जी हिनक स्तुति सँ काव्य आरम्भ करैत छथि।
- १३०. (B) शारीरिक सुन्दरताक माध्यम सँ आन्तरिक ईश्वरीय दिव्यताप्रेम क प्रकटीकरण** — हिनक सौन्दर्य-बोध पूर्णतः सात्त्विक अछि जे पाठकक मनमे वासना नहि, श्रद्धा जाग्रत करैत अछि।
- १३१. (B) विदेह समानान्तर पोथी आ आर्काइवमे यूनिकोड टेक्स्ट आ समीक्षाक सङ्ग सुरक्षित अछि** — विदेहक ई-लर्निङ्ग हब आ आर्काइव शोधकर्तासभ लेल दत्त-वती पर विस्तृत सामग्री निःशुल्क उपलब्ध करावैत अछि।
- १३२. (B) गम्भीर, नाद-सौष्ठवपूर्ण आ उपनिषदक श्लोक जकाँ पावन** — शब्दसभक आन्तरिक गम्भीरता आ ध्वनिक सामञ्जस्य एकरा पावन आ गम्भीर बनावैत अछि।
- १३३. (B) प्रकृतिक सर्वश्रेष्ठ, पवित्र आ सुकुमार अवदानसभ (जैसे कमल, मृणाल, चन्द्र) सँ** — कवि प्रकृतिक सभसँ पवित्र वस्तुसभकें ओकर उपमा बटोबने छथि।
- १३४. (B) मैथिलीक क्लासिकल रूप आ ओकर समृद्ध साहित्यिक परम्परा क सामर्थ्य** — ई सिद्ध करैत अछि जे मैथिली कोनो भी उच्च स्तरीय शास्त्रीय आ दार्शनिक महाकाव्यक लेल पूर्णतः समर्थ भाषा थिक।
- १३५. (B) ऋत वैश्विक नियम थिक आ सत्य ओकर मूलाधार (दुनू ईश्वरीय रूप थिक)** — दार्शनिक चिन्तनमे ऋत आ सत्य एक दोसरा क पूरक थिक जे सृष्टिकें संचालित करैछ।
- १३६. (B) मानव चेतनाक सर्वोच्च काव्यात्मक आ आध्यात्मिक विकासक** — ओकर चरित्र पाठककें सांसारिक संकीर्णता सँ ऊपर उठा कऽ उदात्तता (Sublimity) प्रदान करैत अछि।
- १३७. (B) तुकक बिना सेहो छन्दक मात्रा आ गतीक कड़ा अनुशासन कोना सम्भव अछि (शिल्प-ज्ञान)** — ई नव लेखकसभकें बिना तुकक सेहो छन्दक आन्तरिक लय सुरक्षित रखबाक कला सिखबैत अछि।
- १३८. (B) सृष्टि ईश्वरीय सत्ताक प्रकटीकरण अछि आ श्रद्धा/समर्पण (दत्त-वती) हे ईश्वर प्राप्ति क मार्ग थिक** — ई महाकाव्य कर्म, श्रद्धा आ आत्मसमर्पणक दार्शनिक निष्कर्ष पाठकक सोझाँ रखैत अछि।
- १३९. (B) मैथिली साहित्यक उच्च शोधार्थी, छन्द-प्रेमी आ दार्शनिक समीक्षकसभक लेल** — मैथिली साहित्यक प्रबुद्ध चेतनाकें बुझबाक लेल एहि महाकाव्यक अध्ययन अकादमिक जगतमे अनिवार्य मानल गेल अछि।
- १४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक** — ई विस्तृत क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक अंग थिक।

अध्याय ८ : Videha QUIZ | चित्रा (यात्री)

भाग १: कवि परिचय आ वैचारिक पृष्ठभूमि

१. मैथिली साहित्यमे 'यात्री' उपनाम सँ ककरा जानल जाइत अछि?
 - (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
 - (B) वैद्यनाथ मिश्र (नागार्जुन)
 - (C) चन्दा झा
 - (D) काञ्चीनाथ झा 'किरण'
२. यात्री जीक प्रसिद्ध मैथिली कविता-संग्रह 'चित्रा' क प्रकाशन वर्ष की मानल जाइत अछि?
 - (A) १९४९ ई.
 - (B) १९३५ ई.
 - (C) १९६० ई.
 - (D) १९८० ई.
३. यात्री जीक जन्म मिथिलाक कोन गाममे भेल छल?
 - (A) बिसपी
 - (B) तरौनी (दरभंगा जिला)
 - (C) सतलखा
 - (D) जमसम
४. 'चित्रा' कविता-संग्रह मुख्य रूप सँ कोन साहित्यिक विचारधाराक प्रतिनिधित्व करैत अछि?
 - (A) छायावाद
 - (B) प्रगतिवाद / जनवाद (Marxist/Socialist Realism)
 - (C) दरबारी शृङ्गार
 - (D) रहस्यवाद
५. यात्री जीकें 'चित्रा' क अतिरिक्त कोन मैथिली कृतिक लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार भेटल छल?
 - (A) पारो
 - (B) पत्रहीन नग्न गाछ
 - (C) बलचनमा
 - (D) नव तुरिया
६. 'चित्रा' क कवितासभमे मुख्य रूप सँ ककर यथार्थ सोझाँ अबैत अछि?
 - (A) राजा-महाराजाक वैभव
 - (B) मिथिलाक शोषित किसान, मजदूर, प्रवासी आ ग्रामीण जीवनक यथार्थ
 - (C) केवल प्रकृतिक कल्पना
 - (D) विदेशी दर्शन
७. यात्री जीक भाषा-शैलीक सभसँ पैघ विशेषता की थिक?
 - (A) कठिन संस्कृतनिष्ठ
 - (B) अत्यन्त सम्प्रेषणीय, बोधगम्य, ठेठ आ जनभाषाक सन्निकट मैथिली
 - (C) अंग्रेजी मिश्रित
 - (D) नीरस शब्दावली
८. मैथिली साहित्यमे 'जनवादी चेतना' आ 'मक्खू' जकाँ पात्राक सृजन ककर देन थिक?
 - (A) यात्री जीक
 - (B) हरिमोहन झाक
 - (C) किरण जीक
 - (D) ललितक

९. यात्री जीक 'चित्रा' क भूमिका ककर समीक्षा-दृष्टि सँ समृद्ध अछि?

- (A) केवल प्रशस्ति
- (B) मैथिलीक आधुनिक यथार्थपरक काव्य-लोचनक आधार
- (C) व्याकरण
- (D) कोनो भूमिका नहि

१०. 'चित्रा' शब्दक काव्य-वैज्ञानिक अर्थ की लगाओल जाइत अछि?

- (A) एकटा चित्र (Photo)
- (B) विविध रंग, यथार्थ आ समाजक बहुरङ्गी जीवन्त चित्र
- (C) विदेशी सुन्दरी
- (D) केवल नक्शा

११. यात्री जीक कवितासभमे 'व्यंग्य' (Satire) क स्वरूप केहन अछि?

- (A) हल्का-फुल्का हास्य
- (B) तीक्ष्ण, मारक आ सत्ता-व्यवस्थाक शोषण पर कर प्रहार करय वला
- (C) नीरस
- (D) कोनो व्यंग्य नहि

१२. यात्री जीकेँ 'चित्रा' क कालखण्डमे कोन आन्दोलक कवि मानल गेल?

- (A) प्रगतिशील लेखक संघ (Progressive Writers' Movement)
- (B) रीतिवादी आन्दोलन
- (C) कुलक आन्दोलन
- (D) संस्कृत आन्दोलन

१३. यात्री जीक कविता 'बूढ़ वर' कोन सामाजिक कुप्रथा पर कड़ा प्रहार करैत अछि?

- (A) जातिवाद
- (B) बेमेल विवाह / बाल विवाह / कन्या बिक्रय
- (C) सती प्रथा
- (D) पर्दा प्रथा

१४. यात्री जीक विचारमे साहित्य ककर हथियार थिक?

- (A) राजाक मनोरंजनक
- (B) मजदूर आ शोषित वर्गक न्याय आ क्रान्तिक
- (C) केवल विद्वानक
- (D) धनिक वर्गक

१५. 'चित्रा' क कवितासभमे 'प्रवासन' (Migration) क की स्थान अछि?

- (A) कोनो स्थान नहि
- (B) केन्द्रीय स्थान (कलकत्ता आ असम कमाबय गेल प्रवासीक दर्द)
- (C) सकारात्मक स्थान
- (D) केवल हास्य

१६. यात्री जी अपन कवितामे 'माड़िक झोपड़ी' क तुलना 'राजमहल' सँ कोना करैत छथि?

- (A) राजमहल सुन्दर अछि
- (B) झोपड़ीक पसीना आ श्रम राजमहल सँ आरो बेसी पवित्र आ श्रेष्ठ अछि
- (C) दुनू बेकार अछि
- (D) कोनो तुलना नहि

१७. यात्री जीक मैथिली आ हिन्दी लेखनमे की साम्य अछि?

- (A) दुनूमे एकहि प्रकारक जनवादी आ प्रगतिशील तेवर अछि
- (B) मैथिलीमे ओ दरबारी छथि
- (C) हिन्दीमे ओ छायावादी छथि
- (D) कोनो साम्य नहि अछि

१८. यात्री जीक 'चित्रा' क प्रकाशन सँ पूर्व मैथिली कविता केहन छलीह?

- (A) प्रगतिशील छलीह
- (B) प्रायः पौराणिक, दरबारी, रीतिवादी आ पारम्परिक शृङ्गारिक
- (C) अंग्रेजी जकाँ छलीह
- (D) गद्य जकाँ छलीह

१९. यात्री जीक कविता 'अकाल आ ओकर बाद' (हिन्दी/मैथिली भाव) की दर्शावैत अछि?

- (A) भूखक वीभत्स यथार्थ आ अकालक बाद गामक चूल्हा जलबाक सजीव दृश्य
- (B) केवल प्रकृतिक वर्णन
- (C) राजाक उत्सव
- (D) कोनो नहि

२०. विदेह आर्काइवमे यात्री जीक 'चित्रा' क की महत्व मानल गेल अछि?

- (A) एकरा पुरान किताब कहल गेल
- (B) एकरा मैथिलीक आधुनिक जनवादी कविताक प्रस्थान-ग्रन्थ (मूलाधार) मानल गेल
- (C) एकरा व्याकरणक पोथी कहल गेल
- (D) कोनो महत्व नहि देल गेल

भाग २: प्रवासनक पीड़ा आ 'चित्रा' क विरह

२१. यात्री जीक कवितामे 'कलकत्ता' (कोलकाता) वा 'असाम' (असम) क प्रसंग किएक अबैत अछि?

- (A) घूमय लेल
- (B) मिथिलाक गरीब मजदूरसभक रोजी-रोटी लेल प्रवासन (पलायन) क प्रतीक रूपमे
- (C) विवाह लेल
- (D) व्यापारिक लाभ लेल

२२. प्रवासी पति (परदेशी) क पाछाँ गाममे छूटल पत्नीक दशा यात्री जी कोना देखबैत छथि?

- (A) ओ सुखी रहैछ
- (B) ओ घोर गरीबी, एकान्तपन, विरह आ पारिवारिक प्रताड़ना सहैत अछि
- (C) ओ बजार जाइछ
- (D) ओ श्रृंगार करैछ

२३. कविता 'बापुक मरण पर' यात्री जी ककर प्रति अपन संवेदना व्यक्त केने छथि?

- (A) अपन पिता प्रति
- (B) महात्मा गांधी (बापू) क शहादत आ देशक स्थिति पर
- (C) कंस क मरण पर
- (D) राजा विराट पर

२४. यात्री जीक कवितामे 'चूल्हा' (Chulha) बन्द होएब ककर प्रतीक थिक?

- (A) गैस समाप्त होएबाक
- (B) गाम-घराक गरीबी आ भूख (भूखल पेट) क वीभत्स यथार्थ
- (C) हँसबाक कारण
- (D) संन्यास

२५. परदेशी पति जखन गाम चिट्ठी पठावैत अछि, तँ ओहिमे मुख्य रूप सँ की रहैत अछि?

- (A) केवल प्रेम
- (B) अल्प पैसा (मनीआर्डर) आ अपन बीमारी-संघर्षक गाथा
- (C) राजमहल क कथा
- (D) कोनो समाचार नहि

२६. यात्री जीक कविता 'सिन्दूर तिलकित भाल' (भाव-साम्य) की प्रगट करैत अछि?

- (A) प्रवासी क अपन गाम, पत्नी, मैथिली माटि आ मखान-माछ क तीव्र स्मृति (हृदयक तड़प)
- (B) विदेश नीति
- (C) महानगरीय चकाचौंध
- (D) क्रोध

२७. यात्री जीक विरहिणी नायिका अपन दुःख ककरा सँ कहैत अछि?

- (A) राजा सँ
- (B) अपन आँगनक दीवार, गाछ-बिरछ आ सखी सँ (सहज रूपमे)
- (C) विदेशी दूत सँ
- (D) केहू सँ नहि

२८. प्रवासनक कारणे मिथिलाक 'नारी' पर की सामाजिक प्रभाव पड़ल यात्री जीक अनुसार?

- (A) ओ स्वतन्त्र भेल
- (B) ओकर सम्पूर्ण यौवन आ जीवन केवल इन्तजार आ अभावक आगिमे जरि गेल
- (C) ओ धनिक भेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

२९. यात्री जीक कविता 'प्रेत का बयान' (भाव-साम्य) ककर पोल खोलैत अछि?

- (A) भूत-पिशाचक
- (B) भ्रष्ट शिक्षा-व्यवस्था, भुखमरी सँ मरल शिक्षक आ नौकरशाहीक क्रूरताक
- (C) राजाक
- (D) मजदूरक

३०. यात्री जीक 'चित्रा' संग्रहक आवरण पर केहन बिम्ब सुहाएत अछि?

- (A) महल क चित्र
- (B) मिथिलाक गामक माटि, संघर्षरत मानव, किसान वा यथार्थवादी रेखाचित्र
- (C) विदेशी फोटो
- (D) केवल फूल

३१. कविता 'मक्खू' ककर चरित्र-चित्रण थिक?

- (A) एकटा राजा क
- (B) एकटा आम गरीब, शोषित आ गामक शोषित मजदूरक जीवन-कथा
- (C) एकटा सिपाही क
- (D) एकटा जादुगर क

३२. यात्री जीक विरहिणी विद्यापतिक विरहिणी सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) दुनू एकहि अछि
- (B) विद्यापतिक विरहिणी महली सुखमे अछि, यात्रीक विरहिणी झोपड़ीक अभाव आ भूखमे अछि
- (C) यात्रीक विरहिणी राजाक बेटी अछि
- (D) कोनो भिन्नता नहि

३३. यात्री जीक कवितामे 'काद' (कीचड़) आ 'घास' क की महत्व अछि?

- (A) कुरुपता क
- (B) खेत-खरिहानक श्रम आ माटिक सजीव सुगन्धक (प्रगतिशील बिम्ब)
- (C) गन्दगी क
- (D) कोनो महत्व नहि

३४. प्रवासी मजदूर गाम घुरलाक बाद अपन बच्चाकें की दऽ पाबैत अछि?

- (A) सोना-चाँदी
- (B) सस्ता खिलौना, बीमारी आ अपन थकल शरीर
- (C) राजमहल
- (D) मोटर कार

३५. यात्री जीक कविता 'बादल को घिरते देखा है' (भाव-साम्य) कतय क प्राकृतिक सौन्दर्यक वर्णन करैत अछि?

- (A) हिमालय आ मानसरोवरक अलौकिक सौन्दर्यक
- (B) मिथिलाक पोखरिक
- (C) लन्दनक
- (D) मथुराक

३६. गाममे 'पैट' (बाजार/हाट) जेबाक समय गरीबक की स्थिति होइछ यात्री जीक अनुसार?

- (A) ओ सभ पैघ गाड़ी सँ जाइछ
- (B) जेबीमे टका नहि रहबाक कारणे ओ केवल ताकैत रहि जाइत अछि
- (C) ओ सभ बाजार किन्नि लैत अछि
- (D) ओ नहि जाइछ

३७. 'मनीआर्डर' (Money Order) क बाट अगोरय वली माए क अवस्था यात्री जी कोना लिखने छथि?

- (A) ओ प्रसन्न रहैछ
- (B) ओकर आँखि बाट ताकैत-ताकैत पथरा जाइत अछि जे पुत्र क चिट्ठी कहिया आउत
- (C) ओ शहर जाइछ
- (D) उदासीन रहैछ

३८. यात्री जीक 'प्रगतिशील शृङ्गार' केहन होइत अछि?

- (A) अश्लील
- (B) अभावक बीचो जीवन आ प्रेमक जिजीविषा (जीबाक इच्छा) कें बचा कऽ राखब
- (C) दरबारी
- (D) संस्कृतनिष्ठ

३९. यात्री जीक कविता 'तरौनी गाम' ककर संस्मरण थिक?

- (A) एकटा विदेशी शहरक
- (B) हुनकर अपन पैतृक गामक यथार्थ, ओतय क पाँक, माछ आ गरीबी क जीवन्त दस्तावेज
- (C) जनकपुर क
- (D) काशी क

४०. प्रवासनक पीड़ा पर लिखल गेल 'चित्रा' क कवितासभ की सन्देश दैत अछि?

- (A) गाम छोड़ू
- (B) पूँजीवादी व्यवस्थाक कारणे गामक पतन आ पलायनक विरुद्ध जन-चेतनाक जागृति
- (C) महानगर सर्वश्रेष्ठ अछि
- (D) कोनो सन्देश नहि अछि

भाग ३: सामाजिक यथार्थ, वर्ग-संघर्ष आ व्यंग्य

४१. यात्री जीक कवितामे 'जर्मीदार' आ 'पूँजीपति' ककरा रूपमे देखाएल गेल अछि?

- (A) भगवान रूपमे
- (B) शोषक आ जनमानसक खून चूसय वला जोंक जकाँ
- (C) दानी रूपमे
- (D) सैनिक रूपमे

४२. यात्री जीक कविता 'चैती' (भाव-साम्य) मे ककर फसल कटबाक समयक यथार्थ अछि?

- (A) सोनाक
- (B) गेहूँ आ चैत मासक श्रमजीवी वर्गक कठोर पसीना आ शोषणक
- (C) धानक
- (D) मखानक

४३. यात्री जीक व्यंग्य 'ठिठुरत जाड़' मे गरीबक ककर समान दशा अछि?

- (A) ओ रजाईमे सुतैछ
- (B) विना कपड़ेक ओ गामक चौपाल पर घूरि (आगि) तापैत जाड़ काटैत अछि
- (C) ओ शहर चलि जाइछ
- (D) ओ हीटर चलावैछ

४४. समकालीन समाजमे 'जातिवाद' पर यात्री जी की कहैत छथि 'चित्रा' मे?

- (A) जातिवाद नीक अछि
- (B) जातिवाद मानव-मानव के बीचक भेद आ विकासक बाधक थिक, एकरा मिटबाक चाही
- (C) जातिवाद सनातन अछि
- (D) कोनो विचार नहि

४५. यात्री जीक कविता 'मजदूर' ककर गौरव गबैत अछि?

- (A) राजा क
- (B) श्रम क (जे लोहा गला कऽ संसारक निर्माण करैत अछि)
- (C) अस्त्र क
- (D) धन क

४६. व्यवस्था पर व्यंग्य करैत यात्री जी 'भ्रष्ट नेता' क तुलना ककरा सँ करैत छथि?

- (A) देशभक्त सँ
- (B) गिद्ध आ देशकें बेचय वला पापि सँ
- (C) देवता सँ
- (D) संन्यासी सँ

४७. यात्री जीक कवितासभमे 'मार्क्सवाद' (Marxism) कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल विदेशी नारा जकाँ
- (B) मिथिलाक स्थानीय सामाजिक वर्ग-संघर्ष आ गरीबक पीड़ाक सँग रचि-बसि कऽ
- (C) संस्कृत श्लोक जकाँ
- (D) कोनो रूपमे नहि

४८. यात्री जीक कविता 'हरिजन' (भाव-साम्य) ककर बन्धन तोड़ैत अछि?

- (A) जातिगत छुआछूत आ सामाजिक भेदभावक
- (B) जेलक
- (C) पशु क
- (D) वस्त्र क

४९. यात्री जीक कविता 'क्रांति' ककर आह्वान करैत अछि?

- (A) शान्त रहबाक
- (B) शोषित वर्गक अपन अधिकार लेल बगावत आ व्यवस्था परिवर्तन करबाक
- (C) घर सँ भागबाक
- (D) भक्ति करबाक

५०. समकालीन समीक्षक अनुसार यात्री जीक व्यंग्य 'हंटर' (Hunter) जकाँ अछि, किएक?

- (A) ओ मारैत छलाह
- (B) हुनकर एक-एक शब्द शोषक वर्गक पीठ पर चाबुक जकाँ लगैत अछि
- (C) ओ सैनिक छलाह
- (D) कोनो कारण नहि

५१. यात्री जीक कवितामे 'गरीबक बच्चा' कोना पलैत अछि?

- (A) राजमहलमे
- (B) धूरि-माटिमे खेलैत, कुपोषण आ अभावक बीच निर्भय भऽ कऽ (प्राकृतिक रूपमे)
- (C) महग स्कूलमे
- (D) विदेशमे

५२. यात्री जीक कविता 'राशनक कतार' (राशन कार्ड) की देखावैत अछि?

- (A) अन्नक बहुलता
- (B) आजादीक बादो एक-एक दाना अन्न लेल गरीबक लाइनमे खड़ा होएबाक लाचारी
- (C) उत्सव
- (D) व्यापार

५३. यात्री जीक दृष्टिमे 'पूँजीवाद' (Capitalism) की थिक?

- (A) विकासक साधन
- (B) मनुष्य द्वारा मनुष्यक आ श्रम क शोषण करय वला दानवी व्यवस्था
- (C) धार्मिक व्यवस्था
- (D) सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था

५४. यात्री जीक कविता 'किसान' (कृषक) ककरा सँ लड़ैत देखाएल गेल अछि?

- (A) शत्रु देश सँ
- (B) प्रकृति (सुखाड़/बाढ़ि) आ जमींदारक दुहरे मारि सँ
- (C) अपन परिवार सँ
- (D) पशु सँ

५५. यात्री जीक कवितासभमे 'व्यंग्यक आलम्बन' मुख्य रूप सँ के छथि?

- (A) गरीब लोक
- (B) भ्रष्ट नेता, शोषक महाजन, रूढ़िवादी पाँडे आ शोषक जमींदार
- (C) बालक
- (D) प्रकृति

५६. यात्री जीक कविता 'साम्यवाद' (Socialism) क की सन्देश दैत अछि?

- (A) सभ समान होउ आ श्रम क उचित मूल्य भेटय (वर्गहीन समाज)
- (B) सभ धनीक बनू
- (C) सभ संन्यासी बनू
- (D) कोनो सन्देश नहि अछि

५७. यात्री जीक कविता 'बूढ़ वर' क अन्त की होइत अछि?

- (A) वृद्ध राजा बनैछ
- (B) वृद्धक मृत्यु आ अल्पायु कन्याक बाल-वैधव्यक कारुणिक यथार्थ
- (C) उत्सव होइछ
- (D) विवाह टूटि जाइछ

५८. यात्री जीक कविता 'क्रान्ति-गीत' मे ककर हुङ्कार अछि?

- (A) देवताक
- (B) शोषित, दलाल आ सर्वहारा वर्गक (Proletariat)
- (C) राजाक
- (D) विदेशी सैनिकक

५९. यात्री जीक सामाजिक यथार्थ विद्यापतिक यथार्थ सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) दुनू एके अछि
- (B) विद्यापति दरबारी छलाह (लौकिक वैभव), यात्री जी जनवादी छथि (जनमानसक यथार्थ)
- (C) यात्री जी केवल पूजा लिखलनि
- (D) कोनो भिन्नता नहि

६०. 'चित्रा' क कवितासभक सामाजिक महत्व की अछि?

- (A) ई समाजकें डराबैत अछि
- (B) ई मैथिली समाजमे वैचारिक नवजागरण, चेतना आ हक लेल लड़बाक जज्बा पैदा केलक
- (C) ई केवल एकटा पोथी अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

भाग ४: काव्य-शिल्प, ठेठ शब्दावली आ लोक-तत्व

६१. यात्री जीक 'चित्रा' क कवितासभक छन्द-योजना केहन अछि?

- (A) कठोर संस्कृत वर्णवृत्त
- (B) छन्दक रूढ़ि सँ मुक्त, आन्तरिक लय (Rhythm) आ लोक-धुन पर आधारित
- (C) केवल दोहा
- (D) कोनो लय नहि अछि

६२. यात्री जीक कवितासभमे 'ठेठ मैथिली' (गँवई) शब्दावलीक प्रयोग किएक बेसी भेल अछि?

- (A) संस्कृत नहि आएबाक कारणे
- (B) गामक यथार्थ आ श्रमजीवी वर्गक संवेदना सोझाँ अनबाक लेल (स्थानीय सुगन्ध)
- (C) अंग्रेजीक कमी सँ
- (D) फैशनवश

६३. काव्यमे 'लोक-तत्व' (Folk elements) सँ की तात्पर्य अछि यात्री जीक सन्दर्भमे?

- (A) केवल भूत-प्रेतक कथा
- (B) मिथिलाक लोक-जीवन, कहावत, मुहावरा आ गामक मुसकुराहट-पीड़ाक समावेश
- (C) विदेशी लोकक कथा
- (D) कोनो नहि

६४. यात्री जीक कविता 'लयबद्ध गद्य' (Rhythmic prose) जकाँ किएक लागैत अछि?

- (A) ई गद्य अछि कविता नहि
- (B) एहिमे कृत्रिम तुकबन्दी नहि, बल्कि विचार आ ध्वनिक एकटा आन्तरिक जनवादी लय होइत अछि
- (C) ई कठिन अछि
- (D) कोनो कारण नहि

६५. यात्री जीक कवितासभमे 'बिम्ब-विधान' (Imagery) क कतय सँ लेल गेल अछि?

- (A) स्वर्ग सँ
- (B) खेत, खरिहान, झोपड़ी, रेलवे स्टेशन आ गामक गली सँ (यथार्थवादी बिम्ब)
- (C) विदेशी महलों सँ
- (D) काल्पनिक लोक सँ

६६. यात्री जीक कवितामे 'कर्कश वर्णसभ' वा तीक्ष्ण शब्दसभक प्रयोग किएक भेटैत अछि?

- (A) कविकें व्याकरण नहि अछैक
- (B) समाजक यथार्थ खुरदरापन आ क्रोधाग्निकें प्रगट करबाक लेल (ओज गुण)
- (C) मधुरता लेल
- (D) कोनो कारण नहि

६७. यात्री जीक 'चित्रा' क कवितासभकें कोना पढ़ल जाबाक चाही?

- (A) मनमे चुपचाप
- (B) सस्वर आ जनसभा/चौपाल पर जोर सँ (Recitation/Public Reading) जाहि सँ जन-चेतना जागय
- (C) तेज दौड़ैत
- (D) धीमा बाज कऽ

६८. काव्यमे प्रयुक्त 'व्यञ्जना शक्ति' (Power of suggestion) क यात्री जी कोना प्रयोग करैत छथि?

- (A) सीधा उपदेश दऽ कऽ
- (B) तीर जकाँ मारक व्यंग्य आ वक्रोक्ति क माध्यम सँ
- (C) कठिन श्लोक सँ
- (D) चुप रहि कऽ

६९. यात्री जीक कविता 'संवाद-शैली' (Dialogue form) मे केहन होइत अछि?

- (A) नीरस
- (B) नाटकीय आ सीधा बातचीत जकाँ (जेना आम लोक आपसमे बजैत हो)
- (C) संस्कृत श्लोक जकाँ
- (D) अंग्रेजी जकाँ

७०. यात्री जीक छन्द-मुक्ति (Freedom from conventional meters) क मैथिली कविता पर की प्रभाव पड़ल?

- (A) कविता समाप्त भऽ गेल
- (B) मैथिली कवितामे नव विषय-वस्तु आ सहज यथार्थवादी सृजनक बाध खुजि गेल
- (C) कविता कठिन भऽ गेल
- (D) केवल गजल रचल गेल

७१. यात्री जीक कविता 'मक्खू' क भाषा केहन अछि?

- (A) संस्कृत प्रधान
- (B) पूर्णतः ठेठ आंचलिक मैथिली जहिमे श्रमजीवी वर्गक शब्द अछि
- (C) उर्दू प्रधान
- (D) अंग्रेजी प्रधान

७२. काव्यमे 'बिम्ब' (Image) क की महत्व होइत अछि यात्री जीक दृष्टिमे?

- (A) केवल सजावट
- (B) पाठकक आँखि क सोझाँ यथार्थ क जीवन्त दृश्य उपस्थित करब
- (C) शब्द संख्या बढ़ाबय लेल
- (D) कोनो महत्व नहि

७३. यात्री जीक कवितासभमे 'व्यंग्यात्मक उपमा' क ककर समान होइछ?

- (A) फूल जकाँ कोमल
- (B) चाबुक (Whip) क मारि जकाँ जे व्यवस्थाकें झकझोरैत अछि
- (C) नीरस
- (D) कोनो व्यंग्य नहि

७४. यात्री जीक कविता 'तरौनी' मे कोन 'लोक-राग' वा धुन भेटैत अछि?

- (A) शास्त्रीय राग
- (B) मिथिलाक गामक पारम्परिक माटिक धुन आ कहावतक प्रवाह
- (C) विदेशी धुन
- (D) कोनो लय नहि

७५. यात्री जीक 'मुहावरेदार मैथिली' क की विशेषता थिक?

- (A) ओ कठिन होइछ
- (B) ओ आम लोकक दैनिक मुहावरा सँ रचित आ तीक्ष्ण होइत अछि
- (C) ओ हिन्दीक नकल अछि
- (D) कोनो विशेषता नहि

७६. मुक्त छन्दक कविता लिखि कऽ यात्री जी की सिद्ध केलनि?

- (A) जे कविता केवल राजाक लेल नहि जनताक लेल थिक
- (B) जे छन्द बेकार होइछ
- (C) जे अंग्रेजी नीक अछि
- (D) किछु नहि

७७. यात्री जीक कविता 'चूल्हा' मे 'कुकुरक सुतब' ककर बिम्ब अछि?

- (A) कुकुरक दुलार क
- (B) घरमे कतेको दिन सँ आगि नहि जलबाक आ घोर भुखमरी क (वीभत्स/करुण बिम्ब)
- (C) उत्सव क
- (D) बजार क

७८. यात्री जीक आख्यान-शिल्प 'चित्रा' मे कोना देखाइत अछि?

- (A) कठिन कथा जकाँ
- (B) छोट-छोट कवितासभक माध्यम सँ समाजक एकटा वृहत् यथार्थवादी इतिहास कहब
- (C) केवल श्लोक जकाँ
- (D) कोनो शिल्प नहि

७९. यात्री जीक कवितामे 'ध्वनि-साम्य' क बदला ककर प्रधानता अछि?

- (A) अक्षरोंक शत्रुता
- (B) वैचारिक प्रहार आ जनवादी हुङ्कार (Ideological strength)
- (C) नीरसता
- (D) विदेशी शब्द

८०. यात्री जीक 'ठेठ मानकीकरण' (Folk standardization) क की अर्थ थिक?

- (A) भाषा कठिन करब
- (B) गामक लोक-बोलीकें साहित्यक ऊँचाई आ प्रतिष्ठा प्रदान करब
- (C) भाषा नष्ट करब
- (D) अंग्रेजीकरण

भाग ५: मार्क्सवादी दर्शन आ जनवादी चेतना

८१. MARKS (कार्ल मार्क्स) क 'वर्ग-संघर्ष' (Class Struggle) क सिद्धान्त 'चित्रा' मे कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल विदेशी नारा जकाँ
- (B) खेत-मजदूर आ जमींदारक बीचक आर्थिक शोषणक यथार्थ रूपमे
- (C) धार्मिक कथा जकाँ
- (D) कोनो रूपमे नहि

८२. यात्री जीक अनुसार समाजमे 'सभसँ पैघ पापि' के अछि?

- (A) गरीब मजदूर
- (B) श्रमक शोषण करय वला पूँजीपति आ भ्रष्ट व्यवस्थाक रक्षक
- (C) साधारण बालक
- (D) पशु

८३. यात्री जीक कविता 'सर्वहारा' (Proletariat) क ककर जागरणक गान थिक?

- (A) राजाक
- (B) मजदूर, किसान, शोषित आ वंचित जनमानसक
- (C) केवल विद्वानक
- (D) विदेशी सैनिकक

८४. यात्री जीक जनवादी चेतना 'आजादी' (१९४७) क बाद ककर पोल खोलैत अछि?

- (A) अंग्रेजक
- (B) भ्रष्ट स्वदेशी नेता आ शोषक तंत्रक (जे आजादीक बादो गरीबकें लुटैत रहल)
- (C) मजदूरक
- (D) पशु-पक्षियोंक

८५. यात्री जीक कविता 'क्रान्ति' क मूलाधार की थिक?

- (A) शान्त रहब
- (B) अन्यायक विरुद्ध संगठित भऽ कऽ लड़ब आ अपन हक छीनब
- (C) संन्यास लेब
- (D) गाम सँ भागब

८६. वर्ग-विभाजित समाजमे यात्री जी ककर पक्ष लैत छथि?

- (A) जमींदारक पक्ष
- (B) शोषित, वंचित, निर्धन आ मजदूर वर्गक पक्ष (साझा पक्ष)
- (C) पूँजीपतिक पक्ष
- (D) केहू क नहि

८७. यात्री जीक कविता 'पूँजी' (Capital) क की स्वरूप अछि?

- (A) पवित्र वस्तु
- (B) मजदूरक खून आ पसीना सँ निर्मित धन जकरा पर पूँजीपति ताला लगाने अछि
- (C) ईश्वरक वरदान
- (D) कोनो नहि

८८. यात्री जीक कविता 'मक्खू' मे मार्क्सवाद कोना प्रगट होइछ?

- (A) मक्खू मरि जाइछ
- (B) मक्खू अपन श्रम क मूल्य बुझैछ आ शोषकक आगू झुकबा सँ मना करैछ (आत्मसम्मान)
- (C) मक्खू भीख मांगैछ
- (D) मक्खू शहर सँ भागि जाइछ

८९. यात्री जीक 'प्रगतिशीलता' क की अर्थ थिक मैथिली साहित्यमे?

- (A) रूढ़ि, अन्धविश्वास, आ समाजिक विषमता तोड़ि कऽ प्रगतिशील वैज्ञानिक दृष्टि अपनाबय
- (B) केवल पाश्चात्य नकल
- (C) पुराना नियमक आदर
- (D) कविता छोड़ि देब

९०. यात्री जीक कविता 'साम्यवादी गाम' क सपना केहन अछि?

- (A) जतय केवल महल हो
- (B) जतय सबकेँ भोजन, वस्त्र, आ श्रम क उचित सम्मान भेटय (समानता)
- (C) जतय केहू काज नहि करय
- (D) कोनो सपना नहि अछि

९१. यात्री जीक कविता 'शोषक' क की परिणति देखबैत अछि?

- (A) ओ सदा राजा रहत
- (B) जनताक जाग्रत भेला पर शोषकक पतन निश्चित अछि
- (C) ओ ईश्वर बनि जएत
- (D) कोनो परिणति नहि

९२. यात्री जीक मार्क्सवादी चिन्तन ककरा सँ प्रभावित छल?

- (A) केवल विदेशी पोथी सँ
- (B) रूस-चीनक क्रान्ति आ भारतक किसान आन्दोलनक व्यावहारिक अनुभव सँ
- (C) केवल मन्त्र सँ
- (D) कोनो प्रभाव नहि छल

९३. यात्री जीक कविता 'मजदूर क हाथ' की निर्माण करैत अछि?

- (A) विनाश
- (B) सम्पूर्ण संसारक वैभव आ पैघ-पैघ अट्टालिका (सृष्टि)
- (C) केवल झोपड़ी
- (D) किछु नहि

९४. यात्री जीक जनवादी कवितामे 'धर्म' क की स्वरूप देखाएल गेल अछि?

- (A) सभसँ नीक वस्तु
- (B) जँ धर्म शोषणक साधन आ अन्धविश्वास बनैछ तँ ओ अफीम जकाँ खतरनाक अछि
- (C) केवल पूजा-पाठ
- (D) कोनो स्वरूप नहि

९५. यात्री जीक कविता 'वर्ग-चेतना' (Class consciousness) पाठकसभमे की जगावैत अछि?

- (A) भय आ उदासीनता
- (B) अन्यायक पहचान आ ओकर विरुद्ध एकजुट होमय क हौसला
- (C) केवल भाग्य पर भरोसा
- (D) क्रोध सँ पागल होबय

९६. यात्री जीक कविता 'साम्यवादी हुङ्कार' मे ककर विजय निश्चित अछि?

- (A) जमींदारक
- (B) श्रमजीवी आ सर्वहारा वर्गक (मजदूरक विजय)
- (C) राजाक
- (D) विदेशी ताकतक

९७. यात्री जीक मार्क्सवाद गामक 'भूख' सँ कोना जुड़ल अछि?

- (A) भूख नीक होइछ
- (B) भूख कोनो ईश्वरक देन नहि बल्कि आर्थिक शोषण आ विषमताक परिणाम थिक
- (C) भूख केवल एकटा बीमारी अछि
- (D) कोनो सम्बन्ध नहि

९८. यात्री जीक कविता 'क्रान्तिक दूत' ककरा मानल गेल अछि?

- (A) राजाकें
- (B) जागृत युवा, किसान आ शोषित मजदूरकें
- (C) संन्यासीकें
- (D) व्यापारीकें

९९. यात्री जीक मार्क्सवादी चिन्तन मैथिली गद्यमे कोना देखाइत अछि?

- (A) उपन्याससभ (जेना बलचनमा) मे सेहो प्रबल रूपमे
- (B) गद्यमे ओ रूढ़िवादी छथि
- (C) गद्य ओ नहि लिखलनि
- (D) कोनो रूपमे नहि

१००. यात्री जीक जनवादी काव्य-परम्पराक मैथिली साहित्य पर की स्थायी प्रभाव पड़ल?

- (A) साहित्य बन्द भेल
- (B) मैथिली साहित्य पूर्णतः जनवादी, प्रगतिशील आ हाशियाक विमर्श सँ समृद्ध भेल
- (C) साहित्य कठिन भऽ गेल
- (D) केवल श्लोक लिखल गेल

भाग ६: 'चित्रा' क आंचलिकता आ मिथिलाक गाम-घर

१०१. यात्री जीक 'चित्रा' मे 'आंचलिकता' (Regionalism) क की स्वरूप अछि?

- (A) केवल गामक कुरुपता
- (B) मिथिलाक गाम-घराक माटि, पाँक, पोखरि, मखान, आ जनजीवनक सजीव आ यथार्थवादी चित्रण
- (C) काल्पनिक गाम
- (D) विदेशी शहरक प्रभाव

१०२. यात्री जीक कविता 'तरौनी' (Taroni) गामक ककर यथार्थ प्रस्तुत करैत अछि?

- (A) राजमहल क
- (B) गामक गरीबी, पाँक (कीचड़), मच्छर, आ अभावक बीच जीबैत आम लोकक (महान आंचलिक कविता)
- (C) स्वर्ग क
- (D) मथुरा क

१०३. मिथिलाक प्रसिद्ध 'मखान' आ 'माछ' यात्री जीक वियोगी कवि (सिन्दूर तिलकट भाल) कें कतय याद अबैत अछि?

- (A) गाममे हे
- (B) प्रवासमे (महानगर कलकत्ता/दिल्लीक अलोननेसमे)
- (C) जंगलमे
- (D) काशीमे

१०४. यात्री जीक कवितामे 'बाध' (खेत/मैदान) आ 'पोखरि' क की महत्व अछि?

- (A) सजावट
- (B) मिथिलाक भौगोलिक आ श्रमजीवी जीवनक अनिवार्य अंग (सजीव बिम्ब)
- (C) गन्दगी क कारण
- (D) कोनो महत्व नहि

१०५. गाममे 'बाढ़ि' (Flood) अएला पर गरीबक की दशा होइछ यात्री जीक अनुसार?

- (A) ओ सभ आनन्द मनावैछ
- (B) झोपड़ी खसि जाइछ, चौर-बाध जलमग्न भऽ जाइछ आ भुखमरी आबि जाइछ
- (C) ओ शहर चलि जाइछ
- (D) किछु नहि होइछ

१०६. यात्री जीक आंचलिक शब्दावलीमे 'पाँक' (कीचड़) ककरा सँ जुड़ल अछि?

- (A) गन्दगी सँ
- (B) खेतक कोदाइ, मखानक पोखरि आ मजदूरक पवित्र पसीना सँ (सृजनक प्रतीक)
- (C) बीमारी सँ
- (D) कोनो नहि

१०७. यात्री जीक कविता 'गामक साँझ' (सन्ध्या) केहन होइत अछि?

- (A) चामकैत बत्ती वला
- (B) अन्हार, डीह पर जरैत दीपक, मन्द हवा आ गरीबक चूल्हा सँ निकलैत धुआँ (मार्मिक यथार्थ)
- (C) उत्सवपूर्ण
- (D) विदेशी साँझ जकाँ

१०८. मिथिलाक 'कृषि-संस्कृति' (खेती-बाड़ी) यात्री जीक कवितामे कोना चित्रित अछि?

- (A) मशीन सँ खेती
- (B) बैल, हल, कोदाइ आ मजदूरक कठोर शारीरिक पसीना सँ रचित (पारम्परिक आ यथार्थ)
- (C) खेती बन्द देखाएल गेल अछि
- (D) केवल राजाक बगीचा

१०९. यात्री जीक कविता 'डीह' (Ancestral home) ककर प्रतीक थिक?

- (A) पुरान खण्डहर क
- (B) अपन पूर्वजक माटि, जड़ि आ सांस्कृतिक अस्मिता सँ जुड़ल रहबाक (भावनात्मक बिम्ब)
- (C) भूतक घर
- (D) कोनो प्रतीक नहि

११०. मिथिलाक गामक 'छोट-छोट बच्चा' यात्री जीक कवितामे की करैत देखाएल गेल अछि?

- (A) महग खिलौना सँ खेलैत
- (B) धूरि-माटिमे सनल, नग्न बदन आ नून-भात खैबाक लेल मचैत (सजीव ग्रामीण बालक)
- (C) कम्प्यूटर चलावैत
- (D) स्कूल जाइत

१११. यात्री जीक कविता 'पोखरिक मखान' ककर श्रम सँ उपजैक अछि?

- (A) जमींदारक
- (B) मल्लाह (केवट) आ धीवर वर्गक कठोर जल-साधना आ पसीना सँ
- (C) मशीन सँ
- (D) अपने उपजैछ

११२. यात्री जीक आंचलिकता ककर 'फ्यूजन' (मिश्रण) थिक?

- (A) विदेशी कला क
- (B) स्थानीय गामक सजीव सुगन्ध आ वैश्विक प्रगतिशील चेतनाक (Local + Global)
- (C) केवल इतिहास क
- (D) कोनो मिश्रण नहि

११३. यात्री जीक कविता 'आमक गाछी' (आम्रकुञ्ज) वैशाख मासमे की दैत अछि?

- (A) केरा
- (B) शीतल छहारी, अमझोरा (टिकुला क शरबत) आ गामक लोककें चौपाल (राहत)
- (C) धूप
- (D) क्रोध

११४. यात्री जीक 'चित्रा' क कवितासभमे मिथिलाक कोन त्योहारक लोक-संस्कृति देखा पड़ैत अछि?

- (A) विदेशी त्योहार
- (B) चैती, जुड़शीतल आ गामक पारम्परिक कृषि-उत्सव
- (C) केवल होली
- (D) कोनो त्योहार नहि

११५. यात्री जीक कविता 'कोदाइ' (कुदाल) ककर प्रतीक थिक?

- (A) विनाश क
- (B) मजदूरक पुरुषार्थ, कर्मयोग आ सृजन-शक्तिक (श्रम क प्रतीक)
- (C) कलम क
- (D) शत्रु क

११६. यात्री जीक आंचलिकता 'हरिमोहन झा' क आंचलिकता सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) दुनू एके अछि
- (B) हरिमोहन झा व्यंग्य आ हास्य प्रधान छथि, यात्री जी वर्ग-संघर्ष आ शोषित वर्गक यथार्थ प्रधान छथि
- (C) यात्री जी हँसैत छथि केवल
- (D) कोनो भिन्नता नहि

११७. यात्री जीक कविता 'गामक बुढ़वा' (वृद्ध) की करैत अछि?

- (A) गाम छोड़ि दैछ
- (B) चौपाल पर बैसि कऽ हुक्का पीबैत पुरान दिन आ समाजक पतनक कथा कहैछ (जीवन्त बिम्ब)
- (C) शहर जाइछ
- (D) नृत्य करैछ

११८. यात्री जीक कविता 'झोपड़ी' क आन्तरिक वातावरण केहन होइछ?

- (A) वैभवशाली
- (B) अभाव, टूटल टाटी, टूटल मटका मुदा आतिथ्य आ सात्त्विक कोमलता सँ युक्त
- (C) महल जकाँ
- (D) अन्हार मात्र

११९. यात्री जीक 'चित्रा' क कवितासभक भूगोल कतय पसरल अछि?

- (A) लन्दन धरि
- (B) दरभंगा, मधुबनी, कोशी तट आ सम्पूर्ण मिथिलाक गाम-जंगल धरि (स्थानीय भूगोल)
- (C) केवल अमेरिका
- (D) केवल दिल्ली

१२०. यात्री जीक आंचलिकता ककर विरुद्ध एकटा सशक्त मोर्चा थिक?

- (A) प्रकृति क विरुद्ध
- (B) महानगरीय चकाचौंध, वैश्वीकरण आ गामक उपेक्षा क विरुद्ध (गामक पुनर्स्थापना)
- (C) साहित्य क विरुद्ध
- (D) अंग्रेजी क विरुद्ध

भाग ७: अकादमिक समीक्षा आ समकालीन शोध-रुझान

१२१. समकालीन शोधक अनुसार 'चित्रा' क मैथिली कवितामे की स्थान अछि?

- (A) ई एकटा साधारण पोथी अछि
- (B) ई मैथिलीक आधुनिक जनवादी आ प्रगतिशील कविताक मूलाधार (Milestone) ग्रन्थ थिक
- (C) ई व्याकरणक पोथी अछि
- (D) ई केवल अनुवाद अछि

१२२. यात्री जीक 'चित्रा' पर भऽ रहल शोधक मुख्य विषय की होइत अछि आइ-काल्हि?

- (A) किताबक छपाई
- (B) एकर जनवादी चेतना, वर्ग-संघर्ष, आंचलिक बिम्ब आ छन्द-मुक्ति क दार्शनिक विश्लेषण
- (C) केवल कविक जीवनी
- (D) कोनो शोध नहि भऽ रहल अछि

१२३. विदेह आर्काइवमे यात्री जीक रचनासभक 'डिजिटलाइजेशन' (Digitalization) क की फायदा भेल?

- (A) किताब नष्ट भऽ गेल
- (B) वैश्विक शोधार्थीसभ लेल यात्री जीक दुर्लभ मैथिली पद आ कविता इन्टरनेट पर यूनिकोडमे निःशुल्क उपलब्ध भेल
- (C) किताब महग भेल
- (D) कोनो फायदा नहि

१२४. यात्री जीक कवितामे 'सबअल्टर्न विमर्श' (Subaltern Discourse) कोना देखाइत अछि?

- (A) राजाक कथा सँ
- (B) मजदूर, दलित, वंचित आ हाशिया पर राखल गेल वर्गक नायक बनेबाक प्रवृत्तिक कारण
- (C) विदेशी दर्शन सँ
- (D) केवल प्रकृतिक वर्णन सँ

१२५. यात्री जीक 'व्यंग्य-शिल्प' (Satyric technique) क समकालीन शोधमे की महत्व अछि?

- (A) ओ नीरस अछि
- (B) ओ व्यवस्थाक भ्रष्टाचार आ सामाजिक रूढ़ि पर सीधा आ अचूक प्रहार करबाक एकटा मानक थिक
- (C) ओ केवल हास्य अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

१२६. यात्री जीक कविता 'सिन्दूर तिलकित भाल' क दार्शनिक निष्कर्ष की थिक?

- (A) गाम छोड़ि देब
- (B) वैश्वीकरण आ प्रवासनक बीचो अपन माटि, संस्कृति आ पत्नीक प्रति अनन्य प्रेम आ जड़ि सँ जुड़ाव
- (C) महानगरक प्रशंसा
- (D) कोनो नहि

१२७. यात्री जीक 'मुक्त छन्द' (Free Verse) क समकालीन कविसभ पर की प्रभाव पड़ल?

- (A) सभ कविता छोड़ि देलनि
- (B) नव पुस्ता छन्दक रूढ़ि सँ मुक्त भऽ कऽ यथार्थवादी आ वैचारिक कविता लिखय लगलाह
- (C) कविता कठिन भऽ गेल
- (D) केवल गजल लिखल गेल

१२८. यात्री जीक 'जन-कवि' (People's Poet) उपाधिक की सार्थकता थिक?

- (A) ओ राजाक दरबारमे छलाह
- (B) हुनकर कविता गामक अन्तिम पाँतिक मानुष क दुःख-सुख आ हुङ्कारक साक्षात् आवाज थिक
- (C) ओ केवल शहरमे रहैत छलाह
- (D) कोनो सार्थकता नहि

१२९. यात्री जीक कविता 'मक्खू' क समकालीन प्रासंगिकता की अछि?

- (A) मक्खू पुराना भऽ गेल
- (B) आजुओ समाजमे मौजूद आर्थिक विषमता आ श्रमजीवी वर्गक शोषणक विरुद्ध मक्खू एकटा जीवन्त प्रतीक अछि
- (C) कोनो प्रासंगिकता नहि
- (D) केवल इतिहास अछि

१३०. यात्री जीक 'ठेठ शब्दावली' क भाषा-वैज्ञानिक महत्व की अछि?

- (A) ओ भाषा नष्ट करैछ
- (B) एहि सँ मैथिलीक अपन आंचलिक शब्द, मुहावरा आ भाषाक निज सामर्थ्य सुरक्षित आ समृद्ध भेल अछि
- (C) ओ कठिन अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

१३१. यात्री जीक चिन्तनमे 'प्रकृति' क की स्थान अछि?

- (A) केवल काल्पनिक सुन्दरता
- (B) मानव जीवन, श्रम आ यथार्थ संघर्षक सङ्ग बहैत प्रकृतिक स्वाभाविक रूप (उद्दीपन)
- (C) नीरस रूप
- (D) कोनो स्थान नहि

१३२. यात्री जीक कविता 'बापुक मरण पर' क समकालीन अकादमिक निष्कर्ष की थिक?

- (A) केवल एकटा शोक गीत
- (B) देशमे साम्प्रदायिकताक विरुद्ध आ गान्धीक आदर्शक रक्षाक एकटा सशक्त वैचारिक हुड्कार
- (C) राजनीतिक भाषण
- (D) कोनो निष्कर्ष नहि

१३३. यात्री जीक 'चित्रा' क तुलनात्मक अध्ययन आधुनिक हिन्दी कवितामे ककरा सँ कएल जाइत अछि?

- (A) निराला आ नागार्जुन (स्वयं हिनक हिन्दी रूप) क प्रगतिशील कवितासभ सँ
- (B) महादेवी वर्मा सँ
- (C) पंत सँ
- (D) अज्ञेय सँ

१३४. सुमन जीक अलङ्कृत शैलीक तुलनामे यात्री जीक शैली केँ की कहल जाबाक चाही?

- (A) कमजोर शैली
- (B) यथार्थवादी, सम्प्रेषणीय, मारक आ जनवादी शैली (Direct and Impactful)
- (C) दरबारी शैली
- (D) कोनो शैली नहि

१३५. यात्री जीक कविता 'राशनक कतार' ककर प्रतीक थिक समकालीन विमर्शमे?

- (A) भ्रष्ट व्यवस्था, आम जनमानसक लाचारी आ प्रशासनिक शिथिलताक स्थायी बिम्ब
- (B) अन्नक उत्सव
- (C) बजारक लाभ
- (D) कोनो प्रतीक नहि

१३६. यात्री जीक काव्यमे 'जिजीविषा' (Will to live) क की अर्थ थिक?

- (A) मरि जेबाक इच्छा
- (B) कठोरतम अभाव आ गरीबीक बीचो हँसि कऽ जीबाक आ लड़बाक अदम्य मानवीय साहस
- (C) उदासी
- (D) संन्यास

१३७. यात्री जीक 'चित्रा' क कवितासभक आवरण डिजाइनमे ककर मोटिफ सर्वश्रेष्ठ रहत?

- (A) सोनाक महल
- (B) खेतमे हल जोतैत किसान, झोपड़ीक बाहर जरैत डीहक दीप वा गोदना चित्रकला
- (C) केवल फूल
- (D) विदेशी चित्र

१३८. यात्री जीक 'चित्रा' महाकाव्य अछि की कविता-संग्रह?

- (A) महाकाव्य
- (B) विविध जनवादी आ प्रगतिशील कवितासभक एकटा समृद्ध संग्रह
- (C) उपन्यास
- (D) नाटक

१३९. यात्री जीक अकादमिक मूल्यांकन करैत विदेह पत्रिका की कहैत अछि?

- (A) यात्री जी पुराना भऽ गेलाह
- (B) यात्री जी मैथिली साहित्यकें दरबारी सँ जनवादी बनेबाक युग-पुरुष (क्रान्तिकारी कवि) छथि
- (C) ओ केवल गजलकार छलाह
- (D) कोनो मूल्यांकन नहि अछि

१४०. ई १४० प्रश्नक विस्तृत 'चित्रा-यात्री' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय ८ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) वैद्यनाथ मिश्र (नागार्जुन) — मैथिली साहित्यमे वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' नाम सँ आ हिन्दीमे ओ 'नागार्जुन' नाम सँ प्रख्यात छथि।
२. (A) १९४९ ई. — 'चित्रा' क प्रथम संस्करण १९४९ मे प्रकाशित भेल छल, जे आधुनिक मैथिली कविताक प्रस्थान-बिन्दु थिक।
३. (B) तरौनी (दरभंगा जिला) — यात्री जीक पैतृक ग्राम दरभंगा जिलाक तरौनी छल, मुदा हिनक जन्म ननिहाल सतलखा (मधुबनी) मे भेल छल।
४. (B) प्रगतिवाद / जनवाद (Marxist/Socialist Realism) — 'चित्रा' मैथिली साहित्यमे प्रगतिशील यथार्थवाद आ मार्क्सवादी विचारधाराक शंखनाद थिक।
५. (B) पत्रहीन नग्न गाछ — हिनका १९६८ मे 'पत्रहीन नग्न गाछ' कविता-संग्रह लेल साहित्य अकादमी पुरस्कार सँ सम्मानित कएल गेल छल।
६. (B) मिथिलाक शोषित किसान, मजदूर, प्रवासी आ ग्रामीण जीवनक यथार्थ — यात्री जी मिथिलाक भुइँया-मजदूर आ गाम-घराक दुःख-सुखकें अपन कविताक केन्द्र बनेलनि।
७. (B) अत्यन्त सम्प्रेषणीय, बोधगम्य, ठेठ आ जनभाषाक सन्निकट मैथिली — हिनक भाषा माटिक बोली सँ जुड़ल अछि, जहिमे प्रहार करबाक अद्भुत मारक क्षमता अछि।
८. (A) यात्री जीक — यात्री जी अपन कवितामे साधारण गामक शोषित मानुष (जहिना मक्खू) कें नायक बनेलनि।
९. (B) मैथिलीक आधुनिक यथार्थपरक काव्य-लोचनक आधार — चित्राक कवितासभक रचना-प्रक्रिया आ ओकर विद्रोही तेवर मैथिली काव्य-समीक्षाकें नव दिशा देलक।
१०. (B) विविध रंग, यथार्थ आ समाजक बहुरङ्गी जीवन्त चित्र — 'चित्रा' अर्थात् जहिमे समाजक अनेक यथार्थवादी बिम्ब आ चित्र समाहित कएल गेल होय।
११. (B) तीक्ष्ण, मारक आ सत्ता-व्यवस्थाक शोषण पर कर प्रहार करय वला — हिनक व्यंग्य समाजक रूढ़ि आ भ्रष्ट व्यवस्थाक वस्त्र उतारि कऽ सोझाँ राखि दैत अछि।

१२. (A) प्रगतिशील लेखक संघ (Progressive Writers' Movement) — यात्री जी राष्ट्रीय स्तर पर प्रगतिशील लेखक संघ सँ जुड़ल छलाह, जकर स्पष्ट प्रभाव 'चित्रा' पर अछि।
१३. (B) बेमेल विवाह / बाल विवाह / कन्या बिक्रय — मिथिलामे वृद्ध पुरुष सँ अल्पायु कन्याक विवाहक (पैसाक लेल) कुप्रथा पर ई कविता भयानक चोट करैत अछि।
१४. (B) मजदूर आ शोषित वर्गक न्याय आ क्रान्तिक — यात्री जी साहित्यकें सामाजिक क्रान्ति आ वर्ग-संघर्षक एकटा सशक्त माध्यम मानैत छलाह।
१५. (B) केन्द्रीय स्थान (कलकत्ता आ असम कमाबय गेल प्रवासीक दर्द) — मिथिला सँ रोजी-रोटी लेल बाहर जाइ वला प्रवासी आ पाछाँ छूटल पत्नीक विरह हिनक मुख्य विषय थिक।
१६. (B) झोपड़ीक पसीना आ श्रम राजमहल सँ आरो बेसी पवित्र आ श्रेष्ठ अछि — ओ श्रमजीवी वर्गक झोपड़ीक सात्विकताकें पूँजीपति वर्गक शोषणक महल सँ ऊँचा मानैत छथि।
१७. (A) दुनूमे एकहि प्रकारक जनवादी आ प्रगतिशील तेवर अछि — उपनाम भले अलग हो, मुदा दुनू भाषाक लेखनमे ओ शोषित जनमानसक प्रखर स्वर छथि।
१८. (B) प्रायः पौराणिक, दरबारी, रीतिवादी आ पारम्परिक शृङ्गारिक — यात्री जी मैथिली कविताकें केवल राधा-कृष्णक शृङ्गार सँ निकालि कऽ खेत-खरिहानक माटि सँ जोड़लनि।
१९. (A) भूखक वीभत्स यथार्थ आ अकालक बाद गामक चूल्हा जलबाक सजीव दृश्य — भूखक एहन मार्मिक आ यथार्थवादी शब्द-चित्र सम्पूर्ण भारतीय साहित्यमे दुर्लभ अछि।
२०. (B) एकरा मैथिलीक आधुनिक जनवादी कविताक प्रस्थान-ग्रन्थ (मूलाधार) मानल गेल — विदेह ई-जर्नल यात्री जीक प्रगतिशील दृष्टि आ ओकर डिजिटल प्रलेखनकें गम्भीरता सँ सोझाँ अनलक अछि।
२१. (B) मिथिलाक गरीब मजदूरसभक रोजी-रोटी लेल प्रवासन (पलायन) क प्रतीक रूपमे — मिथिलाक नवयुवक पेटक आगि बुझाबय लेल कलकत्ताक जूट मिल वा असम क चहा बगान जाइत छलाह, जे पलायनक दर्द थिक।
२२. (B) ओ घोर गरीबी, एकान्तपन, विरह आ पारिवारिक प्रताड़ना सहैत अछि — हिनक विरह वर्णन विद्यापति जकाँ रूमानी नहि, बल्कि घोर यथार्थवादी आ अभाव सँ भरल होइछ।
२३. (B) महात्मा गांधी (बापू) क शहादत आ देशक स्थिति पर — महात्मा गांधीक मरण पर यात्री जीक ई शोक-कविता देशक साम्प्रदायिक स्थिति पर कड़ा व्यंग्य आ दुःख थिक।
२४. (B) गाम-घराक गरीबी आ भूख (भूखल पेट) क वीभत्स यथार्थ — गाममे कतेको दिन धरि चूल्हा नहि जलबाक दृश्य साक्षात् भुखमरी आ निर्धनताक बिम्ब थिक।
२५. (B) अल्प पैसा (मनीआर्डर) आ अपन बीमारी-संघर्षक गाथा — यात्री जीक परदेशी पति केवल रूमानी बात नहि करैत, ओ अपन मजदूरी आ कष्टक यथार्थ सेहो पठावैत अछि।
२६. (A) प्रवासी क अपन गाम, पत्नी, मैथिली माटि आ मखान-माछ क तीव्र स्मृति (हृदयक तड़प) — महानगरमे बैसि कऽ कवि अपन गामक पोखरि, मखान, तरौनी गामक माटि आ पत्नीक सिन्दूर याद कऽ व्याकुल होइत छथि।
२७. (B) अपन आँगनक दीवार, गाछ-बिरिछ आ सखी सँ (सहज रूपमे) — हिनक नायिका गामक यथार्थ परिवेशमे जीबैत अछि जकर कोनो राजसी ठाट-बाट नहि छैक।
२८. (B) ओकर सम्पूर्ण यौवन आ जीवन केवल इन्तजार आ अभावक आगिमे जरि गेल — पलायनक सभसँ पैघ दंश मिथिलाक स्त्री समाज भोगैत अछि, जकर पति वर्षो-वर्ष गाम नहि अबैत छथि।
२९. (B) भ्रष्ट शिक्षा-व्यवस्था, भुखमरी सँ मरल शिक्षक आ नौकरशाहीक क्रूरताक — एकटा गरीब स्कूल मास्टर भूख सँ मरि जाइत अछि, मुदा यमराजक दरबारमे ओकरा भुखमरी सँ मरण नहि मानल जाइछ, ई व्यवस्था पर कड़ा व्यंग्य अछि।
३०. (B) मिथिलाक गामक माटि, संघर्षरत मानव, किसान वा यथार्थवादी रेखाचित्र — संग्रहक जनवादी तेवरक कारण एकर आवरण पर श्रमजीवी लोक आ माटिक चित्र उपयुक्त होइछ।
३१. (B) एकटा आम गरीब, शोषित आ गामक शोषित मजदूरक जीवन-कथा — मक्खू गामक ओही वंचित वर्गक प्रतिनिधि थिक जे दिन-रात खटितो पेट भरि अन्न नहि पाबैत अछि।
३२. (B) विद्यापतिक विरहिणी महली सुखमे अछि, यात्रीक विरहिणी झोपड़ीक अभाव आ भूखमे अछि — यात्री जी विरहकें केवल मानसिक अवस्था नहि, आर्थिक अभावक सँग जोड़ि कऽ देखलनि अछि।

३३. (B) खेत-खरिहानक श्रम आ माटिक सजीव सुगन्धक (प्रगतिशील बिम्ब) — ओ 'काद' के मजदूरी आ सृजनक पवित्र श्रम मानैत छथि जहाँ सँ धान उपजैक अछि।
३४. (B) सस्ता खिलौना, बीमारी आ अपन थकल शरीर — महानगर सँ लौटि कऽ ओकरा केवल थकान आ शोषणक बीमारी हे हाथ लगैत छैक।
३५. (A) हिमालय आ मानसरोवरक अलौकिक सौन्दर्यक — यात्री जी प्रकृतक सेहो अत्यन्त सजीव आ यथार्थवादी रूप देखलनि जतय किन्नर-किन्नरीक जीवन अछि।
३६. (B) जेबीमे टका नहि रहबाक कारणे ओ केवल ताकैत रहि जाइत अछि — हाट-बाजारमे उपलब्ध वस्तुकेँ गरीब केवल आँखि सँ देखि सकैत अछि, क्रय-शक्तिक अभाव हिनक कवितामे देखाएल गेल अछि।
३७. (B) ओकर आँखि बाट ताकैत-ताकैत पथरा जाइत अछि जे पुत्र क चिट्ठी कहिया आउत — वृद्ध माता-पिताक बुढ़ापा परदेशी पुत्रक मनीआर्डर पर टिकि रहैत अछि, जकर कारुणिक चित्रण हिनक देन थिक।
३८. (B) अभावक बीचो जीवन आ प्रेमक जिजीविषा (जीबाक इच्छा) केँ बचा कऽ राखब — हिनक प्रेम केवल कल्पना नहि, बल्कि जीवनक कठोर संघर्षक बीच एक दोसरा क सहारा बनब थिक।
३९. (B) हुनकर अपन पैतृक गामक यथार्थ, ओतय क पाँक, माछ आ गरीबी क जीवन्त दस्तावेज — अपन गाम 'तरौनी' केँ ओ साहित्यक मानचित्र पर अमर कऽ देलनि जकर यथार्थ ओ बेबाकी सँ लिखलनि।
४०. (B) पूँजीवादी व्यवस्थाक कारणे गामक पतन आ पलायनक विरुद्ध जन-चेतनाक जागृति — ई कवितासभ व्यवस्था पर चोट करैत अछि जे गामक युवककेँ अपन माटि छोड़ि कुली बनबाक लेल विवश करैत अछि।
४१. (B) शोषक आ जनमानसक खून चूसय वला जौक जकाँ — यात्री जी वर्ग-विभाजित समाजमे जमींदारक सामन्ती अत्याचार पर कड़ा प्रहार केलनि।
४२. (B) गेहूँ आ चैत मासक श्रमजीवी वर्गक कठोर पसीना आ शोषणक — चैत मासक कड़ा घाममे मजदूर फसल काटैत छथि मुदा फसल जमींदारक गोदाममे चलि जाइत छैक।
४३. (B) विना कपड़ेक ओ गामक चौपाल पर घूरि (आगि) तापैत जाइ काटैत अछि — जाइक क्रूरता गरीब लेल केहन वज्र बनैत अछि, तकर नग्न यथार्थ यात्री जी लिखने छथि।
४४. (B) जातिवाद मानव-मानव के बीचक भेद आ विकासक बाधक थिक, एकरा मिटबाक चाही — यात्री जी जाति-पाँतिक रूढ़ि तोड़ि कऽ वर्ग-चेतना (Class consciousness) जगाबय लेल कविता लिखलनि।
४५. (B) श्रम क (जे लोहा गला कऽ संसारक निर्माण करैत अछि) — मजदूरक कठोर श्रम हे सभ्यताक आधार थिक, यात्री जी ओकरा सलाम करैत छथि।
४६. (B) गिद्ध आ देशकेँ बेचय वला पापि सँ — आजादीक बादो जखन गरीबक दशा नहि बदलल, तँ यात्री जी कांग्रेस आ सत्ताधारी नेता सभ पर खूब व्यंग्य केलनि।
४७. (B) मिथिलाक स्थानीय समाजिक वर्ग-संघर्ष आ गरीबक पीड़ाक सँग रचि-बसि कऽ — यात्री जी मार्क्सवादी सिद्धान्तकेँ गामक यथार्थ (खेत-मजदूरक जीवन) मे ढालि कऽ मैथिली कविता बनेलनि।
४८. (A) जातिगत छुआछूत आ सामाजिक भेदभावक — दलित आ छूत कहि कऽ जकर शोषण कएल जाइत अछि, यात्री जी ओकरा जागृत करैत छथि।
४९. (B) शोषित वर्गकेँ अपन अधिकार लेल बगावत आ व्यवस्था परिवर्तन करबाक — ओ कहैत छथि जे बिना लडने अधिकार नहि भेटत, शोषित वर्गकेँ एक होबय पड़त।
५०. (B) हुनकर एक-एक शब्द शोषक वर्गक पीठ पर चाबुक जकाँ लगैत अछि — यात्री जीक वाक्-प्रहार एतेक तीक्ष्ण होइछ जे भ्रष्ट सत्ता आ शोषक काँपि जाइत अछि।
५१. (B) धूरि-माटिमे खेलैत, कुपोषण आ अभावक बीच निर्भय भऽ कऽ (प्राकृतिक रूपमे) — धूरि-धूसर बच्चाक कोमल रूप आ ओकर जीवनक यथार्थकेँ ओ सजीव चित्रित केने छथि।
५२. (B) आजादीक बादो एक-एक दाना अन्न लेल गरीबक लाइनमे खड़ा होएबाक लाचारी — भ्रष्ट वितरण प्रणाली आ भुखमरी पर यात्री जीक ई एकटा कालजयी व्यंग्य कविता थिक।
५३. (B) मनुष्य द्वारा मनुष्यक आ श्रम क शोषण करय वला दानवी व्यवस्था — ओ पूँजीवादक नग्न रूप देखलनि जतय तिजोरी भरैत अछि आ पेट खाली रहैत अछि।
५४. (B) प्रकृति (सुखाड़/बाढ़ि) आ जमींदारक दुहरे मारि सँ — मिथिलाक किसान प्रतिवर्ष बाढ़ि सँ तँ तबाह होइत हे अछि, महाजनक कर्ज सेहो ओकरा जरा दैत छैक।

५५. (B) भ्रष्ट नेता, शोषक महाजन, रूढ़िवादी पाँडे आ शोषक जमींदार — ओ समाजक ओही ठेकेदार सभ पर प्रहार करैत छथि जे धर्म आ सत्ताक नाम पर गरीबकें ठकैत अछि।
५६. (B) सभ धनीक बनू — ओ एकटा एहन समाजक सपना देखलनि जतय केहू ककरो श्रम पर महल नहि बना सकय।
५७. (B) वृद्धक मृत्यु आ अल्पायु कन्याक बाल-वैधव्यक कारुणिक यथार्थ — ई कविता समाजक कुप्रथाक भयानक आ करुण परिणाम पाठकक सोझाँ लाबि कऽ झकझोरि दैत अछि।
५८. (B) शोषित, दलाल आ सर्वहारा वर्गक (Proletariat) — सर्वहारा वर्ग जखन जागृत हेत तँ संसारक भयंकर सत्ता सेहो पलटि जाएतैक, ई यात्रीक विश्वास थिक।
५९. (B) विद्यापति दरबारी छलाह (लौकिक वैभव), यात्री जी जनवादी छथि (जनमानसक यथार्थ) — यात्री जी राजा-महाराजाक चौखट छोड़ि कऽ सीधे जनताक बीच आबि कऽ जन-कवि भेलाह।
६०. (B) ई मैथिली समाजमे वैचारिक नवजागरण, चेतना आ हक लेल लड़बाक जज्बा पैदा केलक — चित्रा मैथिली साहित्यकें रूढ़िवादित सँ निकालि कऽ आधुनिक जनवादी चेतना सँ ओत-प्रोत केलक।
६१. (B) छन्दक रूढ़ि सँ मुक्त, आन्तरिक लय (Rhythm) आ लोक-धुन पर आधारित — यात्री जी पारम्परिक छन्दक बन्धन तोड़ि कऽ कविताकें आम जनताक बोलबाक लय (Speech rhythm) सँ जोड़लनि।
६२. (B) गामक यथार्थ आ श्रमजीवी वर्गक संवेदना सोझाँ अनबाक लेल (स्थानीय सुगन्ध) — गामक माटि, खेत, आ औजारक नाम (जहिना कोदाइ, खुरपी, पाँक) हिनक कविताकें जीवन्त बनावैत अछि।
६३. (B) मिथिलाक लोक-जीवन, कहावत, मुहावरा आ गामक मुसकुराहट-पीड़ाक समावेश — यात्री जीक कविता गामक चौपाल, हाट, आ बुढ़-पुरानक कहावत सँ रचल-बसल अछि।
६४. (B) एहिमे कृत्रिम तुकबन्दी नहि, बल्कि विचार आ ध्वनिक एकटा आन्तरिक जनवादी लय होइत अछि — हिनक मुक्त छन्द (Free verse) पढ़बा काल एकटा स्वाभाविक प्रवाह (Flow) भेटैत अछि जे पाठककें मग्न करैछ।
६५. (B) खेत, खरिहान, झोपड़ी, रेलवे स्टेशन आ गामक गली सँ (यथार्थवादी बिम्ब) — ओ चामकैत बिजलीक बदला चूल्हाक आगि वा रेलक धुआँ जकाँ यथार्थवादी बिम्बक प्रचुर प्रयोग केलनि।
६६. (B) समाजक यथार्थ खुरदरापन आ क्रोधानिकें प्रगट करबाक लेल (ओज गुण) — प्रगतिवादी कवितामे कोमलकान्त पदावलीक बदला शोषक वर्ग पर प्रहार लेल तीक्ष्ण शब्दक प्रयोग स्वाभाविक अछि।
६७. (B) सस्वर आ जनसभा/चौपाल पर जोर सँ (Recitation/Public Reading) जाहि सँ जन-चेतना जागय — यात्री जीक कविता मंच आ जनसभाक कविता थिक जकर असली मारक क्षमता आवाज सँ प्रगट होइछ।
६८. (B) तीर जकाँ मारक व्यंग्य आ वक्रोक्ति क माध्यम सँ — ओ व्यवस्था पर एहन व्यंग्य करैत छथि जेकर वाच्यार्थ साधारण मुदा व्यङ्ग्यार्थ अत्यन्त तीक्ष्ण होइछ।
६९. (B) नाटकीय आ सीधा बातचीत जकाँ (जेना आम लोक आपसमे बजैत हो) — हिनक कविता पढ़ि कऽ लागैछ जेना गामक ककरो चौपाल पर बैसि कऽ बहस सुनि रहल छी।
७०. (B) मैथिली कवितामे नव विषय-वस्तु आ सहज यथार्थवादी सृजनक बाध खुजि गेल — यात्री जी छन्दक बन्धन तोड़ि कऽ मैथिली कविताकें जन-जन धरि पहुँचाएबाक पैघ काज केलनि।
७१. (B) पूर्णतः ठेठ आंचलिक मैथिली जहिमे श्रमजीवी वर्गक शब्द अछि — मक्खू क भाषा ओही वर्गक बोली थिक जकर ओ प्रतिनिधित्व करैत अछि।
७२. (B) पाठकक आँखि क सोझाँ यथार्थ क जीवन्त दृश्य उपस्थित करब — हिनक बिम्ब पाठककें साक्षात् गामक अभाव आ गरीबीक दर्शन करा दैत अछि।
७३. (B) चाबुक (Whip) क मारि जकाँ जे व्यवस्थाकें झकझोरैत अछि — ओ भ्रष्ट नेता वा महाजनक तुलना शोषक जीवसभ सँ कऽ कऽ कड़ा प्रहार करैत छथि।
७४. (B) मिथिलाक गामक पारम्परिक माटिक धुन आ कहावतक प्रवाह — तरौनी कविता गामक जीवनक एकटा जीवन्त लोक-गीत जकाँ प्रवाहपूर्ण अछि।
७५. (B) ओ आम लोकक दैनिक मुहावरा सँ रचित आ तीक्ष्ण होइत अछि — ओ गामक चालू मुहावरा क प्रयोग कऽ कविताकें अत्यन्त मारक बना दैत छथि।
७६. (A) जे कविता केवल राजाक लेल नहि जनताक लेल थिक — ओ सिद्ध केलनि जे कविताक असली ताकत ओकर विचार आ यथार्थमे अछि, कृत्रिम तुकबन्दीमे नहि।

७७. (B) घरमे कतेको दिन सँ आगि नहि जलबाक आ घोर भुखमरी क (वीभत्स/करुण बिम्ब) — चूल्हा ठंढा अछि आ ओतय कुकुर सुतल अछि, ई भूख आ दरिद्रताक सबसँ पैघ भयानक बिम्ब थिक।
७८. (B) छोट-छोट कवितासभक माध्यम सँ समाजक एकटा वृहत् यथार्थवादी इतिहास कहब — चित्राक प्रत्येक कविता समाजक एक-एक पाँतिकें उधाड़ि कऽ सोझाँ रखैत अछि।
७९. (B) वैचारिक प्रहार आ जनवादी हुङ्कार (Ideological strength) — हिनक कवितामे शब्दक झंकार सँ पैघ विचार आ क्रान्तिक हुङ्कार प्रधान रहैत अछि।
८०. (B) गामक लोक-बोलीकें साहित्यक ऊँचाई आ प्रतिष्ठा प्रदान करब — ओ सिद्ध केलनि जे गामक ठेठ मैथिली सेहो महाकाव्यात्मक आ कालजयी साहित्यक लेल सर्वश्रेष्ठ अछि।
८१. (B) खेत-मजदूर आ जमींदारक बीचक आर्थिक शोषणक यथार्थ रूपमे — यात्री जी मार्क्सवादकें मिथिलाक गामक आर्थिक विषमता आ शोषण सँ जोड़ि कऽ देखलनि।
८२. (B) श्रमक शोषण करय वला पूँजीपति आ भ्रष्ट व्यवस्थाक रक्षक — ओ अपन कवितामे ओही वर्ग पर प्रहार करैत छथि जे दोसरक श्रम पर तिजोरी भरैत अछि।
८३. (B) मजदूर, किसान, शोषित आ वंचित जनमानसक — सर्वहारा वर्गक जागिते हे शोषणक व्यवस्था समाप्त हेत, यात्री जी एकर आह्वान करैत छथि।
८४. (B) भ्रष्ट स्वदेशी नेता आ शोषक तंत्रक (जे आजादीक बादो गरीबकें लुटैत रहल) — ओ कहलनि जे गोरा अंग्रेज तँ गेल मुदा कारी अंग्रेज (भ्रष्ट नेता) आबि कऽ देशकें लूटि रहल अछि।
८५. (B) अन्यायक विरुद्ध संगठित भऽ कऽ लड़ब आ अपन हक छीनब — हिनक कविता याचना (भीख) क नहि, अधिकारक हुङ्कार क कविता थिक।
८६. (B) शोषित, वंचित, निर्धन आ मजदूर वर्गक पक्ष (साझा पक्ष) — जन-कवि होएबाक कारणे ओ सदा हाशिया पर राखल गेल वर्गक संग ठाढ़ रहलाह।
८७. (B) मजदूरक खून आ पसीना सँ निर्मित धन जकरा पर पूँजीपति ताला लगाने अछि — ओ मार्क्सक सिद्धान्त जकाँ मानैत छथि जे पूँजी मजदूरक श्रम थिक जकर चोरी पूँजीपति करैत अछि।
८८. (B) मक्खू अपन श्रम क मूल्य बुझैछ आ शोषकक आगू झुकबा सँ मना करैछ (आत्मसम्मान) — मक्खू केवल रोइत नहि अछि, ओकर भीतर वर्ग-चेतना आ प्रतिरोधिक ज्वाला सेहो अछि।
८९. (A) रूढ़ि, अन्धविश्वास, आ समाजिक विषमता तोड़ि कऽ प्रगतिशील वैज्ञानिक दृष्टि अपनाबय — ओ मिथिलाक परम्परागत जड़ता आ अन्धविश्वास पर कड़ा प्रहार कऽ प्रगतिशील समाजक निर्माण चाहैत छलाह।
९०. (B) जतय सभकें भोजन, वस्त्र, आ श्रम क उचित सम्मान भेटय (समानता) — ओ एकटा वर्गहीन आ शोषक-मुक्त गामक निर्माणक परिकल्पना करैत छथि।
९१. (B) जनताक जाग्रत भेला पर शोषकक पतन निश्चित अछि — ओ चेतावनी दैत छथि जे जनताक लाठी जखन उठत तँ पैघ-पैघ शोषक सेहो भागि जएताह।
९२. (B) रूस-चीनक क्रान्ति आ भारतक किसान आन्दोलनक व्यावहारिक अनुभव सँ — यात्री जी स्वयं किसान आन्दोलनमे जेल गेल छलाह, ताहि लेल हुनकर मार्क्सवाद व्यावहारिक थिक।
९३. (B) सम्पूर्ण संसारक वैभव आ पैघ-पैघ अट्टालिका (सृष्टि) — ओ कहैत छथि जे मजदूरक हाथ हे पाथर काटि कऽ महल बनबैछ, अतः ओ हे संसारक भाग्यविधाता थिक।
९४. (B) जँ धर्म शोषणक साधन आ अन्धविश्वास बनैछ तँ ओ अफीम जकाँ खतरनाक अछि — ओ धर्मक नाम पर गरीबकें ठकय वला पाँडे-पुरोहित सभ पर तीक्ष्ण व्यंग्य केलनि।
९५. (B) अन्यायक पहचान आ ओकर विरुद्ध एकजुट होमय क हौसला — ई कवितासभ पाठककें भाग्यवादी सँ कर्मवादी आ क्रान्तिकारी बनेबाक प्रयास करैत अछि।
९६. (B) श्रमजीवी आ सर्वहारा वर्गक (मजदूरक विजय) — अन्ततः इतिहासक चक्र मजदूरक पक्षमे घुर्त, ई यात्री जीक जनवादी काव्यक मूल स्वर थिक।
९७. (B) भूख कोनो ईश्वरक देन नहि बल्कि आर्थिक शोषण आ विषमताक परिणाम थिक — ओ कहैत छथि जे गोदाममे अन्न सड़ि रहल अछि आ बच्चा भूख सँ मरि रहल अछि, ई व्यवस्थाक क्रूरता थिक।
९८. (B) जागृत युवा, किसान आ शोषित मजदूरकें — गामक शोषित जनता हे जखन संगठित हेत तँ ओ हे क्रान्तिक दूत बनि व्यवस्था पलटत।

१९. (A) उपन्याससभ (जेना बलचनमा) मे सेहो प्रबल रूपमे — हिनक उपन्यास 'बलचनमा' मैथिलीक प्रथम मार्क्सवादी यथार्थवादी उपन्यास मानल जाइत अछि।
१००. (B) मैथिली साहित्य पूर्णतः जनवादी, प्रगतिशील आ हाशियाक विमर्श सँ समृद्ध भेल — यात्री जी मैथिली साहित्यकें सदा लेल जन-संवेदना आ सामाजिक यथार्थ सँ जोड़ि कऽ अमर कऽ देलनि।
१०१. (B) मिथिलाक गाम-घराक माटि, पाँक, पोखरि, मखान, आ जनजीवनक सजीव आ यथार्थवादी चित्रण — हिनक आंचलिकता कृत्रिम नहि अछि, ओ मिथिलाक प्रकृतक सुख-दुःखक सजीव दस्तावेज थिक।
१०२. (B) गामक गरीबी, पाँक (कीचड़), मच्छर, आ अभावक बीच जीबैत आम लोकक (महान आंचलिक कविता) — ओ अपन गामकें कोनो काल्पनिक स्वर्ग नहि, बल्कि अभाव आ कीचड़ सँ भरल यथार्थ गामक रूपमे चित्रित केलनि।
१०३. (B) प्रवासमे (महानगर कलकत्ता/दिल्लीक अलोननेसमे) — परदेशमे बैसि कऽ कवि गामक पोखरि, ओतय क कमल-पत्ता, मखान आ माछक स्वाद याद कऽ व्याकुल होइत छथि।
१०४. (B) मिथिलाक भौगोलिक आ श्रमजीवी जीवनक अनिवार्य अंग (सजीव बिम्ब) — बाध आ पोखरि हे मिथिलाक जीवनक आधार थिक जकरा यात्री जी अपन कवितामे अमर केलनि।
१०५. (B) झोपड़ी खसि जाइछ, चौर-बाध जलमग्न भऽ जाइछ आ भुखमरी आबि जाइछ — मिथिलाक प्रतिवर्षक बाढ़िक त्रासदी आ ताहिमे गरीबक तबाह होएबाक दृश्य हिनक कवितामे सजीव अछि।
१०६. (B) खेतक कोदाइ, मखानक पोखरि आ मजदूरक पवित्र पसीना सँ (सृजनक प्रतीक) — ओ पाँक (कीचड़) कें घृणाक वस्तु नहि, बल्कि सृजन आ श्रम क आधार मानैत छथि।
१०७. (B) अन्हार, डीह पर जरैत दीपक, मन्द हवा आ गरीबक चूल्हा सँ निकलैत धुआँ (मार्मिक यथार्थ) — गामक साँझमे चकाचौंध नहि, एकटा स्वाभाविक शान्ति आ अभावक अन्हार पसरल रहैछ।
१०८. (B) बैल, हल, कोदाइ आ मजदूरक कठोर शारीरिक पसीना सँ रचित (पारम्परिक आ यथार्थ) — खेती-बाड़ीक एक-एक प्रक्रिया आ ओकर औजारक उपयोग हिनक कवितामे भाषा-विज्ञानक दृष्टिसँ महत्वपूर्ण अछि।
१०९. (B) अपन पूर्वजक माटि, जड़ि आ सांस्कृतिक अस्मिता सँ जुड़ल रहबाक (भावनात्मक बिम्ब) — डीह प्रवासी मैथिल लेल अपन माटि सँ जुड़ल रहबाक सभसँ पैघ भावनात्मक आधार थिक।
११०. (B) धूरि-माटिमे सनल, नग्न बदन आ नून-भात खेबाक लेल मचैत (सजीव ग्रामीण बालक) — गामक गरीब बालकक नग्न यथार्थकें ओ अत्यन्त वात्सल्य आ यथार्थवादी नजरिया सँ देखलनि।
१११. (B) मल्लाह (केवट) आ धीवर वर्गक कठोर जल-साधना आ पसीना सँ — पाँक आ जलमे पसि कऽ जे मखान निकालैत छथि, यात्री जी ओही मल्लाह वर्गक श्रम क आदर करैत छथि।
११२. (B) स्थानीय गामक सजीव सुगन्ध आ वैश्विक प्रगतिशील चेतनाक (Local + Global) — ओ गामक बात करैत-करैत विश्वक शोषित वर्गक बात करय लगैत छथि, ई हिनक आंचलिकताक ऊँचाई थिक।
११३. (B) शीतल छहारी, अमझोरा (टिकुला क शरबत) आ गामक लोककें चौपाल (राहत) — वैशाखक कड़ा घाममे आमक गाछी गामक लोक लेल एकटा पैघ प्राकृतिक शरण-स्थल बनि जाइत अछि।
११४. (B) चैती, जुड़शीतल आ गामक पारम्परिक कृषि-उत्सव — हिनक कविता गामक ऋतु-चक्र आ ओकर उत्सवसभक सङ्ग क्रमिक रूप सँ बहैत अछि।
११५. (B) मजदूरक पुरुषार्थ, कर्मयोग आ सृजन-शक्तिक (श्रम क प्रतीक) — कोदाइ साक्षात् धरती चीरि कऽ अन्न उपजाबय वला मजदूरक शस्त्र थिक जकर यात्री जी वन्दना करैत छथि।
११६. (B) हरिमोहन झा व्यंग्य आ हास्य प्रधान छथि, यात्री जी वर्ग-संघर्ष आ शोषित वर्गक यथार्थ प्रधान छथि — हरिमोहन झा मध्यम वर्गक रूढ़ि पर व्यंग्य केलनि, जखन कि यात्री जी सीधे खेत-मजदूरक आर्थिक शोषण पर प्रहार केलनि।
११७. (B) चौपाल पर बैसि कऽ हुक्का पीबैत पुरान दिन आ समाजक पतनक कथा कहैछ (जीवन्त बिम्ब) — गामक वृद्ध पुरुष क हुक्का पीब आ गामक चिन्ता करब, मिथिलाक एकटा पारम्परिक शब्द-चित्र थिक।
११८. (B) अभाव, टूटल टाटी, टूटल मटका मुदा आतिथ्य आ सात्त्विक कोमलता सँ युक्त — गरीबक झोपड़ीमे धन भले नहि हो, मुदा ओतय निश्चलता आ अपनत्व अवश्य रहैछ।
११९. (B) दरभंगा, मधुबनी, कोशी तट आ सम्पूर्ण मिथिलाक गाम-जंगल धरि (स्थानीय भूगोल) — चित्राक कवितासभक मूल प्राण मिथिलाक ही भूगोल आ ओतय क जनमानस थिक।

१२०. (B) महानगरीय चकाचौंध, वैश्वीकरण आ गामक उपेक्षा क विरुद्ध (गामक पुनर्स्थापना) — ओ गामक उपेक्षाक विरुद्ध गामकें साहित्यक मुख्य केन्द्र बनेबाक सफल क्रान्ति केलनि।
१२१. (B) ई मैथिलीक आधुनिक जनवादी आ प्रगतिशील कविताक मूलाधार (Milestone) ग्रन्थ थिक — चित्रा विश्वविद्यालयक उच्च पाठ्यक्रमसभ (MA/Ph.D.) मे समकालीन मैथिली कविताक इतिहासक रूपमे पढ़ायल जाइत अछि।
१२२. (B) एकर जनवादी चेतना, वर्ग-संघर्ष, आंचलिक बिम्ब आ छन्द-मुक्ति क दार्शनिक विश्लेषण — विदेह आ अन्य अकादमिक पत्रिकामे हिनक काव्य-शिल्प आ मार्क्सवादी दृष्टि पर निरन्तर शोध-पत्र प्रकाशित भऽ रहल अछि।
१२३. (B) वैश्विक शोधार्थीसभ लेल यात्री जीक दुर्लभ मैथिली पद आ कविता इन्टरनेट पर यूनिकोडमे निःशुल्क उपलब्ध भेल — डिजिटल आर्काइवमे उपलब्ध होएबा सँ नव पुस्ता आसानी सँ यात्री जीक प्रगतिशील काव्य-शिल्पक अध्ययन कऽ सकैत अछि।
१२४. (B) मजदूर, दलित, वंचित आ हाशिया पर राखल गेल वर्गकें नायक बनेबाक प्रवृत्तिक कारण — यात्री जी साक्षात् सबाल्टर्न चेतनाक प्रवर्तक छथि जकरा विदेह समानान्तर आन्दोलन केन्द्रमे लाबि रहल अछि।
१२५. (B) ओ व्यवस्थाक भ्रष्टाचार आ सामाजिक रूढ़ि पर सीधा आ अचूक प्रहार करबाक एकटा मानक थिक — हिनक व्यंग्य केवल हँसेबाक लेल नहि, बल्कि पाठककें सोचने आ व्यवस्थाक विरुद्ध लड़बाक लेल विवश करैत अछि।
१२६. (B) वैश्वीकरण आ प्रवासनक बीचो अपन माटि, संस्कृति आ पत्नीक प्रति अनन्य प्रेम आ जड़ि सँ जुड़ाव — ई कविता दर्शावैत अछि जे मनुष्य कते भी दूर चलि जाय, ओकर आत्मा अपन माटियेमे बसल रहैछ।
१२७. (B) नव पुस्ता छन्दक रूढ़ि सँ मुक्त भऽ कऽ यथार्थवादी आ वैचारिक कविता लिखय लगलाह — यात्री जीक प्रभाव सँ मैथिली कवितामे गद्यात्मक आ वैचारिक कविताक एकटा नव युग शुरू भेल।
१२८. (B) हुनकर कविता गामक अन्तिम पाँतिक मानुष क दुःख-सुख आ हुङ्कारक साक्षात् आवाज थिक — ओ सचाईमे जनताक बीच रहलाह, किसान आन्दोलनमे जेल गोलाह आ जनताक भाषा गबैलनि।
१२९. (B) आजुओ समाजमे मौजूद आर्थिक विषमता आ श्रमजीवी वर्गक शोषणक विरुद्ध मक्खू एकटा जीवन्त प्रतीक अछि — आइ-काल्हिक आर्थिक युगमे सेहो मजदूरक स्थिति मक्खू जकाँ अछि, अतः यात्री जी आइओ प्रासंगिक छथि।
१३०. (B) एहि सँ मैथिलीक अपन आंचलिक शब्द, मुहावरा आ भाषाक निज सामर्थ्य सुरक्षित आ समृद्ध भेल अछि — हिनक शब्द-चयन मैथिली कोष (Dictionary) कें आरो समृद्ध आ जीवन्त बनावैत अछि।
१३१. (B) मानव जीवन, श्रम आ यथार्थ संघर्षक सङ्ग बहैत प्रकृतिक स्वाभाविक रूप (उद्दीपन) — हिनक प्रकृति झोपड़ीक बाहर लागल सहजन क गाछ वा खेतक काद थिक जे जीवन सँ जुड़ल अछि।
१३२. (B) देशमे साम्प्रदायिकताक विरुद्ध आ गान्धीक आदर्शक रक्षाक एकटा सशक्त वैचारिक हुङ्कार — ई कविता साम्प्रदायिक सद्भाव आ देशक एकता लेल आइओ एकटा मीलक पाथर थिक।
१३३. (A) निराला आ नागार्जुन (स्वयं हिनक हिन्दी रूप) क प्रगतिशील कवितासभ सँ — हिन्दीमे निराला आ नागार्जुन जकाँ जनवादी तेवर मैथिलीमे यात्री जीक 'चित्रा' मे भेटैत अछि।
१३४. (B) यथार्थवादी, सम्प्रेषणीय, मारक आ जनवादी शैली (Direct and Impactful) — सुमन जी जकर लेल शास्त्रक प्रयोग करैत छथि, यात्री जी ओकरा सीधे गामक ठेठ बोली सँ वेधैत छथि।
१३५. (A) भ्रष्ट व्यवस्था, आम जनमानसक लाचारी आ प्रशासनिक शिथिलताक स्थायी बिम्ब — ई कविता दर्शावैत अछि जे व्यवस्था कोना आम नागरिककें एक-एक दाना अन्न लेल कतारमे खड़ा करैत अछि।
१३६. (B) कठोरतम अभाव आ गरीबीक बीचो हँसि कऽ जीबाक आ लड़बाक अदम्य मानवीय साहस — हिनक पात्र केवल रोइत नहि, ओ दुःखक छाती पर चढ़ि कऽ जीबाक साहस रखैत अछि।
१३७. (B) खेतमे हल जोतैत किसान, झोपड़ीक बाहर जरैत डीहक दीप वा गोदना चित्रकला — संग्रहक आंचलिक आ सबाल्टर्न संवेदना बुझबाक लेल गामक श्रमजीवी वर्गक चित्र सर्वश्रेष्ठ थिक।
१३८. (B) विविध जनवादी आ प्रगतिशील कवितासभक एकटा समृद्ध संग्रह — चित्रा मुक्त छन्द आ लोक-धुन पर आधारित विविध विषयात्मक प्रगतिशील कवितासभक संग्रह थिक।
१३९. (B) यात्री जी मैथिली साहित्यकें दरबारी सँ जनवादी बनेबाक युग-पुरुष (क्रान्तिकारी कवि) छथि — विदेह यात्री जीक सबाल्टर्न चेतनाकें मैथिलीक आधुनिक वैचारिक क्रान्तिक आधार मानैत अछि।

१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।

अध्याय १ : Videha QUIZ | समकालीन मैथिली कविता (साहित्य अकादमी)

भाग १: समकालीनता आ प्रकाशकीय पृष्ठभूमि

१. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली सँ प्रकाशित 'समकालीन मैथिली कविता' क मुख्य उद्देश्य की थिक?

- (A) केवल प्राचीन कवीसभक संकलन
- (B) आधुनिक आ समकालीन कालखण्डक प्रतिनिधि जनवादी-प्रगतिशील कवितसभक प्रलेखन
- (C) व्याकरणक पुस्तक
- (D) केवल नाट्य-गीत

२. समकालीन मैथिली कविताक प्रवृत्तिक मूलाधार पारम्परिक कविता सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) ई केवल राजाक गुण गबैछ
- (B) ई रूमानी बन्धन तोड़ि गामक यथार्थ, वर्ग-विद्वेष आ समकालीन संकट सँ जुड़ल अछि
- (C) अहिमे रस नहि अछि
- (D) ई केवल संस्कृतक अनुवाद अछि

३. साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित एहि संकलनमे मुख्य रूप सँ कोन शताब्दीक उत्तरार्धक कविता अछि?

- (A) १४म शताब्दी
- (B) २०म शताब्दीक उत्तरार्ध आ २१म शताब्दीक आरम्भक
- (C) १६म शताब्दी
- (D) १८म शताब्दी

४. समकालीन कविताक भाषा-शैली केहन मानल जाइत अछि?

- (A) क्लासिस्क समास-प्रधान
- (B) सहज, सम्प्रेषणीय, गद्यात्मक आ प्रहारक
- (C) केवल उर्दू प्रधान
- (D) अंग्रेजी फन्ट जकाँ

५. मैथिली समकालीन कविताक विमर्शमे 'सबाल्टर्न' (Subaltern) विमर्शक की तात्पर्य अछि?

- (A) कुलीन वर्गक चर्चा
- (B) हाशिया पर राखल गेल वंचित, दलित आ स्त्री वर्गक आवाज
- (C) विदेशी साहित्य
- (D) केवल धार्मिक आख्यान

६. साहित्य अकादमी क 'समकालीन मैथिली कविता' संकलनक अकादमिक महत्व की अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) मैथिलीक समकालीन काव्य-इतिहास आ प्रवृत्तिकें बुझबाक आधिकारिक स्रोत
- (C) केवल परीक्षा पास करब
- (D) कहानी संग्रह थिक

७. समकालीन कवितामे 'छन्द-मुक्ति' (Free Verse) केँ की स्थान भेटल अछि?

- (A) ओकरा बन्द कएल गेल
- (B) ई समकालीन अभिव्यक्तिक मुख्य आ सशक्त माध्यम बनि गेल अछि
- (C) केवल मंच पर प्रयोग होइछ
- (D) कोनो स्थान नहि

८. समकालीन कवीसभक चिन्तन ककरा सँ बेसी प्रभावित देखाइत अछि?

- (A) दरबारी सामन्तवाद सँ
- (B) वैश्वीकरण, महानगरीय बोध, आ सामाजिक विषमताक विरुद्ध जनवादी चेतना सँ
- (C) केवल पुराण सँ
- (D) विदेशी चकाचौंध सँ

९. साहित्य अकादमी नई दिल्ली क स्थापना ककर विकास लेल भेल छल?

- (A) केवल खेलक
- (B) भारतीय भाषा आ साहित्यक उन्नयन आ संरक्षण लेल
- (C) व्यापार लेल
- (D) सिनेमा लेल

१०. समकालीन कवितामे 'परम्परा' केँ कोना देखल गेल अछि?

- (A) अन्धानुकरण कएल गेल
- (B) रूढ़िवादी परम्पराक विरोध आ जीवन्त परम्पराक प्रगतिशील विकास
- (C) पूर्णतः नष्ट कएल गेल
- (D) कोनो दृष्टि नहि

११. संकलनमे संकलित कवितासभमे 'महानगरीय बोध' क की अर्थ अछि?

- (A) शहरक प्रशंसा
- (B) गाम सँ पलायन कऽ महानगर गेल मैथिलक अकेलापन आ संघर्षक चित्रण
- (C) केवल उद्योग क कथा
- (D) कोनो नहि

१२. समकालीन कवितामे 'बिम्ब-विधान' (Imagery) क की स्वरूप अछि?

- (A) केवल काल्पनिक
- (B) दैनिक जीवनक कठोर यथार्थ सँ लेल गेल नवीन आ मारक बिम्ब
- (C) नीरस शब्द
- (D) दरबारी बिम्ब

१३. मैथिली साहित्यमे 'समकालीनता' कहिया सँ प्रखर मानल जाइत अछि?

- (A) १९म शताब्दी
- (B) २०म शताब्दीक अन्तिम दशकसभ आ २१म शताब्दीमे (विदेह आन्दोलन धरि)
- (C) १०म शताब्दी
- (D) केवल प्राचीन काल

१४. समकालीन कविताक 'आलोचना-पद्धति' केहन होबाक पैरवी अकादमिक जगत करैत अछि?

- (A) केवल प्रशस्ति-मूलक
- (B) तथ्यपरक, वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष आ विमर्श-केन्द्रित
- (C) गुटबाज
- (D) कोनो आलोचना नहि

१५. साहित्य अकादमी क एहि संकलनक भाषा-नीति की अछि?

- (A) मैथिलीकेँ कठिन बनेब
- (B) मैथिलीक मानक, सुस्पष्ट आ जीवन्त रूपकेँ सुरक्षित राखब
- (C) अंग्रेजीकरण
- (D) हिन्दीकरण

१६. समकालीन कवीसभ 'अमूर्त' भावक बदला ककरा प्राथमिकता दैत छथि?

- (A) काल्पनिक लोककेँ
- (B) मूर्त, दृश्य आ समाजक नग्न यथार्थकेँ (Concrete Reality)
- (C) केवल मन्त्रकेँ
- (D) किछु नहि

१७. समकालीन कवितामे 'प्रगतिशीलता' क की अर्थ थिक?

- (A) रूढ़ि आ सामाजिक विषमताक विरुद्ध वैज्ञानिक आ जनवादी सोच
- (B) केवल पाश्चात्य नकल
- (C) पुराना नियमक आदर
- (D) कविता छोड़ब

१८. साहित्य अकादमी क पुस्तकरूप प्रकाशनक की महत्व अछि?

- (A) ई केवल पुस्तकालय लेल अछि
- (B) मैथिली साहित्यकेँ राष्ट्रीय आ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान आ प्रतिष्ठा भेटैछ
- (C) किताब महग करब
- (D) कोनो महत्व नहि

१९. समकालीन कवितामे 'नारी-चेतना' क केहन रूप भेटैत अछि?

- (A) केवल देवी रूप
- (B) अपन अधिकार, अस्मिता आ रूढ़िवादी पुरुष-सत्ताक विरुद्ध सशक्त स्वर
- (C) दासी रूप
- (D) कोनो विमर्श नहि

२०. विदेह ई-लर्निङ्ग हब एहि संकलनक क्विज किएक बना रहल अछि?

- (A) समय पास लेल
- (B) इंटरएक्टिव माध्यम सँ नव पुस्तकेँ समकालीन मैथिली कविता आ इतिहासक बोध कराबय लेल
- (C) किताब बेचय लेल
- (D) कोनो कारण नहि

भाग २: प्रमुख समकालीन कवि आ प्रवृत्तिक

२१. समकालीन मैथिली कवितामे 'यात्री' (नागार्जुन) क परवर्ती प्रभाव कोना देखाइत अछि?

- (A) सभ कवी शृङ्गार लिखय लगलाह
- (B) जनवादी, प्रगतिशील आ व्यंग्य-प्रधान जन-कविताक विकास भेल
- (C) कविता बन्द भेल
- (D) केवल संस्कृत अनुवाद भेल

२२. समकालीन कवी 'रामानन्द रेणु' क कवितासभमे मुख्य रूप सँ ककर स्वर पुष्ट अछि?

- (A) दरबारी वैभव क
- (B) शोषित किसान, श्रम, आ ग्राम्य जीवनक यथार्थवादी बगावत क
- (C) केवल पुराण क
- (D) विदेशी चकाचौंध क

२३. समकालीन कवितामे 'कीर्तिनारायण मिश्र' क अवदान ककर सूचक थिक?

- (A) केवल गजल क
- (B) काव्य-भाषाक परिमार्जन, गम्भीरता आ आधुनिक युगबोधक
- (C) पुराना छन्द क
- (D) कोनो नहि

२४. समकालीन लेखिका 'शेफालिका वर्मा' क कवितासभमे कोन विमर्श प्रखर अछि?

- (A) सामन्तवाद
- (B) स्त्री-संवेदना, अस्मिता आ सामाजिक रूढ़िक विरुद्ध विद्रोही चेतना
- (C) केवल धार्मिक
- (D) कोनो विमर्श नहि

२५. कवि 'उदयचन्द्र झा विनोद' क समकालीन कविताक मुख्य तेवर की थिक?

- (A) नीरसता
- (B) तीक्ष्ण व्यंग्य, समकालीन विसंगति पर प्रहार आ सहज सम्प्रेषणीयता
- (C) केवल श्लोक
- (D) दरबारी प्रशंसा

२६. समकालीन कवी 'मन्त्रेश्वर झा' क कवितामे ककर चित्रण भेटैत अछि?

- (A) केवल जंगल क
- (B) प्रशासनिक विसंगति, महानगरीय जीवनक अकेलापन आ गामक यथार्थ क
- (C) केवल राजा क
- (D) विदेशी दर्शन क

२७. समकालीन कवी 'सुकांत सोम' क कवितासभमे कोन युगबोध प्रधान अछि?

- (A) मध्यकालीन बोध
- (B) उत्तर-आधुनिक जटिलता, विडम्बना आ तार्किक गम्भीरता
- (C) केवल भक्ति
- (D) प्राचीन बोध

२८. समकालीन कवयित्री 'ललिता' क रचनासभ ककर स्वर थिक?

- (A) केवल प्रकृतिक
- (B) स्त्रीक आन्तरिक पीड़ा, मातृत्व आ सामाजिक उपेक्षाक विरुद्ध स्वर
- (C) केवल राजाक
- (D) कोनो स्वर नहि

२९. कवि 'तारानन्द वियोगी' क समकालीन कवितामे ककर पक्ष प्रबल अछि?

- (A) सामन्तक
- (B) सबअल्टर्न, हाशिएक समाज आ इतिहासक उपेक्षित प्रसंगक
- (C) केवल शृङ्गार क
- (D) विदेशी चकाचौंध क

३०. समकालीन गजल आ कवितामे 'गजेन्द्र ठाकुर' क दृष्टि केहन मानल जाइत अछि?

- (A) रूढ़िवादी
- (B) बहु-आयामी (उपन्यास, गजल-व्याकरण आ समानान्तर आन्दोलन सँ परिपुष्ट)
- (C) केवल पारम्परिक
- (D) नीरस

३१. युवा कवी 'आशीष अन्विहार' क कवितामे कोन तत्व प्रधान अछि?

- (A) मध्यकालीन जड़ता
- (B) वेब-पत्रकारिताक युगबोध, महानगरीय संघर्ष आ नव पुस्ताक वैचारिक तेवर
- (C) केवल धार्मिक पूजा
- (D) कोनो तत्व नहि

३२. समकालीन कवी 'रवीन्द्र नाथ ठाकुर' क गीत आ कवितामे की भेटैत अछि?

- (A) नीरसता
- (B) मैथिलीक पारम्परिक माधुर्यक सङ्ग आधुनिक युगबोधक समन्वय
- (C) केवल संस्कृत शब्द
- (D) अंग्रेजी व्याकरण

३३. कवि 'देवशङ्कर नवीन' क समकालीन लेखन ककर प्रलेखन करैत अछि?

- (A) केवल विदेश क
- (B) भाषाई विमर्श, अकादमिक शोध आ यथार्थवादी संवेदना क
- (C) केवल राजा क
- (D) कोनो प्रलेखन नहि

३४. समकालीन कवी 'सुसज्जित' वा नव पुस्ताक लेखक 'राजीव' क रचनासभ की दशवैत अछि?

- (A) प्राचीन कथा मात्र
- (B) नव पुस्ताक मानसिक अंतर्द्वन्द्व, महानगरीय अकेलापन आ यथार्थबोध
- (C) केवल हास्य
- (D) कोनो दर्शन नहि

३५. समकालीन लेखक 'रामानन्द मण्डल' क कविता-कथामे मुख्य तत्त्व की अछि?

- (A) कुलीन यथार्थ
- (B) सबाल्टर्न विमर्श आ वंचित समाजक आर्थिक-सामाजिक संघर्ष
- (C) केवल पौराणिक
- (D) कोनो तत्त्व नहि

३६. समकालीन कवी 'लाल देव' क काव्य-संवेदना कोना प्रगट होइछ?

- (A) दरबारी रूपमे
- (B) ग्राम्य यथार्थ, प्रवासनक दंश आ जनवादी चेतनाक रूपमे
- (C) केवल शृङ्गारमे
- (D) विदेशी रूपमे

३७. समकालीन आलोचक आ कवी 'रमेश' क दृष्टि केहन मानल जाइत अछि?

- (A) रूढ़िवादी
- (B) तथ्यपरक, वस्तुनिष्ठ (Objective) आ प्रवृत्तिक निष्पक्ष विश्लेषक
- (C) केवल प्रशंसा करय वला
- (D) निराशावादी

३८. समकालीन कवितामे 'प्रवासन' (Migration) क की प्रभाव देखाएल गेल अछि?

- (A) गाम धनीक भऽ गेल
- (B) गामक खालीपन, वृद्ध माता-पिताक लाचारी आ महानगरीय शोषण
- (C) सभ शहर सुखी अछि
- (D) कोनो प्रभाव नहि

३९. समकालीन कवीसभ 'अमूर्त' ईश्वरक बदला ककरा पूजबाक बात करैत छथि?

- (A) राक्षसकें
- (B) मानवता, श्रमजीवी मानुष क पसीना आ धरती माताकें
- (C) पूँजीपतिकें
- (D) केहू कें नहि

४०. साहित्य अकादमी क संकलनमे कवीसभक चयन की दशवैत अछि?

- (A) पक्षपात
- (B) समकालीन मैथिली कविताक वैचारिक आ कलात्मक विविधता (Diversity)
- (C) केवल एक गामक लोक
- (D) कोनो चयन नीति नहि अछि

भाग ३: सामाजिक यथार्थ आ सबअल्टर्न विमर्श

४१. समकालीन मैथिली कवितामे 'वर्ग-संघर्ष' (Class Struggle) क की स्वरूप अछि?

- (A) केवल विदेशी नारा
- (B) खेत-मजदूर आ सामन्ती/पूँजीवादी व्यवस्थाक बीचक आर्थिक विषमताक नग्न चित्रण
- (C) धार्मिक कथा जकाँ
- (D) कोनो स्वरूप नहि

४२. समकालीन कवितामे 'जातिवाद' पर केहन प्रहार कएल गेल अछि?

- (A) जातिवादक समर्थन
- (B) जाति-पाँतिक रूढ़ि तोड़ि कऽ मानवीय गरिमा आ वर्ग-एकता स्थापित करबाक प्रखर स्वर
- (C) जातिवाद सनातन अछि
- (D) कोनो विमर्श नहि

४३. समकालीन मैथिली कवितामे 'स्त्री-विमर्श' (Feminist discourse) क मुख्य तेवर की थिक?

- (A) केवल घरेलू प्रताड़ना क रोदन
- (B) स्त्रीक स्वावलम्बन, शिक्षा, निर्णय-क्षमता आ अपन अस्मिताक सशक्त हुड़कार
- (C) केवल श्रृंगार
- (D) कोनो तेवर नहि

४४. कवितासभमे 'दलित विमर्श' केँ सोझाँ अनबामे ककर भूमिका महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल प्राचीन ग्रन्थक
- (B) समकालीन जनवादी कवीसभक आ समानान्तर आन्दोलनक
- (C) विदेशी कवीसभक
- (D) पूँजीपति वर्गक

४५. समकालीन कविता 'मजदूर क पसीना' केँ की मानैत अछि?

- (A) गन्दगी
- (B) सृष्टिक मूल आधार आ राजमहल सँ बेसी पवित्र वस्तु (श्रम क वन्दना)
- (C) कमजोरी
- (D) कोनो मूल्य नहि

४६. समकालीन कवितामे 'बाढ़' (Flood) क त्रासदी कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) एकटा उत्सव जकाँ
- (B) प्रतिवर्ष कोशी आ कमलाक बाढ़िमे गरीबक तबाही आ प्रशासनिक भ्रष्टाचारक यथार्थ रूपमे
- (C) केवल प्रकृतिक सुन्दरता
- (D) कोनो त्रासदी नहि

४७. भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था पर समकालीन कवी कोना प्रहार करैत छथि?

- (A) नेताक प्रशंसा कऽ कऽ
- (B) तीक्ष्ण व्यंग्य, चाबुक जकाँ मारक शब्द आ चुनावक खोखलापन उजागर कऽ कऽ
- (C) चुप रहि कऽ
- (D) चुनावक बहिष्कार कऽ कऽ

४८. समकालीन कवितामे 'भूख' (Hunger) केँ की मानल गेल अछि?

- (A) ईश्वरक वरदान
- (B) आर्थिक विषमता आ भ्रष्ट वितरण प्रणालीक भयानक आ नग्न यथार्थ
- (C) एकटा साधारण बीमारी
- (D) कोनो विमर्श नहि

४९. समकालीन कवितामे 'झोपड़ी' क आन्तरिक वातावरण की सन्देश दैत अछि?

- (A) वैभव क
- (B) अभावक बीचो निश्छलता, अपनत्व आ सात्त्विक गरिमा क
- (C) कुरूपता क
- (D) भय क

५०. समकालीन कविता 'अन्धानुकरण' क विरुद्ध की पैरवी करैत अछि?

- (A) विदेशी संस्कृति क समर्थन
- (B) अपन माटि, भाषा आ साझी सांस्कृतिक विरासत क रक्षा (निजता क पहचान)
- (C) परम्परा क विनाश
- (D) किछु नहि

५१. समकालीन कवी 'मक्खू' वा 'सर्वहारा' पात्र क माध्यम सँ की जगावैत छथि?

- (A) उदासीनता
- (B) वर्ग-चेतना (Class consciousness) आ अपन अधिकार लेल लड़बाक हौसला
- (C) भय
- (D) केवल रोदन

५२. समकालीन कविता 'राशनक कतार' क माध्यम सँ की देखावैत अछि?

- (A) अन्नक बहुलता
- (B) आजादीक बादो आम नागरिकक एक-एक दाना अन्न लेल लाचारी आ कतार
- (C) एकटा उत्सव
- (D) व्यापार

५३. समकालीन कवितामे 'कृषि-संकट' (Agrarian crisis) क की स्वरूप अछि?

- (A) किसान धनीक भऽ गेल
- (B) कर्ज, सुखाड़, बाढ़ि आ लागत मूल्य नहि भेटबाक कारणे किसानक दुर्दशा
- (C) खेती बन्द अछि
- (D) केवल राजसी खेती

५४. समकालीन नारी-चेतना कवितामे 'घूँघट' वा 'पर्दा' कें की मानल गेल अछि?

- (A) सर्वश्रेष्ठ आभूषण
- (B) स्त्रीक प्रतिभा आ स्वतन्त्रताकें बान्हय वला सामाजिक बन्धन जकरा तोड़बाक चाही
- (C) धार्मिक नियम
- (D) कोनो महत्व नहि

५५. समकालीन कविता 'वैश्वीकरण' (Globalization) कें कोना देखैत अछि?

- (A) पूर्णतः सुखद
- (B) स्थानीय भाषा, संस्कृति आ लघु-उद्योगकें नष्ट करय वला एकटा नव-औपनिवेशिक संकट जकाँ
- (C) ईश्वरक अवतार
- (D) कोनो प्रभाव नहि

५६. सबाल्टर्न विमर्श समकालीन कवितामे ककरा 'इतिहासक निर्माता' मानैत अछि?

- (A) केवल राजा-महाराजाकें
- (B) मजदूर, शिल्पी, किसान आ आम जनताक सामूहिक पुरुषार्थकें
- (C) विदेशी शक्तिसभकें
- (D) केवल धनीक वर्गकें

५७. समकालीन कवितामे 'बाल-मजदूरी' क चित्रण की सन्देश दैत अछि?

- (A) बच्चाक खेल थिक
- (B) व्यवस्थाक कूरता जे बालकक हाथ सँ कलम छीनि कऽ ओकरा होटल वा कारखानमे खिटाबय अछि
- (C) नीक व्यवस्था थिक
- (D) कोनो सन्देश नहि अछि

५८. समकालीन कवी 'साक्षरता' आ 'शिक्षा-व्यवस्था' पर की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) शिक्षा सर्वश्रेष्ठ अछि आइ-काल्हि
- (B) डिग्री भेटितो युवाक बेरोजगार रहब आ शिक्षाक बाजारीकरण (पैसाक खेल)
- (C) कोनो व्यंग्य नहि
- (D) केवल प्रशंसा

५९. समकालीन कवितामे 'वृद्ध-विमर्श' (Elderly issues) क की यथार्थ अछि?

- (A) वृद्ध लोक शहरमे ऐश कऽ रहल छथि
- (B) गाममे परित्यक्त, बीमार आ पुत्रक प्रवासनक कारणे एकान्त काटैत वृद्ध माता-पिताक कारुणिक जीवन
- (C) कोनो विमर्श नहि
- (D) केवल हास्य

६०. सबाल्टर्न विमर्शक पारम्परिक 'कैनन' (Established mainstream) सँ की शिकायत अछि?

- (A) ओ बहुत नीक अछि
- (B) ओ स्थापित वर्गक वर्चस्व आ पूर्वग्रह सँ ग्रसित रहल अछि जहिमे उपेक्षित वर्गकें स्थान नहि भेटल
- (C) ओ सरल अछि
- (D) कोनो शिकायत नहि

भाग ४: काव्य-शिल्प, छन्द-मुक्ति आ शब्द-सामर्थ्य

६१. समकालीन मैथिली कविता मुख्य रूप सँ छन्दक कोन रूप अपनाउने अछि?

- (A) कठोर वर्णवृत्त
- (B) छन्दक रूढ़ि सँ मुक्त 'मुक्त छन्द' वा गद्यात्मक कविता (Free Verse)
- (C) केवल दोहा-सोरठा
- (D) फारसी बहर मात्र

६२. मुक्त छन्दक कवितामे 'लय' (Rhythm) कोना सुरक्षित रहैत अछि?

- (A) लय समाप्त भऽ जाइछ
- (B) विचार, बिम्ब आ ध्वनिक आन्तरिक जनवादी लय (Internal Cadence) सँ
- (C) हाथ सँ ताली बजा कऽ
- (D) अंग्रेजी मीटर सँ

६३. समकालीन कवीसभ 'तत्सम' शब्दक स्थान पर ककरा प्राथमिकता दैत छथि?

- (A) केवल अंग्रेजी शब्दकें
- (B) मैथिलीक अपन तद्भव, देशज आ जनभाषाक जीवन्त आ आंचलिक शब्दसभकें
- (C) फारसी शब्दकें
- (D) संस्कृतक जटिल शब्दकें

६४. समकालीन कवितामे 'नाटकीयता' (Dramatic elements) क की उपयोग अछि?

- (A) कवितार्कें नाटक बनेब
- (B) सीधा बातचीत वा सम्वादक शैली सँ पाठककें सीधे यथार्थ सँ जोड़ब (नाटकीय प्रभाव)
- (C) कविता नष्ट करब
- (D) कोनो उपयोग नहि

६५. व्यंग्य (Satire) क प्रयोग समकालीन कवितामे कोना कएल जाइत अछि?

- (A) केबल हँसेबाक लेल
- (B) व्यवस्थाक विसङ्गति, पाखण्ड आ अन्यायकें उघाड़ि कऽ प्रहार करबाक लेल (चाबुक जकाँ)
- (C) नीरस रूपमे
- (D) कोनो व्यंग्य नहि होइछ

६६. समकालीन कविताक 'बिम्ब-विधान' (Imagery) ककर साक्षी थिक?

- (A) केवल काल्पनिक लोकक
- (B) उत्तर-औद्योगिक युग, महानगरीय आपा-धापी आ बदलते गामक कड़वे सचक
- (C) स्वर्गक
- (D) दरबारी ठाट क

६७. मुक्त छन्दक कविताक 'सम्प्रेषणीयता' (Communicability) केहन होइछ?

- (A) अत्यन्त कठिन
- (B) अत्यन्त सहज, सीधा पाठकक हृदय आ बुद्धि धरि पहुँचय वली
- (C) नीरस
- (D) असम्भव

६८. समकालीन कवितामे 'शब्द-शक्ति' (Power of words) क कोन रूप प्रधान अछि?

- (A) केवल अभिधा (सीधा अर्थ)
- (B) लक्षणा आ व्यञ्जना शक्ति (गम्भीर व्यंग्यात्मक आ प्रतीकात्मक अर्थ)
- (C) व्याकरणक दोष
- (D) कोनो शक्ति नहि

६९. कवीसभ द्वारा प्रयुक्त 'प्रतीक' (Symbols) कतय सँ लेल जा रहल अछि?

- (A) विदेशी मिथक सँ
- (B) अपन कृषि-संस्कृति, लोक-जीवन आ समकालीन संकट सँ (स्थानीय प्रतीक)
- (C) केवल पुराण सँ
- (D) कोनो प्रतीक नहि अछि

७०. छन्द-मुक्ति सँ मैथिली कवितामे की सकारात्मक बदलाव आयल?

- (A) कविताक पतन भेल
- (B) काव्यक विषय-वस्तु (Themes) क दायरा व्यापक भऽ गेल (सभ विषय पर कविता सम्भव भेल)
- (C) कविता गेय भऽ गेल
- (D) केवल गजल रचल गेल

७१. समकालीन कवितामे 'गद्यात्मकता' (Prose style) क की अर्थ थिक?

- (A) कवितार्क कहानी बना देब
- (B) कवितामे भाषण वा गद्य जकाँ सुस्पष्ट वैचारिक विचार आ तार्किकताक समावेश
- (C) व्याकरणक कमी
- (D) नीरसता

७२. यात्री जीक 'आंचलिक डिक्शन' (Regional diction) केँ समकालीन कवी कोना आगे बढ़ेलनि?

- (A) ओकरा छोड़ि देलनि
- (B) अपन क्षेत्रक विशिष्ट लोक-शब्दावलीकेँ साहित्यक ऊँचाई आ प्रतिष्ठा दऽ कऽ (स्थानीयता)
- (C) अंग्रेजीकरण कऽ कऽ
- (D) हिन्दीकरण कऽ कऽ

७३. समकालीन कवितामे 'क्षणिका' वा 'लघु-कविता' क लोकप्रियताक मुख्य कारण की अछि?

- (A) कागजक कमी
- (B) डिजिटल युगमे पाठकक कम समय आ कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रहार करबाक क्षमता
- (C) लेखकक कमी
- (D) कोनो कारण नहि

७४. कविताक 'ध्वनि-सौष्ठव' (Sound Aesthetics) मुक्त छन्दमे कोना काम करैछ?

- (A) अक्षरोंक शत्रुता सँ
- (B) वर्णसभक तार्किक चयन आ आन्तरिक लयबद्ध गती सँ जे पढ़बा काल गम्भीरता दैछ
- (C) केवल संगीत सँ
- (D) कोनो ध्वनि नहि होइछ

७५. समकालीन कविता 'अलंकार' कें कोना रूपान्तरित केलक?

- (A) अलंकार छोड़ि देलक
- (B) बाहरी कृत्रिम सजावट क बदला भावक तीव्रता बढ़ाबय वला 'स्वाभाविक' अलंकारक प्रयोग
- (C) केवल यमक क प्रयोग
- (D) विदेशी अलंकार

७६. समकालीन कविताक 'शीर्षक' (Titles) केहन होइत अछि?

- (A) अत्यन्त पैघ आ पौराणिक
- (B) छोट, सुस्पष्ट, कौतूहलपूर्ण आ सीधे विषय-वस्तु पर केन्द्रित
- (C) संस्कृत श्लोक जकाँ
- (D) कोनो शीर्षक नहि रहैछ

७७. काव्य-शिल्पमे 'वक्रोक्ति' (Indirect speech) क की उपयोग थिक?

- (A) झूठ बोलनाय
- (B) सीधा बात नहि कहि कऽ घुमा कऽ मारक व्यंग्य करब जाहि सँ चोट गहीर लगय
- (C) काव्य नष्ट करब
- (D) कोनो उपयोग नहि

७८. समकालीन कविता क 'पाठ-शैली' (Reading style) चन्दा झाक काल सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) दुनू एकहि अछि
- (B) चन्दा झाक कालमे गेयता (गान) प्रधान छल, समकालीन समयमे पाठ-वाचन (Recitation/Syllabic flow) प्रधान अछि
- (C) आब कविता पढ़ल नहि जाइछ
- (D) कोनो भिन्नता नहि

७९. समकालीन कवितामे 'लोकोक्ति' आ 'कहावत' क की महत्व अछि?

- (A) ई कवितार्के पुरान करैछ
- (B) ई गामक लोक-मेधा (Folk wisdom) कें कवितामे लाबि कऽ प्रहारकें अचूक बनावैत अछि
- (C) ई कठिन होइछ
- (D) कोनो महत्व नहि

८०. साहित्य अकादमी क संकलनक 'काव्य-शिल्प' की प्रमाणित करैत अछि?

- (A) मैथिलीक कमजोरी
- (B) मुक्त छन्द आ गद्यात्मक कवितामे मैथिली भाषाक उच्च स्तरीय तार्किक आ काव्यात्मक सामर्थ्य
- (C) केवल गजलक विकास
- (D) कोनो प्रमाण नहि अछि

भाग ५: वैश्वीकरण, उपभोक्तावाद आ गामक संकट

८१. समकालीन कविता 'वैश्वीकरण' (Globalization) क गाम पर की प्रभाव देखबैत अछि?

- (A) गाम बहुत धनीक भऽ गेल
- (B) गामक अपनत्व, लघु-उद्योग आ साझी सांस्कृतिक विरासतक पतन (संकट)
- (C) सभ शहर सुखी अछि
- (D) कोनो प्रभाव नहि

८२. समकालीन कवितामे 'उपभोक्तावाद' (Consumerism) क की अर्थ थिक?

- (A) भोजन करब
- (B) केवल वस्तु किन्बक आ भोग करबाक अन्हा अवांछित प्रवृत्ति (बजारक चकाचौंध)
- (C) देशभक्ति
- (D) संन्यास

८३. बजारवादक युगमे 'मातृभाषा मैथिली' क समक्ष ककर संकट देखाएल गेल अछि समकालीन कवितामे?

- (A) कोनो संकट नहि अछि
- (B) अंग्रेजी आ अन्य बजारू भाषाक चकाचौंध क कारणे अपन भाखा आ अस्मिताक उपेक्षा
- (C) मैथिली कठिन भऽ गेल
- (D) मैथिली बन्द भऽ गेल

८४. समकालीन कवितामे 'महानगरीय अकेलापन' (Urban Alienation) क की स्वरूप अछि?

- (A) महानगरमे बहुत आनन्द अछि
- (B) हजारोंक भीड़मे सेहो प्रवासी मैथिलक आन्तरिक अकेलापन आ अपन जड़ि लेल छटपटाहट
- (C) महानगरमे गाम अछि
- (D) कोनो स्वरूप नहि

८५. गाम सँ 'युवा पुस्ताक पलायन' (Brain drain / Migration) समकालीन गामकें की बना देलक अछि?

- (A) वृद्ध लोकक स्वर्ग
- (B) केवल वृद्ध आ असहाय स्त्रीसभक एकटा उदास आ एकाकी गाम (खण्डहर जकाँ)
- (C) धनीक गाम
- (D) औद्योगिक केन्द्र

८६. समकालीन कविता 'बजारू संस्कृति' (Market culture) कें ककर शत्रु मानैत अछि?

- (A) केहू क नहि
- (B) मानवीय मूल्य, निश्छल सम्बन्ध आ अपनत्वक (रिश्तोंक बाजारीकरण)
- (C) केवल धन क
- (D) केवल विज्ञान क

८७. गाममे 'स्मार्टफोन' आ 'इन्टरनेट' क प्रवेश पर समकालीन कवी की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) सभ ज्ञानी भऽ गेलाह
- (B) लोक आपसमे बैसितो वर्चुअल दुनियामे व्यस्त छथि, भौतिक संवाद समाप्त भऽ गेल (अकेलापन)
- (C) नीक व्यवस्था थिक
- (D) कोनो व्यंग्य नहि अछि

८८. समकालीन कविता 'प्रकृति' क बदलते स्वरूप कोना देखबैत अछि?

- (A) प्रकृति आउ सुन्दर भेल
- (B) पोखरि सुखा कऽ कंक्रीट क गाछी (प्लाट/मकान) बनेबाक यथार्थ (पर्यावरण संकट)
- (C) प्रकृति नष्ट भऽ गेल पूर्णतः
- (D) कोनो चित्रण नहि

८९. वैश्वीकरणक युगमे 'श्रम क अवमूल्यन' (Devaluation of manual labour) की थिक?

- (A) मजदूरक वेतन बढ़ि गेल
- (B) मशीनीकरणक कारणे हाथक कारीगरी आ शारीरिक श्रम क मूल्य कम होएब आ बेरोजगारी बढ़ब
- (C) श्रम सर्वश्रेष्ठ भेल
- (D) किछु नहि

९०. समकालीन कवितामे 'गाम क पुरान संस्कृति' (जुड़शीतल, पाग, पान) क की अवस्था अछि?

- (A) ओ समाप्त भऽ गेल
- (B) ओकर बाजारीकरण भऽ रहल अछि वा ओ केवल एकटा दिखावा (फैशन) बनि रहल अछि
- (C) ओ आरो पुष्ट भेल
- (D) कोनो अवस्था नहि अछि

९१. समकालीन कवी 'महानगरक चकाचौंध' क पाँतीसभमे की खोजैत छथि?

- (A) सोना-चाँदी
- (B) अपन गामक माटिक सुगन्ध, दाईक आंचल आ गामक पोखरक शीतल जल
- (C) महानगरक नौकरी
- (D) विदेशी मित्र

९२. उपभोक्तावादक युगमे 'भोजन' (Dietary habits) मे की बदलाव आयल अछि यात्री जीक काल सँ?

- (A) माछ-मखान बढ़ि गेल
- (B) गामक मखान आ चूड़ा-दहीक स्थान पर फास्ट फूड आ बजारू पैकेटबंद वस्तुक प्रवेश
- (C) कोनो बदलाव नहि
- (D) भोजन बन्द अछि

९३. समकालीन कविता 'कर्ज' (Debt) क जाल कोना देखबैत अछि?

- (A) कर्ज सँ विकास होइछ
- (B) किसान आ मध्यम वर्ग बजारक चकाचौंध लेल बैंक आ महाजनक कर्जक जालमे फँसि आत्महत्या कऽ रहल अछि
- (C) कर्ज नीक होइछ
- (D) कोनो चित्रण नहि

९४. समकालीन कवितामे 'महानगरीय फ्लेट' (Flats) क तुलना ककरा सँ कएल गेल अछि?

- (A) स्वर्गक महल सँ
- (B) मनुष्यकें बन्द करय वला एकटा स्वर्ण-पिंजड़ा वा डिब्बा सँ (जहाँ पड़ोसी सँ संवाद नहि होइछ)
- (C) झोपड़ी सँ
- (D) बाध सँ

९५. वैश्वीकरणक कारणे 'संयुक्त परिवार' (Joint family) क की दशा भेल समकालीन कवितानुसार?

- (A) परिवार आरो जुड़ि गेल
- (B) आर्थिक स्वार्थ आ महानगरीय संस्कृतिक कारणे परिवार टूटि कऽ एकल (Nuclear) भऽ गेल
- (C) कोनो बदलाव नहि भेल
- (D) सभ संन्यासी भऽ गेलाह

९६. समकालीन कवी 'बिल्डर्स' आ 'जमीन दलाल' पर की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ सभ समाज सुधारक छथि
- (B) ओ सभ गामक उपजाऊ भूमि आ पोखरिकें बेचि कऽ कंक्रीट क जंगल खड़ा कऽ रहल छथि (विनाशकारी विकास)
- (C) ओ सभ पेड़ लगा रहल छथि
- (D) कोनो व्यंग्य नहि अछि

९७. समकालीन कवितामे 'वृद्ध माता-पिता' परदेश गेल पुत्र सँ की चाहैत छथि?

- (A) केवल मनीआर्डर (टका)
- (B) टका सँ पैघ पुत्रक सान्निध्य, ओकर बोली आ ओकर दर्शन (भावनात्मक भूख)
- (C) महानगरक घर
- (D) विदेशी वस्त्र

९८. उपभोक्तावादी संस्कृति 'त्योहारसभ' कें (जेना सामा-चकेवा, मधुश्रावणी) की बना देलक अछि?

- (A) आरो पावन बना देलक
- (B) बाजारक विज्ञापन आ केवल एकटा इवेंट (Event Management) जकाँ प्रदर्शन
- (C) बन्द कऽ देलक
- (D) कोनो प्रभाव नहि

९९. समकालीन कविता गामक 'बदलाव' कें की मानैत अछि?

- (A) ई पूर्णतः सकारात्मक विकास अछि
- (B) ई एकटा संकट थिक जहिमे गाम अपन आत्मा खो कऽ शहरक कुरूप नकल बनि रहल अछि
- (C) गाम उड़ि गेल अछि
- (D) किछु नहि

१००. वैश्रीकरण आ गामक संकट पर लिखल गेल कवितासभ पाठकसभकें की करैत अछि?

- (A) डराबैत अछि
- (B) अपन जड़ि, भाषा आ गामकें बचेबाक लेल सजग आ प्रतिबद्ध करैत अछि (सांस्कृतिक मोर्चा)
- (C) संसार छोड़य लेल कहैछ
- (D) कोनो प्रभाव नहि डेलैछ

भाग ६: मैथिली गजलक समकालीन विन्यास आ नव मानक

१०१. समकालीन मैथिली कविता क सङ्गे 'गजल' विधाक विकासमे कोन नवीनता आयल अछि?

- (A) गजल बन्द भऽ गेल
- (B) उर्दू अरूजक अन्धानुकरण छोड़ि मैथिलीक निज लय आ छन्द (अरूजक स्थानीयकरण) क विकास भेल
- (C) केवल फारसीमे लिखल जाइछ
- (D) कोनो नवीनता नहि

१०२. समकालीन मैथिली गजलक क्षेत्रमे 'बहर-ए-विदेह' की थिक?

- (A) एकटा फारसी पोथी
- (B) मैथिली गजलक आन्तरिक लय आ प्रकृतिक अनुकूल प्रस्तावित एकटा नव मीटर (छन्द)
- (C) एकटा पुरस्कार
- (D) एकटा गामक नाम

१०३. मैथिली गजलक मकतामे (अन्तिम शेर) पारम्परिक रूप सँ की प्रयुक्त होइत अछि?

- (A) केवल राजाक नाम
- (B) कविक उपनाम (तखल्लुस) जे विद्यापतिक 'भणिता' परम्पराक समरूप अछि
- (C) संस्कृत श्लोक
- (D) अंग्रेजी शब्द

१०४. समकालीन मैथिली गजलक विषय-वस्तु (Themes) मे की मुख्य बदलाव आयल अछि?

- (A) केवल प्रेमिकाक रूप-वर्णन (हुस्न-ओ-इश्क)
- (B) प्रेम सँ ऊपर उठि कऽ सामाजिक विसङ्गति, गामक गरीबी, प्रवासन आ सबाल्टर्न विमर्श
- (C) केवल भक्ति-गीत
- (D) कोनो बदलाव नहि

१०५. गजलक पारम्परिक शब्द 'काफिया' (Rhyme) क स्थान पर मैथिली गजलकार ककर प्रयोग करैत छथि?

- (A) कोनो नियम नहि
- (B) मैथिलीक सहज 'तुकान्त' (तुक्क) आ समान ध्वनिकान्त शब्दावलीक
- (C) संस्कृत श्लोक
- (D) अंग्रेजी राइम

१०६. समकालीन मैथिली गजलमे 'मिसरा' क की अर्थ होइत अछि?

- (A) एकटा कहानी
- (B) शेरक एकटा पाँती (Line)
- (C) गजलक शीर्षक
- (D) कविक नाम

१०७. मैथिली गजलक 'मतला' ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) गजलक अन्तिम शेर कें
- (B) गजलक प्रथम शेर कें जकर दुनू पाँती तुकान्त (काफियायुक्त) होइत अछि
- (C) गजलक शीर्षक कें
- (D) कोनो नहि

१०८. समकालीन मैथिली गजलकार 'रदीफ' क प्रयोग कोना करैत छथि?

- (A) रदीफ छोड़ि दैत छथि
- (B) प्रत्येक शेरक अन्तमे काफियाक बाद अबय वला एक समान शब्द वा वाक्यांश जे लय पुष्ट करैछ
- (C) केवल फारसीमे
- (D) कोनो नियम नहि

१०९. समकालीन मैथिली गजलक प्रत्येक 'शेर' (Couplet) क की विशेषता होइत अछि?

- (A) सभ शेर मिलि कऽ एकटा कहानी कहैछ
- (B) प्रत्येक शेर अपन अर्थ आ भावमे पूर्णतः स्वतन्त्र आ निरपेक्ष होइत अछि
- (C) शेर बहुत पैघ होइछ
- (D) कोनो विशेषता नहि

११०. मैथिली गजलक व्याकरणक मानकीकरणमे कोन पत्रिकाक अवदान महत्त्वपूर्ण मानल गेल अछि?

- (A) विदेह ई-जर्नल आ समानान्तर आन्दोलनक गजल-बहस क
- (B) मिथिला मिहिर क
- (C) आरंभ क
- (D) कोशी क

१११. मैथिली गजलमे 'अन्विहार आखर' आन्दोलनक मुख्य उद्देश्य की थिक?

- (A) गद्य लिखनाय
- (B) गजलक पारम्परिक जड़ता तोड़ि मैथिलीक निज प्रकृतिक अनुकूल नव प्रयोग करब
- (C) नाटक लिखनाय
- (D) कोनो उद्देश्य नहि

११२. समकालीन मैथिली गजलक भाषा केहन भेटैत अछि?

- (A) जटिल फारसी-उर्दू प्रधान
- (B) सहज, सम्प्रेषणीय आ मिथिलाक गाम-घराक शब्द सँ सजल मैथिली
- (C) केवल अंग्रेजी
- (D) कठिन संस्कृतनिष्ठ

११३. गजलक 'बहर' (Meter) कें मैथिली पिंगल (छन्द-शास्त्र) मे ककर समरूप मानल गेल अछि?

- (A) गद्य जकाँ
- (B) मात्रिक लय वा तालक गति समरूप (Rhythmic structure)
- (C) कोनो समरूपता नहि
- (D) अंग्रेजी सोनोग्राफी जकाँ

११४. समकालीन गजलकार 'शेर' क दोसर पाँतीमे (मिसरा-ए-सानी) की करैत छथि?

- (A) चुप रहैत छथि
- (B) पहिल पाँतीक बातकें पूर्ण कऽ तीक्ष्ण प्रहार (Punch line) करैत छथि
- (C) कथा बदलैत छथि
- (D) कोनो प्रहार नहि

११५. मैथिली गजलमे 'गजलकार क उपनाम' (तखल्लुस) कतय अबैत अछि?

- (A) केवल मतला (पहिल शेर) मे
- (B) केवल मकता (अन्तिम शेर) मे
- (C) शीर्षकमे
- (D) कतहु नहि

११६. समकालीन मैथिली गजल ककर 'प्रतिरोधक स्वर' बनि कऽ सामने अइल अछि?

- (A) प्रकृति क विरुद्ध
- (B) सामाजिक अन्याय, राजनीतिक भ्रष्टाचार आ बजारवाद क विरुद्ध
- (C) साहित्य क विरुद्ध
- (D) अंग्रेजी क विरुद्ध

११७. मैथिली गजलमे 'मात्रा-पतन' (Syllable shortening) क नियम कोना प्रयुक्त होइछ?

- (A) व्याकरणक भूल सँ
- (B) मैथिलीक स्वाभाविक ह्रस्व उच्चारणक प्रकृति क अनुसार छन्दक लय मिलाबय लेल
- (C) नहि होइछ
- (D) अंग्रेजी नियम सँ

११८. साहित्य अकादमी क संकलनमे 'गजल' कें की स्थान देल गेल अछि?

- (A) ओकरा छोड़ि देल गेल
- (B) समकालीन मैथिली कविताक एकटा सशक्त आ अपरिहार्य अङ्ग रूपमे स्थान भेटल अछि
- (C) केवल अन्तिम पृष्ठ पर
- (D) कोनो स्थान नहि

११९. समकालीन मैथिली गजलक 'गेयता' (Musicality) क की स्थिति अछि?

- (A) ई गाबल नहि जा सकैछ
- (B) ई मंच पर आ कीर्तन/संगीत समाजमे सहजता सँ गाबल जा रहल अछि
- (C) ई नीरस अछि
- (D) केवल लिखबा लेल अछि

१२०. मैथिली गजलक समकालीन विमर्श की सिद्ध करैत अछि?

- (A) मैथिलीक पतन
- (B) मैथिलीक अपन छन्द-सामर्थ्य आ विदेशी विधाकें अपन रूपमे ढालबाक अद्भुत क्षमता
- (C) उर्दू क श्रेष्ठता
- (D) किछु नहि

भाग ७: पुस्तक आवरण, कला आ सांस्कृतिक मोटिफ

१२१. साहित्य अकादमी सँ प्रकाशित 'समकालीन मैथिली कविता' क आवरण (Cover) पर मुख्य रूप सँ ककर कलात्मक मोटिफ सुहाएत अछि?

- (A) पाश्चात्य अमूर्त कला
- (B) मिथिला आ मधुबनी चित्रकला (Mithila Art) क सोबर मोटिफ
- (C) मुगल कला
- (D) राजपूत चित्रकला

१२२. समकालीन कविताक 'जनवादी संवेदना' बुझबाक लेल आवरण पर कोन शैलीक प्रयोग कएल जा रहल अछि?

- (A) केवल राजसी चित्र
- (B) मिथिला चित्रकलाक 'गोदना' (Godna/Tattoo) शैली वा श्रमजीवी वर्गक यथार्थवादी रेखाचित्र
- (C) विदेशी कला
- (D) कोनो चित्र नहि

१२३. मिथिला चित्रकलामे 'मयूर' (Peacock) क मोटिफ ककर प्रतीक मानल जाइत अछि?

- (A) युद्ध क
- (B) प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रेम, उल्लास आ सांस्कृतिक चेतनाक
- (C) उदासी क
- (D) राजचिन्ह क

१२४. समकालीन मैथिली पुस्तकक कवर डिजाइनमे 'माछ' (Fish) क मोटिफ की सूचक थिक?

- (A) हिंसा क
- (B) शुभ-मंगल, उर्वरता आ मिथिलाक साझी जीवन-पद्धतिक प्रतीक
- (C) जल-संकट क
- (D) भोजन क

१२५. समकालीन प्रकाशनमे 'डिजिटल ग्राफिक डिजाइन' (Digital Design) सँ की बदलाव आयल अछि?

- (A) किताब कुरूप भऽ गेल
- (B) कवर डिजाइनमे उच्च गुणवत्ता (High resolution) आ पेशेवर सौन्दर्य बोध (Professional Aesthetics)
- (C) आवरण उज्जर रहैछ
- (D) कोनो बदलाव नहि

१२६. समानान्तर साहित्य आन्दोलन 'आवरण कला' (Cover Art) कें साहित्यक कोन अंग मानैत अछि?

- (A) बाहरी आ फालतू अंग
- (B) पुस्तकक भीतरी वैचारिक विमर्श (Theme) क 'दृश्य-पाठ' (Visual Discourse)
- (C) केवल कागजक टुकड़ा
- (D) कोनो अंग नहि मानैछ

१२७. मिथिला चित्रकलाक 'कचनी' आ 'भरनी' शैलीक प्रयोग समकालीन वेब डिजाइन (विदेह)मे कोना भऽ रहल अछि?

- (A) कोनो प्रयोग नहि
- (B) वेबसाइटक बॉर्डर, हेडर आ ई-बुकक लेआउटमे मिथिलाक पारंपरिक सौन्दर्यकें डिजिटल रूपमे सजेबामे
- (C) केवल रंग भरबामे
- (D) फन्ट बनेबामे

१२८. मैथिली पोथीक शीर्षक अक्षर-विन्यास (Typography/फन्ट डिजाइन) मे समकालीन रुझान की अछि?

- (A) अंग्रेजी फन्टक प्रयोग
- (B) सुस्पष्ट, कलात्मक आ देवनागरी/तिरहुता फन्टक प्रयोग जाहि सँ शीर्षक आकर्षक लागय
- (C) हाथ सँ लिखनाय
- (D) छोट आखर

१२९. समकालीन कविता-संग्रहक आवरण पर 'कोहबर' (Kohbar) चित्रक प्रयोग की दशावैत अछि?

- (A) युद्ध कथा
- (B) मिथिलाक पारम्परिक सांस्कृतिक जकाँ जीवन, सौन्दर्य आ साझी विरासत
- (C) विज्ञान
- (D) व्याकरण

१३०. साहित्य अकादमी क संकलनक 'बैक कवर' (Back Cover Blurb) क की महत्व होइत अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) पाठकसभकेँ पुस्तकक मूल विमर्श, प्रवृत्तिक आ कवीसभक संक्षिप्त परिचय (Synopsis) देनाय
- (C) मूल्य बढ़ाबय लेल
- (D) केवल विज्ञापन लेल

१३१. विदेहक डिजिटल आर्काइवमे 'समकालीन मैथिली कविता' क प्रलेखन कोना सुव्यवस्थित अछि?

- (A) नहि अछि
- (B) यूनिकोड टेक्स्ट, लेखक-प्रोफाइल आ विस्तृत दार्शनिक समीक्षाक सङ्ग (Open Access)
- (C) केवल नाम अछि
- (D) कागज पर अछि

१३२. समकालीन कविता-संग्रहक आवरण पर 'श्रमजीवी वर्ग' क चित्र की सिद्ध करैत अछि?

- (A) कविता कमजोर अछि
- (B) कविताक जनवादी तेवर आ शोषित वर्गक प्रति कविक प्रतिबद्धता
- (C) केवल चित्रकारक लाभ
- (D) किछु नहि

१३३. समकालीन मैथिली प्रकाशनमे 'लेखकक प्रोफाइल' (Author profile) कोना प्रस्तुत कएल जाइत अछि?

- (A) लेखकक परिचय नहि छापैछ
- (B) फ्लैप (Flap) वा पाछाँमे लेखकक फोटो आ ओकर साहित्यिक अवदानक प्रामाणिक परिचय दऽ कऽ
- (C) केवल नाम लिखैछ
- (D) हास्य चित्र दैछ

१३४. मिथिला चित्रकलाक 'तान्त्रिक मोटिफ' (Tantric motifs - मण्डल) क प्रयोग कोन पोथीक आवरण लेल उपयुक्त होइछ?

- (A) केवल बाल-साहित्य
- (B) गम्भीर दार्शनिक शोध, शास्त्र वा विचार-प्रधान समकालीन विमर्श लेल
- (C) केवल गजल
- (D) कोनो पोथी लेल नहि

१३५. समकालीन 'ई-बुक' (e-Book) क लेआउट (Layout) डिजाइनमे पाठकक सुविधा लेल की कएल जाइत अछि?

- (A) बॉर्डर नहि देल जाइछ
- (B) स्पष्ट फन्ट, हाशिया (Margin), हाइपरलिंक आ सुगम नेविगेशन जाहि सँ स्क्रीन पर पढ़ब आसान होय
- (C) किताबक साइज पैघ करब
- (D) कागजक प्रयोग

१३६. साहित्य अकादमी क संकलनक 'कवर विन्यास' (Color Theme) क सुस्पष्टता की दशावैत अछि?

- (A) अकादमीक भूल
- (B) राष्ट्रीय स्तरक मानक, गम्भीरता आ अकादमिक गरिमा (Professional look)
- (C) पैसाक बर्बादी
- (D) कोनो कारण नहि

१३७. समकालीन कवितामे 'बिम्ब क चित्रात्मकता' (Visual poetry) क की अर्थ थिक?

- (A) कवितामे चित्र छापि देब
- (B) कविताक पाँतीसभ सँ पाठकक आँखि क सोझाँ एकटा जीवन्त दृश्य (Word-picture) उपस्थित भऽ जाइब
- (C) नीरस शब्द
- (D) कोनो अर्थ नहि

१३८. समकालीन मैथिली प्रकाशनमे 'फन्ट साइज' (Font size) आ टाइपोग्राफी क की नियम अछि?

- (A) कोनो नियम नहि
- (B) पाठकक दृष्टिसँ सुस्पष्ट, पठनीय आ यूनिकोड आधारित अक्षरोंक मानक प्रयोग
- (C) अंग्रेजी अक्षर
- (D) छोट आखर

१३९. पुस्तक आवरण पर 'माठक माटि' वा 'खेत' क रंग (Earthy colors) क प्रयोग की दशवैत अछि?

- (A) कुरूपता
- (B) माटिसँ जुड़ाव, गामक यथार्थ आ जनवादी काव्यक सघन संवेदना
- (C) चकाचौंध
- (D) कोनो कारण नहि

१४०. ई १४० प्रश्नक 'समकालीन मैथिली कविता (साहित्य अकादमी)' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय ९ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) आधुनिक आ समकालीन कालखण्डक प्रतिनिधि जनवादी-प्रगतिशील कवितसभक प्रलेखन — ई संकलन मैथिली कविताक आधुनिक आ समकालीन प्रवृत्तिक वैश्विक स्तर पर प्रगट करैत अछि।

२. (B) ई रूमानी बन्धन तोड़ि गामक यथार्थ, वर्ग-विद्वेष आ समकालीन संकट सँ जुड़ल अछि — समकालीन कविता आम मानुष, प्रवासन आ उत्तर-औद्योगिक यथार्थ पर केन्द्रित थिक।

३. (B) २०म शताब्दीक उत्तरार्ध आ २१म शताब्दीक आरम्भक — ई संकलन समकालीन समयक (आधुनिकताक बादक) युगबोधकें दर्शावैत अछि।

४. (B) सहज, सम्प्रेषणीय, गद्यात्मक आ प्रहारक — समकालीन कवी कृत्रिमता त्यागि कऽ जनभाषाक मारक क्षमताक उपयोग करैत छथि।

५. (B) हाशिया पर राखल गेल वंचित, दलित आ स्त्री वर्गक आवाज — समकालीन लेखनमे उपेक्षित वर्गक दुःख आ संघर्षकें मुख्य विधाक रूपमे स्थापित कएल गेल अछि।

६. (B) मैथिलीक समकालीन काव्य-इतिहास आ प्रवृत्तिकें बुझबाक आधिकारिक स्रोत — ई संकलन शोधार्थीसभ लेल समकालीन प्रवृत्तिक प्रामाणिक दस्तावेज थिक।

७. (B) ई समकालीन अभिव्यक्तिक मुख्य आ सशक्त माध्यम बनि गेल अछि — समकालीन कवी अपन वैचारिक प्रहार लेल मुक्त छन्दकें सर्वथा उपयुक्त मानैत छथि।

८. (B) वैश्वीकरण, महानगरीय बोध, आ सामाजिक विषमताक विरुद्ध जनवादी चेतना सँ — समकालीन युगबोधमे आजुक मानव क अकेलापन आ व्यवस्थाक भ्रष्टाचार मुख्य थिक।

९. (B) भारतीय भाषा आ साहित्यक उन्नयन आ संरक्षण लेल — साहित्य अकादमी देशक मान्यता प्राप्त भाषासभक उत्कृष्ट साहित्यकें सामने लाबैत अछि।

१०. (B) रूढ़िवादी परम्पराक विरोध आ जीवन्त परम्पराक प्रगतिशील विकास — समकालीन कवी अन्धविश्वासक रूढ़ि पर प्रहार करैत छथि मुदा माटिक जड़ि सँ जुड़ल रहैत छथि।

११. (B) गाम सँ पलायन कऽ महानगर गेल मैथिलक अकेलापन आ संघर्षक चित्रण — महानगर (दिल्ली, मुम्बई) क भीड़मे गामक प्रवासी कोना छटपटाइत अछि, तकर मार्मिक चित्रण अछि।

१२. (B) दैनिक जीवनक कठोर यथार्थ सँ लेल गेल नवीन आ मारक बिम्ब — आब चन्द्रमा वा फूलक बदला चूल्हा, राशनक कतार, वा कारखानक धुआँ बिम्ब बनि गेल अछि।
१३. (B) २०म शताब्दीक अन्तिम दशकसभ आ २१म शताब्दीमे (विदेह आन्दोलन धरि) — डिजिटल क्रान्ति आ ई-पत्रिकाक आगमन सँ समकालीनता आरो तीव्र आ वैश्विक भऽ गेल।
१४. (B) तथ्यपरक, वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष आ विमर्श-केन्द्रित — समकालीन कविता अपन मूल्यांकन कोनो पूर्वग्रह सँ मुक्त भऽ कऽ केवल तथ्यपरक रूपमे चाहैत अछि।
१५. (B) मैथिलीक मानक, सुस्पष्ट आ जीवन्त रूपकें सुरक्षित राखब — अकादमी मैथिलीक निज प्रकृतिकें अक्षुण्ण रखैत मानक साहित्यक संकलन करैत अछि।
१६. (B) मूर्त, दृश्य आ समाजक नग्न यथार्थकें (Concrete Reality) — आब कविता आकाश सँ उतरि कऽ माटिये पर, शोषितक दरबाजा पर ठाढ़ अछि।
१७. (A) रूढ़ि आ सामाजिक विषमताक विरुद्ध वैज्ञानिक आ जनवादी सोच — प्रगतिशीलता मानव गरिमा आ आर्थिक समानताक पक्षधर होइछ।
१८. (B) मैथिली साहित्यकें राष्ट्रीय आ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान आ प्रतिष्ठा भेटैछ — अकादमीक संकलन राष्ट्रीय स्तर पर मैथिलीक अवदानकें प्रमाणित करैत अछि।
१९. (B) अपन अधिकार, अस्मिता आ रूढ़िवादी पुरुष-सत्ताक विरुद्ध सशक्त स्वर — समकालीन लेखिका आ कवि स्त्रीकें एकटा स्वतन्त्र चिन्तनशील मानव रूपमे देखबैत छथि।
२०. (B) इंटरएक्टिव माध्यम सँ नव पुस्ताकें समकालीन मैथिली कविता आ इतिहासक बोध कराबय लेल — डिजिटल क्विज सँ खेल-खेलमे शास्त्रीय आ समकालीन कविताक गम्भीर ज्ञान सुलभ होइत अछि।
२१. (B) जनवादी, प्रगतिशील आ व्यंग्य-प्रधान जन-कविताक विकास भेल — यात्री जीक बाद समकालीन कवी सभ सीधे जनताक यथार्थ सँ जुड़ि कऽ लिखय लगलाह।
२२. (B) शोषित किसान, श्रम, आ ग्राम्य जीवनक यथार्थवादी बगावत क — रेणु जी समकालीन कवितामे माटिक सुगन्ध आ जनवादी चेतनाक सशक्त हस्ताक्षर छथि।
२३. (B) काव्य-भाषाक परिमार्जन, गम्भीरता आ आधुनिक युगबोधक — हुनकर कवितासभ आधुनिक मनुष्यक आन्तरिक द्वन्द्व आ संकट क प्रलेखन करैत अछि।
२४. (B) स्त्री-संवेदना, अस्मिता आ सामाजिक रूढ़िक विरुद्ध विद्रोही चेतना — ओ समकालीन मैथिली कवितामे स्त्रीक घर-आँगनक संघर्षकें प्रखर आवाज देने छथि।
२५. (B) तीक्ष्ण व्यंग्य, समकालीन विसंगति पर प्रहार आ सहज सम्प्रेषणीयता — विनोद जी अपन अनूठा व्यंग्य आ प्रहारक शैली लेल समकालीन काव्य-जगतमे विशिष्ट छथि।
२६. (B) प्रशासनिक विसंगति, महानगरीय जीवनक अकेलापन आ गामक यथार्थ क — हुनकर कविता ब्यूरोक्रेसी आ समकालीन व्यवस्थाक खोखलापन पर चोट करैत अछि।
२७. (B) उत्तर-आधुनिक जटिलता, विडम्बना आ तार्किक गम्भीरता — सुकांत सोम समकालीन मैथिली कवितामे बौद्धिक आ तार्किक यथार्थवादक नव प्रतिमान छथि।
२८. (B) स्त्रीक आन्तरिक पीड़ा, मातृत्व आ सामाजिक उपेक्षाक विरुद्ध स्वर — ओ नारी-मनक सूक्ष्म संवेदना आ ओकर सामाजिक यथार्थकें कवितामे समेटलनि अछि।
२९. (B) सबअल्टर्न, हाशिएक समाज आ इतिहासक उपेक्षित प्रसंगक — वियोगी जी समकालीन शोध आ कविता दुनूमे सबाल्टर्न चेतनाक सशक्त पक्षधर छथि।
३०. (B) बहु-आयामी (उपन्यास, गजल-व्याकरण आ समानान्तर आन्दोलन सँ परिपुष्ट) — हिनक कविता आ गजल समकालीन विमर्शकें डिजिटल आ जनवादी धरातल पर पुष्ट करैत अछि।
३१. (B) वेब-पत्रकारिताक युगबोध, महानगरीय संघर्ष आ नव पुस्ताक वैचारिक तेवर — ई नव पुस्ता डिजिटल युगक यथार्थ आ गामक साझी विरासतकें नव रूपमे लिखि रहल अछि।
३२. (B) मैथिलीक पारम्परिक माधुर्यक सङ्ग आधुनिक युगबोधक समन्वय — हुनकर गीत समकालीन समयमे सेहो मैथिलीक स्वाभाविक मिठास आ लय कें बचा कऽ रखने अछि।

३३. (B) भाषाई विमर्श, अकादमिक शोध आ यथार्थवादी संवेदना क — नवीन जी आलोचना आ कविता दुनू विधामे समकालीन प्रवृत्तिक गम्भीर विश्लेषक छथि।
३४. (B) नव पुस्ताक मानसिक अंतर्द्वन्द्व, महानगरीय अकेलापन आ यथार्थबोध — राजीव (Rajeev) जकाँ युवा हस्ताक्षर साहित्यमे आधुनिक जीवनक आपा-धापी आ विसंगति लिखि रहल छथि।
३५. (B) सबाल्टर्न विमर्श आ वंचित समाजक आर्थिक-सामाजिक संघर्ष — हिनक लेखनी सीधे गामक अन्तिम पाँतिक मानुष क दुःख-दर्द सँ संवाद करैत अछि।
३६. (B) ग्राम्य यथार्थ, प्रवासनक दंश आ जनवादी चेतनाक रूपमे — लाल देव (Lal Dev) क रचनासभ मिथिलाक गामक टूटैत आर्थिक ढाँचाक जीवन्त दस्तावेज थिक।
३७. (B) तथ्यपरक, वस्तुनिष्ठ (Objective) आ प्रवृत्तिक निष्पक्ष विश्लेषक — समकालीन विमर्शमे 'रमेश' आ 'रवीन्द्र नारायण मिश्र' कें सर्वथा अलग व्यक्ति आ आलोचक मानल गेल अछि।
३८. (B) गामक खालीपन, वृद्ध माता-पिताक लाचारी आ महानगरीय शोषण — पलायन समकालीन मैथिली कविताक सबसँ पैघ आ कारुणिक यथार्थ थिक।
३९. (B) मानवता, श्रमजीवी मानुष क पसीना आ धरती माताकें — आब कविताक केन्द्रमे मन्दिरक मूर्ति नहि, खेतमे हल जोतैत साक्षात् अन्नदाता किसान अछि।
४०. (B) समकालीन मैथिली कविताक वैचारिक आ कलात्मक विविधता (Diversity) — एहिमे विभिन्न पीढ़ी, क्षेत्र आ विचारधाराक कवीसभक प्रतिनिधित्व दऽ कऽ मानक संकलन कएल गेल अछि।
४१. (B) खेत-मजदूर आ सामन्ती/पूँजीवादी व्यवस्थाक बीचक आर्थिक विषमताक नग्न चित्रण — कवी सभ देखबैत छथि जे दिन-रात खटय वला खाली पेट अछि आ शोषक महली सुख भोगि रहल अछि।
४२. (B) जाति-पाँतिक रूढ़ि तोड़ि कऽ मानवीय गरिमा आ वर्ग-एकता स्थापित करबाक प्रखर स्वर — समकालीन कवी जातिगत भेदभावकें समाजक सबसँ पैघ कोढ़ मानैत छथि।
४३. (B) स्त्रीक स्वावलम्बन, शिक्षा, निर्णय-क्षमता आ अपन अस्मिताक सशक्त हुड्कार — आब स्त्री केवल उपभोगक वस्तु नहि, समाजक वैचारिक आ क्रान्तिकारी हिस्साक रूपमे चित्रित अछि।
४४. (B) समकालीन जनवादी कवीसभक आ समानान्तर आन्दोलनक — हाशियाक समाज (दुसाध, चमार, मुसहर वर्ग) क जीवन-संघर्ष आ ओकर कला (जहिना गोदना) कें कवितामे गौरव देल गेल अछि।
४५. (B) सृष्टिक मूल आधार आ राजमहल सँ बेसी पवित्र वस्तु (श्रम क वन्दना) — मजदूरक श्रम हे देश आ सभ्यताक निर्माता थिक, कवी एकर वन्दना करैत छथि।
४६. (B) प्रतिवर्ष कोशी आ कमलाक बाढ़िमे गरीबक तबाही आ प्रशासनिक भ्रष्टाचारक यथार्थ रूपमे — बाढ़ि केवल प्राकृतिक आपदा नहि, राहत घोटाला आ सरकारी शिथिलताक कारणे एकटा मानव-निर्मित त्रासदी बनि जाइत अछि।
४७. (B) तीक्ष्ण व्यंग्य, चाबुक जकाँ मारक शब्द आ चुनावक खोखलापन उजागर कऽ कऽ — समकालीन कविता लोकतंत्रक नाम पर लूटि मचाबय वला नेता आ तंत्र पर खूंखार चोट करैत अछि।
४८. (B) आर्थिक विषमता आ भ्रष्ट वितरण प्रणालीक भयानक आ नग्न यथार्थ — भूख कोनो भाग्यक खेल नहि अछि, ई पूँजीवादी व्यवस्था द्वारा निर्मित अपराध थिक, कवी एकर पोल खोलैत छथि।
४९. (B) अभावक बीचो निश्छलता, अपनत्व आ सात्त्विक गरिमा क — गरीबक घरमे टका भले नहि हो, मुदा ओतय अपनत्व आ पवित्र श्रम क सुगन्ध रहैछ।
५०. (B) अपन माटि, भाषा आ साझी सांस्कृतिक विरासत क रक्षा (निजता क पहचान) — वैश्वीकरणक अन्हा चकाचौंधमे मैथिली कविता अपन जड़ि आ भाखा कें बचेबाक आह्वान करैत अछि।
५१. (B) वर्ग-चेतना (Class consciousness) आ अपन अधिकार लेल लड़बाक हौसला — ई पात्र केवल असहाय नहि अछि, एकर भीतर प्रतिरोधिक ज्वाला आ प्रतिशोधक चेतना सेहो अछि।
५२. (B) आजादीक बादो आम नागरिकक एक-एक दाना अन्न लेल लाचारी आ कतार — ई कतार देशक आर्थिक विकासक दाबा पर एकटा पैघ तीक्ष्ण व्यंग्य थिक।
५३. (B) कर्ज, सुखाड़, बाढ़ि आ लागत मूल्य नहि भेटबाक कारणे किसानक दुर्दशा — अन्नदाता स्वयं भूखमरीक कगार पर अछि, ई समकालीन समयक सबसँ पैघ विडम्बना थिक।

५४. (B) स्त्रीक प्रतिभा आ स्वतन्त्रताकें बान्हय वला सामाजिक बन्धन जकरा तोड़बाक चाही — घूँघट सँ बाहर आबि कऽ स्त्री आब समाज आ राजनीतिमे अपन स्वतन्त्र पहचान बना रहल अछि।
५५. (B) स्थानीय भाषा, संस्कृति आ लघु-उद्योगकें नष्ट करय वला एकटा नव-औपनिवेशिक संकट जकाँ — वैश्वीकरण उपभोक्तावाद (Consumerism) बढ़ा कऽ गामक सादगी आ अपनत्वकें नष्ट कऽ रहल अछि।
५६. (B) मजदूर, शिल्पी, किसान आ आम जनताक सामूहिक पुरुषार्थकें — असली इतिहास तँ ओ छथि जे अपन खून-पसीना सँ देशक नींव खनने छथि।
५७. (B) व्यवस्थाक क्रूरता जे बालकक हाथ सँ कलम छीनि कऽ ओकरा होटल वा कारखानेमे खिटाबय अछि — होटलमे बर्तन धोइत बालकक दृश्य पाठकक चेतनाकें झकझोरि दैत अछि।
५८. (B) डिग्री भेटितो युवाक बेरोजगार रहब आ शिक्षाक बाजारीकरण (पैसाक खेल) — आजुक शिक्षा केवल क्लर्क वा बेरोजगार पैदा कऽ रहल अछि, असली ज्ञान आ संस्कार सँ दूर अछि।
५९. (B) गाममे परित्यक्त, बीमार आ पुत्रक प्रवासनक कारणे एकान्त काटैत वृद्ध माता-पिताक कारुणिक जीवन — गाममे मनीआर्डरक बाट अगोरय वला बुढ़ पुरानक अकेलापन समकालीन कविताक एकटा कारुणिक चेहरा थिक।
६०. (B) ओ स्थापित वर्गक वर्चस्व आ पूर्वग्रह सँ ग्रसित रहल अछि जहिमे उपेक्षित वर्गकें स्थान नहि भेटल — सबाल्टर्न विमर्श पारम्परिक पक्षपातपूर्ण समीक्षाकें नकारि कऽ नव जनवादी प्रतिमान गढ़ैत अछि।
६१. (B) छन्दक रूढ़ि सँ मुक्त 'मुक्त छन्द' वा गद्यात्मक कविता (Free Verse) — मुक्त छन्दक कारणे कवी अपन वैचारिक अभिव्यक्तिकें बिना कोनो कृत्रिम बन्धनक मारक रूपमे रखैत छथि।
६२. (B) विचार, बिम्ब आ ध्वनिक आन्तरिक जनवादी लय (Internal Cadence) सँ — भले बाह्य तुकबन्दी नहि हो, मुदा कविताक भीतर एकटा स्वाभाविक सम्प्रेषणक प्रवाह (Rhythm) रहैत अछि।
६३. (B) मैथिलीक अपन तद्भव, देशज आ जनभाषाक जीवन्त आ आंचलिक शब्दसभकें — गाम-घराक चालू शब्द (जेना कोदाइ, टाटी, कादो, बाध) कविताकें माटिक सुगन्ध आ मारक ताकत दैत अछि।
६४. (B) सीधा बातचीत वा सम्वादक शैली सँ पाठककें सीधे यथार्थ सँ जोड़ब (नाटकीय प्रभाव) — नाटकीयताक कारणे कविता पढ़ि कऽ लागैछ जेना गामक ककरो चौपाल पर बैसि कऽ लाइव बहस सुनि रहल छी।
६५. (B) व्यवस्थाक विसङ्गति, पाखण्ड आ अन्यायकें उघाड़ि कऽ प्रहार करबाक लेल (चाबुक जकाँ) — समकालीन कवी व्यंग्यकें एकटा वैचारिक हथियारक रूपमे प्रयुक्त करैत छथि।
६६. (B) उत्तर-औद्योगिक युग, महानगरीय आपा-धापी आ बदलते गामक कड़वे सचक — आब बिम्बसभमे ट्रैक्टरक आवाज, कारखानक धुआँ वा मोबाइलक स्क्रीन जकाँ आधुनिक तत्व आबि गेल छथि।
६७. (B) अत्यन्त सहज, सीधा पाठकक हृदय आ बुद्धि धरि पहुँचय वली — सहज भाषाक कारणे आम पाठक सेहो एहि कवितासभ सँ अपना कऽ जोड़ि सकैत अछि।
६८. (B) लक्षणा आ व्यञ्जना शक्ति (गम्भीर व्यंग्यात्मक आ प्रतीकात्मक अर्थ) — व्यञ्जना शक्तिक कारणे कविताक एक-एक पाँतीक भीदर गम्भीर दार्शनिक आ सामाजिक अर्थ छुपल रहैछ।
६९. (B) अपन कृषि-संस्कृति, लोक-जीवन आ समकालीन संकट सँ (स्थानीय प्रतीक) — आब 'बाध' शोषित धरतीक आ 'चूल्हा' भूखक सशक्त प्रतीक बनि कऽ सामने अबैत अछि।
७०. (B) काव्यक विषय-वस्तु (Themes) क दायरा व्यापक भऽ गेल (सभ विषय पर कविता सम्भव भेल) — छन्दक रूढ़ि टूटला सँ कविता सीधे जनताक राजनीति, अर्थव्यवस्था आ संघर्ष सँ जुड़ि गेल।
७१. (B) कवितामे भाषण वा गद्य जकाँ सुस्पष्ट वैचारिक विचार आ तार्किकताक समावेश — गद्यात्मकता कविताकें भावुकता सँ निकालि कऽ वैचारिक आ तार्किक दृढ़ता प्रदान करैत अछि।
७२. (B) अपन क्षेत्रक विशिष्ट लोक-शब्दावलीकें साहित्यक ऊँचाई आ प्रतिष्ठा दऽ कऽ (स्थानीयता) — समकालीन कवी अपन कवितामे अपन गामक विशिष्ट माटिक बोलीकें बेबाकी सँ उपयोग करैत छथि।
७३. (B) डिजिटल युगमे पाठकक कम समय आ कम शब्दमे तीक्ष्ण प्रहार करबाक क्षमता — छोट कविता सोशल मीडिया आ मोबाइल स्क्रीन पर त्वरित सम्प्रेषण (Instant Reach) लेल सर्वश्रेष्ठ होइछ।
७४. (B) वर्णसभक तार्किक चयन आ आन्तरिक लयबद्ध गती सँ जे पढ़बा काल गम्भीरता दैछ — मुक्त छन्दक अपन एकटा विशिष्ट पाठ-ध्वनि (Read-aloud tone) होइछ जे रस जाग्रत करैछ।

७५. (B) बाहरी कृत्रिम सजावट क बदला भावक तीव्रता बढ़ाबय वला 'स्वाभाविक' अलंकारक प्रयोग — आब अलंकार कविता पर थोपल नहि लागैछ, ओ भावक सङ्ग स्वतः स्फूर्त निकलैत अछि।
७६. (B) छोट, सुस्पष्ट, कौतूहलपूर्ण आ सीधे विषय-वस्तु पर केन्द्रित — शीर्षक देखिते पाठक बुझि जाइत छथि जे कविता कोन समकालीन संकट वा विसंगति पर प्रहार कऽ रहल अछि।
७७. (B) सीधा बात नहि कहि कऽ घुमा कऽ मारक व्यंग्य करब जाहि सँ चोट गहीर लगय — वक्रोक्ति समकालीन व्यंग्य-कविताक एकटा प्रमुख आ सशक्त आभूषण थिक।
७८. (B) चन्दा झाक कालमे गेयता (गान) प्रधान छल, समकालीन समयमे पाठ-वाचन (Recitation/Syllabic flow) प्रधान अछि — आब कविता गाउबाक बदला गम्भीरता सँ जनसभा वा मंच पर वाचन कएल जाइत अछि।
७९. (B) ई गामक लोक-मेधा (Folk wisdom) केँ कवितामे लाबि कऽ प्रहारकेँ अचूक बनावैत अछि — गामक चालू कहावत सुनि कऽ पाठक तुरंत कविक वैचारिक सन्देश सँ जुड़ि जाइत अछि।
८०. (B) मुक्त छन्द आ गद्यात्मक कवितामे मैथिली भाषाक उच्च स्तरीय तार्किक आ काव्यात्मक सामर्थ्य — ई संकलन सिद्ध करैत अछि जे मैथिली मुक्त छन्दमे सेहो वैश्विक स्तरक स्तरीय कविता रचबाक लेल पूर्ण समर्थ अछि।
८१. (B) गामक अपनत्व, लघु-उद्योग आ साझी सांस्कृतिक विरासतक पतन (संकट) — वैश्वीकरण गामकेँ एकटा बजार बना देलक अछि जहाँ अपनत्व समाप्त भऽ रहल अछि।
८२. (B) केवल वस्तु किन्बक आ भोग करबाक अन्हा अवांछित प्रवृत्ति (बजारक चकाचौंध) — आब मनुष्यक पहचान ओकर विचार सँ नहि, ओकर ब्रांडेड वस्तुक क्रय-शक्ति सँ होइछ, कवी एकर कड़ा विरोध करैत छथि।
८३. (B) अंग्रेजी आ अन्य बजारू भाषाक चकाचौंध क कारणे अपन भाखा आ अस्मिताक उपेक्षा — समकालीन कवी अपन नव पुस्ताकेँ चेतावनी दैत छथि जे अपन भाखा छोड़ि कऽ केहू चक्रवर्ती नहि बनि सकैछ।
८४. (B) हजारोंक भीड़मे सेहो प्रवासी मैथिलक आन्तरिक अकेलापन आ अपन जड़ि लेल छटपटाहट — फ्लेट आ कंक्रीट क जंगलमे गामक पोखरि आ माटी याद आबब हिनक कविताक मुख्य अंतर्ध्वनि थिक।
८५. (B) केवल वृद्ध आ असहाय स्त्रीसभक एकटा उदास आ एकाकी गाम (खण्डहर जकाँ) — गाममे आब केवल वृद्ध आ दुःखल आँखि रहि गेल अछि, सभ नवयुवक परदेश खटि रहल छथि।
८६. (B) मानवीय मूल्य, निश्छल सम्बन्ध आ अपनत्वक (रिश्तोंक बाजारीकरण) — आब सम्बन्ध सेहो नफा-नुकसान (लाभ-हानि) देखि कऽ तय होइछ, ई आजुक युगक पैघ संकट थिक।
८७. (B) लोक आपसमे बैसितो वर्चुअल दुनियामे व्यस्त छथि, भौतिक संवाद समाप्त भऽ गेल (अकेलापन) — इन्टरनेट गामक चौपालक वास्तविक बहस आ अपनत्वकेँ फेसबुकक कमेंट बॉक्समे सिमेटि देलक अछि।
८८. (B) पोखरि सुखा कऽ कंक्रीट क गाछी (प्लाट/मकान) बनेबाक यथार्थ (पर्यावरण संकट) — मिथिलाक पारम्परिक पोखरि आ आमक गाछी आब बिल्डर्स सभक बजार बनि रहल अछि, जे पर्यावरणक पैघ क्षति थिक।
८९. (B) मशीनीकरणक कारणे हाथक कारीगरी आ शारीरिक श्रम क मूल्य कम होएब आ बेरोजगारी बढ़ब — गामक पारम्परिक शिल्पी आ मजदूर आब बजारक आगू बेकार भऽ महानगरमे कुली बनबाक लेल विवश छथि।
९०. (B) ओकर बाजारीकरण भऽ रहल अछि वा ओ केवल एकटा दिखावा (फैशन) बनि रहल अछि — कवी कहैत छथि जे पाग पहिरब आब केवल फोटो खिचेबाक माध्यम बनि गेल अछि, आन्तरिक संस्कार हरा रहल अछि।
९१. (B) अपन गामक माटिक सुगन्ध, दाईक आंचल आ गामक पोखरक शीतल जल — महानगरक बत्तीक बीच कवी अपन झोपड़ीक सादगी आ अपनत्व लेल छटपटाइत छथि।
९२. (B) गामक मखान आ चूड़ा-दहीक स्थान पर फास्ट फूड आ बजारू पैकेटबंद वस्तुक प्रवेश — बजारू भोजन गामक स्वाभाविक आ पौष्टिक आहारक संस्कृति केँ नष्ट कऽ रहल अछि।
९३. (B) किसान आ मध्यम वर्ग बजारक चकाचौंध लेल बैंक आ महाजनक कर्जक जालमे फँसि आत्महत्या कऽ रहल अछि — क्रेडिट कार्ड आ बैंकक कर्ज आजुक मानव क एकटा नव बन्धन थिक जकर चित्रण समकालीन कवितामे अछि।
९४. (B) मनुष्यकेँ बन्द करय वला एकटा स्वर्ण-पिंजड़ा वा डिब्बा सँ (जहाँ पड़ोसी सँ संवाद नहि होइछ) — फ्लेट क बन्द जिन्दगी गामक अनन्त आकाश आ चौपालक खुल्लापनक विपरीत एकटा अकेलापन थिक।

१५. (B) आर्थिक स्वार्थ आ महानगरीय संस्कृतिक कारणे परिवार टूटि कऽ एकल (Nuclear) भऽ गेल — गाम क पुरान साझी देबा-लेबाक संस्कृति आब स्वार्थ आ व्यक्तिकेन्द्रित समाजमे बदलि रहल अछि।
१६. (B) ओ सभ गामक उपजाऊ भूमि आ पोखरिकें बेचि कऽ कंक्रीट क जंगल खड़ा कऽ रहल छथि (विनाशकारी विकास) — जमीनक दलाली गामक स्वाभाविक सौंदर्य आ कृषि योग्य भूमिकें नष्ट कऽ रहल अछि।
१७. (B) टका सँ पैघ पुत्रक सान्निध्य, ओकर बोली आ ओकर दर्शन (भावनात्मक भूख) — बुढ़ापा केवल टका सँ नहि कटैछ, ओकरा अपन सन्तानक आलिंगन आ अपनत्वक भूख रहैछ।
१८. (B) बाजारक विज्ञापन आ केवल एकटा इवेंट (Event Management) जकाँ प्रदर्शन — आब त्योहारसभक पवित्रता सँ पैघ ओकर सोशल मीडिया पर प्रदर्शन आ बाजारीकरण प्रधान भऽ गेल अछि।
१९. (B) ई एकटा संकट थिक जहिमे गाम अपन आत्मा खो कऽ शहरक कुरूप नकल बनि रहल अछि — गामक विकास एहन होबाक चाही जहिमे ओकर अपनत्व आ माटि सुरक्षित रहय, शहरक कुरूप अन्धानुकरण नहि।
१००. (B) अपन जड़ि, भाषा आ गामकें बचेबाक लेल सजग आ प्रतिबद्ध करैत अछि (सांस्कृतिक मोर्चा) — ई कवितासभ एकटा वैचारिक मोर्चा थिक जे पाठककें अपन अस्मिताक रक्षा लेल तैयार करैत अछि।
१०१. (B) उर्दू अरूजक अन्धानुकरण छोड़ि मैथिलीक निज लय आ छन्द (अरूज क स्थानीयकरण) क विकास भेल — समकालीन गजलकार मैथिली ध्वनिक विशिष्टताक आधार पर गजलक नव व्याकरण तैयार केलनि।
१०२. (B) मैथिली गजलक आन्तरिक लय आ प्रकृतिक अनुकूल प्रस्तावित एकटा नव मीटर (छन्द) — गजलक लय आ मीटरकें मैथिलीक ध्वनिक अनुकूल ढालय लेल 'बहर-ए-विदेह' जकाँ नव मीटरक नामकरण आ अनुसंधान कएल गेल अछि।
१०३. (B) कविक उपनाम (तखल्लुस) जे विद्यापतिक 'भणिता' परम्पराक समरूप अछि — विद्यापतिक 'भनइ विद्यापति' जकाँ गजलक मकतामे सेहो कविक नाम (तखल्लुस) सहजता सँ प्रयुक्त होइत अछि।
१०४. (B) प्रेम सँ ऊपर उठि कऽ सामाजिक विसङ्गति, गामक गरीबी, प्रवासन आ सबाल्टर्न विमर्श — आधुनिक गजल हुस्न-ओ-इश्कक दायरा सँ बाहर निकलि कऽ गामक भुखमरी आ राजनीतिक भ्रष्टाचार पर प्रहार कऽ रहल अछि।
१०५. (B) मैथिलीक सहज 'तुकान्त' (तुक्क) आ समान ध्वनिकान्त शब्दावलीक — मैथिली गजलकार अरबी-फारसी व्याकरणक बदला मैथिलीक सहज तुकान्त आ लय-विधानक उपयोग करैत छथि।
१०६. (B) शेरक एकटा पाँती (Line) — शेर दुई पाँतीक होइछ, जकर प्रत्येक पाँतीकें 'मिसरा' (पहिल मिसरा आ दोसर मिसरा) कहल जाइत अछि।
१०७. (B) गजलक प्रथम शेर कें जकर दुनू पाँती तुकान्त (काफियायुक्त) होइत अछि — मतला सँ गजलक शुरुआत होइछ जे पूरे गजलक बहर (मीटर) तय करैत अछि।
१०८. (B) प्रत्येक शेरक अन्तमे काफियाक बाद अबय वला एक समान शब्द वा वाक्यांश जे लय पुष्ट करैछ — रदीफ ओ शब्द अछि जे शेरक अन्तमे बिना कोनो परिवर्तनक बार-बार अबैत अछि (जहिना: ...'कऽ देलक', ...'लऽ लेलक')।
१०९. (B) प्रत्येक शेर अपन अर्थ आ भावमे पूर्णतः स्वतन्त्र आ निरपेक्ष होइत अछि — गजलक सबसँ पैघ विशेषता ई अछि जे एकर प्रत्येक शेर अपन अर्थमे पूर्ण आ स्वतन्त्र होइत अछि, जबकि गीतमे एकटा निरन्तर कथा वा भाव होइछ।
११०. (A) विदेह ई-जर्नल आ समानान्तर आन्दोलनक गजल-बहस क — विदेह द्वारा गजलक विशेष अंक निकालि आ 'मैथिली गजलक व्याकरण' प्रकाशित कऽ एकरा स्थापित कएल गेल।
१११. (B) गजलक पारम्परिक जड़ता तोड़ि मैथिलीक निज प्रकृतिक अनुकूल नव प्रयोग करब — ई आन्दोलन गजलकें मैथिलीक निज प्रकृतिक अनुसार ढालबाक आ नव बहरक प्रयोगक पैरवी करैत अछि।
११२. (B) सहज, सम्प्रेषणीय आ मिथिलाक गाम-घराक शब्द सँ सजल मैथिली — आधुनिक गजलकार गजलमे सीधे गामक यथार्थवादी शब्द (जेना मखान, टाटी, कादो) क प्रयोग करैत छथि।
११३. (B) मात्रिक लय वा तालक गति समरूप (Rhythmic structure) — उर्दू अरूजक जटिल नियमसभकें मैथिलीक पिंगल (छन्द-शास्त्र) आ मात्रिक लय (जहिना १४ मात्रा, १६ मात्रा) क सँग जोड़ि कऽ समझाओल गेल अछि।
११४. (B) पहिल पाँतीक बातकें पूर्ण कऽ तीक्ष्ण प्रहार (Punch line) करैत छथि — शेरक संरचना एहन होइछ जे दोसर पाँतीमे जा कऽ बातक 'पंच' (मुख्य भाव) स्पष्ट आ प्रभावशाली रूपेँ सामने अबैत अछि।
११५. (B) केवल मकता (अन्तिम शेर) मे — अन्तिम शेर (मकता) मे गजलकार अपन नाम दऽ कऽ गजलक पूर्णता घोषित करैत छथि।

- ११६. (B) सामाजिक अन्याय, राजनीतिक भ्रष्टाचार आ बजारवाद क विरुद्ध** — गजल आब केवल रूमानी विधा नहि, सामाजिक आ राजनीतिक चेतनाक तीक्ष्ण हथियार थिक।
- ११७. (B) मैथिलीक स्वाभाविक ह्रस्व उच्चारणक प्रकृति क अनुसार छन्दक लय मिलाबय लेल** — मैथिलीमे 'ए' आ 'ओ' क उच्चारण ह्रस्व सेहो होइत अछि, जकरा गजलकार लय मिलाबय लेल कुशलता सँ प्रयोग करैत छथि।
- ११८. (B) समकालीन मैथिली कविताक एकटा सशक्त आ अपरिहार्य अङ्ग रूपमे स्थान भेटल अछि** — अकादमी गजलकें समकालीन कविताक एकटा समृद्ध विधा मानैत अपन संकलनमे आदर देने अछि।
- ११९. (B) ई मंच पर आ कीर्तन/संगीत समाजमे सहजता सँ गाबल जा रहल अछि** — लयबद्ध बहरक कारणे मैथिली गजल श्रोता आ पाठक दुनूकें तुरंत आकर्षित कऽ लैत अछि।
- १२०. (B) मैथिलीक अपन छन्द-सामर्थ्य आ विदेशी विधाकें अपन रूपमे ढालबाक अद्भुत क्षमता** — ई सिद्ध करैत अछि जे मैथिली गजल विधाकें अपन माटिक रंग दऽ कऽ पूर्णतः समृद्ध कऽ चुकल अछि।
- १२१. (B) मिथिला आ मधुबनी चित्रकला (Mithila Art) क सोबर मोटिफ** — मैथिली पुस्तकसभक आवरण पर मिथिलाक पारम्परिक चित्रकला (मधुबनी आर्ट) क मोटिफक प्रयोग ओकर सांस्कृतिक पहचानक हिस्सा बनि गेल अछि।
- १२२. (B) मिथिला चित्रकलाक 'गोदना' (Godna/Tattoo) शैली वा श्रमजीवी वर्गक यथार्थवादी रेखाचित्र** — गोदना शैली मुख्य रूप सँ दलित जातिक पारम्परिक कला अछि। एकरा आवरण पर स्थान देब सबाल्टर्न विमर्शक कलात्मक अभिव्यक्ति अछि।
- १२३. (B) प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रेम, उल्लास आ सांस्कृतिक चेतनाक** — मयूर (मोर) प्रेम आ प्राकृतिक उर्वरताक प्रतीक अछि जे पुस्तकक आवरणकें समृद्ध बनावैत अछि।
- १२४. (B) शुभ-मंगल, उर्वरता आ मिथिलाक साझी जीवन-पद्धतिक प्रतीक** — मिथिलामे माछ शुभ आ मङ्गलक परिचायक थिक जे चित्रकलामे प्रचुरता सँ प्रयुक्त होइछ।
- १२५. (B) कवर डिजाइनमे उच्च गुणवत्ता (High resolution) आ पेशेवर सौन्दर्य बोध (Professional Aesthetics)** — ग्राफिक डिजाइन सफ्टवेयर आ डिजिटल प्रिंटिंगक कारणे मैथिली पोथीक आवरण आब अन्तर्राष्ट्रीय स्तरक आकर्षक भऽ गेल अछि।
- १२६. (B) पुस्तकक भीतरी वैचारिक विमर्श (Theme) क 'दृश्य-पाठ' (Visual Discourse)** — कवर केवल सजावट नहि अछि, ओ पुस्तकक भीतरक सबाल्टर्न वा यथार्थवादी विमर्शक आवरण थिक।
- १२७. (B) वेबसाइटक बॉर्डर, हेडर आ ई-बुकक लेआउटमे मिथिलाक पारंपरिक सौन्दर्यकें डिजिटल रूपमे सजेबामे** — विदेह अपन डिजिटल उपस्थितिमे मिथिलाक कलात्मक धरोहर (कचनी-भरनी) कें बेबाकी सँ उपयोग कऽ रहल अछि।
- १२८. (B) सुस्पष्ट, कलात्मक आ देवनागरी/तिरहुता फन्टक प्रयोग जाहि सँ शीर्षक आकर्षक लागय** — कवर पर आब टाइपोग्राफी पर विशेष ध्यान देल जाइत अछि, जतय शीर्षक स्वयं एकटा कलाकृतिक रूप लऽ लैत अछि।
- १२९. (B) मिथिलाक पारम्परिक सांस्कृतिक जकाँ जीवन, सौन्दर्य आ साझी विरासत** — कोहबर मिथिलाक पारम्परिक मांगलिक चित्र थिक जे जीवनक निरन्तरता क सूचक थिक।
- १३०. (B) पाठकसभकें पुस्तकक मूल विमर्श, प्रवृत्तिक आ कवीसभक संक्षिप्त परिचय (Synopsis) देनाय** — आधुनिक प्रकाशनमे ब्लर्ब (Back cover text) अत्यन्त महत्वपूर्ण भऽ गेल अछि, ई पाठककें किताबक भीतरक यथार्थ सँ जोड़ैत अछि।
- १३१. (B) यूनिफाइड टेक्स्ट, लेखक-प्रोफाइल आ विस्तृत दार्शनिक समीक्षाक सङ्ग (Open Access)** — विदेहक ई-लर्निङ्ग हब आ आर्काइव शोधकर्तासभ लेल समकालीन कविता पर विस्तृत सामग्री निःशुल्क उपलब्ध करावैत अछि।
- १३२. (B) कविताक जनवादी तेवर आ शोषित वर्गक प्रति कविक प्रतिबद्धता** — कवर पोथीक आन्तरिक विचारधाराक (Ideology) दृश्य प्रकटीकरण होइत अछि।
- १३३. (B) फ्लैप (Flap) वा पाछाँमे लेखकक फोटो आ ओकर साहित्यिक अवदानक प्रामाणिक परिचय दऽ कऽ** — पेशेवर प्रकाशनमे लेखकक प्रोफाइल आ फोटोकें सुव्यवस्थित ढंग सँ रखल जाइत अछि जाहि सँ पाठक लेखकक वैचारिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ि सकय।
- १३४. (B) गम्भीर दार्शनिक शोध, शास्त्र वा विचार-प्रधान समकालीन विमर्श लेल** — दर्शन वा तार्किक शोध क ग्रन्थ पर यन्त्र वा मण्डलक चित्र ओकर बौद्धिक आ तान्त्रिक गम्भीरताक प्रतीक अछि।
- १३५. (B) स्पष्ट फन्ट, हाशिया (Margin), हाइपरलिंक आ सुगम नेविगेशन जाहि सँ स्क्रीन पर पढ़ब आसान होय** — ई-बुकक 'यूजर इंटरफेस' (UI) आ लेआउट डिजाइन एहन कएल जाइत अछि जे मोबाइल वा कम्प्यूटर पर पाठकक आँखि पर जोर नहि पड़य।

१३६. (B) राष्ट्रीय स्तरक मानक, गम्भीरता आ अकादमिक गरिमा (Professional look) — साहित्य अकादमी अपन आवरणमे एकटा सुव्यवस्थित आ सुरुचिपूर्ण अकादमिक गरिमाक पालन करैत अछि।
१३७. (B) कविताक पाँतीसभ सँ पाठकक आँखि क सोझाँ एकटा जीवन्त दृश्य (Word-picture) उपस्थित भऽ जाइब — यात्री जी वा रेणु जीक कविता पढ़ि कऽ गामक दृश्य आँखि क सोझाँ नाचि जाइत अछि, ई चित्रात्मकता थिक।
१३८. (B) पाठकक दृष्टिसँ सुस्पष्ट, पठनीय आ यूनिकोड आधारित अक्षरोंक मानक प्रयोग — डिजिटल आ प्रिंट माध्यममे टाइपोग्राफीक शुद्धता पाठककें रसमग्न रखबामे सहायता करैत अछि।
१३९. (B) माटिसँ जुड़ाव, गामक यथार्थ आ जनवादी काव्यक सघन संवेदना — माटीक रंग (Brown/Ochre) जनवादी कविताकें ओकर मूल परिवेश सँ सीधे जोड़ि दैत अछि।
१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।

अध्याय १० : Videha QUIZ | मैथिली कथा-संग्रह (मैथिली अकादमी)

भाग १: अकादमिक पृष्ठभूमि आ कथा-इतिहास

१. मैथिली अकादमी, पटनाक स्थापनाक मुख्य उद्देश्य की थिक?
 - (A) केवल खेलक बढ़ावा देब
 - (B) मैथिली भाषा आ ओकर श्रेष्ठ साहित्यक संरक्षण, प्रकाशन आ शोध
 - (C) विदेशी भाषाक अनुवाद
 - (D) सिनेमाक निर्माण
२. अकादमी सँ प्रकाशित 'कथा-संग्रह' सभमे मुख्य रूप सँ कोन युगक कथा-विकास भेटैत अछि?
 - (A) केवल प्राचीन कथा
 - (B) मैथिली कथा साहित्यक प्रगाढ़ मध्यकाल आ आधुनिक कालक संक्रमण-विकास
 - (C) केवल मध्यकालीन नाटक
 - (D) विदेशी आख्यान
३. मैथिली कथाक व्यवस्थित इतिहास लेखन आ संकलनमे ककर संस्थागत योगदान पैघ अछि?
 - (A) केवल बाजारक
 - (B) मैथिली अकादमी, पटना आ साहित्य अकादमीक
 - (C) केवल रेडियोक
 - (D) कोनो संस्थाक नहि
४. मैथिली कथा-परम्पराक आरम्भक मील-पत्थर ककरा मानल जाइत अछि?
 - (A) वर्णरत्नाकर (ज्योतिरीश्वर ठाकुर)
 - (B) हरिमोहन झाक कथा
 - (C) यात्री जीक उपन्यास
 - (D) विदेह आन्दोलन
५. आधुनिक मैथिली कथा-लेखन केँ समाज सँ जोड़बाक पैघ श्रेय ककरा जाइत अछि?
 - (A) केवल विदेशी लेखककेँ
 - (B) हरिमोहन झा, यात्री जी आ ललित जकाँ कथाकारसभकेँ
 - (C) केवल प्राचीन राजासभकेँ
 - (D) कोनो लेखककेँ नहि
६. मैथिली अकादमीक कथा-संग्रहसभक मुख्य विशेषता की थिक?
 - (A) अश्लीलता
 - (B) भाषाक प्रामाणिकता, शब्द-शुद्धता आ स्तरीय कथानकक चयन
 - (C) केवल अंग्रेजी फन्ट
 - (D) नीरस विन्यास
७. कथा साहित्यमे 'आंचलिकता' (Regionalism) क की अर्थ होइत अछि?
 - (A) शहरक कथा
 - (B) कोनो विशिष्ट क्षेत्र (जैसे मिथिलाक गाम) क माटि, बोली आ संस्कृतिक सजीव चित्रण
 - (C) काल्पनिक देश
 - (D) कोनो अर्थ नहि
८. समकालीन समीक्षाक अनुसार मैथिली कथा आब कतय पहुँचि गेल अछि?
 - (A) केवल रूमानी कल्पनामे
 - (B) वैश्विक महानगरीय संकट, सबाल्टर्न विमर्श आ डिजिटल युगक यथार्थमे
 - (C) पतन दिस
 - (D) केवल पूजा-पाठमे

९. मैथिली अकादमी क स्थापना कहिया भेल छल जकर चर्चा अकादमिक इतिहासमे अछि?

- (A) १९७५-७६ ई. क कालखण्डमे
- (B) २००० ई. मे
- (C) १९५० ई. मे
- (D) १९१० ई. मे

१०. अकादमीक संकलनसभमे ककर कथा-शिल्पक बहुलता देखाइत अछि?

- (A) केवल एकटा लेखक क
- (B) विभिन्न कालखण्डक प्रतिनिधि आ प्रबुद्ध कथाकारसभक
- (C) केवल विदेशी लेखकक
- (D) केवल राजा-महाराजाक

११. मैथिली कथा साहित्यमे 'नव्य-यथार्थवाद' (New Realism) क की सूचक थिक?

- (A) जादू क कथा
- (B) समाजक नग्न आर्थिक विषमता आ मनोवैज्ञानिक सचक बेबाक प्रकटीकरण
- (C) केवल हास्य
- (D) कोनो सूचक नहि

१२. अकादमीक पुस्तकरूप कथा-संग्रह विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रममे किएक राखल जाइछ?

- (A) केवल पृष्ठ भरय लेल
- (B) छात्रसभकें मैथिली भाषा-शिल्प आ सामाजिक विकासक प्रामाणिक बोध कराबय लेल
- (C) किताब बेचय लेल
- (D) कोनो कारण नहि

१३. मैथिली कथाक 'शिल्प-गती' (Narrative technique) मे की बदलाव आयल अछि?

- (A) कथा समाप्त भऽ गेल
- (B) पारम्परिक रेखीय (Linear) कथाक बदला पूर्वदीप्ति (Flashback) आ मनोवैज्ञानिक शिल्पक प्रयोग
- (C) केवल नाटक जकाँ
- (D) कोनो बदलाव नहि

१४. कथा-संग्रहक 'भूमिका' (Preface) क की महत्व होइत अछि?

- (A) केवल धन्यवाद
- (B) कथाक प्रवृत्तिक, कालखण्डक आ कथाकारसभक गम्भीर समीक्षात्मक विश्लेषण
- (C) मूल्य सूची
- (D) कोनो महत्व नहि

१५. मैथिली गद्यक विकासमे 'कथा' विधाक की स्थान अछि?

- (A) सब सँ कमजोर
- (B) सब सँ लोकप्रिय, सशक्त आ जनमानस सँ सीधा जुड़ल स्थान
- (C) केवल दोहा जकाँ
- (D) कोनो स्थान नहि

१६. समकालीन शोधमे 'कथा-पाठ' कें कोना देखल जाइत अछि?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र आ लोक-मनोविज्ञानक तुलनात्मक अध्ययनक माध्यम
- (C) केवल टाइम पास
- (D) अपराध

१७. अकादमी क कथा संकलन ककर 'मानकीकरण' (Standardization) करैत अछि?

- (A) हिन्दीक
- (B) मैथिली भाषाक मानक गद्य, वर्तनी आ मुहावरेदार प्रयोगक
- (C) अंग्रेजीक
- (D) कोनो मानकीकरण नहि

१८. मैथिली कथामे 'प्रवासन' (Migration) क प्रसंग किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पलायन सँ लाभ अछि
- (B) ई मिथिलाक गामक यथार्थ, खालीपन आ पारिवारिक विग्रहक मुख्य कारण थिक
- (C) केवल सैर करब
- (D) कोनो महत्व नहि

१९. समकालीन कथाकार अपन पात्र कतय सँ चुनैत छथि?

- (A) आकाश सँ
- (B) अपन आसपासक समाज, पीड़ित वर्ग आ गामक वास्तविक चौपाल सँ
- (C) विदेशी महल सँ
- (D) केवल कल्पनावैभव सँ

२०. विदेह ई-लर्निङ्ग हब एहि कथा-संग्रहक क्विज किएक प्रस्तुत कऽ रहल अछि?

- (A) केवल मनोरञ्जन लेल
- (B) इंटरएक्टिव माध्यम सँ नव पुस्ताकें मैथिलीक मानक गद्यकारसभ सँ परिचित कराबय लेल
- (C) विज्ञापन लेल
- (D) कोनो कारण नहि

भाग २: हरिमोहन झा आ हास्य-व्यंग्यक परम्परा

२१. मैथिली कथा साहित्यमे 'हास्य-व्यंग्य' क सर्वोच्च शिखर ककरा मानल जाइत अछि?

- (A) विद्यापतिकें
- (B) प्रो. हरिमोहन झाकें
- (C) चन्दा झाकें
- (D) मण्डन मिश्रकें

२२. हरिमोहन झाक कथासभमे मुख्य रूप सँ ककर पाखण्ड पर चोट कएल गेल अछि?

- (A) मजदूरक
- (B) रूढ़िवादी समाज, अन्धविश्वास, आ कुलीनताक खोखला दम्भ पर
- (C) विज्ञान पर
- (D) विदेशी संस्कृति पर

२३. कथा 'खट्टर काकाक तरङ्ग' (भाव-साम्य) ककर चरित्र थिक?

- (A) एकटा राजा क
- (B) एकटा परम तार्किक, विद्रोही आ रूढ़ि केँ शास्त्र सँ काटय वला अद्वितीय पात्र
- (C) एकटा मूर्ख क
- (D) एकटा संन्यासी क

२४. हरिमोहन झाक भाषा-शैलीक सभसँ पैघ विशेषता की अछि?

- (A) अत्यन्त सुबोध, मुहावरेदार, चंचल आ मारक व्यंग्यपूर्ण
- (B) कठिन संस्कृतनिष्ठ
- (C) अंग्रेजी प्रधान
- (D) नीरस

२५. कथा 'भलमानुस' (भाव-साम्य) मे ककर पोल खोलल गेल अछि?

- (A) गरीबक
- (B) बाहर सँ सभ्य देखाय वला मुदा भीतर सँ शोषक आ स्वार्थी वर्गक
- (C) चोरक
- (D) साधुक

२६. हरिमोहन झाक व्यंग्यक मुख्य 'आलम्बन' के छथि?

- (A) गामक गरीब मजदूर
- (B) रूढ़िवादी पाँडे, महाजनक लोभ, आ दहेजलोभी वर-पक्ष
- (C) बालक
- (D) प्रकृति

२७. मैथिली अकादमी सँ प्रकाशित हरिमोहन झाक कथासभ ककर दस्तावेज थिक?

- (A) २०म शताब्दीक मध्य मिथिलाक समाजिक संक्रमण आ नवजागरणक
- (B) प्राचीन कालक
- (C) केवल विदेश क
- (D) कोनो दस्तावेज नहि

२८. हरिमोहन झाक कथामे 'नारी-पात्र' (जहिना ककरो दाई वा बहिन) कोना प्रगट होइछ?

- (A) मूर्ख रूपमे
- (B) अंधविश्वास सँ ग्रसित मुदा गामक व्यवहारिक बुद्धि सँ परिपूर्ण
- (C) योद्धा रूपमे
- (D) कोनो रूप नहि

२९. हास्य-व्यंग्यक माध्यम सँ हरिमोहन झा की करय चाहैत छलाह?

- (A) केवल मनोरंजन
- (B) समाज सुधार आ रूढ़िवादी जड़ताक अन्त (Social Reform)
- (C) पैसा कमाबय
- (D) विवाद उत्पन्न करब

३०. कथा 'प्रायश्चित्त' (भाव-साम्य) मे ककर व्यंग्य अछि?

- (A) पाप मिटबै क
- (B) बिल्लीक मरण पर होमय वला पाखण्ड आ पुरोहितक लोभ पर
- (C) युद्ध पर
- (D) बाढ़ि पर

३१. हरिमोहन झाक 'व्यंग्य-बाण' क तुलना ककरा सँ कएल जाइछ?

- (A) फूल सँ
- (B) साक्षात् सूई वा तीर जकाँ जे बिना रगत निकलैने गहीर चोट करैछ
- (C) नीरस शब्द सँ
- (D) कोनो तुलना नहि

३२. हरिमोहन झाक कथा-लेखन ककर 'मोर्चा' थिक?

- (A) अंग्रेजी क विरुद्ध
- (B) अज्ञान आ समाजिक जड़ता क विरुद्ध एकटा सशक्त मोर्चा
- (C) साहित्य क विरुद्ध
- (D) प्रकृति क विरुद्ध

३३. कथा 'दहेज' (वर-विक्रय) कोन कुप्रथा पर चोट करैत अछि?

- (A) जातिवाद पर
- (B) दहेजक नाम पर वरक बेचय वला तिलक-प्रथा पर
- (C) बाल-विवाह पर
- (D) कोनो नहि

३४. हरिमोहन झाक कथासभक 'लोकरञ्जन' स्वरूप की थिक?

- (A) ओकरा केहू नहि पढ़ैछ
- (B) ई बाल-वृद्ध सभक कण्ठ आ मोनमे रचल-बसल अछि
- (C) ओ कठिन अछि
- (D) ओ केवल शहर लेल अछि

३५. कवि/कथाकार यात्री जी हरिमोहन झाक गद्यकें की मानैत छलाह?

- (A) कमजोर
- (B) मैथिली गद्यक एकटा जीवन्त आ मानक प्रवाह
- (C) अशास्त्रीय
- (D) हिन्दीक नकल

३६. हरिमोहन झाक कथामे 'शहरी आधुनिकता' केँ कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) सर्वश्रेष्ठ रूपमे
- (B) कखनो-कखनो शहरी बाबू सभक खोखला प्रदर्शन आ फैशनक रूपमे (व्यंग्य)
- (C) संन्यासी रूपमे
- (D) कोनो चित्रण नहि

३७. अकादमी क संकलनमे हरिमोहन झाक कथा ककर प्रतीक थिक?

- (A) मैथिलीक पारम्परिक हास्य-व्यंग्यक श्रेष्ठतम मानक
- (B) पतन क
- (C) कठिनता क
- (D) कोनो प्रतीक नहि

३८. हरिमोहन झाक 'कथा-भाषा' क प्रभाव नव कथाकारसभ पर की पड़ल?

- (A) सभ कथा छोड़ि देलनि
- (B) सहज आ सम्प्रेषणीय भाषा लिखबाक प्रेरणा भेटल
- (C) भाषा कठिन भऽ गेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

३९. खट्टर काकाक 'तार्किकता' ककर पराजय थिक?

- (A) विज्ञान क
- (B) सढ़ल रूढ़ि, पाखण्ड आ अन्धविश्वासक
- (C) सत्य क
- (D) मजदूर क

४०. हरिमोहन झाक कथा-साहित्यक मूल सन्देश की थिक?

- (A) भाग्यवादी बनू
- (B) विवेकशील, आडम्बर-मुक्त आ एकटा स्वस्थ प्रगतिशील समाजक निर्माण
- (C) गाम छोड़ि दिअ
- (D) केवल धन कमाउ

भाग ३: यात्री, ललित आ जनवादी-यथार्थवादी कथा

४१. वैद्यनाथ मिश्र 'यात्री' क कथा-लेखनमे कोन तत्व प्रधान अछि?

- (A) केवल हास्य
- (B) मार्क्सवादी विचारधारा, वर्ग-संघर्ष आ खेत-मजदूरक नग्न यथार्थ
- (C) धार्मिक आख्यान
- (D) कुलीन वैभव

४२. मैथिलीक कालजयी कथाकार 'ललित' क कथा-संग्रहसभमे ककर चित्रण भेटैत अछि?

- (A) केवल रूमानी प्रेम क
- (B) मिथिलाक गामक भीषण यथार्थ, वर्ग-विद्वेष, आ मानवीय जिजीविषा क
- (C) केवल राजा क
- (D) विदेशी जीवन क

४३. यात्री जीक सुप्रसिद्ध आख्यान 'बलचनमा' (भाव-साम्य) ककर कथा थिक?

- (A) एकटा जमींदार क
- (B) एकटा शोषित आ बगावत करय वला बाल-मजदूरक जीवन-संघर्ष
- (C) एकटा राजा क
- (D) एकटा ब्राह्मण क

४४. ललितक कथा-शैलीक सबसँ पैघ विशेषता की मानल जाइत अछि?

- (A) नीरसता
- (B) भाषाक सघनता, काव्यमय बिम्ब, आ गम्भीर यथार्थवादी प्रहार
- (C) केवल चुटकुला
- (D) अंग्रेजी प्रधान

४५. यात्री आ ललित क कथासभ ककरा 'नायक' बनबैत अछि?

- (A) जमींदारकें
- (B) गामक अन्तिम पौतिक मानुष—मजदूर, मुसहर, दुसाध आ शोषित किसानकें
- (C) विदेशी सिपाहीकें
- (D) केवल धनीक वर्गकें

४६. ललितक कथासभमे 'प्रवासन' आ 'गामक आर्थिक पतन' कोना देखाइत अछि?

- (A) गाम धनीक भऽ गेल
- (B) रोजी-रोटी लेल पलायन सँ टूटैत गाम आ स्त्रीक कारुणिक जीवन
- (C) सभ सुखी छथि
- (D) कोनो चित्रण नहि अछि

४७. यात्री जीक कथासभमे 'सामन्ती अत्याचार' क की स्वरूप देखाएल गेल अछि?

- (A) सामन्त दानी छथि
- (B) महाजनक सूद, बेगारी आ मजदूरकें नीच बुझबाक अमानवीय रूप
- (C) धार्मिक रूप
- (D) कोनो स्वरूप नहि

४८. ललितक प्रसिद्ध कथा 'प्रतिज्ञा' वा 'अपराजिता' की सन्देश दैत अछि?

- (A) आत्मसमर्पण करब
- (B) कठोरतम अभाव आ सामाजिक थपेड़ाक बादो मनुष्यक नहि हारि मानबाक अदम्य साहस
- (C) भागि जेबाक
- (D) उदासीन रहबाक

४९. मैथिली अकादमी सँ प्रकाशित यथार्थवादी कथासभ पाठककें की करैत अछि?

- (A) केवल रूमानी आनन्द दैछ
- (B) भाग्यवादिता तोड़ि समाजिक सच आ वर्ग-चेतना सँ जोड़ैत अछि
- (C) डराबैत अछि
- (D) कोनो प्रभाव नहि डेलैछ

५०. यात्री जीक आंचलिक कथा-डिक्शन (Diction) क की विशेषता थिक?

- (A) भाषा कठिन करब
- (B) गामक ठेठ आंचलिक शब्द आ मुहावरारकें साहित्यिक प्रतिष्ठा देब
- (C) हिन्दीकरण करब
- (D) कोनो विशेषता नहि

५१. ललितक कथामे 'नारी-पात्र' क स्वरूप केहन भेटैत अछि?

- (A) केवल अबला आ रोड़त
- (B) संघर्षरत, अपन अस्मिता लेल लड़य वली आ जुझारू (सशक्त रूप)
- (C) केवल भोगक वस्तु
- (D) कोनो स्वरूप नहि

५२. यात्री आ ललित क कथा-लेखन कोन आन्दोलन सँ अनुप्राणित छल?

- (A) प्रगतिशील आ जनवादी आन्दोलन (Progressive Realism) सँ
- (B) रीतिवादी
- (C) दरबारी शृङ्गार
- (D) कोनो आन्दोलन नहि

५३. यात्री जीक कथामे 'भूख' (Hunger) क की परिभाषा अछि?

- (A) ईश्वरक देन
- (B) आर्थिक विषमता आ जमाखोरी क दानवी परिणाम
- (C) एकटा खेल
- (D) कोनो परिभाषा नहि

५४. ललितक गद्यकें 'काव्यमय' (Poetic prose) किएक कहल जाइत अछि?

- (A) ओ कविता लिखैत छलाह
- (B) हुनकर गद्यमे बिम्ब, प्रतीक आ ध्वनिक सघनता कविता जकाँ सुन्दर आ मारक होइछ
- (C) ओ नीरस अछि
- (D) कोनो कारण नहि

५५. सामन्ती व्यवस्थाक 'लाठी' आ 'बन्धुक' क विरुद्ध गरीबक की हथियार देखाएल गेल अछि?

- (A) चुप रहब
- (B) सर्वहारा वर्गक संगठन आ वैचारिक प्रतिरोध (एकता)
- (C) भागि जेब
- (D) भाग्य पर रोबब

५६. ललितक कथासभमे 'गामक यथार्थ भूगोल' कोना उभरैत अछि?

- (A) काल्पनिक रूपमे
- (B) कोशीक तट, नदीक बाढ़ि, आ गामक टूटल टाटीक सजीव शब्द-चित्रमे
- (C) शहर जकाँ
- (D) कोनो भूगोल नहि अछि

५७. यात्री जीक 'मक्खू' जकाँ पात्रक सिर्जन की सिद्ध करैत अछि?

- (A) साधारण लोक साहित्यक असली नायक थिक
- (B) मजदूर कमजोर होइछ
- (C) जमींदार महान होइछ
- (D) किछु नहि

५८. ललितक कथासभक 'अन्तिम निष्कर्ष' की होइत अछि?

- (A) निराशा आ पराजय
- (B) जीवनक कठोरतम परिस्थितिमे सेहो मनुष्यक जिजीविषा आ संघर्षक विजय
- (C) संन्यास
- (D) केवल दुःख

५९. मैथिली अकादमी क संकलनमे एहि प्रगतशील कथासभक की स्थान अछि?

- (A) ओकरा छोड़ि देल गेल
- (B) मैथिली कथा साहित्यक श्रेष्ठतम यथार्थवादी धरोहरक रूपमे सुरक्षित अछि
- (C) केवल अन्तिम पृष्ठ पर
- (D) कोनो स्थान नहि

६०. यात्री आ ललित क कथा-परम्परा आब कतय देखाइत अछि?

- (A) बन्द भऽ गेल
- (B) समकालीन सबाल्टर्न विमर्श आ यथार्थवादी लेखनमे (विदेह आन्दोलन धरि)
- (C) केवल इतिहासमे
- (D) कोनो प्रभाव नहि अछि

भाग ४: आंचलिक कथाकार—रामानन्द रेणु आ राजमोहन झा

६१. समकालीन मैथिली आंचलिक कथामे 'रामानन्द रेणु' क की स्थान अछि?

- (A) ओ केवल कवि छथि
- (B) ओ गामक निश्छलता, प्रवासनक दंश आ आंचलिक सुगन्धक सशक्त कथाकार छथि
- (C) ओ विदेशी लेखक छथि
- (D) कोनो स्थान नहि

६२. प्रख्यात कथाकार 'राजमोहन झा' क कथासभ मुख्य रूप सँ कोन वर्गक यथार्थ देखावैत अछि?

- (A) केवल उच्च वर्ग क
- (B) मध्यम वर्ग (Middle Class) क मानसिक अन्तर्द्वन्द्व, विसङ्गति आ विडम्बनाक
- (C) केवल सर्वहारा वर्ग क
- (D) केवल राजा क

६३. रामानन्द रेणु क कथासभमे 'मजदूर आ सीमान्तकृत' वर्गक जीवन कोना चित्रित अछि?

- (A) राजसी रूपमे
- (B) अभाव, सादगी आ अपनत्वक सङ्ग-सङ्ग अपन हक लेल सजग चेतनाक रूपमे
- (C) केवल लाचार रूपमे
- (D) कोनो रूप नहि

६४. राजमोहन झाक कथा-शैलीक सबसँ पैघ विशेषता की थिक?

- (A) जोर सँ भाषण देब
- (B) अत्यन्त सूक्ष्म, गम्भीर, नाटकीय आ अन्तःकरणक परत उघाइय वला (Psychological)
- (C) कठिन भाषा
- (D) केवल हास्य

६५. रामानन्द रेणु क कथासभमे 'गाम' क स्वरूप केहन भेटैत अछि?

- (A) शहरक नकल
- (B) मिटक सुगन्ध, पोखर-बाध, आ संयुक्त परिवारक टूटैत बन्धनक सजीव रूप
- (C) काल्पनिक स्वर्ग
- (D) नीरस खण्डहर

६६. राजमोहन झाक प्रसिद्ध कथा 'एकटा तेसर' वा 'भेंट' (भाव-साम्य) की देखावैत अछि?

- (A) पारिवारिक रिश्तोंक आन्तरिक खिंचाव, औपचारिकता आ शहरी जीवनक अकेलापन
- (B) केवल प्रेमक कथा
- (C) युद्ध क कथा
- (D) संन्यास क कथा

६७. मैथिली अकादमी क संकलनमे रामानन्द रेणु क कथा 'अन्तरङ्ग' की प्रगट करैत अछि?

- (A) बाहरी दिखावा
- (B) मानव सम्बन्धक आन्तरिक मिठास आ गामक साझी विरासत क साधारणीकरण
- (C) क्रोध
- (D) भय

६८. राजमोहन झाक व्यंग्य हरिमोहन झाक व्यंग्य सँ कोना भिन्न अछि?

- (A) दुनू एके अछि
- (B) हरिमोहन झाक व्यंग्य बाह्य आडम्बर पर अछि, राजमोहन झाक व्यंग्य आन्तरिक मानसिक पाखण्ड पर अछि (Intellectual Satire)
- (C) राजमोहन झा हँसैत छथि केवल
- (D) कोनो भिन्नता नहि

६९. रामानन्द रेणु क कथासभमे 'प्रवासन' (पलायन) क की प्रभाव देखाएल गेल अछि?

- (A) गाम खुशहाल भेल
- (B) गाममे केवल बूढ़ आ बच्चा रहि गेल अछि आ स्त्री विरह आ अभाव भोगि रहल अछि
- (C) सभ शहर चलि गेलाह
- (D) कोनो प्रभाव नहि

७०. राजमोहन झाक 'कथा-भाषा' केहन अछि?

- (A) अत्यन्त अलङ्कृत
- (B) सुव्यवस्थित, सुसंस्कृत, संक्षिप्त आ सुस्पष्ट वैचारिक गद्य (Crisp and precise)
- (C) ठेठ ग्रामीण मात्र
- (D) नीरस

७१. रामानन्द रेणु क कथासभमे 'लोक-संस्कृति' (Folk culture) क की स्वरूप अछि?

- (A) केवल ढोंग
- (B) गामक गीत, रीति-रिवाज आ जनजीवनक स्वाभाविक आ पवित्र रूप
- (C) विदेशी संस्कृति
- (D) कोनो रूप नहि

७२. राजमोहन झाक 'मध्यम वर्गीय पाखण्ड' पर की चोट अछि?

- (A) मध्यम वर्ग सर्वश्रेष्ठ अछि
- (B) दिखावा, प्रतिष्ठाक झूठा मोह आ आन्तरिक स्वार्थकें उजागर करब
- (C) केवल तारीफ करब
- (D) किछु नहि कहब

७३. रामानन्द रेणु क कथामे 'माटिसँ जुड़ाव' (Roots) क की सन्देश अछि?

- (A) गाम छोड़ू
- (B) वैश्वीकरणक दौरमे सेहो अपन भाषा, डीह आ संस्कृति केँ बचा कऽ राखब
- (C) महानगर जाउ
- (D) कोनो सन्देश नहि अछि

७४. राजमोहन झाक कथासभक 'अन्तिम प्रभाव' पाठक पर की पड़ैत अछि?

- (A) ओ हँसैत रहैछ
- (B) ओ गम्भीर सोच आ आत्म-विश्लेषण (Self-reflection) मे डूबि जाइत अछि
- (C) ओ डरा जाइत अछि
- (D) कोनो प्रभाव नहि

७५. रामानन्द रेणु क कथा-डिक्शन (Diction) क ककरा सँ समतुल्य मानल जाइछ?

- (A) विदेशी साहित्य सँ
- (B) यात्री जीक आंचलिकता आ गामक स्वाभाविक मधुरताक समरूप
- (C) केवल संस्कृत सँ
- (D) कोनो समरूपता नहि

७६. राजमोहन झाक कथासभमे 'लघु-कथा' (Short-short stories) क की स्थान अछि?

- (A) कमजोर स्थान
- (B) कम शब्दमे पैघ यथार्थ आ तीक्ष्ण प्रहार करबाक एकटा उत्कृष्ट मानक (Masterpiece)
- (C) केवल जोक थिक
- (D) कोनो स्थान नहि

७७. रामानन्द रेणु क कथामे 'बाढ़ि क विभीषिका' ककर पोल खोलैत अछि?

- (A) प्रकृति क
- (B) बाढ़ि सहायताक नाम पर होमय वला भ्रष्टाचार आ नेता-नौकरशाहक गठबन्धनक
- (C) गरीबक
- (D) केहू क नहि

७८. राजमोहन झाक 'एकटा तेसर' क की अर्थ लगाओल जाइत अछि समकालीन विमर्शमे?

- (A) तेसर व्यक्ति
- (B) पति-पत्नीक बीच आधुनिक जीवनक यान्त्रिकता, संवादहीनता आ उत्पन्न एकटा तेसर स्थिति (एकलपन)
- (C) एकटा बच्चा
- (D) शत्रु

७९. मैथिली अकादमी क संकलनमे एहि दुनू कथाकारसभक अवदान की प्रमाणित करैत अछि?

- (A) मैथिलीक पतन
- (B) मैथिली कथाक आंचलिक आ मनोवैज्ञानिक दुनू धरातल पर पैघ सामर्थ्य
- (C) केवल एक विधाक विकास
- (D) कोनो प्रमाण नहि अछि

८०. रामानन्द रेणु आ राजमोहन झाक परम्परा ककर आधार थिक?

- (A) बन्द भऽ गेल
- (B) समकालीन मैथिली कथा आ वेब-पत्रकारिताक लेखनक (विदेह आन्दोलन धरि)
- (C) केवल इतिहासक
- (D) कोनो प्रभाव नहि

भाग ५: सबअल्टर्न विमर्श आ वंचित समाजक कथा

८१. समकालीन मैथिली कथामे 'सबाल्टर्न विमर्श' (Subaltern Discourse) क की स्थान अछि?

- (A) कोनो स्थान नहि
- (B) केन्द्रीय स्थान (हाशियाक वंचित, दलित आ उपेक्षित समाजक गाथा)
- (C) अन्तिम स्थान
- (D) केबल नकारात्मक

८२. कथासभमे 'दुसाध, मुसहर, डोम आ केवट' वर्गक पात्र ककर प्रतीक छथि?

- (A) अपराधक
- (B) कठोर शारीरिक श्रम, सामाजिक उपेक्षा आ अपन आत्मसम्मानक संघर्षक
- (C) काल्पनिक जीवक
- (D) केबल लाचारी क

८३. स वंचित समाजक कथामे 'बेगारी' (Unpaid labour) क प्रथा क की स्वरूप देखाएल गेल अछि?

- (A) मजदूर सुखी छथि
- (B) सामन्ती व्यवस्थामे बिना कोनो वेतनक दिन-रात खिटा कऽ शोषण करबाक अमानवीय रूप
- (C) एकटा खेल
- (D) कोनो स्वरूप नहि

८४. सबाल्टर्न कथा-लेखन ककर 'मोर्चा' थिक पारम्परिक साहित्यक विरुद्ध?

- (A) साहित्य बन्द करबाक
- (B) साहित्यकें कुलीन आ गुटबाजक चंगुल सँ निकालि कऽ जनवादी बनेबाक मोर्चा
- (C) केवल भाषा बदलबाक
- (D) कोनो मोर्चा नहि

८५. कथासभमे 'दलित स्त्री' (जहिना ककरो दाई वा मजदूरनी) क संघर्ष कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) ओ केवल रोइत रहैछ
- (B) द्विगुणित मारि (एक विजातीय शोषक सँ आ दोसर आन्तरिक पुरुष-सत्ता सँ) सहैत जुझारू रूपमे
- (C) ओ शहर भागि जाइछ
- (D) कोनो चित्रण नहि

८६. स वंचित वर्गक कथामे 'महाजनी कर्ज' (Indebtedness) क जाल की परिणाम देखबैत अछि?

- (A) गरीब धनीक भऽ गेल
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलाम रहब आ समूल बन्धनमे फँसल रहब
- (C) कर्ज माफ भऽ जाइछ
- (D) कोनो परिणाम नहि

८७. यात्री जीक 'बलचनमा' वा रेणु जीक सर्वहारा पात्र 'हक' (Rights) लेल की करैत अछि?

- (A) भाग्य पर रोबैत अछि
- (B) संगठित भऽ कऽ जमींदारक लाठीक सामना करैत अछि (प्रतिरोध)
- (C) गाम छोड़ि भागि जाइत अछि
- (D) क्षमा मांगि लैत अछि

८८. स वंचित समाजक कथा-भाषा केहन होइत अछि?

- (A) कठिन संस्कृतनिष्ठ
- (B) खुरदरी, सीधा प्रहार करय वला आ पात्रक अपन आंचलिक बोली सँ युक्त
- (C) केवल अंग्रेजी
- (D) नीरस

८९. कथासभमे 'भूमि-अधिकार' (Land reforms) क की प्रश्न उठल अछि?

- (A) भूमिहीन मजदूरकें अपन मिाटक टुकड़ा भेटबाक आ सामन्ती कब्जक अन्त क विमर्श
- (B) जमीन बेचय क
- (C) शहरमे जमीन किन्नबाक
- (D) कोनो प्रश्न नहि

९०. सबाल्टर्न विमर्श 'पारम्परिक सौन्दर्य-शास्त्र' (Established aesthetics) कें किएक नकारैत अछि?

- (A) ओ कठिन अछि
- (B) ओ केवल उज्जर आ सुकुमार वस्तुकें सुन्दर मानैछ, जखन कि मजदूरक कारी शरीर आ पसीना सेहो सुन्दर थिक
- (C) ओ सरल अछि
- (D) कोनो कारण नहि

९१. कथासभमे 'झोपड़ी' क चूल्हा नहि जलबाक दृश्य ककर सूचक थिक?

- (A) गैस बन्द होएबाक
- (B) घोर भुखमरी, अभाव आ पूँजीवादी व्यवस्थाक अमानवीय कुरूपताक सूचक
- (C) एकटा खेल
- (D) कोनो सूचक नहि

९२. स वंचित समाजक कथाकारसभ 'इतिहास' कें कोना देखैत छथि?

- (A) इतिहास केवल राजाक होइछ
- (B) असली इतिहास गामक सर्वहारा वर्ग आ ओकर पुरुषार्थ सँ रचित होइत अछि
- (C) इतिहास झूठ होइछ
- (D) कोनो दृष्टि नहि

९३. कथासभमे 'टोला-विभाजन' (जातिगत टोला, जेना मुसहरी वा डोमटोली) की देखावैत अछि?

- (A) सार्थक विभाजन
- (B) गामक आन्तरिक जातिगत कुरूपता आ सामाजिक अलगाव क यथार्थ
- (C) शहरक दृश्य
- (D) कोनो विभाजन नहि

९४. सबाल्टर्न कथामे 'प्रतिरोध' (Resistance) क की रूप अछि?

- (A) मौन रहब
- (B) अन्यायक विरुद्ध आवाज उठबैब, कानूनी लड़ाई लड़ब वा संगठित संघर्ष करब
- (C) आत्महत्या करब
- (D) क्षमा माँगब

९५. कथासभमे 'मल्लाह वा धीवर' (Fishermen) वर्गक संघर्ष कतय देखाएल गेल अछि?

- (A) पहाड़ पर
- (B) पोखरि, नदीक बाढ़ि आ जल-जमीन पर सामन्ती कब्जक विरुद्ध लड़ाईमे
- (C) शहरमे
- (D) विदेशमे

९६. स वंचित वर्गक कथामे 'आत्मकथात्मक' (Autobiographical tone) शैली क की महत्व अछि?

- (A) ई कथाकार क डायरी थिक
- (B) एहि सँ पात्रक निज पीड़ा आ भोगा हुआ यथार्थ सीधा पाठक धरि पहुँचैत अछि (प्रामाणिकता)
- (C) ई कठिन होइछ
- (D) कोनो महत्व नहि

९७. मैथिली अकादमी क संकलनमे एहि सबाल्टर्न कथासभक की अकादमिक मूल्य अछि?

- (A) कोनो मूल्य नहि
- (B) ई समाजशास्त्र आ मैथिलीक जनवादी चेतनाक अध्ययनक लेल सर्वश्रेष्ठ पाठ्य-पुस्तक थिक
- (C) ई केवल कहानी थिक
- (D) किछु नहि

९८. कथासभमे 'श्रम क पवित्रता' (Dignity of labour) क की सन्देश अछि?

- (A) श्रम नीच काज थिक
- (B) अपन हाथ सँ धरती चीरि कऽ अन्न उपजाबय वला मजदूर हे साक्षात् ईश्वर थिक
- (C) श्रम छोड़ि दिअ
- (D) केवल राजा महान छथि

९९. सबाल्टर्न विमर्श समकालीन मैथिली साहित्यकें की बना देलक अछि?

- (A) नीरस
- (B) पूर्णतः जनवादी, प्रगतिशील, समावेशी (Inclusive) आ वैश्विक स्तरक समृद्ध साहित्य
- (C) कठिन भाषा
- (D) बन्द भऽ गेल

१००. ई १४० प्रश्नक सबाल्टर्न आ वंचित समाजक कथा विवेक ककर प्रस्तुति थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ६: स्त्री-संवेदना आ बदलते पारिवारिक मूल्य

१०१. समकालीन मैथिली कथामे 'स्त्री-विमर्श' (Feminism) क की स्वरूप उभरैत अछि?

- (A) केवल घरेलू रोदन
- (B) स्त्रीक आन्तरिक चेतना, आर्थिक स्वावलम्बन, शिक्षा आ अपन स्वतन्त्र अस्तित्वक संघर्ष
- (C) केवल श्रृंगार वर्णन
- (D) कोनो स्वरूप नहि

१०२. पारम्परिक 'संयुक्त परिवार' (Joint Family) क टूटब समकालीन कथामे कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) परिवार आरो जुड़ि गेल
- (B) आर्थिक स्वार्थ, महानगरीय चकाचौंध आ वैयक्तिकता क कारणे परिवारक विघटन आ विग्रह
- (C) कोनो बदलाव नहि भेल
- (D) सभ संन्यासी भऽ गेलाह

१०३. कथासभमे 'बाल-विवाह' आ 'बेमेल विवाह' क केहन परिणाम देखाएल गेल अछि?

- (A) सुखद परिणाम
- (B) अल्पायु कन्याक बाल-वैधव्य, मानसिक सन्ताप आ जीवनक पूर्ण बर्बादी क करुण यथार्थ
- (C) उत्सव जकाँ
- (D) कोनो चित्रण नहि

१०४. समकालीन लेखिकासभक कथामे 'घर-आँगनक यथार्थ' कोना प्रगट होइछ?

- (A) काल्पनिक रूपमे
- (B) चारि-दीवारीक भीतर स्त्रीक अदृश्य श्रम, त्याग आ पुरुष-सत्ताक मौन अत्याचारक परत उघाड़ि कऽ
- (C) केवल भोगक रूपमे
- (D) नीरस रूपमे

१०५. कथासभमे 'दहेज प्रथा' (तिलक) के की मानल गेल अछि?

- (A) एकटा पवित्र उत्सव
- (B) कन्याक पिताकेँ जरा देबय वला आ समाजकेँ कलंकित करय वला एकटा भयानक ब्याधि (कोढ़)
- (C) विकासक साधन
- (D) कोनो मान नहि

१०६. पारिवारिक मूल्यमे 'बूढ़ माता-पिताक उपेक्षा' क की यथार्थ देखाएल गेल अछि?

- (A) वृद्ध लोक शहरमे ऐश करैत छथि
- (B) पुत्रक प्रवासन आ स्वार्थक कारणे गाममे एकाकी, बीमार आ असहाय जीवन काटैत वृद्धक करुण दशा
- (C) कोनो उपेक्षा नहि अछि
- (D) केवल हास्य अछि

१०७. समकालीन कथामे 'नारी-शिक्षा' (Women Education) क की प्रभाव देखाएल गेल अछि?

- (A) स्त्री बिगड़ि गेलीह
- (B) शिक्षा सँ स्त्री अपन अधिकार बुझि कऽ कुप्रथा आ अत्याचारक विरुद्ध ठाढ़ भऽ रहल अछि (सशक्तिकरण)
- (C) कोनो प्रभाव नहि
- (D) केवल नौकरी करब

१०८. रिश्तोंमे आबि रहल 'यान्त्रिकता' आ 'संवादहीनता' ककर मुख्य विषय थिक राजमोहन झाक सन्दर्भमे?

- (A) केवल ग्रामीण लोक क
- (B) महानगरीय आ शहरी मध्यम वर्गीय पति-पत्नीक बीचक मानसिक दूरी आ एकलपन क
- (C) केवल राजा क
- (D) पशु-पक्षियों क

१०९. कथासभमे 'मातृत्व' (Motherhood) क केहन रूप चित्रित कएल गेल अछि?

- (A) केवल एकटा कमजोरी जकाँ
- (B) अनन्य वात्सल्य, त्याग आ कठोरतम परिस्थितिमे सेहो अपन सन्तानक रक्षा करय वली अदम्य शक्ति जकाँ
- (C) स्वार्थी रूपमे
- (D) कोनो चित्रण नहि

११०. समकालीन कथामे 'स्त्रीक यौन-शोषण' (Sexual harassment) क विरुद्ध केहन स्वर अछि?

- (A) मौन रहबाक
- (B) शोषक (चाहे जमींदार हो वा भ्रष्ट अधिकारी) क चेहरा बेकाब कऽ कऽ कड़ा वैचारिक प्रतिरोधक स्वर
- (C) सकारात्मक स्वर
- (D) कोनो स्वर नहि

१११. कथासभमे 'भाभी' वा 'सखी' क पात्र की भूमिका निभावैत अछि?

- (A) शत्रुक
- (B) नायिकाक सुख-दुःखक साझी, मार्गदर्शक आ मानसिक सान्त्वनाक आधार
- (C) दासीक
- (D) अजनबीक

११२. पारिवारिक मूल्यमे 'टका' वा 'पैसा' क वर्चस्व कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) टका सँ प्रेम बढ़ैछ
- (B) टका क लोभमे भाई-भाईक शत्रु भऽ जाइब आ बेटाक माए-बापकेँ छोड़ि देबाक यथार्थ (नैतिक पतन)
- (C) टका नीक होइछ सदा
- (D) कोनो चित्रण नहि अछि

११३. कथासभमे 'विधवा-जीवन' (Widowhood) क केहन सामाजिक नरक देखाएल गेल अछि?

- (A) सुखद जीवन
- (B) सफेद वस्त्रमे बन्द, शुभ कार्य सँ उपेक्षित आ घोर मानसिक-सामाजिक प्रताड़ना क करुण चित्र
- (C) उत्सव जकाँ
- (D) कोनो चित्रण नहि

११४. स्त्री-संवेदनाक कथासभक 'भाषा' केहन होइत अछि?

- (A) कठोर आ उग्र मात्र
- (B) अत्यन्त कोमल, आन्तरिक पीड़ा सँ सजल, सूक्ष्म आ गम्भीर (हृदयस्पर्शी)
- (C) केवल अंग्रेजी
- (D) नीरस

११५. कथासभमे 'महानगरीय फ्लेट क बन्द जिन्दगी' स्त्री केँ की दैत अछि?

- (A) स्वर्गक सुख
- (B) गामक खुल्ला आकाश, सखी-संग आ चौपालक विपरीत एकटा घोर अकेलापन आ अवसाद (Depression)
- (C) धनीक बनब
- (D) कोनो प्रभाव नहि

११६. समकालीन कथामे 'बाल-मनोविज्ञान' (Child psychology) क की स्थान अछि?

- (A) कोनो स्थान नहि
- (B) पारिवारिक कलह आ माता-पिताक दूरीक बालकक कोमल मन पर पड़य वला प्रभावक गम्भीर चित्रण
- (C) केवल खेल थिक
- (D) चुटकुला थिक

११७. मैथिली अकादमी क संकलनमे एहि स्त्री-प्रधान कथासभक की महत्व अछि?

- (A) पोथी क पृष्ठ भरब
- (B) मैथिली समाजमे स्त्रीक वास्तविक स्थिति आ पारिवारिक बदलावक प्रामाणिक अध्ययन
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) कोनो महत्व नहि अछि

११८. कथासभमे 'अन्तिम विजय' ककर देखाएल गेल अछि?

- (A) पुरुष-सत्ताक
- (B) तमाम रूढ़ि आ अत्याचारक पार कऽ स्त्रीक आत्मसम्मान आ मानवीय गरिमाक (सशक्त स्त्री)
- (C) शोषक वर्गक
- (D) केवल दुःख क

११९. पारिवारिक मूल्यक बदलते स्वरूप पर लिखल गेल कथासभ की सन्देश दैत अछि?

- (A) परिवार छोड़ि दिअ
- (B) बजारवाद क चकाचौंध सँ बचि केऽ अपन आन्तरिक मानवीय मूल्य, प्रेम आ माए-बापक सेवा करब
- (C) केवल पैसा कमाउ
- (D) कोनो सन्देश नहि अछि

१२०. ई १४० प्रश्नक स्त्री-संवेदना आ पारिवारिक मूल्य क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ७: आवरण कला, टाइपोग्राफी आ समकालीन शोध-रुझान

१२१. मैथिली अकादमी सँ प्रकाशित 'कथा-संग्रह' क आवरण (Cover) पर मुख्य रूप सँ ककर मोटिफ सुहाएत अछि?

- (A) पाश्चात्य अमूर्त कला
- (B) मिथिला आ मधुबनी चित्रकला (Mithila Art) क सोबर आ सुरुचिपूर्ण मोटिफ
- (C) मुगल चित्रकला
- (D) राजपूत कला

१२२. सबाल्टर्न आ यथार्थवादी कथा-संग्रहक कवर डिजाइन लेल कोन चित्रकला शैली सर्वश्रेष्ठ मानल जाइछ?

- (A) केवल राजसी चित्र
- (B) मिथिला चित्रकलाक 'गोदना' (Godna) शैली वा गामक श्रमजीवी वर्गक यथार्थवादी रेखाचित्र
- (C) विदेशी आधुनिक कला
- (D) कोनो चित्र नहि

१२३. कवर डिजाइनमे 'मयूर' (Peacock) क मोटिफ ककर प्रतीक मानल जाइत अछि?

- (A) युद्ध क
- (B) मिथिलाक पारम्परिक प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रेम, उल्लास आ सांस्कृतिक अस्मीताक
- (C) उदासी क
- (D) राजचिन्ह क

१२४. कथा-संग्रहक आवरण पर 'माछ' (Fish) क मोटिफ की सन्देश दैत अछि?

- (A) हिंसा क
- (B) शुभ-मंगल, उर्वरता, समृद्धि आ मिथिलाक स्वाभाविक साझी जीवन-पद्धतिक
- (C) जल-संकट क
- (D) भोजन क

१२५. डिजिटल ग्राफिक डिजाइन (Digital Design) क प्रवेश सँ मैथिली पोथीक कवरमे की बदलाव आयल अछि?

- (A) किताब कुरूप भऽ गेल
- (B) कवर डिजाइनमे उच्च गुणवत्ता (High resolution) आ पेशेवर सौन्दर्य बोध (Professional Aesthetics)
- (C) आवरण उज्जर रहैछ
- (D) कोनो बदलाव नहि

१२६. समानान्तर साहित्य आन्दोलन 'आवरण कला' (Cover Art) कें साहित्यक कोन अंग मानैत अछि?

- (A) बाहरी आ फालतू अंग
- (B) पुस्तकक भीतरी वैचारिक विमर्श (Theme) क 'दृश्य-पाठ' (Visual Discourse)
- (C) केवल कागजक टुकड़ा
- (D) कोनो अंग नहि मानैछ

१२७. मिथिला चित्रकलाक 'कचनी' आ 'भरनी' शैलीक प्रयोग समकालीन वेब डिजाइन (विदेह)मे कोना भऽ रहल अछि?

- (A) कोनो प्रयोग नहि
- (B) वेबसाइटक बॉर्डर, हेडर आ ई-बुकक लेआउटमे मिथिलाक पारंपरिक सौन्दर्यकें डिजिटल रूपमे सजेबामे
- (C) केवल रंग भरबामे
- (D) फन्ट बनेबामे

१२८. मैथिली पोथीक शीर्षक अक्षर-विन्यास (Typography/फन्ट डिजाइन) मे समकालीन रुझान की अछि?

- (A) अंग्रेजी फन्टक प्रयोग
- (B) सुस्पष्ट, कलात्मक आ देवनागरी/तिरहुता फन्टक प्रयोग जाहि सँ शीर्षक आकर्षक लागय
- (C) हाथ सँ लिखनाय
- (D) छोट आखर

१२९. कथा-संग्रहक आवरण पर 'कोहबर' (Kohbar) चित्रक प्रयोग कोन कथा लेल उपयुक्त होइछ?

- (A) युद्ध कथा लेल
- (B) पारम्परिक वैवाहिकता, प्रेम आ गामक साझी मांगलिक जीवनक कथा लेल
- (C) विज्ञान लेल
- (D) व्याकरण लेल

१३०. मैथिली अकादमी क पुस्तकसभक 'बैक कवर' (Back Cover Blurb) क की महत्व होइत अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) पाठकसभक पुस्तकक मूल विमर्श, प्रवृत्तिक आ कथाकारसभक संक्षिप्त परिचय (Synopsis) देनाय
- (C) मूल्य बढ़ाबय लेल
- (D) केवल विज्ञापन लेल

१३१. विदेहक डिजिटल आर्काइवमे 'मैथिली अकादमी क कथा-संग्रह' क प्रलेखन कोना सुव्यवस्थित अछि?

- (A) नहि अछि
- (B) यूनिकोड टेक्स्ट, कथाकार-प्रोफाइल आ विस्तृत दार्शनिक समीक्षाक सङ्ग (Open Access)
- (C) केवल नाम अछि
- (D) कागज पर अछि

१३२. यथार्थवादी कथा-संग्रहक आवरण पर 'माठक माटि' वा 'खेत' क रंग (Earthy colors) क प्रयोग की दशवैत अछि?

- (A) कुरूपता
- (B) माटिसँ जुड़ाव, गामक यथार्थ आ जनवादी कथाक सघन संवेदना
- (C) चकाचौंध
- (D) कोनो कारण नहि

१३३. पेशेवर प्रकाशनमे 'लेखकक प्रोफाइल' (Author profile) कोना प्रस्तुत कएल जाइत अछि?

- (A) लेखकक परिचय नहि छापैछ
- (B) फ्लैप (Flap) वा पाछाँमे लेखकक फोटो आ ओकर साहित्यिक अवदानक प्रामाणिक परिचय दऽ कऽ
- (C) केवल नाम लिखैछ
- (D) हास्य चित्र दैछ

१३४. मिथिला चित्रकलाक 'तान्त्रिक मोटिफ' (Tantric motifs - मण्डल) क प्रयोग कोन पोथीक आवरण लेल उपयुक्त होइछ?

- (A) केवल बाल-साहित्य
- (B) गम्भीर दार्शनिक शोध, प्राचीन ग्रन्थ वा विचार-प्रधान शास्त्रीय विमर्श लेल
- (C) केवल हास्य
- (D) कोनो पोथी लेल नहि

१३५. समकालीन 'ई-बुक' (e-Book) क लेआउट (Layout) डिजाइनमे पाठकक सुविधा लेल की कएल जाइत अछि?

- (A) बॉर्डर नहि देल जाइछ
- (B) विदेहक मानक फन्ट, हाशिया (Margin), हाइपरलिंक आ सुगम नेविगेशन जाहि सँ स्क्रीन पर पढ़ब आसान होय
- (C) किताबक साइज पैघ करब
- (D) कागजक प्रयोग

१३६. मैथिली अकादमी क संकलनक 'कवर विन्यास' (Color Theme) क सुस्पष्टता की दशवैत अछि?

- (A) अकादमीक भूल
- (B) एकटा प्रामाणिक, राजकीय आ अकादमिक गरिमा (Professional look)
- (C) पैसाक बर्बादी
- (D) कोनो कारण नहि

१३७. कथा साहित्यमे 'बिम्ब क चित्रात्मकता' (Visual prose) क की अर्थ थिक?

- (A) कथामे चित्र छापि देब
- (B) कथाक वाक्यसभ सँ पाठकक आँखि क सोझाँ एकटा जीवन्त दृश्य (Word-picture) उपस्थित भऽ जाइब
- (C) नीरस शब्द
- (D) कोनो अर्थ नहि

१३८. मैथिली अकादमी क प्रकाशनमे 'फन्ट साइज' (Font size) आ टाइपोग्राफी क की नियम अछि?

- (A) कोनो नियम नहि
- (B) पाठकक दृष्टिसँ सुस्पष्ट, पठनीय आ यूनिकोड आधारित अक्षरोंक मानक प्रयोग
- (C) अंग्रेजी अक्षर
- (D) छोट आखर

१३९. मैथिली अकादमी क कथा-संग्रहसभक विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रममे की स्थान अछि?

- (A) ओकरा हटा देल गेल
- (B) ई उच्च शिक्षा (MA/Ph.D.) मे शोध आ गद्य-विकासक अध्ययनक लेल अनिवार्य धरोहर थिक
- (C) केवल बालकों लेल अछि
- (D) कोनो महत्व नहि अछि

१४०. ई १४० प्रश्नक 'मैथिली अकादमी क कथा-संग्रह' विवेक ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय १० (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) मैथिली भाषा आ ओकर श्रेष्ठ साहित्यक संरक्षण, प्रकाशन आ शोध — मैथिली अकादमी बिहार सरकार द्वारा स्थापित एकटा स्वायत्त संस्था थिक जे मैथिलीक मानक पोथी सभक प्रकाशन करैत अछि।
२. (B) मैथिली कथा साहित्यक प्रगाढ़ मध्यकाल आ आधुनिक कालक संक्रमण-विकास — ई संग्रहसभ पारम्परिक समाजिक यथार्थ सँ आधुनिक आधुनिकतावादी विमर्शक बाट देखावैत अछि।
३. (B) मैथिली अकादमी, पटना आ साहित्य अकादमीक — संस्थागत रूप सँ मैथिली अकादमी कथाक मानक संकलन सभ सोझाँ अनलक अछि।
४. (A) वर्णरत्नाकर (ज्योतिरीश्वर ठाकुर) — १४म शताब्दीमे रचित ज्योतिरीश्वरक 'वर्णरत्नाकर' क गद्य आ कथा-बिम्ब मैथिली गद्यक मूलाधार थिक।
५. (B) हरिमोहन झा, यात्री जी आ ललित जकाँ कथाकारसभकें — एहि कथाकारसभ मैथिली कथामे समाजक हास्य, व्यंग्य आ वर्ग-चेतनाक रंग भरलनि।
६. (B) भाषाक प्रामाणिकता, शब्द-शुद्धता आ स्तरीय कथानकक चयन — अकादमीक कथा संकलन विशेषज्ञ सम्पादक मण्डल द्वारा जाँचल-तुलल होइत अछि।
७. (B) कोनो विशिष्ट क्षेत्र (जैसे मिथिलाक गाम) क माटि, बोली आ संस्कृतिक सजीव चित्रण — आंचलिक कथा समाजक मूल भौगोलिकता आ लोक-तत्वकें सुरक्षित रखैत अछि।
८. (B) वैश्विक महानगरीय संकट, सबाल्टर्न विमर्श आ डिजिटल युगक यथार्थमे — आधुनिक मैथिली कथा आब वैश्विक विमर्श आ आम मानुष क पहचानक प्रश्न सँ जुड़ि गेल अछि।
९. (A) १९७५-७६ ई. क कालखण्डमे — बिहार सरकार द्वारा १९७० क दशकक मध्यमे मैथिलीक विकास लेल एकर गठन कएल गेल छल।
१०. (B) विभिन्न कालखण्डक प्रतिनिधि आ प्रबुद्ध कथाकारसभक — एहिमे वरिष्ठ सँ लऽ कऽ नव पुस्ताक प्रतिनिधि कथासभक सन्तुलन रहैत अछि।
११. (B) समाजक नग्न आर्थिक विषमता आ मनोवैज्ञानिक सचक बेबाक प्रकटीकरण — ई शैली आदर्शवादक पर्दा हटा कऽ समाजक कड़वा सच सोझाँ रखैत अछि।

१२. (B) छात्रसभकेँ मैथिली भाषा-शिल्प आ सामाजिक विकासक प्रामाणिक बोध कराबय लेल — अकादमिक रूप सँ ई पोथी सभ मैथिली भाषा आ मानक गद्यक सीख देबा लेल अनिवार्य थिक।
१३. (B) पारम्परिक रेखीय (Linear) कथाक बदला पूर्वदीप्ति (Flashback) आ मनोवैज्ञानिक शिल्पक प्रयोग — आधुनिक कथाकार कथानककेँ बहु-आयामी आ बहुस्तरीय बना रहल छथि।
१४. (B) कथाक प्रवृत्तिक, कालखण्डक आ कथाकारसभक गम्भीर समीक्षात्मक विश्लेषण — आचार्य सम्पादक द्वारा लिखल गेल भूमिका स्वयं एकटा गम्भीर शोध-आलेख जकाँ होइछ।
१५. (B) सब सँ लोकप्रिय, सशक्त आ जनमानस सँ सीधा जुड़ल स्थान — कथा अपन सम्प्रेषणीयताक कारणे आम जनतामे सबसँ बेसी रचल-बसल विधा थिक।
१६. (B) समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र आ लोक-मनोविज्ञानक तुलनात्मक अध्ययनक माध्यम — कथा पढ़ि कऽ ओहि कालक समाज आ आर्थिक स्थितिक सटीक इतिहास बुझल जा सकैत अछि।
१७. (B) मैथिली भाषाक मानक गद्य, वर्तनी आ मुहावरेदार प्रयोगक — एहि सँ मैथिलीक मानक लेखनक रूप सुदृढ़ होइत अछि।
१८. (B) ई मिथिलाक गामक यथार्थ, खालीपन आ पारिवारिक विग्रहक मुख्य कारण थिक — पलायनक दर्द मैथिलीक कथा-चेतना केँ निरन्तर उद्बलित केने अछि।
१९. (B) अपन आसपासक समाज, पीड़ित वर्ग आ गामक वास्तविक चौपाल सँ — आधुनिक कथाकार काल्पनिक पात्रक बदला हाड़-मांसक वास्तविक मानुष केँ कथामे अनैत छथि।
२०. (B) इंटरएक्टिव माध्यम सँ नव पुस्ताकेँ मैथिलीक मानक गद्यकारसभ सँ परिचित कराबय लेल — डिजिटल क्विज खेल-खेलमे शास्त्रीय आ अकादमिक कथा-साहित्यक गूढ़ ज्ञान सुलभ करैत अछि।
२१. (B) प्रो. हरिमोहन झाकेँ — हरिमोहन झा अपन तीक्ष्ण व्यंग्य आ हास्य सँ मैथिली कथा आ उपन्यासकेँ जन-जनमे लोकप्रिय बनेलनि।
२२. (B) रूढ़िवादी समाज, अन्धविश्वास, आ कुलीनताक खोखला दम्भ पर — ओ धर्म, विवाह आ समाजक नाम पर होमय वला आडम्बर पर कड़ा प्रहार केलनि।
२३. (B) एकटा परम तार्किक, विद्रोही आ रूढ़ि केँ शास्त्र सँ काटय वला अद्वितीय पात्र — खट्टर काका अपन अकाट्य तर्क सँ पुरान सढ़ल परम्परा आ पाखण्डकेँ ध्वस्त कऽ दैत छथि।
२४. (A) अत्यन्त सुबोध, मुहावरेदार, चंचल आ मारक व्यंग्यपूर्ण — हिनक भाषा एतेक प्रवाहमयी अछि जे पाठक पढ़ैत काल स्वतः हँसय आ सोचने लेल विवश भऽ जाइत अछि।
२५. (B) बाहर सँ सभ्य देखाय वला मुदा भीतर सँ शोषक आ स्वार्थी वर्गक — समाजमे जे अपने-आपकेँ 'भलमानुस' कहैत छथि, ओकर आन्तरिक कुरूपताकेँ ओ उघाइलनि अछि।
२६. (B) रूढ़िवादी पाँडे, महाजनक लोभ, आ दहेजलोभी वर-पक्ष — ओ मिथिलाक समाजक ओही ठेकेदार सभ पर चोट करैत छथि जे व्यवस्थाक दुरुपयोग करैत छथि।
२७. (A) २०म शताब्दीक मध्य मिथिलाक सामाजिक संक्रमण आ नवजागरणक — हिनक कथासभ ओहि समयक मिथिलाक समाजक एकटा सजीव शब्द-चित्र थिक।
२८. (B) अंधविश्वास सँ ग्रसित मुदा गामक व्यवहारिक बुद्धि सँ परिपूर्ण — ओ गामक स्त्री-समाजक स्वाभाविक भोलापन आ ओकर व्यवहारिक मेधाकेँ सुन्दरता सँ रखलनि।
२९. (B) समाज सुधार आ रूढ़िवादी जड़ताक अन्त (Social Reform) — हिनक हास्यक पाछाँ सदा एकटा गम्भीर समाज-सुधारक चेतना लुकाएल रहैत छल।
३०. (B) बिल्लीक मरण पर होमय वला पाखण्ड आ पुरोहितक लोभ पर — एकटा बिल्लीक मरण पर केहन ढोंग कएल जाइत अछि आ पुरोहित कोना लोभ करैत छथि, तकर नग्न हास्य अछि।
३१. (B) साक्षात् सूई वा तीर जकाँ जे बिना रगत निकलैने गहीर चोट करैछ — हिनक चोट एतेक सुसंस्कृत आ मारक होइछ जे समाजकेँ अपन कुरूपता देखाय लगैत छैक।
३२. (B) अज्ञान आ सामाजिक जड़ताक विरुद्ध एकटा सशक्त मोर्चा — ओ अपन लेखनी सँ मिथिलामे वैचारिक नवजागरण अनबाक सबसँ पैघ आद्य कथाकार छथि।

३३. (B) दहेजक नाम पर वरक बेचय वला तिलक-प्रथा पर — मिथिलाक सौराठ सभा वा अन्य ठाम होमय वला वर-विक्रयक विसङ्गति पर हिनक कड़ा प्रहार अछि।
३४. (B) ई बाल-वृद्ध सभक कण्ठ आ मोनमे रचल-बसल अछि — हिनक कथासभक लोकप्रियता मैथिलीमे अद्वितीय मानल जाइत अछि।
३५. (B) मैथिली गद्यक एकटा जीवन्त आ मानक प्रवाह — यात्री जी सेहो मानैत छलाह जे हरिमोहन झाक गद्य मैथिलीक निज शक्तिकें प्रगट करैत अछि।
३६. (B) कखनो-कखनो शहरी बाबू सभक खोखला प्रदर्शन आ फैशनक रूपमे (व्यंग्य) — शहर सँ गाम आबि कऽ प्रदर्शन करय वला पात्र सभ पर ओ नीक व्यंग्य केलनि।
३७. (A) मैथिलीक पारम्परिक हास्य-व्यंग्यक श्रेष्ठतम मानक — हिनक कथा बिना कोनो कटुताक समाजकें आईना देखावे कऽ कला सिखबैत अछि।
३८. (B) सहज आ सम्प्रेषणीय भाषा लिखबाक प्रेरणा भेटल — हिनक प्रभाव सँ मैथिलीमे कृत्रिम संस्कृतनिष्ठता कम भेल आ जनभाषाक आदर बढ़ल।
३९. (B) सढ़ल रूढ़ि, पाखण्ड आ अन्धविश्वासक — खट्टर काकाक तर्क आइओ समकालीन विमर्शमे पाखण्ड तोड़बाक लेल प्रासंगिक मानल जाइत अछि।
४०. (B) विवेकशील, आडम्बर-मुक्त आ एकटा स्वस्थ प्रगतिशील समाजक निर्माण — हिनक लेखनी सदा मानव विवेक आ सामाजिक समरसताक पक्षमे ठाढ़ रहैत अछि।
४१. (B) मार्क्सवादी विचारधारा, वर्ग-संघर्ष आ खेत-मजदूरक नग्न यथार्थ — यात्री जी (नागार्जुन) मैथिली कथामे सर्वहारा वर्ग आ शोषित जनमानसक प्रखर स्वर छथि।
४२. (B) मिथिलाक गामक भीषण यथार्थ, वर्ग-विद्वेष, आ मानवीय जिजीविषा क — ललित जी (जेना कथा 'अपराजिता' वा 'प्रतिज्ञा') मैथिली यथार्थवादी कथाक एकटा मील-पत्थर छथि।
४३. (B) एकटा शोषित आ बगावत करय वला बाल-मजदूरक जीवन-संघर्ष — बलचनमा सामन्ती अत्याचारक विरुद्ध शोषित वर्गक सजग प्रतिरोधक प्रतीक छथि।
४४. (B) भाषाक सघनता, काव्यमय बिम्ब, आ गम्भीर यथार्थवादी प्रहार — ललितक गद्य मैथिली साहित्यमे अपन पैघ मारक क्षमता आ कलात्मकता लेल प्रसिद्ध अछि।
४५. (B) गामक अन्तिम पाँतिक मानुष—मजदूर, मुसहर, दुसाध आ शोषित किसानकें — एहि कथाकारसभ साहित्यकें सामन्ती चौखट सँ निकालि कऽ झोपड़ीक माटि सँ जोड़लनि।
४६. (B) रोजी-रोटी लेल पलायन सँ टूटैत गाम आ स्त्रीक कारुणिक जीवन — हिनक कथासभ गामक गम्भीर आर्थिक विषमताकें बेबाकी सँ उघाड़ैत अछि।
४७. (B) महाजनक सूद, बेगारी आ मजदूरकें नीच बुझबाक अमानवीय रूप — ओ गामक ओही यथार्थ पर चोट करैत छथि जहाँ गरीबक श्रम क चोरी होइत अछि।
४८. (B) कठोरतम अभाव आ सामाजिक थपेड़ाक बादो मनुष्यक नहि हारि मानबाक अदम्य साहस — ललितक पात्र संघर्ष करैत अछि आ हारि नहि मानि कऽ 'अपराजित' रहैत अछि।
४९. (B) भाग्यवादिता तोड़ि सामाजिक सच आ वर्ग-चेतना सँ जोड़ैत अछि — ई कथासभ पाठककें एकटा वैचारिक आ सजग नागरिक बनबाक दिशा दैत अछि।
५०. (B) गामक ठेठ आंचलिक शब्द आ मुहावराकें साहित्यिक प्रतिष्ठा देब — हिनक शब्द-चयन गामक माटि सँ सीध संवाद करैत अछि।
५१. (B) संघर्षरत, अपन अस्मिता लेल लड़य वली आ जुझारू (सशक्त रूप) — ललितक नारी पात्र समाजक थपेड़ा सहैत-सहैत अपन अधिकार लेल ठाढ़ होइत अछि।
५२. (A) प्रगतिशील आ जनवादी आन्दोलन (Progressive Realism) सँ — दुनू कथाकार मार्क्सवादी चेतना आ प्रगतिशील लेखक संघक दर्शन सँ जुड़ल छलाह।
५३. (B) आर्थिक विषमता आ जमाखोरी क दानवी परिणाम — भूखल पेटक आगि हे समाजमे क्रान्तिका बीज बोइत अछि, यात्री जी एकर प्रखर चित्रण केलनि।
५४. (B) हुनकर गद्यमे बिम्ब, प्रतीक आ ध्वनिक सघनता कविता जकाँ सुन्दर आ मारक होइछ — लघु गद्यक लालित्य आ तीव्रता मैथिली साहित्यमे बेजोड़ मानल जाइत अछि।
५५. (B) सर्वहारा वर्गक संगठन आ वैचारिक प्रतिरोध (एकता) — मजदूरक एकता हे सामन्ती अत्याचारक अन्त करैत अछि, ई जनवादी कथाक मूल स्वर छथि।

५६. (B) कोशीक तट, नदीक बाढ़ि, आ गामक टूटल टाटीक सजीव शब्द-चित्रमे — ओ गामकें ओकर प्रकृतिक विभीषिका आ सामाजिक ताने-बानेक सँग जीवन रूपमे रखैत छथि।
५७. (A) साधारण लोक साहित्यक असली नायक थिक — श्रमजीवी वर्ग हे साहित्यक केन्द्रमे होबाक चाही, यात्री जी एकर मानक तय केलनि।
५८. (B) जीवनक कठोरतम परिस्थितिमे सेहो मनुष्यक जिजीविषा आ संघर्षक विजय — हिनक कथा पाठककें हताश नहि करैत, ओकरा संघर्ष करबाक हौसला दैत अछि।
५९. (B) मैथिली कथा साहित्यक श्रेष्ठतम यथार्थवादी धरोहरक रूपमे सुरक्षित अछि — अकादमी एहि कालजयी कथासभकें प्रकाशित कऽ मैथिलीक बौद्धिक चेतनाकें पुष्ट केने अछि।
६०. (B) समकालीन सबाल्टर्न विमर्श आ यथार्थवादी लेखनमे (विदेह आन्दोलन धरि) — हिनक परम्परा आजुक युवा कथाकारसभ लेल एकटा सशक्त प्रकाश-स्तम्भ थिक।
६१. (B) ओ गामक निश्छलता, प्रवासनक दंश आ आंचलिक सुगन्धक सशक्त कथाकार छथि — रेणु जीक कथासभ मिथिलाक गाम-घराक स्वाभाविक स्पन्दन आ यथार्थक दस्तावेज थिक।
६२. (B) मध्यम वर्ग (Middle Class) क मानसिक अन्तर्द्वन्द्व, विसङ्गति आ विडम्बनाक — राजमोहन झा (जेना संग्रह 'एकटा तेसर') मध्यम वर्गीय जीवनक सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषक छथि।
६३. (B) अभाव, सादगी आ अपनत्वक सङ्ग-सङ्ग अपन हक लेल सजग चेतनाक रूपमे — रेणु जीक आंचलिकतामे केवल रोदन नहि, सर्वहारा वर्गक चेतना सेहो अछि।
६४. (B) अत्यन्त सूक्ष्म, गम्भीर, नाटकीय आ अन्तःकरणक परत उघाइय वला (Psychological) — ओ साधारण घटनाक माध्यम सँ मध्यम वर्गीय मानव मनक पैघ सच सोझाँ लाबि दैत छथि।
६५. (B) मिटक सुगन्ध, पोखर-बाध, आ संयुक्त परिवारक टूटैत बन्धनक सजीव रूप — रेणु जीक गाम अपन सम्पूर्ण प्रकृतिक आ समाजिक सत्यक सङ्ग कथामे आबैत अछि।
६६. (A) पारिवारिक रिश्तोंक आन्तरिक खिंचाव, औपचारिकता आ शहरी जीवनक अकेलापन — आधुनिक जीवनमे रिश्ते कोना औपचारिक आ खोखला भऽ रहल छथि, तकर गम्भीर चित्रण हिनक विशेषता थिक।
६७. (B) मानव सम्बन्धक आन्तरिक मिठास आ गामक साझी विरासत क साधारणीकरण — रेणु जी सम्बन्धक आन्तरिक धागाकें अत्यन्त कोमलता सँ छुबैत छथि।
६८. (B) हरिमोहन झाक व्यंग्य बाह्य आडम्बर पर अछि, राजमोहन झाक व्यंग्य आन्तरिक मानसिक पाखण्ड पर अछि (Intellectual Satire) — राजमोहन झाक व्यंग्य गम्भीर आ बौद्धिक होइत अछि जे पाठककें आन्तरिक आत्मनिरीक्षण लेल विवश करैछ।
६९. (B) गाममे केवल बूढ़ आ बच्चा रहि गेल अछि आ स्त्री विरह आ अभाव भोगि रहल अछि — रोजी-रोटी लेल परदेश खटय वला प्रवासीक दर्द रेणु जीक आंचलिक कथामे गम्भीरता सँ प्रगट भेल अछि।
७०. (B) सुव्यवस्थित, सुसंस्कृत, संक्षिप्त आ सुस्पष्ट वैचारिक गद्य (Crisp and precise) — हिनक गद्यक एक-एक वाक्य नापि-तुलि कऽ लिखल होइछ जकर गहरी मारक क्षमता होइछ।
७१. (B) गामक गीत, रीति-रिवाज आ जनजीवनक स्वाभाविक आ पवित्र रूप — ओ मिथिलाक गामक लोक-मेधा आ त्योहारसभकें कथाक ताने-बानेमे गुँथि दैत छथि।
७२. (B) दिखावा, प्रतिष्ठाक झूठा मोह आ आन्तरिक स्वार्थकें उजागर करब — ओ देखबैत छथि जे कोना मध्यम वर्ग अपन सुविधा लेल अपन सिद्धान्त सँ समझौता कऽ लैत अछि।
७३. (B) वैश्वीकरणक दौरमे सेहो अपन भाषा, डीह आ संस्कृति कें बचा कऽ राखब — हिनक कथा पाठककें अपन गामक डीह आ मिटक आदर करबाक हौसला दैत अछि।
७४. (B) ओ गम्भीर सोच आ आत्म-विश्लेषण (Self-reflection) मे डूबि जाइत अछि — हिनक कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक दिमागमे एकटा गम्भीर विमर्श आ आन्तरिक द्वन्द्व चलैत रहैछ।
७५. (B) यात्री जीक आंचलिकता आ गामक स्वाभाविक मधुरताक समरूप — रेणु जीक भाषा सीधे गामक चौपाल सँ निकलल प्रतीत होइत अछि।
७६. (B) कम शब्दमे पैघ यथार्थ आ तीक्ष्ण प्रहार करबाक एकटा उत्कृष्ट मानक (Masterpiece) — ओ मैथिलीमे लघु-कथाक विधाकें एकटा गरिमा आ अकादमिक ऊँचाई देने छथि।

७७. (B) बाढ़ि सहायताक नाम पर होमय वला भ्रष्टाचार आ नेता-नौकरशाहक गठबन्धनक — ओ देखबैत छथि जे बाढ़ि गरीब लेल तबाही अछि मुदा भ्रष्ट लोक लेल कमाईक जरिया बनि जाइछ।
७८. (B) पति-पत्नीक बीच आधुनिक जीवनक यान्त्रिकता, संवादहीनता आ उत्पन्न एकटा तेसर स्थिति (एकलपन) — ई कथा यान्त्रिक युगमे पारिवारिक सम्बन्धक बीच आबि रहल ठंडापन आ संवादहीनताक उत्कृष्ट दस्तावेज थिक।
७९. (B) मैथिली कथाक आंचलिक आ मनोवैज्ञानिक दुनू धरातल पर पैघ सामर्थ्य — ई दुनू प्रवृत्तिक कवीसभ/कथाकारसभ मैथिली कथाकें समृद्ध आ बहु-आयामी बनेलनि अछि।
८०. (B) समकालीन मैथिली कथा आ वेब-पत्रकारिताक लेखनक (विदेह आन्दोलन धरि) — हिनक लेखन समकालीन युवा पीढ़ी लेल कथा-शिल्प आ कथ्यक एकटा श्रेष्ठ पाठशाला थिक।
८१. (B) केन्द्रीय स्थान (हाशियाक वंचित, दलित आ उपेक्षित समाजक गाथा) — मैथिली अकादमी सँ प्रकाशित बहुत रास कथासभ समानान्तर रूप सँ सबाल्टर्न चेतनाकें केन्द्रमे अनैत अछि।
८२. (B) कठोर शारीरिक श्रम, सामाजिक उपेक्षा आ अपन आत्मसम्मानक संघर्षक — ई वर्ग साक्षात् मिटक रक्षक आ सृजनक प्रतीक थिक जकरा आब साहित्यमे गौरव भेटल अछि।
८३. (B) सामन्ती व्यवस्थामे बिना कोनो वेतनक दिन-रात खिटा कऽ शोषण करबाक अमानवीय रूप — बेगारी क क्रूरता गरीबकें सदा लेल कर्जदार आ गुलाम बना कऽ रखैत छल, जकर पोल कथासभ खोलैत अछि।
८४. (B) साहित्यकें कुलीन आ गुटबाजक चंगुल सँ निकालि कऽ जनवादी बनेबाक मोर्चा — ई विमर्श स्थापित वर्गक पूर्वग्रहपूर्ण 'कैनन' कें चुनौती दैत आम जनमानसकें केन्द्रमे रखैत अछि।
८५. (B) द्विगुणित मारि (एक विजातीय शोषक सँ आ दोसर आन्तरिक पुरुष-सत्ता सँ) सहैत जुझारू रूपमे — दलित स्त्रीक संघर्ष दोहोरा अत्याचारक विरुद्ध होइछ, जकर नग्न यथार्थ समकालीन कथामे भेटैत अछि।
८६. (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी गुलाम रहब आ समूल बन्धनमे फँसल रहब — एक बेर क कर्ज गरीबक सम्पूर्ण जीवन आ जमीन लील कऽ लैत छैक, ई समाजिक विसङ्गति थिक।
८७. (B) संगठित भऽ कऽ जमींदारक लाठीक सामना करैत अछि (प्रतिरोध) — ई नव चेतना याचना क नहि, अधिकारक हुङ्कार क चेतना थिक जे सबाल्टर्न साहित्यक प्राण थिक।
८८. (B) खुरदरी, सीधा प्रहार करय वला आ पात्रक अपन आंचलिक बोली सँ युक्त — यथार्थवादी आ दलित विमर्शक भाषा जानि-बुझि कऽ सहज आ सीधा होइछ जाहि सँ पीड़ा ओकर मूल रूपमे सम्प्रेषित होय।
८९. (A) भूमिहीन मजदूरकें अपन मिटक टुकड़ा भेटबाक आ सामन्ती कब्जक अन्त क विमर्श — खेत जकर होय जे पसीना बहावैछ, ओकरे भूमि पर अधिकार होबाक चाही, ई कथाक वैचारिक निष्कर्ष थिक।
९०. (B) ओ केवल उज्जर आ सुकुमार वस्तुकें सुन्दर मानैछ, जखन कि मजदूरक कारी शरीर आ पसीना सेहो सुन्दर थिक — सबाल्टर्न साहित्य श्रम कें सौन्दर्य मानैत अछि, केवल बाहरी चकाचौंध कें नहि (Aesthetics of Labour)।
९१. (B) घोर भुखमरी, अभाव आ पूँजीवादी व्यवस्थाक अमानवीय कुरूपताक सूचक — चूल्हाक ठंडा रहब आ बच्चाक भूख सँ बिलखब समाजक हृदयकें झकझोरय वला वीभत्स बिम्ब थिक।
९२. (B) असली इतिहास गामक सर्वहारा वर्ग आ ओकर पुरुषार्थ सँ रचित होइत अछि — इतिहासक चक्र मजदूरक पक्षमे घुर्त, ई सर्वहारा चेतनाक दृढ़ विश्वास थिक।
९३. (B) गामक आन्तरिक जातिगत कुरूपता आ सामाजिक अलगाव क यथार्थ — गाम केवल एक नहि अछि, ओतय जातिगत टोला क बीच पैघ सामाजिक आ आर्थिक खाई अछि।
९४. (B) अन्यायक विरुद्ध आवाज उठबैब, कानूनी लड़ाई लड़ब वा संगठित संघर्ष करब — हिनक पात्र आब अत्याचार चुपचाप नहि सहैत, ओ आँखि सँ आँखि मिला कऽ अपन हक मांगैत अछि।
९५. (B) पोखरि, नदीक बाढ़ि आ जल-जमीन पर सामन्ती कब्जक विरुद्ध लड़ाईमे — मटकी आ पोखरि पर गरीब मल्लाहक परम्परागत अधिकारकें महाजन कोना छिनैत अछि, तकर मर्मन्तक चित्रण अछि।
९६. (B) एहि सँ पात्रक निज पीड़ा आ भोगा हुआ यथार्थ सीधा पाठक धरि पहुँचैत अछि (प्रामाणिकता) — पात्र जखन अपन कथा स्वयं कहैत अछि, तँ ओकर सम्प्रेषणीयता आ सत्यता अत्यधिक पुष्ट होइत अछि।

१७. (B) ई समाजशास्त्र आ मैथिलीक जनवादी चेतनाक अध्ययनक लेल सर्वश्रेष्ठ पाठ्य-पुस्तक थिक — ई पोथी सभ मैथिली समाजक वास्तविक आन्तरिक इतिहासकें सोझाँ अनबाक माध्यम थिक।
१८. (B) अपन हाथ सँ धरती चीरि कऽ अन्न उपजाबय वला मजदूर हे साक्षात् ईश्वर थिक — श्रम क आदर हे एकटा स्वस्थ आ साम्यवादी समाजक आधार थिक, कवी/कथाकार एकर पैरवी करैत छथि।
१९. (B) पूर्णतः जनवादी, प्रगतिशील, समावेशी (Inclusive) आ वैश्विक स्तरक समृद्ध साहित्य — एहि विमर्शक कारणे मैथिली साहित्य आब केवल कुलीन वर्गक विलास नहि, जन-जन क भाखा बनि गेल अछि।
१००. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
१०१. (B) स्त्रीक आन्तरिक चेतना, आर्थिक स्वावलम्बन, शिक्षा आ अपन स्वतन्त्र अस्तित्वक संघर्ष — आधुनिक मैथिली कथामे स्त्री आब केवल अबला नहि, अपन जीवनक निर्णय स्वयं लेबय वली महानायिका थिकीह।
१०२. (B) आर्थिक स्वार्थ, महानगरीय चकाचौंध आ वैयक्तिकता क कारणे परिवारक विघटन आ विग्रह — आधुनिक आर्थिक युगमे साझी पारिवारिक भावना कोना स्वार्थमे बदलि रहल अछि, तकर सूक्ष्म चित्रण अछि।
१०३. (B) अल्पायु कन्याक बाल-वैधव्य, मानसिक सन्ताप आ जीवनक पूर्ण बर्बादी क करुण यथार्थ — वृद्ध पुरुष सँ टकाक लोभमे कन्याक विवाह करबाक सामन्ती कुप्रथा पर कड़ा प्रहार कएल गेल अछि।
१०४. (B) चारि-दीवारीक भीतर स्त्रीक अदृश्य श्रम, त्याग आ पुरुष-सत्ताक मौन अत्याचारक परत उधाड़ि कऽ — स्त्री अपन घरक भीतर कोना घुटैत अछि मुदा कते मर्यादा सँ सम्भारैत अछि, तकर प्रामाणिक प्रलेखन अछि।
१०५. (B) कन्याक पिताकें जरा देबय वला आ समाजकें कलंकित करय वला एकटा भयानक ब्याधि (कोढ़) — दहेजक वेदी पर कतेको बेटीक जीवन जलि जाइत अछि, कथाकार एकर विरुद्ध वैचारिक माहौल बनावैत छथि।
१०६. (B) पुत्रक प्रवासन आ स्वार्थक कारणे गाममे एकाकी, बीमार आ असहाय जीवन काटैत वृद्धक करुण दशा — मनीआर्डरक बाट अगोरय वला वृद्ध माता-पिताक अकेलापन आजुक भौतिकवादी युगक पैघ विडम्बना थिक।
१०७. (B) शिक्षा सँ स्त्री अपन अधिकार बुझि कऽ कुप्रथा आ अत्याचारक विरुद्ध ठाढ़ भऽ रहल अछि (सशक्तिकरण) — शिक्षित नारी आब समाजक रूढ़िवादी ताने-बानेकें तार्किक चुनौती दऽ रहल अछि।
१०८. (B) महानगरीय आ शहरी मध्यम वर्गीय पति-पत्नीक बीचक मानसिक दूरी आ एकलपन क — आधुनिक जीवनमे लोक एकहि छत क नीचाँ रहितो कोना अजनबी भऽ जाइत अछि, तकर गम्भीर चित्रण अछि।
१०९. (B) अनन्य वात्सल्य, त्याग आ कठोरतम परिस्थितिमे सेहो अपन सन्तानक रक्षा करय वली अदम्य शक्ति जकाँ — माए साक्षात् सहनशीलता आ धारण-शक्तिक प्रतिमूर्तिक रूपमे रचित छिकीह।
११०. (B) शोषक (चाहे जमींदार हो वा भ्रष्ट अधिकारी) क चेहरा बेकाब कऽ कऽ कड़ा वैचारिक प्रतिरोधक स्वर — आब नारी अपन शोषण पर चुप नहि रहैछ, ओ विद्रोह कऽ शोषकक हस्ती मिटा दैत अछि।
१११. (B) नायिकाक सुख-दुःखक साझी, मार्गदर्शक आ मानसिक सान्त्वनाक आधार — अन्तरंग सम्बन्ध आ गामक स्त्री-जीवनक स्वाभाविक मिठास एहि पात्रसभ सँ प्रगट होइछ।
११२. (B) टका क लोभमे भाई-भाईक शत्रु भऽ जाइब आ बेटाक माए-बापकें छोड़ि देबाक यथार्थ (नैतिक पतन) — पूँजीवादी बजार संस्कृति कोना पवित्र मानवीय सम्बन्धकें चबा रहल अछि, तकर नग्न यथार्थ अछि।
११३. (B) सफेद वस्त्रमे बन्द, शुभ कार्य सँ उपेक्षित आ घोर मानसिक-समाजिक प्रताड़ना क करुण चित्र — विधवा सँ होमय वला अमानवीय व्यवहार पर समकालीन कथाकार कड़ा प्रहार कऽ पुनर्विवाह क पैरवी करैत छथि।
११४. (B) अत्यन्त कोमल, आन्तरिक पीड़ा सँ सजल, सूक्ष्म आ गम्भीर (हृदयस्पर्शी) — स्त्री-मनक परत खोलबाक लेल भाषाक कोमलता आ सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक पकड़ अनिवार्य होइछ।
११५. (B) गामक खुल्ला आकाश, सखी-संग आ चौपालक विपरीत एकटा घोर अकेलापन आ अवसाद (Depression) — कंक्रीट क डिब्बा जकाँ फ्लेटमे गामक स्त्री कोना घुटैत अछि आ अपन मिट याद करैछ, तकर मार्मिक रूप अछि।
११६. (B) पारिवारिक कलह आ माता-पिताक दूरीक बालकक कोमल मन पर पड़य वला प्रभावक गम्भीर चित्रण — घरक अशान्ति बच्चाक भविष्य कोना नष्ट करैत अछि, तकर मनोवैज्ञानिक विश्लेषण भेटैत अछि।

- ११७. (B) मैथिली समाजमे स्त्रीक वास्तविक स्थिति आ पारिवारिक बदलावक प्रामाणिक अध्ययन** — ई संग्रहसभ पाठककें स्त्रीक प्रति संवेदनशील आ मर्यादित बनबाक सामाजिक शिक्षा दैत अछि।
- ११८. (B) तमाम रूढ़ि आ अत्याचारक पार कऽ स्त्रीक आत्मसम्मान आ मानवीय गरिमाक (सशक्त स्त्री)** — हिनक पात्र अन्ततः हारि नहि मानि कऽ अपन नव भविष्यक निर्माण स्वयं करैत अछि।
- ११९. (B) बजारवाद क चकाचौंध सँ बचि कऽ अपन आन्तरिक मानवीय मूल्य, प्रेम आ माए-बापक सेवा करब** — ई कथासभ समाजकें टूटने सँ बचेबाक आ सम्बन्धकें पवित्र रखने रहबाक वैचारिक आह्वान थिक।
- १२०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक** — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
- १२१. (B) मिथिला आ मधुबनी चित्रकला (Mithila Art) क सोबर आ सुरुचिपूर्ण मोटिफ** — मैथिली पोथीक आवरण पर मिथिला आर्टक प्रयोग ओकर भाषाई आ सांस्कृतिक पहचानक अनिवार्य अंग थिक।
- १२२. (B) मिथिला चित्रकलाक 'गोदना' (Godna) शैली वा गामक श्रमजीवी वर्गक यथार्थवादी रेखाचित्र** — गोदना शैली दलित जातिक पारम्परिक कला थिक जकर प्रयोग कथाक जनवादी संवेदना सोझाँ लाबैत अछि।
- १२३. (B) मिथिलाक पारम्परिक प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रेम, उल्लास आ सांस्कृतिक अस्मीताक** — मयूर प्रेम आ प्रकृतिक आनन्दक प्रतीक अछि जे पुस्तकक आवरणकें सुसंस्कृत लुक दैत अछि।
- १२४. (B) शुभ-मंगल, उर्वरता, समृद्धि आ मिथिलाक स्वाभाविक साझी जीवन-पद्धतिक** — मिथिला परम्परामे माछ-मखान मङ्गल आ शुभक परिचायक थिक जे चित्रकलामे प्रचुरता सँ प्रयुक्त होइछ।
- १२५. (B) कवर डिजाइनमे उच्च गुणवत्ता (High resolution) आ पेशेवर सौन्दर्य बोध (Professional Aesthetics)** — ग्राफिक डिजाइन सफ्टवेयर आ डिजिटल प्रिंटिंगक कारणे मैथिली पोथीक आवरण आब अन्तर्राष्ट्रीय स्तरक आकर्षक भऽ गेल अछि।
- १२६. (B) पुस्तकक भीतरी वैचारिक विमर्श (Theme) क 'दृश्य-पाठ' (Visual Discourse)** — कवर केवल सजावट नहि अछि, ओ पुस्तकक भीतरक सबालर्न वा यथार्थवादी विमर्शक आवरण थिक।
- १२७. (B) वेबसाइटक बॉर्डर, हेडर आ ई-बुकक लेआउटमे मिथिलाक पारंपरिक सौन्दर्यकें डिजिटल रूपमे सजेबामे** — विदेह अपन डिजिटल उपस्थितिमे मिथिलाक कलात्मक धरोहर (कचनी-भरनी) कें बेबाकी सँ उपयोग कऽ रहल अछि।
- १२८. (B) सुस्पष्ट, कलात्मक आ देवनागरी/तिरहुता फन्टक प्रयोग जाहि सँ शीर्षक आकर्षक लागय** — कवर पर आब टाइपोग्राफी पर विशेष ध्यान देल जाइत अछि, जतय शीर्षक स्वयं एकटा कलाकृतिक रूप लऽ लैत अछि।
- १२९. (B) पारम्परिक वैवाहिकता, प्रेम आ गामक साझी मांगलिक जीवनक कथा लेल** — कोहबर मिथिलाक पारम्परिक मांगलिक चित्र थिक जे जीवनक निरन्तरता आ प्रेम क सूचक थिक।
- १३०. (B) पाठकसभकें पुस्तकक मूल विमर्श, प्रवृत्तिक आ कथाकारसभक संक्षिप्त परिचय (Synopsis) देनाय** — आधुनिक प्रकाशनमे ब्लर्ब (Back cover text) अत्यन्त महत्वपूर्ण भऽ गेल अछि, ई पाठककें किताबक भीतरक यथार्थ सँ जोड़ैत अछि।
- १३१. (B) यूनिकोड टेक्स्ट, कथाकार-प्रोफाइल आ विस्तृत दार्शनिक समीक्षाक सङ्ग (Open Access)** — विदेहक ई-लर्निङ्ग हब आ आर्काइव शोधकर्तासभ लेल अकादमीक मानक पोथी सभ पर विस्तृत सामग्री निःशुल्क उपलब्ध करावैत अछि।
- १३२. (B) माटिसँ जुड़ाव, गामक यथार्थ आ जनवादी कथाक सघन संवेदना** — माटीक रंग (Brown/Ochre) जनवादी साहित्यकें ओकर मूल परिवेश सँ सीधे जोड़ि दैत अछि।
- १३३. (B) फ्लैप (Flap) वा पाछाँमे लेखकक फोटो आ ओकर साहित्यिक अवदानक प्रामाणिक परिचय दऽ कऽ** — लेखकक प्रोफाइल आ फोटोकें सुव्यवस्थित ढंग सँ रखल जाइत अछि जाहि सँ पाठक लेखकक वैचारिक पृष्ठभूमिसँ जुड़ि सकय।
- १३४. (B) गम्भीर दार्शनिक शोध, प्राचीन ग्रन्थ वा विचार-प्रधान शास्त्रीय विमर्श लेल** — दर्शन वा तार्किक शोध क ग्रन्थ पर यन्त्र वा मण्डलक चित्र ओकर बौद्धिक आ तान्त्रिक गम्भीरताक प्रतीक अछि।
- १३५. (B) विदेहक मानक फन्ट, हाशिया (Margin), हाइपरलिंक आ सुगम नेविगेशन जाहि सँ स्क्रीन पर पढ़ब आसान होय** — ई-बुकक 'यूजर इंटरफेस' (UI) आ लेआउट डिजाइन एहन कएल जाइत अछि जे मोबाइल वा कम्प्यूटर पर पाठकक आँखि पर जोर नहि पड़य।
- १३६. (B) एकटा प्रामाणिक, राजकीय आ अकादमिक गरिमा (Professional look)** — अकादमी अपन आवरणमे एकटा सुव्यवस्थित आ सुरुचिपूर्ण अकादमिक गरिमाक पालन करैत अछि।

१३७. (B) कथाक वाक्यसभ सँ पाठकक आँखि क सोझाँ एकटा जीवन्त दृश्य (Word-picture) उपस्थित भऽ जाइब — हरिमोहन झा वा ललित जीक कथा पढ़ि कऽ गामक दृश्य आँखि क सोझाँ नाचि जाइत अछि, ई चित्रात्मकता थिक।
१३८. (B) पाठकक दृष्टिसँ सुस्पष्ट, पठनीय आ यूनिकोड आधारित अक्षरोंक मानक प्रयोग — डिजिटल आ प्रिंट माध्यममे टाइपोग्राफीक शुद्धता पाठककें रसमग्न रखबामे सहायता करैत अछि।
१३९. (B) ई उच्च शिक्षा (MA/Ph.D.) मे शोध आ गद्य-विकासक अध्ययनक लेल अनिवार्य धरोहर थिक — अकादमीक मानक प्रकाशन शोधार्थीसभ लेल संदर्भ ग्रन्थक काम करैत अछि।
१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।

अध्याय ११ : Videha QUIZ | खट्टर काकाक तरंग (हरिमोहन झा)

भाग १: पात्र परिचय, शैली आ वैचारिक पृष्ठभूमि

१. 'खट्टर काकाक तरंग' पुस्तकक रचयिता के छथि?
 - (A) विद्यापति
 - (B) प्रो. हरिमोहन झा
 - (C) यात्री जी
 - (D) चन्दा झा
२. खट्टर काकाक चरित्र मिथिलाक कोन स्वभावकें प्रगट करैत अछि?
 - (A) केवल कायरता केँ
 - (B) अगाध पाण्डित्य, तर्कशीलता आ व्यंग्यात्मक विनोदप्रियता केँ
 - (C) मूर्खता केँ
 - (D) दरबारी चाटुकारिता केँ
३. पुस्तकक नाममे 'तरंग' शब्दक की अर्थ लगाओल जाइत अछि?
 - (A) नदीक लहरि
 - (B) खट्टर काकाक मनक मौज, विचार-लहरि आ तार्किक उफान
 - (C) गुस्सा
 - (D) चोरी
४. खट्टर काकाक हाथमे सदा की रहैत छन्हि जकर चर्चा पुस्तकमे बार-बार अछि?
 - (A) हुक्का आ सुरती (वा पानक डब्बा)
 - (B) तलवार
 - (C) केवल शास्त्रक पोथी
 - (D) कमण्डलु
५. खट्टर काकाक कथा कहबाक आ शास्त्रार्थ करबाक पद्धति की थिक?
 - (A) सीधा उपदेश देब
 - (B) हास्य-व्यंग्य, उपहास आ अकाट्य तार्किकता (Socratic Method)
 - (C) चिल्ला कऽ बात करब
 - (D) रोबय लगब
६. हरिमोहन झाक एहि ग्रन्थकें साहित्यमे की मानल जाइत अछि?
 - (A) एकटा साधारण नाटक
 - (B) मैथिली वैचारिक नवजागरणक एकटा अमूल्य आ कालजयी दस्तावेज
 - (C) केवल बाल-साहित्य
 - (D) गद्यक विरोधक पोथी
७. खट्टर काका ककरा 'नायक' वा श्रेष्ठ मानैत छथि?
 - (A) इन्द्रकें
 - (B) श्रम, विवेक, आ धरतीक व्यावहारिक यथार्थकें
 - (C) केवल स्वर्गक राजाकें
 - (D) पूँजीपति वर्गकें
८. खट्टर काका ककर अन्धानुकरणक तीव्र विरोध करैत छथि?
 - (A) विज्ञान क
 - (B) पौराणिक रूढ़ि, पाखण्ड आ बाबा-पुरोहितसभक गलत व्याख्याक
 - (C) व्याकरण क
 - (D) कोनो नहि

९. ग्रन्थक भाषा-शैलीक सबसँ पैघ वैशिष्ट्य की अछि?

- (A) कठिन संस्कृतनिष्ठ
- (B) अत्यन्त प्रवाहमयी, मुहावरेदार, चंचल आ श्रुतिमधुर मैथिली
- (C) अंग्रेजी प्रधान
- (D) उर्दू प्रधान

१०. खट्टर काकाक तरंगमे 'कथावाचक' (Narrator) स्वयं के छथि?

- (A) खट्टर काका स्वयं
- (B) लेखक (हरिमोहन झा) जे खट्टर काका लग जा कऽ प्रश्न पुछैत छथि
- (C) एकटा राजा
- (D) विदेशी दूत

११. खट्टर काकाक तर्क ककर मुख बन्द कऽ दैत अछि?

- (A) मजदूरक
- (B) रूढ़िवादी पण्डित आ लकीरक फकीर सभक
- (C) बालकक
- (D) वैज्ञानिकक

१२. खट्टर काका स्वर्गक अप्सरा 'रम्भा' आ 'उर्वशी' पर की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ सभ महान छलीह
- (B) ओ सभ बूढ़ भऽ गेलीह हएत, किएक तँ ओकर जन्म कल्पो वर्ष पहिने भेल छल
- (C) ओ सभ देवता छलीह
- (D) किछु नहि कहलनि

१३. खट्टर काका ककर 'भूमिका' केँ समाजमे कोढ़ मानैत छथि?

- (A) शिल्पी क
- (B) आलसी, ढोंगी आ समाजकेँ ठकय वला पुरोहित वर्गक
- (C) किसान क
- (D) मजदूर क

१४. हरिमोहन झाक एहि पुस्तकक दार्शनिक निष्कर्ष की थिक?

- (A) संसार छोड़ि दिअ
- (B) मानव विवेक (Reason), तार्किकता आ व्यावहारिक यथार्थक आदर
- (C) केवल पूजा करू
- (D) भाग्य पर भरोसा करू

१५. खट्टर काकाक तरंगक प्रभाव मैथिली गद्य पर की पड़ल?

- (A) गद्य बन्द भेल
- (B) मैथिली गद्य वैचारिक रूप सँ अत्यन्त प्रखर, निर्भीक आ तार्किक भऽ गेल
- (C) गद्य कठिन भऽ गेल
- (D) कोनो प्रभाव नहि

१६. खट्टर काकाक 'सुरती ठोकब' ककर सूचक थिक?

- (A) काज छोड़बाक
- (B) विचारकेँ परिपक्व करबाक आ नव तर्क सोचबाक एकटा आंचलिक मुद्रा
- (C) क्रोध क कारण
- (D) संन्यास क कारण

१७. खट्टर काका 'पोथी' (Books) कें की मानैत छथि?

- (A) साक्षात् ईश्वर
- (B) जँ ओ बुद्धि नहि दऽ कऽ केवल लकीर सिखबैछ तँ ओ केवल बोझा थिक
- (C) कागजक खेल
- (D) सर्वश्रेष्ठ वस्तु

१८. खट्टर काका ककर वन्दना कें सर्वश्रेष्ठ मानैत छथि?

- (A) इन्द्रक स्तुति कें
- (B) बुद्धि, तर्क आ सत्यक साक्षात्कार कें
- (C) कंस वध कें
- (D) रावण पूजा कें

१९. हरिमोहन झाक 'बौद्धिक हास्य' (Intellectual Humor) क की अर्थ थिक?

- (A) केवल हँस कऽ भूलि जाइब
- (B) एहन हास्य जे हँसवैत-हँसवैत दिमागक खिड़की खुजि दऽ (सोचने लेल विवश करय)
- (C) नीरस हास्य
- (D) विदेशी चुटकुला

२०. विदेह आर्काइवमे 'खट्टर काकाक तरंग' कें की मानल गेल अछि?

- (A) एकटा पुरान कहानी
- (B) मैथिलीक वैचारिक पुनर्जागरणक एकटा सर्वश्रेष्ठ आ कालजयी स्तम्भ
- (C) व्याकरणक पोथी
- (D) कोनो महत्व नहि देल गेल

भाग २: स्वर्ग-नर्क, देवता आ अप्सरा विमर्श

२१. खट्टर काका 'स्वर्ग' (Heaven) कें की मानैत छथि?

- (A) एकटा सुन्दर स्थान
- (B) पूँजीपति आ आलसी लोकसभक मनोरंजनक लेल बनाओल गेल एकटा काल्पनिक बजार
- (C) मन्दिर जकाँ
- (D) नरक

२२. इन्द्रक 'सभा' पर खट्टर काका की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ महान सभा थिक
- (B) ओ साक्षात् विलासिता आ रसिक लोकसभक अड्डा थिक जहाँ केवल अप्सरा नाचैत अछि
- (C) ओ ज्ञानक सभा थिक
- (D) ओ युद्धक सभा थिक

२३. खट्टर काकाक अनुसार 'नरक' (Hell) की थिक?

- (A) एकटा काल्पनिक डर
- (B) भय देखा कऽ आम जनताकें वशमे रखबाक आ पुरोहितक तिजोरी भरबाक साधन
- (C) पाप क घर
- (D) पहाड़ पर अछि

२४. देवतासभक 'अमरता' पर खट्टर काका की तार्किक प्रहार करैत छथि?

- (A) देवता अमर छथि
- (B) जँ ओ अमृत पीबि कऽ अमर छथि तँ रावण वा कंस सँ किएक डराइत छलाह?
- (C) देवता भागि जाइत छथि
- (D) कोनो तर्क नहि

२५. अप्सरासभक सौन्दर्य पर खट्टर काका की कहलनि?

- (A) ओ सभ सदा सुन्दरी छलीह
- (B) ओ सभ कल्पो वर्ष सँ नाचिये रहल छथि तँ आब बूढ़ आ दाँत खसल कुरुप भऽ गेलीह हएत
- (C) ओ सभ देवी छलीह
- (D) किछु नहि

२६. खट्टर काकाक अनुसार असली 'स्वर्ग' कतय अछि?

- (A) आकाशमे
- (B) धरती पर जहाँ नीक भोजन, शान्ति आ सन्तोष अछि (व्यावहारिक सुख)
- (C) मथुरामे
- (D) लन्दनमे

२७. यमराजक 'बही-खाता' आ चित्रगुप्ती व्यवस्था पर खट्टर काका की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ अचूक अछि
- (B) ओ एकटा सढ़ल क्लर्कक बही जकाँ अछि जहिमे रिश्त आ पैरवी सेहो चलि सकैछ
- (C) ओ कम्प्यूटर थिक
- (D) कोनो बही नहि अछि

२८. खट्टर काकाक अनुसार देवता सभ 'ऋषिसभ' सँ किएक डराइत छलाह?

- (A) ऋषि बलवान छलाह
- (B) किएक तँ ऋषिसभ तपस्या कऽ कऽ इन्द्रक आसन छीनय चाहैत छलाह (कुर्सीक लड़ाई)
- (C) ऋषि क्रोधी छलाह
- (D) कोनो डर नहि छल

२९. कामदेवक 'पुष्प-बाण' पर खट्टर काका की कहैत छथि?

- (A) ओ बहुत तेज होइछ
- (B) फूलक बाण सँ केहू घायल कोना भऽ सकैछ, ई केवल कविक कल्पना थिक
- (C) ओ लोहाक होइछ
- (D) किछु नहि

३०. खट्टर काका 'स्वर्गक अमृत' सँ पैघ ककरा मानैत छथि?

- (A) जल केँ
- (B) मिथिलाक दहि, आम, आ मखानक रस केँ जकर स्वाद अलौकिक अछि
- (C) शराब केँ
- (D) कोनो वस्तु केँ नहि

३१. देवराज इन्द्रक 'वज्र' पर खट्टर काका की टिप्पणी अछि?

- (A) ओ अचूक अछि
- (B) ओ केवल डरेबाक साधन थिक, असली वज्र तँ दरिद्रता आ भूख थिक
- (C) ओ सोनाक अछि
- (D) कोनो वज्र नहि अछि

३२. खट्टर काकाक अनुसार 'पाप आ पुण्य' क असली परिभाषा की अछि?

- (A) पोथीमे लिखल नियम
- (B) दोसरक उपकार करब पुण्य थिक आ ककरो कष्ट देब पाप थिक (व्यास वचन)
- (C) केवल व्रत रखब
- (D) गंगा नहेब

३३. अप्सरा 'मेनका' द्वारा विश्वामित्रक तपस्या भङ्ग करवाक प्रसंग पर की व्यंग्य अछि?

- (A) मेनका महान छलीह
- (B) एकटा अप्सराक नूपुरक झंकार सँ ऋषिक कल्पो वर्षक तपस्या खसि पड़ल, ई केहन ब्रह्मज्ञान छल?
- (C) विश्वामित्र कमजोर छलाह
- (D) किछु नहि

३४. खट्टर काकाक अनुसार 'स्वर्गक कल्पवृक्ष' (सभ इच्छा पूरा करय वला गाछ) कतय अछि?

- (A) स्वर्गमे हे अछि
- (B) मनुष्यक अपन पुरुषार्थ, बुद्धि आ परिश्रम हे असली कल्पवृक्ष थिक
- (C) मन्दिरमे अछि
- (D) गाछ नष्ट भऽ गेल

३५. चित्रगुप्तक 'न्याय' पर खट्टर काका की आक्षेप करैत छथि?

- (A) ओ पूर्णतः न्यायी छथि
- (B) ओतय धनीक लोक टका दऽ कऽ (वैतरणी पार कऽ) बचि जाइत अछि आ गरीब फँसि जाइत अछि
- (C) ओतय न्याय नहि होइछ
- (D) कोनो आक्षेप नहि

३६. खट्टर काकाक अनुसार 'गन्धर्व संगीत' सँ मीठ की अछि?

- (A) विदेशी म्यूज़िक
- (B) मिथिलाक पारम्परिक बटगबनी, तिरहुति आ कोइलीक स्वाभाविक स्वर
- (C) बाँसुरीक आवाज मात्र
- (D) कोनो संगीत नहि अछि

३७. देवतासभक 'विमान' (उड़य वला रथ) पर खट्टर काका की कहलनि?

- (A) ओ बहुत तेज छल
- (B) जँ विमान छल तँ रावणक पाछाँ राम पैदल किएक दौड़लाह? (तार्किक विसंगति)
- (C) ओ सोनाक छल
- (D) कोनो विमान नहि छल

३८. खट्टर काका 'स्वर्गक पारिजात फूल' क तुलना ककरा सँ करैत छथि?

- (A) गुलाब सँ
- (B) अपन आँगनक सहजन, चमेली आ स्वाभाविक सुगन्धित फूल सँ
- (C) काँट सँ
- (D) कोनो फूल सँ नहि

३९. स्वर्ग-नरक विमर्श पढ़ि कऽ पाठकक मन सँ की दूर होइत अछि?

- (A) ज्ञान दूर होइछ
- (B) काल्पनिक परलोकक भय आ अन्धविश्वास स्वतः समाप्त भऽ जाइत अछि
- (C) भय बढ़ि जाइछ
- (D) क्रोध बढ़ैछ

४०. खट्टर काकाक एहि 'परलोक विमर्श' क मूल उद्देश्य की थिक?

- (A) नास्तिक बनेब
- (B) मनुष्यकें एही लोक (इहलोक) क जीवन, समाज आ कर्म क प्रति सजग करब
- (C) केवल हँसेब
- (D) पोथीक पूजा करब

भाग ३: दर्शन, शास्त्रार्थ आ पौराणिक विसंगति

४१. खट्टर काका 'षड्दर्शन' (Six philosophies) पर की तरंग उठवैत छथि?

- (A) सभ दर्शन परम सत्य अछि
- (B) दर्शन शास्त्र अर्थक बदला केवल अनर्थ आ शब्दक जाल (Word-play) थिक
- (C) दर्शन बेकार अछि पूर्णतः
- (D) कोनो तरंग नहि

४२. न्याय दर्शनक 'तर्कशास्त्र' पर खट्टर काका की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ अचूक अछि
- (B) न्याय शास्त्रमे 'धुआँ देखि आगिक अनुमान' होइछ, मुदा चूल्हाक आगि बिनु चौर कोना सीझत?
- (C) ओ कठिन अछि
- (D) कोनो व्यंग्य नहि अछि

४३. वेदान्तक 'अद्वैतवाद' (सभ कुछ ब्रह्म अछि) पर खट्टर काका की कहलनि?

- (A) ई परम सच थिक
- (B) जँ सभ कुछ ब्रह्म थिक तँ भोजन आ माटिमे की भेद अछि? (हँसवैत तर्क)
- (C) ई झूठ थिक
- (D) किछु नहि कहलनि

४४. खट्टर काकाक अनुसार 'सभसँ पैघ ऋषि' के छथि?

- (A) दुर्वासा
- (B) चार्वाक (जे व्यावहारिक सुख आ ऋण कऽ कऽ घीव पीबाक बात कहलनि)
- (C) वशिष्ठ
- (D) विश्वामित्र

४५. पुराणमे वर्णित 'सृष्टि कथा' पर खट्टर काका की आक्षेप करैत छथि?

- (A) ओ वैज्ञानिक अछि
- (B) एकहि स्थान पर विरोधाभासी कथा अछि जे बुद्धि सँ बाहर अछि
- (C) ओ सत्य अछि
- (D) कोनो कथा नहि अछि

४६. खट्टर काकाक अनुसार 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' वाक्यक की यथार्थ अछि?

- (A) जगत् सचमुच झूठ अछि
- (B) जँ जगत् झूठ अछि तँ पेटक भूख आ महाजनक कर्ज कोना सच लागैछ?
- (C) ब्रह्म झूठ अछि
- (D) कोनो यथार्थ नहि

४७. रामायण आ महाभारतक 'शस्त्रास्त्र' (दिव्यास्त्र) पर खट्टर काका की टिप्पणी अछि?

- (A) ओ परमाणु बम छल
- (B) ओ केवल कविक आलंकारिक अतशयोक्तिपूर्ण वर्णन थिक (साधारण बाण छल)
- (C) ओ सोनाक छल
- (D) कोनो अस्त्र नहि छल

४८. खट्टर काकाक अनुसार 'शास्त्रार्थ' की थिक?

- (A) ज्ञानक मिलन
- (B) दू टा जिद्दी विद्वानक बीचक अहङ्कारक लड़ाई जहिमे सत्य कखनो सामने नहि अबैछ
- (C) एकटा खेल
- (D) संन्यासक मार्ग

४९. ऋषि 'दुर्वासा' क क्रोध पर खट्टर काका की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ महान छलाह
- (B) ओ ऋषि नहि साक्षात् हाइ-ब्लडप्रेसर क मरीज छलाह जे बात-बात पर श्राप दैत छलाह
- (C) ओ शान्त छलाह
- (D) किछु नहि कहलनि

५०. खट्टर काकाक अनुसार 'सत्य' क साक्षात् कतय होइत अछि?

- (A) पोथीक पन्नामे
- (B) मनुष्यक निश्छल व्यवहार आ व्यावहारिक बुद्धिमे (Common sense)
- (C) केवल वनमे
- (D) मन्दिरमे

५१. साङ्ख्य दर्शनक 'प्रकृति आ पुरुष' पर खट्टर काका की तरंग उठवैत छथि?

- (A) ई परम सत्य थिक
- (B) ई पति-पत्नीक झगड़ा जकाँ अछि जकरा दार्शनिक रूप दऽ देल गेल
- (C) ई झूठ थिक
- (D) कोनो तरंग नहि

५२. खट्टर काका पौराणिक 'समुद्र मन्थन' क कथा पर की कहैत छथि?

- (A) ओ वैज्ञानिक छल
- (B) एतेक पैघ मदराचल पर्वत आ नाग वासुकी सँ समुद्र मन्थन कोना सम्भव छल? (काल्पनिक रूपक)
- (C) ओ सत्य छल
- (D) कोनो मन्थन नहि भेल छल

५३. खट्टर काकाक अनुसार 'पोथीक तोता' (लकीरक फकीर पण्डित) समाजक की करैत छथि?

- (A) उन्नति करैत छथि
- (B) अन्धविश्वास बढ़ा कऽ समाजकें पाछाँ धकेलैत छथि (विकासक बाधक)
- (C) ज्ञान दैत छथि
- (D) किछु नहि करैत छथि

५४. चार्वाक दर्शनक 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्' पर खट्टर काका की संशोधन करैत छथि?

- (A) घीव नहि पीउ
- (B) आजुक युगमे घीवक बदला दहि-मखान होबाक चाही (मिथिलाक सन्दर्भमे)
- (C) ऋण नहि करू
- (D) कोनो संशोधन नहि

५५. खट्टर काकाक अनुसार 'श्राद्ध परम्परा' आ पितृ-भोज की थिक?

- (A) परलोकमे पितर कें भोजन भेटब
- (B) जीविते माए-बापक उपेक्षा आ मरलाक बाद पुरोहितकें खिएबाक पाखण्ड
- (C) केवल उत्सव
- (D) कोनो नहि

५६. कथाकारक रूपमे हरिमोहन झा खट्टर काकाकें ककर 'मोर्चा' बनेलनि अछि?

- (A) अंग्रेजी क विरुद्ध
- (B) बौद्धिक स्वतन्त्रता आ विचार-क्रान्ति क एकटा प्रखर मोर्चा
- (C) साहित्य क विरुद्ध
- (D) प्रकृति क विरुद्ध

५७. खट्टर काकाक अनुसार 'मन्त्र' (Mantras) क की शक्ति अछि?

- (A) मन्त्र सँ सभ कुछ होइछ
- (B) मन्त्र केवल ध्वनि थिक, बिना कर्म के मन्त्र सँ एको दाना अन्न नहि उपज सकैछ
- (C) मन्त्र जादू थिक
- (D) कोनो शक्ति नहि अछि

५८. पौराणिक कथासभमे 'देवतासभक रूप' पर खट्टर काका की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ सभ सुन्दर छलाह
- (B) सभक रूप मानवक स्वाभाविक चंचलता आ कमजोरी सँ युक्त अछि जकरा भगवान बना देल गेल
- (C) ओ सभ भयंकर छलाह
- (D) कोनो व्यंग्य नहि अछि

५९. खट्टर काकाक 'शास्त्रार्थ शैली' क की प्रभाव पड़ैत अछि पाठक पर?

- (A) पाठक नास्तिक भऽ जाइछ
- (B) पाठकक विवेक जाग्रत होइछ आ ओ तर्क करय सीखैत अछि (Rationality)
- (C) पाठक डरा जाइछ
- (D) कोनो प्रभाव नहि

६०. तन्त्रनाथ झाक शास्त्रीयताक तुलनामे हरिमोहन झाक 'खट्टर काका' केँ की कहल जाएत?

- (A) कमजोर गद्य
- (B) जनवादी, तार्किक, हास्यपूर्ण आ बौद्धिक गद्यक सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान
- (C) दरबारी गद्य
- (D) नीरस गद्य

भाग ४: मिथिलाक खान-पान, दहि-मखान आ भोजन विमर्श

६१. खट्टर काकाक तरंगमे 'मिथिलाक खान-पान' केँ की स्थान देल गेल अछि?

- (A) उपेक्षित स्थान
- (B) सर्वोच्च आदर (भोजनकेँ साक्षात् ब्रह्म आ मोक्ष क साधन मानल गेल अछि)
- (C) केवल हास्यक रूपमे
- (D) कोनो स्थान नहि

६२. खट्टर काका 'दहि' (Yogurt) केँ की उपाधि दैत छथि?

- (A) साधारण रस
- (B) सृष्टिक सभसँ पवित्र अमृत आ मोक्षक मूलाधार
- (C) दूधक पतन
- (D) कोनो उपाधि नहि

६३. दहि-चूड़ा खएबाक समय 'चीनी' (शक्कर) पर खट्टर काका की तरंग उठवैत छथि?

- (A) चीनी नीक होइछ
- (B) चीनी तऽ विदेशी थिक, असली स्वाद तऽ गाढ़ गूर (गुड़) सँ अबैछ जकर सङ्ग दहि दिव्य लागैछ
- (C) चीनी सर्वश्रेष्ठ अछि
- (D) चीनी बन्द करू

६४. खट्टर काका 'मखान' (Foxnut) केँ की मानैत छथि?

- (A) एकटा साधारण फल
- (B) मिथिलाक पोखरिक अमूल्य रत्न जे देवतासभकेँ सेहो दुर्लभ अछि
- (C) बीमारी क जड़ि
- (D) कोनो महत्व नहि

६५. भोजन विमर्शमे 'माछ' (Fish) पर खट्टर काका की दार्शनिक तर्क दैत छथि?

- (A) माछ नहि खाउ
- (B) माछ तऽ जलक सुगन्ध थिक, विष्णुक प्रथम अवतार मत्स्य हे छलाह, अतः एकर गान अनिवार्य अछि
- (C) माछ पाप थिक
- (D) कोनो तर्क नहि

६६. खट्टर काकाक अनुसार 'सभसँ नीक भोजन' कोन समय होबाक चाही?

- (A) रातिमे
- (B) मध्याह्न (दोपहर) मे जखन दहि-चूड़ा आ आमक रसक सुहावन योग होय
- (C) भोरमे
- (D) कखनो भी

६७. खट्टर काका 'आम' (Mango) केँ की कहैत छथि?

- (A) एकटा साधारण फल
- (B) फलोंक चक्रवर्ती राजा जकर रस साक्षात् स्वर्गक पीयूष थिक
- (C) खट्टा फल
- (D) कोनो महत्व नहि

६८. भोजनक बाद 'पान' (Betel leaf) खाबाक परम्परा पर खट्टर काका की कहलनि?

- (A) पान पाप थिक
- (B) पान मुखक शुद्धि, ताम्बूल रस आ विद्वानक परिचायक थिक (मुख-भूषण)
- (C) पान सँ दाँत सड़ैछ
- (D) किछु नहि कहलनि

६९. खट्टर काकाक अनुसार 'अन्नं वै ब्रह्म' (उपनिषद वाक्य) क असली अर्थ की थिक?

- (A) अन्न भगवान थिक
- (B) पेट भरि नीक आ सात्त्विक भोजन करब हे ब्रह्मक असली वन्दना थिक (व्यावहारिक वेदान्त)
- (C) भोजन छोड़ि दिअ
- (D) कोनो अर्थ नहि अछि

७०. खट्टर काका 'घीव' (Clarified butter) केँ कोना देखबैत छथि?

- (A) घीव हानिकारक अछि
- (B) घीव बुद्धि आ शरीरकेँ पाथर जकाँ मजबूत बनेबाक साधन थिक
- (C) घीव केवल पूजा लेल अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

७१. उपवास (व्रत) रखय वला लोक पर खट्टर काका की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ओ सभ महान छथि
- (B) भूखल रहि कऽ भगवानकेँ तंग करब मूर्खता थिक, भगवान की भोजन छीनय छथि?
- (C) ओ सभ पापि छथि
- (D) कोनो व्यंग्य नहि

७२. खट्टर काकाक अनुसार 'मिथिलाक भोजन' ककर नाशक थिक?

- (A) बुद्धिक नाशक
- (B) मानसिक चिन्ता, अवसाद आ रोगक नाशक (परम औषधि)
- (C) धनक नाशक
- (D) कोनो नहि

७३. भोजन प्रसंगमे 'गोरस' (दूध-दहि) क की महत्व बताएल गेल अछि?

- (A) गोरस बेकार अछि
- (B) गौ-धन सँ प्राप्त गोरस हे मिथिलाक अर्थव्यवस्था आ स्वास्थ्यक प्राण थिक
- (C) केवल पूजा लेल अछि
- (D) कोनो महत्व नहि अछि

७४. खट्टर काका 'तड़का' वा मसाला वला भोजन पर की कहैत छथि?

- (A) ओ सर्वश्रेष्ठ अछि
- (B) बेसी मसाला तऽ बुद्धिकेँ नीरस करैछ, असली स्वाद तऽ सात्त्विक घीव-दहिमे अछि
- (C) मसाला नीक होइछ
- (D) किछु नहि

७५. खट्टर काकाक 'भोजनशाला' क तुलना ककरा सँ कएल गेल अछि?

- (A) यज्ञशाला सँ जतय आहुति (भोजन) कऽ कऽ तृप्ति (ब्रह्मानन्द) प्राप्त होइत अछि
- (B) बाजार सँ
- (C) जेल सँ
- (D) कोनो तुलना नहि अछि

७६. आम क रसक सङ्ग ककर योग खट्टर काकाकें तरङ्ग दैत अछि?

- (A) पानी क
- (B) चूड़ा, दहि आ थोरक (दूधक गाढ़ रूप)
- (C) रोटी क
- (D) नमक क

७७. खट्टर काकाक 'ताम्बूल रस' (पानक रस) ककर प्रतीक थिक?

- (A) गन्दगी क
- (B) वाक्-सिद्धि, पाण्डित्य आ रसिकताक (ताम्बूल विमर्श)
- (C) क्रोध क
- (D) कोनो प्रतीक नहि

७८. भोजन विमर्श पढ़ि कऽ पाठकक मनमे की जागृत होइत अछि?

- (A) भोजन सँ नफ़रत
- (B) अपन आंचलिक भोजन-संस्कृति क प्रति आदर आ गौरव बोध
- (C) भूख बन्द भऽ जाइछ
- (D) क्रोध अबैछ

७९. खट्टर काकाक अनुसार 'भोजनक अपमान' की थिक?

- (A) भोजन छोड़ि कऽ उपवास करब आ आधा पेट खा कऽ ब्रह्मज्ञान बकब
- (B) भोजन बेचय
- (C) भोजन बनेब
- (D) कोनो नहि

८०. मैथिली अकादमी क संकलनमे एहि 'भोजन विमर्श' क की मूल्य अछि?

- (A) कोनो मूल्य नहि
- (B) मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन आ लोक-दर्शनक सजीव प्रलेखन
- (C) केवल गजल संग्रह
- (D) किछु नहि

भाग ५: समाजिक रूढ़ि, अन्धविश्वास आ संस्कार पर प्रहार

८१. खट्टर काका गामक 'अन्धविश्वास' पर कोना प्रहार करैत छथि?

- (A) मन्त्र पढ़ि कऽ
- (B) तार्किक प्रश्न उठा कऽ आ ओकर खोखलापन सोझाँ लाबि कऽ (व्यंग्य)
- (C) डरा कऽ
- (D) भागि कऽ

८२. गाममे 'छुआछूत' आ जातिगत कुलीनता पर खट्टर काका की तरंग उठवैत छथि?

- (A) जातिवाद नीक अछि
- (B) सभक भीतर एकहि लहू आ चेतना अछि, जातिगत ऊँच-नीच केवल पाखण्ड थिक
- (C) जातिवाद सनातन अछि
- (D) कोनो विचार नहि

८३. खट्टर काका 'दहेज प्रथा' (तिलक) पर की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) ई नीक प्रथा थिक
- (B) ई वरक बेचय वला एकटा कुरूप बजार थिक जहिमे बाप अपन बेटाक बोली लगावैत अछि
- (C) ई धार्मिक नियम थिक
- (D) कोनो व्यंग्य नहि अछि

८४. खट्टर काका 'पंचांग आ साइत' (शुभ मुहूर्त) देखय वला पण्डित पर की टिप्पणी करैत छथि?

- (A) पंचांग अचूक होइछ
- (B) जँ साइत एतेक शुद्ध होइछ तँ साइत देखि कऽ कएल गेल विवाह किएक टूटि जाइछ? (तार्किक चोट)
- (C) पंचांग सोनाक थिक
- (D) कोनो टिप्पणी नहि

८५. खट्टर काकाक अनुसार 'सभसँ पैघ अन्धविश्वास' की थिक?

- (A) विज्ञान पर भरोसा
- (B) अपन बुद्धि छोड़ि कऽ बाबा-पुरोहितक भय देखाबय वला गप पर आँखि मूढ़ कऽ विश्वास करब
- (C) गाममे रहब
- (D) भोजन करब

८६. संस्कारक नाम पर होमय वला 'दिखावा' पर खट्टर काका की कहलनि?

- (A) दिखावा आवश्यक अछि
- (B) भीतर दया-धर्म नहि हो आ बाहर सँ तिलक-पाग पहिरि कऽ ढोंग करब समाजक पतन थिक
- (C) दिखावा नीक होइछ
- (D) किछु नहि कहलनि

८७. खट्टर काका गामक 'भूत-प्रेत' क डर कोना भगावैत छथि?

- (A) तान्त्रिक पूजा सँ
- (B) तर्क सँ (ओ देखबैत छथि जे डर केवल मनक भ्रम आ अज्ञानक कारणे होइछ)
- (C) मन्त्र पढ़ि कऽ
- (D) लाठी मारि कऽ

८८. खट्टर काका 'तीर्थ-यात्रा' आ गंगा-स्नान पर की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) तीर्थ अवश्य जाउ
- (B) मन शुद्ध नहि हो तँ केवल पानीमे डुबकी लगएबा सँ पापक नाश कोना सम्भव अछि? (चित्त शुद्धि आवश्यक)
- (C) तीर्थ पाप थिक
- (D) कोनो व्यंग्य नहि अछि

८९. खट्टर काका 'बाल-विवाह' आ बेमेल विवाहक कुप्रथा पर की कहैत छथि?

- (A) ई नीक अछि
- (B) ई समाजक कुरूपता थिक जहिमे टकाक लोभमे बेटीक जीवन बर्बाद कएल जाइत अछि
- (C) ई सनातन नियम थिक
- (D) किछु नहि बाजला

९०. खट्टर काकाक अनुसार 'सभसँ पैघ संस्कार' की थिक?

- (A) महग यज्ञ करब
- (B) ककरो प्रति निश्छल आदर, करुणा आ मानवताक व्यवहार करब
- (C) मुंडन करब
- (D) कोनो संस्कार नहि अछि

९१. गाममे 'डाइन' (विच) कहि कऽ स्त्रीसभक कएल जाय वला उत्पीड़न पर खट्टर काका की कहलनि?

- (A) डाइन होइछ सचमुच
- (B) ई घोर अमानवीय पाखण्ड, मूर्खता आ स्त्री जाति पर अत्याचार थिक, एकर अन्त होबाक चाही
- (C) ई नीक प्रथा थिक
- (D) किछु नहि बाजला

९२. खट्टर काका 'शकुन-अपशकुन' (जेना छींकब वा खाली घैला देखब) पर की व्यंग्य करैत छथि?

- (A) शकुन सच होइछ
- (B) ई केवल मनक वहम थिक, गाड़ी अपन टाइम पर चलैतैक, तोहर छींकला सँ की रुकतौक?
- (C) ई अचूक अछि
- (D) कोनो व्यंग्य नहि

९३. खट्टर काकाक अनुसार 'कुलक अभिमान' (सामन्ती दम्भ) की थिक?

- (A) उन्नतिक साधन
- (B) कर्महीन लोकसभक अपन अतीत पर गर्व करबाक एकटा खोखला ढोंग
- (C) ईश्वरक वरदान
- (D) सर्वश्रेष्ठ गुण

९४. संस्कारक नाम पर 'दिखावटी मुंडन वा जनेऊ' पर खट्टर काका की टिप्पणी अछि?

- (A) ई अनिवार्य थिक
- (B) जँ आचरण पवित्र नहि हो तँ सूता बान्हला सँ केहू द्विज (ज्ञानी) कोना भऽ जएत?
- (C) ई पाप थिक
- (D) कोनो टिप्पणी नहि

९५. खट्टर काका 'गुरु-परम्परा' क नाम पर होमय वला शोषण पर की कहैत छथि?

- (A) गुरु ईश्वर छथि आजुक
- (B) आजकाल क कतेको चेला-गुरु केवल टका लेबा-देबाक ब्यापार कऽ रहल छथि (पाखण्ड)
- (C) गुरु महान छथि सदा
- (D) कोनो व्यंग्य नहि

९६. खट्टर काकाक एहि 'रूढ़ि-भंजन' (Breaking taboos) क की प्रभाव भेल समाज पर?

- (A) समाज नष्ट भऽ गेल
- (B) मैथिल समाजमे तार्किक चेतना, आधुनिकता आ रूढ़ि छोड़बाक वैचारिक आधार तैयार भेल
- (C) समाज कठिन भऽ गेल
- (D) केवल विवाद भेल

९७. खट्टर काका 'दान-पुण्य' क नाम पर पुरोहितकें गाय देबाक (गोदान) पर की व्यंग्य करैत छथि?
- (A) गोदान अनिवार्य थिक
(B) गाई तऽ गाममे दूध देत, ओकरा पण्डितकें दऽ कऽ वैतरणी नदी पार करबाक गप केवल कल्पना थिक
(C) गोदान पाप थिक
(D) किछु नहि कहलनि
९८. खट्टर काकाक अनुसार 'सभसँ पैघ डाइन वा राक्षस' समाजमे कतय अछि?
- (A) जंगलमे
(B) मनुष्यक अपन भीतर छुपल लोभ, मोह, अज्ञान आ पर-पीड़न क कुभावना
(C) पहाड़ पर अछि
(D) कोनो राक्षस नहि अछि
९९. रुढ़ि-प्रहारक पदसभमे हरिमोहन झाक व्यंग्य 'चाबुक' जकाँ किएक लगैछ?
- (A) ओ मारैत छलाह शब्द सँ
(B) हुनकर एक-एक तर्क समाजक पाखण्डक छिलका उतारि दैत अछि
(C) ओ सैनिक छलाह
(D) कोनो कारण नहि
१००. खट्टर काकाक एहि सामाजिक विमर्शक मूल स्वर की थिक?
- (A) परम्परा क पूर्ण विनाश
(B) परम्पराक अन्धविश्वास त्यागि कऽ ओकरा मानवीय आ तार्किक रूप देब (वैचारिक नवजागरण)
(C) केवल हँसेब
(D) संन्यासी बनेब

भाग ६: काव्य-शिल्प, नाद-सौन्दर्य आ व्यंग्यात्मक वक्रोक्ति

१०१. हरिमोहन झाक 'गद्य-शिल्प' (Prose technique) क की विशेषता अछि?
- (A) अत्यन्त जटिल आ दुरूहो
(B) संवादात्मक, नाटकीय, लघु वाक्ययुक्त आ प्रवाहपूर्ण (Conversational Style)
(C) केवल श्लोक जकाँ
(D) नीरस आ गद्यात्मक मात्र
१०२. खट्टर काकाक तरंगमे 'वक्रोक्ति' (Indirect statement/Irony) क प्रयोग कोना होइछ?
- (A) झूठ बोलनाय
(B) सीधा बात नहि कहि कऽ व्यंग्य आ कटाक्षक माध्यम सँ गहीर चोट करब
(C) काव्य नष्ट करब
(D) कोनो उपयोग नहि
१०३. गद्यमे 'नाद-सौन्दर्य' आ आन्तरिक लय (Rhythm) हरिमोहन झा कोना अनैत छथि?
- (A) अंग्रेजी शब्द सँ
(B) मैथिलीक सहज लोकोक्ति, कहावत आ समान ध्वनिकान्त शब्दसभक चयन सँ
(C) कठोर शब्द सँ
(D) बिना नियमक
१०४. खट्टर काकाक 'अट्टहास' (जोर सँ हँसब) ककर सूचक थिक?
- (A) कमजोरी क
(B) रुढ़िवादी पण्डितसभक घमंड आ शास्त्र-जालक उपहास उड़बाक (बौद्धिक विजय)
(C) भयक
(D) क्रोध क

१०५. हरिमोहन झाक 'व्यंग्य' पाश्चात्य साहित्यक ककर समतुल्य मानल जा सकैत अछि?

- (A) मार्क ट्वेइन (Mark Twain) वा सुकरातक व्यंग्य आ तार्किक विन्यासक
- (B) शेक्सपियरक नाटक जकाँ
- (C) वर्ड्सवर्थ जकाँ
- (D) कोनो समतुल्य नहि अछि

१०६. काव्य-शिल्पमे 'लोकोक्ति' आ 'कहावत' क की महत्व अछि एहि ग्रन्थमे?

- (A) ई गद्यकें पुरान करैछ
- (B) ई मिथिलाक जन-मेधा (Popular wisdom) कें प्रयुक्त कऽ तर्ककें अचूक बनावैत अछि
- (C) ई कठिन होइछ
- (D) कोनो महत्व नहि

१०७. हरिमोहन झाक गद्यक 'सम्प्रेषणीयता' (Communicability) क की रहस्य अछि?

- (A) जटिल शब्दक प्रयोग
- (B) अत्यन्त सरल, बोधगम्य आ आम जनताक भाषाक सात्त्विक आदर
- (C) केवल अंग्रेजी फन्ट
- (D) नीरसता

१०८. खट्टर काकाक तरंगमे 'हास्य' (Humor) आ 'व्यंग्य' (Satire) क की सम्बन्ध अछि?

- (A) दुनू विरोधी अछि
- (B) हास्य तऽ ऊपरक छिलका थिक, भीतर साक्षात् तीक्ष्ण वैचारिक व्यंग्य लुकाएल रहैछ
- (C) केवल चुटकुला अछि
- (D) कोनो सम्बन्ध नहि

१०९. ग्रन्थमे प्रयुक्त 'समास-रचना' वा पद-विन्यास केहन अछि?

- (A) कठोर संस्कृतनिष्ठ
- (B) छोट-छोट, सुगठित आ ध्वन्यात्मक रूप सँ अत्यन्त मारक
- (C) समास अछि ये नहि
- (D) अंग्रेजी जकाँ

११०. हरिमोहन झाक 'हास्य-रस' क परिपाक ककर नाशक थिक?

- (A) ज्ञानक नाशक
- (B) मानसिक जड़ता, उदासी आ अन्धविश्वासक जञ्जीरक नाशक
- (C) सत्यक नाशक
- (D) मजदूरक नाशक

१११. खट्टर काकाक 'तरंग' क संरचना कोना रचित अछि?

- (A) एकटा गम्भीर भाषण जकाँ
- (B) लघु-अध्याय (तरंग) क रूपमे जहिमे एक-एक विशिष्ट विषय पर शास्त्रार्थ अछि
- (C) केवल एक पाँतीमे
- (D) कोनो संरचना नहि अछि

११२. हरिमोहन झाक गद्यक 'मानकीकरण' (Standardization) की सिद्ध केलक?

- (A) मैथिलीक कमजोरी
- (B) मैथिली गद्यमे हास्य आ वैचारिक विमर्शक वैश्विक क्षमता आ गरिमा
- (C) केवल गजलक विकास
- (D) कोनो प्रमाण नहि अछि

११३. काव्य-शिल्पमे 'बिम्ब-विधान' (Imagery) क खट्टर काका कोना प्रयोग करैत छथि?

- (A) स्वर्गक चित्र सँ
- (B) दैनिक जीवनक व्यावहारिक वस्तुसभ (जैसे हुक्का, दहि, चूल्हा) क तार्किक बिम्ब सँ
- (C) केवल काल्पनिक लोक सँ
- (D) कोनो बिम्ब नहि अछि

११४. खट्टर काकाक 'प्रहारक मारकता' (Impact of statement) क की कारण थिक?

- (A) चिल्ला कऽ बाजब
- (B) शास्त्रक हे श्लोक सँ शास्त्रक रूढ़िकें काटब (Irony of references)
- (C) लाठी देखब
- (D) कोनो मारकता नहि

११५. हरिमोहन झाक 'मुहावरेदार मैथिली' क की विशेषता थिक?

- (A) ओ कठिन होइछ
- (B) ओ मिथिलाक गामक चालू मुहावरा क प्रयोग कऽ गद्यकें अत्यन्त जीवन्त बनावैत अछि
- (C) ओ हिन्दीक नकल अछि
- (D) कोनो विशेषता नहि

११६. खट्टर काकाक 'तरंग-प्रवाह' ककर प्रतीक थिक?

- (A) बौद्धिक स्वतन्त्रता आ चेतनाक अनवरत प्रवाहक (Stream of consciousness)
- (B) कमजोरी क
- (C) कायरता क
- (D) संन्यास क

११७. हरिमोहन झाक 'गद्य-लालित्य' क तुलना ककरा सँ कएल जा सकैत अछि?

- (A) केहू सँ नहि (ओ अद्वितीय छथि)
- (B) मैथिली हास्य-व्यंग्य परम्परामे ओ सदा शीर्ष आ मील-पत्थर छथि
- (C) केवल नव लेखकों सँ
- (D) गजलकारसभ सँ

११८. ग्रन्थमे प्रयुक्त 'व्यंग्यात्मक उपमा' क की विशेषता थिक?

- (A) ओ फूल जकाँ कोमल होइछ
- (B) ओ सीधे पाखण्डक मुकुट खसा दैत अछि आ पाठककें हँसि कऽ सोचने लेल विवश करैछ
- (C) ओ नीरस होइछ
- (D) कोनो उपमा नहि अछि

११९. खट्टर काकाक तरंगक पाठ कोना कएल जाबाक चाही असली आनन्द लेल?

- (A) मनमे केवल
- (B) सस्वर आ आपसमे सम्वादक रूपमे (नाटकीय रूपमे) पढ़ि कऽ
- (C) तेज दौड़ि कऽ
- (D) चिल्ला कऽ

१२०. हरिमोहन झाक आख्यान-शिल्पक मूल उद्देश्य की थिक?

- (A) भाषा कठिन करब
- (B) साहित्यकें जन-मन सँ जोड़ि कऽ ओकरा वैचारिक क्रान्तिक माध्यम बनेब
- (C) भाषा नष्ट करब
- (D) अंग्रेजीकरण

भाग ७: अकादमिक समीक्षा, माहात्म्य आ समकालीन शोध

१२१. समकालीन शोधक अनुसार 'खट्टर काकाक तरंग' क मैथिली साहित्यमे की स्थान अछि?

- (A) ई एकटा साधारण पोथी अछि
- (B) ई मैथिलीक वैचारिक नवजागरण, हास्य-व्यंग्य आ बौद्धिक प्रबोधनक सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ थिक
- (C) ई व्याकरणक पोथी अछि
- (D) ई केवल अनुवाद अछि

१२२. खट्टर काकाक तरंग पर भऽ रहल समकालीन शोधक मुख्य विषय की होइत अछि?

- (A) किताबक छपाई
- (B) एकर तार्किक संरचना, समाज-सुधार क चेतना, आ पौराणिक आख्यानक विप्रलापक अध्ययन
- (C) केवल कविक जीवनी
- (D) कोनो शोध नहि भऽ रहल अछि

१२३. विदेह आर्काइवमे 'खट्टर काकाक तरंग' कें ककर प्रतीक मानल गेल अछि?

- (A) एकटा पुरान आख्यान
- (B) मैथिलीक निज प्रबुद्ध मेधा, बौद्धिक स्वतन्त्रता आ जनवादी चेतनाक स्तम्भ
- (C) व्याकरणक पोथी
- (D) कोनो महत्व नहि देल गेल

१२४. खट्टर काकाक 'तार्किक पद्धति' कें समकालीन दर्शनमे की कहल जा सकैत अछि?

- (A) अंधविश्वास
- (B) रेशनलिज्म (Rationalism) आ क्रिटिकल थिंकिंग (Critical Thinking) क उत्कृष्ट व्यावहारिक रूप
- (C) केवल नास्तिकता
- (D) कोनो दर्शन नहि

१२५. हरिमोहन झाक 'व्यंग्य-शिल्प' क समकालीन प्रासंगिकता की अछि?

- (A) ओ पुराना भऽ गेल अछि
- (B) आजुओ समाजमे मौजूद धार्मिक पाखण्ड, अन्धविश्वास आ दिखावाक विरुद्ध ई एकटा अचूक हथियार थिक
- (C) कोनो प्रासंगिकता नहि अछि
- (D) केवल इतिहास अछि

१२६. खट्टर काकाक 'भोजन दर्शन' क वैचारिक निष्कर्ष की थिक?

- (A) भोजन छोड़ि देब
- (B) कठोर तपस्याक बदला शरीर, प्रकृति आ व्यावहारिक जीवनक सुखक आदर (Life affirmation)
- (C) महानगरक प्रशंसा
- (D) कोनो नहि

१२७. हरिमोहन झाक 'खट्टर काका' क तुलनात्मक अध्ययन भारतीय साहित्यमे ककरा सँ कएल जाइत अछि?

- (A) भारतेन्दु हरिश्चंद्र आ परवर्ती व्यंग्यकार शरद जोशी वा हरिशंकर परसाईक बौद्धिक तेवर सँ
- (B) महादेवी वर्मा सँ
- (C) पंत सँ
- (D) अज्ञेय सँ

१२८. खट्टर काकाक तरंगक 'आवरण (Cover) डिजाइन' लेल समकालीन समयमे की उपयुक्त मानल जाइछ?

- (A) आधुनिक अमूर्त चित्र
- (B) हुक्का गड़गड़बैत, सुरती ठोकेत आ पण्डित सभकें निरुत्तर करैत खट्टर काकाक एकटा जीवन्त आंचलिक रेखाचित्र वा मिथिला आर्ट
- (C) केवल फूल
- (D) विदेशी फोटो

१२९. खट्टर काकाक चरित्र ककर 'अहंकार' चूर करैत अछि?

- (A) मजदूरक
- (B) रूढ़िवादी, पोथीक तोता पण्डित आ समाजक ठेकेदार सभक (Grave Blow to Orthodoxy)
- (C) साधारण बालकक
- (D) प्रकृतिक

१३०. हरिमोहन झाक 'मुहावरेदार गद्य' क भाषा-वैज्ञानिक महत्व की अछि?

- (A) ओ भाषा नष्ट करैछ
- (B) एहि सँ मैथिलीक अपन तार्किक शब्द, चालू कहावत आ भाषाक निज मारकता सुरक्षित आ समृद्ध भेल अछि
- (C) ओ कठिन अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

१३१. खट्टर काकाक अनुसार 'सभसँ पैघ मन्दिर वा तीर्थ' कतय अछि?

- (A) पहाड़ पर
- (B) मनुष्यक अपन शुद्ध मन, विवेक आ ककरो प्रति कएल गेल उपकारमे (मानवता हे असली तीर्थ थिक)
- (C) केवल काशीमे
- (D) कोनो तीर्थ नहि अछि

१३२. हरिमोहन झाक 'खट्टर काकाक तरंग' की महाकाव्य अछि की व्यंग्यात्मक गद्य-ग्रन्थ?

- (A) महाकाव्य
- (B) सम्वाद-प्रधान व्यंग्यात्मक आ तार्किक गद्य-आख्यान
- (C) उपन्यास मात्र
- (D) नाटक मात्र

१३३. खट्टर काकाक तरंगक 'बैक कवर' (Back Cover Blurb) क की अकादमिक महत्व अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) पाठकसभकें ग्रन्थक मूल दर्शन, तार्किकता आ हरिमोहन झाक व्यंग्य-शिल्प सँ तुरंत परिचित कराबय लेल
- (C) मूल्य सूची थिक
- (D) केवल विज्ञापन लेल

१३४. खट्टर काका 'वेद आ उपनिषद' ककर पक्षमे खड़ा करैत छथि?

- (A) पाखण्डक पक्षमे
- (B) मानव विवेक, स्वतन्त्रता आ सात्त्विक व्यावहारिक जीवनक पक्षमे (रूढ़िक विरुद्ध)
- (C) केवल राजाक पक्षमे
- (D) कोनो पक्षमे नहि

१३५. खट्टर काकाक तरंगक पठन पाठकक चेतनाकें की करैत अछि?

- (A) जड़ि कऽ दैत अछि
- (B) अन्धविश्वासक जञ्जीर सँ मुक्त कऽ ओकरा स्वतन्त्र चिन्तनशील आ तार्किक बनावैत अछि
- (C) भयभीत करैत अछि
- (D) कोनो प्रभाव नहि डेलैछ

१३६. खट्टर काकाक अनुसार 'सृष्टिक नियम' (Cosmic Order) ककरा सँ चलैछ?

- (A) पुरोहितक मन्त्र सँ
- (B) ईश्वरक स्वाभाविक नियम आ प्रकृतिक अनुशासन (ऋत) सँ
- (C) मनुष्यक कसम सँ
- (D) कोनो नियम नहि अछि

१३७. हरिमोहन झाक 'बौद्धिक स्वतन्त्रता' क की अर्थ थिक मैथिली साहित्यमे?

- (A) बिना नियमक लिखब
- (B) कोनो भी रूढ़ि वा बन्धनक आगू अपन बुद्धिके बन्धक नहि रखब (स्वतन्त्र विवेक)
- (C) केवल पाश्चात्य नकल
- (D) कविता छोड़ि देब

१३८. खट्टर काकाक 'तरंग' क कथा कतय समाप्त होइत अछि?

- (A) खट्टर काकाक संन्यास पर
- (B) पाठकक मनमे एकटा अनन्त तार्किक जिज्ञासा आ विवेकक दीप जला कऽ (खुला अन्त)
- (C) युद्ध पर
- (D) केवल हास्य पर

१३९. अकादमिक मूल्यांकन करैत विदेह पत्रिका 'खट्टर काकाक तरंग' केँ की मानैत अछि?

- (A) ई पुराना भऽ गेल अछि
- (B) ई मैथिलीक प्रबुद्ध मेधा आ वैचारिक क्रान्तिक एकटा सर्वश्रेष्ठ आ शाश्वत प्रकाश-स्तम्भ थिक
- (C) ओ केवल चुटकुला थिक
- (D) कोनो मूल्यांकन नहि अछि

१४०. ई १४० प्रश्नक विस्तृत 'खट्टर काकाक तरंग' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय ११ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) प्रो. हरिमोहन झा — ई व्यंग्यात्मक आ तार्किक अमर कृतिक रचनाकार प्रो. हरिमोहन झा छथि।

२. (B) अगाध पाण्डित्य, तर्कशीलता आ व्यंग्यात्मक विनोदप्रियता केँ — खट्टर काका मिथिलाक ओही पाण्डित्य परम्पराक जनवादी रूप छथि जे कोनो रूढ़ि केँ आँखि मूढ़ कऽ नहि मानैत।

३. (B) खट्टर काकाक मनक मौज, विचार-लहरि आ तार्किक उफान — 'तरंग' क अर्थ अछि खट्टर काकाक जखन जहिना तरङ्ग उठलनि, तहिना शास्त्रार्थकेँ उलटि देलनि।

४. (A) हुक्का आ सुरती (वा पानक डब्बा) — खट्टर काका हुक्का गड़गड़बैत आ सुरती केँ ठोकैत बड़-बड़ पोथीक पाखण्ड ध्वस्त करैत छथि।

५. (B) हास्य-व्यंग्य, उपहास आ अकाट्य तार्किकता (Socratic Method) — ओ हँसवैत-हँसवैत शास्त्रक जटिल रूढ़िवादी व्याख्याक पोल खोलि दैत छथि।

६. (B) मैथिली वैचारिक नवजागरणक एकटा अमूल्य आ कालजयी दस्तावेज — ई पुस्तक अन्धविश्वास आ सढ़ल परम्परा पर बौद्धिक प्रहार करबाक एकटा श्रेष्ठ ग्रन्थ थिक।

७. (B) श्रम, विवेक, आ धरतीक व्यावहारिक यथार्थकेँ — ओ स्वर्गक बदला पृथ्वीक आ पाखण्डक बदला बुद्धिक पूजा करैत छथि।

८. (B) पौराणिक रूढ़ि, पाखण्ड आ बाबा-पुरोहितसभक गलत व्याख्याक — ओ कहैत छथि जे आँखि मूढ़ कऽ पोथी पर भरोसा नहि करू, अपन विवेकक उपयोग करू।

९. (A) कठिन संस्कृतनिष्ठ — हिनक भाषा ठेठ आ संस्कृतक पारम्परिक ज्ञान सँ सजल अछि जे पाठककेँ मग्न कऽ दैत अछि।

१०. (B) लेखक (हरिमोहन झा) जे खट्टर काका लग जा कऽ प्रश्न पुछैत छथि — लेखक स्वयं एकटा जिज्ञासु शिष्य जकाँ खट्टर काका लग जाइत छथि आ उनकर तरङ्ग जाग्रत करैत छथि।

११. (B) रूढ़िवादी पण्डित आ लकीरक फकीर सभक — ओ शास्त्रक हे श्लोक सँ शास्त्रक पाखण्डकेँ काटि दैत छथि।

१२. (B) ओ सभ बूढ़ भऽ गेलीह हएत, किएक तँ ओकर जन्म कल्पो वर्ष पहिने भेल छल — ओ अप्सरा सभक अमरता पर बड़ सुन्दर वैज्ञानिक आ हास्यपूर्ण तर्क दैत छथि।
१३. (B) आलसी, ढोंगी आ समाजकें ठकय वला पुरोहित वर्गक — ओ धर्मक नाम पर भय देखा कऽ टका ठकय वला व्यवस्थाक प्रबल विरोधी छथि।
१४. (B) मानव विवेक (Reason), तार्किकता आ व्यावहारिक यथार्थक आदर — खट्टर काका सदा अन्धविश्वास छोड़ि बुद्धि क आदर करबाक सन्देश दैत छथि।
१५. (B) मैथिली गद्य वैचारिक रूप सँ अत्यन्त प्रखर, निर्भीक आ तार्किक भऽ गेल — एहि पुस्तक सँ सिद्ध भेल जे मैथिली हास्य-व्यंग्यमे सेहो गम्भीर विमर्श दऽ सकैत अछि।
१६. (B) विचारकें परिपक्व करबाक आ नव तर्क सोचबाक एकटा आंचलिक मुद्रा — सुरती ठोकैत खट्टर काकाक तरङ्ग आ तर्क आरो पैघ होइत जाइत अछि।
१७. (B) जँ ओ बुद्धि नहि दऽ कऽ केवल लकीर सिखबैछ तँ ओ केवल बोझा थिक — ओ कहैत छथि जे पोथीक तोता नहि बनू, पोथीक आन्तरिक ज्ञान बुझू।
१८. (B) बुद्धि, तर्क आ सत्यक साक्षात्कार कें — हिनक लेल बुद्धिये सबसँ पैघ देवता थिक।
१९. (B) एहन हास्य जे हँसवैत-हँसवैत दिमागक खिड़की खुजि दऽ (सोचने लेल विवश करय) — हिनक हास्यक पाछाँ सदा एकटा पैघ दार्शनिक आ सामाजिक सच रहैछ।
२०. (B) मैथिलीक वैचारिक पुनर्जागरणक एकटा सर्वश्रेष्ठ आ कालजयी स्तम्भ — विदेह ई-जर्नल खट्टर काकाक तार्किकताकें मैथिलीक निज प्रबुद्ध चेतनाक प्रतीक मानैत अछि।
२१. (B) पूँजीपति आ आलसी लोकसभक मनोरंजनक लेल बनाओल गेल एकटा काल्पनिक बजार — ओ कहैत छथि जे जहाँ केवल नाच-गान आ मदिरा हो, ओ कोनो पवित्र स्थान कोना भऽ सकैछ।
२२. (B) ओ साक्षात् विलासिता आ रसिक लोकसभक अड्डा थिक जहाँ केवल अप्सरा नाचैत अछि — ओ इन्द्रक चरित्र पर प्रहार करैत छथि जे कखनो ऋषि-पत्नीक सतीत्व नष्ट करैत छथि तऽ कखनो डराइत छथि।
२३. (B) भय देखा कऽ आम जनताकें वशमे रखबाक आ पुरोहितक तिजोरी भरबाक साधन — ओ कहैत छथि जे गरमा-गरम तेलमे छानब आ पाथर सँ कूचब केवल डरेबाक लेल रचल कथा थिक।
२४. (B) जँ ओ अमृत पीबि कऽ अमर छथि तँ रावण वा कंस सँ किएक डराइत छलाह? — ओ प्रश्न करैत छथि जे संकट अएला पर अमर देवता सभ कतय छुपि जाइत छलाह।
२५. (B) ओ सभ कल्पो वर्ष सँ नाचिये रहल छथि तँ आब बूढ़ आ दाँत खसल कुरूप भऽ गेलीह हएत — हिनक ई तार्किक हास्य अप्सरासभक रूमानी भ्रमकें छिन्न-भिन्न कऽ दैत अछि।
२६. (B) धरती पर जहाँ नीक भोजन, शान्ति आ सन्तोष अछि (व्यावहारिक सुख) — ओ कहैत छथि जे प्रत्यक्ष छोड़ि कऽ परोक्ष काल्पनिक सुखक पाछाँ दौड़ब मूर्खता थिक।
२७. (B) ओ एकटा सढ़ल क्लर्कक बही जकाँ अछि जहिमे रिश्त आ पैरवी सेहो चलि सकैछ — चित्रगुप्तक लेखा-जोखा पर खट्टर काकाक हास्य अत्यन्त मारक आ व्यंग्यपूर्ण अछि।
२८. (B) किएक तँ ऋषिसभ तपस्या कऽ कऽ इन्द्रक आसन छिनय चाहैत छलाह (कुर्सीक लड़ाई) — ओ इन्द्रक आसनकें आजुक कुर्सीक राजनीति जकाँ देखबैत छथि जे सदा डोलाइत रहैछ।
२९. (B) फूलक बाण सँ केहू घायल कोना भऽ सकैछ, ई केवल कविक कल्पना थिक — ओ कामदेवक पारम्परिक आलंकारिक रूपकें तार्किक कसौटी पर कसैत छथि।
३०. (B) मिथिलाक दहि, आम, आ मखानक रस कें जकर स्वाद अलौकिक अछि — ओ कहैत छथि जे स्वर्गक अमृत के देखलक? हमर मिथिलाक दहि-चूड़ा हे असली अमृत थिक।
३१. (B) ओ केवल डरेबाक साधन थिक, असली वज्र तँ दरिद्रता आ भूख थिक — ओ भौतिक वज्र सँ पैघ समाजिक आ आर्थिक कष्टकें मानैत छथि।
३२. (B) दोसरक उपकार करब पुण्य थिक आ ककरो कष्ट देब पाप थिक (व्यास वचन) — ओ रूढ़िवादी कर्मकाण्डक बदला नैतिक आ मानवीय मूल्यकें असली पुण्य मानैत छथि।
३३. (B) एकटा अप्सराक नूपुरक झंकार सँ ऋषिक कल्पो वर्षक तपस्या खसि पड़ल, ई केहन ब्रह्मज्ञान छल? — ओ ऋषिसभक आन्तरिक चंचलता आ पाखण्ड पर बड़ गम्भीर चोट करैत छथि।

३४. (B) मनुष्यक अपन पुरुषार्थ, बुद्धि आ परिश्रम हे असली कल्पवृक्ष थिक — परिश्रम सँ सभ कुछ भेटि सकैछ, कल्पवृक्षक कथा केवल कल्पना थिक, ई हिनक विचार थिक।
३५. (B) ओतय धनीक लोक टका दऽ कऽ (वैतरणी पार कऽ) बचि जाइत अछि आ गरीब फँसि जाइत अछि — ओ परलोकक न्याय-व्यवस्थाक माध्यम सँ एही लोकक भ्रष्ट अदालत पर व्यंग्य करैत छथि।
३६. (B) मिथिलाक पारम्परिक बटगबनी, तिरहुति आ कोइलीक स्वाभाविक स्वर — ओ गामक स्वाभाविक आ प्राकृतिक संगीतकें अलौकिक मानैत छथि।
३७. (B) जँ विमान छल तँ रावणक पाछाँ राम पैदल किएक दौड़लाह? (तार्किक विसंगति) — ओ पौराणिक कथासभक आन्तरिक विरोधाभास (Contradictions) कें पकड़ि कऽ हँसैत छथि।
३८. (B) अपन आँगनक सहजन, चमेली आ स्वाभाविक सुगन्धित फूल सँ — प्रत्यक्ष उपलब्ध वस्तु हे सर्वश्रेष्ठ अछि, परोक्ष क कल्पना व्यर्थ थिक, ई हिनक मूलाधार थिक।
३९. (B) काल्पनिक परलोकक भय आ अन्धविश्वास स्वतः समाप्त भऽ जाइत अछि — हरिमोहन झाक व्यंग्य पाठककें तार्किक आ निर्भय बनेबाक एकटा पैघ साधन थिक।
४०. (B) मनुष्यकें एही लोक (इहलोक) क जीवन, समाज आ कर्म क प्रति सजग करब — ओ कहैत छथि जे काल क परिकल्पना छोड़ि आजुक जीवनकें सुन्दर आ न्यायपूर्ण बनाउ।
४१. (B) दर्शन शास्त्र अर्थक बदला केवल अनर्थ आ शब्दक जाल (Word-play) थिक — ओ कहैत छथि जे दर्शनक शुष्क बहस मनुष्यकें कखनो रोटी नहि दऽ सकैछ।
४२. (B) न्याय शास्त्रमे 'धुआँ देखि आगिक अनुमान' होइछ, मुदा चूल्हाक आगि बिनु चौर कोना सीझत? — ओ शुष्क तर्कशास्त्रकें व्यावहारिक जीवनक कसौटी पर कऽ कऽ ओकर विसङ्गति देखबैत छथि।
४३. (B) जँ सभ कुछ ब्रह्म थिक तँ भोजन आ माटिमे की भेद अछि? (हँसवैत तर्क) — ओ वेदान्तक व्यावहारिक जीवनमे असम्भव होयबाक बातकें हास्यपूर्ण तरिका सँ रखैत छथि।
४४. (B) चार्वाक (जे व्यावहारिक सुख आ ऋण कऽ कऽ घीव पीबाक बात कहलनि) — ओ चार्वाकक भौतिकवादी आ व्यावहारिक दर्शनकें शुष्क वेदान्त सँ बेसी स्पष्ट मानैत छथि।
४५. (B) एकहि स्थान पर विरोधाभासी कथा अछि जे बुद्धि सँ बाहर अछि — ओ पुराणसभक आन्तरिक कथाक अन्तर्विरोधकें पकड़ि कऽ पण्डित सभकें निरुत्तर कऽ दैत छथि।
४६. (B) जँ जगत् झूठ अछि तँ पेटक भूख आ महाजनक कर्ज कोना सच लागैछ? — ओ कहैत छथि जे भूखल पेट वेदान्तक गप नीक नहि लागैछ, जगत् पूर्णतः सच थिक।
४७. (B) ओ केवल कविक आलंकारिक अतशयोक्तिपूर्ण वर्णन थिक (साधारण बाण छल) — ओ वैज्ञानिक तर्क दैत छथि जे जँ एतेक पैघ अस्त्र छल तँ पूरा भूगोल किएक नहि बदलल।
४८. (B) दू टा जिद्दी विद्वानक बीचक अहङ्कार क लड़ाई जहिमे सत्य कखनो सामने नहि अबैछ — ओ शास्त्रार्थकें केवल शब्द-जाल आ बुद्धि विलास मानैत छथि जहि सँ समाजक कोनो लाभ नहि होइछ।
४९. (B) ओ ऋषि नहि साक्षात् हाइ-ब्लडप्रेसर क मरीज छलाह जे बात-बात पर श्राप दैत छलाह — हिनक ई आधुनिक मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण दुर्वासाक चरित्रकें नव रूपमे देखबैत अछि।
५०. (B) मनुष्यक निश्छल व्यवहार आ व्यावहारिक बुद्धिमे (Common sense) — ओ कहैत छथि जे बुद्धि सँ पैघ कोनो शास्त्र नहि अछि, सत्य सीधे सोझाँ देखाइ पड़ैछ।
५१. (B) ई पति-पत्नीक झगड़ा जकाँ अछि जकरा दार्शनिक रूप दऽ देल गेल — ओ दर्शनक शुष्क आ अमूर्त तत्त्वसभकें गामक यथार्थ रूपमे ढालि कऽ हँसैत छथि।
५२. (B) एतेक पैघ मदराचल पर्वत आ नाग वासुकी सँ समुद्र मन्थन कोना सम्भव छल? (काल्पनिक रूपक) — ओ समुद्र मन्थनकें केवल एकटा काव्यात्मक रूपक मानैत छथि।
५३. (B) अन्धविश्वास बढ़ा कऽ समाजकें पाछाँ धकेलैत छथि (विकासक बाधक) — ओ पण्डित सभक जड़ता पर कड़ा प्रहार करैत छथि जे नव विचार स्वीकार नहि करैत।
५४. (B) आजुक युगमे घीवक बदला दहि-मखान होबाक चाही (मिथिलाक सन्दर्भमे) — ओ चार्वाककें मिथिलाक खान-पानक संस्कृति सँ जोड़ि कऽ नव रूप दैत छथि।

५५. (B) जीविते माए-बापक उपेक्षा आ मरलाक बाद पुरोहितकें खिएबाक पाखण्ड — ओ कहैत छथि जे जीविते पेट भरि अन्न दिअ, मरलाक बाद पिण्डदान केवल ढोंग थिक।
५६. (B) बौद्धिक स्वतन्त्रता आ विचार-क्रान्ति क एकटा प्रखर मोर्चा — खट्टर काकाक माध्यम सँ हरिमोहन झा मिथिलाक रूढ़िवादी ताने-बाने पर पैघ प्रहार केलनि।
५७. (B) मन्त्र केवल ध्वनि थिक, बिना कर्म के मन्त्र सँ एको दाना अन्न नहि उपज सकैछ — ओ मन्त्र-तन्त्रक अन्धविश्वास तोड़ि कऽ 'कर्म' केँ सर्वश्रेष्ठ मानैत छथि।
५८. (B) सभक रूप मानवक स्वाभाविक चंचलता आ कमजोरी सँ युक्त अछि जकरा भगवान बना देल गेल — ओ देखबैत छथि जे पुराणक देवता सेहो क्रोध, लोभ आ काम सँ ग्रसित छलाह।
५९. (B) पाठकक विवेक जाग्रत होइछ आ ओ तर्क करय सीखैत अछि (Rationality) — ई शैली पाठककें अन्धविश्वासक जञ्जीर सँ मुक्त करबाक पैघ साधन थिक।
६०. (B) जनवादी, तार्किक, हास्यपूर्ण आ बौद्धिक गद्यक सर्वश्रेष्ठ प्रतिमान — तन्त्रनाथ झा छन्दक अनुशासन दैत छथि, जखन कि हरिमोहन झा गद्यमे बुद्धिक क्रान्ति दैत छथि।
६१. (B) सर्वोच्च आदर (भोजनकें साक्षात् ब्रह्म आ मोक्ष क साधन मानल गेल अछि) — खट्टर काकाक लेल भोजन कोनो साधारण क्रिया नहि, एकटा पैघ दार्शनिक साधना थिक (अन्नं वै ब्रह्म)।
६२. (B) सृष्टिक सभसँ पवित्र अमृत आ मोक्षक मूलाधार — ओ कहैत छथि जे जकर दहि नीक जमी गेल, ओकर संसार सफल भऽ गेल, दहि सँ पैघ कोनो पदार्थ नहि।
६३. (B) चीनी तऽ विदेशी थिक, असली स्वाद तऽ गाढ़ गूर (गुड़) सँ अबैछ जकर सङ्ग दहि दिव्य लागैछ — ओ मिथिलाक पारम्परिक गूर-दहिकें चीनी सँ बेसी सात्त्विक आ स्वादिष्ट मानैत छथि।
६४. (B) मिथिलाक पोखरिक अमूल्य रत्न जे देवतासभकें सेहो दुर्लभ अछि — मखानक कोमलता आ ओकर सात्त्विक रूपकें ओ स्वर्गक सभ खाद्य पदार्थ सँ ऊँचा रखैत छथि।
६५. (B) माछ तऽ जलक सुगन्ध थिक, विष्णुक प्रथम अवतार मत्स्य हे छलाह, अतः एकर गान अनिवार्य अछि — ओ शाकाहार-मांसाहारक रूढ़िवादी बन्धन तोड़ि कऽ मिथिलाक माछ-संस्कृतिकें दार्शनिक रूप दैत छथि।
६६. (B) मध्याह्न (दोपहर) मे जखन दहि-चूड़ा आ आमक रसक सुहावन योग होय — दोपहरक भोजन (विशेषतः जेठ-वैशाखमासमे) खट्टर काका लेल एकटा महोत्सव जकाँ अछि।
६७. (B) फलोंक चक्रवर्ती राजा जकर रस साक्षात् स्वर्गक पीयूष थिक — जेठक मासमे मालदह आ ककरो गामक आमक रसकें ओ जीवनक सर्वोच्च सुख मानैत छथि।
६८. (B) पान मुखक शुद्धि, ताम्बूल रस आ विद्वानक परिचायक थिक (मुख-भूषण) — मिथिलामे पानक आदर प्रसिद्ध अछि, खट्टर काका भोजनक पूर्णता पान खएबा सँ हे मानैत छथि।
६९. (B) पेट भरि नीक आ सात्त्विक भोजन करब हे ब्रह्मक असली वन्दना थिक (व्यावहारिक वेदान्त) — ओ शुष्क उपवास आ व्रत क विरोध कऽ पेट भरि भोजन करबाकें पैघ धर्म मानैत छथि।
७०. (B) घीव बुद्धि आ शरीरकें पाथर जकाँ मजबूत बनेबाक साधन थिक — ओ दालि आ भातमे प्रचुर मात्रामे घीव द्वारि कऽ खएबाक पक्षधर छथि आ एकरा पुरुषार्थक प्रतीक मानैत छथि।
७१. (B) भूखल रहि कऽ भगवानकें तंग करब मूर्खता थिक, भगवान की भोजन छीनय छथि? — ओ कहैत छथि जे भूखे भजन नहि होइछ, शरीरकें कष्ट देब अधर्म थिक।
७२. (B) मानसिक चिन्ता, अवसाद आ रोगक नाशक (परम औषधि) — ओ कहैत छथि जे नीक दहि-चूड़ा खा कऽ जे सुखद निद्रा अबैछ, ओकर आगू चक्रवर्ती सम्राट क सुखो तुच्छ अछि।
७३. (B) गौ-धन सँ प्राप्त गोरस हे मिथिलाक अर्थव्यवस्था आ स्वास्थ्यक प्राण थिक — ओ गामक गाई-भैंसिक दूध-दहिकें समृद्धि क प्रतीक मानैत छथि।
७४. (B) बेसी मसाला तऽ बुद्धिकें नीरस करैछ, असली स्वाद तऽ सात्त्विक घीव-दहिमे अछि — ओ आधुनिक होटलक भोजनक बदला गामक सात्त्विक आ स्वाभाविक भोजनक आदर करैत छथि।
७५. (A) यज्ञशाला सँ जतय आहुति (भोजन) कऽ कऽ तृप्ति (ब्रह्मानन्द) प्राप्त होइत अछि — ओ रसोइघरकें साक्षात् यज्ञ-वेदी जकाँ पवित्र आ महत्वपूर्ण मानैत छथि।

७६. (B) चूड़ा, दहि आ थोरक (दूधक गाढ़ रूप) — जेठक मासमे आमक रस आ दहि-चूड़ाक योग खट्टर काका लेल अलौकिक महोत्सव थिक।
७७. (B) वाक्-सिद्धि, पाण्डित्य आ रसिकताक (ताम्बूल विमर्श) — पान चबा कऽ शास्त्रार्थ करब खट्टर काकाक एकटा प्रिय आंचलिक मुद्रा थिक।
७८. (B) अपन आंचलिक भोजन-संस्कृति क प्रति आदर आ गौरव बोध — हरिमोहन झा मिथिलाक पारम्परिक जीवन-शैली आ खान-पानकें दार्शनिक प्रतिष्ठा देने छथि।
७९. (A) भोजन छोड़ि कऽ उपवास करब आ आधा पेट खा कऽ ब्रह्मज्ञान बकब — ओ कहैत छथि जे शरीर माध्यम खलु धर्मसाधनम्, अतः शरीरक पोषण सबसँ पहिने आवश्यक अछि।
८०. (B) मिथिलाक सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन आ लोक-दर्शनक सजीव प्रलेखन — ई प्रसंग मिथिलाक निज पहचान, कृषि-संस्कृति आ खान-पानक श्रेष्ठताक प्रामाणिक दस्तावेज थिक।
८१. (B) तार्किक प्रश्न उठा कऽ आ ओकर खोखलापन सोझाँ लाबि कऽ (व्यंग्य) — ओ गामक भूत-प्रेत, डाइन-जोगिन आ टोटकाक अन्धविश्वासकें बुद्धि सँ ध्वस्त करैत छथि।
८२. (B) सभक भीतर एकहि लहू आ चेतना अछि, जातिगत ऊँच-नीच केवल पाखण्ड थिक — ओ जाति-पाँतिक रूढ़ि तोड़ि कऽ मानवीय समानताक पक्षमे तार्किक हुड़कार करैत छथि।
८३. (B) ई वरक बेचय वला एकटा कुरुप बजार थिक जहिमे बाप अपन बेटाक बोली लगावैत अछि — दहेजक वेदी पर बेटीक पिताक तबाही पर खट्टर काकाक हृदयमे गम्भीर क्षोभ आ व्यंग्य अछि।
८४. (B) जँ साइत एतेक शुद्ध होइछ तँ साइत देखि कऽ कएल गेल विवाह किएक टूटि जाइछ? (तार्किक चोट) — ओ कहैत छथि जे कर्म आ बुद्धि ठीक रहला पर सभ दिन शुभ होइत अछि, साइतक भरोसा व्यर्थ थिक।
८५. (B) अपन बुद्धि छोड़ि कऽ बाबा-पुरोहितक भय देखाबय वला गप पर आँखि मूढ़ कऽ विश्वास करब — ओ मनुष्यकें स्वतन्त्र चिन्तन (Independent thinking) करबाक सन्देश दैत छथि।
८६. (B) भीतर दया-धर्म नहि हो आ बाहर सँ तिलक-पाग पहिरि कऽ ढोंग करब समाजक पतन थिक — ओ आन्तरिक सात्त्विकता आ आचरणक शुद्धताकें सर्वश्रेष्ठ मानैत छथि।
८७. (B) तर्क सँ (ओ देखबैत छथि जे डर केवल मनक भ्रम आ अज्ञानक कारणे होइछ) — ओ कहैत छथि जे अज्ञानक अन्हारेमे भूत देखाइ पड़ैछ, ज्ञानक प्रकाश पबैते ओ गायब भऽ जाइछ।
८८. (B) मन शुद्ध नहि हो तँ केवल पानीमे डुबकी लगएबा सँ पापक नाश कोना सम्भव अछि? (चित्त शुद्धि आवश्यक) — ओ बाह्य तीर्थ सँ पैघ 'अन्तःकरणक तीर्थ' (मनक पवित्रता) कें मानैत छथि।
८९. (B) ई समाजक कुरुपता थिक जहिमे टकाक लोभमे बेटीक जीवन बर्बाद कएल जाइत अछि — बेमेल विवाहक कारणे उत्पन्न बाल-वैधव्यक पीड़ा पर हरिमोहन झाक कड़ा प्रहार अछि।
९०. (B) ककरो प्रति निश्छल आदर, करुणा आ मानवताक व्यवहार करब — ओ मानवीय मूल्यकें परम्परागत बाह्य कर्मकाण्ड सँ बहुत ऊँचा रखैत छथि।
९१. (B) ई घोर अमानवीय पाखण्ड, मूर्खता आ स्त्री जाति पर अत्याचार थिक, एकर अन्त होबाक चाही — ओ स्त्री उत्पीड़नक एहि कुप्रथाक तीव्र तार्किक विरोध करैत छथि।
९२. (B) ई केवल मनक वहम थिक, गाड़ी अपन टाइम पर चल्तैक, तोहर छींकला सँ की रुकतौक? — हिनक ई व्यावहारिक तर्क शकुन-अपशकुनक अन्धविश्वासकें हास्यमे उड़ा दैत अछि।
९३. (B) कर्महीन लोकसभक अपन अतीत पर गर्व करबाक एकटा खोखला ढोंग — ओ कहैत छथि जे अपन कर्म नीक करू, पूर्वजक नाम पर घमंड करब व्यर्थ थिक।
९४. (B) जँ आचरण पवित्र नहि हो तँ सूता बान्हला सँ केहू द्विज (ज्ञानी) कोना भऽ जएत? — ओ बाह्य चिन्हक बदला आन्तरिक चरित्रक श्रेष्ठता पर जोर दैत छथि।
९५. (B) आजकाल क कतेको चेला-गुरु केवल टका लेबा-देबाक ब्यापार कऽ रहल छथि (पाखण्ड) — ओ गुरुडम आ धर्मक बाजारीकरण पर कर प्रहार करैत छथि।
९६. (B) मैथिल समाजमे तार्किक चेतना, आधुनिकता आ रूढ़ि छोड़बाक वैचारिक आधार तैयार भेल — हरिमोहन झाक लेखनी समाजकें रूढ़िवादिता सँ निकालि कऽ आधुनिक प्रगतिशील दृष्टि देलक।

१७. (B) गाई तऽ गाममे दूध देत, ओकरा पण्डितकेँ दऽ कऽ वैतरणी नदी पार करबाक गप केवल कल्पना थिक — ओ गोदानक पारम्परिक व्याख्याकेँ हास्यपूर्ण आ तार्किक चुनौती दैत छथि।
१८. (B) मनुष्यक अपन भीतर छुपल लोभ, मोह, अज्ञान आ पर-पीड़न क कुभावना — ओ बाह्य भूत-प्रेत छोड़ि मनक आन्तरिक बुराईकेँ नष्ट करबाक पैरवी करैत छथि।
१९. (B) हुनकर एक-एक तर्क समाजक पाखण्डक छिलका उतारि दैत अछि — हिनक व्यंग्यक मारक क्षमता समाजकेँ आत्मनिरीक्षण करबाक लेल बाध्य करैत अछि।
१००. (B) परम्पराक अन्धविश्वास त्यागि कऽ ओकरा मानवीय आ तार्किक रूप देब (वैचारिक नवजागरण) — ओ कहैत छथि जे जे विचार मानव कल्याणमे बाधक हो, ओकरा छोड़बा मे हे बुद्धिमानी थिक।
१०१. (B) संवादात्मक, नाटकीय, लघु वाक्ययुक्त आ प्रवाहपूर्ण (Conversational Style) — हिनक गद्य बातचीतक शैलीमे होइछ जे पाठककेँ सीधे खट्टर काकाक ओसारा (बैठका) पर लऽ जाइछ।
१०२. (B) सीधा बात नहि कहि कऽ व्यंग्य आ कटाक्षक माध्यम सँ गहीर चोट करब — वक्रोक्ति हरिमोहन झाक व्यंग्यक मुख्य हथियार थिक जहि सँ बातक मारक क्षमता बढ़ि जाइछ।
१०३. (B) मैथिलीक सहज लोकोक्ति, कहावत आ समान ध्वनिकान्त शब्दसभक चयन सँ — हिनक गद्य पढ़बा काल एकटा स्वाभाविक संगीत कानमे गूँजैछ जे मैथिली भाषाक निज मिठास थिक।
१०४. (B) रूढ़िवादी पण्डितसभक घमंड आ शास्त्र-जालक उपहास उड़बाक (बौद्धिक विजय) — खट्टर काकाक हँसबाक अर्थ हे ई होइछ जे सामने वला पण्डित आब निरुत्तर भऽ गेल अछि।
१०५. (A) मार्क ट्वेइन (Mark Twain) वा सुकरातक व्यंग्य आ तार्किक विन्यासक — बौद्धिक व्यंग्य आ सुकरात जकाँ प्रश्न पुछि कऽ सच सोझाँ अनबाक कलामे हरिमोहन झा विश्वस्तरीय छथि।
१०६. (B) ई मिथिलाक जन-मेधा (Popular wisdom) केँ प्रयुक्त कऽ तर्ककेँ अचूक बनावैत अछि — गामक चालू कहावतक प्रयोग सँ खट्टर काका अपन गप तुरंत सिद्ध कऽ दैत छथि।
१०७. (B) अत्यन्त सरल, बोधगम्य आ आम जनताक भाषाक सात्विक आदर — हिनक पोथी विद्वान सँ लऽ कऽ साधारण साक्षर लोक सेहो आसानी सँ बुझि आ आनन्द लऽ सकैत अछि।
१०८. (B) हास्य तऽ ऊपरक छिलका थिक, भीतर साक्षात् तीक्ष्ण वैचारिक व्यंग्य लुकाएल रहैछ — पाठक पहिने हँसैत अछि आ तकर बाद गम्भीरता सँ सोचने लेल विवश भऽ जाइत अछि।
१०९. (B) छोट-छोट, सुगठित आ ध्वन्यात्मक रूप सँ अत्यन्त मारक — लघु वाक्य आ सुगठित शब्द-चयन गद्यक गतीकेँ तीव्र आ रोचक बनेबाक साधन थिक।
११०. (B) मानसिक जड़ता, उदासी आ अन्धविश्वासक जञ्जीरक नाशक — हिनक हास्य समाजक वैचारिक बन्धनकेँ ढीला करबाक पैघ माध्यम थिक।
१११. (B) लघु-अध्याय (तरंग) क रूपमे जहिमे एक-एक विशिष्ट विषय पर शास्त्रार्थ अछि — प्रत्येक तरंग (भाग) अपन-आपमे एकटा विशिष्ट विषय (जेना अप्सरा, भोजन, दर्शन) पर पूर्ण अछि।
११२. (B) मैथिली गद्यमे हास्य आ वैचारिक विमर्शक वैश्विक क्षमता आ गरिमा — ई पुस्तक सिद्ध केलक जे मैथिली गद्य कोनो भी गम्भीर दार्शनिक आ तार्किक विषयकेँ सहजता सँ प्रगट कऽ सकैछ।
११३. (B) दैनिक जीवनक व्यावहारिक वस्तुसभ (जैसे हुक्का, दहि, चूल्हा) क तार्किक बिम्ब सँ — ओ अमूर्त दार्शनिक बातकेँ सेहो गामक प्रत्यक्ष वस्तु क बिम्ब दऽ कऽ समझा दैत छथि।
११४. (B) शास्त्रक हे श्लोक सँ शास्त्रक रूढ़िकें काटब (Irony of references) — ओ पण्डित सभक सामने ओकरे पोथीक श्लोक पढ़ि कऽ ओकर विसङ्गति देखाइत छथि जकर कोनो काटि नहि होइछ।
११५. (B) ओ मिथिलाक गामक चालू मुहावरा क प्रयोग कऽ गद्यकेँ अत्यन्त जीवन्त बनावैत अछि — मुहावराक प्रयोग सँ भाषाक सम्प्रेषणीयता आ मारकता दुनू बढ़ि जाइत अछि।
११६. (A) बौद्धिक स्वतन्त्रता आ चेतनाक अनवरत प्रवाहक (Stream of consciousness) — खट्टर काकाक तरङ्ग साक्षात् बुद्धिक अविरल आ स्वच्छ प्रवाह थिक जहिमे पाखण्ड जलि जाइछ।
११७. (B) मैथिली हास्य-व्यंग्य परम्परामे ओ सदा शीर्ष आ मील-पत्थर छथि — हरिमोहन झाक गद्य-शैली मैथिलीक एकटा निज गौरव थिक जकर कोनो दोसर सानी नहि अछि।

- ११८. (B)** ओ सीधे पाखण्डक मुकुट खसा दैत अछि आ पाठककें हँसि कऽ सोचने लेल विवश करैछ — ओ भ्रष्ट पण्डित वा व्यवस्थाक तुलना तार्किक रूप सँ शोषक जीवसभ सँ करैत छथि।
- ११९. (B)** सस्वर आ आपसमे सम्वादक रूपमे (नाटकीय रूपमे) पढ़ि कऽ — ई पुस्तक सम्वाद-प्रधान अछि, अतः एकरा बोलि कऽ पढ़बामे असली आनन्द भेटैत अछि।
- १२०. (B)** साहित्यकें जन-मन सँ जोड़ि कऽ ओकरा वैचारिक क्रान्तिक माध्यम बनेब — ओ सिद्ध केलनि जे साहित्य केवल दरबार वा मन्दिर लेल नहि, आम मानुष क बुद्धिक विकास लेल थिक।
- १२१. (B)** ई मैथिलीक वैचारिक नवजागरण, हास्य-व्यंग्य आ बौद्धिक प्रबोधनक सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ थिक — ई ग्रन्थ विश्वविद्यालयक उच्च पाठ्यक्रमसभ (MA/Ph.D.) मे मैथिली गद्यक इतिहास आ व्यंग्य-विधाक रूपमे अनिवार्यतः पढ़ायल जाइत अछि।
- १२२. (B)** एकर तार्किक संरचना, समाज-सुधार क चेतना, आ पौराणिक आख्यानक विप्रलापक अध्ययन — विदेह आ अन्य अकादमिक पत्रिकामे हिनक तार्किकता आ व्यंग्य-शिल्प पर निरन्तर शोध-पत्र प्रकाशित भऽ रहल अछि।
- १२३. (B)** मैथिलीक निज प्रबुद्ध मेधा, बौद्धिक स्वतन्त्रता आ जनवादी चेतनाक स्तम्भ — विदेह खट्टर काकाकें मिथिलाक ओही क्रान्तिकारी बौद्धिक परम्पराक हिस्सा मानैत अछि जकर सूत्रपात याज्ञवल्क्य आ अष्टवक्र सँ होइछ।
- १२४. (B)** रेशनलिज्म (Rationalism) आ क्रिटिकल थिंकिंग (Critical Thinking) क उत्कृष्ट व्यावहारिक रूप — ओ देखबैत छथि जे बिना कोनो प्रमाणक कोनो बातकें स्वीकार करब बुद्धिक अपमान थिक।
- १२५. (B)** आजुओ समाजमे मौजूद धार्मिक पाखण्ड, अन्धविश्वास आ दिखावाक विरुद्ध ई एकटा अचूक हथियार थिक — आजुक युगमे सेहो धर्म आ अन्धविश्वासक नाम पर होमय वला बाजारीकरणकें तोड़बामे खट्टर काका पूर्णतः प्रासंगिक छथि।
- १२६. (B)** कठोर तपस्याक बदला शरीर, प्रकृति आ व्यावहारिक जीवनक सुखक आदर (Life affirmation) — ओ कहैत छथि जे शरीर माध्यम खलु धर्मसाधनम्, अतः जीवनक सुखद आ सात्त्विक अवदानकें स्वीकार करू।
- १२७. (A)** भारतेन्दु हरिश्चंद्र आ परवर्ती व्यंग्यकार शरद जोशी वा हरिशंकर परसाईक बौद्धिक तेवर सँ — हिन्दीक परसाई जी जकाँ तीक्ष्ण आ मारक सामाजिक व्यंग्य मैथिलीमे हरिमोहन झाक 'खट्टर काका' मे भेटैत अछि।
- १२८. (B)** हुक्का गड़गड़बैत, सुरती ठोकेत आ पण्डित सभकें निरुत्तर करैत खट्टर काकाक एकटा जीवन्त आंचलिक रेखाचित्र वा मिथिला आर्ट — ग्रन्थक आंचलिक आ तार्किक संवेदना बुझबाक लेल खट्टर काकाक निज मुद्रा (हुक्का-सुरती) क चित्र सर्वश्रेष्ठ थिक।
- १२९. (B)** रूढ़िवादी, पोथीक तोता पण्डित आ समाजक ठेकेदार सभक (Grave Blow to Orthodoxy) — ओ देखबैत छथि जे विद्या केवल अहंकार लेल नहि, विवेक आ मानव कल्याण लेल होबाक चाही।
- १३०. (B)** एहि सँ मैथिलीक अपन तार्किक शब्द, चालू कहावत आ भाषाक निज मारकता सुरक्षित आ समृद्ध भेल अछि — हिनक शब्द-चयन मैथिली गद्यकें एकटा मानक प्रवाह आ जीवन्त रूप प्रदान करैत अछि।
- १३१. (B)** मनुष्यक अपन शुद्ध मन, विवेक आ ककरो प्रति कएल गेल उपकारमे (मानवता हे असली तीर्थ थिक) — ओ बाह्य ईंट-पाथरक मन्दिर सँ पैघ मानव हृदय आ ओकर सेवाकें मानैत छथि।
- १३२. (B)** सम्वाद-प्रधान व्यंग्यात्मक आ तार्किक गद्य-आख्यान — ई सर्गबद्ध कविता नहि, लघु तरंगसभमे विभक्त एकटा समृद्ध आ कालजयी व्यंग्यात्मक गद्य-ग्रन्थ थिक।
- १३३. (B)** पाठकसभकें ग्रन्थक मूल दर्शन, तार्किकता आ हरिमोहन झाक व्यंग्य-शिल्प सँ तुरंत परिचित कराबय लेल — आधुनिक प्रकाशनमे ब्लर्ब पाठककें पोथीक भीदरक वैचारिक क्रान्ति सँ जोड़बाक एकटा पैघ साधन थिक।
- १३४. (B)** मानव विवेक, स्वतन्त्रता आ सात्त्विक व्यावहारिक जीवनक पक्षमे (रूढ़िक विरुद्ध) — ओ देखबैत छथि जे मूल शास्त्रमे पाखण्ड नहि छल, बादक पण्डित सभ अपन स्वार्थ लेल रूढ़ि बना देलक।
- १३५. (B)** अन्धविश्वासक जज्जीर सँ मुक्त कऽ ओकरा स्वतन्त्र चिन्तनशील आ तार्किक बनावैत अछि — ई पुस्तक पाठककें 'लकीरक फकीर' बनबा सँ रोकेत अछि आ बुद्धि क आदर करय सिखबैत अछि।
- १३६. (B)** ईश्वरक स्वाभाविक नियम आ प्रकृतिक अनुशासन (ऋत) सँ — ओ कहैत छथि जे प्रकृति अपने नियम सँ चलैछ, ओकरा मन्त्र-तन्त्र सँ बदलल नहि जा सकैछ।
- १३७. (B)** कोनो भी रूढ़ि वा बन्धनक आगू अपन बुद्धिकें बन्धक नहि रखब (स्वतन्त्र विवेक) — ओ सिद्ध केलनि जे बुद्धिये मनुष्यक सबसँ पैघ मार्गदर्शक थिक, ओकरा कोनो भय सँ दबबाक नहि चाही।

१३८. (B) पाठकक मनमे एकटा अनन्त तार्किक जिज्ञासा आ विवेकक दीप जला कऽ (खुला अन्त) — ई पुस्तक समाप्त भेलाक बादो पाठकक दिमागमे अन्धविश्वासक विरुद्ध एकटा पैघ विमर्श चलैत रहैछ।
१३९. (B) ई मैथिलीक प्रबुद्ध मेधा आ वैचारिक क्रान्तिक एकटा सर्वश्रेष्ठ आ शाश्वत प्रकाश-स्तम्भ थिक — विदेह खट्टर काकाक तार्किकताकेँ मैथिली साहित्यक गौरव आ आधुनिक चेतनाक प्राण मानैत अछि।
१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।

अध्याय १२ : Videha QUIZ | पृथ्वीपुत्र (ललित)

भाग १: कवि ललित आ काव्य-पृष्ठभूमि

१. मैथिलीक सुप्रसिद्ध काव्य 'पृथ्वीपुत्र' क रचयिता के छथि?

- (A) सुरेश झा 'सुमन'
- (B) ललित (वैद्यनाथ झा)
- (C) चन्दा झा
- (D) भोलानाथ झा

२. 'पृथ्वीपुत्र' साहित्यक कोन विधा अन्तर्गत अबैत अछि?

- (A) नाटक
- (B) काव्य-संग्रह (प्रगतिशील)
- (C) गद्य-कथा
- (D) भजन

३. ललित जी मिथिलाक कोन गामक निवासी छलाह?

- (A) बिसपी
- (B) तरौनी
- (C) लोहना (दरभंगा)
- (D) सौराठ

४. 'पृथ्वीपुत्र' शब्दक दार्शनिक अर्थ की थिक?

- (A) पृथ्वीक राजा
- (B) मिट्टी सँ जुड़ल मानुष वा मजदूरकें पृथ्वीक सन्तानक रूपमे गौरव देब
- (C) विदेशी
- (D) किछु नहि

५. ललित जीक काव्यमे मुख्य रूप सँ कोन रसक प्रधानता अछि?

- (A) वीर आ करुण रसक सामञ्जस्य
- (B) केवल हास्य
- (C) केवल शृङ्गार
- (D) भयानक रस

६. ललित जीक कविताक भाषा-शैली केहन अछि?

- (A) क्लासिकल संस्कृत
- (B) ठेठ गँवई मैथिलीक प्रहारक शैली
- (C) फारसी
- (D) अंग्रेजी

७. मैथिली साहित्यमे ललित जीकें ककर 'कवि' मानल जाइत अछि?

- (A) दरबारी कविक
- (B) जन-कविक (People's Poet)
- (C) विदेशी कविक
- (D) कोनो नहि

८. 'पृथ्वीपुत्र' क आरम्भ कतय सँ होइत अछि?

- (A) महल सँ
- (B) माटिक वन्दना आ किसानक जीवनक महिमा सँ
- (C) युद्ध सँ
- (D) कोनो नहि

९. ललित जीक काव्यमे 'प्रकृति' क केहन स्वरूप अछि?

- (A) काल्पनिक
- (B) श्रम आ संघर्षक गवाह (खेत-पाथरक सजीव रूप)
- (C) केवल सुन्दरता
- (D) कोनो नहि

१०. ललित जीक कालखण्ड मैथिली साहित्यमे कोन काल सँ जुड़ल अछि?

- (A) मध्यकाल
- (B) आधुनिक कालक प्रगतिशील आ नव-लेखन काल
- (C) प्राचीन काल
- (D) कोनो नहि

११. ललित जीक प्रगतिशील चेतना ककर प्रति अछि?

- (A) पूँजीपतिक प्रति
- (B) शोषित, मजदूर आ किसान वर्गक प्रति
- (C) केवल राजा क प्रति
- (D) कोनो नहि

१२. ललित जीक कविता 'किसानक गान' (भाव-साम्य) ककर विजय क प्रतीक थिक?

- (A) अकालक
- (B) श्रमक आ अन्नदाताक (अन्नक विजय)
- (C) युद्धक
- (D) कोनो नहि

१३. ललित जीक 'चित्रा' क बाद 'पृथ्वीपुत्र' क स्थान की अछि?

- (A) ई दुनू एकहि अछि
- (B) मैथिली कवितामे यथार्थवादी धाराकें पुष्ट करबाक एकटा पैघ कसरत
- (C) ई छोट पोथी अछि
- (D) कोनो नहि

१४. काव्यमे 'हल-कोदाइ' (कोदाल) कें की मानल गेल अछि?

- (A) साधारण लकड़ी
- (B) सृजनक शस्त्र आ श्रम क पवित्र चिन्ह
- (C) विनाश क प्रतीक
- (D) कोनो नहि

१५. ललित जीक कवितामे 'मिथिलाक पोखरि' क की बिम्ब अछि?

- (A) गन्दगी
- (B) मिथिलाक जीवन-संस्कृति, माछ-मखान आ साड़ी विरासत क आधार
- (C) सुखाएल पोखर
- (D) कोनो नहि

१६. ललित जीक भाषाकें समीक्षक की कहैत छथि?

- (A) कठिन
- (B) मर्मस्पर्शी, ओजस्वी आ जन-संवेदना सँ ओत-प्रोत मैथिली
- (C) केवल व्याकरण
- (D) कोनो नहि

१७. काव्यमे 'गामक साँझ' के कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) चकाचौंध
- (B) अन्हार, थकान आ परिश्रमी मानवक विश्राम क सात्त्विक दृश्य
- (C) युद्ध
- (D) बाजार

१८. ललित जी 'अन्न' (अन्नदाता) के की मानैत छथि?

- (A) एकटा वस्तु
- (B) साक्षात् ब्रह्म (अन्नं वै ब्रह्म) जे जीवन दैत अछि
- (C) केवल धन
- (D) कोनो नहि

१९. ललित जीक काव्यके पढ़ि कऽ पाठकक मनमे की जागैत अछि?

- (A) डर
- (B) अपन माटि, श्रम आ किसानक प्रति अगाध आदर
- (C) क्रोध
- (D) उदासी

२०. ललित जीक वैचारिक आधार ककरा सँ प्रेरित अछि?

- (A) मार्क्सवाद आ मानवतावाद सँ
- (B) केवल शृङ्गार सँ
- (C) विदेशी दर्शन सँ
- (D) कोनो नहि

भाग २: किसान-मजदूर आ प्रवासन

२१. ललित जीक कवितामे 'प्रवासन' (पलायन) क की अर्थ अछि?

- (A) सैर क लेल
- (B) रोजी-रोटी लेल गाम छोड़ि कऽ परदेश खटब, जे मिथिलाक एकटा पैघ अभिशाप थिक
- (C) राजा बनय लेल
- (D) कोनो नहि

२२. किसानक 'ऋणक जाल' (कर्ज) कोना चित्रित अछि?

- (A) सुखद
- (B) एकटा एहन बेड़ी जहिमे किसान पीढ़ी-दर-पीढ़ी फँसि रहल अछि (शोषण)
- (C) आसानी सँ सुलझबय वला
- (D) कोनो नहि

२३. ललित जी 'कोदाइ' (कुदाल) क प्रयोग कोना करैत छथि?

- (A) मारबाक लेल
- (B) श्रमक गरिमा आ सृजनक अस्त्र रूपमे
- (C) खेलय लेल
- (D) कोनो नहि

२४. प्रवासी पति (परदेशी) क विरहमे गामक 'पत्नी' क की दशा अछि?

- (A) मौज कऽ रहल अछि
- (B) विरह, अभाव, गरीबी आ एकान्तपनक यातना सँ जलि रहल अछि
- (C) बजार जाइछ
- (D) कोनो दशा नहि

२५. ललित जीक कविता 'मजदूर' ककर गौरव गाबि रहल अछि?

- (A) राजाक
- (B) ओहि हाथक जे लोहा गला कऽ अट्टालिका बनबैत अछि
- (C) सैनिकक
- (D) कोनो नहि

२६. गाममे 'बाढ़ि' (Flood) अएला पर किसानक की परिणाम होइत अछि?

- (A) धन बढ़ैत अछि
- (B) सभ किछु जलमग्न भऽ जाइत अछि, फसल बर्बाद आ भुखमरीक स्थिति (प्राकृतिक प्रकोप)
- (C) उत्सव होइछ
- (D) कोनो परिणाम नहि

२७. ललित जी 'जमींदारी प्रथा' पर की प्रहार केलनि?

- (A) जमींदार नीक छथि
- (B) शोषण क जञ्जीर जकरा तोड़बाक चाही (वर्गीय असमानता)
- (C) सब ठाम नीक छथि
- (D) कोनो प्रहार नहि

२८. गामक 'चौपाल' क की महत्व अछि काव्यमे?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) सामाजिक चर्चा, राजनैतिक चेतना आ साझी दुख-सुख क केन्द्र
- (C) केवल सोयबाक जगह
- (D) बाजार

२९. ललित जी 'श्रम-विभाजन' (Division of labour) केँ की मानैत छथि?

- (A) ईश्वर क नियम
- (B) एकटा सामाजिक षड्यन्त्र जहिमे एकटा वर्ग मेहनत करैत अछि आ दोसर भोग करैत अछि
- (C) आधुनिकता
- (D) कोनो नहि

३०. गामक 'चूल्हा' ठंढा रहब ककर यथार्थ अछि?

- (A) गैस क कमी
- (B) अभाव, गरीबी आ अन्न क कमी (भुखमरी)
- (C) उत्सव क
- (D) कोनो यथार्थ नहि

३१. ललित जीक कविता 'किशान क दुख' कोना अभिव्यक्त होइत अछि?

- (A) रोय कऽ
- (B) बाढ़ि, सुखाड़ आ कर्ज सँ जलि कऽ ओकर विवशता आ प्रतिरोधक हुङ्कार सँ
- (C) हाँसि कऽ
- (D) कोनो नहि

३२. ललित जीक 'मजदूर' ककर प्रतीकात्मक अछि?

- (A) राजा क
- (B) आधुनिक युगक प्रमेथियस (Prometheus) केँ (जे आगि लऽ कऽ समाजक उद्धार करैत अछि)
- (C) शत्रुक
- (D) कोनो नहि

३३. यात्री आ ललित क कथा-लेखनमे 'पलायन' क की कारण अछि?

- (A) घूमय क शौक
- (B) गाममे रोजगारक अभाव आ महाजनक अत्याचार (आर्थिक विवशता)
- (C) शहरक प्रेम
- (D) कोनो नहि

३४. ललित जी 'श्रम क पवित्रता' (Dignity of labour) कें की मानैत छथि?

- (A) एकटा छोटा काज
- (B) मानव जीवनक सार्थकता आ ईश्वर प्राप्ति क मार्ग (श्रम हे पूजा थिक)
- (C) केवल धन कमाबय क साधन
- (D) कोनो महत्व नहि

३५. मिथिलाक 'कृषि-संस्कृति' कोना टुटि रहल अछि?

- (A) मशीन सँ
- (B) सामन्ती शोषण, कृषि-लागतक वृद्धि आ युवा क पलायन सँ
- (C) सब ठाम नीक अछि
- (D) कोनो संकट नहि अछि

३६. गामक 'टूटा घर' (झोपड़ी) कें ललित जी कोना देखैत छथि?

- (A) एकटा खण्डहर
- (B) गरीबक पसीना सँ सिञ्चल आ संघर्षक साक्षी एकटा पवित्र स्थान
- (C) बिकाऊ जमीन
- (D) कोनो नहि

३७. ललित जीक 'जनवादी' चेतना ककर प्रति समर्पित अछि?

- (A) पूँजीपति
- (B) मैथिली माटि, किसान, मजदूर आ ओही वर्गक प्रति जे उपेक्षित अछि
- (C) राजा
- (D) कोनो नहि

३८. ललित जीक 'किसान' कोना लडैत अछि?

- (A) शत्रु सँ
- (B) प्रकृति आ शोषक (जमींदार) कें चुनौती दऽ कऽ (वैचारिक प्रतिरोध)
- (C) भागि कऽ
- (D) झुकि कऽ

३९. समकालीन मैथिली कथामे 'पलायन' क की प्रभाव पड़ल अछि?

- (A) समाज सुधार
- (B) गामक संरचना टूटि गेल आ स्त्री-बालक पर बोझ बढ़ि गेल
- (C) केवल पैसाक वृद्धि
- (D) कोनो प्रभाव नहि

४०. ई १४० प्रश्नक 'पृथ्वीपुत्र (ललित)' क्विज ककर प्रस्तुति थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ३: काव्य-शिल्प, बिम्ब आ प्रतीक

४१. ललित जीक काव्यमे 'बिम्ब' (Image) क चयन कतय सँ भेल अछि?
- (A) स्वर्गक लोक सँ
 - (B) गामक माटि, पाँक, खुरपी, हल, कोदाइ आ संघर्षरत मानवक दैनिक जीवन सँ
 - (C) विदेशी साहित्य सँ
 - (D) कोनो नहि
४२. ललित जी 'प्रतीक' (Symbol) क प्रयोग कोना करैत छथि?
- (A) कोनो प्रतीक नहि
 - (B) सामान्य वस्तु (जैसे पाँक, कोदाइ) केँ पैघ सामाजिक अर्थ दऽ कऽ
 - (C) संस्कृत श्लोक सँ
 - (D) अंग्रेजी जकाँ
४३. काव्यमे 'कर्कश वर्णसभ' क प्रयोग किएक कएल गेल अछि?
- (A) कवि क व्याकरणक कमी
 - (B) शोषक-व्यवस्थाक कठोरता आ कुरूपताकेँ प्रगट करय लेल (ओज गुण)
 - (C) मधुरता लेल
 - (D) कोनो नहि
४४. ललित जीक 'मुक्त छन्द' (Free verse) क काव्य-शिल्प की दशावैत अछि?
- (A) कविता बन्द कएल
 - (B) कविताकेँ बन्धन सँ मुक्त कऽ जनभाषाक लय सँ जोड़बाक सामर्थ्य
 - (C) केवल गद्य
 - (D) कोनो शिल्प नहि
४५. काव्यमे प्रयुक्त 'ध्वनि-सौन्दर्य' (Sound Aesthetics) कोना प्रभाव डालैत अछि?
- (A) कानकेँ डराबैत अछि
 - (B) मैथिली शब्दक आन्तरिक झंकार सँ एकटा गम्भीर ओजस्वी प्रभाव (Rhythm)
 - (C) कोनो प्रभाव नहि
 - (D) नीरस
४६. ललित जीक भाषाकेँ 'ओजस्वी' (Vigorous) किएक कहल गेल अछि?
- (A) ओ बहुत चिल्ला कऽ लिखैत छथि
 - (B) भाषाक गम्भीरता आ क्रान्तिकारिताक कारणे
 - (C) केवल संस्कृत सँ
 - (D) कोनो कारण नहि
४७. काव्यमे 'रूपक' (Metaphor) केँ कोना ढालल गेल अछि?
- (A) केवल सजावट
 - (B) एकटा पैघ दर्शनकेँ (जैसे- धरतीकेँ माए क रूपक) मैथिलीक यथार्थ सँ जोड़बाक लेल
 - (C) कोनो रूपक नहि
 - (D) विदेशी रूपक
४८. ललित जी 'शिल्प-चेतना' मे ककरा बेसी महत्व दैत छथि?
- (A) केवल तुकबन्दी केँ
 - (B) भाव, बिम्ब आ वैचारिक स्पष्टता (कथ्यकेँ प्रधानता)
 - (C) केवल भाषाकेँ
 - (D) कोनो नहि

४९. काव्यमे प्रयुक्त 'आंचलिक डिक्शन' (Regional diction) क की अर्थ थिक?

- (A) गामक शब्द
- (B) गामक लोक-मेधा, कहावत आ मुहावराके कविताके मारक बनाबय लेल प्रयोग
- (C) केवल गाँव क नाम
- (D) कोनो नहि

५०. ललित जीक 'गद्यात्मक कविता' (Prose poetry) क क्या विशेषता थिक?

- (A) ई नीरस अछि
- (B) ई तार्किकता, विचार आ गम्भीरताके कविताक लय मे अनैत अछि
- (C) ई कठिन अछि
- (D) कोनो नहि

५१. काव्यमे 'व्यंग्यक चोट' ककर सँ पैघ होइत अछि?

- (A) बाण सँ
- (B) सीधा प्रहार सँ जे समाजक पाखण्डके उघाड़ैत अछि
- (C) पूँजी सँ
- (D) कोनो नहि

५२. काव्यक 'नाटकीयता' (Dramatic technique) कोना विकसित अछि?

- (A) नाटकीय घटना सँ
- (B) पात्रक आपसक संवाद आ द्वन्द्व क माध्यम सँ
- (C) कोनो नाटक नहि
- (D) कोनो नहि

५३. ललित जीक कवितामे 'कोमल बिम्ब' आ 'कठोर यथार्थ' क सन्तुलन कोना होइत अछि?

- (A) दुनू विरोधी अछि
- (B) कोमल प्रकृतिक (जैसे कोइली) सँ कठोर यथार्थ (जैसे भुखमरी) के जोड़ि कऽ
- (C) कोनो सन्तुलन नहि
- (D) कोनो नहि

५४. काव्यमे प्रयुक्त 'आन्तरिक लय' (Internal Rhythm) क की महत्व अछि?

- (A) कविताके गाबय मे सुविधा दैत अछि
- (B) पाठकके सम्मोहित कऽ कऽ ओकरा वैचारिक ऊँचाई धरि पहुँचाएब
- (C) कठिन करैछ
- (D) कोनो महत्व नहि

५५. ललित जी 'अलंकार' के ककर दास नहि मानैत छथि?

- (A) भाषा क
- (B) मात्रिक छन्दक नियमक (ओकरा बन्धन नहि, साधन मानैत छथि)
- (C) कथा क
- (D) कोनो नहि

५६. काव्यमे 'आंचलिकता' (Regionality) के कोना परिभाषित कएल गेल अछि?

- (A) गामक सीमा
- (B) मिथिलाक माटि सँ जुड़ल संघर्षशील मानवक चेतना आ संस्कृति
- (C) कोनो परिभाषा नहि
- (D) केवल गाम

५७. ललित जीक 'काव्य-भाषा' मैथिली साहित्यकें की प्रदान कएलक?

- (A) कठिनता
- (B) आधुनिकतावादी यथार्थवाद, वैचारिक प्रखरता आ जनभाषाक मानकीकरण
- (C) विदेशीपन
- (D) कोनो दान नहि

५८. काव्यमे 'प्रतीक' (Symbol) क प्रयोग कोना भेल अछि?

- (A) केवल सजावट
- (B) मिथिलाक गाम-घराक वस्तुसभकें पैघ दार्शनिक/समाजिक सत्यक रूपक बनेब
- (C) केवल दिखावा
- (D) कोनो नहि

५९. काव्य-शिल्पक दृष्टि सँ 'पृथ्वीपुत्र' कें की कहल गेल अछि?

- (A) पुरान महाकाव्य
- (B) आधुनिक मैथिलीक एकटा प्रगतिशील, जनवादी आ शिल्पगत रूपसँ सशक्त प्रबन्ध-काव्य
- (C) नाटक
- (D) कोनो नहि

६०. ई १४० प्रश्नक 'पृथ्वीपुत्र (ललित)' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ४: आंचलिक यथार्थ आ गामक अर्थ-व्यवस्था

६१. ललित जीक 'पृथ्वीपुत्र' मे गामक अर्थ-व्यवस्था ककर हाथमे देखल गेल अछि?

- (A) किसानक
- (B) महाजन, सामन्त आ भ्रष्ट बिचौलियाक (शोषणक जाल)
- (C) मजदूरक
- (D) कोनो नहि

६२. काव्यमे 'कृषि' कें की मानल गेल अछि?

- (A) एकटा व्यापार
- (B) एकटा साधना, जीवन-आधार आ माटि-पुत्रक तपस्या
- (C) दुःख
- (D) कोनो नहि

६३. समकालीन कविता 'महंगाई' (Inflation) कें कोना देखैत अछि?

- (A) विकासक चिह्न
- (B) गरीबक थाली सँ अन्न छीनि लेबाक एकटा पैघ सामाजिक अपराध
- (C) कोनो प्रभाव नहि
- (D) सुखद

६४. ललित जीक 'पृथ्वीपुत्र' मे गामक 'बजार' (हाट) क स्वरूप केहन अछि?

- (A) बहुत पैघ
- (B) गरीबकें लूट्य वला आ व्यापारीक स्वार्थ सिद्ध करबाक माध्यम
- (C) उत्सव
- (D) कोनो नहि

६५. गाममे 'भ्रष्ट वितरण प्रणाली' (PDS) पर की प्रहार अछि?

- (A) सब नीक अछि
- (B) गरीबक राशन बिचौलिया आ भ्रष्ट लोकसभक झोलीमे चलि जाइत अछि
- (C) ई बहुत नीक अछि
- (D) कोनो प्रहार नहि

६६. ललित जीक काव्यमे 'श्रमजीवी वर्ग' क की स्थिति अछि?

- (A) ओ धनीक छथि
- (B) ओ संसारक निर्माता छथि मुदा सबसँ बेसी अभाव आ उपेक्षाक शिकार छथि
- (C) ओ राजा छथि
- (D) कोनो स्थिति नहि

६७. समकालीन कवितामे 'प्रवासन' क अर्थ आर्थिक विकास अछि?

- (A) हाँ, पलायन नीक अछि
- (B) नहि, ई गरीबी आ भुखमरीक कारणे विवश भऽ कऽ होमय वला गामक पतन थिक
- (C) नहि बुझल
- (D) कोनो नहि

६८. ललित जी 'जमीन' केँ ककरो निजी सम्पत्ति मानैत छथि?

- (A) हाँ, राजाक
- (B) नहि, जमीन साक्षात् प्रकृति क अछि जकर वास्तविक मालिक ओ अछि जे ओहि पर श्रम करैत अछि
- (C) नहि
- (D) कोनो नहि

६९. काव्यमे 'मखान' (Foxnut) क खेती कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) कोनो खेती नहि
- (B) अत्यन्त कठिन जल-साधना, ओहिमे लागय वला मेहनत आ पसीना क प्रकटीकरण
- (C) मशीन सँ
- (D) कोनो नहि

७०. गाममे 'ऋण' (Debt) क जाल ककर प्रतीक अछि?

- (A) अमीरी क
- (B) आर्थिक गुलामी, शोषण आ किसानक आत्मविश्वासकेँ तोड़बाक माध्यम
- (C) विकास क
- (D) कोनो प्रतीक नहि

७१. ललित जीक कविता 'साहुकार' (Money lender) केँ कोना देखैत अछि?

- (A) मित्र क रूपमे
- (B) गरीबक दुखक समय लाभ उठा कऽ हुनकर जमीन हड़पय वला शोषक क रूपमे
- (C) साधुक रूपमे
- (D) कोनो नहि

७२. गामक 'अर्थ-व्यवस्था' मे स्त्री क योगदान की अछि?

- (A) ओ किछु नहि करैत छथि
- (B) घरक सभ काज सँ लऽ कऽ कृषि-श्रम धरि स्त्रीक अदृश्य आ पैघ योगदान
- (C) केवल खाना बनेब
- (D) कोनो योगदान नहि

७३. ललित जी 'बाढ़ राहत' (Flood relief) कें की मानैत छथि?

- (A) ईश्वर क देन
- (B) भ्रष्ट नेताकें कमाई करबाक आ गरीबकें ठकबाक साधन (राहत घोटाला)
- (C) विकासक साधन
- (D) कोनो नहि

७४. गामक 'शिक्षण संस्था' (Schools) क अवस्था की अछि काव्यनुसार?

- (A) सब नीक अछि
- (B) भवन खसि रहल अछि, शिक्षक नहि अबैत छथि आ शिक्षा केवल काजहीन डिग्रीक कारखाना अछि
- (C) ओ बहुत नीक अछि
- (D) कोनो विद्यालय नहि अछि

७५. ललित जी 'गरीबी' कें की मानैत छथि?

- (A) भाग्यक खेल
- (B) व्यवस्थाक विषमता आ पूँजीक जमाखोरीक परिणाम (मानव-निर्मित संकट)
- (C) ईश्वरक कृपा
- (D) कोनो नहि

७६. समकालीन कवितामे 'खेतिहर मजदूर' क स्थिति कोना देखाएल गेल अछि?

- (A) धनीक
- (B) निरन्तर श्रम, उपेक्षा, गरीबी आ अनिश्चित भविष्यक बीच जीबैत
- (C) राजा जकाँ
- (D) कोनो स्थिति नहि

७७. गामक 'हस्तशिल्प' (Handicraft) कें की होइत अछि?

- (A) मशीन सँ नष्ट कएल गेल
- (B) बाजारक मार सँ ओकर पारंपरिक मूल्य समाप्त भऽ रहल अछि, संरक्षणक आभाव अछि
- (C) ई बहुत नीक अछि
- (D) कोनो शिल्पकला नहि

७८. ललित जीक 'पृथ्वीपुत्र' ककर पक्ष लेल लड़ैत अछि?

- (A) जमींदारक
- (B) श्रमजीवी, गरीब किसान आ वंचित समाजक हकक लेल
- (C) व्यापारीक
- (D) कोनो नहि

७९. गामक 'विकास' क नाम पर की भऽ रहल अछि?

- (A) गाम चामकि रहल अछि
- (B) गाम क सादगी आ प्राकृतिक सम्पदाकें नष्ट कऽ कंक्रीट क जंगल (बिल्डर्स) बनाएल जाइत अछि
- (C) सब नीक अछि
- (D) कोनो विकास नहि

८०. ई १४० प्रश्नक 'पृथ्वीपुत्र (ललित)' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ५: नारी-चेतना आ स्त्रीक अस्मिता

८१. ललित जीक काव्यमे 'नारी' ककर प्रतीक अछि?

- (A) दुर्बलता क
- (B) सहनशीलता, संघर्ष, त्याग आ प्रखर अस्मिता क (सशक्त स्वरूप)
- (C) केवल हास्यक
- (D) कोनो नहि

८२. कथासभमे 'स्त्री-शोषण' (Women exploitation) क केहन स्वरूप अछि?

- (A) समाज सुधार
- (B) घर आ समाज दुनू स्तर पर पुरुष-सत्ताक अत्याचार आ उपेक्षा
- (C) विकास
- (D) कोनो नहि

८३. ललित जीक नायिका 'सशक्त' (Empowered) कोना भऽ जाइत अछि?

- (A) धन सँ
- (B) शिक्षा आ अपन अधिकारक प्रति जागरूकताक (आत्म-बोध) माध्यम सँ
- (C) केवल श्रृंगार सँ
- (D) कोनो नहि

८४. स्त्रीक 'शिक्षा' क महत्व काव्यमे की अछि?

- (A) महत्त्व नहि अछि
- (B) शिक्षा हे समाजक अन्धकार मिटा कऽ स्त्रीकें आत्म-निर्भर बनैत अछि
- (C) केवल पति खूश होइत अछि
- (D) कोनो नहि

८५. कथासभमे 'पत्नीक विरह' ककर प्रतीक थिक?

- (A) सुख क
- (B) पति क विदेश गमन सँ उत्पन्न आर्थिक आ मानसिक अभावक (यथार्थ)
- (C) सैर क
- (D) कोनो नहि

८६. स्त्रीक 'अस्मिता' (Identity) कें ललित जी कोना देखैत छथि?

- (A) पुरुष क परजीवी
- (B) एकटा स्वतन्त्र, चिन्तनशील आ अपन निर्णय लेबाक अधिकार वली मानव
- (C) दासी
- (D) कोनो नहि

८७. कथासभमे 'दहेज' (तिलक) सँ स्त्रीक की हानि होइत अछि?

- (A) दहेज नीक अछि
- (B) स्त्रीक अपमान, ओकर जीवन क बर्बादी आ परिवारक मानसिक/आर्थिक पतन
- (C) दहेज सँ सुख होइत अछि
- (D) कोनो नहि

८८. ललित जी 'विधवा-विवाह' कें की मानैत छथि?

- (A) अपराध
- (B) एकटा आवश्यक सामाजिक सुधार आ स्त्रीक जीवन-अधिकारक पुनर्स्थापना (समर्थन)
- (C) पाप
- (D) कोनो नहि

८९. काव्यमे 'कन्याक बिक्रय' (Bride sale) पर की व्यंग्य अछि?

- (A) ई व्यापार नीक अछि
- (B) मानवीय गरिमा क घोर उल्लंघन आ स्त्रीक बजारू वस्तु जकाँ खरीद-बिक्री क विरोध
- (C) ई व्यापार अछि
- (D) कोनो व्यंग्य नहि

९०. ललित जीक 'मातृ-चेतना' (Motherhood) कोना चित्रित अछि?

- (A) केवल पालन-पोषण
- (B) सन्तान केँ मनुष्य बनेबाक आ समाजकेँ दिशा देबाक सर्वोच्च साधना (Mother as teacher)
- (C) केवल सेवा
- (D) कोनो नहि

९१. कथासभमे 'सास-ननद' क सम्बन्धकेँ की मानल गेल अछि?

- (A) परम मित्र
- (B) सामाजिक रूढ़ि कारणे होमय वली आपसी कलह आ स्त्रीकेँ स्त्री सँ लड़ाबय वली व्यवस्था
- (C) कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) स्वर्गक सम्बन्ध

९२. ललित जी 'घूंघट' (Veil) केँ ककर प्रतीक मानैत छथि?

- (A) सम्मान क
- (B) स्त्रीक प्रतिभा आ ओकर व्यक्तित्वकेँ बान्हय वला सामाजिक जञ्जीरक
- (C) श्रृंगारक
- (D) कोनो प्रतीक नहि

९३. काव्यमे 'स्त्री-संघर्ष' (Women's struggle) ककर विरुद्ध अछि?

- (A) पुरुष क विरुद्ध
- (B) समाजक रूढ़ि, पाखण्ड आ ओही मानसिकता क विरुद्ध जे स्त्रीकेँ दासी मानैत अछि
- (C) कोनो विरुद्ध नहि
- (D) केवल घर क विरुद्ध

९४. ललित जी 'स्त्री-शिक्षा' केँ की मानैत छथि?

- (A) समाजक विकासक प्रथम सोपान (साक्षरता ही उन्नति थिक)
- (B) केवल खाना बनाबय लेल
- (C) व्यापार लेल
- (D) कोनो महत्व नहि

९५. कथासभमे 'स्त्री-पात्र' अपन निर्णय कोना लेलनि?

- (A) पुरुष सँ पूछि कऽ
- (B) स्वतंत्रता, साहस आ विवेक क सङ्ग, रूढ़िकेँ चुनौती दऽ कऽ (सशक्तिकरण)
- (C) सभक डर सँ
- (D) रोइत-धोइत

९६. मैथिली साहित्यमे 'स्त्री-विमर्श' केँ ललित जी की दिशा देलनि?

- (A) भ्रमक दिशा
- (B) यथार्थवादी, सामाजिक आ आत्म-सम्मान क (Empowerment)
- (C) केवल भावना क
- (D) कोनो दिशा नहि

९७. स्त्री-कथासभक 'अन्तिम सन्देश' की अछि?

- (A) मरि जाउ
- (B) सबला बनू, शिक्षित होउ आ अपन अस्मिता केँ स्वयं पहचानू (Self-realization)
- (C) केवल घर रहू
- (D) कोनो सन्देश नहि

९८. ललित जीक 'स्त्री-पात्र' क संघर्ष ककर प्रति समर्पित अछि?

- (A) जमींदारक प्रति
- (B) मानवता, सामाजिक समानता आ न्यायपूर्ण समाजक निर्माणक प्रति
- (C) केवल स्वयं क प्रति
- (D) कोनो नहि

९९. मैथिली अकादमी क संकलनमे स्त्री-चेतनाक कथासभक की मूल्य अछि?

- (A) कोनो मूल्य नहि
- (B) ई मैथिली समाजकेँ स्त्रीक प्रति संवेदनशील आ न्यायपूर्ण बनबाक शिक्षा दैत अछि
- (C) केवल मनोरंजन
- (D) किछु नहि अछि

१००. ई १४० प्रश्नक 'स्त्री-चेतना' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ६: काव्य-शिल्प, व्यंग्य आ आंचलिक बिम्ब

१०१. ललित जीक 'काव्य-भाषा' (Poetic language) मैथिलीकेँ की प्रदान केलनि?

- (A) कठिनता
- (B) आधुनिकतावादी यथार्थवाद, प्रखरता आ जनभाषाक मानकीकरण
- (C) विदेशीपन
- (D) कोनो प्रभाव नहि

१०२. ललित जीक व्यंग्य-शिल्प (Satyric technique) ककर पोल खोलैत अछि?

- (A) साधु-सन्त क
- (B) भ्रष्ट स्वदेशी नेता, शोषक तंत्र, आ पाखण्डकेँ उघाड़ि कऽ समाजकेँ झकझोरैत अछि
- (C) पशु क
- (D) कोनो पोल नहि खोलैत

१०३. काव्यमे 'बिम्ब-विधान' (Imagery) क की स्वरूप अछि?

- (A) काल्पनिक
- (B) खेत, खरिहान, झोपड़ी, रेलवे स्टेशन आ गामक गली सँ (यथार्थवादी बिम्ब)
- (C) स्वर्ग क चित्र
- (D) दरबारी बिम्ब

१०४. ललित जीक 'मुक्त छन्द' (Free verse) क काव्य-शिल्प की दर्शावैत अछि?

- (A) कविता बन्द कएल
- (B) कविताकेँ बन्धन सँ मुक्त कऽ जनभाषाक लय सँ जोड़बाक सामर्थ्य
- (C) केवल गद्य
- (D) कोनो शिल्प नहि

१०५. काव्यमे 'ध्वनि-सौन्दर्य' (Sound Aesthetics) कोना प्रभाव डालैत अछि?

- (A) कानकें डराबैत अछि
- (B) मैथिली शब्दक आन्तरिक झंकार सँ एकटा गम्भीर ओजस्वी प्रभाव (Rhythm)
- (C) कोनो प्रभाव नहि
- (D) नीरस

१०६. काव्यमे प्रयुक्त 'व्यञ्जना शक्ति' (Power of suggestion) क की महत्व अछि?

- (A) सीधा अर्थ देब
- (B) शब्दक आन्तरिक, गम्भीर आ दार्शनिक अर्थ व्यंग्य/संकेत सँ प्रगट करब (ध्वनि-काव्य)
- (C) व्याकरणक भूल
- (D) कोनो महत्व नहि

१०७. कवीसभ 'अमूर्त' भावकें ककरा प्राथमिकता दैत छथि?

- (A) काल्पनिक लोककें
- (B) मूर्त, दृश्य आ समाजक नग्न यथार्थकें (Concrete Reality)
- (C) केवल मन्त्रकें
- (D) किछु नहि

१०८. ललित जीक 'आंचलिक डिक्शन' (Regional diction) क की अर्थ थिक?

- (A) भाषा कठिन करब
- (B) गामक लोक-बोलीकें साहित्यक ऊँचाई आ प्रतिष्ठा प्रदान करब
- (C) भाषा नष्ट करब
- (D) अंग्रेजीकरण

१०९. काव्यमे 'आन्तरिक लय' (Internal Rhythm) क की महत्व अछि?

- (A) कोनो महत्व नहि
- (B) पाठककें सम्मोहित कऽ कऽ ओकरा वैचारिक ऊँचाई धरि पहुँचाएब
- (C) कठिन करैछ
- (D) केवल मनोरंजन

११०. साहित्य अकादमी क संकलनमे 'काव्य-शिल्प' की प्रमाणित करैत अछि?

- (A) मैथिलीक कमजोरी
- (B) मुक्त छन्द आ गद्यात्मक कवितामे मैथिली भाषाक उच्च स्तरीय तार्किक आ काव्यात्मक सामर्थ्य
- (C) केवल गजल
- (D) कोनो प्रमाण नहि

१११. काव्यमे 'वक्रोक्ति' (Indirect speech) क की उपयोग अछि?

- (A) झूठ बोलनाय
- (B) सीधा बात नहि कहि कऽ घुमा कऽ मारक व्यंग्य करब जाहि सँ चोट गहीर लगय
- (C) काव्य नष्ट करब
- (D) कोनो उपयोग नहि

११२. काव्य-शिल्पमे 'बिम्ब' (Image) क की महत्व होइत अछि?

- (A) केवल सजावट
- (B) पाठकक आँखि क सोझाँ यथार्थ क जीवन्त दृश्य उपस्थित करब
- (C) शब्द संख्या बढ़ाबय लेल
- (D) कोनो महत्व नहि

११३. ललित जी 'अलंकार' के ककर दास नहि मानैत छथि?

- (A) भाषा क
- (B) मात्रिक छन्दक नियमक (ओकरा बन्धन नहि, साधन मानैत छथि)
- (C) कथा क
- (D) कोनो नहि

११४. समकालीन कवितामे 'दृश्य-बिम्ब' (Visual imagery) कोना प्रभाव डालैत अछि?

- (A) डराबैत अछि
- (B) मैथिलीक गामक खुरदरा यथार्थ, पाँक, खलिहान आ संघर्ष के साक्षात् चित्र जकाँ देखाय कऽ
- (C) केवल सजावट
- (D) कोनो प्रभाव नहि

११५. ललित जीक 'मुक्त छन्द' कविताक 'सम्प्रेषणीयता' (Communicability) केहन अछि?

- (A) अत्यन्त कठिन
- (B) अत्यन्त सहज, सीधा पाठकक हृदय धरि पहुँचय वली
- (C) नीरस
- (D) असम्भव

११६. काव्यमे प्रयुक्त 'ध्वनि-साम्य' (Sound harmony) क की महत्व अछि?

- (A) ई कानकेँ नीक लागैछ आ रस पुष्ट करैछ
- (B) ई कठिन होइछ
- (C) ई अर्थ बदलैछ
- (D) कोनो महत्व नहि

११७. ललित जीक 'चित्रा' क कवितासभक आवरण डिजाइनमे ककर मोटिफ सर्वश्रेष्ठ रहत?

- (A) सोनाक महल
- (B) खेतमे हल जोतैत किसान, झोपड़ीक बाहर जरैत डीहक दीप
- (C) केवल फूल
- (D) विदेशी चित्र

११८. काव्यमे 'प्रतीक' क प्रयोग कोना भेल अछि?

- (A) कोनो प्रतीक नहि
- (B) सामान्य वस्तु (जैसे पाँक, कोदाइ) केँ पैघ सामाजिक सत्य क रूपक बनेब
- (C) केवल दिखावा
- (D) कोनो नहि

११९. ललित जीक 'काव्य-शैली' कोना विकसित अछि?

- (A) अचानक
- (B) दीर्घकालीन लोक-संवेदना, गामक यथार्थ आ गम्भीर वैचारिक विमर्श क मेल सँ
- (C) विदेशी प्रभाव सँ
- (D) कोनो विकास नहि

१२०. ई १४० प्रश्नक 'काव्य-शिल्प, बिम्ब आ व्यंग्य' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

भाग ७: अकादमिक समीक्षा, माहात्म्य आ समकालीन शोध-रुझान

१२१. समकालीन शोधक अनुसार 'पृथ्वीपुत्र' क मैथिली कवितामे की स्थान अछि?

- (A) ई एकटा साधारण पोथी अछि
- (B) ई मैथिलीक प्रगतिशील आ जनवादी कविताक प्रस्थान-ग्रन्थ (मूलाधार) मानल जाइत अछि
- (C) ई व्याकरणक पोथी अछि
- (D) ई केवल अनुवाद अछि

१२२. ललित जीक काव्य पर भऽ रहल समकालीन शोधक मुख्य विषय की होइत अछि?

- (A) किताबक छपाई
- (B) एकर जनवादी चेतना, आंचलिकता, बिम्ब आ छन्द-मुक्त शिल्प क दार्शनिक विश्लेषण
- (C) केवल कविक जीवनी
- (D) कोनो शोध नहि भऽ रहल अछि

१२३. विदेह आर्काइवमे ललित जीक रचनासभक 'डिजिटलाइजेशन' (Digitalization) क की फायदा भेल?

- (A) किताब नष्ट भऽ गेल
- (B) वैश्विक शोधार्थीसभ लेल ललित जीक दुर्लभ मैथिली कविता इन्टरनेट पर यूनिकोडमे निःशुल्क उपलब्ध भेल
- (C) किताब महग भेल
- (D) कोनो फायदा नहि

१२४. ललित जीक कवितामे 'सबाल्टर्न विमर्श' (Subaltern Discourse) कोना देखाइत अछि?

- (A) राजाक कथा सँ
- (B) मजदूर, दलित, वंचित आ हाशिया पर राखल गेल वर्गक नायक बनेबाक प्रवृत्तिक कारण
- (C) विदेशी दर्शन सँ
- (D) केवल प्रकृतिक वर्णन सँ

१२५. ललित जीक 'व्यंग्य-शिल्प' (Satyric technique) क समकालीन शोधमे की महत्व अछि?

- (A) ओ नीरस अछि
- (B) ओ व्यवस्थाक भ्रष्टाचार आ सामाजिक रूढ़ि पर सीधा आ अचूक प्रहार करबाक एकटा मानक थिक
- (C) ओ केवल हास्य अछि
- (D) कोनो महत्व नहि

१२६. ललित जीक 'पृथ्वीपुत्र' क दार्शनिक निष्कर्ष की थिक?

- (A) संसार निरर्थक अछि
- (B) श्रम क पवित्रता, मानवीय गरिमा आ न्यायपूर्ण समाजक निर्माणक प्रति प्रतिबद्धता
- (C) युद्ध अनिवार्य अछि
- (D) केवल धन कमाउ

१२७. समकालीन कवितामे 'छन्द-मुक्ति' (Free verse) कें की स्थान भेटल अछि?

- (A) ओकरा बन्द कएल गेल
- (B) ई समकालीन अभिव्यक्तिक मुख्य आ सशक्त माध्यम बनि गेल अछि
- (C) केवल मंच पर प्रयोग होइछ
- (D) कोनो स्थान नहि

१२८. ललित जीक 'कवि' उपाधिक की सार्थकता थिक?

- (A) ओ राजाक दरबारमे छलाह
- (B) हुनकर कविता गामक अन्तिम पाँतिक मानुष क दुःख-सुख आ हुङ्कारक साक्षात् आवाज थिक
- (C) ओ केवल शहरमे रहैत छलाह
- (D) कोनो सार्थकता नहि

१२९. ललित जीक 'मक्खू' जकाँ पात्रक सिर्जन की सिद्ध करैत अछि?

- (A) साधारण लोक साहित्यक असली नायक थिक
- (B) मजदूर कमजोर होइछ
- (C) जमींदार महान होइछ
- (D) किछु नहि

१३०. ललित जीक काव्य-भाषाकें समीक्षक की कहैत छथि?

- (A) कठिन
- (B) मर्मस्पर्शी, ओजस्वी आ जन-संवेदना सँ ओत-प्रोत मैथिली
- (C) केवल व्याकरण
- (D) कोनो नहि

१३१. ललित जीक 'मार्क्सवादी चिन्तन' ककर प्रति समर्पित अछि?

- (A) पूँजीपति
- (B) मिथिलाक माटि, किसान, मजदूर आ ओही वर्गक प्रति जे उपेक्षित अछि
- (C) राजा
- (D) कोनो नहि

१३२. ललित जीक 'आंचलिकता' (Regionalism) कें समकालीन शोधमे की कहल जाइत अछि?

- (A) क्षेत्रीयता
- (B) मैथिलीक विशिष्ट आंचलिक चेतना, संस्कृति आ संघर्षकें वैश्विक मानदण्ड पर परिक्षण (Local to Global)
- (C) विदेशीपन
- (D) कोनो नहि

१३३. ललित जीक काव्यमे 'नारी-चेतना' (Women Empowerment) क की यथार्थ अछि?

- (A) स्त्री कमजोर छथि
- (B) स्त्री संघर्षशील, विवेकपूर्ण आ अपन अधिकार लेल ठसक वली अस्मिता अछि
- (C) स्त्री दासी छथि
- (D) कोनो यथार्थ नहि

१३४. काव्यमे 'भाषाक मानकीकरण' (Language Standardization) कोना भेल अछि?

- (A) भाषा कठिन भऽ गेल
- (B) ठेठ मैथिली, आंचलिक शब्द आ व्याकरणक प्रयोग सँ मैथिलीकें साहित्यक गम्भीर विधाक लेल तैयार कएल गेल
- (C) केवल संस्कृत सँ
- (D) कोनो मानकीकरण नहि

१३५. समकालीन कवी 'ललित जी' क मैथिली साहित्यमे ककर 'संवाहक' (Carrier) मानल जाइत अछि?

- (A) रूढ़िक
- (B) मैथिलीक आधुनिक प्रगतिशील चेतना, यथार्थवाद आ जनवादी काव्य-परम्पराक
- (C) केवल शृङ्गारक
- (D) कोनो संवाहक नहि

१३६. मैथिली अकादमी क संकलनमे ललित जीक की स्थान अछि?

- (A) कोनो स्थान नहि
- (B) मैथिली साहित्यक श्रेष्ठतम यथार्थवादी धरोहरक रूपमे सुरक्षित अछि
- (C) केवल अन्तिम पृष्ठ पर
- (D) नहि अछि

१३७. ललित जीक काव्य 'स्त्री-शोषक' व्यवस्थाक कोना उघाड़ैत अछि?

- (A) प्रेम सँ
- (B) देहेज, पर्दा आ पुरुष-सत्ताक पाखण्डकें व्यंग्य आ यथार्थवादी चित्र सँ
- (C) हास्य सँ
- (D) कोनो चित्रण नहि

१३८. ललित जीक काव्य-सृजन ककर 'साधना' थिक?

- (A) केवल साहित्यकार क
- (B) एकटा कवि क ओही साधना जहिमे ओ समाजकें अपन रगत सँ सिञ्चैत अछि (तपस्या)
- (C) राजाक
- (D) कोनो साधना नहि

१३९. आधुनिक मैथिली कविताकें 'जनवादी' बनेबामे ललित जीक भूमिका की थिक?

- (A) कोनो भूमिका नहि
- (B) कविताकें राजमहल सँ निकालि कऽ सीधा खेत-खरिहानक यथार्थ सँ जोड़बाक अग्रणी भूमिका
- (C) विवाद क
- (D) केवल अनुवाद क

१४०. ई १४० प्रश्नक 'पृथ्वीपुत्र (ललित)' क्विज ककर डिजिटल ई-लर्निङ्ग हबक अंग थिक?

- (A) कोशी क
- (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक
- (C) आरंभ क
- (D) मिथिला मिहिर क

उत्तरमाला — अध्याय १२ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) ललित (वैद्यनाथ झा) — मैथिली साहित्यमे जनवादी आ यथार्थवादी चेतनाक संवाहकक रूपमे ललित जी प्रसिद्ध छथि।
२. (B) काव्य-संग्रह (प्रगतिशील) — ई प्रगतिशील चेतना सँ ओत-प्रोत कविता-संग्रह अछि।
३. (C) लोहना (दरभंगा) — ललित जीक पैतृक ग्राम दरभंगा जिलाक लोहना अछि।
४. (B) मिट्टी सँ जुड़ल मानुष वा मजदूरकें पृथ्वीक सन्तानक रूपमे गौरव देब — जे माटि सँ अन्न उपजैत अछि, ओ साक्षात् पृथ्वीक पुत्र थिक।
५. (A) वीर आ करुण रसक सामञ्जस्य — अन्यायक विरुद्ध ओजस्वी वीर रस आ पीड़ित वर्गक प्रति करुण रसक संगम देखाइत अछि।
६. (B) ठेठ गँवई मैथिलीक प्रहारक शैली — हिनक भाषा माटिक बोली सँ जुड़ल अछि, जाहिमे वैचारिक स्पष्टता अछि।
७. (B) जन-कविक (People's Poet) — ओ सदैव आम जनमानसक दुःख-सुख कें अपन कविताक आधार बनेलनि।
८. (B) माटिक वन्दना आ किसानक जीवनक महिमा सँ — काव्यक प्रारम्भ माटिक वन्दना आ ओकरा माँ मानबाक भाव सँ होइत अछि।
९. (B) श्रम आ संघर्षक गवाह (खेत-पाथरक सजीव रूप) — प्रकृति ओकरा लेल केवल दृश्य नहि, बल्कि जीवन-जीविका क आधार थिक।
१०. (B) आधुनिक कालक प्रगतिशील आ नव-लेखन काल — ओ आधुनिक मैथिली साहित्यक नव-निर्माणक मुख्य हस्ताक्षर छथि।
११. (B) शोषित, मजदूर आ किसान वर्गक प्रति — हिनक सम्पूर्ण काव्य-लेखनी शोषित मानवक न्याय लेल अछि।
१२. (B) श्रमक आ अन्नदाताक (अन्नक विजय) — जखन किसानक पसीना सँ खेत भरैत अछि, ओही विजयक ओ गुणगान करैत छथि।
१३. (B) मैथिली कवितामे यथार्थवादी धाराकें पुष्ट करबाक एकटा पैघ कसरत — पृथ्वीपुत्र प्रगतिशील काव्यक यात्राकें आरो गम्भीर आ प्रखर बनेलक अछि।
१४. (B) सृजनक शस्त्र आ श्रम क पवित्र चिन्ह — हल-कोदाइ साक्षात् धरतीकें फाड़ि कऽ भाग्य बनाबय वला अस्त्र थिक।
१५. (B) मिथिलाक जीवन-संस्कृति, माछ-मखान आ साड़ी विरासत क आधार — मिथिलाक पोखर लोकक प्यास बुझाएबाक सङ्ग-सङ्ग साड़ी समृद्धिक प्रतीक थिक।
१६. (B) मर्मस्पर्शी, ओजस्वी आ जन-संवेदना सँ ओत-प्रोत मैथिली — हिनक भाषा सीधे पाठकक हृदय सँ जुड़ि जाइत अछि।

१७. (B) अन्हार, थकान आ परिश्रमी मानवक विश्राम क सात्त्विक दृश्य — साँझ दिन भरि कऽ काजक बादक थकान आ माटिसँ जुड़बाक समय थिक।
१८. (B) साक्षात् ब्रह्म (अन्नं वै ब्रह्म) जे जीवन दैत अछि — अन्नक अपमान करब साक्षात् ईश्वरक अपमान मानैत छथि।
१९. (B) अपन माटि, श्रम आ किसानक प्रति अगाध आदर — ई कवितासभ पाठककें माटिसँ पुनः जोड़बाक काज करैत अछि।
२०. (A) मार्क्सवाद आ मानवतावाद सँ — ललित जीक प्रगतिशील चेतना समाजकें समानताक दृष्टि सँ देखैत अछि।
२१. (B) रोजी-रोटी लेल गाम छोड़ि कऽ परदेश खटब, जे मिथिलाक एकटा पैघ अभिशाप थिक — प्रवासन सँ गामक आर्थिक कुरूपता आ सामाजिक विग्रह दुनू बढ़ल अछि।
२२. (B) एकटा एहन बेड़ी जहिमे किसान पीढ़ी-दर-पीढ़ी फँसि रहल अछि (शोषण) — साहुकारक कर्जकिसानकें भूमिहीन (Landless) बनेबाक पैघ अस्त्र थिक।
२३. (B) श्रमक गरिमा आ सृजनक अस्त्र रूपमे — कोदाइ मजदूरक हाथकें ऊँचा करैत अछि आ ओकरा सृजनकार बनेलनि।
२४. (B) विरह, अभाव, गरीबी आ एकान्तपनक यातना सँ जलि रहल अछि — पति क अनुपस्थितिमे स्त्रीक जीवन केवल इन्तजार बनि कऽ रहि गेल अछि।
२५. (B) ओहि हाथक जे लोहा गला कऽ अट्टालिका बनबैत अछि — संसारक निर्माणक असली आधार हे मजदूर अछि, ई कविक घोषणा थिक।
२६. (B) सभ किछु जलमग्न भऽ जाइत अछि, फसल बर्बाद आ भुखमरीक स्थिति (प्राकृतिक प्रकोप) — बाढ़ि मिथिलाक किसान लेल अभिशाप थिक जहि सँ ओ हर वर्ष सड़क पर आबि जाइत अछि।
२७. (B) शोषण क जञ्जीर जकरा तोड़बाक चाही (वर्गीय असमानता) — जमींदारक अत्याचार आ मजदूरक पसीना पर पलि रहल सामन्तवाद पर कड़ा प्रहार अछि।
२८. (B) सामाजिक चर्चा, राजनैतिक चेतना आ साझी दुख-सुख क केन्द्र — चौपाल हे मैथिल समाजक वास्तविक संसद थिक जतय सँ क्रान्ति क स्वर उठैत अछि।
२९. (B) एकटा सामाजिक षड्यन्त्र जहिमे एकटा वर्ग मेहनत करैत अछि आ दोसर भोग करैत अछि — श्रम क असमान विभाजन सामाजिक न्याय क पैघ चुनौती थिक।
३०. (B) अभाव, गरीबी आ अन्न क कमी (भुखमरी) — चूल्हाक ठंढा रहब गरीबक घरक सबसँ पैघ अभावक बिम्ब अछि।
३१. (B) बाढ़ि, सुखाड़ आ कर्ज सँ जलि कऽ ओकर विवशता आ प्रतिरोधक हुड़कार सँ — किसान केवल कानि नहि रहल अछि, ओ व्यवस्थाक विरुद्ध लड़बाक सीख सेहो लैत अछि।
३२. (B) आधुनिक युगक प्रमेथियस (Prometheus) कें (जे आगि लऽ कऽ समाजक उद्धार करैत अछि) — मजदूर आब दास नहि, ओ संसारकें दिशा देबाक सामर्थ्य रखैत अछि।
३३. (B) गाममे रोजगारक अभाव आ महाजनक अत्याचार (आर्थिक विवशता) — गाममे पेटक आगि जँ नहि बुझत तँ विवश भऽ कऽ गाम छोड़य पड़ैत अछि।
३४. (B) मानव जीवनक सार्थकता आ ईश्वर प्राप्ति क मार्ग (श्रम हे पूजा थिक) — जे हाथ पसीना बहावैत अछि, ओही हाथ संसारकें स्वर्ग बनेबाक शक्ति रखैत अछि।
३५. (B) सामन्ती शोषण, कृषि-लागतक वृद्धि आ युवा क पलायन सँ — खेती आब लाभक काज नहि रहल अछि, इहे कृषि-संकटक कारण अछि।
३६. (B) गरीबक पसीना सँ सिञ्चल आ संघर्षक साक्षी एकटा पवित्र स्थान — झोपड़ीक भीतर क कोमलता आ संघर्ष हिनक कविताकें जीवन्त बनावैत अछि।
३७. (B) मैथिली माटि, किसान, मजदूर आ ओही वर्गक प्रति जे उपेक्षित अछि — सभसँ नीच मानल गेल वर्गकें मुख्य धारा मे लाबब हिनक ध्येय अछि।
३८. (B) प्रकृति आ शोषक (जमींदार) कें चुनौती दऽ कऽ (वैचारिक प्रतिरोध) — ललितक किसान अब कायर नहि अछि, ओ अन्याय देखि कऽ खड़ग बनि जाइत अछि।
३९. (B) गामक संरचना टूटि गेल आ स्त्री-बालक पर बोझ बढ़ि गेल — गाम केवल अब बुढ़-पुरानक रहि गेल अछि, ई पलायनक पैघ अभिशाप थिक।
४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
४१. (B) गामक माटि, पाँक, खुरपी, हल, कोदाइ आ संघर्षरत मानवक दैनिक जीवन सँ — हिनक कविताक बिम्ब गामक चौपाल आ खेत-खरिहान सँ निकलैत अछि।

४२. (B) सामान्य वस्तु (जैसे पाँक, कोदाइ) के पैघ सामाजिक अर्थ दऽ कऽ — पाँक केवल गन्दगी नहि, श्रम आ सृजन क प्रतीक थिक।
४३. (B) शोषक-व्यवस्थाक कठोरता आ कुरूपताकें प्रगट करय लेल (ओज गुण) — व्यवस्थाक पाशविक क्रूरताकें व्यक्त करबाक लेल कठोर शब्दक चयन कएल गेल अछि।
४४. (B) कविताकें बन्धन सँ मुक्त कऽ जनभाषाक लय सँ जोड़बाक सामर्थ्य — ई शिल्प मैथिली कविताकें रूढ़ि सँ निकालि कऽ आधुनिक विधाकें अनुकूल बनेलक।
४५. (B) मैथिली शब्दक आन्तरिक झंकार सँ एकटा गम्भीर ओजस्वी प्रभाव (Rhythm) — हिनक कविता पढ़बा काल एकटा लय (Beat) प्रतीत होइत अछि जे पाठककें मग्न करैत अछि।
४६. (B) भाषाक गम्भीरता आ क्रान्तिकारिताक कारणे — हिनक ओजस्वी भाषा अन्याय कें स्वीकार नहि करैत, बल्कि टकराइत अछि।
४७. (B) एकटा पैघ दर्शनकें (जैसे- धरतीकें माए क रूपक) मैथिलीक यथार्थ सँ जोड़बाक लेल — प्रकृति आ नारी कें ओ रूपक रूपमे कतेको पैघ बात कहि जाइत छथि।
४८. (B) भाव, बिम्ब आ वैचारिक स्पष्टता (कथ्यकें प्रधानता) — ओ मानैत छथि जे शिल्प भावकें प्रगट करबाक माध्यम अछि, भाव सँ पैघ नहि।
४९. (B) गामक लोक-मेधा, कहावत आ मुहावराकें कविताकें मारक बनाबय लेल प्रयोग — एहि सँ कविताकें एकटा सजीव आंचलिक रंग भेटैत अछि।
५०. (B) ई तार्किकता, विचार आ गम्भीरताकें कविताक लय मे अनैत अछि — गद्यात्मकता क प्रयोग सँ वैचारिक विमर्श कें सहज कएल गेल अछि।
५१. (B) सीधा प्रहार सँ जे समाजक पाखण्डकें उघाड़ैत अछि — हिनक व्यंग्यक मारक क्षमता कतेको तलवार सँ पैघ अछि।
५२. (B) पात्रक आपसक संवाद आ द्वन्द्व क माध्यम सँ — पात्रसभक आपसी संवाद सँ गामक समस्यासभक नाटकीय चित्र उभरैत अछि।
५३. (B) कोमल प्रकृतिक (जैसे कोइली) सँ कठोर यथार्थ (जैसे भुखमरी) कें जोड़ि कऽ — सौन्दर्यक आवरणमे समाजक कुरूपताकें सोझाँ अनब एहि कलाक श्रेष्ठ रूप थिक।
५४. (B) पाठककें सम्मोहित कऽ कऽ ओकरा वैचारिक ऊँचाई धरि पहुँचाएब — लयक माध्यम सँ पाठककें कविताक गम्भीरताकें अनुभव भऽ जाइत अछि।
५५. (B) मात्रिक छन्दक नियमक (ओकरा बन्धन नहि, साधन मानैत छथि) — अलंकार कविताक शोभा अछि, मुदा ओ भावकें दबाबय नहि चाही।
५६. (B) मिथिलाक माटि सँ जुड़ल संघर्षशील मानवक चेतना आ संस्कृति — आंचलिकता केवल स्थान नहि, ओतय क मानवक अस्मिताक संघर्ष थिक।
५७. (B) आधुनिकतावादी यथार्थवाद, वैचारिक प्रखरता आ जनभाषाक मानकीकरण — हिनक लेखनी मैथिली साहित्यकें आधुनिक आ प्रगतिशील रूप देने अछि।
५८. (B) मिथिलाक गाम-घराक वस्तुसभकें पैघ दार्शनिक/सामाजिक सत्यक रूपक बनेब — कोदाइ, हल, पाँक, डीह - ई सब पैघ सामाजिक सत्यक प्रतीक थिक।
५९. (B) आधुनिक मैथिलीक एकटा प्रगतिशील, जनवादी आ शिल्पगत रूपसँ सशक्त प्रबन्ध-काव्य — शिल्प, कथ्य आ दर्शनक दृष्टि सँ ई एकटा कालजयी कृति थिक।
६०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
६१. (B) महाजन, सामन्त आ भ्रष्ट बिचौलियाक (शोषणक जाल) — गामक आर्थिक व्यवस्था सामन्ती शोषणकें हाथमे अछि, जे किसानकें सदा कर्जदार राखैत अछि।
६२. (B) एकटा साधना, जीवन-आधार आ माटि-पुत्रक तपस्या — खेती-बाड़ी मिथिलाकें केवल जीविका नहि, जीवन-दर्शन थिक।
६३. (B) गरीबक थाली सँ अन्न छीनि लेबाक एकटा पैघ सामाजिक अपराध — महंगाई गरीबकें दुई कालक भोजनसँ बञ्चित कऽ रहल अछि, तकर दर्द काव्यमे अछि।
६४. (B) गरीबकें लूटय वला आ व्यापारीक स्वार्थ सिद्ध करबाक माध्यम — हाटमे गरीब कें लूटि कऽ व्यापारी अपना जेब भरैत छथि, ई यथार्थ अछि।
६५. (B) गरीबक राशन बिचौलिया आ भ्रष्ट लोकसभक झोलीमे चलि जाइत अछि — राशन कार्डक नाम पर गरीबक शोषण कएल जाइत अछि।
६६. (B) ओ संसारक निर्माता छथि मुदा सबसँ बेसी अभाव आ उपेक्षाक शिकार छथि — मेहनत कइयो गरीबकें पेट नहि भरय दैत अछि, ई व्यवस्थाक पतन थिक।
६७. (B) नहि, ई गरीबी आ भुखमरीक कारणे विवश भऽ कऽ होमय वला गामक पतन थिक — पलायन स्वैच्छिक नहि, विवशता थिक जे मिथिलाक आत्माकें खोखला कऽ रहल अछि।

६८. (B) नहि, जमीन साक्षात् प्रकृति क अछि जकर वास्तविक मालिक ओ अछि जे ओहि पर श्रम करैत अछि — श्रमजीवीकें हे भूमिकें उपजाबय कें अधिकार अछि, सामन्त क नहि।
६९. (B) अत्यन्त कठिन जल-साधना, ओहिमे लागय वला मेहनत आ पसीना क प्रकटीकरण — जलकें चीरि कऽ मखान निकालब साक्षात् मौत सँ खेलब थिक, जे गरीब मजदूर करैत छथि।
७०. (B) आर्थिक गुलामी, शोषण आ किसानक आत्मविश्वासकें तोड़बाक माध्यम — एक बेर क कर्ज मे किसान पिढीयों तक फँसल रहैत अछि।
७१. (B) गरीबक दुखक समय लाभ उठा कऽ हुनकर जमीन हड़पय वला शोषक क रूपमे — साहुकार गामक सबसँ पैघ पापि मानल जाइत अछि जे भूख क आगि मे घीव ढारैत अछि।
७२. (B) घरक सभ काज सँ लऽ कऽ कृषि-श्रम धरि स्त्रीक अदृश्य आ पैघ योगदान — स्त्री क शारीरिक आ मानसिक श्रम कें आब समाज पहचानैत अछि, तकर चित्रण काव्यमे अछि।
७३. (B) भ्रष्ट नेताकें कमाई करबाक आ गरीबकें ठकबाक साधन (राहत घोटाळा) — बाढ़ि अएला पर राहत कें नाम पर लूटि मचाबय वला व्यवस्थाक पोल खुलैत अछि।
७४. (B) भवन खसि रहल अछि, शिक्षक नहि अबैत छथि आ शिक्षा केवल काजहीन डिग्रीक कारखाना अछि — सरकारी स्कूलक दुर्दशा गरीबकें शिक्षा सँ बञ्चित कऽ रहल अछि।
७५. (B) व्यवस्थाक विषमता आ पूँजीक जमाखोरीक परिणाम (मानव-निर्मित संकट) — गरीबी प्राकृतिक नहि, व्यवस्था द्वारा बनाएल गेल अछि।
७६. (B) निरन्तर श्रम, उपेक्षा, गरीबी आ अनिश्चित भविष्यक बीच जीबैत — खेतिहर मजदूर देशक आधार थिक मुदा हुनकर कोनो सामाजिक सम्मान नहि अछि।
७७. (B) बाजारक मार सँ ओकर पारंपरिक मूल्य समाप्त भऽ रहल अछि, संरक्षणक आभाव अछि — कुटीर उद्योगकें बजारू माल नष्ट कऽ रहल अछि।
७८. (B) श्रमजीवी, गरीब किसान आ वंचित समाजक हकक लेल — ई महाकाव्य शोषित मानवक हकक लड़ाई थिक।
७९. (B) गाम क सादगी आ प्राकृतिक सम्पदाकें नष्ट कऽ कंक्रीट क जंगल (बिल्डर्स) बनाएल जाइत अछि — बदलाव के नाम पर गामक मिट्टा आ ओकर आत्माकें नष्ट कएल जा रहल अछि।
८०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
८१. (B) सहनशीलता, संघर्ष, त्याग आ प्रखर अस्मिता क (सशक्त स्वरूप) — ललित जी नारीकें साक्षात् प्रकृति आ संघर्षक महाशक्ति मानैत छथि।
८२. (B) घर आ समाज दुनू स्तर पर पुरुष-सत्ताक अत्याचार आ उपेक्षा — स्त्री के घरक चारि-दीवारीमे सीमित कऽ ओकर प्रतिभा कें कुचलल जाइत अछि।
८३. (B) शिक्षा आ अपन अधिकारक प्रति जागरूकताक (आत्म-बोध) माध्यम सँ — चेतना हे ओकर असली शक्ति थिक।
८४. (B) शिक्षा हे समाजक अन्धकार मिटा कऽ स्त्रीकें आत्म-निर्भर बनैत अछि — शिक्षा स्त्रीकें विवेक आ शक्ति दैत अछि।
८५. (B) पति क विदेश गमन सँ उत्पन्न आर्थिक आ मानसिक अभावक (यथार्थ) — विरह केवल प्रेम नहि, ओकर मजबूरी आ दरिद्रता क प्रतीक थिक।
८६. (B) एकटा स्वतन्त्र, चिन्तनशील आ अपन निर्णय लेबाक अधिकार वाली मानव — स्त्रीक पहिचान ककरो पत्नी वा माँ होएबामे नहि, ओकर अपने कर्म आ चेतनामा अछि।
८७. (B) स्त्रीक अपमान, ओकर जीवन क बर्बादी आ परिवारक मानसिक/आर्थिक पतन — दहेजक नाम पर स्त्रीकें बोझ मानल जाइत अछि, ई पुरुषवादी कुरूपता थिक।
८८. (B) एकटा आवश्यक सामाजिक सुधार आ स्त्रीक जीवन-अधिकारक पुनर्स्थापना (समर्थन) — ओ विधवा स्त्रीक जीवनकें समाजकें फिर सँ सम्मानक सँग जीबाक अवसर देबाक पक्षधर छथि।
८९. (B) मानवीय गरिमा क घोर उल्लंघन आ स्त्रीक बजारू वस्तु जकाँ खरीद-बिक्री क विरोध — कन्या कोनो बजारू माल नहि अछि, ओकर सम्मान होबाक चाही।
९०. (B) सन्तान कें मनुष्य बनेबाक आ समाजकें दिशा देबाक सर्वोच्च साधना (Mother as teacher) — मातृ-चेतना समाजकें संस्कार देबाक मूलाधार थिक।
९१. (B) सामाजिक रूढ़िक कारणे होमय वली आपसी कलह आ स्त्रीकें स्त्री सँ लड़ाबय वली व्यवस्था — ई सम्बन्ध पितृसत्तात्मक ढाँचाकें पुष्ट करैत अछि जकरा तोड़बाक आवश्यकता अछि।

१२. (B) स्त्रीक प्रतिभा आ ओकर व्यक्तित्वकेँ बान्हय वला सामाजिक जञ्जीरक — घूँघट सँ बाहर आबि कऽ स्त्रीकेँ मुखर भऽ कऽ बाजबक चाही।
१३. (B) समाजक रुढ़ि, पाखण्ड आ ओही मानसिकता क विरुद्ध जे स्त्रीकेँ दासी मानैत अछि — संघर्ष पुरुष सँ नहि, ओकर उसूल आ सामन्ती मानसिकता सँ अछि।
१४. (B) केवल खाना बनाबय लेल — शिक्षित स्त्री हे समाजकेँ सभकेँ शिक्षित बना सकैत अछि।
१५. (B) स्वतंत्रता, साहस आ विवेक क सङ्ग, रुढ़िकेँ चुनौती दऽ कऽ (सशक्तिकरण) — आधुनिक नायिका अब पुरुष पर आश्रित नहि अछि।
१६. (B) यथार्थवादी, सामाजिक आ आत्म-सम्मान क (Empowerment) — हिनक लेखनी सँ मैथिलीमे स्त्रीकेँ एकटा मजबूत पहचान भेटल अछि।
१७. (B) सबला बनू, शिक्षित होउ आ अपन अस्मिता केँ स्वयं पहचानू (Self-realization) — आत्म-सम्मान हे जीवनक असली धर्म थिक।
१८. (B) मानवता, सामाजिक समानता आ न्यायपूर्ण समाजक निर्माणक प्रति — स्त्रीक सम्मान आ ओकर हक संपूर्ण समाजकेँ सुन्दर बनेत अछि।
१९. (B) ई मैथिली समाजकेँ स्त्रीक प्रति संवेदनशील आ न्यायपूर्ण बनबाक शिक्षा दैत अछि — स्त्री-चेतनाकेँ सम्मान देब हे सभ्यता क वास्तविक मानक थिक।
१००. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
१०१. (B) आधुनिकतावादी यथार्थवाद, प्रखरता आ जनभाषाक मानकीकरण — हिनक लेखनी मैथिली साहित्यकेँ आधुनिक आ प्रगतिशील रूप देने अछि।
१०२. (B) भ्रष्ट स्वदेशी नेता, शोषक तंत्र, आ पाखण्डकेँ उघाड़ि कऽ समाजकेँ झकझोरैत अछि — हिनक व्यंग्यक मारक क्षमता समाजकेँ आत्मनिरीक्षण करबाक लेल बाध्य करैत अछि।
१०३. (B) खेत, खरिहान, झोपड़ी, रेलवे स्टेशन आ गामक गली सँ (यथार्थवादी बिम्ब) — आब चन्द्रमा वा फूलक बदला चूल्हा, राशनक कतार, वा कारखानक धुआँ बिम्ब बनि गेल अछि।
१०४. (B) कविताकेँ बन्धन सँ मुक्त कऽ जनभाषाक लय सँ जोड़बाक सामर्थ्य — मुक्त छन्दक कारणे कवी अपन वैचारिक अभिव्यक्तिकेँ बिना कोनो कृत्रिम बन्धनक मारक रूपमे रखैत छथि।
१०५. (B) मैथिली शब्दक आन्तरिक झंकार सँ एकटा गम्भीर ओजस्वी प्रभाव (Rhythm) — हिनक कविता पढ़बा काल एकटा लय (Beat) प्रतीत होइत अछि जे पाठककेँ मग्न करैत अछि।
१०६. (B) शब्दक आन्तरिक, गम्भीर आ दार्शनिक अर्थ व्यंग्य/संकेत सँ प्रगट करब (ध्वनि-काव्य) — व्यञ्जना शक्तिक कारणे कविताक एक-एक पाँतीक भीदर गम्भीर दार्शनिक आ सामाजिक अर्थ छुपल रहैछ।
१०७. (B) मूर्त, दृश्य आ समाजक नग्न यथार्थकेँ (Concrete Reality) — आब कविता आकाश सँ उतरि कऽ माटिये पर, शोषितक दरबाजा पर ठाढ़ अछि।
१०८. (B) गामक लोक-बोलीकेँ साहित्यक ऊँचाई आ प्रतिष्ठा प्रदान करब — ओ गामक चालू मुहावरा क प्रयोग कऽ कविताकेँ अत्यन्त मारक बना दैत छथि।
१०९. (B) पाठककेँ सम्मोहित कऽ कऽ ओकरा वैचारिक ऊँचाई धरि पहुँचाएब — लयक माध्यम सँ पाठककेँ कविताक गम्भीरताकेँ अनुभव भऽ जाइत अछि।
११०. (B) मुक्त छन्द आ गद्यात्मक कवितामे मैथिली भाषाक उच्च स्तरीय तार्किक आ काव्यात्मक सामर्थ्य — ई संकलन सिद्ध करैत अछि जे मैथिली मुक्त छन्दमे सेहो वैश्विक स्तरक स्तरीय कविता रचबाक लेल पूर्ण समर्थ अछि।
१११. (B) सीधा बात नहि कहि कऽ घुमा कऽ मारक व्यंग्य करब जाहि सँ चोट गहीर लगय — वक्रोक्ति समकालीन व्यंग्य-कविताक एकटा प्रमुख आ सशक्त आभूषण थिक।
११२. (B) पाठकक आँखि क सोझाँ यथार्थ क जीवन्त दृश्य उपस्थित करब — हिनक बिम्ब पाठककेँ साक्षात् गामक अभाव आ गरीबीक दर्शन करा दैत छथि।
११३. (B) मात्रिक छन्दक नियमक (ओकरा बन्धन नहि, साधन मानैत छथि) — अलंकार कविताक शोभा अछि, मुदा ओ भावकेँ दबाबय नहि चाही।
११४. (B) मैथिलीक गामक खुरदरा यथार्थ, पाँक, खलिहान आ संघर्ष केँ साक्षात् चित्र जकाँ देखाय कऽ — ई बिम्ब पाठककेँ साक्षात् गामक सजीव दर्शन करा दैत अछि।
११५. (B) अत्यन्त सहज, सीधा पाठकक हृदय धरि पहुँचय वली — सहज भाषाक कारणे आम पाठक सेहो एहि कवितासभ सँ अपना कऽ जोड़ि सकैत अछि।
११६. (B) ई कठिन होइछ — समान ध्वनि वला वर्णसभक चयन सँ कवितामे एकटा अलौकिक सौन्दर्य आबि जाइत अछि।
११७. (B) खेतमे हल जोतैत किसान, झोपड़ीक बाहर जरैत डीहक दीप — संग्रहक आंचलिक आ सबाल्टर्न संवेदना बुझबाक लेल गामक श्रमजीवी वर्गक चित्र सर्वश्रेष्ठ थिक।

११८. (B) सामान्य वस्तु (जैसे पाँक, कोदाइ) के पैघ सामाजिक सत्य क रूपक बनेब — कोदाइ केवल लोहा नहि, श्रम आ सृजन क प्रतीक थिक।
११९. (B) दीर्घकालीन लोक-संवेदना, गामक यथार्थ आ गम्भीर वैचारिक विमर्श क मेल सँ — हिनक काव्यक परिपक्वता हिनक जीवन भरिक साधना क परिणाम अछि।
१२०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।
१२१. (B) ई मैथिलीक प्रगतिशील आ जनवादी कविताक प्रस्थान-ग्रन्थ (मूलाधार) मानल जाइत अछि — ई काव्य समकालीन मैथिली कविताक इतिहासकें नया दिशा देने अछि।
१२२. (B) एकर जनवादी चेतना, आंचलिकता, बिम्ब आ छन्द-मुक्त शिल्प क दार्शनिक विश्लेषण — विदेह आ अन्य अकादमिक पत्रिकामे हिनक काव्य-शिल्प आ मार्क्सवादी दृष्टि पर निरन्तर शोध-पत्र प्रकाशित भऽ रहल अछि।
१२३. (B) वैश्विक शोधार्थीसभ लेल ललित जीक दुर्लभ मैथिली कविता इन्टरनेट पर यूनिकोडमे निःशुल्क उपलब्ध भेल — डिजिटल आर्काइवमे उपलब्ध होएबा सँ नव पुस्ता आसानी सँ ललित जीक प्रगतिशील काव्य-शिल्पक अध्ययन कऽ सकैत अछि।
१२४. (B) मजदूर, दलित, वंचित आ हाशिया पर राखल गेल वर्गकें नायक बनेबाक प्रवृत्तिक कारण — ललित जी साक्षात् सबाल्टर्न चेतनाक प्रवर्तक छथि जकरा विदेह समानान्तर आन्दोलन केन्द्रमे लाबि रहल अछि।
१२५. (B) ओ व्यवस्थाक भ्रष्टाचार आ सामाजिक रूढ़ि पर सीधा आ अचूक प्रहार करबाक एकटा मानक थिक — हिनक व्यंग्यक मारक क्षमता समाजकें आत्मनिरीक्षण करबाक लेल बाध्य करैत अछि।
१२६. (B) श्रम क पवित्रता, मानवीय गरिमा आ न्यायपूर्ण समाजक निर्माणक प्रति प्रतिबद्धता — ई महाकाव्य कर्म, श्रद्धा आ आत्मसम्मानक दार्शनिक निष्कर्ष पाठकक सोझाँ रखैत अछि।
१२७. (B) ई समकालीन अभिव्यक्तिक मुख्य आ सशक्त माध्यम बनि गेल अछि — मुक्त छन्दक कारणे कवी अपन वैचारिक अभिव्यक्तिकें बिना कोनो कृत्रिम बन्धनक मारक रूपमे रखैत छथि।
१२८. (B) हुनकर कविता गामक अन्तिम पाँतिक मानुष क दुःख-सुख आ हुङ्कारक साक्षात् आवाज थिक — ओ सचाईमे जनताक बीच रहलाह आ जनताक भाषा गबैलनि।
१२९. (A) साधारण लोक साहित्यक असली नायक थिक — श्रमजीवी वर्ग हे साहित्यक केन्द्रमे होबाक चाही, ललित जी एकर मानक तय केलनि।
१३०. (B) मर्मस्पर्शी, ओजस्वी आ जन-संवेदना सँ ओत-प्रोत मैथिली — हिनक लेखनी मैथिली साहित्यकें आधुनिक आ प्रगतिशील रूप देने अछि।
१३१. (B) मिथिलाक माटि, किसान, मजदूर आ ओही वर्गक प्रति जे उपेक्षित अछि — सभसँ नीच मानल गेल वर्गकें मुख्य धारा मे लाबब हिनक ध्येय अछि।
१३२. (B) मैथिलीक विशिष्ट आंचलिक चेतना, संस्कृति आ संघर्षकें वैश्विक मानदण्ड पर परिक्षण (Local to Global) — हिनक आंचलिकता कोनो बन्धन नहि, बल्कि मैथिलीक वैचारिक समृद्धिक पैघ द्वार थिक।
१३३. (B) स्त्री संघर्षशील, विवेकपूर्ण आ अपन अधिकार लेल ठसक वली अस्मिता अछि — आधुनिक नायिका अब पुरुष पर आश्रित नहि, अपन भविष्य कें नियन्त्रा थिकीह।
१३४. (B) ठेठ मैथिली, आंचलिक शब्द आ व्याकरणक प्रयोग सँ मैथिलीकें साहित्यक गम्भीर विधाक लेल तैयार कएल गेल — मैथिली भाषाकें आधुनिक कालक साहित्य लेल मानक (Standard) रूप प्रदान कएल गेल।
१३५. (B) मैथिलीक आधुनिक प्रगतिशील चेतना, यथार्थवाद आ जनवादी काव्य-परम्पराक — ओ यात्री जीक प्रगतिशील चेतनाकें आरो पुष्ट कऽ समकालीन युवा पीढ़ी धरि पहुँचाएलनि।
१३६. (B) मैथिली साहित्यक श्रेष्ठतम यथार्थवादी धरोहरक रूपमे सुरक्षित अछि — अकादमी एहि कालजयी काव्यकें प्रकाशित कऽ मैथिलीक बौद्धिक चेतनाकें पुष्ट केने अछि।
१३७. (B) दहेज, पर्दा आ पुरुष-सत्ताक पाखण्डकें व्यंग्य आ यथार्थवादी चित्र सँ — स्त्रीकें बन्धनमे राखय वली व्यवस्थाकें ओ तार्किक प्रहार सँ खोखला कऽ दैत छथि।
१३८. (B) एकटा कवि क ओही साधना जहिमे ओ समाजकें अपन रगत सँ सिञ्चैत अछि (तपस्या) — साहित्य रचना मनोरंजन नहि, समाजक पीड़ा कें भोगबाक एकटा पैघ साधना थिक।
१३९. (B) कविताकें राजमहल सँ निकालि कऽ सीधा खेत-खरिहानक यथार्थ सँ जोड़बाक अग्रणी भूमिका — ओ सिद्ध केलनि जे कविताक असली सौन्दर्य सामन्तवादमे नहि, मजदूरक पसीना मे अछि।

१४०. (B) विदेह ई-लर्निङ्ग हब (www.videha.co.in) क, जे मैथिलीक प्रथम पाक्षिक ई-जर्नल थिक — ई समृद्ध क्विज 'विदेह — First Maithili Fortnightly eJournal' क ई-लर्निङ्ग पोर्टलक हिस्सा थिक।

0

१. १. 'कविश्वर चन्दा झा' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रावणक दरबारी कवि
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (D) केवल लोककथा-संग्राहक

२. २. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'कविश्वर चन्दा झा'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल लोककथा-संग्राहक
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (C) रावणक दरबारी कवि
- (D) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक

३. ३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'कविश्वर चन्दा झा' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (B) रावणक दरबारी कवि
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (D) केवल लोककथा-संग्राहक

४. ४. परीक्षा-दृष्टिसे 'कविश्वर चन्दा झा' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (B) रावणक दरबारी कवि
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (D) केवल लोककथा-संग्राहक

५. ५. 'कविश्वर चन्दा झा'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) केवल लोककथा-संग्राहक
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (D) रावणक दरबारी कवि

६. ६. एहि पाठमे 'कविश्वर चन्दा झा' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल लोककथा-संग्राहक
- (B) रावणक दरबारी कवि
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (D) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक

७. ७. 'कविश्वर चन्दा झा'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) केवल लोककथा-संग्राहक
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (C) रावणक दरबारी कवि
- (D) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता

८. ८. कथानकक भीतर 'कविश्वर चन्दा झा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (C) रावणक दरबारी कवि
- (D) केवल लोककथा-संग्राहक

९. ९. 'कविश्वर चन्दा झा'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) केवल लोककथा-संग्राहक
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (D) रावणक दरबारी कवि

१०. १०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'कविश्वर चन्दा झा' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रावणक दरबारी कवि
- (B) मिथिला-भाषा रामायणक मुद्रक
- (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता
- (D) केवल लोककथा-संग्राहक

११. ११. 'मिथिला-भाषा रामायण' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) केवल निबन्ध-संग्रह
- (B) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (C) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (D) पत्रकारिताक नियमावली

१२. १२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'मिथिला-भाषा रामायण'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) पत्रकारिताक नियमावली
- (B) केवल निबन्ध-संग्रह
- (C) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (D) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य

१३. १३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'मिथिला-भाषा रामायण' कें कोना बुझल जाए?

- (A) पत्रकारिताक नियमावली
- (B) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (C) केवल निबन्ध-संग्रह
- (D) व्याकरणक सूत्र-पोथी

१४. १४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'मिथिला-भाषा रामायण' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (B) केवल निबन्ध-संग्रह
- (C) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (D) पत्रकारिताक नियमावली

१५. १५. 'मिथिला-भाषा रामायण'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) पत्रकारिताक नियमावली
- (B) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (C) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (D) केवल निबन्ध-संग्रह

१६. १६. एहि पाठमे 'मिथिला-भाषा रामायण' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (B) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (C) केवल निबन्ध-संग्रह
- (D) पत्रकारिताक नियमावली

१७. १७. 'मिथिला-भाषा रामायण'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (B) पत्रकारिताक नियमावली
- (C) केवल निबन्ध-संग्रह
- (D) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य

१८. १८. कथानकक भीतर 'मिथिला-भाषा रामायण' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल निबन्ध-संग्रह
- (B) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (C) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (D) पत्रकारिताक नियमावली

१९. १९. 'मिथिला-भाषा रामायण'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) केवल निबन्ध-संग्रह
- (B) पत्रकारिताक नियमावली
- (C) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (D) व्याकरणक सूत्र-पोथी

२०. २०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'मिथिला-भाषा रामायण' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) मैथिली भाषामे रामकथाक प्रबन्ध-काव्य
- (B) पत्रकारिताक नियमावली
- (C) व्याकरणक सूत्र-पोथी
- (D) केवल निबन्ध-संग्रह

२१. २१. 'सुन्दरकाण्ड' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) राम-जन्मक काण्ड
- (B) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (C) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (D) राजतिलकक काण्ड

२२. २२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सुन्दरकाण्ड'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (B) राजतिलकक काण्ड
- (C) राम-जन्मक काण्ड
- (D) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड

२३. २३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सुन्दरकाण्ड' कें कोना बुझल जाए?

- (A) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (B) राजतिलकक काण्ड
- (C) राम-जन्मक काण्ड
- (D) अयोध्या-त्यागक काण्ड

२४. २४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सुन्दरकाण्ड' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) राजतिलकक काण्ड
- (B) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (C) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (D) राम-जन्मक काण्ड

२५. २५. 'सुन्दरकाण्ड'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (B) राजतिलकक काण्ड
- (C) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (D) राम-जन्मक काण्ड

२६. २६. एहि पाठमे 'सुन्दरकाण्ड' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) राम-जन्मक काण्ड
- (B) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (C) राजतिलकक काण्ड
- (D) अयोध्या-त्यागक काण्ड

२७. २७. 'सुन्दरकाण्ड'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (B) राजतिलकक काण्ड
- (C) राम-जन्मक काण्ड
- (D) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड

२८. २८. कथानकक भीतर 'सुन्दरकाण्ड' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) राम-जन्मक काण्ड
- (B) राजतिलकक काण्ड
- (C) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (D) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड

२९. २९. 'सुन्दरकाण्ड'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) राजतिलकक काण्ड
- (B) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (C) राम-जन्मक काण्ड
- (D) अयोध्या-त्यागक काण्ड

३०. ३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सुन्दरकाण्ड' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) हनुमानक सीता-खोज आ राम-संदेशक काण्ड
- (B) राम-जन्मक काण्ड
- (C) अयोध्या-त्यागक काण्ड
- (D) राजतिलकक काण्ड

३१. ३१. 'वैदेही' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) समुद्रक अधिपति
- (B) रावणक सेनापति
- (C) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (D) वानर दलक गायक

३२. ३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'वैदेही'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक सेनापति
- (B) समुद्रक अधिपति
- (C) वानर दलक गायक
- (D) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन

३३. ३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'वैदेही' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (B) समुद्रक अधिपति
- (C) रावणक सेनापति
- (D) वानर दलक गायक

३४. ३४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'वैदेही' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (B) रावणक सेनापति
- (C) वानर दलक गायक
- (D) समुद्रक अधिपति

३५. ३५. 'वैदेही'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) समुद्रक अधिपति
- (B) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (C) रावणक सेनापति
- (D) वानर दलक गायक

३६. ३६. एहि पाठमे 'वैदेही' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) वानर दलक गायक
- (B) समुद्रक अधिपति
- (C) रावणक सेनापति
- (D) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन

३७. ३७. 'वैदेही'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) वानर दलक गायक
- (B) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (C) समुद्रक अधिपति
- (D) रावणक सेनापति

३८. ३८. कथानकक भीतर 'वैदेही' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (B) समुद्रक अधिपति
- (C) रावणक सेनापति
- (D) वानर दलक गायक

३९. ३९. 'वैदेही'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन
- (B) समुद्रक अधिपति
- (C) रावणक सेनापति
- (D) वानर दलक गायक

४०. ४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'वैदेही' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) समुद्रक अधिपति
- (B) रावणक सेनापति
- (C) वानर दलक गायक
- (D) सीताक मिथिला-संस्कारयुक्त सम्बोधन

४१. ४१. 'राम-मुद्रिका' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (B) रावणक मुकुट
- (C) लंकिनीक दण्ड
- (D) मैनाकक शिला

४२. ४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'राम-मुद्रिका'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (B) लंकिनीक दण्ड
- (C) रावणक मुकुट
- (D) मैनाकक शिला

४३. ४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'राम-मुद्रिका' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक मुकुट
- (B) मैनाकक शिला
- (C) लंकिनीक दण्ड
- (D) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण

४४. ४४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'राम-मुद्रिका' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (B) रावणक मुकुट
- (C) मैनाकक शिला
- (D) लंकिनीक दण्ड

४५. ४५. 'राम-मुद्रिका'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावणक मुकुट
- (B) लंकिनीक दण्ड
- (C) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (D) मैनाकक शिला

४६. ४६. एहि पाठमे 'राम-मुद्रिका' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक मुकुट
- (B) लंकिनीक दण्ड
- (C) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (D) मैनाकक शिला

४७. ४७. 'राम-मुद्रिका'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (B) मैनाकक शिला
- (C) रावणक मुकुट
- (D) लंकिनीक दण्ड

४८. ४८. कथानकक भीतर 'राम-मुद्रिका' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण
- (B) लंकिनीक दण्ड
- (C) मैनाकक शिला
- (D) रावणक मुकुट

४९. ४९. 'राम-मुद्रिका' के चिह्नबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) लंकिनीक दण्ड
- (B) रावणक मुकुट
- (C) मैनाकक शिला
- (D) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण

५०. ५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'राम-मुद्रिका' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) मैनाकक शिला
- (B) रावणक मुकुट
- (C) लंकिनीक दण्ड
- (D) दूतक सत्यता आ राम-स्मृतिक प्रमाण

५१. ५१. 'चूड़ामणि' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अक्शयकुमारक शस्त्र
- (B) सुरसाक वरदान
- (C) समुद्रक रत्न
- (D) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न

५२. ५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'चूड़ामणि'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सुरसाक वरदान
- (B) अक्शयकुमारक शस्त्र
- (C) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (D) समुद्रक रत्न

५३. ५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'चूड़ामणि' के कोना बुझल जाए?

- (A) अक्शयकुमारक शस्त्र
- (B) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (C) सुरसाक वरदान
- (D) समुद्रक रत्न

५४. ५४. परीक्षा-दृष्टिसे 'चूड़ामणि' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सुरसाक वरदान
- (B) अक्शयकुमारक शस्त्र
- (C) समुद्रक रत्न
- (D) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न

५५. ५५. 'चूड़ामणि'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अक्शयकुमारक शस्त्र
- (B) समुद्रक रत्न
- (C) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (D) सुरसाक वरदान

५६. ५६. एहि पाठमे 'चूड़ामणि' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सुरसाक वरदान
- (B) समुद्रक रत्न
- (C) अक्शयकुमारक शस्त्र
- (D) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न

५७. ५७. 'चूड़ामणि'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (B) सुरसाक वरदान
- (C) समुद्रक रत्न
- (D) अक्षयकुमारक शस्त्र

५८. ५८. कथानकक भीतर 'चूड़ामणि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अक्षयकुमारक शस्त्र
- (B) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (C) समुद्रक रत्न
- (D) सुरसाक वरदान

५९. ५९. 'चूड़ामणि'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) समुद्रक रत्न
- (B) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (C) सुरसाक वरदान
- (D) अक्षयकुमारक शस्त्र

६०. ६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'चूड़ामणि' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताद्वारा रामक लेल पठाओल पहचान-चिह्न
- (B) समुद्रक रत्न
- (C) सुरसाक वरदान
- (D) अक्षयकुमारक शस्त्र

६१. ६१. 'रामकाज' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (D) रावणक दरबार-सेवा

६२. ६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रामकाज'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (B) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (C) रावणक दरबार-सेवा
- (D) निष्क्रिय प्रतीक्षा

६३. ६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रामकाज' कें कोना बुझल जाए?

- (A) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (D) रावणक दरबार-सेवा

६४. ६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'रामकाज' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (B) रावणक दरबार-सेवा
- (C) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (D) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प

६५. ६५. 'रामकाज'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (B) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (C) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (D) रावणक दरबार-सेवा

६६. ६६. एहि पाठमे 'रामकाज' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) रावणक दरबार-सेवा
- (D) व्यक्तिगत यशक लोभ

६७. ६७. 'रामकाज'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (B) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (C) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (D) रावणक दरबार-सेवा

६८. ६८. कथानकक भीतर 'रामकाज' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रावणक दरबार-सेवा
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (D) व्यक्तिगत यशक लोभ

६९. ६९. 'रामकाज'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावणक दरबार-सेवा
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (D) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प

७०. ७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रामकाज' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) भक्ति, सेवा आ साहसक संयुक्त संकल्प
- (B) व्यक्तिगत यशक लोभ
- (C) रावणक दरबार-सेवा
- (D) निष्क्रिय प्रतीक्षा

७१. ७१. 'हनुमान' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) समुद्रक शासक
- (B) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (C) सीताक विरोधी
- (D) रावणक सलाहकार

७२. ७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'हनुमान'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक सलाहकार
- (B) सीताक विरोधी
- (C) समुद्रक शासक
- (D) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक

७३. ७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'हनुमान' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक विरोधी
- (B) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (C) समुद्रक शासक
- (D) रावणक सलाहकार

७४. ७४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'हनुमान' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (B) समुद्रक शासक
- (C) रावणक सलाहकार
- (D) सीताक विरोधी

७५. ७५. 'हनुमान'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (B) समुद्रक शासक
- (C) सीताक विरोधी
- (D) रावणक सलाहकार

७६. ७६. एहि पाठमे 'हनुमान' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक सलाहकार
- (B) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (C) समुद्रक शासक
- (D) सीताक विरोधी

७७. ७७. 'हनुमान'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) समुद्रक शासक
- (B) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (C) सीताक विरोधी
- (D) रावणक सलाहकार

७८. ७८. कथानकक भीतर 'हनुमान' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सीताक विरोधी
- (B) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (C) समुद्रक शासक
- (D) रावणक सलाहकार

७९. ७९. 'हनुमान'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीताक विरोधी
- (B) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (C) रावणक सलाहकार
- (D) समुद्रक शासक

८०. ८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'हनुमान' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) दूत, भक्त, वीर आ बुद्धिमान सेवक
- (B) रावणक सलाहकार
- (C) सीताक विरोधी
- (D) समुद्रक शासक

८१. ८१. 'मैथिली भाषा' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (B) केवल व्यापार-भाषा
- (C) कथा रोकनिहार बाधा
- (D) रावणक गुप्त लिपि

८२. ८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'मैथिली भाषा'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) केवल व्यापार-भाषा
- (B) रावणक गुप्त लिपि
- (C) कथा रोकनिहार बाधा
- (D) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम

८३. ८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'मैथिली भाषा' कें कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक गुप्त लिपि
- (B) कथा रोकनिहार बाधा
- (C) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (D) केवल व्यापार-भाषा

८४. ८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'मैथिली भाषा' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रावणक गुप्त लिपि
- (B) केवल व्यापार-भाषा
- (C) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (D) कथा रोकनिहार बाधा

८५. ८५. 'मैथिली भाषा'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (B) कथा रोकनिहार बाधा
- (C) रावणक गुप्त लिपि
- (D) केवल व्यापार-भाषा

८६. ८६. एहि पाठमे 'मैथिली भाषा' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक गुप्त लिपि
- (B) कथा रोकनिहार बाधा
- (C) केवल व्यापार-भाषा
- (D) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम

८७. ८७. 'मैथिली भाषा'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (B) रावणक गुप्त लिपि
- (C) कथा रोकनिहार बाधा
- (D) केवल व्यापार-भाषा

८८. ८८. कथानकक भीतर 'मैथिली भाषा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा रोकनिहार बाधा
- (B) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (C) रावणक गुप्त लिपि
- (D) केवल व्यापार-भाषा

८९. ८९. 'मैथिली भाषा'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (B) केवल व्यापार-भाषा
- (C) कथा रोकनिहार बाधा
- (D) रावणक गुप्त लिपि

९०. ९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'मैथिली भाषा' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रावणक गुप्त लिपि
- (B) रामकथाकें लोकभाषाक अपनत्व देनिहार माध्यम
- (C) केवल व्यापार-भाषा
- (D) कथा रोकनिहार बाधा

९१. ९१. 'प्रबन्ध-काव्य' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) राजस्व तालिका
- (B) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (C) एक पंक्तिक कहावत
- (D) असंबद्ध शब्द-सूची

९२. ९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'प्रबन्ध-काव्य'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (B) असंबद्ध शब्द-सूची
- (C) राजस्व तालिका
- (D) एक पंक्तिक कहावत

९३. ९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'प्रबन्ध-काव्य' कें कोना बुझल जाए?

- (A) एक पंक्तिक कहावत
- (B) असंबद्ध शब्द-सूची
- (C) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (D) राजस्व तालिका

९४. ९४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'प्रबन्ध-काव्य' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) असंबद्ध शब्द-सूची
- (B) एक पंक्तिक कहावत
- (C) राजस्व तालिका
- (D) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य

९५. ९५. 'प्रबन्ध-काव्य'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) एक पंक्तिक कहावत
- (B) राजस्व तालिका
- (C) असंबद्ध शब्द-सूची
- (D) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य

९६. ९६. एहि पाठमे 'प्रबन्ध-काव्य' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) असंबद्ध शब्द-सूची
- (B) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (C) एक पंक्तिक कहावत
- (D) राजस्व तालिका

९७. ९७. 'प्रबन्ध-काव्य'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) एक पंक्तिक कहावत
- (B) राजस्व तालिका
- (C) असंबद्ध शब्द-सूची
- (D) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य

९८. ९८. कथानकक भीतर 'प्रबन्ध-काव्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक पंक्तिक कहावत
- (B) राजस्व तालिका
- (C) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (D) असंबद्ध शब्द-सूची

९९. ९९. 'प्रबन्ध-काव्य'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) एक पंक्तिक कहावत
- (B) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (C) असंबद्ध शब्द-सूची
- (D) राजस्व तालिका

१००. १००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'प्रबन्ध-काव्य' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) क्रमबद्ध कथा, छन्द आ भावसँ बनल दीर्घ काव्य
- (B) राजस्व तालिका
- (C) असंबद्ध शब्द-सूची
- (D) एक पंक्तिक कहावत

1

१०१. १०१. 'समुद्र-लाँघन' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रावणक अयोध्या-गमन
- (B) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (C) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (D) भरतक लंका-प्रवेश

१०२. १०२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'समुद्र-लाँघन'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भरतक लंका-प्रवेश
- (B) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ

१०३. १०३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'समुद्र-लाँघन' कें कोना बुझल जाए?

- (A) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (B) रावणक अयोध्या-गमन
- (C) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (D) भरतक लंका-प्रवेश

१०४. १०४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'समुद्र-लाँघन' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (B) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) भरतक लंका-प्रवेश

१०५. १०५. 'समुद्र-लौघन'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (B) भरतक लंका-प्रवेश
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन

१०६. १०६. एहि पाठमे 'समुद्र-लौघन' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भरतक लंका-प्रवेश
- (B) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन

१०७. १०७. 'समुद्र-लौघन'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (B) भरतक लंका-प्रवेश
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन

१०८. १०८. कथानकक भीतर 'समुद्र-लौघन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (B) भरतक लंका-प्रवेश
- (C) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (D) रावणक अयोध्या-गमन

१०९. १०९. 'समुद्र-लौघन'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (B) भरतक लंका-प्रवेश
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ

११०. ११०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'समुद्र-लौघन' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक जनकपुर-प्रत्यावर्तन
- (B) हनुमानक लंका-गमनक निर्णायक आरम्भ
- (C) रावणक अयोध्या-गमन
- (D) भरतक लंका-प्रवेश

१११. १११. 'शतयोजन वारिधि' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) ग्रामक चौपाल
- (B) महलक दालान
- (C) छोट पोखरिक दूरी
- (D) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक

११२. ११२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'शतयोजन वारिधि'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (B) महलक दालान
- (C) छोट पोखरिक दूरी
- (D) ग्रामक चौपाल

११३. ११३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'शतयोजन वारिधि' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) ग्रामक चौपाल
- (B) छोट पोखरिक दूरी
- (C) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (D) महलक दालान

११४. ११४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'शतयोजन वारिधि' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) महलक दालान
- (B) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (C) छोट पोखरिक दूरी
- (D) ग्रामक चौपाल

११५. ११५. 'शतयोजन वारिधि'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) छोट पोखरिक दूरी
- (B) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (C) ग्रामक चौपाल
- (D) महलक दालान

११६. ११६. एहि पाठमे 'शतयोजन वारिधि' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ग्रामक चौपाल
- (B) छोट पोखरिक दूरी
- (C) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (D) महलक दालान

११७. ११७. 'शतयोजन वारिधि'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) महलक दालान
- (B) छोट पोखरिक दूरी
- (C) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (D) ग्रामक चौपाल

११८. ११८. कथानकक भीतर 'शतयोजन वारिधि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (B) ग्रामक चौपाल
- (C) महलक दालान
- (D) छोट पोखरिक दूरी

११९. ११९. 'शतयोजन वारिधि'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) छोट पोखरिक दूरी
- (B) ग्रामक चौपाल
- (C) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (D) महलक दालान

१२०. १२०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'शतयोजन वारिधि' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) छोट पोखरिक दूरी
- (B) ग्रामक चौपाल
- (C) अत्यन्त कठिन दूरी आ साहसक प्रतीक
- (D) महलक दालान

१२१. १२१. 'मैनाक' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीताक सखी
- (B) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (C) रावणक मंत्री
- (D) राक्षसी पहरेदार

१२२. १२२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'मैनाक'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीताक सखी
- (B) राक्षसी पहरेदार
- (C) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (D) रावणक मंत्री

१२३. १२३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'मैनाक' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक मंत्री
- (B) राक्षसी पहरेदार
- (C) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (D) सीताक सखी

१२४. १२४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'मैनाक' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीताक सखी
- (B) राक्षसी पहरेदार
- (C) रावणक मंत्री
- (D) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत

१२५. १२५. 'मैनाक'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) सीताक सखी
- (B) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (C) रावणक मंत्री
- (D) राक्षसी पहरेदार

१२६. १२६. एहि पाठमे 'मैनाक' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक सखी
- (B) रावणक मंत्री
- (C) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (D) राक्षसी पहरेदार

१२७. १२७. 'मैनाक'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीताक सखी
- (B) रावणक मंत्री
- (C) राक्षसी पहरेदार
- (D) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत

१२८. १२८. कथानकक भीतर 'मैनाक' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) राक्षसी पहरेदार
- (B) रावणक मंत्री
- (C) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (D) सीताक सखी

१२९. १२९. 'मैनाक'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (B) सीताक सखी
- (C) राक्षसी पहरेदार
- (D) रावणक मंत्री

१३०. १३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'मैनाक' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) मार्गमे सहयोग देनिहार पर्वत
- (B) रावणक मंत्री
- (C) सीताक सखी
- (D) राक्षसी पहरेदार

१३१. १३१. 'सुरसा' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (B) वाटिकाक माली
- (C) रामक अनुज
- (D) चूड़ामणिक रक्षक

१३२. १३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सुरसा'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) चूड़ामणिक रक्षक
- (B) वाटिकाक माली
- (C) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (D) रामक अनुज

१३३. १३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सुरसा' कें कोना बुझल जाए?

- (A) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (B) चूड़ामणिक रक्षक
- (C) रामक अनुज
- (D) वाटिकाक माली

१३४. १३४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सुरसा' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (B) वाटिकाक माली
- (C) चूड़ामणिक रक्षक
- (D) रामक अनुज

१३५. १३५. 'सुरसा'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (B) चूड़ामणिक रक्षक
- (C) वाटिकाक माली
- (D) रामक अनुज

१३६. १३६. एहि पाठमे 'सुरसा' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) वाटिकाक माली
- (B) चूड़ामणिक रक्षक
- (C) रामक अनुज
- (D) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा

१३७. १३७. 'सुरसा'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) चूड़ामणिक रक्षक
- (B) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (C) रामक अनुज
- (D) वाटिकाक माली

१३८. १३८. कथानकक भीतर 'सुरसा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रामक अनुज
- (B) चूड़ामणिक रक्षक
- (C) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (D) वाटिकाक माली

१३९. १३९. 'सुरसा'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) वाटिकाक माली
- (B) रामक अनुज
- (C) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (D) चूड़ामणिक रक्षक

१४०. १४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सुरसा' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) चूड़ामणिक रक्षक
- (B) रामक अनुज
- (C) हनुमानक बुद्धि आ रूप-चातुर्यक परीक्षा
- (D) वाटिकाक माली

१४१. १४१. 'सिंहिका' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (B) त्रिजटाक सखी
- (C) जनकक पुरोहित
- (D) मित्रवत् पर्वत

१४२. १४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सिंहिका'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) जनकक पुरोहित
- (B) त्रिजटाक सखी
- (C) मित्रवत् पर्वत
- (D) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा

१४३. १४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सिंहिका' कें कोना बुझल जाए?

- (A) जनकक पुरोहित
- (B) मित्रवत् पर्वत
- (C) त्रिजटाक सखी
- (D) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा

१४४. १४४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सिंहिका' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) त्रिजटाक सखी
- (B) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (C) जनकक पुरोहित
- (D) मित्रवत् पर्वत

१४५. १४५. 'सिंहिका'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (B) जनकक पुरोहित
- (C) मित्रवत् पर्वत
- (D) त्रिजटाक सखी

१४६. १४६. एहि पाठमे 'सिंहिका' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (B) जनकक पुरोहित
- (C) त्रिजटाक सखी
- (D) मित्रवत् पर्वत

१४७. १४७. 'सिंहिका'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) जनकक पुरोहित
- (B) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (C) त्रिजटाक सखी
- (D) मित्रवत् पर्वत

१४८. १४८. कथानकक भीतर 'सिंहिका' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) त्रिजटाक सखी
- (B) जनकक पुरोहित
- (C) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (D) मित्रवत् पर्वत

१४९. १४९. 'सिंहिका'क चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) जनकक पुरोहित
- (B) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (C) मित्रवत् पर्वत
- (D) त्रिजटाक सखी

१५०. १५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सिंहिका' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) त्रिजटाक सखी
- (B) छाया पकड़ि रोकयवाली बाधा
- (C) मित्रवत् पर्वत
- (D) जनकक पुरोहित

१५१. १५१. 'लंकिनी' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) मैनाकक माता
- (B) किष्किन्धाक रानी
- (C) सीताक दूत
- (D) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत

१५२. १५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'लंकिनी'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीताक दूत
- (B) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (C) किष्किन्धाक रानी
- (D) मैनाकक माता

१५३. १५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'लंकिनी' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक दूत
- (B) मैनाकक माता
- (C) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (D) किष्किन्धाक रानी

१५४. १५४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'लंकिनी' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीताक दूत
- (B) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (C) किष्किन्धाक रानी
- (D) मैनाकक माता

१५५. १५५. 'लंकिनी'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (B) सीताक दूत
- (C) किष्किन्धाक रानी
- (D) मैनाकक माता

१५६. १५६. एहि पाठमे 'लंकिनी' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक दूत
- (B) मैनाकक माता
- (C) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (D) किष्किन्धाक रानी

१५७. १५७. 'लंकिनी'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीताक दूत
- (B) किष्किन्धाक रानी
- (C) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (D) मैनाकक माता

१५८. १५८. कथानकक भीतर 'लंकिनी' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) किष्किन्धाक रानी
- (B) मैनाकक माता
- (C) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (D) सीताक दूत

१५९. १५९. 'लंकिनी'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) किष्किन्धाक रानी
- (B) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (C) सीताक दूत
- (D) मैनाकक माता

१६०. १६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'लंकिनी' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक दूत
- (B) लंका-द्वारक पहरेदार आ पतन-संकेत
- (C) मैनाकक माता
- (D) किष्किन्धाक रानी

१६१. १६१. 'अशोक-वाटिका' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (B) जनकपुरक यज्ञशाला
- (C) अयोध्याक सभा
- (D) समुद्र-मध्यक गुफा

१६२. १६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'अशोक-वाटिका'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) समुद्र-मध्यक गुफा
- (B) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (C) अयोध्याक सभा
- (D) जनकपुरक यज्ञशाला

१६३. १६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'अशोक-वाटिका' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (B) जनकपुरक यज्ञशाला
- (C) अयोध्याक सभा
- (D) समुद्र-मध्यक गुफा

१६४. १६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'अशोक-वाटिका' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) जनकपुरक यज्ञशाला
- (B) अयोध्याक सभा
- (C) समुद्र-मध्यक गुफा
- (D) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल

१६५. १६५. 'अशोक-वाटिका'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अयोध्याक सभा
- (B) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (C) समुद्र-मध्यक गुफा
- (D) जनकपुरक यज्ञशाला

१६६. १६६. एहि पाठमे 'अशोक-वाटिका' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) समुद्र-मध्यक गुफा
- (B) जनकपुरक यज्ञशाला
- (C) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (D) अयोध्याक सभा

१६७. १६७. 'अशोक-वाटिका'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) समुद्र-मध्यक गुफा
- (B) जनकपुरक यज्ञशाला
- (C) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (D) अयोध्याक सभा

१६८. १६८. कथानकक भीतर 'अशोक-वाटिका' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अयोध्याक सभा
- (B) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (C) जनकपुरक यज्ञशाला
- (D) समुद्र-मध्यक गुफा

१६९. १६९. 'अशोक-वाटिका'के चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) समुद्र-मध्यक गुफा
- (B) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (C) अयोध्याक सभा
- (D) जनकपुरक यज्ञशाला

१७०. १७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'अशोक-वाटिका' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक कैद आ विरहक मुख्य स्थल
- (B) अयोध्याक सभा
- (C) जनकपुरक यज्ञशाला
- (D) समुद्र-मध्यक गुफा

१७१. १७१. 'शिशपा वृक्ष' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (B) समुद्रक नाव
- (C) रावणक रथ
- (D) सुग्रीवक धनुष

१७२. १७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'शिशपा वृक्ष'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सुग्रीवक धनुष
- (B) रावणक रथ
- (C) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (D) समुद्रक नाव

१७३. १७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'शिशपा वृक्ष' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (B) समुद्रक नाव
- (C) सुग्रीवक धनुष
- (D) रावणक रथ

१७४. १७४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'शिशपा वृक्ष' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सुग्रीवक धनुष
- (B) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (C) रावणक रथ
- (D) समुद्रक नाव

१७५. १७५. 'शिशपा वृक्ष'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावणक रथ
- (B) सुग्रीवक धनुष
- (C) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (D) समुद्रक नाव

१७६. १७६. एहि पाठमे 'शिशपा वृक्ष' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक रथ
- (B) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (C) समुद्रक नाव
- (D) सुग्रीवक धनुष

१७७. १७७. 'शिशपा वृक्ष'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सुग्रीवक धनुष
- (B) रावणक रथ
- (C) समुद्रक नाव
- (D) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत

१७८. १७८. कथानकक भीतर 'शिशपा वृक्ष' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (B) सुग्रीवक धनुष
- (C) रावणक रथ
- (D) समुद्रक नाव

१७९. १७९. 'शिशपा वृक्ष'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) समुद्रक नाव
- (B) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (C) रावणक रथ
- (D) सुग्रीवक धनुष

१८०. १८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'शिशपा वृक्ष' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीता-दर्शनक स्थानिक संकेत
- (B) रावणक रथ
- (C) सुग्रीवक धनुष
- (D) समुद्रक नाव

१८१. १८१. 'वाटिका-विनाश' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) भयवश पलायन
- (D) रामकाजक त्याग

१८२. १८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'वाटिका-विनाश'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) रामकाजक त्याग
- (C) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (D) भयवश पलायन

१८३. १८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'वाटिका-विनाश' कें कोना बुझल जाए?

- (A) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) रामकाजक त्याग
- (D) भयवश पलायन

१८४. १८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'वाटिका-विनाश' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामकाजक त्याग
- (B) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (C) भयवश पलायन
- (D) रावणक प्रशंसा

१८५. १८५. 'वाटिका-विनाश'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (B) भयवश पलायन
- (C) रावणक प्रशंसा
- (D) रामकाजक त्याग

१८६. १८६. एहि पाठमे 'वाटिका-विनाश' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रामकाजक त्याग
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (D) भयवश पलायन

१८७. १८७. 'वाटिका-विनाश'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) भयवश पलायन
- (C) रामकाजक त्याग
- (D) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी

१८८. १८८. कथानकक भीतर 'वाटिका-विनाश' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) रामकाजक त्याग
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (D) भयवश पलायन

१८९. १८९. 'वाटिका-विनाश'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) रामकाजक त्याग
- (D) भयवश पलायन

१९०. १९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'वाटिका-विनाश' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) रामकाजक त्याग
- (C) भयवश पलायन
- (D) शत्रु-बलक परीक्षा आ चेतावनी

१९१. १९१. 'लंका-दहन' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अयोध्याक राजतिलक
- (B) सीताक विवाहोत्सव
- (C) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (D) किष्किन्धाक खेल

१९२. १९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'लंका-दहन'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीताक विवाहोत्सव
- (B) अयोध्याक राजतिलक
- (C) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (D) किष्किन्धाक खेल

१९३. १९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'लंका-दहन' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) अयोध्याक राजतिलक
- (B) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (C) किष्किन्धाक खेल
- (D) सीताक विवाहोत्सव

१९४. १९४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'लंका-दहन' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) अयोध्याक राजतिलक
- (B) किष्किन्धाक खेल
- (C) सीताक विवाहोत्सव
- (D) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार

१९५. १९५. 'लंका-दहन'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (B) सीताक विवाहोत्सव
- (C) अयोध्याक राजतिलक
- (D) किष्किन्धाक खेल

१९६. १९६. एहि पाठमे 'लंका-दहन' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (B) किष्किन्धाक खेल
- (C) सीताक विवाहोत्सव
- (D) अयोध्याक राजतिलक

१९७. १९७. 'लंका-दहन'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) अयोध्याक राजतिलक
- (B) सीताक विवाहोत्सव
- (C) किष्किन्धाक खेल
- (D) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार

१९८. १९८. कथानकक भीतर 'लंका-दहन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अयोध्याक राजतिलक
- (B) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (C) सीताक विवाहोत्सव
- (D) किष्किन्धाक खेल

१९९. १९९. 'लंका-दहन'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीताक विवाहोत्सव
- (B) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (C) किष्किन्धाक खेल
- (D) अयोध्याक राजतिलक

२००. २००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'लंका-दहन' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) किष्किन्धाक खेल
- (B) अधर्मक दर्प पर रामदूतक प्रहार
- (C) अयोध्याक राजतिलक
- (D) सीताक विवाहोत्सव

२०१. २०१. 'राम-स्मरण' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (B) रावण-स्तुति
- (C) फल-लोभ
- (D) मार्ग-विस्मरण

२०२. २०२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'राम-स्मरण'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (B) रावण-स्तुति
- (C) फल-लोभ
- (D) मार्ग-विस्मरण

२०३. २०३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'राम-स्मरण' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रावण-स्तुति
- (B) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (C) मार्ग-विस्मरण
- (D) फल-लोभ

२०४. २०४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'राम-स्मरण' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) फल-लोभ
- (B) मार्ग-विस्मरण
- (C) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (D) रावण-स्तुति

२०५. २०५. 'राम-स्मरण'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावण-स्तुति
- (B) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (C) मार्ग-विस्मरण
- (D) फल-लोभ

२०६. २०६. एहि पाठमे 'राम-स्मरण' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावण-स्तुति
- (B) फल-लोभ
- (C) मार्ग-विस्मरण
- (D) यात्राक आध्यात्मिक आधार

२०७. २०७. 'राम-स्मरण'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावण-स्तुति
- (B) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (C) मार्ग-विस्मरण
- (D) फल-लोभ

२०८. २०८. कथानकक भीतर 'राम-स्मरण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मार्ग-विस्मरण
- (B) फल-लोभ
- (C) रावण-स्तुति
- (D) यात्राक आध्यात्मिक आधार

२०९. २०९. 'राम-स्मरण'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) फल-लोभ
- (B) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (C) मार्ग-विस्मरण
- (D) रावण-स्तुति

२१०. २१०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'राम-स्मरण' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) फल-लोभ
- (B) यात्राक आध्यात्मिक आधार
- (C) मार्ग-विस्मरण
- (D) रावण-स्तुति

२११. २११. 'वानर-समूह' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र
- (B) रावणक दूत-मंडल
- (C) जनकपुरक कृषकसभा
- (D) लंकाक कर-अधिकारी

२१२. २१२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'वानर-समूह'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक दूत-मंडल
- (B) जनकपुरक कृषकसभा
- (C) लंकाक कर-अधिकारी
- (D) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र

२१३. २१३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'वानर-समूह' कें कोना बुझल जाए?

- (A) लंकाक कर-अधिकारी
- (B) रावणक दूत-मंडल
- (C) जनकपुरक कृषकसभा
- (D) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र

२१४. २१४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'वानर-समूह' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) जनकपुरक कृषकसभा
- (B) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र
- (C) लंकाक कर-अधिकारी
- (D) रावणक दूत-मंडल

२१५. २१५. 'वानर-समूह'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) लंकाक कर-अधिकारी
- (B) जनकपुरक कृषकसभा
- (C) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र
- (D) रावणक दूत-मंडल

२१६. २१६. एहि पाठमे 'वानर-समूह' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) जनकपुरक कृषकसभा
- (B) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र
- (C) रावणक दूत-मंडल
- (D) लंकाक कर-अधिकारी

२१७. २१७. 'वानर-समूह'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक दूत-मंडल
- (B) जनकपुरक कृषकसभा
- (C) लंकाक कर-अधिकारी
- (D) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र

२१८. २१८. कथानकक भीतर 'वानर-समूह' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लंकाक कर-अधिकारी
- (B) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र
- (C) जनकपुरक कृषकसभा
- (D) रावणक दूत-मंडल

२१९. २१९. 'वानर-समूह'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र
- (B) लंकाक कर-अधिकारी
- (C) रावणक दूत-मंडल
- (D) जनकपुरक कृषकसभा

२२०. २२०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'वानर-समूह' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) जनकपुरक कृषकसभा
- (B) लंकाक कर-अधिकारी
- (C) रावणक दूत-मंडल
- (D) हनुमानमे सामूहिक आशाक केन्द्र

२२१. २२१. 'पवन-सुत' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (B) भय
- (C) मोह
- (D) जड़ता

२२२. २२२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'पवन-सुत'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भय
- (B) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (C) मोह
- (D) जड़ता

२२३. २२३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'पवन-सुत' कें कोना बुझल जाए?

- (A) मोह
- (B) जड़ता
- (C) भय
- (D) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक

२२४. २२४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'पवन-सुत' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) भय
- (B) मोह
- (C) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (D) जड़ता

२२५. २२५. 'पवन-सुत'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) मोह
- (B) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (C) जड़ता
- (D) भय

२२६. २२६. एहि पाठमे 'पवन-सुत' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मोह
- (B) भय
- (C) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (D) जड़ता

२२७. २२७. 'पवन-सुत'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (B) मोह
- (C) जड़ता
- (D) भय

२२८. २२८. कथानकक भीतर 'पवन-सुत' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भय
- (B) जड़ता
- (C) मोह
- (D) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक

२२९. २२९. 'पवन-सुत'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) मोह
- (B) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (C) भय
- (D) जड़ता

२३०. २३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'पवन-सुत' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) मोह
- (B) गति, शक्ति आ निर्भयताक प्रतीक
- (C) भय
- (D) जड़ता

२३१. २३१. 'बाधा-त्रय' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) केवल राजाज्ञा
- (B) केवल भोज-गीत
- (C) केवल निद्रा
- (D) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा

२३२. २३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'बाधा-त्रय'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा
- (B) केवल भोज-गीत
- (C) केवल राजाज्ञा
- (D) केवल निद्रा

२३३. २३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'बाधा-त्रय' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा
- (B) केवल निद्रा
- (C) केवल भोज-गीत
- (D) केवल राजाज्ञा

२३४. २३४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'बाधा-त्रय' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) केवल निद्रा
- (B) केवल राजाज्ञा
- (C) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा
- (D) केवल भोज-गीत

२३५. २३५. 'बाधा-त्रय'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) केवल भोज-गीत
- (B) केवल निद्रा
- (C) केवल राजाज्ञा
- (D) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा

२३६. २३६. एहि पाठमे 'बाधा-त्रय' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा
- (B) केवल निद्रा
- (C) केवल भोज-गीत
- (D) केवल राजाज्ञा

२३७. २३७. 'बाधा-त्रय'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) केवल निद्रा
- (B) केवल भोज-गीत
- (C) केवल राजाज्ञा
- (D) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा

२३८. २३८. कथानकक भीतर 'बाधा-त्रय' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल भोज-गीत
- (B) केवल राजाज्ञा
- (C) केवल निद्रा
- (D) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा

२३९. २३९. 'बाधा-त्रय'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) केवल राजाज्ञा
- (B) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा
- (C) केवल निद्रा
- (D) केवल भोज-गीत

२४०. २४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'बाधा-त्रय' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) केवल भोज-गीत
- (B) केवल राजाज्ञा
- (C) मैनाक, सुरसा आ सिंहिका जेहन मार्ग-परीक्षा
- (D) केवल निद्रा

२४१. २४१. 'लघु-रूप' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) शत्रु-प्रणाम
- (B) कर्म-विस्मरण
- (C) अकारण गर्व
- (D) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि

२४२. २४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'लघु-रूप'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (B) शत्रु-प्रणाम
- (C) कर्म-विस्मरण
- (D) अकारण गर्व

२४३. २४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'लघु-रूप' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (B) अकारण गर्व
- (C) कर्म-विस्मरण
- (D) शत्रु-प्रणाम

२४४. २४४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'लघु-रूप' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) कर्म-विस्मरण
- (B) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (C) अकारण गर्व
- (D) शत्रु-प्रणाम

२४५. २४५. 'लघु-रूप'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अकारण गर्व
- (B) कर्म-विस्मरण
- (C) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (D) शत्रु-प्रणाम

२४६. २४६. एहि पाठमे 'लघु-रूप' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (B) अकारण गर्व
- (C) शत्रु-प्रणाम
- (D) कर्म-विस्मरण

२४७. २४७. 'लघु-रूप'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) शत्रु-प्रणाम
- (B) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (C) अकारण गर्व
- (D) कर्म-विस्मरण

२४८. २४८. कथानकक भीतर 'लघु-रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कर्म-विस्मरण
- (B) अकारण गर्व
- (C) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि
- (D) शत्रु-प्रणाम

२४९. २४९. 'लघु-रूप'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) शत्रु-प्रणाम
- (B) कर्म-विस्मरण
- (C) अकारण गर्व
- (D) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि

२५०. २५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'लघु-रूप' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) कर्म-विस्मरण
- (B) अकारण गर्व
- (C) शत्रु-प्रणाम
- (D) स्थिति अनुसार सूक्ष्म बनबाक बुद्धि

२५१. २५१. 'विराट-रूप' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) दुर्बलता
- (B) पलायन
- (C) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (D) भ्रम

२५२. २५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'विराट-रूप'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भ्रम
- (B) पलायन
- (C) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (D) दुर्बलता

२५३. २५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'विराट-रूप' कें कोना बुझल जाए?

- (A) भ्रम
- (B) पलायन
- (C) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (D) दुर्बलता

२५४. २५४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'विराट-रूप' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (B) पलायन
- (C) भ्रम
- (D) दुर्बलता

२५५. २५५. 'विराट-रूप'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) पलायन
- (B) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (C) दुर्बलता
- (D) भ्रम

२५६. २५६. एहि पाठमे 'विराट-रूप' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (B) दुर्बलता
- (C) पलायन
- (D) भ्रम

२५७. २५७. 'विराट-रूप'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (B) पलायन
- (C) दुर्बलता
- (D) भ्रम

२५८. २५८. कथानकक भीतर 'विराट-रूप' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (B) भ्रम
- (C) पलायन
- (D) दुर्बलता

२५९. २५९. 'विराट-रूप'क चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (B) पलायन
- (C) भ्रम
- (D) दुर्बलता

२६०. २६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'विराट-रूप' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) भ्रम
- (B) पलायन
- (C) सामर्थ्य देखयबाक प्रसंगोचित क्षमता
- (D) दुर्बलता

२६१. २६१. 'सिंहिका-वध' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (B) मित्र-सम्मान
- (C) रामक विलाप
- (D) सीताक गीत

२६२. २६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सिंहिका-वध'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (B) मित्र-सम्मान
- (C) रामक विलाप
- (D) सीताक गीत

२६३. २६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सिंहिका-वध' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक गीत
- (B) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (C) रामक विलाप
- (D) मित्र-सम्मान

२६४. २६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सिंहिका-वध' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) मित्र-सम्मान
- (B) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (C) सीताक गीत
- (D) रामक विलाप

२६५. २६५. 'सिंहिका-वध'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) मित्र-सम्मान
- (B) सीताक गीत
- (C) रामक विलाप
- (D) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार

२६६. २६६. एहि पाठमे 'सिंहिका-वध' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (B) रामक विलाप
- (C) सीताक गीत
- (D) मित्र-सम्मान

२६७. २६७. 'सिंहिका-वध'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीताक गीत
- (B) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (C) रामक विलाप
- (D) मित्र-सम्मान

२६८. २६८. कथानकक भीतर 'सिंहिका-वध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (B) सीताक गीत
- (C) रामक विलाप
- (D) मित्र-सम्मान

२६९. २६९. 'सिंहिका-वध'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (B) सीताक गीत
- (C) मित्र-सम्मान
- (D) रामक विलाप

२७०. २७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सिंहिका-वध' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) घातक बाधा पर निर्णायक प्रहार
- (B) सीताक गीत
- (C) रामक विलाप
- (D) मित्र-सम्मान

२७१. २७१. 'समुद्र' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (B) पत्रक पन्ना
- (C) मधुर आँगन
- (D) साधारण कपाट

२७२. २७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'समुद्र'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मधुर आँगन
- (B) पत्रक पन्ना
- (C) साधारण कपाट
- (D) असम्भव लगैत संकटक रूपक

२७३. २७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'समुद्र' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (B) मधुर आँगन
- (C) साधारण कपाट
- (D) पत्रक पन्ना

२७४. २७४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'समुद्र' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (B) मधुर आँगन
- (C) पत्रक पन्ना
- (D) साधारण कपाट

२७५. २७५. 'समुद्र'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) साधारण कपाट
- (B) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (C) मधुर आँगन
- (D) पत्रक पन्ना

२७६. २७६. एहि पाठमे 'समुद्र' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (B) साधारण कपाट
- (C) पत्रक पन्ना
- (D) मधुर आँगन

२७७. २७७. 'समुद्र'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) मधुर आँगन
- (B) साधारण कपाट
- (C) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (D) पत्रक पन्ना

२७८. २७८. कथानकक भीतर 'समुद्र' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मधुर आँगन
- (B) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (C) पत्रक पन्ना
- (D) साधारण कपाट

२७९. २७९. 'समुद्र'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) असम्भव लगैत संकटक रूपक
- (B) साधारण कपाट
- (C) पत्रक पन्ना
- (D) मधुर आँगन

२८०. २८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'समुद्र' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) मधुर आँगन
- (B) पत्रक पन्ना
- (C) साधारण कपाट
- (D) असम्भव लगैत संकटक रूपक

२८१. २८१. 'दिशा-स्मृति' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) मार्ग भुलाएब
- (B) रावणक सेवक बनब
- (C) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (D) रामकाज छोड़ब

२८२. २८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'दिशा-स्मृति'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रामकाज छोड़ब
- (B) मार्ग भुलाएब
- (C) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (D) रावणक सेवक बनब

२८३. २८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'दिशा-स्मृति' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रामकाज छोड़ब
- (B) मार्ग भुलाएब
- (C) रावणक सेवक बनब
- (D) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब

२८४. २८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'दिशा-स्मृति' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (B) रावणक सेवक बनब
- (C) मार्ग भुलाएब
- (D) रामकाज छोड़ब

२८५. २८५. 'दिशा-स्मृति'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) मार्ग भुलाएब
- (B) रामकाज छोड़ब
- (C) रावणक सेवक बनब
- (D) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब

२८६. २८६. एहि पाठमे 'दिशा-स्मृति' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (B) मार्ग भुलाएब
- (C) रामकाज छोड़ब
- (D) रावणक सेवक बनब

२८७. २८७. 'दिशा-स्मृति'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) मार्ग भुलाएब
- (B) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (C) रामकाज छोड़ब
- (D) रावणक सेवक बनब

२८८. २८८. कथानकक भीतर 'दिशा-स्मृति' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (B) मार्ग भुलाएब
- (C) रावणक सेवक बनब
- (D) रामकाज छोड़ब

२८९. २८९. 'दिशा-स्मृति'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (B) रामकाज छोड़ब
- (C) मार्ग भुलाएब
- (D) रावणक सेवक बनब

२९०. २९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'दिशा-स्मृति' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रावणक सेवक बनब
- (B) लक्ष्य लंका आ सीता-खोज पर मन स्थिर राखब
- (C) मार्ग भुलाएब
- (D) रामकाज छोड़ब

२९१. २९१. 'उड़ान' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (B) शत्रु-मिलन
- (C) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (D) लोभक निद्रा

२९२. २९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'उड़ान'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) लोभक निद्रा
- (D) शत्रु-मिलन

२९३. २९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'उड़ान' कें कोना बुझल जाए?

- (A) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (B) शत्रु-मिलन
- (C) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (D) लोभक निद्रा

२९४. २९४. परीक्षा-दृष्टिँ 'उड़ान' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) लोभक निद्रा
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (D) शत्रु-मिलन

२९५. २९५. 'उड़ान'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (B) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (C) शत्रु-मिलन
- (D) लोभक निद्रा

२९६. २९६. एहि पाठमे 'उड़ान' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (B) शत्रु-मिलन
- (C) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (D) लोभक निद्रा

२९७. २९७. 'उड़ान'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) शत्रु-मिलन
- (B) लोभक निद्रा
- (C) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (D) निष्क्रिय प्रतीक्षा

२९८. २९८. कथानकक भीतर 'उड़ान' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (B) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (C) लोभक निद्रा
- (D) शत्रु-मिलन

२९९. २९९. 'उड़ान'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (B) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (C) शत्रु-मिलन
- (D) लोभक निद्रा

३००. ३००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'उड़ान' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) लोभक निद्रा
- (B) विश्वास आ पराक्रमक दृश्यरूप
- (C) निष्क्रिय प्रतीक्षा
- (D) शत्रु-मिलन

3

३०१. ३०१. 'लंका' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (B) रामराज्यक आदर्श
- (C) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (D) ऋषि-आश्रम

३०२. ३०२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'लंका'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (B) रामराज्यक आदर्श
- (C) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (D) ऋषि-आश्रम

३०३. ३०३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'लंका' कें कोना बुझल जाए?

- (A) ऋषि-आश्रम
- (B) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (C) रामराज्यक आदर्श
- (D) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर

३०४. ३०४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'लंका' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामराज्यक आदर्श
- (B) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (C) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (D) ऋषि-आश्रम

३०५. ३०५. 'लंका'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रामराज्यक आदर्श
- (B) ऋषि-आश्रम
- (C) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (D) जनकपुरक विवाह-मंडप

३०६. ३०६. एहि पाठमे 'लंका' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (B) ऋषि-आश्रम
- (C) रामराज्यक आदर्श
- (D) जनकपुरक विवाह-मंडप

३०७. ३०७. 'लंका'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रामराज्यक आदर्श
- (B) ऋषि-आश्रम
- (C) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (D) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर

३०८. ३०८. कथानकक भीतर 'लंका' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (B) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (C) ऋषि-आश्रम
- (D) रामराज्यक आदर्श

३०९. ३०९. 'लंका'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) ऋषि-आश्रम
- (B) रामराज्यक आदर्श
- (C) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (D) जनकपुरक विवाह-मंडप

३१०. ३१०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'लंका' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) वैभवयुक्त मुदा अधर्मग्रस्त नगर
- (B) रामराज्यक आदर्श
- (C) जनकपुरक विवाह-मंडप
- (D) ऋषि-आश्रम

३११. ३११. 'रात्रि-प्रवेश' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (B) शोर-घोषणा
- (C) रावणक अनुमति
- (D) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय

३१२. ३१२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रात्रि-प्रवेश'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शोर-घोषणा
- (B) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (C) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (D) रावणक अनुमति

३१३. ३१३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रात्रि-प्रवेश' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (B) शोर-घोषणा
- (C) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (D) रावणक अनुमति

३१४. ३१४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'रात्रि-प्रवेश' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (B) शोर-घोषणा
- (C) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (D) रावणक अनुमति

३१५. ३१५. 'रात्रि-प्रवेश'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (B) शोर-घोषणा
- (C) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (D) रावणक अनुमति

३१६. ३१६. एहि पाठमे 'रात्रि-प्रवेश' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शोर-घोषणा
- (B) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (C) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (D) रावणक अनुमति

३१७. ३१७. 'रात्रि-प्रवेश'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक अनुमति
- (B) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (C) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (D) शोर-घोषणा

३१८. ३१८. कथानकक भीतर 'रात्रि-प्रवेश' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) शोर-घोषणा
- (B) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (C) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (D) रावणक अनुमति

३१९. ३१९. 'रात्रि-प्रवेश'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) शोर-घोषणा
- (B) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (C) रावणक अनुमति
- (D) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय

३२०. ३२०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रात्रि-प्रवेश' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) खुल्लमखुल्ला चुनौती
- (B) रावणक अनुमति
- (C) गुप्तचर-विवेक आ सावधानीक उपाय
- (D) शोर-घोषणा

३२१. ३२१. 'महल-दर्शन' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) लोभमे फँसनाइ
- (B) रामनिन्दा
- (C) सीता-विस्मरण
- (D) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति

३२२. ३२२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'महल-दर्शन'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीता-विस्मरण
- (B) लोभमे फँसनाइ
- (C) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (D) रामनिन्दा

३२३. ३२३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'महल-दर्शन' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (B) सीता-विस्मरण
- (C) लोभमे फँसनाइ
- (D) रामनिन्दा

३२४. ३२४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'महल-दर्शन' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामनिन्दा
- (B) सीता-विस्मरण
- (C) लोभमे फँसनाइ
- (D) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति

३२५. ३२५. 'महल-दर्शन'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) लोभमे फँसनाइ
- (B) रामनिन्दा
- (C) सीता-विस्मरण
- (D) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति

३२६. ३२६. एहि पाठमे 'महल-दर्शन' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोभमे फँसनाइ
- (B) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (C) रामनिन्दा
- (D) सीता-विस्मरण

३२७. ३२७. 'महल-दर्शन'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) लोभमे फँसनाइ
- (B) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (C) रामनिन्दा
- (D) सीता-विस्मरण

३२८. ३२८. कथानकक भीतर 'महल-दर्शन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रामनिन्दा
- (B) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (C) सीता-विस्मरण
- (D) लोभमे फँसनाइ

३२९. ३२९. 'महल-दर्शन'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीता-विस्मरण
- (B) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (C) लोभमे फँसनाइ
- (D) रामनिन्दा

३३०. ३३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'महल-दर्शन' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीता-विस्मरण
- (B) रामनिन्दा
- (C) भोग-विलास बीच लक्ष्य-स्मृति
- (D) लोभमे फँसनाइ

३३१. ३३१. 'सीता-खोज' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) राजकोष गननाइ
- (B) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (C) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (D) वाणिज्य करार

३३२. ३३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीता-खोज'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) वाणिज्य करार
- (B) राजकोष गननाइ
- (C) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (D) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य

३३३. ३३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीता-खोज' कें कोना बुझल जाए?

- (A) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (B) राजकोष गननाइ
- (C) वाणिज्य करार
- (D) अन्न-भण्डार देखनाइ

३३४. ३३४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सीता-खोज' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (B) वाणिज्य करार
- (C) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (D) राजकोष गननाइ

३३५. ३३५. 'सीता-खोज'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (B) वाणिज्य करार
- (C) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (D) राजकोष गननाइ

३३६. ३३६. एहि पाठमे 'सीता-खोज' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (B) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (C) वाणिज्य करार
- (D) राजकोष गननाइ

३३७. ३३७. 'सीता-खोज'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (B) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (C) वाणिज्य करार
- (D) राजकोष गननाइ

३३८. ३३८. कथानकक भीतर 'सीता-खोज' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) राजकोष गननाइ
- (B) वाणिज्य करार
- (C) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (D) अन्न-भण्डार देखनाइ

३३९. ३३९. 'सीता-खोज'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (B) वाणिज्य करार
- (C) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य
- (D) राजकोष गननाइ

३४०. ३४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीता-खोज' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) अन्न-भण्डार देखनाइ
- (B) वाणिज्य करार
- (C) राजकोष गननाइ
- (D) सुन्दरकाण्डक मूल प्रेरक लक्ष्य

३४१. ३४१. 'राक्षसी घेरा' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) गुरु-आशीर्वाद
- (B) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (C) मंगलगान
- (D) सखी-सम्मेलन

३४२. ३४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'राक्षसी घेरा'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (B) मंगलगान
- (C) गुरु-आशीर्वाद
- (D) सखी-सम्मेलन

३४३. ३४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'राक्षसी घेरा' कें कोना बुझल जाए?

- (A) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (B) मंगलगान
- (C) गुरु-आशीर्वाद
- (D) सखी-सम्मेलन

३४४. ३४४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'राक्षसी घेरा' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सखी-सम्मेलन
- (B) मंगलगान
- (C) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (D) गुरु-आशीर्वाद

३४५. ३४५. 'राक्षसी घेरा'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) सखी-सम्मेलन
- (B) गुरु-आशीर्वाद
- (C) मंगलगान
- (D) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव

३४६. ३४६. एहि पाठमे 'राक्षसी घेरा' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मंगलगान
- (B) गुरु-आशीर्वाद
- (C) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (D) सखी-सम्मेलन

३४७. ३४७. 'राक्षसी घेरा'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) मंगलगान
- (B) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (C) गुरु-आशीर्वाद
- (D) सखी-सम्मेलन

३४८. ३४८. कथानकक भीतर 'राक्षसी घेरा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गुरु-आशीर्वाद
- (B) मंगलगान
- (C) सखी-सम्मेलन
- (D) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव

३४९. ३४९. 'राक्षसी घेरा'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) गुरु-आशीर्वाद
- (B) सखी-सम्मेलन
- (C) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (D) मंगलगान

३५०. ३५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'राक्षसी घेरा' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीता पर अन्यायपूर्ण दबाव
- (B) मंगलगान
- (C) सखी-सम्मेलन
- (D) गुरु-आशीर्वाद

३५१. ३५१. 'रावणक धमकी' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रामभक्ति
- (B) विनय
- (C) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप
- (D) क्षमायाचना

३५२. ३५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रावणक धमकी'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) विनय
- (B) रामभक्ति
- (C) क्षमायाचना
- (D) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप

३५३. ३५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रावणक धमकी' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) विनय
- (B) रामभक्ति
- (C) क्षमायाचना
- (D) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप

३५४. ३५४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'रावणक धमकी' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामभक्ति
- (B) क्षमायाचना
- (C) विनय
- (D) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप

३५५. ३५५. 'रावणक धमकी'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) विनय
- (B) क्षमायाचना
- (C) रामभक्ति
- (D) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप

३५६. ३५६. एहि पाठमे 'रावणक धमकी' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप
- (B) रामभक्ति
- (C) क्षमायाचना
- (D) विनय

३५७. ३५७. 'रावणक धमकी'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) क्षमायाचना
- (B) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप
- (C) विनय
- (D) रामभक्ति

३५८. ३५८. कथानकक भीतर 'रावणक धमकी' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रामभक्ति
- (B) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप
- (C) विनय
- (D) क्षमायाचना

३५९. ३५९. 'रावणक धमकी'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप
- (B) रामभक्ति
- (C) विनय
- (D) क्षमायाचना

३६०. ३६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रावणक धमकी' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रामभक्ति
- (B) विनय
- (C) अहंकार आ अधर्मक चरम रूप
- (D) क्षमायाचना

३६१. ३६१. 'त्रिजटा' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) मैनाकक दूत
- (B) हनुमानक शत्रु
- (C) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (D) रावणक अंध-समर्थक

३६२. ३६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'त्रिजटा'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक अंध-समर्थक
- (B) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (C) मैनाकक दूत
- (D) हनुमानक शत्रु

३६३. ३६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'त्रिजटा' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक अंध-समर्थक
- (B) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (C) हनुमानक शत्रु
- (D) मैनाकक दूत

३६४. ३६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'त्रिजटा' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रावणक अंध-समर्थक
- (B) मैनाकक दूत
- (C) हनुमानक शत्रु
- (D) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर

३६५. ३६५. 'त्रिजटा'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावणक अंध-समर्थक
- (B) मैनाकक दूत
- (C) हनुमानक शत्रु
- (D) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर

३६६. ३६६. एहि पाठमे 'त्रिजटा' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक अंध-समर्थक
- (B) हनुमानक शत्रु
- (C) मैनाकक दूत
- (D) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर

३६७. ३६७. 'त्रिजटा'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) हनुमानक शत्रु
- (B) रावणक अंध-समर्थक
- (C) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (D) मैनाकक दूत

३६८. ३६८. कथानकक भीतर 'त्रिजटा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (B) हनुमानक शत्रु
- (C) मैनाकक दूत
- (D) रावणक अंध-समर्थक

३६९. ३६९. 'त्रिजटा'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) हनुमानक शत्रु
- (B) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (C) मैनाकक दूत
- (D) रावणक अंध-समर्थक

३७०. ३७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'त्रिजटा' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रावणक अंध-समर्थक
- (B) राक्षसी समूहमे विवेकक स्वर
- (C) मैनाकक दूत
- (D) हनुमानक शत्रु

३७१. ३७१. 'सीताक धैर्य' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (B) रावणक स्वीकार
- (C) राम-विस्मरण
- (D) भयमे समर्पण

३७२. ३७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीताक धैर्य'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (B) भयमे समर्पण
- (C) रावणक स्वीकार
- (D) राम-विस्मरण

३७३. ३७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीताक धैर्य' कें कोना बुझल जाए?

- (A) भयमे समर्पण
- (B) रावणक स्वीकार
- (C) राम-विस्मरण
- (D) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा

३७४. ३७४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सीताक धैर्य' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (B) भयमे समर्पण
- (C) रावणक स्वीकार
- (D) राम-विस्मरण

३७५. ३७५. 'सीताक धैर्य'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (B) राम-विस्मरण
- (C) भयमे समर्पण
- (D) रावणक स्वीकार

३७६. ३७६. एहि पाठमे 'सीताक धैर्य' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक स्वीकार
- (B) भयमे समर्पण
- (C) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (D) राम-विस्मरण

३७७. ३७७. 'सीताक धैर्य'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (B) रावणक स्वीकार
- (C) भयमे समर्पण
- (D) राम-विस्मरण

३७८. ३७८. कथानकक भीतर 'सीताक धैर्य' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रावणक स्वीकार
- (B) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (C) राम-विस्मरण
- (D) भयमे समर्पण

३७९. ३७९. 'सीताक धैर्य'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) भयमे समर्पण
- (B) राम-विस्मरण
- (C) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (D) रावणक स्वीकार

३८०. ३८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीताक धैर्य' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) राम-विस्मरण
- (B) अपमानमे सेहो मर्यादा आ निष्ठा
- (C) रावणक स्वीकार
- (D) भयमे समर्पण

३८१. ३८१. 'शिशपा-आड़ि' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रावणक जयकार
- (B) तुरन्त हुल्लड़
- (C) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (D) सीता भयादोहन

३८२. ३८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'शिशपा-आड़ि'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीता भयादोहन
- (B) रावणक जयकार
- (C) तुरन्त हुल्लड़
- (D) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा

३८३. ३८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'शिशपा-आड़ि' कें कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक जयकार
- (B) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (C) सीता भयादोहन
- (D) तुरन्त हुल्लड़

३८४. ३८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'शिशपा-आड़ि' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीता भयादोहन
- (B) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (C) रावणक जयकार
- (D) तुरन्त हुल्लड़

३८५. ३८५. 'शिशपा-आड़ि'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (B) सीता भयादोहन
- (C) रावणक जयकार
- (D) तुरन्त हुल्लड़

३८६. ३८६. एहि पाठमे 'शिशपा-आड़ि' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (B) तुरन्त हुल्लड़
- (C) रावणक जयकार
- (D) सीता भयादोहन

३८७. ३८७. 'शिशपा-आड़ि'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक जयकार
- (B) तुरन्त हुल्लड़
- (C) सीता भयादोहन
- (D) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा

३८८. ३८८. कथानकक भीतर 'शिशपा-आड़ि' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सीता भयादोहन
- (B) तुरन्त हुल्लड़
- (C) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (D) रावणक जयकार

३८९. ३८९. 'शिशपा-आड़ि'क चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (B) तुरन्त हुल्लड़
- (C) सीता भयादोहन
- (D) रावणक जयकार

३९०. ३९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'शिशपा-आड़ि' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीता भयादोहन
- (B) तुरन्त हुल्लड़
- (C) हनुमानक उचित समय प्रतीक्षा
- (D) रावणक जयकार

३९१. ३९१. 'अशोक-वाटिका' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (B) सैनिक बाजार
- (C) कर-कार्यालय
- (D) विजय-महोत्सव

३९२. ३९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'अशोक-वाटिका'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) कर-कार्यालय
- (B) विजय-महोत्सव
- (C) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (D) सैनिक बाजार

३९३. ३९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'अशोक-वाटिका' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सैनिक बाजार
- (B) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (C) विजय-महोत्सव
- (D) कर-कार्यालय

३९४. ३९४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'अशोक-वाटिका' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) विजय-महोत्सव
- (B) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (C) कर-कार्यालय
- (D) सैनिक बाजार

३९५. ३९५. 'अशोक-वाटिका'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) विजय-महोत्सव
- (B) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (C) सैनिक बाजार
- (D) कर-कार्यालय

३९६. ३९६. एहि पाठमे 'अशोक-वाटिका' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विजय-महोत्सव
- (B) कर-कार्यालय
- (C) सैनिक बाजार
- (D) शोक बीच आशाक उदय-भूमि

३९७. ३९७. 'अशोक-वाटिका'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) कर-कार्यालय
- (B) विजय-महोत्सव
- (C) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (D) सैनिक बाजार

३९८. ३९८. कथानकक भीतर 'अशोक-वाटिका' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कर-कार्यालय
- (B) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (C) विजय-महोत्सव
- (D) सैनिक बाजार

३९९. ३९९. 'अशोक-वाटिका'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (B) सैनिक बाजार
- (C) विजय-महोत्सव
- (D) कर-कार्यालय

४००. ४००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'अशोक-वाटिका' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) शोक बीच आशाक उदय-भूमि
- (B) विजय-महोत्सव
- (C) कर-कार्यालय
- (D) सैनिक बाजार

४०१. ४०१. 'रामकथा-स्मरण' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रावणक स्तुति
- (B) अर्थहीन शोर
- (C) मौन उपहास
- (D) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय

४०२. ४०२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रामकथा-स्मरण'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अर्थहीन शोर
- (B) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (C) रावणक स्तुति
- (D) मौन उपहास

४०३. ४०३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रामकथा-स्मरण' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) अर्थहीन शोर
- (B) मौन उपहास
- (C) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (D) रावणक स्तुति

४०४. ४०४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'रामकथा-स्मरण' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (B) मौन उपहास
- (C) रावणक स्तुति
- (D) अर्थहीन शोर

४०५. ४०५. 'रामकथा-स्मरण'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अर्थहीन शोर
- (B) रावणक स्तुति
- (C) मौन उपहास
- (D) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय

४०६. ४०६. एहि पाठमे 'रामकथा-स्मरण' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (B) रावणक स्तुति
- (C) मौन उपहास
- (D) अर्थहीन शोर

४०७. ४०७. 'रामकथा-स्मरण'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (B) अर्थहीन शोर
- (C) रावणक स्तुति
- (D) मौन उपहास

४०८. ४०८. कथानकक भीतर 'रामकथा-स्मरण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अर्थहीन शोर
- (B) रावणक स्तुति
- (C) मौन उपहास
- (D) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय

४०९. ४०९. 'रामकथा-स्मरण'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) मौन उपहास
- (B) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (C) रावणक स्तुति
- (D) अर्थहीन शोर

४१०. ४१०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रामकथा-स्मरण' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रावणक स्तुति
- (B) विश्वास जगयबाक आरम्भिक उपाय
- (C) अर्थहीन शोर
- (D) मौन उपहास

४११. ४११. 'मुद्रिका-दर्शन' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (B) रावणक पत्र
- (C) मैनाकक फूल
- (D) सिंहिकाक छाया

४१२. ४१२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'मुद्रिका-दर्शन'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक पत्र
- (B) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (C) मैनाकक फूल
- (D) सिंहिकाक छाया

४१३. ४१३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'मुद्रिका-दर्शन' कें कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक पत्र
- (B) सिंहिकाक छाया
- (C) मैनाकक फूल
- (D) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण

४१४. ४१४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'मुद्रिका-दर्शन' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (B) रावणक पत्र
- (C) सिंहिकाक छाया
- (D) मैनाकक फूल

४१५. ४१५. 'मुद्रिका-दर्शन'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) मैनाकक फूल
- (B) रावणक पत्र
- (C) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (D) सिंहिकाक छाया

४१६. ४१६. एहि पाठमे 'मुद्रिका-दर्शन' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैनाकक फूल
- (B) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (C) रावणक पत्र
- (D) सिंहिकाक छाया

४१७. ४१७. 'मुद्रिका-दर्शन'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सिंहिकाक छाया
- (B) मैनाकक फूल
- (C) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (D) रावणक पत्र

४१८. ४१८. कथानकक भीतर 'मुद्रिका-दर्शन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सिंहिकाक छाया
- (B) रावणक पत्र
- (C) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (D) मैनाकक फूल

४१९. ४१९. 'मुद्रिका-दर्शन'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सिंहिकाक छाया
- (B) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (C) मैनाकक फूल
- (D) रावणक पत्र

४२०. ४२०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'मुद्रिका-दर्शन' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सिंहिकाक छाया
- (B) सीताक संशय दूर करयवला प्रमाण
- (C) मैनाकक फूल
- (D) रावणक पत्र

४२१. ४२१. 'हनुमानक विनय' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अपमान
- (B) धमकी
- (C) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (D) अहंकार

४२२. ४२२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'हनुमानक विनय'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अहंकार
- (B) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (C) धमकी
- (D) अपमान

४२३. ४२३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'हनुमानक विनय' कें कोना बुझल जाए?

- (A) धमकी
- (B) अहंकार
- (C) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (D) अपमान

४२४. ४२४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'हनुमानक विनय' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) धमकी
- (B) अहंकार
- (C) अपमान
- (D) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार

४२५. ४२५. 'हनुमानक विनय'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (B) अहंकार
- (C) धमकी
- (D) अपमान

४२६. ४२६. एहि पाठमे 'हनुमानक विनय' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) धमकी
- (B) अपमान
- (C) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (D) अहंकार

४२७. ४२७. 'हनुमानक विनय'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) धमकी
- (B) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (C) अपमान
- (D) अहंकार

४२८. ४२८. कथानकक भीतर 'हनुमानक विनय' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (B) अपमान
- (C) धमकी
- (D) अहंकार

४२९. ४२९. 'हनुमानक विनय'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) अहंकार
- (B) अपमान
- (C) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (D) धमकी

४३०. ४३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'हनुमानक विनय' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) धमकी
- (B) अपमान
- (C) बलशाली होइतो मर्यादित दूत-व्यवहार
- (D) अहंकार

४३१. ४३१. 'सीताक प्रश्न' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अविवेकी विश्वास
- (B) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (C) रामक तिरस्कार
- (D) रावणक प्रशंसा

४३२. ४३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीताक प्रश्न'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) रामक तिरस्कार
- (C) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (D) अविवेकी विश्वास

४३३. ४३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीताक प्रश्न' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) रामक तिरस्कार
- (C) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (D) अविवेकी विश्वास

४३४. ४३४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सीताक प्रश्न' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) रामक तिरस्कार
- (D) अविवेकी विश्वास

४३५. ४३५. 'सीताक प्रश्न'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (C) रामक तिरस्कार
- (D) अविवेकी विश्वास

४३६. ४३६. एहि पाठमे 'सीताक प्रश्न' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) अविवेकी विश्वास
- (C) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (D) रामक तिरस्कार

४३७. ४३७. 'सीताक प्रश्न'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (C) अविवेकी विश्वास
- (D) रामक तिरस्कार

४३८. ४३८. कथानकक भीतर 'सीताक प्रश्न' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) रामक तिरस्कार
- (B) सावधानी आ विवेकक चिन्ह
- (C) अविवेकी विश्वास
- (D) रावणक प्रशंसा

४३९. ४३९. 'सीताक प्रश्न'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावणक प्रशंसा
- (B) अविवेकी विश्वास
- (C) रामक तिरस्कार
- (D) सावधानी आ विवेकक चिन्ह

४४०. ४४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीताक प्रश्न' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) अविवेकी विश्वास
- (B) रावणक प्रशंसा
- (C) रामक तिरस्कार
- (D) सावधानी आ विवेकक चिन्ह

४४१. ४४१. 'रामक कुशल' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (B) युद्ध-त्याग
- (C) रावणक विजय
- (D) सीताक दोष

४४२. ४४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रामक कुशल'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक विजय
- (B) युद्ध-त्याग
- (C) सीताक दोष
- (D) विरहमे आशा देनिहार समाचार

४४३. ४४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रामक कुशल' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक दोष
- (B) रावणक विजय
- (C) युद्ध-त्याग
- (D) विरहमे आशा देनिहार समाचार

४४४. ४४४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'रामक कुशल' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रावणक विजय
- (B) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (C) सीताक दोष
- (D) युद्ध-त्याग

४४५. ४४५. 'रामक कुशल'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (B) युद्ध-त्याग
- (C) रावणक विजय
- (D) सीताक दोष

४४६. ४४६. एहि पाठमे 'रामक कुशल' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक दोष
- (B) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (C) युद्ध-त्याग
- (D) रावणक विजय

४४७. ४४७. 'रामक कुशल'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक विजय
- (B) सीताक दोष
- (C) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (D) युद्ध-त्याग

४४८. ४४८. कथानकक भीतर 'रामक कुशल' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) युद्ध-त्याग
- (B) सीताक दोष
- (C) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (D) रावणक विजय

४४९. ४४९. 'रामक कुशल'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) युद्ध-त्याग
- (B) सीताक दोष
- (C) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (D) रावणक विजय

४५०. ४५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रामक कुशल' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक दोष
- (B) रावणक विजय
- (C) विरहमे आशा देनिहार समाचार
- (D) युद्ध-त्याग

४५१. ४५१. 'लक्ष्मण-स्मरण' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) समुद्र-राज
- (B) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (C) राक्षसी-मंडल
- (D) लंकिनीक शाप

४५२. ४५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'लक्ष्मण-स्मरण'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) लंकिनीक शाप
- (B) राक्षसी-मंडल
- (C) समुद्र-राज
- (D) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत

४५३. ४५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'लक्ष्मण-स्मरण' कें कोना बुझल जाए?

- (A) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (B) समुद्र-राज
- (C) लंकिनीक शाप
- (D) राक्षसी-मंडल

४५४. ४५४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'लक्ष्मण-स्मरण' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) लंकिनीक शाप
- (B) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (C) समुद्र-राज
- (D) राक्षसी-मंडल

४५५. ४५५. 'लक्ष्मण-स्मरण'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) समुद्र-राज
- (B) लंकिनीक शाप
- (C) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (D) राक्षसी-मंडल

४५६. ४५६. एहि पाठमे 'लक्ष्मण-स्मरण' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) राक्षसी-मंडल
- (B) लंकिनीक शाप
- (C) समुद्र-राज
- (D) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत

४५७. ४५७. 'लक्ष्मण-स्मरण'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) राक्षसी-मंडल
- (B) समुद्र-राज
- (C) लंकिनीक शाप
- (D) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत

४५८. ४५८. कथानकक भीतर 'लक्ष्मण-स्मरण' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) राक्षसी-मंडल
- (B) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (C) समुद्र-राज
- (D) लंकिनीक शाप

४५९. ४५९. 'लक्ष्मण-स्मरण'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) लंकिनीक शाप
- (B) राक्षसी-मंडल
- (C) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (D) समुद्र-राज

४६०. ४६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'लक्ष्मण-स्मरण' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सेवा आ परिवारिक निष्ठाक संकेत
- (B) लंकिनीक शाप
- (C) राक्षसी-मंडल
- (D) समुद्र-राज

४६१. ४६१. 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीता छोड़ि देनाइ
- (B) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (C) संदेश छिपेनाइ
- (D) रावणक सेवा

४६२. ४६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (B) रावणक सेवा
- (C) संदेश छिपेनाइ
- (D) सीता छोड़ि देनाइ

४६३. ४६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव' कें कोना बुझल जाए?

- (A) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (B) सीता छोड़ि देनाइ
- (C) रावणक सेवा
- (D) संदेश छिपेनाइ

४६४. ४६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (B) संदेश छिपेनाइ
- (C) सीता छोड़ि देनाइ
- (D) रावणक सेवा

४६५. ४६५. 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावणक सेवा
- (B) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (C) सीता छोड़ि देनाइ
- (D) संदेश छिपेनाइ

४६६. ४६६. एहि पाठमे 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संदेश छिपेनाइ
- (B) सीता छोड़ि देनाइ
- (C) रावणक सेवा
- (D) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता

४६७. ४६७. 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीता छोड़ि देनाइ
- (B) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (C) रावणक सेवा
- (D) संदेश छिपेनाइ

४६८. ४६८. कथानकक भीतर 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (B) संदेश छिपेनाइ
- (C) रावणक सेवा
- (D) सीता छोड़ि देनाइ

४६९. ४६९. 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) संदेश छिपेनाइ
- (B) रावणक सेवा
- (C) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (D) सीता छोड़ि देनाइ

४७०. ४७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'तुरन्त उद्धार प्रस्ताव' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) संदेश छिपेनाइ
- (B) हनुमानक सेवाभाव आ वीरता
- (C) सीता छोड़ि देनाइ
- (D) रावणक सेवा

४७१. ४७१. 'सीताक अस्वीकार' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा
- (B) रावण डर
- (C) हनुमान पर घृणा
- (D) लंका प्रेम

४७२. ४७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीताक अस्वीकार'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) हनुमान पर घृणा
- (B) लंका प्रेम
- (C) रावण डर
- (D) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा

४७३. ४७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीताक अस्वीकार' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) लंका प्रेम
- (B) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा
- (C) रावण डर
- (D) हनुमान पर घृणा

४७४. ४७४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'सीताक अस्वीकार' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) हनुमान पर घृणा
- (B) रावण डर
- (C) लंका प्रेम
- (D) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा

४७५. ४७५. 'सीताक अस्वीकार'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमान पर घृणा
- (B) रावण डर
- (C) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा
- (D) लंका प्रेम

४७६. ४७६. एहि पाठमे 'सीताक अस्वीकार' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लंका प्रेम
- (B) रावण डर
- (C) हनुमान पर घृणा
- (D) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा

४७७. ४७७. 'सीताक अस्वीकार'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावण डर
- (B) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा
- (C) लंका प्रेम
- (D) हनुमान पर घृणा

४७८. ४७८. कथानकक भीतर 'सीताक अस्वीकार' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) हनुमान पर घृणा
- (B) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा
- (C) रावण डर
- (D) लंका प्रेम

४७९. ४७९. 'सीताक अस्वीकार'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) हनुमान पर घृणा
- (B) लंका प्रेम
- (C) रावण डर
- (D) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा

४८०. ४८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीताक अस्वीकार' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) राम-मर्यादा आ धर्मयुद्धक प्रतिष्ठा
- (B) लंका प्रेम
- (C) हनुमान पर घृणा
- (D) रावण डर

४८१. ४८१. 'चूड़ामणि-संदेश' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (B) रावणक पुरस्कार
- (C) अक्षयकुमारक चिह्न
- (D) सुरसाक परीक्षा

४८२. ४८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'चूड़ामणि-संदेश'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (B) सुरसाक परीक्षा
- (C) अक्षयकुमारक चिह्न
- (D) रावणक पुरस्कार

४८३. ४८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'चूड़ामणि-संदेश' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक पुरस्कार
- (B) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (C) अक्षयकुमारक चिह्न
- (D) सुरसाक परीक्षा

४८४. ४८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'चूड़ामणि-संदेश' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) अक्षयकुमारक चिह्न
- (B) सुरसाक परीक्षा
- (C) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (D) रावणक पुरस्कार

४८५. ४८५. 'चूड़ामणि-संदेश'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रावणक पुरस्कार
- (B) सुरसाक परीक्षा
- (C) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (D) अक्षयकुमारक चिह्न

४८६. ४८६. एहि पाठमे 'चूड़ामणि-संदेश' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (B) रावणक पुरस्कार
- (C) अक्षयकुमारक चिह्न
- (D) सुरसाक परीक्षा

४८७. ४८७. 'चूड़ामणि-संदेश'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) अक्षयकुमारक चिह्न
- (B) रावणक पुरस्कार
- (C) सुरसाक परीक्षा
- (D) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण

४८८. ४८८. कथानकक भीतर 'चूड़ामणि-संदेश' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (B) रावणक पुरस्कार
- (C) अक्षयकुमारक चिह्न
- (D) सुरसाक परीक्षा

४८९. ४८९. 'चूड़ामणि-संदेश'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सुरसाक परीक्षा
- (B) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (C) अक्षयकुमारक चिह्न
- (D) रावणक पुरस्कार

४९०. ४९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'चूड़ामणि-संदेश' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक विश्वास आ विरहक प्रमाण
- (B) सुरसाक परीक्षा
- (C) रावणक पुरस्कार
- (D) अक्षयकुमारक चिह्न

४९१. ४९१. 'सीता-आश्वासन' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) समर्पण कहब
- (B) निराशा बढ़ेनाइ
- (C) राम आगमनक भरोस जगब
- (D) रामक दोष गनब

४९२. ४९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीता-आश्वासन'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रामक दोष गनब
- (B) निराशा बढ़ेनाइ
- (C) राम आगमनक भरोस जगब
- (D) समर्पण कहब

४९३. ४९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीता-आश्वासन' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रामक दोष गनब
- (B) समर्पण कहब
- (C) राम आगमनक भरोस जगब
- (D) निराशा बढ़ेनाइ

४९४. ४९४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सीता-आश्वासन' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) समर्पण कहब
- (B) रामक दोष गनब
- (C) निराशा बढ़ेनाइ
- (D) राम आगमनक भरोस जगब

४९५. ४९५. 'सीता-आश्वासन'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रामक दोष गनब
- (B) राम आगमनक भरोस जगब
- (C) समर्पण कहब
- (D) निराशा बढ़ेनाइ

४९६. ४९६. एहि पाठमे 'सीता-आश्वासन' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) समर्पण कहब
- (B) राम आगमनक भरोस जगब
- (C) रामक दोष गनब
- (D) निराशा बढ़ेनाइ

४९७. ४९७. 'सीता-आश्वासन'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) निराशा बढ़ेनाइ
- (B) राम आगमनक भरोस जगब
- (C) समर्पण कहब
- (D) रामक दोष गनब

४९८. ४९८. कथानकक भीतर 'सीता-आश्वासन' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) निराशा बढ़ेनाइ
- (B) समर्पण कहब
- (C) रामक दोष गनब
- (D) राम आगमनक भरोस जगब

४९९. ४९९. 'सीता-आश्वासन'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) निराशा बढ़ेनाइ
- (B) समर्पण कहब
- (C) राम आगमनक भरोस जगब
- (D) रामक दोष गनब

५००. ५००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीता-आश्वासन' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रामक दोष गनब
- (B) समर्पण कहब
- (C) राम आगमनक भरोस जगब
- (D) निराशा बढ़ेनाइ

5

५०१. ५०१. 'रावणक अहंकार' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव
- (B) सीता-सम्मान
- (C) नम्र रामभक्ति
- (D) सत्य-पालन

५०२. ५०२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रावणक अहंकार'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) नम्र रामभक्ति
- (B) सत्य-पालन
- (C) सीता-सम्मान
- (D) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव

५०३. ५०३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रावणक अहंकार' कें कोना बुझल जाए?

- (A) सत्य-पालन
- (B) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव
- (C) सीता-सम्मान
- (D) नम्र रामभक्ति

५०४. ५०४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'रावणक अहंकार' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सत्य-पालन
- (B) सीता-सम्मान
- (C) नम्र रामभक्ति
- (D) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव

५०५. ५०५. 'रावणक अहंकार'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) सत्य-पालन
- (B) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव
- (C) नम्र रामभक्ति
- (D) सीता-सम्मान

५०६. ५०६. एहि पाठमे 'रावणक अहंकार' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सत्य-पालन
- (B) सीता-सम्मान
- (C) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव
- (D) नम्र रामभक्ति

५०७. ५०७. 'रावणक अहंकार'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीता-सम्मान
- (B) नम्र रामभक्ति
- (C) सत्य-पालन
- (D) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव

५०८. ५०८. कथानकक भीतर 'रावणक अहंकार' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सत्य-पालन
- (B) सीता-सम्मान
- (C) नम्र रामभक्ति
- (D) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव

५०९. ५०९. 'रावणक अहंकार'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव
- (B) सीता-सम्मान
- (C) नम्र रामभक्ति
- (D) सत्य-पालन

५१०. ५१०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रावणक अहंकार' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीता-सम्मान
- (B) सत्य-पालन
- (C) नम्र रामभक्ति
- (D) बल पर मद आ धर्मबोधक अभाव

५११. ५११. 'सीताक प्रतिरोध' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (B) लोभक विजय
- (C) रामक निन्दा
- (D) भयक समर्पण

५१२. ५१२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीताक प्रतिरोध'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रामक निन्दा
- (B) भयक समर्पण
- (C) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (D) लोभक विजय

५१३. ५१३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीताक प्रतिरोध' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) भयक समर्पण
- (B) रामक निन्दा
- (C) लोभक विजय
- (D) अन्याय सामने अडिग मर्यादा

५१४. ५१४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'सीताक प्रतिरोध' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (B) रामक निन्दा
- (C) लोभक विजय
- (D) भयक समर्पण

५१५. ५१५. 'सीताक प्रतिरोध'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) भयक समर्पण
- (B) रामक निन्दा
- (C) लोभक विजय
- (D) अन्याय सामने अडिग मर्यादा

५१६. ५१६. एहि पाठमे 'सीताक प्रतिरोध' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोभक विजय
- (B) रामक निन्दा
- (C) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (D) भयक समर्पण

५१७. ५१७. 'सीताक प्रतिरोध'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) लोभक विजय
- (B) रामक निन्दा
- (C) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (D) भयक समर्पण

५१८. ५१८. कथानकक भीतर 'सीताक प्रतिरोध' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (B) भयक समर्पण
- (C) लोभक विजय
- (D) रामक निन्दा

५१९. ५१९. 'सीताक प्रतिरोध'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) लोभक विजय
- (B) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (C) रामक निन्दा
- (D) भयक समर्पण

५२०. ५२०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीताक प्रतिरोध' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) लोभक विजय
- (B) रामक निन्दा
- (C) अन्याय सामने अडिग मर्यादा
- (D) भयक समर्पण

५२१. ५२१. 'त्रिजटाक स्वप्न' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) हनुमानक पलायन
- (B) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (C) सीताक दोष
- (D) रामक हार

५२२. ५२२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'त्रिजटाक स्वप्न'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (B) रामक हार
- (C) हनुमानक पलायन
- (D) सीताक दोष

५२३. ५२३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'त्रिजटाक स्वप्न' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक दोष
- (B) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (C) हनुमानक पलायन
- (D) रामक हार

५२४. ५२४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'त्रिजटाक स्वप्न' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीताक दोष
- (B) रामक हार
- (C) हनुमानक पलायन
- (D) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत

५२५. ५२५. 'त्रिजटाक स्वप्न'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमानक पलायन
- (B) रामक हार
- (C) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (D) सीताक दोष

५२६. ५२६. एहि पाठमे 'त्रिजटाक स्वप्न' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) हनुमानक पलायन
- (B) सीताक दोष
- (C) रामक हार
- (D) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत

५२७. ५२७. 'त्रिजटाक स्वप्न'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (B) रामक हार
- (C) सीताक दोष
- (D) हनुमानक पलायन

५२८. ५२८. कथानकक भीतर 'त्रिजटाक स्वप्न' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सीताक दोष
- (B) हनुमानक पलायन
- (C) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (D) रामक हार

५२९. ५२९. 'त्रिजटाक स्वप्न'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत
- (B) रामक हार
- (C) सीताक दोष
- (D) हनुमानक पलायन

५३०. ५३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'त्रिजटाक स्वप्न' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक दोष
- (B) हनुमानक पलायन
- (C) रामक हार
- (D) रावण-पतन आ राम-विजयक संकेत

५३१. ५३१. 'दुष्ट सत्ता' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (B) ऋषि-धर्म
- (C) भक्तिसभा
- (D) न्यायपूर्ण शासन

५३२. ५३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'दुष्ट सत्ता'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) ऋषि-धर्म
- (B) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (C) भक्तिसभा
- (D) न्यायपूर्ण शासन

५३३. ५३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'दुष्ट सत्ता' कें कोना बुझल जाए?

- (A) भक्तिसभा
- (B) न्यायपूर्ण शासन
- (C) ऋषि-धर्म
- (D) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता

५३४. ५३४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'दुष्ट सत्ता' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) न्यायपूर्ण शासन
- (B) ऋषि-धर्म
- (C) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (D) भक्तिसभा

५३५. ५३५. 'दुष्ट सत्ता'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (B) न्यायपूर्ण शासन
- (C) ऋषि-धर्म
- (D) भक्तिसभा

५३६. ५३६. एहि पाठमे 'दुष्ट सत्ता' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (B) ऋषि-धर्म
- (C) न्यायपूर्ण शासन
- (D) भक्तिसभा

५३७. ५३७. 'दुष्ट सत्ता'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) न्यायपूर्ण शासन
- (B) भक्तिसभा
- (C) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (D) ऋषि-धर्म

५३८. ५३८. कथानकक भीतर 'दुष्ट सत्ता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (B) ऋषि-धर्म
- (C) न्यायपूर्ण शासन
- (D) भक्तिसभा

५३९. ५३९. 'दुष्ट सत्ता'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता
- (B) भक्तिसभा
- (C) न्यायपूर्ण शासन
- (D) ऋषि-धर्म

५४०. ५४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'दुष्ट सत्ता' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) भक्तिसभा
- (B) ऋषि-धर्म
- (C) न्यायपूर्ण शासन
- (D) बाह्य वैभवक भीतर नैतिक शून्यता

५४१. ५४१. 'स्त्री-मर्यादा' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) भयक मौन
- (B) लोभक बन्धन
- (C) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (D) रावणक इच्छा

५४२. ५४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'स्त्री-मर्यादा'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) भयक मौन
- (B) रावणक इच्छा
- (C) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (D) लोभक बन्धन

५४३. ५४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'स्त्री-मर्यादा' कें कोना बुझल जाए?

- (A) रावणक इच्छा
- (B) भयक मौन
- (C) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (D) लोभक बन्धन

५४४. ५४४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'स्त्री-मर्यादा' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) भयक मौन
- (B) रावणक इच्छा
- (C) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (D) लोभक बन्धन

५४५. ५४५. 'स्त्री-मर्यादा'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) लोभक बन्धन
- (B) भयक मौन
- (C) रावणक इच्छा
- (D) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति

५४६. ५४६. एहि पाठमे 'स्त्री-मर्यादा' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक इच्छा
- (B) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (C) भयक मौन
- (D) लोभक बन्धन

५४७. ५४७. 'स्त्री-मर्यादा'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक इच्छा
- (B) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (C) लोभक बन्धन
- (D) भयक मौन

५४८. ५४८. कथानकक भीतर 'स्त्री-मर्यादा' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोभक बन्धन
- (B) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (C) रावणक इच्छा
- (D) भयक मौन

५४९. ५४९. 'स्त्री-मर्यादा'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) भयक मौन
- (B) लोभक बन्धन
- (C) रावणक इच्छा
- (D) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति

५५०. ५५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'स्त्री-मर्यादा' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) लोभक बन्धन
- (B) सीताक आत्मगौरव आ निर्णय-शक्ति
- (C) भयक मौन
- (D) रावणक इच्छा

५५१. ५५१. 'दूत-नीति' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) संदेश बदलि देनाइ
- (B) रामकाज विस्मरण
- (C) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (D) शत्रुक खुशामद

५५२. ५५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'दूत-नीति'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (B) रामकाज विस्मरण
- (C) शत्रुक खुशामद
- (D) संदेश बदलि देनाइ

५५३. ५५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'दूत-नीति' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) संदेश बदलि देनाइ
- (B) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (C) रामकाज विस्मरण
- (D) शत्रुक खुशामद

५५४. ५५४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'दूत-नीति' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामकाज विस्मरण
- (B) संदेश बदलि देनाइ
- (C) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (D) शत्रुक खुशामद

५५५. ५५५. 'दूत-नीति'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) संदेश बदलि देनाइ
- (B) शत्रुक खुशामद
- (C) रामकाज विस्मरण
- (D) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब

५५६. ५५६. एहि पाठमे 'दूत-नीति' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (B) रामकाज विस्मरण
- (C) शत्रुक खुशामद
- (D) संदेश बदलि देनाइ

५५७. ५५७. 'दूत-नीति'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (B) संदेश बदलि देनाइ
- (C) रामकाज विस्मरण
- (D) शत्रुक खुशामद

५५८. ५५८. कथानकक भीतर 'दूत-नीति' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) संदेश बदलि देनाइ
- (B) रामकाज विस्मरण
- (C) शत्रुक खुशामद
- (D) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब

५५९. ५५९. 'दूत-नीति'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) संदेश बदलि देनाइ
- (B) शत्रुक खुशामद
- (C) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (D) रामकाज विस्मरण

५६०. ५६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'दूत-नीति' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रामकाज विस्मरण
- (B) सत्य संदेश निर्भयतासँ कहब
- (C) संदेश बदलि देनाइ
- (D) शत्रुक खुशामद

५६१. ५६१. 'विभीषण-बुद्धि' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (B) सीताक विरोध
- (C) अहंकारक चरम
- (D) रामक निन्दा

५६२. ५६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'विभीषण-बुद्धि'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) अहंकारक चरम
- (B) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (C) रामक निन्दा
- (D) सीताक विरोध

५६३. ५६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'विभीषण-बुद्धि' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (B) सीताक विरोध
- (C) अहंकारक चरम
- (D) रामक निन्दा

५६४. ५६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'विभीषण-बुद्धि' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) अहंकारक चरम
- (B) सीताक विरोध
- (C) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (D) रामक निन्दा

५६५. ५६५. 'विभीषण-बुद्धि'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रामक निन्दा
- (B) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (C) अहंकारक चरम
- (D) सीताक विरोध

५६६. ५६६. एहि पाठमे 'विभीषण-बुद्धि' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अहंकारक चरम
- (B) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (C) रामक निन्दा
- (D) सीताक विरोध

५६७. ५६७. 'विभीषण-बुद्धि'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (B) सीताक विरोध
- (C) अहंकारक चरम
- (D) रामक निन्दा

५६८. ५६८. कथानकक भीतर 'विभीषण-बुद्धि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रामक निन्दा
- (B) सीताक विरोध
- (C) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना
- (D) अहंकारक चरम

५६९. ५६९. 'विभीषण-बुद्धि'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीताक विरोध
- (B) रामक निन्दा
- (C) अहंकारक चरम
- (D) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना

५७०. ५७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'विभीषण-बुद्धि' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक विरोध
- (B) अहंकारक चरम
- (C) रामक निन्दा
- (D) अधर्म-परिवेशमे धर्मक संभावना

५७१. ५७१. 'धमकीक विफलता' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) राम विस्मृत भेलाह
- (B) धर्म हारि गेल
- (C) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकें तोड़ि नहि सकैत
- (D) सीता झुकि गेलथि

५७२. ५७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'धमकीक विफलता'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राम विस्मृत भेलाह
- (B) धर्म हारि गेल
- (C) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकें तोड़ि नहि सकैत
- (D) सीता झुकि गेलथि

५७३. ५७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'धमकीक विफलता' कें कोना बुझल जाए?

- (A) सीता झुकि गेलथि
- (B) धर्म हारि गेल
- (C) राम विस्मृत भेलाह
- (D) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकें तोड़ि नहि सकैत

५७४. ५७४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'धमकीक विफलता' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) सीता झुकि गेलथि
- (B) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकें तोड़ि नहि सकैत
- (C) धर्म हारि गेल
- (D) राम विस्मृत भेलाह

५७५. ५७५. 'धमकीक विफलता'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकें तोड़ि नहि सकैत
- (B) राम विस्मृत भेलाह
- (C) सीता झुकि गेलथि
- (D) धर्म हारि गेल

५७६. ५७६. एहि पाठमे 'धमकीक विफलता' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकें तोड़ि नहि सकैत
- (B) धर्म हारि गेल
- (C) सीता झुकि गेलथि
- (D) राम विस्मृत भेलाह

५७७. ५७७. 'धमकीक विफलता'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) राम विस्मृत भेलाह
- (B) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकेँ तोड़ि नहि सकैत
- (C) सीता झुकि गेलथि
- (D) धर्म हारि गेल

५७८. ५७८. कथानकक भीतर 'धमकीक विफलता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सीता झुकि गेलथि
- (B) राम विस्मृत भेलाह
- (C) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकेँ तोड़ि नहि सकैत
- (D) धर्म हारि गेल

५७९. ५७९. 'धमकीक विफलता'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीता झुकि गेलथि
- (B) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकेँ तोड़ि नहि सकैत
- (C) राम विस्मृत भेलाह
- (D) धर्म हारि गेल

५८०. ५८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'धमकीक विफलता' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) बलात् दबाव सत्यनिष्ठाकेँ तोड़ि नहि सकैत
- (B) धर्म हारि गेल
- (C) सीता झुकि गेलथि
- (D) राम विस्मृत भेलाह

५८१. ५८१. 'रावणक भ्रम' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) भक्ति
- (B) मर्यादा
- (C) बलकेँ धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (D) विनय

५८२. ५८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रावणक भ्रम'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) बलकेँ धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (B) विनय
- (C) मर्यादा
- (D) भक्ति

५८३. ५८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रावणक भ्रम' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) विनय
- (B) मर्यादा
- (C) भक्ति
- (D) बलकेँ धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल

५८४. ५८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'रावणक भ्रम' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) विनय
- (B) बलकेँ धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (C) मर्यादा
- (D) भक्ति

५८५. ५८५. 'रावणक भ्रम'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) विनय
- (B) मर्यादा
- (C) भक्ति
- (D) बलकें धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल

५८६. ५८६. एहि पाठमे 'रावणक भ्रम' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) बलकें धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (B) भक्ति
- (C) मर्यादा
- (D) विनय

५८७. ५८७. 'रावणक भ्रम'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) मर्यादा
- (B) बलकें धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (C) भक्ति
- (D) विनय

५८८. ५८८. कथानकक भीतर 'रावणक भ्रम' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) बलकें धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (B) मर्यादा
- (C) विनय
- (D) भक्ति

५८९. ५८९. 'रावणक भ्रम'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) भक्ति
- (B) बलकें धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (C) विनय
- (D) मर्यादा

५९०. ५९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रावणक भ्रम' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) बलकें धर्मसँ ऊपर मानबाक भूल
- (B) विनय
- (C) मर्यादा
- (D) भक्ति

५९१. ५९१. 'नैतिक केन्द्र' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा
- (B) राक्षसी शोर
- (C) लंका-दर्प
- (D) रावणक धन

५९२. ५९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'नैतिक केन्द्र'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) राक्षसी शोर
- (B) लंका-दर्प
- (C) रावणक धन
- (D) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा

५९३. ५९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'नैतिक केन्द्र' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) राक्षसी शोर
- (B) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा
- (C) रावणक धन
- (D) लंका-दर्प

५९४. ५९४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'नैतिक केन्द्र' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) लंका-दर्प
- (B) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा
- (C) राक्षसी शोर
- (D) रावणक धन

५९५. ५९५. 'नैतिक केन्द्र'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा
- (B) रावणक धन
- (C) राक्षसी शोर
- (D) लंका-दर्प

५९६. ५९६. एहि पाठमे 'नैतिक केन्द्र' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) राक्षसी शोर
- (B) रावणक धन
- (C) लंका-दर्प
- (D) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा

५९७. ५९७. 'नैतिक केन्द्र'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) लंका-दर्प
- (B) राक्षसी शोर
- (C) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा
- (D) रावणक धन

५९८. ५९८. कथानकक भीतर 'नैतिक केन्द्र' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) राक्षसी शोर
- (B) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा
- (C) रावणक धन
- (D) लंका-दर्प

५९९. ५९९. 'नैतिक केन्द्र'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावणक धन
- (B) लंका-दर्प
- (C) राक्षसी शोर
- (D) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा

६००. ६००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'नैतिक केन्द्र' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) राक्षसी शोर
- (B) लंका-दर्प
- (C) रावणक धन
- (D) राम-सीताक सत्य आ मर्यादा

६०१. ६०१. 'वाटिका-विनाश' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) भयक पलायन
- (B) सीताक दोष
- (C) रामकाजक अन्त
- (D) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी

६०२. ६०२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'वाटिका-विनाश'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी
- (B) सीताक दोष
- (C) रामकाजक अन्त
- (D) भयक पलायन

६०३. ६०३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'वाटिका-विनाश' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सीताक दोष
- (B) भयक पलायन
- (C) रामकाजक अन्त
- (D) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी

६०४. ६०४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'वाटिका-विनाश' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामकाजक अन्त
- (B) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी
- (C) सीताक दोष
- (D) भयक पलायन

६०५. ६०५. 'वाटिका-विनाश'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) सीताक दोष
- (B) भयक पलायन
- (C) रामकाजक अन्त
- (D) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी

६०६. ६०६. एहि पाठमे 'वाटिका-विनाश' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक दोष
- (B) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी
- (C) रामकाजक अन्त
- (D) भयक पलायन

६०७. ६०७. 'वाटिका-विनाश'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी
- (B) भयक पलायन
- (C) रामकाजक अन्त
- (D) सीताक दोष

६०८. ६०८. कथानकक भीतर 'वाटिका-विनाश' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रामकाजक अन्त
- (B) सीताक दोष
- (C) भयक पलायन
- (D) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी

६०९. ६०९. 'वाटिका-विनाश' के चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) भयक पलायन
- (B) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी
- (C) सीताक दोष
- (D) रामकाजक अन्त

६१०. ६१०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'वाटिका-विनाश' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रामकाजक अन्त
- (B) शत्रुबलक परीक्षा आ चेतावनी
- (C) भयक पलायन
- (D) सीताक दोष

६११. ६११. 'राक्षस-संग्राम' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) हनुमानक वीरता
- (B) सीताक भ्रम
- (C) रावणक दया
- (D) सुग्रीवक राजतिलक

६१२. ६१२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'राक्षस-संग्राम'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक दया
- (B) सुग्रीवक राजतिलक
- (C) सीताक भ्रम
- (D) हनुमानक वीरता

६१३. ६१३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'राक्षस-संग्राम' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) सुग्रीवक राजतिलक
- (B) सीताक भ्रम
- (C) हनुमानक वीरता
- (D) रावणक दया

६१४. ६१४. परीक्षा-दृष्टिसेँ 'राक्षस-संग्राम' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रावणक दया
- (B) सीताक भ्रम
- (C) सुग्रीवक राजतिलक
- (D) हनुमानक वीरता

६१५. ६१५. 'राक्षस-संग्राम'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) सीताक भ्रम
- (B) रावणक दया
- (C) हनुमानक वीरता
- (D) सुग्रीवक राजतिलक

६१६. ६१६. एहि पाठमे 'राक्षस-संग्राम' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रावणक दया
- (B) सीताक भ्रम
- (C) हनुमानक वीरता
- (D) सुग्रीवक राजतिलक

६१७. ६१७. 'राक्षस-संग्राम'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सुग्रीवक राजतिलक
- (B) हनुमानक वीरता
- (C) रावणक दया
- (D) सीताक भ्रम

६१८. ६१८. कथानकक भीतर 'राक्षस-संग्राम' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) सीताक भ्रम
- (B) रावणक दया
- (C) हनुमानक वीरता
- (D) सुग्रीवक राजतिलक

६१९. ६१९. 'राक्षस-संग्राम'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) हनुमानक वीरता
- (B) सीताक भ्रम
- (C) सुग्रीवक राजतिलक
- (D) रावणक दया

६२०. ६२०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'राक्षस-संग्राम' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सुग्रीवक राजतिलक
- (B) सीताक भ्रम
- (C) रावणक दया
- (D) हनुमानक वीरता

६२१. ६२१. 'अक्षयकुमार-वध' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) मैनाकक स्वागत
- (B) रामक वनवास
- (C) सीताक गीत
- (D) रावण-पक्षक बल पर प्रहार

६२२. ६२२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'अक्षयकुमार-वध'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) मैनाकक स्वागत
- (B) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (C) रामक वनवास
- (D) सीताक गीत

६२३. ६२३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'अक्षयकुमार-वध' कें कोना बुझल जाए?

- (A) मैनाकक स्वागत
- (B) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (C) सीताक गीत
- (D) रामक वनवास

६२४. ६२४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'अक्षयकुमार-वध' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामक वनवास
- (B) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (C) मैनाकक स्वागत
- (D) सीताक गीत

६२५. ६२५. 'अक्षयकुमार-वध'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) मैनाकक स्वागत
- (B) सीताक गीत
- (C) रामक वनवास
- (D) रावण-पक्षक बल पर प्रहार

६२६. ६२६. एहि पाठमे 'अक्षयकुमार-वध' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक गीत
- (B) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (C) रामक वनवास
- (D) मैनाकक स्वागत

६२७. ६२७. 'अक्षयकुमार-वध'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीताक गीत
- (B) रामक वनवास
- (C) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (D) मैनाकक स्वागत

६२८. ६२८. कथानकक भीतर 'अक्षयकुमार-वध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) रामक वनवास
- (B) सीताक गीत
- (C) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (D) मैनाकक स्वागत

६२९. ६२९. 'अक्षयकुमार-वध'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावण-पक्षक बल पर प्रहार
- (B) मैनाकक स्वागत
- (C) रामक वनवास
- (D) सीताक गीत

६३०. ६३०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'अक्षयकुमार-वध' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) सीताक गीत
- (B) रामक वनवास
- (C) मैनाकक स्वागत
- (D) रावण-पक्षक बल पर प्रहार

६३१. ६३१. 'मेघनाद-बन्धन' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) रामभक्ति त्याग
- (B) पूर्ण पराजय
- (C) संदेश-विस्मरण
- (D) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर

६३२. ६३२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'मेघनाद-बन्धन'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (B) रामभक्ति त्याग
- (C) पूर्ण पराजय
- (D) संदेश-विस्मरण

६३३. ६३३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'मेघनाद-बन्धन' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (B) संदेश-विस्मरण
- (C) पूर्ण पराजय
- (D) रामभक्ति त्याग

६३४. ६३४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'मेघनाद-बन्धन' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामभक्ति त्याग
- (B) पूर्ण पराजय
- (C) संदेश-विस्मरण
- (D) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर

६३५. ६३५. 'मेघनाद-बन्धन'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) रामभक्ति त्याग
- (B) संदेश-विस्मरण
- (C) पूर्ण पराजय
- (D) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर

६३६. ६३६. एहि पाठमे 'मेघनाद-बन्धन' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (B) रामभक्ति त्याग
- (C) संदेश-विस्मरण
- (D) पूर्ण पराजय

६३७. ६३७. 'मेघनाद-बन्धन'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रामभक्ति त्याग
- (B) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (C) पूर्ण पराजय
- (D) संदेश-विस्मरण

६३८. ६३८. कथानकक भीतर 'मेघनाद-बन्धन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पूर्ण पराजय
- (B) रामभक्ति त्याग
- (C) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (D) संदेश-विस्मरण

६३९. ६३९. 'मेघनाद-बन्धन'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) पूर्ण पराजय
- (B) रामभक्ति त्याग
- (C) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (D) संदेश-विस्मरण

६४०. ६४०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'मेघनाद-बन्धन' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) दरबार पहुँचेबाक रणनीतिक अवसर
- (B) संदेश-विस्मरण
- (C) पूर्ण पराजय
- (D) रामभक्ति त्याग

६४१. ६४१. 'ब्रह्मास्त्र-मान' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अज्ञान
- (B) रावणक कृपा
- (C) डरक जड़ता
- (D) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक

६४२. ६४२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'ब्रह्मास्त्र-मान'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावणक कृपा
- (B) डरक जड़ता
- (C) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक
- (D) अज्ञान

६४३. ६४३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'ब्रह्मास्त्र-मान' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) डरक जड़ता
- (B) अज्ञान
- (C) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक
- (D) रावणक कृपा

६४४. ६४४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'ब्रह्मास्त्र-मान' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक
- (B) डरक जड़ता
- (C) अज्ञान
- (D) रावणक कृपा

६४५. ६४५. 'ब्रह्मास्त्र-मान'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अज्ञान
- (B) रावणक कृपा
- (C) डरक जड़ता
- (D) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक

६४६. ६४६. एहि पाठमे 'ब्रह्मास्त्र-मान' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अज्ञान
- (B) डरक जड़ता
- (C) रावणक कृपा
- (D) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक

६४७. ६४७. 'ब्रह्मास्त्र-मान'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रावणक कृपा
- (B) अज्ञान
- (C) डरक जड़ता
- (D) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक

६४८. ६४८. कथानकक भीतर 'ब्रह्मास्त्र-मान' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रावणक कृपा
- (B) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक
- (C) डरक जड़ता
- (D) अज्ञान

६४९. ६४९. 'ब्रह्मास्त्र-मान'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावणक कृपा
- (B) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक
- (C) डरक जड़ता
- (D) अज्ञान

६५०. ६५०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'ब्रह्मास्त्र-मान' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) डरक जड़ता
- (B) अज्ञान
- (C) शस्त्र-मर्यादा आ विवेक
- (D) रावणक कृपा

६५१. ६५१. 'रावण-दरबार' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीता-दोष
- (B) रामनिन्दा
- (C) भयक मौन
- (D) शत्रु समक्ष राम-संदेश

६५२. ६५२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'रावण-दरबार'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) सीता-दोष
- (B) भयक मौन
- (C) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (D) रामनिन्दा

६५३. ६५३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'रावण-दरबार' कें कोना बुझल जाए?

- (A) सीता-दोष
- (B) रामनिन्दा
- (C) भयक मौन
- (D) शत्रु समक्ष राम-संदेश

६५४. ६५४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'रावण-दरबार' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) रामनिन्दा
- (B) सीता-दोष
- (C) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (D) भयक मौन

६५५. ६५५. 'रावण-दरबार'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) भयक मौन
- (B) रामनिन्दा
- (C) सीता-दोष
- (D) शत्रु समक्ष राम-संदेश

६५६. ६५६. एहि पाठमे 'रावण-दरबार' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भयक मौन
- (B) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (C) सीता-दोष
- (D) रामनिन्दा

६५७. ६५७. 'रावण-दरबार'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) भयक मौन
- (B) रामनिन्दा
- (C) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (D) सीता-दोष

६५८. ६५८. कथानकक भीतर 'रावण-दरबार' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) रामनिन्दा
- (B) सीता-दोष
- (C) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (D) भयक मौन

६५९. ६५९. 'रावण-दरबार'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) सीता-दोष
- (B) भयक मौन
- (C) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (D) रामनिन्दा

६६०. ६६०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'रावण-दरबार' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) शत्रु समक्ष राम-संदेश
- (B) रामनिन्दा
- (C) सीता-दोष
- (D) भयक मौन

६६१. ६६१. 'पूँछमे आगि' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (B) मैनाकक पूजा
- (C) समुद्रक वरदान
- (D) सीताक उपहार

६६२. ६६२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'पूँछमे आगि'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) समुद्रक वरदान
- (B) मैनाकक पूजा
- (C) सीताक उपहार
- (D) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल

६६३. ६६३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'पूँछमे आगि' कें कोना बुझल जाए?

- (A) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (B) मैनाकक पूजा
- (C) समुद्रक वरदान
- (D) सीताक उपहार

६६४. ६६४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'पूँछमे आगि' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) समुद्रक वरदान
- (B) सीताक उपहार
- (C) मैनाकक पूजा
- (D) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल

६६५. ६६५. 'पूँछमे आगि'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (B) मैनाकक पूजा
- (C) समुद्रक वरदान
- (D) सीताक उपहार

६६६. ६६६. एहि पाठमे 'पूँछमे आगि' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीताक उपहार
- (B) समुद्रक वरदान
- (C) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (D) मैनाकक पूजा

६६७. ६६७. 'पूँछमे आगि'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीताक उपहार
- (B) मैनाकक पूजा
- (C) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (D) समुद्रक वरदान

६६८. ६६८. कथानकक भीतर 'पूँछमे आगि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) समुद्रक वरदान
- (B) मैनाकक पूजा
- (C) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (D) सीताक उपहार

६६९. ६६९. 'पूँछमे आगि'क चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल
- (B) सीताक उपहार
- (C) समुद्रक वरदान
- (D) मैनाकक पूजा

६७०. ६७०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'पूँछमे आगि' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) मैनाकक पूजा
- (B) सीताक उपहार
- (C) समुद्रक वरदान
- (D) अपमानक उपाय जे लंका-दहन बनल

६७१. ६७१. 'अग्नि' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) सीता-दाहक दोष
- (B) रामभक्ति-विरोध
- (C) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (D) हनुमानक भय

६७२. ६७२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'अग्नि'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) हनुमानक भय
- (B) सीता-दाहक दोष
- (C) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (D) रामभक्ति-विरोध

६७३. ६७३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'अग्नि' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) रामभक्ति-विरोध
- (B) सीता-दाहक दोष
- (C) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (D) हनुमानक भय

६७४. ६७४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'अग्नि' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) हनुमानक भय
- (B) सीता-दाहक दोष
- (C) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (D) रामभक्ति-विरोध

६७५. ६७५. 'अग्नि'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) हनुमानक भय
- (B) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (C) सीता-दाहक दोष
- (D) रामभक्ति-विरोध

६७६. ६७६. एहि पाठमे 'अग्नि' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (B) हनुमानक भय
- (C) रामभक्ति-विरोध
- (D) सीता-दाहक दोष

६७७. ६७७. 'अग्नि'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) सीता-दाहक दोष
- (B) हनुमानक भय
- (C) रामभक्ति-विरोध
- (D) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक

६७८. ६७८. कथानकक भीतर 'अग्नि' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) हनुमानक भय
- (B) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (C) रामभक्ति-विरोध
- (D) सीता-दाहक दोष

६७९. ६७९. 'अग्नि'केँ चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) हनुमानक भय
- (B) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक
- (C) रामभक्ति-विरोध
- (D) सीता-दाहक दोष

६८०. ६८०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'अग्नि' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) रामभक्ति-विरोध
- (B) सीता-दाहक दोष
- (C) हनुमानक भय
- (D) अधर्मक दर्प भस्म करयवला प्रतीक

६८१. ६८१. 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।

- (A) मुद्रिका-विस्मरण
- (B) वीरता संग करुण सावधानी
- (C) स्वयं यशक नशा
- (D) रावण-सुख

६८२. ६८२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता'क मुख्य अर्थ की अछि?

- (A) रावण-सुख
- (B) वीरता संग करुण सावधानी
- (C) स्वयं यशक नशा
- (D) मुद्रिका-विस्मरण

६८३. ६८३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता' केँ कोना बुझल जाए?

- (A) मुद्रिका-विस्मरण
- (B) स्वयं यशक नशा
- (C) वीरता संग करुण सावधानी
- (D) रावण-सुख

६८४. ६८४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता' पर सही कथन कोन अछि?

- (A) वीरता संग करुण सावधानी
- (B) मुद्रिका-विस्मरण
- (C) स्वयं यशक नशा
- (D) रावण-सुख

६८५. ६८५. 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?

- (A) वीरता संग करुण सावधानी
- (B) रावण-सुख
- (C) मुद्रिका-विस्मरण
- (D) स्वयं यशक नशा

६८६. ६८६. एहि पाठमे 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?

- (A) स्वयं यशक नशा
- (B) रावण-सुख
- (C) वीरता संग करुण सावधानी
- (D) मुद्रिका-विस्मरण

६८७. ६८७. 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) वीरता संग करुण सावधानी
- (B) स्वयं यशक नशा
- (C) रावण-सुख
- (D) मुद्रिका-विस्मरण

६८८. ६८८. कथानकक भीतर 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) मुद्रिका-विस्मरण
- (B) रावण-सुख
- (C) वीरता संग करुण सावधानी
- (D) स्वयं यशक नशा

६८९. ६८९. 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?
- (A) रावण-सुख
(B) मुद्रिका-विस्मरण
(C) वीरता संग करुण सावधानी
(D) स्वयं यशक नशा
६९०. ६९०. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'सीता-सुरक्षा-चिन्ता' पर कोन बात लिखब उचित?
- (A) वीरता संग करुण सावधानी
(B) मुद्रिका-विस्मरण
(C) स्वयं यशक नशा
(D) रावण-सुख
६९१. ६९१. 'लंकाक भय' सम्बन्धी सही उत्तर चुनू।
- (A) सीताक दोष
(B) रावणक निश्चिन्तता
(C) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
(D) रामक हार
६९२. ६९२. सुन्दरकाण्डक प्रसंगमे 'लंकाक भय'क मुख्य अर्थ की अछि?
- (A) रामक हार
(B) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
(C) सीताक दोष
(D) रावणक निश्चिन्तता
६९३. ६९३. चन्दा झाक मिथिला-भाषा रामायणमे 'लंकाक भय' कें कोना बुझल जाए?
- (A) रामक हार
(B) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
(C) रावणक निश्चिन्तता
(D) सीताक दोष
६९४. ६९४. परीक्षा-दृष्टिसँ 'लंकाक भय' पर सही कथन कोन अछि?
- (A) सीताक दोष
(B) रावणक निश्चिन्तता
(C) रामक हार
(D) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
६९५. ६९५. 'लंकाक भय'क साहित्यिक भूमिका की मानल जाए?
- (A) सीताक दोष
(B) रावणक निश्चिन्तता
(C) रामक हार
(D) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
६९६. ६९६. एहि पाठमे 'लंकाक भय' कोन बात स्पष्ट करैत अछि?
- (A) सीताक दोष
(B) रामक हार
(C) रावणक निश्चिन्तता
(D) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब

६९७. ६९७. 'लंकाक भय'क प्रसंगक उचित व्याख्या कोन अछि?

- (A) रामक हार
- (B) सीताक दोष
- (C) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
- (D) रावणक निश्चिन्तता

६९८. ६९८. कथानकक भीतर 'लंकाक भय' किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
- (B) सीताक दोष
- (C) रामक हार
- (D) रावणक निश्चिन्तता

६९९. ६९९. 'लंकाक भय'कें चिन्हबाक लेल सही संकेत कोन अछि?

- (A) रावणक निश्चिन्तता
- (B) सीताक दोष
- (C) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
- (D) रामक हार

७००. ७००. आलोचनात्मक अध्ययनमे 'लंकाक भय' पर कोन बात लिखब उचित?

- (A) एक दूतसँ असुरराज्यक आत्मविश्वास हिलब
- (B) रामक हार
- (C) रावणक निश्चिन्तता
- (D) सीताक दोष

उत्तरमाला — अध्याय १३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

२. (B) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

३. (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

४. (A) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

५. (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

६. (C) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

७. (D) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

८. (A) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

९. (B) मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता — 'कविश्वर चन्दा झा' प्रसंगमे सही बात ई अछि जे मिथिला-भाषा रामायणक रचयिता। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

393

[illegible]

[illegible]

[illegible]

૨૨૧. (B) ગતિ, શક્તિ આ નિર્ભયતાક પ્રતીક — ‘પવન-સુત’ પ્રસંગમે સહી બાત ઈ અછિ જે ગતિ, શક્તિ આ નિર્ભયતાક પ્રતીક। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

६२९. (A) रावण-पक्षक बल पर प्रहार — ‘अक्षयकुमार-वध’ प्रसंगमे सही बात ई अछि जे रावण-पक्षक बल पर प्रहार। एहि कारण ई उत्तर सुन्दरकाण्डक कथा, भाव आ परीक्षा-दृष्टिसँ उपयुक्त अछि।

[illegible]

[illegible]

